

कृषि डायरी

२०७६



नेपाल सरकार
कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय
कृषि सूचना तथा प्रशिक्षण केन्द्र
हरिहरभवन, ललितपुर

व्यक्तिगत विवरण

नाम :

पद :

कार्यालयको नाम :

ठेगाना :

फोन :

इमेल :

वेभसाइट :

मोबाइल नं. :

स्थायी ठेगाना :

फोन नं. :

कर्मचारी संचयकोष नं. :

नागरिक लगानी कोष नं. :

चालक अनुमति पत्र नं. :

नागरिकता नं./राहदानी नं. :

सावधिक जीवन बीमा कोष नं. :

जीवन बीमा नं. :

रक्त समूह :

कुनै दुर्घटना भएमा खबर गरिदिनुहोस :

कार्य योजना
(WORK PLAN)

| वैशाख २०७६ | | | | Apr/ May 2019 | | |
|---------------|---------------|----------------|---------------|---------------|-----------------|---------------|
| आइतबार SUN | सोमबार MON | मंगलबार TUE | बुधबार WED | बिहवार THU | शुक्रबार FRI | शनिबार SAT |
| १ APR 14 | २ 15 | ३ 16 | ४ 17 | ५ 18 | ६ 19 | ७ 20 |
| ८ 21 | ९ 22 | १० 23 | ११ 24 | १२ 25 | १३ 26 | १४ 27 |
| १५ 28 | १६ 29 | १७ 30 | १८ MAY 1 | १९ 2 | २० 3 | २१ 4 |
| २२ 5 | २३ 6 | २४ 7 | २५ 8 | २६ 9 | २७ 10 | २८ 11 |
| २९ 12 | ३० 13 | ३१ 14 | | | | |

सार्वजनिक तथा पर्व विदाहरु: १(नव वर्ष), ११ (लोकतन्त्र दिवस), १८ (मजदूर दिवस),

| जेष्ठ २०७६ | | | | May/ Jun 2019 | | |
|---------------|---------------|----------------|---------------|---------------|-----------------|---------------|
| आइतबार SUN | सोमबार MON | मंगलबार TUE | बुधबार WED | बिहवार THU | शुक्रबार FRI | शनिबार SAT |
| | | | १ 15 | २ 16 | ३ 17 | ४ 18 |
| ५ 19 | ६ 20 | ७ 21 | ८ 22 | ९ 23 | १० 24 | ११ 25 |
| १२ 26 | १३ 27 | १४ 28 | १५ 29 | १६ 30 | १७ 31 | १८ 1 |
| १९ 2 | २० 3 | २१ 4 | २२ 5 | २३ 6 | २४ 7 | २५ 8 |
| २६ 9 | २७ 10 | २८ 11 | २९ 12 | ३० 13 | ३१ 14 | ३२ 15 |

सार्वजनिक तथा पर्व विदाहरु: ४ (उभौली पर्व, बुद्ध जयन्ति), १५ गनतन्त्र दिवस

कार्य योजना
(WORK PLAN)

| अषाढ २०७६ | | | | Jun/Jul 2019 | | |
|---------------|---------------|----------------|---------------|----------------|-----------------|---------------|
| आइतबार SUN | सोमबार MON | मंगलबार TUE | बुधबार WED | बिहिवार THU | शुक्रबार FRI | शनिबार SAT |
| १ 16 | २ 17 | ३ 18 | ४ 19 | ५ 20 | ६ 21 | ७ 22 |
| ८ 23 | ९ 24 | १० 25 | ११ 26 | १२ 27 | १३ 28 | १४ 29 |
| १५ 30 | १६ JULY 1 | १७ 2 | १८ 3 | १९ 4 | २० 5 | २१ 6 |
| २२ 7 | २३ 8 | २४ 9 | २५ 10 | २६ 11 | २७ 12 | २८ 13 |
| २९ 14 | ३० 15 | ३१ 16 | | | | |

सार्वजनिक तथा पर्व विदाहरू: १५ गते राष्ट्रिय धान दिवस, २९ गते भानु जयन्ती

| श्रावण २०७६ | | | | Jul/Aug 2019 | | |
|---------------|---------------|----------------|---------------|----------------|-----------------|---------------|
| आइतबार SUN | सोमबार MON | मंगलबार TUE | बुधबार WED | बिहिवार THU | शुक्रबार FRI | शनिबार SAT |
| | | | १ 17 | २ 18 | ३ 19 | ४ 20 |
| ५ 21 | ६ 22 | ७ 23 | ८ 24 | ९ 25 | १० 26 | ११ 27 |
| १२ 28 | १३ 29 | १४ 30 | १५ 31 | १६ AUG 1 | १७ 2 | १८ 3 |
| १९ 4 | २० 5 | २१ 6 | २२ 7 | २३ 8 | २४ 9 | २५ 10 |
| २६ 11 | २७ 12 | २८ 13 | २९ 14 | ३० 15 | ३१ 16 | ३२ 17 |

सार्वजनिक तथा पर्व विदाहरू: १ साउने संक्रान्ति, ३१ (गाईजात्रा, उपत्यकालाई मात्र),

कार्य योजना
(WORK PLAN)

| भाद्र २०७६ | | | | Aug/Sep 2019 | | |
|---------------|---------------|----------------|---------------|----------------|-----------------|---------------|
| आइतबार SUN | सोमबार MON | मंगलबार TUE | बुधबार WED | बिहिबार THU | शुक्रबार FRI | शनिबार SAT |
| १ 18 | २ 19 | ३ 20 | ४ 21 | ५ 22 | ६ 23 | ७ 24 |
| ८ 25 | ९ 26 | १० 27 | ११ 28 | १२ 29 | १३ 30 | १४ 31 |
| १५ SEPT 1 | १६ 2 | १७ 3 | १८ 4 | १९ 5 | २० 6 | २१ 7 |
| २२ 8 | २३ 9 | २४ 10 | २५ 11 | २६ 12 | २७ 13 | २८ 14 |
| २९ 14 | ३० 16 | ३१ 17 | | | | |

सार्वजनिक तथा पर्व विदाहरू: ६ (गौरा पर्व), १६ (हरितालिका तीज), महिलाहरूलाई मात्र, २७ (इन्द्रजात्रा, उपत्यकालाई मात्र), २२ (निजामति सेवा दिवस)

| आश्विन २०७६ | | | | Sep/Oct 2019 | | |
|---------------|---------------|----------------|---------------|----------------|-----------------|---------------|
| आइतबार SUN | सोमबार MON | मंगलबार TUE | बुधबार WED | बिहिबार THU | शुक्रबार FRI | शनिबार SAT |
| | | | १ 18 | २ 19 | ३ 20 | ४ 21 |
| ५ 22 | ६ 23 | ७ 24 | ८ 25 | ९ 26 | १० 27 | ११ 28 |
| १२ 29 | १३ 30 | १४ OCT 1 | १५ 2 | १६ 3 | १७ 4 | १८ 5 |
| १९ 6 | २० 7 | २१ 8 | २२ 9 | २३ 10 | २४ 11 | २५ 12 |
| २६ 13 | २७ 14 | २८ 15 | २९ 16 | ३० 17 | | |

सार्वजनिक तथा पर्व विदाहरू: ३ (संविधान दिवस), ५ (जितिया पर्व मनाउने महिला कर्मचारीलाई मात्र), १८ देखि २२ सम्म दशै विदा,

कार्य योजना
(WORK PLAN)

कार्तिक २०७६ Oct/Nov 2019

| आइतबार SUN | सोमबार MON | मंगलबार TUE | बुधबार WED | बिहिबार THU | शुक्रबार FRI | शनिबार SAT |
|---------------|---------------|----------------|---------------|----------------|-----------------|---------------|
| | | | | | १ 18 | २ 19 |
| ३ 20 | ४ 21 | ५ 22 | ६ 23 | ७ 24 | ८ 25 | ९ 26 |
| १० 27 | ११ 28 | १२ 29 | १३ 30 | १४ 31 | १५ NOV 1 | १६ 2 |
| १७ 3 | १८ 4 | १९ 5 | २० 6 | २१ 7 | २२ 8 | २३ 9 |
| २४ 10 | २५ 11 | २६ 12 | २७ 13 | २८ 14 | २९ 15 | ३० 16 |

सार्वजनिक तथा पर्व विदाहरू: १० (लक्ष्मी पूजा), ११ (म्ह पूजा), १२ (भाई टिका, नेपाल सम्बत प्रारम्भ) १६ (छठ पर्व)

मंसिर २०७६ Nov/Dec 2019

| आइतबार SUN | सोमबार MON | मंगलबार TUE | बुधबार WED | बिहिबार THU | शुक्रबार FRI | शनिबार SAT |
|---------------|---------------|----------------|---------------|----------------|-----------------|---------------|
| १ 17 | २ 18 | ३ 19 | ४ 20 | ५ 21 | ६ 22 | ७ 23 |
| ८ 24 | ९ 25 | १० 26 | ११ 27 | १२ 28 | १३ 29 | १४ 30 |
| १५ DEC 1 | १६ 2 | १७ 3 | १८ 4 | १९ 5 | २० 6 | २१ 7 |
| २२ 8 | २३ 9 | २४ 10 | २५ 11 | २६ 12 | २७ 13 | २८ 14 |
| २९ 15 | ३० 16 | | | | | |

सार्वजनिक तथा पर्व विदाहरू: २६ (उधौली पर्व), १७ (अन्तराष्ट्रिय अपाङ्गता दिवस)

कार्य योजना
(WORK PLAN)

पौष २०७६ Dec/Jan-2019/2020

| आइतबार SUN | सोमबार MON | मंगलबार TUE | बुधबार WED | बिहिबार THU | शुक्रबार FRI | शनिबार SAT |
|---------------|---------------|----------------|---------------|----------------|-----------------|---------------|
| | | १ 17 | २ 18 | ३ 19 | ४ 20 | ५ 21 |
| ६ 22 | ७ 23 | ८ 24 | ९ 25 | १० 26 | ११ 27 | १२ 28 |
| १३ 29 | १४ 30 | १५ 31 | १६ JAN 1 | १७ 2 | १८ 3 | १९ 4 |
| २० 5 | २१ 6 | २२ 7 | २३ 8 | २४ 9 | २५ 10 | २६ 11 |
| २७ 12 | २८ 13 | २९ 14 | | | | |

सार्वजनिक तथा पर्व विदाहरू: ९ (क्रिसमस डे-इसाइ धर्मावलम्बीलाई मात्र), १५(तमु ल्होसार), २७ राष्ट्रिय एकता दिवस

माघ २०७६ Jan/Feb 2020

| आइतबार SUN | सोमबार MON | मंगलबार TUE | बुधबार WED | बिहिबार THU | शुक्रबार FRI | शनिबार SAT |
|---------------|---------------|----------------|---------------|----------------|-----------------|---------------|
| | | | १ 15 | २ 16 | ३ 17 | ४ 18 |
| ५ 19 | ६ 20 | ७ 21 | ८ 22 | ९ 23 | १० 24 | ११ 25 |
| १२ 26 | १३ 27 | १४ 28 | १५ 29 | १६ 30 | १७ 31 | १८ FEB 1 |
| १९ 2 | २० 3 | २१ 4 | २२ 5 | २३ 6 | २४ 7 | २५ 8 |
| २६ 9 | २७ 10 | २८ 11 | २९ 12 | | | |

सार्वजनिक तथा पर्व विदाहरू: १ (माघे सक्रान्ति- थारु/मगर/छन्त्यालको राष्ट्रिय पर्व), ११ (सोमम ल्होसार) १२ (ग्लाबो ल्होसार), १६ (बसन्त पञ्चमी, शिक्षण संस्थाहरूलाई मात्र)

कार्य योजना
(WORK PLAN)

फाल्गुन २०७६ Feb/Mar 2020

| आइतबार SUN | सोमबार MON | मंगलबार TUE | बुधबार WED | बिहवार THU | शुक्रबार FRI | शनिबार SAT |
|---------------|---------------|----------------|---------------|---------------|-----------------|---------------|
| | | | | १ 13 | २ 14 | ३ 15 |
| ४ 16 | ५ 17 | ६ 18 | ७ 19 | ८ 20 | ९ 21 | १० 22 |
| ११ 23 | १२ 24 | १३ 25 | १४ 26 | १५ 27 | १६ 28 | १७ 29 |
| १८ May 1 | १९ 2 | २० 3 | २१ 4 | २२ 5 | २३ 6 | २४ 7 |
| २५ 8 | २६ 9 | २७ 10 | २८ 11 | २९ 12 | ३० 13 | |

सार्वजनिक तथा पर्व विदाहरु: ९(महाशिवरात्री), २५(अन्तराष्ट्रिय महिला दिवस) २६ फागुपूर्णिमा (पहाडलाई मात्र), २७ फागुपूर्णिमा(तराईका २७ जिल्लालाई मात्र)

चैत्र २०७६ Mar/Apr 2020

| आइतबार SUN | सोमबार MON | मंगलबार TUE | बुधबार WED | बिहवार THU | शुक्रबार FRI | शनिबार SAT |
|---------------|---------------|----------------|---------------|---------------|-----------------|---------------|
| ३० 12 | | | | | | १ 14 |
| २ 15 | ३ 16 | ४ 17 | ५ 18 | ६ 19 | ७ 20 | ८ 21 |
| ९ 22 | १० 23 | ११ 24 | १२ 25 | १३ 26 | १४ 27 | १५ 28 |
| १६ 29 | १७ 30 | १८ 31 | १९ APR 1 | २० 2 | २१ 3 | २२ 4 |
| २३ 5 | २४ 6 | २५ 7 | २६ 8 | २७ 9 | २८ 10 | २९ 11 |

सार्वजनिक तथा पर्व विदाहरु: ११ (घोडे जात्रा, उपत्यकालाई मात्र)

विषयसूची

| | |
|--|----|
| कृषि सूचना तथा प्रशिक्षण केन्द्र..... | १ |
| १. नेपालको कृषि तथ्याङ्क | २ |
| २. प्रमुख कृषिजन्य वालीहरूको तुलनात्मक क्षेत्रफल तथा उत्पादनको स्थिति ... | ४ |
| ३. विभिन्न कार्यालयहरूको फोन, फ्याक्स, इमेल र वेभसाइट..... | ७ |
| ३.१ राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति र प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयको सम्पर्क नं..... | ७ |
| ३.२ सर्वोच्च अदालत | ८ |
| ३.३ व्यवस्थापिका संसद | ८ |
| ३.४ संवैधानिक निकायहरू | ९ |
| ३.५ संघीय मन्त्रालयहरू | १० |
| ३.६ कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय | १२ |
| ३.७ राष्ट्रिय किसान आयोग..... | १४ |
| ३.८ कृषि विभाग तथा अन्तर्गतका निकायहरू | १८ |
| ३.९ पशु सेवा विभाग तथा अन्तर्गतका निकायहरू..... | २१ |
| ३.१० खाद्य प्रविधि तथा गुणनियन्त्रण विभाग..... | २५ |
| ३.११ नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद..... | २८ |
| ३.१२ कम्पनी, समिति | ३३ |
| ३.१२.१ कृषि सामाग्री कम्पनी लिमिटेड, केन्द्रीय कार्यालय, कुलेश्वर, काठमाडौं..... | ३३ |
| ३.१२.२ राष्ट्रिय बीउ विजन कम्पनी लि., कुलेश्वर..... | ३५ |
| ३.१३ कृषिसँग सम्बन्धित बोर्ड/ संस्थान/कम्पनी/समितिको सचिवालय | ३६ |
| ३.१४ दुग्ध विकास संस्थान..... | ३७ |
| ३.१५ नेपाल सरकारका विभागहरूको टेलिफोन नम्बरहरू..... | ३८ |
| ३.१६ प्रदेश कार्यालय तथा मन्त्रालयहरूको फोन, फ्याक्स, इमेल र वेभसाइट... | ४३ |
| ३.१७ प्रदेश अन्तर्गतका कृषि र पशु विकास कार्यालयहरूको फोन, फ्याक्स, इमेल र वेभसाइट | ४९ |
| ३.१८ प्रदेश अन्तर्गतका कृषि ज्ञान केन्द्रहरू तथा भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रहरू: | ५५ |
| ३.१९ कृषि शिक्षण संस्थाहरू..... | ६५ |
| ३.२० प्रमुख टेलिभिजन प्रसारण संस्थाहरू | ६६ |
| ३.२१ राष्ट्रिय दैनिक पत्रिकाहरूको विवरण..... | ६९ |
| ३.२२ कृषि सम्बन्धी पत्रिका/म्यागाजिनहरूको विवरण | ७० |

| | | |
|------|--|-----|
| ३.२३ | कृषि रेडियो | ७१ |
| ३.२४ | कृषि पत्रकार/प्रकाशन तथा प्रसारण गृहहरूको संस्थाहरू | ७१ |
| ३.२५ | National/International Non-Governmental Organizations | ७१ |
| ३.२६ | अस्पतालहरूको टेलिफोन नम्बरहरू..... | ७३ |
| ३.२७ | स्थानीय तहको विवरण..... | ७५ |
| ४. | कृषिसँग सम्बन्धित नीति, ऐन नियम तथा कार्यविधिहरू | ९९ |
| ५. | कृषि, पशुपन्छी, भूमि व्यवस्था तथा सहकारी क्षेत्र विकास रूपान्तरणको मार्गचित्र, २०७५ | १०४ |
| ६. | कृषि विकास रणनीति (ADS) बारे संक्षिप्त जानकारी | १०९ |
| ७ | राष्ट्रिय किसान आयोग | ११२ |
| ८. | प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकिकरण परियोजना..... | ११३ |
| ९. | बाली तथा पशुपंक्षी बीमा | ११९ |
| १०. | बीउ विजन | १२८ |
| १०.१ | अन्नबाली..... | १२९ |
| १०.२ | दलहन | १५१ |
| १०.३ | तेलहन | १५४ |
| १०.४ | औद्योगिक बाली | १५६ |
| १०.५ | तरकारी बाली | १५७ |
| १०.६ | घाँसे बाली..... | १८१ |
| १०.७ | फलफूल बाली | १८४ |
| १०.८ | गुणस्तरीय बीउका बिशेषताहरू एवं नेपालमा बीउको गुणस्तर कायम गर्ने तरिका..... | १८९ |
| ११. | माटो | १९१ |
| ११.१ | बिरुवाको एकीकृत खाद्यतत्व व्यवस्थापनको अवधारणा | १९१ |
| ११.२ | रासायनिक मलखादहरू..... | १९२ |
| ११.३ | विभिन्न पि.एच. तथा बुनोट (Texture) भएको माटोमा कृषि चूनको प्रयोग..... | १९४ |
| ११.४ | माटो तथा रसायनिक मल बिश्लेषण गर्दा प्रति नमुना लाग्ने शुल्क | १९५ |
| ११.५ | नेपालमा उत्पादित दर्ता भएका प्राङ्गारिक मलहरू..... | १९५ |
| १२. | मत्स्यपालन | १९८ |
| १३. | फलफूल खेती प्रविधि तालिका | २०५ |
| १४. | कफी तथा चिया खेती प्रविधि तालिका..... | २१६ |
| १५. | पुष्प खेती प्रविधि तालिका..... | २१७ |
| १६. | तरकारी खेती प्रविधि तालिका..... | २१८ |

| | |
|--|-----|
| १७. बाली संरक्षण | २३२ |
| १७.१ विभिन्न बालीका रोग तथा कीराहरु र तिनको व्यवस्थापन..... | २३२ |
| १७.२ नेपालमा पञ्जिकृत र प्रतिबन्धित विषादीहरुः..... | २७६ |
| १७.३ पञ्जिकृत विषादीहरुको सामान्य नाम तथा विषादी बालीमा प्रयोग गरिसकेपछि बाली टिप्न वा कटानी गर्नका लागि पर्खनुपर्ने प्रतिक्षा अवधि | २७७ |
| १७.४ एकीकृत शत्रु जीव व्यवस्थापन कार्यक्रम (आइ.पि.एम)..... | २८० |
| १८. व्यावसायिक कीट विकास केन्द्रसँग सम्बन्धित सरकारी तथा नीजिस्तरमा संचालित केहि फर्महरुको विवरण | २८४ |
| १९. पोष्टहार्भेष्ट | २८७ |
| २०. बेमौसमी तरकारी उत्पादनको लागि प्लाष्टिक घर..... | २८९ |
| २०.१ प्लाष्टिक पोखरी निर्माण..... | २९२ |
| २१. कृषि इन्जिनियरिङ्ग महाशाखा, खुमलटारबाट विकसित तथा व्यावसायिक रूपबाट उत्पादित कृषि औजार/उपकरणहरु | २९३ |
| २२. पशुपालन/पशु स्वास्थ्य | २९७ |
| २२.१ गाईका जातहरु..... | २९८ |
| २२.२ भैंसीका जातः | ३०१ |
| २२.३ गाई भैंसीहरुमा लाग्ने प्रमुख रोगहरु | ३०२ |
| २२.४ कुखुराका प्रमुख रोगहरु | ३०७ |
| २२.५ नेपालमा पालिएका बाख्राको जातहरु..... | ३१० |
| २२.६ पशुपन्छीबाट मानिसमा सर्न सक्ने रोगहरु..... | ३१३ |
| २३. खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग..... | ३१९ |
| २४. फलफूल विरुवाहरुको सरकारी मूल्य सूची | ३२५ |
| २५. राष्ट्रिय आलु तरकारी तथा मसलावाली विकास केन्द्र, खुमलटार | ३२८ |
| २६. किसान कल सेन्टर | ३३० |
| २७. SOME IMPORTANT FORMULAE..... | ३३१ |

कृषि सूचना तथा प्रशिक्षण केन्द्र

परिचय:

कृषिको सूचनालाई रेडियो टेलिभिजन पत्रपत्रिका लगायत आधुनिक सञ्चारका माध्यमहरूको प्रयोग गरी कृषकहरू समक्ष हस्तान्तरण भईरहेको सन्दर्भमा देशको पुनसंरचना गर्ने क्रममा कृषि सेवामा गरिएको सुधारमा कृषि तथा पशुपन्छी क्षेत्रको तालिम, सूचना तथा सञ्चार र प्रकाशनको जिम्मेवारीका साथै साबिकको कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोषबाट अनुदान प्राप्त आयोजनाहरूको समेत व्यवस्थापनको लागि कृषि सूचना तथा प्रशिक्षण केन्द्र गठन गरिएको छ।

कृषि सूचना तथा प्रशिक्षण केन्द्रको कार्य विवरण

- कृषि सूचना तथा सन्चार र कृषि क्षेत्रको मानव संसाधन विकास सम्वन्धमा नेपाल सरकारलाई नीतिगत पृष्ठपोषण गर्ने,
- कृषि प्रविधि एवं कृषि सम्वन्धि अन्य सवै खाले जानकारी र सूचनाको राष्ट्रिय भण्डार (National repository) को रुपमा कार्य गर्ने,
- सार्क कृषि सूचना केन्द्र (SAIC) को राष्ट्रिय फोकल विन्दुको रुपमा कार्य गर्ने,
- सवै प्रकारका कृषि सूचना तथा प्रविधिको राष्ट्रिय हबको रुपमा कार्य गर्ने,
- कृषकमा रहेको परम्परागत ज्ञान, शिप र प्रविधिको खोज एवं संकलन, डकुमेन्टेशन एवं प्रकाशन तथा प्रसारण गर्ने,
- कृषि सूचना तथा सन्चार र मानव संसाधन विकास सम्वन्धि केन्द्र वा कृषि सम्वन्धि तालिम केन्द्रको गुणस्तर मापदण्ड विकास तथा कार्यान्वयन र नियमन गर्ने,
- अनुसन्धानबाट विकास गरिएका प्रविधि एवं अन्य श्रोतबाट प्राप्त वा सिर्जित प्रविधि एवं कृषक तथा अन्य सरोकारवालाको लागि उपयोगी सूचना तथा जानकारी छिटो छरितो रुपमा प्रकाशन एवं प्रसारण गर्ने,
- प्रकाशित एवं प्रसारित कृषि सूचना तथा जानकारीको प्रभावकारिता अध्ययन, अनुसन्धान गरि नतिजाको आधारमा अन्तिम उपयोगकर्ताको माग एवं आवश्यकता बमोजिमको सामग्री प्रकाशन एवं प्रसारण गर्ने,
- प्रदेश एवं स्थानीय तहका कृषि सूचना तथा संचार सम्वन्धि कार्य गर्ने निकायहरूको क्षमता विकास तथा पृष्ठपोषण गर्ने,
- कृषि सूचना तथा जानकारी छिटो छरितो रुपमा कृषक र अन्य सरोकारवाला समक्ष पुर्याउन सूचना प्रविधिको अलावा अन्य नविनतम र प्रभावकारी माध्यमको खोजी एवं प्रयोग गर्ने,
- राष्ट्रिय कृषि तथा पशु मानव संसाधन विकास योजना र कार्यान्वयन गर्ने,
- कृषि तथा पशु सम्वन्धि विषयको तालिमको राष्ट्रिय स्रोत केन्द्रको रुपमा कार्य गर्ने,
- स्वदेशी एवं विदेशी सहभागीहरूको लागि कस्टोमाइज्ड तालिम कोर्स सन्चालन एवं आउटसोर्सिङ गर्ने,
- तालिम सम्वन्धि जनशक्ति विकास सम्वन्धी कार्य गर्ने,
- तालिम कोर्स डिजाइन, पाठ्यक्रम विकास, प्रशिक्षक एवं स्रोत व्यक्ति छनौट, तालिम सामग्री र तालिम सन्चालन एवं अनुगमन र मूल्यांकन लगायतका विषयहरूको राष्ट्रिय मापदण्ड विकास र कार्यान्वयन गर्ने,
- तालिम प्रभावकारिता अध्ययन एवं अनुसन्धान गर्ने,

- कृषि, पशुपालन, अनुसन्धान, खाद्यपोषण, कृषि वातावरण संरक्षण, कृषि भूमि व्यवस्थापन, कृषि बजार र व्यवसाय प्रवर्द्धन, सहकारी लगायत सम्बन्ध प्रविधि एवं जानकारीहरूको प्रसारण, प्रकाशन तथा वितरण गर्ने,
- नेपाल सरकारले कृषि, पशुपालन, अनुसन्धान, खाद्यपोषण, कृषि वातावरण संरक्षण, कृषि भूमि व्यवस्थापन, कृषि बजार र व्यवसाय, सहकारी लगायतको प्रवर्द्धनका लागि अवलम्बन गरेका नीति एवं नियम कानूनवारे जानकारी प्रसारण गर्ने,
- नविनतम कृषि सञ्चार प्रविधि तथा औजारहरू सम्बन्धी अध्ययन गर्ने,
- निजीक्षेत्र मैत्री कृषि सञ्चार पद्धति विकास सम्बन्धी कार्यहरू गर्ने,
- संघ प्रदेश र स्थानीय तहवीच सञ्चार समन्वय गर्ने,
- कृषि अनुसन्धान तथा विकासका लागि प्रतिस्पर्धी कोष परिचालन सम्बन्धमा नीति तथा मापदण्ड तयार गर्ने र
- साविक राष्ट्रिय कृषि अनुसन्धान तथा विकास कोषवाट प्रतिस्पर्धी सहायता प्राप्त गरी संचालनमा रहेका कार्यक्रमहरूको स्वामित्व ग्रहण एवं संचालनमा आवश्यक सहयोग तथा सहजीकरण एवं अनुगमन गर्ने ।

१. नेपालको कृषि तथ्याङ्क

कूल क्षेत्रफल

| क्र. सं. | क्षेत्र | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.) |
|----------|----------------|-------------------------|
| १. | हिमाली क्षेत्र | ५१,८१७ |
| २. | पहाडी क्षेत्र | ६१,३४५ |
| ३. | तराई क्षेत्र | ३४,०१९ |
| कूल | | १,४७,१८१ |

स्रोत: Statistical Information On Nepalese Agriculture, 2012/13

भू-उपयोग

| क्र. सं. | क्षेत्र | क्षेत्रफल (००० हेक्टर) |
|----------|------------------------------|------------------------|
| १. | खेती गरिएको जमिन | ३,०९१ |
| २. | खेती नगरिएको खेती योग्य जमिन | १,०३० |
| ३. | वन जंगल (झाडी १५६० हे. सहित) | ५,८२८ |
| ४. | चरन खर्क | १,७६६ |
| ५. | पानी | ३८३ |
| ६. | अन्य | २,६२० |
| कूल | | १,४७,१८१ |

स्रोत: Statistical Information On Nepalese Agriculture, 2012/13

कूल गार्हस्थ्य उत्पादन (प्रचलित मूल्यमा)

(मूल्य: रु. दश लाख)

| क्र.सं. | क्षेत्र | २०७२/०७३ | | २०७३/०७४ | | २०७४/०७५ | |
|---------|-------------|----------|---------|----------|---------|----------|---------|
| | | मूल्य | प्रतिशत | मूल्य | प्रतिशत | मूल्य | प्रतिशत |
| १. | कृषि तथा वन | ६४५६९७ | ३१.०८ | ६८१०६२ | २८.२५ | ७३७३२२ | २७.१० |

| क्र.सं. | क्षेत्र | २०७२/०७३ | | २०७३/०७४ | | २०७४/०७५ | |
|---|---------|----------|---------|----------|---------|----------|---------|
| | | मूल्य | प्रतिशत | मूल्य | प्रतिशत | मूल्य | प्रतिशत |
| २. | मत्स्य | ११०८२ | ०.५३ | १२३७७ | ०.५१ | १३४३८ | ०.४९ |
| ३. | गैहकृषि | १४३१९५६ | ६८.३९ | १७१७५९२ | ७१.२४ | १९६९९६२ | ७२.४१ |
| कुल मूल्य अभिवृद्धि | | २०७७६५३ | | २४११०३१ | | २७२०७२२ | |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (उत्पादकको मूल्यमा) | | २२५३१६३ | | २६४२५९५ | | ३००७२४६ | |

स्रोत: केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग, २०७५

कृषि क्षेत्रको कूल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धिदर

(प्रतिशतमा)

| क्र.सं. | क्षेत्र | २०७२/०७३ | २०७३/०७४ | २०७४/०७५ |
|---------|-------------|----------|----------|----------|
| १. | कृषि तथा वन | ०.०१ | ५.१४ | २.७२ |
| २. | मत्स्य | ११.७६ | ८.०२ | ७.४२ |
| ३. | गैहकृषि | ०.३८ | ८.५० | ७.१० |

स्रोत: केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग, २०७५

जनसंख्या (वि.सं. २०६८)

| | | |
|---|-------|-------------|
| जम्मा जनसंख्या | | २,६४,९४,५०४ |
| १. | पुरुष | १,२८,४९,०४१ |
| २. | महिला | १,३६,४५,४६३ |
| वार्षिक जनसंख्या वृद्धिदर (प्रतिशत) | | १.३५ |
| जनघनत्व प्रति वर्ग कि.मि. | | १८० |
| कृषि पेशामा संलग्न जनसंख्या प्रतिशत (वि.सं. २०६८) औषत | | ६५.६ |
| कृषि पेशामा संलग्न जनसंख्या प्रतिशत (पुरुष) | | ६०.२ |
| कृषि पेशामा संलग्न जनसंख्या प्रतिशत (महिला) | | ७२.८ |
| कोरो जन्मदर हजारमा (वि.सं. २०६८) | | २१.८ |
| कोरो मृत्युदर हजारमा (वि.सं. २०६८) | | ७.३ |
| बाल मृत्युदर प्रति हजारमा (वि.सं. २०६८) | | ४०.५ |
| कुल प्रजनन दर (वि.सं. २०६८) | | २.५ |
| औसत आयु वर्ष (वि.सं. २०६८) | | ६६.६ |
| घर परिवार संख्या (वि.सं. २०६८) | | ५४,२७,३०२ |

स्रोत: Statistical Information On Nepalese Agriculture, 2012/13

२. प्रमुख कृषिजन्य वालीहरूको तुलनात्मक क्षेत्रफल तथा उत्पादनको स्थिति (२०७२/७३ - २०७४/७५)

(क) खाद्यान्न वाली

क्षेत्रफल: हेक्टर, उत्पादन: मे.टन

| वाली | २०७२/७३ | | २०७३/७४ | | २०७४/७५ | |
|-------|-----------|---------|-----------|---------|-----------|----------|
| | क्षेत्रफल | उत्पादन | क्षेत्रफल | उत्पादन | क्षेत्रफल | उत्पादन |
| धान | १३६२९०८ | ४२९९०७९ | १५५२४६९ | ५२३०३२७ | १४६९५४५ | ५१५१९२५ |
| मकै | ८९१५८३ | २२३१५१७ | ९००२८८ | २३००१२१ | ९५४१५८ | २५५५८४७ |
| गहुँ | ७४५८२३ | १७३६८४९ | ७३५८५० | १८७९१९१ | ७०६८४३ | १९४९००१ |
| कोदो | २६६७९९ | ३०२३९७ | २६३५९६ | ३०६७०४ | २६३४९७ | ३१३९८७ |
| जौ | २८३६१ | ३२८०१ | २७३७० | ३०५१० | २४६४८ | ३०५१० |
| फापर | १०८४२ | ११६४१ | ११०९० | १२०३९ | १०२९६ | ११४७२ |
| जम्मा | ३३०६३१६ | ८६१४२८४ | ३५१८३१७ | ९७७५७५ | ३४२८९८६ | १००१२७४२ |

स्रोत: कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय, २०७५

(ख) नगदे वाली

क्षेत्रफल: हेक्टर, उत्पादन: मे.टन

| वाली | २०७२/७३ | | २०७३/७४ | | २०७४/७५ | |
|--------|-----------|---------|-----------|----------|-----------|---------|
| | क्षेत्रफल | उत्पादन | क्षेत्रफल | उत्पादन | क्षेत्रफल | उत्पादन |
| तेलहन | २१७८६७ | २०८२९१ | २०७९७८ | २१४४५१ | २२४,५९५ | २४५८६७ |
| आलु | १९९९७ | २८०६५८२ | १८५८७९ | २५९१६८६ | १९५१७३ | २८८८२९ |
| सुर्ती | १७२४ | २२२७ | - | - | - | - |
| उखु | ८०९३१ | ४३४६७५४ | ७०८०७ | ३२१९,५६० | ७८६०९ | ३५५८१८२ |
| जुट | ८०११ | ११६३३ | ७४७७ | ११०१८ | ७५०७ | १११५९ |
| कपास | १२५ | १२९ | १४३ | १२७ | १२० | १२५ |

स्रोत: कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय, २०७५

(ग) दलहन वाली

क्षेत्रफल: हेक्टर, उत्पादन: मे.टन

| वाली | २०७२/७३ | | २०७३/७४ | | २०७४/७५ | |
|--------|-----------|---------|-----------|---------|-----------|---------|
| | क्षेत्रफल | उत्पादन | क्षेत्रफल | उत्पादन | क्षेत्रफल | उत्पादन |
| मुसुरो | २०५९३९ | २५३०४१ | २०६९६९ | २५४३०८ | १९७६६२ | २४७९५० |
| चना | ९८८३ | १०९१४ | ९९३३ | १०९६९ | ९४८३ | १०६९५ |
| रहर | १७००६ | १६४१५ | १७०९१ | १६४९७ | १६३२२ | १६०८४ |
| मास | २३३१२ | १९४०२ | २३४२९ | १९४९९ | २२३७५ | १९०११ |

| बाली | २०७२/७३ | | २०७३/७४ | | २०७४/७५ | |
|-------|-----------|-----------|-----------|---------|-----------|---------|
| | क्षेत्रफल | उत्पादन | क्षेत्रफल | उत्पादन | क्षेत्रफल | उत्पादन |
| खेसरी | ८०७५ | ९३५४ | ८०७५ | ९३५४ | ७७१२ | ९१२० |
| गहत | ६३१९ | ५६६२ | ६३५१ | ५६९० | ६०५७ | ५५४८ |
| भटमास | २३४४६ | २८९१७ | २३५६३ | २९०६१ | २२५०७ | २८३३५ |
| अन्य | ३०६४४ | ३२८१७ | ३०६४४ | ३२८१७ | २९२६५ | ३१९९७ |
| जम्मा | ३४२७६४.९ | ३९६३८५.५५ | ३२६०५५ | ३७८१९६ | ३९१३८२ | ३६८७४१ |

स्रोत: कृषि तथा पशुपन्थी विकास मन्त्रालय, २०७५

(घ) अन्न वालीहरु

क्षेत्रफल: हेक्टर, उत्पादन: मे.टन

| बाली | २०७२/७३ | | २०७३/७४ | | २०७४/७५ | |
|-----------|-----------|------------|-----------|----------|-------------------|---------|
| | क्षेत्रफल | उत्पादन | क्षेत्रफल | उत्पादन | क्षेत्रफल | उत्पादन |
| फलफूल | १५०३८७ | ११०६१७ | १५७१९९ | ११०८०२ | १३०४४९ | १०५८५१९ |
| तरकारी | ३७००९६९ | ३५८००८५ | २८४१३५ | ३८५९४९२ | २८६८६४ | ३९५८२३० |
| चिया | २३१८७ | २१३९४ | २८५२२ | २४६५३४१७ | २८५९५ | २४८०४ |
| कफी | ४६४ | ४६३.६ | २६४६ | ४६६ | २६५० | ५१३ |
| खुर्सानी | ४०४०० | ४०१७.८ | १००७७ | ४९७१.८ | १०५०० | ५२५०० |
| अलैंची | ५५४० | ५,१६५.८ | १७००२ | १२५०८ | १७००४ | ६८४९ |
| अदुवा | २६३१४० | २,४२,५४६.९ | २२६४९ | २७९५०४ | २३००० | २८४००० |
| लसुन | ४५३९० | ४४,७२२.७ | ८११६ | ५६६६८ | ८५०० | ५९५०० |
| बेसार | ७२४२५ | ७,८११.८ | ६७७७ | ६५९९९ | ७३०० | ७५०० |
| रेशम कोया | १६७३ | ५२ | १७५७ | ५५ | - | - |
| मह | १२५१०० | ६५० | १२४५०० | ६५० | २४२००० (Hives) | ३९८० |
| माछा | १५२८३ | ४८५४३ | १७५३२ | ५५८४२ | १३०४४९ | ९०१२५ |
| च्याउ | ९३०० | १४८८००० | १०८५० | १५४५००० | - | - |

स्रोत: कृषि तथा पशुपन्थी विकास मन्त्रालय, २०७५

पशुजन्य तथ्यांकको तुलनात्मक स्थिति (२०७२/७३ – २०७४/७५)

(क) पशु संख्या

| क्र.सं. | विवरण | २०७२/७३ | २०७३/७४ | २०७४/७५ |
|---------|-------|---------|---------|---------|
| १ | गाई | ७३०२८०८ | ७३४७४८७ | ७३७६३०६ |
| २ | बैसी | ५१६८८०९ | ५१७७९९८ | ५२७७८१९ |
| ३ | भैंडा | ८००६५८ | ८०१९७५ | ८००७४९ |

| क्र.सं. | विवरण | २०७२/७३ | २०७३/७४ | २०७४/७५ |
|---------|-----------------|----------|-----------|----------|
| ४ | बाखा | १०९८६११४ | १११६६४०९९ | ११६४७३१९ |
| ५ | बंगुर | १२९१३०८ | १३२८०३६ | १४३५३६९ |
| ६ | कुखुरा | ६८६३०६३८ | ७०००७५१ | ७२२४५७३२ |
| ७ | हॉस | ३९२२५५ | ३९४७७५ | ४०४६७० |
| ८ | दूध दिने गाई | १०२६१३५ | १०२९५२९ | १०३९५३८ |
| ९ | दूध दिने भैंसी | १३५५३८४ | १५०९५१२ | १५३५९४८ |
| १० | फुल पाने कुखुरा | १२३५३५१५ | १२३८८८८९ | १२५१७५५८ |
| ११ | फुल पाने हॉस | १८०९२७ | १८३८४० | १८६९१२ |
| १२ | खरायो | | ३४४८७ | ७५७४० |
| १३ | घोडा | | ६८७११ | ५८०९१ |
| १४ | याक/चौरी | | ६९३४६ | ६९९७८ |

स्रोत: कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय, २०७५

(ख) पशुजन्य उत्पादन

| क्र.सं. | विवरण | २०७२/७३ | २०७३/७४ | २०७४/७५ |
|---------|----------------------|---------|---------|---------|
| १ | दूध उत्पादन (मे.टन) | १८५४२४७ | १९११२३९ | २०९२४०३ |
| १.१ | गाई | ६४३८०६ | ६६५२८५ | ७५४१२६ |
| १.२ | भैंसी | १२१०४४१ | १२४५९५४ | १३३८२७७ |
| २ | मासु उत्पादन (मे.टन) | ३२२०५९ | ३३२५४४ | ३४६१७९ |
| २.१ | रांगा/भैंसी | १७५००५ | १८००८० | १८५१८० |
| २.२ | बोका/खसी/ भैंडा | ६८२६७ | ७०४२० | ७३५५६ |
| २.३ | बंगुर | २३५०९ | २४५३५ | २८२१४ |
| २.४ | कुखुरा | ५५०४१ | ५७२६८ | ६०१२२ |
| २.५ | हॉस | २३७ | २४१ | - |
| ३ | फुल उत्पादन (हजार) | १३०८०७२ | १३५२२९६ | १५१२२६५ |
| ३.१ | कुखुरा | १२९४१६६ | १३३८३१२ | १४९८०२४ |
| ३.२ | हॉस | १३९०६ | १३९८४ | १४२४१ |
| ४ | ऊन उत्पादन (के.जी.) | ५८८३४८ | ५९४३१२ | ५९४६३९ |

स्रोत: कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय, २०७५

रासायनिक मल विक्री वितरणको स्थिति

परिमाण: मे.टन

| सामग्री | २०७२/७३ | २०७३/७४ | २०७४/७५ |
|----------------------------|------------|------------|-------------|
| रासायनिक मल (जम्मा विक्री) | २,५८,७७९.० | ३,२८,२१६.९ | ३,४८,७३४.६२ |
| युरीया | १६४६४१.५ | २०५४२४.८५ | २३५३०४.३५ |

| सामग्री | २०७२/७३ | २०७३/७४ | २०७४/७५ |
|------------|---------|-----------|-----------|
| डि. ए. पि. | ८७५७२.८ | ११४८०१.५५ | १०५६१९.१७ |
| पोटास | ६५६४.८ | ७९९०.५० | ७८११.१० |

स्रोत: कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय, २०७५

परिमाण: मे.ट

| सामग्री | २०७२/७३ | २०७३/७४ | २०७४/७५ |
|--|----------|----------|-------------------------------------|
| उन्नत बीउ विजन बिक्री वितरण (रा.बीउ विजन कम्पनी) | ८१४३.९५८ | ६९११.६०४ | यस वर्षमा अनुदानमा विउ वितरण नगरेको |
| धान | ३६८५.०१३ | १७०४.७०३ | |
| गहुँ | ४४५८.९४५ | ५०२९.०५६ | |
| मकै | | १७७.८५४ | |

स्रोत: राष्ट्रिय बीउ बिजन कम्पनी लि. २०७५

३. विभिन्न कार्यालयहरूको फोन, फ्याक्स, इमेल र वेबसाइट

३.१ राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति र प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयको सम्पर्क नं.

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|--|---|---|
| राष्ट्रपतिको कार्यालय, शितल निवास, काठमाण्डौ । | कार्यालय तर्फ सम्माननीय राष्ट्रपति ☎ ०१-४४१६०५६, ४४१८०११ सचिव ४४१६३१७ टेलिफोन इन्टरकम सिष्टममा राखिएका नम्बरहरू (निवास समेत) ४४४६००२, ४४४६००४, ४४४६००७, ४४४६००८, ४४६००९, ☎ ४४१६४९५ सूचना तथा जनसम्पर्क ☎ ०१-४४४६०१० सुरक्षा तर्फ ४४१७१७५ निवासको टेलिफोन नं. ४४१८५ ०४ | mail@presidentofnepal.gov.np www.presidentofnepal.gov.np |
| उपराष्ट्रपतिको कार्यालय, कान्तिपथ, काठमाण्डौ । | ☎ ०१-४२१२०४०, ४२२८१९९, ४२२१९४३, ४२६१४५२ ☎ ४२२८१०९, ४२२८२८४ | www.vpn.gov.np |

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|--|--|--|
| प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय, सिंहदरबार काठमाडौं । | ☎ ०१-४२११०२५, ४२११०४०, ४२११०३५, ४२११०८०, ४२११००० अडियो नोटिसबोर्ड: १६१८०७०७०११११ पो. ब. नं. २३३१२ ☎ ०१-४२११०८६, ४२११०३८, ४२११०२१, ४२११०४७, ४२११०६५ | info@nepal.gov.np हेलो सरकार सम्पर्क टोलफ्री नं: ११११ (कुनै कारणले ११११ मा सम्पर्क नभएमा ०१-४२३१६१० मा सम्पर्क गर्नुहोला ।) 1111@nepal.gov.np अफिस नं. ०१४२११०८७ भाइबर नं. ९८५११४५०४५ Facebook: हेलो सरकार Twitter: हेलो सरकार www.opmcm.gov.np |

३.२ सर्वोच्च अदालत

| कार्यालय | फोन /फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|------------------|------------------------|--------------------------|
| प्रधान न्यायाधीश | ☎ ४२६२५४६ ☎ ४२६२८७९ | www.supremecourt.gov.np |
| मुख्य रजिष्ट्रार | ☎ ०१ २६२८९५, | info@supremecourt.gov.np |

३.३ व्यवस्थापिका संसद

| कार्यालय/सचिवालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|-------------------------|-------------------------|-------------------------------|
| सभामुख | ☎ ०१ ४२००१५९, ☎ ४२००१३७ | |
| उपसभामुख | ☎ ०१ ४२००२२७, | shiva_tumba@parliament.gov.np |
| महा-सचिव | ☎ ०१ ४२०००२९, ☎ ४२२२९२३ | www.parliament.gov.np |
| सचिव | ☎ ०१ ४२०००७२, ☎ ४२००१४९ | |
| प्रवक्ता | ☎ ०१ ४२११७४४, ☎ ४२०००५३ | |
| संसद सचिवालय सूचना शाखा | ☎ ०१ ४२००२९०, ४२००६९५ | |

राष्ट्रिय सभा

| कार्यालय/सचिवालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|------------------|-------------------------|--------------------------|
| अध्यक्ष | ☎ ०१ ४२११७५६, ☎ ४२११७५३ | www.na.parliament.gov.np |
| उपाध्यक्ष | ☎ ०१ ४२००१३९, | |
| महा-सचिव | ☎ ०१ ४२०००२९, ☎ ४२२२९२३ | |
| सचिव | ☎ ०१ ४२००१३३, | |
| सचिवालय सचिव | ☎ ०१ ४२०००७२ ☎ ४२००१४९ | |
| प्रवक्ता | ☎ ०१ ४२११७४४, | |

| कार्यालय/सचिवालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|-------------------------|---------------|--------------|
| संसद सचिवालय सूचना शाखा | ☎ ०१ ४२००२१०, | |

३.४ संवैधानिक निकायहरू

क) अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---|--|---|
| अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग, टंगाल, काठमाण्डौ। | ☎ ०१-५२६२१५१, ५२६२११९, ५२६२१७३, ५२६२१०२, ५२६२०५९ ☎ ०१-८२१२६२५, ५२६२१०४ | akhtiyar@ntc.net.np www.ciaa.gov.np हटलाइन : १०७, पो.ब.नं.: ९९९६ टोल फ्रि नं.: १६६०-०१-२२२३३ |

ख) निर्वाचन आयोग

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|--|--|--|
| निर्वाचन आयोग नेपाल कान्तिपथ, काठमाण्डौ। | ☎ ९७७ ०१ ४२२८६६३ र ४२२५५८० संयुक्त निर्वाचन सञ्चालन केन्द्र (जेईओसी) ९७७-१-४२२०३२२, ४२२०९७५, ४२४५१२१ अडियो नोटिस बोर्ड १६१८०१४२३९७७४ ☎ ०१-४२२५५८०, ४२२९२२७ | info@election.gov.np, ecnfusu@gmail.com www.election.gov.np Facebook: www.facebook.com/ecnofficia |

ग) महान्यायाधिवक्ताको कार्यालय

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|--|---------------------------------------|---|
| महान्यायाधिवक्ताको कार्यालय, सिंहदरवार, काठमाण्डौ। | ☎ ०१ ४२०००८२६, ४२०००८१६ ☎ ४२०००८२७ | www.ag.gov.np info@ag.gov.np, ags@ag.gov.np |

घ) महालेखा परीक्षकको कार्यालय

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|--|---------------------------|--|
| महालेखा परीक्षकको कार्यालय, बबरमहल, काठमाण्डौ। | ☎ ०१ ४२६२९५८ ☎ ४२६२७९८ | oagnep@ntc.net.np www.oagnep.gov.np |

ङ) लोकसेवा आयोग

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|------------------------------------|-------------|-----------------|
| लोक सेवा आयोग, अनामनगर, काठमाण्डौ। | | |
| अध्यक्ष | ☎ ०१ ४७७५२७ | info@psc.gov.np |
| सचिव | ☎ ०१ ४७७५१३ | www.psc.gov.np |

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|----------|---|--------------|
| कार्यालय | ☎ ०१ ४७७१४८८, ४७७१४८९, ४७७१४९४, ४७७१५२८ ☎ ४७७१४९० | |

च) राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|--|-------------------------------------|--|
| राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग, हरिहरभवन, ललितपुर। | | |
| अध्यक्ष | ☎ ०१ ४५५२५६५९, ५०१००१५ ☎ ५५४७९७३ | www.nhrcnepal.org nhrc@nhrcnepal.org अडियो नोटिस बोर्ड १६१८०१५०१००१५ |

राष्ट्रिय योजना आयोग

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---|----------------------------|--|
| राष्ट्रिय योजना आयोग, सिंहदरवार, काठमाडौं। | ☎ ०१ ४२११९७९० ☎ ४२११७०० | npc@npc.gov.np www.npc.gov.np सन्देश सूचना बोर्ड १६१८०१४२१११४३ |

विशेष अदालत

| कार्यालय | फोन | इमेल/वेबसाईट |
|-------------|--------------------------------|--------------|
| विशेष अदालत | ☎ ०१ ४२२८८३६, ४२१२२४०, ४२१६६५१ | |

३.५ संघीय मन्त्रालयहरू

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------|---|---|--|
| १ | रक्षा मन्त्रालय सिंहदरवार, काठमाडौं। | ☎ ०१-४२११२८९ ०१४२११२९४ | info@mod.gov.np www.mod.gov.np |
| २ | गृह मन्त्रालय सिंहदरवार, काठमाडौं। | ☎ ०१-४२११२०८, ४२११२१४ ☎ ०१-४२११२५७, ४२११२८६ | gunaso@moha.gov.np www.moha.gov.np टोल फ्रि नं. १११२ |
| ३ | अर्थ मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं। | माननीय मन्त्री ज्यू ☎ ०१-४२११८०९ ☎ ०१-४२११८३१, ४२११८३१ मन्त्रीज्यूको निजी सचिवालय ☎ ०१ ४२११८०९, १३९० सचिव ☎ ०१-४२१११६१ ☎ ०१-४२१११६४ | moev@mof.gov.np www.mof.gov.np |
| ४ | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय, रामशाहपथ, काठमाडौं। | ☎ ०१ ४२६२५४३, ४२६२८०२ ☎ ०१- ४२६२६९६ | info@mohp.gov.np www.mohp.gov.np |

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------|---|--|---|
| ५ | परराष्ट्र मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१-४२००१८२, १८३, १८४, १८५ ☎ ०१ ४२०००६१, ०५६, | info@mofa.gov.np टोल फ्रि नं. १६६०-०१- ००१८६ |
| ६ | उर्जा, जलश्रोत तथा सिँचाई मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१-४२११४२६, ४२११५१६ ☎ ०१-४२०००२६, ४२११५१० | info@moewri.gov.np www.moewri.gov.np |
| ७ | उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ती मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१-४२११५४६ ४२११६०८, ४२११२९८ ☎ ०१-४२१११६७ | info@moc.gov.np www.moc.gov.np |
| ८ | कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१-४२००२२५ ☎ ०१-४२११६८४ | infolaw@moljpa.gov.np www.moljpa.gov.np |
| ९ | शहरी विकास मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१-४२११६७३ ☎ ०१-४२११८७३ | info@moud.gov.np www.moud.gov.np |
| १० | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१ ४२११६९८, ४२११७७८, ४२११५८५ ☎ ०१- ४२००६२४ | info@most.gov.np www.most.gov.np टोल फ्रि नं. १६८१८०१४२११६९८ |
| ११ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१ ४२११७३२, ४२११९३१, ४२११६५५, ४२११६०३, ४२११८८० ☎ ०१- ४२११७२० | info@mopit.gov.np www.mopit.gov.np |
| १२ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१ ४२११६७८, ४२११७९१, ४२११७३३, ☎ ०१- ४२११८७७ | info@moless.gov.np www.moless.gov.np |
| १३ | वन तथा वातावरण मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१ ४२११७३२, ४२११९३१, ४२११६५५, ४२११६०३, ४२११८८० ☎ ०१- ४२११७२० | info@mopit.gov.np www.mopit.gov.np |
| १४ | सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१ ४२००३०९ ☎ ०१-४२००३०९ | info@mofaga.gov.np www.mofaga.gov.np सन्देश सूचना बोर्ड: १६१८०१४२००३०९ |
| १५ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं | ☎ ०१ ४२११९०५, ४२११९५०, ४२११६९७ ☎ ०१-४२११९३५ | info@moad.gov.np www.moad.gov.np |

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------|---|--|--|
| १६ | महिला, बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१-४२०००८२, ४२००१६४, ४२००२७५, ४२००१२५, ४२००२५१ ४२००१६८, ४२००२२१, ४२००१४० ☎ ०१-४२००११६ | Audio Notice Board Service No.: १६१८-०१- ४२०००८२ Twitter Page: @ mowcsc_nepal info@mowcsc.gov.np www.mowcsc.gov.np |
| १७ | सस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१-४२११६६९, ४२११८४६ ☎ ०१-४२११७५८, ४२११९९२ | info@tourism.gov.np www.tourism.gov.np |
| १८ | युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१-४२००५४२, ४२००५४०, ४२००५३९, ४२००५४३ ☎ ०१ ४२००५५२ | Notice Board १६१८ ०१ ४२००५४२ info@moys.gov.np http:www.moys.gov.np |
| १९ | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१-४२११५५६, ४२११८४६ ☎ ०१-४२११७२९ | Audio Notice Board : १६१८०१४२००४३९ info@mocit.gov.np www.mocit.gov.np |
| २० | खानेपानी तथा सरसफाई मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१-४२११६९३, ४२११८४६ ☎ ०१-४२११४३३ | info@mowss.gov.np www.mowss.gov.np टोल फ्री: १६६०-०१- ४२१११ |
| २१ | भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्रालय, सिंहदरवार, काठमाडौं । | ☎ ०१-४२११७०८ ☎ ०१-४२११६६ | info@molrm.gov.np www.molrm.gov.np Toll free no:१६६००१००३० |

३.६ कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय

मन्त्रालय अन्तर्गतका महाशाखा तथा शाखाहरु

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------------|----------------------------|-------------------------------------|
| मन्त्री | ☎ ०१ ४२११९२९ | info@moad.gov.np www.moad.gov.np |
| राज्य मन्त्री | ☎ ०१ ४२११८९८ ☎ ४२११६२३९ | Toll free no: १६१८-०७०- ७७७७७९ |

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|--|------------------------------|--|
| गुनासो व्यवस्थापन कक्ष | ☎ ०१-४२११४७६ | gunaso@moald.gov.np info@moad.gov.np Toll free no: 1160 📞 @ hello_MOALD 📘 gunaso.moald |
| सचिव (कृषि तर्फ) | ☎ ०१-४२११८०८ ☎ ०१-४२११९३५ | |
| सचिव (पशुसेवा तर्फ) | ☎ ०१-४२११७०६ | |
| महाशाखाहरु | | |
| क. प्रशासन महाशाखा | ☎ ०१-४२११९३२ | |
| आन्तरिक प्रशासन (पशुपन्धी कर्मचारी प्रशासन समेत) शाखा | ☎ ०१-४२३२८०९ | |
| कृषि कर्मचारी प्रशासन शाखा | ” | |
| कानून तथा फैसला कार्यान्वयन शाखा | ” | |
| आर्थिक प्रशासन शाखा | ☎ ०१-४२०००४२ | |
| ख. कृषि विकास महाशाखा | ☎ ०१-४२११६८७ | |
| कृषि सामग्री व्यवस्थापन तथा प्रविधि शाखा | ☎ ०१-४२११८२७ | aims.moad@gmail.com |
| कृषि उत्पादकत्व व्यवस्थापन शाखा | ” | |
| कृषि विकास रणनीति समन्वय शाखा | ” | |
| ग. खाद्य सुरक्षा तथा खाद्य प्रविधि महाशाखा | ☎ ०१-४२११९१५ | |
| खाद्य तथा पोषण सुरक्षा शाखा | ” | |
| खाद्य प्रविधि एवं स्वच्छता शाखा | ” | |
| कृषि जैविक विविधता तथा वातावरण शाखा | ” | |
| घ. योजना तथा विकास सहायता समन्वय महाशाखा | ☎ ०१-४२११६६५ ☎ ०१-४२११९३५ | budget.moad@gmail.com |
| नीति समन्वय शाखा | ☎ ०१-४२११९५० | |
| बजेट तथा कार्यक्रम शाखा | ☎ ०१-४२११८४१ | |
| विकास सहायता समन्वय शाखा | ☎ ०१-४२११९५० | |
| मानव संशाधन, लैङ्गिक विकास तथा समावेशी शाखा | ” | |
| तथ्याङ्क तथा विश्लेषण शाखा | ” | |
| अनुगमन तथा मुल्याङ्कन शाखा | ” | |
| ड. कृषि तथा पशुपन्धी व्यवसाय प्रबर्द्धन महाशाखा | ☎ ०१-४२११९४० ☎ ०१-४२११९३५ | |

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेवसाईट |
|---|---|--------------------------|
| कृषि कर्जा बिमा तथा विपद व्यवस्थापन शाखा | ” | |
| कृषि व्यवसाय तथा बजार प्रबर्द्धन शाखा | ” | |
| कृषि भौगोलिक सुचना प्रविधि शाखा | ” | |
| कृषि यान्त्रिकरण तथा साना सिचाई शाखा | ” | |
| क्वारेन्टाइन समन्वय शाखा | ” | |
| च. पशुपन्छी तथा मत्स्य विकास महाशाखा | ☎ ०१ ४२११८३२, ४२११४७७ ☎ ४२११८३९, ४२११९३५ | |
| नशु सुधार तथा अनुवांशिक श्रोत व्यवस्थापन शाखा | ☎ ०१ ४२११४८० | |
| पशुपन्छी उत्पादन तथा प्रविधि प्रबर्द्धन शाखा | ” | |
| चरन तथा आहारा व्यवस्थापन शाखा | ” | |
| मत्स्य विकास शाखा | ☎ ०१ ४२११७०६ | moaldfisheries@gmail.com |
| छ. पशु स्वास्थ्य महाशाखा | ☎ ०१ ४२११४७४ ☎ ४२११९३५ | |
| पशु चिकित्सा तथा रोग समन्वय शाखा | ☎ ०१ ४२११७०६ | |
| भेटेरीनरी जनस्वास्थ्य एवं पशु कल्याण शाखा | ” | |
| पशुपन्छी औषधी व्यवस्थापन तथा नियमन शाखा | ” | |

मन्त्रालयको प्रवक्ता र सूचना अधिकारी

| नाम | फोन | इमेल/वेवसाईट |
|-------------------------------------|--------------|--------------------|
| प्रवक्ता, सहसचिव कृषि विकास महाशाखा | ☎ ०१-४२११६८७ | tbsudedi@gmail.com |
| सूचना अधिकारी | ① ९८४११५४८९२ | - |

३.७ राष्ट्रिय किसान आयोग

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेवसाईट |
|------------|--|--|
| अध्यक्ष | ☎ ०१-५५२११४५, ५५२००८५, ५५२१०१७, ५५५३८१५, ५५२८७४९ | nfcnepal2017@gmail.com www.nfc.gov.np |
| सदस्य सचिव | ५२२५२२६ | |

मन्त्रालय अन्तर्गतका केन्द्रिय निकायहरू

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|--|--|--|
| १. कृषि सूचना तथा प्रशिक्षण केन्द्र (AITC), हरिहरभवन। | ☎ ०१-५५२२२५८, ५५२५६९७, ५५२२२४८ | info@aitc.gov.np www.aitc.gov.np kishan Call Center Toll free no: १६६००१९५००० |
| २. बीउ बिजन गुणास्तर नियन्त्रण केन्द्र (SQCC), हरिहरभवन। | ☎ ०१-५५२९३५९, ५५३४५८८ प्रमुख मोबाइल नं. ९८५१२२९३५९ ☎ ५५२६२७६ | info@sqcc.gov.np www.sqcc.gov.np |
| ३. प्लान्ट क्वारेन्टीन एवम् बिषादी व्यवस्थापन केन्द्र (PQPMC), हरिहरभवन। | ☎ ०१ ५५२५९७, ५५३५८४४, ५०१०१११, ५५५३७९८ | info@npponepal.gov.np www.npponepal.gov.np |
| ३.१ क्वारेन्टीन कार्यालय काकरभित्ता। | ☎ ०२३-५६२०५७ ☎ ०२३-५६३६२९ | kakarvitta@npqnepal.gov.np |
| ३.२ क्वारेन्टीन कार्यालय, विराटनगर। | ☎ ०२१-४३५३०९, ९८४२०२७८४० ☎ ०२१-४३५३०९ | biratnagar@npqnepal.gov.np |
| ३.३ क्वारेन्टीन कार्यालय, वीरगन्ज। | ☎ ०५१-५२२९९६, ९८४९६०७६७० ☎ ०५१-५२२९९६ | birgunj@npqnepal.gov.np |
| ३.४ क्वारेन्टीन कार्यालय, भैरहवा। | ☎ ०७१-४१८०१२, ९८५७०९६३७१ ☎ ०७१-४१८०१२ | bhairahawa@npqnepal.gov.np |
| ३.५ क्वारेन्टीन कार्यालय, नेपालगन्ज। | ☎ ०८१-४१२००७, ९८५८०२७३२३ ☎ ०८१-४१२००७ | nepalgung@npqnepal.gov.np |
| ३.६ क्वारेन्टीन कार्यालय, गड्डाचौकी। | ☎ ०९९-४०२०७५, ९८४९५२९७२३ ☎ ०९९-४०२०७५ | gaddachauki@npqnepal.gov.np |
| ३.७ क्वारेन्टीन कार्यालय, भन्टाबारी। | ☎ ०२५-४६००३४, ९८४२९५१७२७ | vhantabari@npqnepal.gov.np |
| ३.८ क्वारेन्टीन कार्यालय, मलंगवा। | ☎ ०४६-४२९५१२, ९८५४०३६४४८ ☎ ०४६-४२९५१२ | malangawa@npqnepal.gov.np |
| ३.९ क्वारेन्टीन कार्यालय, जलेश्वर। | ☎ ०४४-५२०२२३, ९८५४०३२९२५ ☎ ०४४-५२०२२३ | jaleshwor@npqnepal.gov.np |

| कार्यालय | फोन/फ्याक्स | इमेल/वेवसाईट |
|---|---|------------------------------|
| ३.१० क्वारेन्टीन कार्यालय, तातोपानी, सिन्धुपाल्चोक । | ☎ ०११-४८०१५२, ९८५११६४७४० ☎ ०११-४८०१५२ | tatopani@npqnepal.gov.np |
| ३.११ क्वारेन्टीन कार्यालय, टिमुरे, रसुवा । | ☎ ०१०-६९२४९४, ९८४५०४१९४९ ☎ ०१०-६९२४९४ | timurerasuwa@npqnepal.gov.np |
| ३.१२ क्वारेन्टीन कार्यालय, (त्रि. अ. वि., काठमाडौं) | ☎ ०१-४११२३८१ ☎ ०१-४११२३८१ | airportktm@npqnepal.gov.np |
| ३.१३ क्वारेन्टीन कार्यालय, कृष्णनगर, कपिलवस्तु । | ☎ ०७६-५२०८४५, ९८४७२०४१३४ ☎ ०७६-५२०८४५ | krishnanagar@npqnepal.gov.np |
| ३.१४ क्वारेन्टीन कार्यालय, झुलाघाट, बैतडी । | ☎ ०९९-५२५३९८, ९८११३३०७२८ ☎ ०९९-५२५३९८ | jhulaghat@npqnepal.gov.np |
| ३.१५ क्वारेन्टीन कार्यालय, लोमाङथाङ, मुस्ताङ । | ① ९८६७९२००६५ | lomangthang@npqnepal.gov.np |

कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय अन्तर्गतका आयोजनाहरू

| कार्यालयको नाम | फोन नं./फ्याक्स | इमेल/वेवसाईट | कार्यक्रम लागु भएका जिल्लाहरू |
|--|--|--|--|
| प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकिकरण परियोजना (PMAMP), खुमलटार, ललितपुर । | ☎ ०१-५५२०३४६ ☎ ०१-५५२०३४६ | pmamp.pmu@gmail. com, info@pmamp. gov.np www.pmamp.gov.np | सबै जिल्ला |
| कृषि क्षेत्र विकास कार्यक्रम (ASDP), सुर्खेत । | ☎ ०८३-५२४४६६ ०८३-५०१०२९३ ☎ ०८३-५२४४०३, | info@hvap.gov.np hvapnepal@gmail.com www.hvap.gov.np info@asdp.gov.np insad.asdp@gmail. com | सुर्खेत, सल्यान, जाजरकोट, दैलेख, कालीकोट, जुम्ला, अछाम, मुगु हुम्ला र डोल्पा |
| किसानका लागि उन्नत बीउ बिजन कार्यक्रम (KUBK), कार्यक्रम व्यवस्थापन कार्यालय, शंकरनगर, रुपन्देही । सम्पर्क कार्यालय: हरिहरभवन, ललितपुर । | ☎ ०७१-४२०२४४ ०७१-४२०२४५ ०१-५०१०२९३ | kubkisfp2012@gmail. com kubkliasonoffice@ gmail.com www.kubk.gov.np info@kubk.gov.np | गुल्मी, अर्घाखाँची, पूर्वी रुकुम, पश्चिम रुकुम, रोल्पा, सल्यान र प्यूठान (७) |

| कार्यालयको नाम | फोन नं./फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट | कार्यक्रम लागु भएका जिल्लाहरू |
|---|---|---|--|
| खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सुधार आयोजना, (FANSEP), हरिहरभवन, ललितपुर। | ☎ ०१-५५५२९७१ | fansepnepal@gmail.com www.fansep.gov.np | सिन्धु, दोलखा, गोरखा धादिङ, महोत्तरी, धनुषा, सिरहा र सप्तरी (८ जिल्ला) |
| जलवायु प्रकोप समुत्थान निर्माण आयोजना, कृषि व्यवस्थापन सूचना प्रणाली (PPCR), हरिहरभवन, ललितपुर। | ☎ ०१-५५२४२३० ०१-५५२९८८७ | ppcr-amis@gmail.com, www.amis.gov.np | झापा, मोरङ्ग, सुनसरी, धनकुटा, संङ्गखुवासभा, सप्तरी, सिराहा, वारा, महोत्तरी, काभ्रे, दोलखा, चितवन, धादिङ्ग, मुस्ताङ्ग, कास्की, पाल्पा, रुपन्देही, कपिलबस्तु, बाके, दाङ, सुर्खेत, रुकुम, जुम्ला, दार्चुला, डोटी र कैलाली |
| एकिकृत जलश्रोत व्यवस्थापन आयोजना (IWRMP), मानभवन, ललितपुर। | ☎ ०१-५५५३५३२, ०१-५५५३५३३, ☎ ०१-५००८७८ | info@iwrmp.gov.np, iwrmpdoa008@gmail.com www.iwrmp.gov.np | झापा, सुनसरी वारा, पर्सा, गण्डकी प्रदेश, प्रदेश ५, कर्णाली प्रदेश र सुदूर पश्चिम प्रदेशका सबै जिल्लाहरू |
| रानी जमरा कुलरिया सिंचाई आयोजना, टिकापुर, कैलाली। | ☎ ०९१-५६९४९५, ०९१-५६९४९४ | rjkisacin@gmail.com www.mrjkipp_acin.gov.np | कैलाली |
| साना तथा मझौला कृषक आयस्तर वृद्धि आयोजना – RISMFP, नेपालगञ्ज। | ☎ ०९५-०१०२२९ ०८१-५२८३०६ | rismfp.pmu@gmail.com | बाके, बर्दिया, दाङ्ग, सुर्खेत, दैलेख, कैलाली, डोटी, डडेलधुरा, बैतडी र दार्चुला |
| समुदायमा व्यवस्थित सिंचित कृषि क्षेत्र आयोजना (CMIASP-AF), हरिहरभवन, ललितपुर। | ☎ ०१-५५३५३८२, ☎ ०१-५५३७६९ | irrigation@wlink.com.np | प्रदेश १, २, ३, गण्डकी प्रदेश र कर्णाली प्रदेश |

| कार्यालयको नाम | फोन नं./फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट | कार्यक्रम लागु भएका जिल्लाहरू |
|---|-----------------------------|--|---|
| नेपाल लाइभस्टक सेक्टर इनोभेसन आयोजना (NLSIP), हरिहरभवन, ललितपुर। | ☎ ०१-५०१०००१, ०१-५५५४९०६ | admin@ nepallivestock.com www.nlsip.gov.np | जिल्ला २८ पाँचथर, इलाम, झापा, धनकुटा, उदयपुर, मोरङ्ग, सुनसरी, सप्तरी, धनुषा, सिराहा, काभ्रे, काठमाण्डौ, मकवानपुर, चितवन, स्याङ्जा, कास्की, मनाङ, मुस्ताङ, तनहु, म्याग्दी, रुपन्देही, पूर्वि नवलपरासी, पश्चिम नवलपरासी, अर्घाखाची, कपिलवस्तु, नवलपरासी, गुल्मी, पाल्पा र बर्दिया |
| China-Nepal Agricultural Technology Co-operation project (CNATCP) | ☎ ०१-५५२४९९० | cpmu.doa@gmail.com | |
| Sindhuli Road Corridor Commercial Agriculture promotion project (SRC-CAP) | ☎ ०१-५५२३२६९ | src.cap2015@gmail.com | |
| Value Chain Development of Fruit and Vegetable | ०१-५०१०२०६, ०१-५५२०९५० | info@vcdp.org.np www.npundp.org | धादिङ, मकवानपुर, चितवन, गोरखा, नवलपरासी, तनहुँ, कास्की, स्याङ्जा, काभ्रे, दोलखा, रामेछाप र सिन्धुली |

३.८ कृषि विभाग तथा अन्तर्गतका निकायहरू

| कार्यालय | फोन नं. | इमेल/वेबसाईट |
|---|------------------------------|---|
| महानिर्देशक | ☎ ०१ ५५२९३२३ ☎ ०१ ५५२४०९३ | info@doanepal.gov.np www.doanepal.gov.np |
| उपमहानिर्देशक (योजना अनुगमन तथा व्यवस्थापन महाशाखा) | ☎ ०१ ५०१०९२४ | |
| प्रशासन शाखा | ०१ ५५२५२४३ | doa.agri2014@gmail.com |

| कार्यालय | फोन नं. | इमेल/वेबसाईट |
|--|---------------------------|------------------------------|
| लेखा शाखा | ☎ ०१ ५५२५२४३ ☎ ५५२४२२९ | doa.ac2070@gmail.com |
| योजना कार्यक्रम तथा अनुगमन शाखा | ☎ ०१ ५५२४२२९ ☎ ५५२४२२९ | planning235@gmail.com |
| बजार विकास आर्थिक विश्लेषण तथा तथ्यांक शाखा | ☎ ०१ ५५२४२२६ | |
| उपमहानिदेशक (कृषि उत्पादकत्व महाशाखा) | ☎ ०१ ५५२९३५६ ☎ ५५२४०९३ | info@doanepal.gov.np |
| बागवानी विकास शाखा | | |
| बाली विकास शाखा | ☎ ०१-५५२४२२६ | |
| व्यावसायिक किट विकास शाखा | | info@doanepal.gov.np |
| माटो व्यवस्थापन शाखा | ☎ ०१ ५०१०००३ | |
| उपमहानिदेशक (प्रविधि तथा समन्वय महाशाखा) | ☎ ०१ ५५२९१२७ | |
| प्रविधि विस्तार शाखा | ☎ ०१ ५५२३२६९ | prabidhibistar2075@gmail.com |
| कृषि इन्जिनियरिंग तथा पोष्ट हार्भेष्ट शाखा | ☎ ०१ ५५२५२९३ | |
| कृषि उत्पादन सामग्री व्यवस्थापन शाखा | ☎ ०१ ५५२२०४२ | doaproductio18@gmail.com |
| बाली संरक्षण शाखा | | |
| उपमहानिदेशक (केन्द्रिय आयोजना व्यवस्थापन इकाई) | ☎ ०१ ५५२९१२७ ☎ ५५२५९९० | cpmu.doa@gmail.com |

कृषि विभाग मातहतका निकायहरू

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं./ फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------|--|--|---|
| १ | राष्ट्रिय फलफुल विकास केन्द्र, किर्तिपुर, काठमाडौं । | ☎ ०१ ४३३९९१९ ☎ ०१- ४३३०७७१ | www.fold.gov.np fold.gov.np@gmail.com |
| १.१ | उष्ण प्रदेशिय वागवानी केन्द्र, नवलपुर, सर्लाही । | ☎ ०४६ ५०९१०९ | tropicalhorticultuture@yahoo.com |
| १.२ | समशितोष्ण वागवानी केन्द्र, किर्तिपुर, काठमाडौं । | ☎ ०१-४३३०५४९, ४३३०४०४, ४३३०५४० ☎ ०१- ४३३०७७१ | chkirtipur@gmail.com chkirtipur.org.np |
| १.३ | सुन्तला जात फलफुल विकास केन्द्र, तानसेन, पाल्पा । | ☎ ०७५ ५२०९४७ ☎ ०७५ -५२०९४७ | cdcpalpa@yahoo.com |
| १.४ | कफि विकास केन्द्र, आँपचौर, गुल्मी । | ☎ ०७९ ६९९९९६ | cofeegulmi@gmail.com |
| १.५ | सितोष्ण वागवानी केन्द्र, मार्फा, मुस्ताङ्ग । | ☎ ०६९ ४०००३४ ☎ ०६९ ४०००३४ | thdc.marpha@gmail.com |

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं./ फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------|---|---|---|
| २ | राष्ट्रीय आलु तरकारी तथा मसला बाली विकास केन्द्र, खुमलटार, ललितपुर। | ☎ ०१ ५५२३७०१ ☎ ०१ ५५४०९९३ | info@ncpvs.gov.np vdd.gov.np@gmail.com www.vdd.gov.np |
| २.१ | तरकारी बाली विकास केन्द्र, खुमलटार, ललितपुर। | ☎ ०१ ५५१२३१४१ | info@cvspc.gov.np www.cvspc.gov.np |
| २.२ | तरकारी बाली विकास केन्द्र, रुकुम। | ☎ ०८८६८०१५०, ९८५७८२४२७२ | rukumfarm@gmail.com |
| २.३ | आलु बाली विकास केन्द्र, निगाले, सिन्धुपाल्चोक। | ☎ ०११ ६८५८१६, ९८५११२६८३६ | nigalefarm@gmail.com |
| २.४ | अलैचि बाली विकास केन्द्र, फिक्कल, इलाम। | ☎ ०२ ७५४०१३२, ९८५२६८०९६७, ९८५२६८०५६१ | alaichibikash033@gmail.com |
| ३ | केन्द्रीय कृषि प्रयोगशाला (माटो, विउ, बाली संरक्षण), हरिहरभवन, ललितपुर। | ☎ ०१ ५५२०३१४ ☎ ०१-५५३३७९१ | centralaglab.sspp@gmail.com www.centralaglab.gov.np |
| ४ | कृषि पुर्वाधार विकास तथा कृषि यान्त्रीकरण प्रबर्द्धन केन्द्र, ललितपुर। | ☎ ०१ ५५२४२२७, ५५२४२२८ | campid2075@gmail.com www.caidmp.gov.np |
| ४.१ | कृषि यान्त्रीकरण प्रबर्द्धन केन्द्र नक्टाझिझ, जनकपुर। | ☎ ०४१ ६२०८३४ ९८५४०२९९३३७ | adpjanakpur@yahoo.com www.jadp.gov.np |
| ५ | व्यावसायिक किट विकास केन्द्र, ललितपुर। | ☎ ०१-५५२४२२५, ५५१००९० ☎ ०१-५५४६८७० | info@doiednepal.gov.np www.cied.gov.np |
| ५.१ | मौरी विकास केन्द्र, गोदावरी, ललितपुर। | ☎ ०१-५१७४१३८, ०१-५१७४०५२ ☎ ०१-५१७४१३८ | bgodawari@gmail.com www.bkds.gov.np |
| ५.२ | रेशम विकास केन्द्र, खोपासी, काभ्रे। | ☎ ०११-४४०३१४ ☎ ०११-४१०२५० | khopasisericulture2032@gmail.com www.sdc.gov.np |
| ६ | बाली विकास तथा कृषि जैविक विविधता संरक्षण केन्द्र, हरिहरभवन, ललितपुर। | ☎ ०१ ५५२११५१, ५५५०२२६ ☎ ०१-५५५०२२६ | www.doacrop.gov.np cdabc2018@gmail.com |
| ६.१ | कृषि विकास फार्म, चन्द्रडांगी, झापा। | | adfchandradangi@gmail.com |

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं./ फ्याक्स | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--|------------------|------------------------|
| ६.२ | कृषि विकास फार्म, सुन्दरपुर, कन्नचनपुर। | ☎ ९८५८७५०३९५ | kbfsundarpur@gmail.com |

३.९ पशु सेवा विभाग तथा अन्तर्गतका निकायहरू

| शाखा | फोन/फ्याक्स | ईमेल/वेबसाईट |
|---|--|-----------------------------------|
| महानिर्देशक | ☎ ०१-५५२२०५६ ☎ ०१-५५४२९९५ | dgds@ntc.net.np www.dls.gov.np |
| पशुपन्छी रोग अन्वेषण तथा नियन्त्रण महाशाखा (उपमहानिर्देशक) | ०१-५५२९६९० ☎ ०१-५५४२९९५ | |
| महामारी, रोग नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन शाखा | ०१-४२६९९६५ ☎ ०१-४२६९५२९ | |
| भेटेनरी ईपिडेमियोलोजी शाखा | ०१-४२५०७१७ ☎ ०१-४२६९५२९ | dgds@ntc.net.np www.dls.gov.np |
| एकिकृत स्वास्थ्य शाखा | ०१-५५२९६९० ☎ ०१-५५४२९९५ | |
| पशु क्वारेन्टाइन महाशाखा (उपमहानिर्देशक) | ०१-५५५४९९२, ०१-५५५४९९० | |
| जोखिम विश्लेषण शाखा | ०१-५५५४९९२, ०१-५५५४९९० | |
| आन्तरिक तथा सिमा पशु क्वारेन्टाइन व्यवस्थापन शाखा | ०१-५५५४९९२, ०१-५५५४९९० | |
| आयात निर्यात नियमन शाखा | ०१-५५२५४७९ | |
| पशुपन्छी आनुवांशिक श्रोत तथा आर्थिक विश्लेषण महाशाखा (उपमहानिर्देशक) | ०१-५५२२०५९, ☎ ०१-५५९६६४९ | |
| पशुपन्छी तथ्याङ्क व्यवस्थापन तथा आर्थिक विश्लेषण शाखा | ” | |
| पशुपन्छी उद्योग व्यवसाय विकास प्रवर्द्धन शाखा | ” | |
| मत्स्य प्रवर्द्धन तथा संरक्षण शाखा | ” | |
| आयोजना समन्वय इकाई | ०१-५५३९००७ | |
| योजना तथा अनुगमन शाखा | ०१-५५२९६९०, ☎ ०१-५५४२९९५ | |
| प्रशासन शाखा | ☎ ०१-५५४४७२६ ०१-५५२२४७९ ☎ ०१-५५४२९९५ | |

पशु सेवा विभाग मातहतका निकायहरू

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------|---|--|--|
| १ | केन्द्रीय मत्स्य प्रबर्द्धन तथा संरक्षण केन्द्र, बालाजु, काठमाण्डौ । | ☎ ०१ ४३५०८३३, ४३८५६४६, ६२००७३३ ☎ ०१ ४३५०८३३ | dofnep@gmail.com info@dofd.gov.np www.dofd.gov.np |
| १.१ | मत्स्य मानव संशाधन विकास तथा प्रविधि परीक्षण केन्द्र, जनकपुरधाम, धनुषा । | ☎ ०४१ ५२०१५६ ☎ ०४१ ५२०३९६ | fdtc@gmail.com www.fdtc.jnk.gov.np |
| १.२ | प्राकृतिक जलाशय मत्स्य प्रबर्द्धन एवं संरक्षण केन्द्र, हेटौँडा, मकवानपुर । | ☎ ०५७ ५२०५६७ | |
| १.३ | मत्स्य शुद्ध नश्रु संरक्षण तथा प्रवर्द्धन श्रोतकेन्द्र, भैरहवा, रुपन्देही । | ☎ ०७१ ५२९१८४ ☎ ०७१ ४२९३९६ | fdcbhairahawa@yahoo.com |
| २ | केन्द्रीय पशुपन्थी रोग अन्वेषण प्रयोगशाला, त्रिपुरेश्वर, काठमाण्डौ । | ☎ ०१ ४२९२१४३ ०१-४२६९९३८ ☎ ०१ ४२६९८६७ | Info@cvl.gov.np www.cvl.gov.np |
| २.१ | पशुपन्थी रोग अन्वेषण प्रयोगशाला, विराटनगर, मोरङ्ग । | ☎ ०२१-४७०२०८ ☎ ०२१-४७००२७ | rbbrrt@gmail.com sanjayyadav160@hotmail.com |
| २.२ | पशुपन्थी रोग अन्वेषण प्रयोगशाला, जनकपुर, धनुषा । | ☎ ०४१-५२१७२४ ९८४५४२४८७९ ९८४४१२१९६१ ☎ ०४१-५२१७२४ | inforvjanakpur@gmail.com singh1.rakeshdr@gmail.com bhaktirvl@gmail.com |
| २.३ | पशुपन्थी रोग अन्वेषण प्रयोगशाला, पोखरा, कास्की । | ☎ ०६१-५२०४१९ ९८४६०२०२८२ ☎ ०६१-५२०४१९ | rbl.pokhara@gmail.com kedarrajpandey1@gmail.com |
| २.४ | पशुपन्थी रोग अन्वेषण प्रयोगशाला, सुर्खेत । | ☎ ०८३-५२०२५० ९८४९३३७३२० ☎ ०८३-५२३७६२ | rblsurkhet@gmail.com drpandeykr@yahoo.com |
| २.५ | पशुपन्थी रोग अन्वेषण प्रयोगशाला, धनगढी, कैलाली । | ☎ ०९१-५२२९८२ ९८४८०२४४३२ ☎ ०९१-५२५८९६ | rvldhn@gmail.com drvishnudhital@gmail.com |
| ३ | खोरेत तथा सिमाविहिन पशुरोग अन्वेषण प्रयोगशाला, काठमाण्डौ । | ☎ ०१-४३७०६५७ ☎ ०१-४३७०६५७ | nfmdnepal@gmail.com www.nfmd.gov.np |
| ४ | राष्ट्रिय पन्थी रोग अन्वेषण प्रयोगशाला, चितवन । | ☎ ०५६-५२७५४१ ☎ ०५६-५२७५४१ | nalchitwan@gmail.com |

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------|---|--|--|
| ५ | केन्द्रीय रिकरल पशु चिकित्सालय, काठमाण्डौ । | ☎ ०१-४२६१३८२ | www.cvh.gov.np |
| ६ | भेटेरिनरी गुणस्तर तथा औषधि नियमन प्रयोगशाला, काठमाण्डौ । | ☎ ०१-४४६८२४३, ०१-४६५०४५७ ☎ ०१-४४६८२४३ | www.vsdao.gov.np |
| ७ | राष्ट्रिय खोप उत्पादन प्रयोगशाला, त्रिपुरेश्वर, काठमाण्डौ । | ☎ ०१-४४५२३४८ ☎ ०१-४२१५७०३ | info@nvpl.gov.np www.cbpl.gov.np |
| ८ | पशु क्वारेन्टाइन कार्यालयहरू | | |
| ८.१ | पशु क्वारेन्टाइन कार्यालय, काकरभित्ता | ☎ ०२३-५६२१४८ ☎ ०२३-५६२१४८ | quarantine_jhapa@dls.gov.np pasupatinagar@dls.gov.np gaurigunj@dls.gov.np |
| ८.२ | पशु क्वारेन्टाइन कार्यालय, विराटनगर क. चेकपोष्ट, रानी ख. चेकपोष्ट, भण्टाबारी गं चेकपोष्ट, माडर | ☎ ०२१-४३५५०१ ☎ ०२१-४३५५०१ | quarantine_morang@dls.gov.np np ranir@dls.gov.np sunasri@dls.gov.np madar@dls.gov.np |
| ८.३ | पशु क्वारेन्टाइन कार्यालय, जनकपुर क. चेकपोष्ट, जठरी ख. चेकपोष्ट, भिड्ढामोड, महोत्तरी ग. चेकपोष्ट, मलंगवा | ☎ ०४१-५२६९२६ ०४१-५२०२२८ ०४६-५२०४३६ | quarantine_dhanusa@dls.gov.np jathhi@dls.gov.np bhittamaode@dls.gov.np malangawa@dls.gov.np |
| ८.४ | पशु क्वारेन्टाइन कार्यालय, विरगंज क. चेकपोष्ट, औरीया ख. चेकपोष्ट, रौतहट ग. चेकपोष्ट, पथलैया घ. चेकपोष्ट, जितपुर | ☎ ०५१-५२८५२० ०५१-५२८९७० ०५३-५२०४०४ ०५६-५२०९८३ | quarantine_pasra@dls.gov.np rauthahat@dls.gov.np bara@dls.gov.np jitpur@dls.gov.np |
| ८.५ | पशु क्वारेन्टाइन कार्यालय, भैरहवा क. भैरहवा, रुपन्देही ख. चेकपोष्ट, वेलहिया ग. चेकपोष्ट, कृष्णनगर घ. चेकपोष्ट, त्रिवेणी | ☎ ०७१-५२०३०६ ०७१-५२३०१३ ०७६-५२०५६७ ☎ ०७१-५२०३०६ | quarantine_rupandehi@dls.gov.np belhiya@dls.gov.np krishnanagar@dls.gov.np triveni@dls.gov.np |

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------|--|--|--|
| ८.६ | पशु क्वारेन्टाइन कार्यालय, नेपालगंज क. चेकपोष्ट, नेपालगंज ख. चेकपोष्ट, गुलरिया | ☎ ०८१-५२६९५४ ०८१-५२२१२४ ०८१-५२०४९१ | aqbnepalganj@dls.gov.np nepalgunj@dls.gov.np gulriya@dls.gov.np |
| ८.७ | पशु क्वारेन्टाइन कार्यालय, काठमाण्डौ क. चेकपोष्ट, तातोपानी ख. चेकपोष्ट, त्रि.ह.वि., काठमाडौं ग. चेकपोष्ट, रामनगर | ☎ ०१-४४८७३५६ ०११-४८०२१८ ०१-४४६८१५६ ☎ ०१-४४८७३५६ | tatopani@dls.gov.np kathmandu@dls.gov.np ramnagar@dls.gov.np |
| ८.८ | पशु क्वारेन्टाइन कार्यालय, गड्डाचौकी क. गड्डाचौकी, कन्चनपुर ख. चेकपोष्ट, धनगढी ग. चेकपोष्ट, दार्चुला | ☎ ०९९-४०२१३३ ०९९-४०२०७३ ०९९-५२००१४ ०९३-४२०२०६ ☎ ०९९-४०२१३३ | quarantine_kanchanpur@dls.gov.np dhangadi@dls.gov.np darchula@dls.gov.np |
| ९ | राष्ट्रिय पशु प्रजनन कार्यालय, पोखरा | ☎ ०६१-६२२२८४ ☎ ०६१-४३२६३३ | info@nlbc.gov.np, www.nlbc.gov.np |
| ९.१ | राष्ट्रिय पशु प्रजनन कार्यालय, लाहान | ☎ ०३३-५६०२७३ ☎ ०३३-५६०२७३ | - |
| ९.२ | राष्ट्रिय पशु प्रजनन कार्यालय, नेपालगंज | ☎ ०८१-५२१०२० ☎ ०८१-५२१०२० | - |
| १० | राष्ट्रिय पशुपन्थी श्रोत व्यवस्थापन तथा प्रबर्द्धन कार्यालय, हरिहरभवन, ललितपुर | ☎ ०१-५५२२०३१, ०१-५५४२९१४ ☎ ०१-५५४२०१६ | nlrmpo.gov.np |
| १०.१ | याक अनुवांशिक श्रोतकेन्द्र, स्याङ्गबोचे, सोलुखुम्बु | ☎ ०३८-५४०१२३ ☎ ०३८-५४०१२३ | ydfsolukhumbu@dls.gov.np |
| १०.२ | भेडा अनुवांशिक श्रोतकेन्द्र, पानसयखोला, नुवाकोट | ☎ ०१०-५६०४६२ ☎ ०१०-५६०४६२ | |
| १०.३ | बाख्रा अनुवांशिक श्रोतकेन्द्र, बुढीतोला, कैलाली | ☎ ०९१-५२९३४२ ☎ ०९१-५२९३४२ | gdfbuditola@gmail.com |
| १०.४ | घाँसेबाली अनुवांशिक श्रोत केन्द्र, रंजितपुर, सर्लाही | ☎ ०४६-५०११०८, ५०११७६, ☎ ०४६-५०११०८ | charansarlahi@dls.gov.np |

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. फ्याक्स | इमेल/वेवसाईट |
|---------|--|--|---|
| १०.५ | गाई अनुवांशिक श्रोत केन्द्र, जिरी, दोलखा | ☎ ०४९-४०००६६ ☎ ०४९-४०००६६ | dlsjiri@gmail.com |
| ११ | राष्ट्रिय पशु आहारा तथा लाइभस्टक गुण व्यवस्थापन प्रयोगशाला, काठमाडौं | ☎ ०१-५०१००५९, ५०१००५६ ☎ ५००१००६३ | info@naflqml.gov.np www.naflqml.gov.np |
| १२ | राइजोबियम तथा घाँसेबाली विउविजन प्रयोगशाला, जनकपुर | ☎ ०४१-५२१६८६ ☎ ०४१-५२१६८६ | seeddhanusa@dls.gov.np |
| १३ | सार्क आर. एस. यु., काठमाडौं | ☎ ०१-४२६४६२२ | - |

३.१० खाद्य प्रविधि तथा गुणनियन्त्रण विभाग

| पद | फोन नं. | इमेल/वेवसाईट |
|--|---------------------------|--------------------------|
| महानिर्देशक | ① ९८४९४४९५८९ | sanjeevkkarn@gmail.com |
| उपमहानिर्देशक खाद्य तथा दाना स्वच्छता एवं गुणस्तर नियमन महाशाखा | ☎ ०१४२६२४३० ९८४१५०१६९० | matina_joshi@yahoo.com |
| उपमहानिर्देशक खाद्य प्रविधि विकास तथा पोषण महाशाखा | ☎ ०१४२६२७३९ ९८४२०४१०१४ | upendraray2006@yahoo.com |
| उपमहानिर्देशक राष्ट्रिय खाद्य तथा दाना रेफरेन्स प्रयोगशाला | ☎ ०१४२५८७५३ ९८४१५४९४८८ | neupanekeshav@yahoo.com |

खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण कार्यालयहरू (६ वटा कार्यालयहरू)

| कार्यालय | फोन नं. | ईमेल |
|---|--------------|--|
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण कार्यालय, बिराटनगर, मोरंग | ☎ ०२१-४७०२२१ | rftqcobrt@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण कार्यालय, जनकपुर, धनुषा | ① ९८४५०३५५९१ | Mandal_gyanendra@yahoo.com ftqcoj@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण कार्यालय, हेटौडा, मकवानपुर | ☎ ०५७-४१२८१९ | rftqcotd@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण कार्यालय, भैरहवा, रुपन्देही | ☎ ०७१-४२१००५ | rftqcobhw@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण कार्यालय, नेपालगंज, बाँके | ☎ ०८१-५२१५३७ | rftqcconepalgunj@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण कार्यालय, धनगढी, कैलाली | ☎ ०९१-५२२९७२ | rftqc091@gmail.com |

खाद्य प्रविधि तथा गुणनियन्त्रण डिभिजन कार्यालयहरू (२०७५ मा स्थापना भएका नयां २३ वटा कार्यालयहरू)

| कार्यालय | फोन नं. | ईमेल |
|---|---------------------------|--------------------------------|
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, भद्रपुर न.प.-१०, झापा | ☎ ०२३-४५५००७ | ftqcdojhapa@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, इनरुवा-३, अदालत रोड, सुनसरी | ☎ ०२५-५६९०४६ | ftqcdosunsari@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, धनकुटा न.पा-७, संगमचोक, धनकुटा | ☎ ०२६-५२९३७६ | ftqcdodhankuta@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, त्रियुगा न.पा-११, उदयपुर | ① ९८४२०४५३५० | Ftqcdogaighat35@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, राजविराज न.पा-८,सप्तरी | ☎ ०३९-५२२५२३ | saptariftqcd@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, जलेश्वर, महोत्तरी | ☎ ०४४-५२९९७७ | ftqcdojalshwar@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, मलंगवा-१०, सर्लाही | ☎ ०४६-५२०९४२ | Chaudharyjagat123@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, विरगंज म.पा-०५, पर्सा | ☎ ०५९-५२७०८७ | ftqcdoparsa@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, भरतपुर, चितवन | ☎ ०५६-५३२९४५ | chitwanftqcd@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, कमलामाई न.पा.-६, सिन्धुली | ① ९८०९९९०९८३ | Ftqcd.sindhuli@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, धुलिखेल न.पा. ०७, धुलिखेल | ☎ ०९९-४९०२२० ९८५९२३७५६ | ftqcdodhulikhelkavre@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, बसुन्धरा, काठमाडौं | ☎ ०९-४३५२४९० | ftqcdoktm@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, विदुर न.पा. ०४, नुवाकोट | ☎ ०९०-५६९७२५ | Navarajshrestha11@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, ब्यास न.पा. ०३, दमौली, तनहुँ | ☎ ०६५-५६०९७५ | Shivajibaral27@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, पो. म.पा-०८, पोखरा | ☎ ०६९-५५०४२४ | ftqcdopokhara@gmail.com |
| खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, बाग्लुंग न.पा-०१, बाग्लुङ्ग | ☎ ०६८-५२९८३५ | ftqcdobaglung@gmail.com |

| कार्यालय | फोन नं. | ईमेल |
|---|------------------------------|--|
| खाद्य प्रबिधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, कपिलवस्तु न.पा. १, कपिलवस्तु | ① ९८४२१७६६०७ ☎ ०७६-५६०६०८ | flamebijay@gmail.com ftqcdokv@gmail.com |
| खाद्य प्रबिधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, तानसेन न.पा.-०२, पाल्पा | ① ९८४२६८०५०० | ftqcdopalpa@gmail.com |
| खाद्य प्रबिधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, दाङ | ① ९८४११०२९४० | banjara003vivek@gmail.com |
| खाद्य प्रबिधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, बिरिन्द्रनगर, सुर्खेत | ☎ ०८३-५२२५३० | Veshthapa73@gmail.com |
| खाद्य प्रबिधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, चन्दननाथ न.पा. -४, जुम्ला | ☎ ०८७-५२००४३ | apcumla@gmail.com |
| खाद्य प्रबिधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, दशरथचन्द न.पा. ४, बैतडी | ☎ ०९५-५२०६७३ | ftqcdobai@gmail.com |
| खाद्य प्रबिधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, सीलगढी न.पा.-७, डोटी | ☎ ०९४-४२०३२४ | ftqcdivdoti@gmail.com |
| खाद्य प्रबिधि तथा गुण नियन्त्रण डिभिजन कार्यालय, अमरगढी न.पा. ०५, डडेल्धुरा | ☎ ०९६-४२००३३ | Ftqcd096ddl@gmail.com |

खाद्य आयात निर्यात गुण प्रमाणीकरण कार्यालयहरू (१२ वटा कार्यालयहरू)

| कार्यालय | फोन नं. | ईमेल |
|---|----------------------------|--|
| खाद्य आयात निर्यात गुण प्रमाणीकरण कार्यालय, काकरभिट्टा, झापा | ☎ ०२३-५६२९६५ | fqlokkvtanepal@gmail.com |
| खाद्य आयात निर्यात गुण प्रमाणीकरण कार्यालय, रानी, बिराटनगर | ☎ ०२१-४३५०८८ | feiqcobrt@gmail.com |
| खाद्य आयात निर्यात गुण प्रमाणीकरण कार्यालय, जलेश्वर, महोत्तरी | ① ९८४११०५९२१ | Bipinkumarthakur89@yahoo.com |
| खाद्य आयात निर्यात गुण प्रमाणीकरण कार्यालय, बिरगंज, पर्सा | ☎ ०५१५३४१६९ | fqlbrj@gmail.com |
| खाद्य आयात निर्यात गुण प्रमाणीकरण कार्यालय, तातोपानी, सिन्धुपाल्चोक | ① ९८४२५२९३१० | fqltatopani@gmail.com |
| खाद्य आयात निर्यात गुण प्रमाणीकरण कार्यालय, टिम्बुरे न.पा.०२, रसुवा | ☎ ०१०५४३१०६ ९८४२३५२२६८ | feiqcoraswa@gmail.com Atishghimire7@gmail.com |
| खाद्य आयात निर्यात गुण प्रमाणीकरण कार्यालय, बेलहिया, भैरहवा | ☎ ०७१५२५०४८ | Feiqco.belahiya@gmail.com |
| खाद्य आयात निर्यात गुण प्रमाणीकरण कार्यालय, कृष्णनगर, कपिलवस्तु | ① ९८५७०५६०७८ ९८४२०३०९७९ | Bimalbhattarai5@gmail.com |

| कार्यालय | फोन नं. | ईमेल |
|--|----------------------------|----------------------------|
| खाद्य आयात निर्यात गुण प्रमाणीकरण कार्यालय, नेपालगंज | ① ९८४८०२२७२ | vsrivastava2070@gmail.com |
| खाद्य आयात निर्यात गुण प्रमाणीकरण कार्यालय, धनगढी | ☎ ०९१४१७०३९ | Fieqcodhi2075@gmail.com |
| खाद्य आयात निर्यात गुण प्रमाणीकरण कार्यालय, महेन्द्रनगर, कंचनपुर | ☎ ०९९४०२०५१ | arati_bhatta2001@yahoo.com |
| खाद्य आयात निर्यात गुण प्रमाणीकरण कार्यालय, त्रि.अ.बि.,का.म.न.पा.- ९, गैह्रीगाउँ | ① ९८४१७८७५९८ ९८५१२३७३६९ | joinranz@gmail.com |

३.११ नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन फ्याक्स | ईमेल/वेबसाइट |
|---------|--|---|--|
| १ | नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद, सिंहदरबार प्लाजा | ☎ ०१-४२५६८३७, ०१-४२६२६५०, ☎ ४२६२५०० | ednarc@ntc.net.np www.narc.gov.np, |
| २ | कार्यकारी निर्देशक | ☎ ०१-४२६२५६७, | pcdnarc@ntc.net.np |
| ३ | निर्देशक, योजना तथा समन्वय | ☎ ०१-४२६२४४०, ☎ ०१-४२६२५०० | chdnarc@ntc.net.np |
| ४ | निर्देशक, बाली तथा वागवानी अनुसन्धान | ☎ ०१-४२६२५७०, | livefish@ntc.net.np |
| ५ | निर्देशक, पशु तथा मत्स्य अनुसन्धान | ☎ ०१-४२६२५०४, | fadnarc@ntc.net.np |
| ६ | निर्देशक, कर्मचारी प्रशासन | ☎ ०१-४२६२५८५, | adnarc@ntc.net.np |
| ७ | निर्देशक, आर्थिक प्रशासन | ☎ ०१-४२६२७९९ | pdnarc@gmail.com |
| ८ | प्रमुख, योजना महाशाखा | ☎ ०१-५५२३०४१, ९८५१०७५८७४, ☎ ५५२११९७ | cpdd@narc.gov.np www.narc.gov.np |
| ९ | संचार, प्रकाशन तथा अभिलेख महाशाखा खुमलटार, ललितपुर | ☎ ०१-५५४०८९८ | sarpod@narc.gov.np, apord.narc@gmail.com |
| १० | सामाजिक-आर्थिक तथा कृषि अनुसन्धान नीति महाशाखा | ☎ ०१-५५४०८९७, ९८५११०७३२४, ☎ ५५२७६९५ | ord@narc.gov.np, outreachdivision@yahoo.com |
| ११ | बाह्य अनुसन्धान महाशाखा खुमलटार, ललितपुर | ☎ ०१-५५३५९८९, ५५५०८९९ | env@narc.gov.np, env.narc@gmail.com |

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन फ्याक्स | ईमेल/वेबसाइट |
|---------|--|--|---|
| १२ | कृषि वातावरण अनुसन्धान महाशाखा खुमलटार, ललितपुर | ☎ ०१-५२७५३२५, ०१-५२७५१३१, ९८५११२९४४२ | narc.genebank@gmail.com genebank@narc.gov.np |

बाली तथा वागवानी अनुसन्धान कार्यक्रम

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन /फ्याक्स | ईमेल/वेबसाइट |
|---------|--|---|-------------------------------|
| १ | राष्ट्रिय धान बाली अनुसन्धान कार्यक्रम, हर्दिनाथ, बनिनियाँ, धनुषा | ☎ ९८५४०२०४६५ | nrrpjnk@gmail.com |
| २ | राष्ट्रिय मकैबाली अनुसन्धान कार्यक्रम, रामपुर, चितवन | ☎ ०५६-५९१००१, ५७२५४८ | nmp2012@gmail.com |
| ३ | राष्ट्रिय गहुँ बाली अनुसन्धान कार्यक्रम, भैरहवा, रुपन्देही | ☎ ०७१-५२०२२६, ५२२१९६, ५२०४३१, ९८५७०२३९२६, ☎ ०७१-५२१९०५ | nwrpbhairahawa@gmail.com |
| ४ | कोशेबाली अनुसन्धान कार्यक्रम, खजुरा, बाँके | ☎ ०८१-५६०४३४, ९८५५०५८०११ | nglrp_khajura@narc.gov.np, |
| ५ | तेलबाली अनुसन्धान कार्यक्रम, नवलपुर, सर्लाही | ☎ ०४६-५७०००२, ९८५४०३६२५३ | norp_nawalpur@yahoo.com |
| ६ | राष्ट्रिय उखुबाली अनुसन्धान कार्यक्रम, जीतपुर, बारा | ☎ ०५१-६९०४८९, ९८५५०४५०२६ | srpnarc@gmail.com |
| ७ | राष्ट्रिय आलुबाली अनुसन्धान कार्यक्रम, खुमलटार | ☎ ०१-५५२२११४, ☎ ०१-५३८००५ | nprp.khumaltar@narc.gmail.com |
| ८ | अदुवाबाली अनुसन्धान कार्यक्रम, सल्यान | ☎ ०८८-४१०००३, ९८५७८२५००३ ☎ ०८८-४१०००४ | nggrp.narc@gmail.com |
| ९ | राष्ट्रिय सुन्तला जात अनुसन्धान कार्यक्रम, धनकुटा | ☎ ०२६-६२०२३२, ९८५२०५०७५२ | nrcpdhankuta@gmail.com |
| १० | जुटबाली अनुसन्धान कार्यक्रम, इटहरी, सुनसरी | ☎ ०२५-५८१०१८, ☎ ०२५-५८६७९५ | juteitahari@yahoo.com |
| ११ | राष्ट्रिय व्यवसायिक बाली अनुसन्धान कार्यक्रम धनकुटा | ☎ ०२६-४०५०९८ ☎ ०२६-४०५०९८ | ncarppakhribas@gmail.com |
| १२ | पहाडीबाली अनुसन्धान कार्यक्रम, काभ्रे, दोलखा | ☎ ०४९-६९००३७, ९८५११२९७८५ | hcrpkabre@gmail.com |
| १३ | कफी अनुसन्धान कार्यक्रम रुरु ४, भण्डारीडाँडा, गुल्मी | ☎ ०७९-६९२५१४, ९८५७०६४१९१ | crp.gulmi@gmail.com |

पशु तथा कुखुरा अनुसन्धान कार्यक्रम

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|--|--------------------------------------|---------------------------|
| १ | राष्ट्रीय गार्ड अनुसन्धान कार्यक्रम, रामपुर, चितवन। | ☎ ०५६-५९९२५५, ५९९०७९ | ncarp@narc.gov.np |
| २ | बंगुर तथा कुखुरा अनुसन्धान कार्यक्रम, खमलटार, ललितपुर। | ☎ ०९-५५२९६५०, ५५५०५३६, ९८५९०८८७३६ | sarp@narc.gov.np |
| ३ | भैंडा बाखा अनुसन्धान कार्यक्रम, गुठीचौर, जुम्ला। | ☎ ०८७-५२०९४० ९९४८७०३३६ | sgrpjumla2@gmail.com |
| ४ | राष्ट्रीय भैंसी अनुसन्धान कार्यक्रम, तरहरा, सुनसरी। | ☎ ०२५-४७५४११ | nbrp.tarahara69@gmail.com |

राष्ट्रीय कृषि अनुसन्धान प्रतिष्ठान, खुमलटार

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन/ फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|----------------------------|--|---|
| १ | निर्देशक | ☎ ०९-५५४०८९३, ५५४०८९५, ५५२४७०४, ९८५९०८६९९९ | nari.narc@gmail.com |
| २ | बाली विज्ञान महाशाखा | ☎ ०९-५५२९९६९, ५५२७७४८, ९८५९९२९००२ | agronomydivision@gmail.com |
| ३ | बाली रोग विज्ञान महाशाखा | ☎ ०९-५५२३९४३, ५५४५४८५, ९८५९२०९३०३ | balirogbigyan@gmail.com |
| ४ | कीट विज्ञान महाशाखा | ☎ ०९-५५२९९४९, ५५३६२२४, ९८५९९३७९०६ | ento.narc@gmail.com |
| ५ | माटो विज्ञान महाशाखा | ☎ ०९-५५२९९४९, ५५२३९६९, ९८५९९७३२६० ☎ ५५२९९९७ | ssd@narc.gov.np, matobigyan@gmail.com |
| ६ | कृषि इन्जिनियरिङ्ग महाशाखा | ☎ ०९-५५२४३५९, ०९-५५२९३०७ | aed.narc@gmail.com |
| ७ | कृषि वनस्पति महाशाखा | ☎ ०९-५५२९६९४, ५५२९६९५, ९८५९२३९९९३, ☎ ५५४५४८५ | abd.narc@gmail.com |
| ८ | वागवानी अनुसन्धान महाशाखा | ☎ ०९-५५४९९४४, ५५९५९०२४, ९८५९२९५९२४ | hrd@narc.gov.np, hrtdivision@gmail.com |
| ९ | खाद्य अनुसन्धान महाशाखा | ☎ ०९-५५४४४५९, ९८५९२४४४५९ | frd.narc@gmail.com |

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन/ फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|--|---|---------------------------|
| १० | जैविक प्रविधि महाशाखा | ☎ ०१-५५३९६५८, ९८५११००७६२ ☎ ५५३३०३१ | narc.biotechdiv@gmail.com |
| ११ | व्यावसायिक बाली महाशाखा | ☎ ०१-५५४५९२१, ९८५११२०२४३ | ccdnarc@gmail.com |
| १२ | बीउ विज्ञान प्रविधि महाशाखा | ☎ ०१-५५२३०४०, ९८५१०२३०४० ☎ ५५२६९३९ | seedtechnarc@gmail.com |
| १३ | कृषि वातावरण अनुसन्धान महाशाखा, खुमलटार, ललितपुर | ☎ ०१-५५२५९८१, ५५३०६२५, ९८५११३३६१२, ☎ ०१-५५५०८९१ | env.narc@gmail.com |

राष्ट्रीय पशुविज्ञान अनुसन्धान प्रतिष्ठान

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन / फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|---|---|---|
| १ | निर्देशक | ☎ ०१-५५२४०४०, ५५४९३००, ९८५११८४७३५, ☎ ५५२११९७ | nasri@narc.gov.np, nasri.khumaltar2016@gmail.com |
| २ | पशु स्वास्थ्य अनुसन्धान महाशाखा, खुमलटार | ☎ ०१-५१५१२५५, ५१५१५९२ | vetresearchdivision@gmail.com |
| ३ | पशु आहारा महाशाखा, खुमलटार | ☎ ०१-५५२३०३९, ९८५१२२३०३९ | anndnarc@gmail.com |
| ४ | पशु प्रजनन महाशाखा, खुमलटार | ☎ ०१-५५२३१६०, ५५४०५११, ९८५११८६५५७, ☎ ५५३२९२२ | anbd.narc@gmail.com |
| ५ | चरन तथा घाँस बाली अनुसन्धान महाशाखा | ☎ ०१-५५४२९०३, ५५२३०३८, ९८५११७३०५६ | pfred25@gmail.com |
| ६ | मत्स्य अनुसन्धान महाशाखा, गोदाबरी | ☎ ०१-५१७४२६३, ५१७४१५६, ९८५१२४२०७४ ☎ ०१- ५१७४११५ | frd@narc.gov.np www.fisheries.narc.gov.np |

उच्च पर्वतीय कृषि अनुसन्धान प्रतिष्ठान, गुठीचौर, जुम्ला

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|----------|----------------------------|---------------------|
| १ | निर्देशक | ① ९९४८७०३३६, ९८५८३२०७०१ | marijumla@gmail.com |

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन | ईमेल/वेबसाइट |
|---------|--|-----------------------------|-------------------------|
| २ | कृषि अनुसन्धान केन्द्र, विजयनगर, जुम्ला | ☎ ०८७-५२००२३, ९८५८३२०७१ | arsvijaynagar@yahoo.com |
| ३ | वागवानी अनुसन्धान केन्द्र, राजीकोट, जुम्ला | ☎ ०८७-६९००२८, ९८५८३२०२०९ | hrsrajikot@gmail.com |

क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्र र अन्तर्गतका कार्यालयहरू

क. क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्र, तरहरा, सुनसरी

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन /फ्याक्स | ईमेल/वेबसाइट |
|---------|--|---|---------------------------|
| १ | क्षेत्रीय निर्देशक | ☎ ०२६-४०५१०३, ५८०५१०, ९८५२०४६२४५ ☎ ०२५-४०५०९८ | rarst.narc@gmail.com |
| २ | कृषि अनुसन्धान केन्द्र, पाख्रीबास, धनकुटा | ☎ ०२६-६२०५०३, ६२०५०४, ५४०३८१, ९८०२७२६५८१ | arspakh@gmail.com |
| ३ | राष्ट्रिय भैंसी अनुसन्धान कार्यक्रम, तरहरा, सुनसरी | ☎ ०२५-४७५ ४११ | nbrp.tarahara69@gmail.com |
| ४ | कृषि अनुसन्धान केन्द्र, जौबारी, इलाम | ☎ ०२७-६९१३३७, ९८०२७९४६६६ ☎ ०२७-५३९५४० | arejaubari@gmail.com |

ख. क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्र, परवानीपुर

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन /फ्याक्स | ईमेल/वेबसाइट |
|---------|--|------------------------------|------------------------------|
| १ | क्षेत्रीय निर्देशक | ९८५५०२११३८ | rarspar@yahoo.com |
| २ | कृषि औजार अनुसन्धान, केन्द्र, रानीघाट, बीरगन्ज, पर्सा | ☎ ०५१-५२२२३०, ९८५५०२७३०५ | aireranighat@gmail.com |
| ३ | कृषि यन्त्र परिक्षण तथा अनुसन्धान केन्द्र, नवलपुर, सर्लाही | ☎ ०४६-५७०३१४ ☎ ०४६-५७०३१४ | Amtrc.narc@gmail.com |
| ४ | कृषि अनुसन्धान केन्द्र, बेलाचापी, धनुषा | ☎ ०४१-५४००२३, ९८५४०२४३३० | arsbelachapi@gmail.com |
| ५ | मत्स्य अनुसन्धान केन्द्र, त्रिशुली, नुवाकोट | ☎ ०१०-५६०२२६, ९८५११६०२२६ | troutfish.trishuli@gmail.com |
| ६ | रेन्वो ट्राउट अनुसन्धान केन्द्र, धुन्चे, रसुवा | ☎ ०१०-२४००२४ | troutfish.rasuwa@gmail.com |

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन /फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|---|--|---------------------|
| ७ | चरन तथा घाँसवाली अनुसन्धान केन्द्र, धुन्चे, रसुवा | ☎ ०१०-५४०१३७, ५४०१३८, ९८५११६४२०४ | arspasture@live.com |

ग. क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्र, लुम्ले

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन/ फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|--|--|------------------------|
| १ | क्षेत्रीय निर्देशक | ☎ ०६१-६२२१७४, ९८५६०२०४८७ ☎ ५२२६५३ | rarslumle@gmail.com |
| २ | मत्स्य अनुसन्धान केन्द्र, पोखरा, कास्की | ☎ ०६१-५६००८९ (वेगनास) ६५०८२५, ०६१-४६२००४ (फेवा), ९८५६०६१०८९, | frcpokhara@gmail.com |
| ३ | वागवानी अनुसन्धान केन्द्र, मालेपाटन, पोखरा | ☎ ०६१-५२०२२०, ५२०३८५, ९८५६०३८५५० | arsmalepatan@gmail.com |
| ४ | बाख्रा अनुसन्धान केन्द्र, बन्दिपुर, तनहुँ | ☎ ०६५-६२०१६२, ९८५६०६३५७५ | arsgoat@rediffmail.com |

घ. क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्र, खजुरा, बाँके

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|--|-----------------------------|-----------------------|
| १ | क्षेत्रीय निर्देशक | ☎ ०८१-६२१२२६, ९८५८०२२३४६ | rarskhajura@gmail.com |
| २ | कृषि अनुसन्धान केन्द्र, सुर्खेत | ९८५८०५१०१७ | surkhetars@gmail.com |
| ३ | वागवानी अनुसन्धान केन्द्र, किमुगाँउ, दैलेख | ☎ ०८९-४२०१५६, ९८५८०५६६६६ | hrsdailekh@gmail.com |

ङ. क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्र, भागेतडा, डोटी

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|---|----------------------------|--------------------|
| १ | क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्र, भागेतडा, डोटी | ☎ ०९४-४१२१६२ ९८५८४४०१६७ | rarsdoti@gmail.com |

३.१२ कम्पनी, समिति

३.१२.१ कृषि सामाग्री कम्पनी लिमिटेड, केन्द्रीय कार्यालय, कुलेश्वर, काठमाडौं

| क्र.सं. | पद | फोन नं /फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|-------------|------------------------|-----------------|
| १ | अध्यक्ष | ☎ ०१-४२७९६७० ☎ ४२७८७९० | aicl@ntc.net.np |
| २ | प्र. संचालक | ☎ ०१-४२७९७१५ | www.aicl.og.np |

प्रधान कार्यालयमा कार्यरत महाशाखा

| क्र.सं. | महाशाखा | फोन नं. | ईमेल/वेबसाइट |
|---------|---------------------------|--------------|------------------------|
| १ | खरीद व्यवस्था | ☎ ०१-४२७४८१९ | bpokhare1307@gmail.com |
| २ | वितरण व्यवस्था | ☎ ०१-४२७९३६२ | |
| ३ | आर्थिक | ☎ ०१-४२७९७१९ | upokharel@hotmail.com |
| ४ | योजना तथा अनुगमन | ☎ ०१-४२७९७१७ | |
| ५ | आ.ले.प. शाखा | ☎ ०१-४३०२१३० | |
| ६ | जनशक्ति व्य. तथा सा. सेवा | ☎ ०१-४२७९३६१ | |

क्षेत्रीय कार्यालय/शाखा/उप-शाखा कार्यालयहरु

| सि.नं. | कार्यालय | टेलिफोन नं |
|--------|----------------------------------|--------------|
| क) | क्षेत्रीय कार्यालय, विराटनगर | ☎ ०२१-५२५४२८ |
| १ | शाखा कार्यालय, धनकुटा | ☎ ०२३-५२०२४९ |
| २ | शाखा कार्यालय, विर्तामोड | ☎ ०२३-५४०००५ |
| ३ | उपशाखा कार्यालय, इलाम | ☎ ०२७-५२००१७ |
| ४ | उपशाखा कार्यालय, इटहरी | ☎ ०२५-५८३२३१ |
| ५ | शाखा कार्यालय, लहान | ☎ ०३३-५६०२८४ |
| ६ | उपशाखा कार्यालय, राजविराज | ☎ ०३१-५२०२९७ |
| ७ | शाखा कार्यालय, गाईघाट | ☎ ०३५-४२०१०३ |
| ख) | क्षेत्रीय कार्यालय, वीरगञ्ज | ☎ ०५१-५२२०३० |
| १ | मुख्य शाखा, काठमाडौं | ☎ ०१-४२७९७२१ |
| २ | शाखा कार्यालय, जनकपुर | ☎ ०४१-५२०४०७ |
| ३ | शाखा कार्यालय, धुलिखेल | ☎ ०११-४९०३०६ |
| ४ | उपशाखा कार्यालय, ढल्केबर | ☎ ०४१-५६०००८ |
| ५ | उपशाखा कार्यालय, हेटौडा | ☎ ०५७-५२०३८६ |
| ६ | शाखा कार्यालय, भरतपुर | ☎ ०५६-५२०११३ |
| ७ | शाखा कार्यालय, त्रिशुली | ☎ ०१०-५६०११४ |
| ८ | उपशाखा कार्यालय, मलंगवा, सर्लाही | ☎ ०४६-५२०११० |
| ९ | उपशाखा कार्यालय, चन्द्रनिगाहपुर | ☎ ०५५-५४०२२५ |
| १० | उपशाखा कार्यालय, गजुरी | ☎ ०१०-४०२०८६ |
| ११ | उपशाखा कार्यालय, सिन्धुली | ☎ ०४७-५२०११७ |
| १२ | उपशाखा कार्यालय, कलैया | ☎ ०५३-५५००२२ |
| ग) | क्षेत्रीय कार्यालय, भैरहवा | ☎ ०७१-५२०१४० |
| १ | शाखा कार्यालय, पोखरा | ☎ ०६१-५२०४१६ |

| सि.नं. | कार्यालय | टेलिफोन नं |
|--------|-------------------------------|--------------|
| २ | उपशाखा कार्यालय, दमौली | ☎ ०६५-५६०१९३ |
| ३ | उपशाखा कार्यालय, स्याङ्गजा | ☎ ०६३-४२०१३६ |
| ४ | उपशाखा कार्यालय, पर्वत | ☎ ०६७-४२०१४३ |
| ५ | उपशाखा कार्यालय, पाल्पा | ☎ ०७५-५२०१३८ |
| ६ | उपशाखा कार्यालय, परासी | ☎ ०७८-५२०१२० |
| ७ | उपशाखा, कावासोती | ☎ ०७८-५४०९२२ |
| ८ | उपशाखा कार्यालय, बहादुरगञ्ज | ☎ ०७६-५२००४९ |
| ९ | उपशाखा कार्यालय, तौलिहवा | ☎ ०७६-५६००२२ |
| घ) | क्षेत्रीय कार्यालय, नेपालगञ्ज | ☎ ०८१-५२०३४२ |
| १ | उपशाखा कार्यालय, सुर्खेत | ☎ ०८३-५२०२८२ |
| २ | उपशाखा कार्यालय, दाङ्ग/घोराही | ☎ ०८२-५६००४० |
| ३ | उपशाखा कार्यालय, लमही, दाङ्ग | ☎ ०८२-५४०१२० |
| ४ | उपशाखा, तुल्सीपुर, दाङ्ग | ☎ ०८२-५२००१० |
| ५ | उपशाखा कार्यालय, गुलरिया | ☎ ०८४-४२०१०८ |
| ङ) | क्षेत्रीय कार्यालय, धनगढी | ☎ ०९१-५२१३१० |
| १ | उपशाखा कार्यालय, महेन्द्रनगर | ☎ ०९९-५२१३४३ |
| २ | उपशाखा कार्यालय, डोटी, दिपायल | ☎ ०९४-४४०२८० |

३.१२.२ राष्ट्रिय बीउ विजन कम्पनी लि., कुलेश्वर

| कार्यालय | फोन | इमेल/वेभसाइट |
|-------------------------------------|--------------|-----------------|
| प्रबन्ध संचालक | ☎ ०१-४२७९५८७ | |
| नायब प्रबन्धक संचालक | ☎ ०१-४२७९५८७ | |
| प्रमुख, आर्थिक महाशाखा | ☎ ०१-४२७९२०७ | www.nscf.org.np |
| प्रमुख, योजना तथा प्रशासन महाशाखा | ☎ ०१-४२७८४५३ | nscf@ntc.net.np |
| प्रमुख, अनुगमन इकाई तथा आ.ले.प.शाखा | ☎ ०१-४२७९२०७ | |
| प्रमुख, बजार व्यवस्थापन महाशाखा | ☎ ०१-४२७९२०७ | |
| प्रमुख, उत्पादन व्यवस्थापन महाशाखा | ☎ ०१-४२७९२०७ | |

जिल्ला स्थित मुख्य शाखा तथा शाखा कार्यालयहरू

| कार्यालय | फोन /फ्याक्स | इमेल/वेभसाइट |
|-------------------------------|--------------------------------------|------------------------------------|
| केन्द्रीय कार्यालय, काठमाण्डौ | ☎ ०१-४२७९५८७ ४२७९२०७ ☎ ०१-४२७९५८७ | www.nscf.org.np nscf@ntc.net.np |
| मुख्य शाखा कार्यालय, ईटहरी | ☎ ०२५-५८१०२२ ☎ ०१-५८१०२२ | nscfihari@gmail.com |

| कार्यालय | फोन /फ्याक्स | इमेल/वेभसाइट |
|---------------------------------------|-----------------------------|----------------------|
| मुख्य शाखा कार्यालय, हेटौडा | ☎ ०५७-४१२४५७ ☎ ०१-४१२४५७ | bhr.nscLtd@gmail.com |
| मुख्य शाखा कार्यालय, भैरहवा | ☎ ०७१-५२०६२३ ☎ ०१-५२०६२३ | |
| डिपो कार्यालय, जनकपुर | ☎ ०४१-५२०१४७ ☎ ०१-५२०१४७ | |
| शाखा नवलपुर, सर्लाही | ① ९८४९६७७५१५ | |
| शाखा कार्यालय, नेपालगञ्ज | ☎ ०८१-५२०२२२ ☎ ०१-५२०२२२ | |
| शाखा कार्यालय, धनगढी | ☎ ०९१-५२१४१० ☎ ०१-५२१४१० | |
| बीउविजन उत्पादन फार्म, झुम्का, सुनसरी | ☎ ०२५-५६२१५२ ☎ ०१-५६२१५२ | |

३.१३ कृषिसँग सम्बन्धित बोर्ड/ संस्थान/कम्पनी/समितिको सचिवालय

| क्र.सं. | सचिवालय | फोन/ फ्याक्स | इमेल/वेभसाइट |
|---------|---|--|---|
| १ | राष्ट्रिय बीउ बीजन समिति | ०१ ५५२२३५९ | info@sgcc.gov.np www.sgcc.gov.np |
| २ | कालीमाटी फलफूल तथा तरकारी थोक बजार विकास समिति | ☎ ०१-५१२३०८६ टोल फ्रि नं. १६१८०७०५६६६६ ☎ ०१-५१२३०९० | info@kalimatimarket.com.np www.kalimatimarket.com.np |
| ३ | कपास विकास समिति, खजुरा, बाँके | ① ९८५२६५१९७० | vijayaji_23@yahoo.com |
| ४ | चन्द्रडाँगी बीउ विजन तथा दुग्ध विकास समिति, चन्द्रडाँगी, झापा | ☎ ०२३-५२९५४४ ९८४२०५१०७३ | |
| ५ | नेपाल उखु तथा चिनी विकास समिति, बारा | ① ९८५४०२९७८९ | |
| ६ | राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड, हरिहरभवन (कार्यकारी निर्देशक) | ☎ ०१-५५४४७४७, ५५४२७४१, ५५२५४०० ☎ ५५३२०९६ | www.nddb.gov.np |
| ७ | राष्ट्रिय चिया तथा कफी विकास बोर्ड, नयाँबानेश्वर (कार्यकारी निर्देशक) | ☎ ०१-४४९५७९२, ४४९९७८६ ☎ ४४९७९४१ | ntcdboard@wlink.com.np www.teacoffee.gov.np |
| | राष्ट्रिय चिया तथा कफी विकास बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, विर्तामोड, झापा | ☎ ०२३-५४०५९२ | ntcddbirtamode1@gmail.com |

| क्र.सं. | सचिवालय | फोन/ फ्याक्स | इमेल/वेभसाइट |
|---------|---|----------------------|-----------------------------|
| | राष्ट्रीय चिया तथा कफी विकास बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, मालेपाटन, पोखरा | ☎ ०६१-५३६१२३, ५५०४२२ | coffeepokhara123@gmail.com |
| | चिया तथा कफी विकास कार्यालय, फिक्कल, इलाम | ☎ ०२७-५४०१५८ | ntcdbfikal@gmail.com |
| | चिया तथा कफी विकास कार्यालय, मंगलबारे, इलाम | ☎ ९७५२६०५१९८ | ntcdbmangalbare18@gmail.com |
| | चिया तथा कफी विकास कार्यालय, जसबिरे, इलाम | ☎ ०२७-६९०१४६ | ntcdbjasbirey@gmail.com |
| | चिया तथा कफी विकास कार्यालय, हिले, धनकुटा | ☎ ०२६-५४०११२ | ntcdbhile@gmail.com |
| | चिया तथा कफी विकास कार्यालय, सोल्मा, तेह्रथुम | ९७४२६०३२८८ | ntcdbsolma@gmail.com |
| | चिया तथा कफी विकास कार्यालय, लालीखर्क, पाँचथर | ☎ ०२५-६९०३०८ | ntcdbmangalbare18@gmail.com |
| ८ | चिया तथा कफी विकास कार्यालय, रानीपौवा, नुवाकोट | ☎ ०१६-२११३२३ | ntcdbnuwakot@gmail.com |

३.१४ दुग्ध विकास संस्थान

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन/ फ्याक्स | इमेल/वेभसाइट |
|---------|--|--|---|
| १ | केन्द्रीय कार्यालय, लैनचौर काठमाडौं | अध्यक्ष : ☎ ०१-४४१२६९६ महा प्रबन्धक : ४४१४८४१ प्राविधिक व्यवस्थापन विभाग : ४०२४०२९ रिसेप्सन/सोधपुछ ☎ ०१-४४११७१०, ४४१३६९६, ४४१०४८९ टोल फ्रि नं. १६६००१०४४४४ ☎ ०१-४४१७२१५ | info@dairydev.com.np www.dairydev.com Facebook: DDCNepal Twitter: DairyDevCorpNep |
| २ | काठमाडौं दुग्ध वितरण आयोजना, बालाजु औद्योगिक क्षेत्र, बालाजु, काठमाडौं | प्रमुख ☎ ०१-४३५००३९ विक्री शाखा: ४३५५०२४ सोधपुछ: ४३५००९२ टोल फ्रि नं. : १६६००१०४४४४ ☎ ०१-४३५००३९ | |
| ३ | दुग्ध पदार्थ विक्री वितरण आयोजना, लैनचौर, काठमाडौं | प्रमुख ☎ ०१-४४३२६२४ विक्री शाखा ४४११३९७ | |

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन/ फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|---------|---|---|--------------|
| ४ | विराटनगर दुग्ध वितरण आयोजना, कंचनबारी | प्रमुख ☎ ०२१-४२०२३६ सोधपुछ: ४२००४०, ४२०१०५ ☎ ०२१-४२१०५९ | |
| ५ | हेटौंडा दुग्ध वितरण आयोजना, हेटौंडा औद्योगिक क्षेत्र, हेटौंडा | प्रमुख ☎ ०५७-४१२८१२ विक्री शाखा: ४१२४७९ ☎ ०५७-४१२८१२ | |
| ६ | जनकपुर दुग्ध वितरण आयोजना, ढल्केबार, जनकपुर | प्रमुख ☎ ०४१-५६००२० सोधपुछ: ५६०१९५, ५६०१९६ ☎ ०४१-५६००२० | |
| ७ | लुम्बिनी दुग्ध वितरण आयोजना, बुटवल औद्योगिक क्षेत्र, बुटवल | प्रमुख ☎ ०७१-५४०५४३ सोधपुछ - ५४१५४३ ☎ ०७१-५४०५४३ | |
| ८ | नेपालगञ्ज दुग्ध वितरण आयोजना, कोहलपुर, बाँके | प्रमुख ☎ ०८१-५४००८३ ☎ ०९१-५५११८६ | |
| ९ | धनगढी दुग्ध वितरण आयोजना अत्तरीया, कैलाली | ☎ ०९१-५५१२९३ ☎ ०९१-५५११८६ | |

चिज उत्पादन केन्द्र

| चिज उत्पादन केन्द्रहरू | फोन नं. |
|---|--------------------------|
| नगरकोट चिज कारखाना | ① ९८४१३०५७३ |
| पशुपतिनगर चिज उत्पादन केन्द्र, इलाम | ☎ ०२७-५५००४२, ९८०७९७०५४० |
| गोसाँइकुण्ड याक चिज उत्पादन केन्द्र | ① ९७४१०४६६३२ |
| राँके चिज उत्पादन केन्द्र, पाँचथर | ① ९८४२६६६८६ |
| चोरदुंग चिज उत्पादन केन्द्र, जिरी | ① ९७४१०४५१५५ |
| फोदुंग चिज उत्पादन केन्द्र, जिरी | ① ९७४१०८७३९ |
| चिज पनिर उत्पादन केन्द्र, नुवाकोट | ① ९८४१७२२६०२ |
| भीमखोरी पौवा पनिर उत्पादन केन्द्र, काभ्रे | ① ९६१९२३०००० |

३.१५ नेपाल सरकारका विभागहरूको टेलिफोन नम्बरहरू

| क्र.सं | कार्यालय | टेलिफोन/ फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|--------|--------------------------------|--|--|
| १ | अध्यागमन विभाग, कालिकास्थान | ☎ ०१-४४२९६५९ ४४२९६६० ☎ ०१-४४३३९३५, ४४३३९३४ | dg@nepalimmigration.gov.np mail@nepalimmigration.gov.np info@nepalimmigration.gov.np |

| क्र.सं | कार्यालय | टेलिफोन/ फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|--------|--|---|---|
| २ | उद्योग विभाग, त्रिपुरेश्वर | ☎ ०१-४२६१२०३, ४२६१३०२, ४२६११६८, ४२६११६९ ☎ ४२६१११२ | info@doind.gov.np, www.doind.gov.np |
| ३ | शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग, बबरमहल | ☎ ०१-४२६२३६५ ४२६२९४५ | info@dudbc.gov.np www.dudbc.gov.np |
| ४ | औषधी व्यवस्था विभाग, बिजुलीबजार | ☎ ०१-४७८०२२७, ४७८०४३२ ☎ ४७८०५७२ | info@dda.gov.np www.dda.gov.np |
| ५ | आन्तरिक राजस्व विभाग, लाजिम्पाट | ☎ ०१-४४१५८०२ ☎ ४४११७८८ | serviceird@ird.gov.np www.ird.gov.np |
| ६ | भन्सार विभाग, त्रिपुरेश्वर | ☎ ०१-४११७२२५ ☎ ४११७२१८ | csd@custom.gov.np www.customs.gov.np |
| ७ | राजस्व अनुसन्धान विभाग, हरिहरभवन | ☎ ०१-५०१००८५, ५०१००५७, ५०१०१०६ ☎ ५५४२०२३ | info@dri.gov.np www.dri.gov.np |
| ८ | सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापन तालिम केन्द्र, हरिहरभवन | ☎ ०१-५०१०३०६, ५०१०३०७ ☎ ५०१०३०३ | info@pfmtc.gov.np www.pfmtc.gov.np |
| ९ | कारागार व्यवस्था विभाग, डिल्लीबजार | ☎ ०१-४४४४५५२ ☎ ४४४४५५५ | info@dopm.gov.np www.dopm.gov.np |
| १० | केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, थापाथली | ☎ ०१-४२२९४०६ ☎ ४२२७७२० | info@cbs.gov.np www.cbs.gov.np |
| ११ | खानी तथा भूगर्भ विभाग, लाजिम्पाट | ☎ ०१-४४१४७४० ☎ ४४१४८ | www.dmgnepal.gov.np |
| १२ | घरेलु तथा साना उद्योग विभाग, त्रिपुरेश्वर | ☎ ०१-४२५९८७५ ४२५९८४२, ४२५९८५५ ४५९८४२२ ☎ ४२५९७४७ | info@dcsi.gov.np www.dcsi.gov.np Post Box 10701 |
| १३ | जल तथा मौसम विज्ञान विभाग, नागपोखरी, नक्साल | ☎ ०१-४४३६२७२, ४४३२४०९, ४४३३४७७, ४४२८५३२, ४४४१०९२, ४४२८२२९ ☎ ४४२९९१९, ४४३२१३६ | dg@dhm.gov.np www.dhm.gov.np |
| १४ | नापी विभाग, मिनभवन | ☎ ०१-४१०६५०८ | info@dos.gov.np www.dos.gov.np |
| १५ | भूमि व्यवस्थापन प्रशिक्षण केन्द्र, काभ्रे | ☎ ०११-४१५०५५ / ५१ ☎ ०११-४१५०७८ | info@lmtc.gov.np www.lmtc.gov.np |

| क्र.सं | कार्यालय | टेलिफोन/ फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|--------|--|---|---|
| १६ | भूमि व्यवस्थापन तथा अभिलेख विभाग, बबरमहल | ☎ ०१-४२२००२८, ४२२३०४९ ☎ ४२३०५८५ | info@dolrm.gov.np www.dolrm.gov.np |
| १७ | निजामती किताबखाना, हरिहरभवन | ☎ ०१-५०१०२९८ ५०१०१३८ ☎ ५०१०२९७ | info@pis.gov.np www.pis.gov.np |
| १८ | शिक्षा तथा मानव श्रोत विकास केन्द्र, सानोठिमी | ☎ ०१-६६३१०७५, ६६३३०२७ ☎ ६६३३०२७ | info@doe.gov.np www.doe.gov.np |
| १९ | पाठ्यक्रम विकास केन्द्र, सानोठिमी | ☎ ०१-६६३००८८ ☎ ६६३०७९७ | www.moecdc.gov.np |
| २० | शैक्षिक जनशक्ति विकास केन्द्र, सानोठिमी | ☎ ०१-६६३८१५२ | nced.gov@gmail.com info@nced.gov.np www.nced.gov.np |
| २१ | पुरातत्व विभाग, रामशाहपथ | ☎ ०१-४२००८४९, ४२००८५१, ४२००८५२, ४२००८५३, ४२००८५४ ☎ ४२००८५५ | www.doa.gov.np info@doa.gov.np |
| २२ | वन विभाग, बबरमहल | ☎ ०१-४२२०३०३ ४२२१२३१, ४२१६३७९ ☎ ४२२७३७४ | info@dof.gov.np www.dof.gov.np Toll Free call 16600120303 |
| २३ | राष्ट्रिय निकुन्ज तथा वन्यजयन्तु संरक्षण विभाग, बबरमहल | ☎ ०१-४२२७९२६ ४२२०८५० ☎ ४२२७६७५ | info@dnpwc.gov.np www.dnpwc.gov.np |
| २४ | भू तथा जलाधार संरक्षण विभाग, बबरमहल | ☎ ०१-४२२०८२८ ४२२०८५७ ☎ ४२२१०६७ | dscwm2031@yahoo.com www.dscwm.gov.np |
| २५ | वन अनुसन्धान तथा सर्वेक्षण विभाग, बबरमहल | ☎ ०१-४२२०४८२, १४२६९४९१ ☎ ४२२०१५९ | info@dfrs.gov.np www.dfrs.gov.np post box: 3339 |
| २६ | वनस्पति विभाग, थापाथली | ☎ ०१-४२५११६१, ४२५११६० ☎ ४२५११४१ | info@dpr.gov.np www.dpr.gov.np |
| २७ | वातावरण विभाग, कुपण्डोल | ☎ ०१-५५५३६९०, ५५२६४३८, ५५२६३१९, ५५५११६१, ५५२७८०५ ☎ ५५५११४९ | info@doenv.gov.np www.doenv.gov.np |

| क्र.सं | कार्यालय | टेलिफोन/ फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|--------|--|---|---|
| २८ | राष्ट्रिय सतर्कता केन्द्र, सिंहदरबार | ☎ ०१-४२००३३९, ४२०३४२, ४२००३४५, ४२००३४६, ☎ ४२००४० | info@nvc.gov.np, navic@nvc.gov.np www.nvc.gov.np |
| २९ | सम्पत्ति शुद्धिकरण अनुसन्धान विभाग, पुल्चोक, ललितपुर | ☎ ०१-५०१०२७७, ५०१०२२५ ☎ ५०१०२८२ | info@dmlti.gov.np |
| ३० | महालेखा नियन्त्रकको कार्यालय, अनामनगर | ☎ ०१-४७७११३९, ४७७२९० ☎ ४७७२९१ | info@fcgo.gov.np www.fcgo.gov.np |
| ३१ | मुद्रण विभाग, सिंहदरबार | ☎ ०१-४२११६२२ ४२११८२०, ४२११६९५, ४२११७४९ ☎ ४२११७६४ | info@dop.gov.np www.dop.gov.np |
| ३२ | सडक विभाग, चाकुपाट, पाटनढोका, ललितपुर | ☎ ०१-५५२९०७५ ☎ ५५२९१०६ | dgdor@dor.gov.np www.dor.gov.np |
| ३३ | हुलाक सेवा विभाग, डिल्लीबजार | ☎ ०१-४४११३५३ ☎ ४४१४६८८ | info@nepalpost.gov.np www.nepalpost.gov.np Notice Board 1618014414688 |
| ३४ | सूचना तथा प्रसारण विभाग, तिलगंगा | ☎ ०१-४११२५५१ ४११२८१६, ४११२७१७ ☎ ४११२६५२ | info@doinepal.gov.np www.doinepal.gov.np Audio Notice Board 1618014112551 |
| ३५ | स्वास्थ्य सेवा विभाग, टेकु | ☎ ०१-४२६१७१२ ☎ ४२६२०३८ | info@dohs.gov.np www.dohs.gov.np |
| ३६ | श्रम तथा व्यवसायजन्य सुरक्षा विभाग, मिनभवन | ☎ ०१-४१०७९९४ ४१०७२०६, ४१०७९२४, ४१०७९२० | info@dol.gov.np www.dol.gov.np |
| ३७ | वैदेशिक रोजगार विभाग, बुद्धनगर | ☎ ०१-४७८२६४८ ☎ ४७८२६०६ | info@dofe.gov.np www.dofe.gov.np Toll free call: 16600109999 |
| ३८ | राहदानी विभाग, नारायणहिटी | ☎ ०१-४४१६०११ ४४१६०१२, ४४१६०१३ ☎ ४४११०२८ ४४२४३६६, ४४२३९५१ | communication@nepalpassport. gov.np dg@nepalpassport.gov.np www.nepalpassport.gov.np |

| क्र.सं | कार्यालय | टेलिफोन/ फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|--------|---|--|--|
| ३९ | कन्सुलर सेवा विभाग | ☎ ०१-४२६०१२१, ०१-४२६०१२१ ☎ ०१-४२६०११४ | nepalconsular@gmail.com, consularlegal2@gmail.com |
| ४० | सहकारी विभाग, बानेश्वर | ☎ ०१-४४६५३६२ ४४६११७७ | sahakaribivag@gmail.com www.deoc.gov.np |
| ४१ | महिला तथा बालबालिका विभाग, श्रीमहल, पुल्चोक | ☎ ०१-५५४७०१३, ५५२६७७९ ☎ ०१-५५२१२१४ | departmentwcc@gmail.com dwcplanning@live.com www.dwd.gov.np |
| ४२ | स्थानीय पूर्वाधार विभाग, पुल्चोक | ☎ ०१-५५५५००१ ५५५५३६२, ५५४३१९७ ☎ ५५५५७२४ | contact@dolidar.gov.np dg@dolidar.gov.np www.dolidar.gov.np |
| ४३ | नेपाल गुणस्तर तथा नापतौल विभाग, बालाजु | ☎ ०१-४३५०८१८ ४३५०४४५, ४३५०४४७, ४३५६६७२, ४३६११४१, ४३५०४४५, ४३६५७२३, ४३६२६७६, ४३५४२०८ ☎ ४३५०६८९ | nbsm@nbsm.gov.np info@nbsm.gov.np www.nbsm.gov.np |
| ४४ | आयुर्वेद विभाग | ☎ ०१-४२६९७३५ | |
| ४५ | यातायात व्यवस्था विभाग | ☎ ०१-४४७४९२१ ☎ ०१-४४७४९२२ | gunaso@dotm.gov.np www.dotm.gov.np |
| ४६ | कम्पनी रजिष्ट्रार कार्यालय | ☎ ०१-४२५९९४८, ४२१५०७७, ४२६३०८९, ४२६७२५६ ☎ ०१-४२५९९६१ | support@orc.gov.np |
| ४७ | खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग | ☎ ०१४२६२३६९, ४२६२७४१ ☎ ०१-४२६२३३७ | info@dftqc.gov.np www.dftqu.gov.np |
| ४८ | विद्युत विकास विभाग | ☎ ०१-४४४५५९१ | info@doed.gov.np www.doed.gov.np |
| ४९ | राष्ट्रिय परिचय पत्र तथा पञ्जीकरण विभाग | ☎ ०१-४२११९४१, ४२११५६३, ☎ ०१-४२११५६३ | info@nidmc.gov.np |
| ५० | व्यावसायिक तथा सीप विकास तालिम प्रतिष्ठान | ☎ ०१-५५९०८००, ५५९०८०१, ५५९०२५४, ☎ ०१-५५९०८९४ | vsdtcbhainsepati@yahoo.com, info@training.gov.np www.training.gov.np |

| क्र.सं | कार्यालय | टेलिफोन/ फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|--------|--|-------------------------------|---|
| ५१ | पर्यटन विभाग, भृकुटीमण्डप, काठमाडौं | ☎ ०१-४२४७०३७, ☎ ०१-४२२७२८१ | info@tourismdepartment.gov.np www.tourismdepartment.gov.np |

३.१६ प्रदेश कार्यालय तथा मन्त्रालयहरूको फोन, फ्याक्स, इमेल र वेबसाइट

प्रदेश नं. १

| कार्यालयको नाम | फोन नं./फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|---|---|---|
| प्रदेश प्रमुखको कार्यालय, विराटनगर | ☎ ०२१-४२१११४, ४२१७२५, ४२१८४७ | टोलफ्रि नं. १६६०२१५२००२ opcpn1@gmail.com |
| मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय, विराटनगर | ☎ ०२१-४७०१६६, हेलो प्रदेश सरकार सम्पर्क ०२१४७२३७२ हेलो मुख्य मन्त्री सम्पर्क १०९१ ☎ ०२१४७०१६१ | टोलफ्रि नं. १६६०२१५२००२ info@nepal.gov.np, ocmcm1@gmail.com |
| प्रदेश सभा सचिवालय, विराटनगर | ०२१-५३०२३६ | stateassembly.p1.gov.np |

मन्त्रालयहरू

| क्र.सं. | मन्त्रालय | फोन नं./फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|---------|--|---|--|
| १ | भौतिक पुर्वाधार विकास मन्त्रालय, विराटनगर | ☎ ०२१ ४७००८३ | mopid.province1@gmail.com |
| २ | उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, विराटनगर | ☎ ०२१४६०२२४, ४६१०४५, ४६३११९ ☎ ०२१-४६०४४६ | moitfepradesh1@gmail.com www.moitfe.p1.gov.np |
| ३ | भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, विराटनगर | ☎ ०२१-४७०२५८ ☎ ०२१-४७०२५८ | molmacbiratnagar@gmail.com www.molmac.p1.gov.np |
| ४ | सामाजिक विकास मन्त्रालय, विराटनगर | ☎ ०२१ ५३६१८४ मन्त्री ज्यूको सचिवालय: ०२१ ५३४६२८ सचिव ज्यूको सचिवालय: ०२१ ५३४०८२ | mosdprov1@gmail.com www.mosd.p1.gov.np |
| ५ | आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय, विराटनगर | ☎ ०२१ ४७२०४४ ☎ ०२१ ४७२६५६ | moialprov1@gmail.com |
| ६ | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय, विराटनगर | ☎ ०२१ ५३४१६८ | moeap.s1@gmail.com |

प्रदेश नं. २

| कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---|---|---|
| प्रदेश प्रमुखको कार्यालय, जनकपुरधाम, धनुषा | ☎ ०४१-५२१७४३, ५२८३७९, ५२६६५९ | info@ocs.p2.gov.np www.ocs.p2.gov.np |
| मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय, जनकपुरधाम, धनुषा | ☎ ०४१५२३१३३, ५२७२२१, ५२५३३९, ५२५३३८, ५२५७३३, ५२७३२१, ५२७३२२ ☎ ०४१५२७१०१ | cm.p2.gov.np@gmail.com www.ocmcm.p2.gov.np टोलफ्रिनं. १६६०४१५२८४३ |
| प्रदेश सभा सचिवालय, जनकपुरधाम, धनुषा | ☎ ०४१५२४१६७, ५२३०२७, ५२६९२९, ५२५३२२ ☎ ०५२२९२८ | provin.assem.p2@gmail.com |

मन्त्रालयहरू

| क्र.सं. | मन्त्रालय | फोन नं. /फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------|---|--|--|
| १ | भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, जनकपुरधाम | ☎ ०४१५२२८०५ | mopid.p2.gov.np |
| २ | उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, जनकपुरधाम | ☎ ०४१५२३९३४, ०४१५२९०९२, ☎ ५२९०९२ | moitfep2@gmail.com, mkafle1@hotmail.com |
| ३ | भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, जनकपुरधाम | ☎ ०५३२२५९४०, ७८२७६०९५८९, ७८०९९९५८९ ☎ ५२४७६० | malacprovince2@gmail.com |
| ४ | सामाजिक विकास मन्त्रालय, जनकपुरधाम | ☎ ०४१५२३६३६, ०४१- ५२६५०५, ५२५९९७ | mosd.p2.gov@gmail.com, deviram.mopr@gmail.com |
| ५ | आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय, जनकपुरधाम | ☎ ०४१ ५२७०७३, ५२४९७९, ५२५२७५ ☎ ०४१ ५२८७०२ | intlawpradesh2@gmail.com www.moial.p2.gov.np |
| ६ | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय, जनकपुरधाम | ☎ ०४१-५२४६७७, ५२१९१५, ५२१५९८, ५२७१६३ | aarthikmamila.2@gmail.com www.moeap.p2.gov.np |

प्रदेश नं ३

| कार्यालय | फोन नं./ फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---|---|--|
| प्रदेश प्रमुखको कार्यालय, हेटौडा, मकवानपुर | ☎ ०५७-५२४९६९ ☎ ०५७५२४९६९ | www.ocs.p3.gov.np ocpno3@gmail.com |
| मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय, हेटौडा, मकवानपुर | ☎ ०५७-५२२३८५, ५२२३८७, ५२२३९७, ५२२८९७, ५२२८९८ ☎ ०५७५२७५०७ | info@nepal.gov.np, ocmcm.p3@gmail.com www.ocmcm.p3.gov.np |
| प्रदेश सभा सचिवालय, हेटौडा, मकवानपुर | ☎ ०५७-५२७५०८ ☎ ०५७-५२३६९२ | info@nepal.gov.np, state3assembly@gmail.com www.pradeshsabha.p3.gov.np |

मन्त्रालयहरू

| क्र.सं. | मन्त्रालय | फोन नं. /फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------|--|--|---|
| १ | भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय हेटौडा, मकवानपुर | ☎ ०५७-५२१५१९, ५२५४८१, ५२२८०४, ५२०९२६ ☎ ०५७-५२७५०७ | s3mopid@gmail.com www.mopid.p3.gov.np |
| २ | उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, हेटौडा, मकवानपुर | ☎ ०५७-५२६२२६ | moitfe3@gmail.com www.moitfe.p3.gov.np |
| ३ | भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, हेटौडा, मकवानपुर | ☎ ०५७-५२५६४२, ५२५६४७ ☎ ०५७-५२५६४२ | info@molmac.p3.gov.np www.molmac.p3.gov.np |
| ४ | सामाजिक विकास मन्त्रालय, हेटौडा, मकवानपुर | ☎ ०५७२४५६७८ | moial.p3@gmail.com www.p3mosd@gmail.com |
| ५ | आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय, हेटौडा, मकवानपुर | ☎ ०५७-५२७५१२, ०५७५२७५१३ ☎ ०५७५२७५१५ | moial.p3@gmail.com www.moial.p3.gov.np |
| ६ | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय, हेटौडा, मकवानपुर | ☎ ०५७-५२७५१८, ५२७५२० | info@moeap.p3.gov.np www.moeap.p3.gov.np |

गण्डकी प्रदेश

| कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|--|---|---|
| प्रदेश प्रमुखको कार्यालय, पोखरा, कास्की | ☎ ०६१-४६७५५५ ☎ ०६१ ४६७५५५ | info@oph.p4.gov.np www.oph.p4.gov.np |
| मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय, पोखरा, कास्की | ☎ ०६१-४६७६४८, ४६७६६४, ४६७६८३, ४६७८५९ ☎ ०६१४६७६६५ | ocmcm@gandaki.gov.np , ocmcm.gandaki@gmail.com www.ocmcm.gandaki.gov.np |

| कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|-----------------------------------|------------------|---|
| प्रदेश सभा सचिवालय, पोखरा, कास्की | ☎ ०६१-४६५५३६ | info@mopid.gandaki.gov.np www.mopid.gandaki.gov.np |

मन्त्रालयहरु

| क्र.सं. | मन्त्रालय | फोन नं. /फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------|--|--|--|
| १ | भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, पोखरा, कास्की | ☎ ०६१-४६५५३६ | info@mopid.gandaki.gov.np www.mopid.gandaki.gov.np |
| २ | उद्योग पर्यटन वन तथा वातावरण मन्त्रालय, पोखरा, कास्की | ☎ ०६१-४६७६५४, ४६७६६९, ४६७६७० ☎ ०६१४६७७११ | moitfe4@gmail.com www.moitfe.gandaki.gov.np |
| ३ | भूमि व्यवस्था कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, पोखरा, कास्की | ☎ ०६-१४६७८८५ | www.molmac.gandaki.gov.np |
| ४ | सामाजिक विकास मन्त्रालय, पोखरा, कास्की | ☎ ०६१-४६७९१४ | www.mosd.gandaki.gov.np |
| ५ | आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय, पोखरा, कास्की | ☎ ०६१-४६७७११ ☎ ०६१४६७७११ | info@moial.gandaki.gov.np, moialp4@gmail.com www.moial.p4.gov.np |
| ६ | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय, पोखरा, कास्की | ☎ ०६१-४६७९३० ☎ ०६१-४६७८८० | moeap.gandaki@gmail.com www.moeap.gandaki.gov.np |

प्रदेश नं. ५

| कार्यालय | फोन नं./ फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---|--|---|
| प्रदेश प्रमुखको कार्यालय, बुटवल | ☎ ०७१-५४०३९६, ०७१- ५४३३३६ ☎ ०७१-५४३३३६ | off.chiefstate5@gmail.com |
| मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय, बुटवल | ☎ ०७१-५५०६९८ | info@ocmcm.p5.gov.np, www. ocmcm.p5.gov.np |
| प्रदेश सभा सचिवालय, बुटवल | ☎ ०७१-५४००२०, ५४०५०२, ०७१-५५९९८२ | info.pradeshsabha@p5.gov.np |

मन्त्रालयहरु

| क्र.सं. | मन्त्रालय | फोन नं./ फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------|---|------------------|--|
| १ | भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, बुटवल, रुपन्देही | ☎ ०७१-५५०९२२ | mopid.pr5@gmail.com www.mopid.p5.gov.np |

| क्र.सं. | मन्त्रालय | फोन नं./ फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------|--|---|---|
| २ | उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, बुटवल, रुपन्देही | ☎ ०७१-५५१२१६, ५४७४७४ ☎ ०७१-५४७४७४ | province5moitfe@gmail.com www.moitfe.p5.gov.np |
| ३ | भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, बुटवल, रुपन्देही | ☎ ०७१-५५००६८, ५४००२६ | info@molmac.p5.gov.np www.molmac.p5.gov.np |
| ४ | सामाजिक विकास मन्त्रालय, बुटवल, रुपन्देही | ☎ ०७१-५५०६४६, ५५०६५० | info.mosd@p5.gov.np www.mosd.p5.gov.np |
| ५ | आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय, बुटवल, रुपन्देही | ☎ ०७१-५४००१४ | www.moial.p5.gov.np |
| ६ | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय, बुटवल, रुपन्देही | ☎ ०७१-५५०००३, ०७१-५५००६३ | info@moeap.p5.gov.np www.moeap.p5.gov.np |

कर्णाली प्रदेश

| कार्यालय | फोन नं./ फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|--|------------------|---|
| प्रदेश प्रमुखको कार्यालय, विरेन्द्रनगर, सुर्खेत | ☎ ०८३-५२३२६९ | krnlprovince@gmail.com www.oph.karnali.gov.np |
| मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय, विरेन्द्रनगर, सुर्खेत | ☎ ०८३ ५२०१८७ | हटलाइन (निःशुल्क) नं. १०९६ ocmcmkarnali@gmail.com Hotline Email: ocmcm@karnali.gov.np www.ocmcm.karnali.gov.np |
| प्रदेश सभा सचिवालय, विरेन्द्रनगर, सुर्खेत | | karnalipradesh@gmail.com, pga@karnali.gov.np www.pga.karnali.gov.np |

मन्त्रालयहरू

| क्र.सं. | मन्त्रालय | फोन नं. /फ्याक्स | इमेल/वेबसाईट |
|---------|---|-------------------------------------|--|
| १ | भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, विरेन्द्रनगर, सुर्खेत | ☎ ०८३ ५२११३९, ५२४०६३ | mopidskt@gmail.com, mopid@karnali.gov.np www.mopid.karnali.gov.np |
| २ | उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, विरेन्द्रनगर, सुर्खेत | ☎ ०८३-५२५२८८ ☎ ०८३-५२०२७१ | moitfe@karnali.gov.np www.moitfe.karnali.gov.np |
| ३ | भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, विरेन्द्रनगर, सुर्खेत | ☎ ०८३-५२००८२, ५२०२७३, ०८३-५२२५९५ | molmac@karnali.gov.np molmacp6@gmail.com www.molmac.karnali.gov.np |

| क्र.सं. | मन्त्रालय | फोन नं. /फ्याक्स | इमेल/वेवसाईट |
|---------|--|---------------------------------|---|
| ४ | सामाजिक विकास मन्त्रालय, विरेन्द्रनगर, सुर्खेत | ☎ ०८३-५२१७०५ | mosdsurkhet@gmail.com mosd@karnali.gov.np www.mosd.karnali.gov.np |
| ५ | आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय, विरेन्द्रनगर, सुर्खेत | | moialkarnali@gmail.com www.moial.karnali.gov.np |
| ६ | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय, विरेन्द्रनगर, सुर्खेत | ☎ ०८३-५२१३७१, ५२२५४०, ५२५६३६ | info@moeap.karnali.gov.np www.moeap.karnali.gov.np |

सुदूरपश्चिम प्रदेश

| कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | इमेल/वेवसाईट |
|--|---|-------------------------------|
| प्रदेश प्रमुखको कार्यालय, धनगढी, कैलाली | ☎ ०९१५२४६५८ ☎ ०९१५२४६५८ | www.oph.p7.gov.np |
| मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रपरिषद्को कार्यालय, धनगढी, कैलाली | ☎ ०९१५२३२३२, ५२३९५७, ५२२५९८, ५२५९६१ | cabinetsecretariat7@gmail.com |
| प्रदेश सभा सचिवालय, धनगढी, कैलाली | ☎ ०९१५२२४८९ ☎ ०९१५२५५७२ | pradeshsabha7@gmail.com |

मन्त्रालयहरू

| क्र.सं. | मन्त्रालय | फोन नं. /फ्याक्स | इमेल/वेवसाईट |
|---------|---|-------------------------------------|--|
| १ | भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, धनगढी, कैलाली | ☎ ०९१-५२३३०३ ☎ ०९१-५२७२७४ | mopidp7@gmail.com www.mopid.p7.gov.np |
| २ | उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, धनगढी, कैलाली | ☎ ०९१-५२११२७ ☎ ०९१-५२११२७ | moitfe7@gmail.com www.moitfe.p7.gov.np |
| ३ | भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, धनगढी, कैलाली | ☎ ०९१४१७२२५ ☎ ०९१ ४१७४०६ | molmac7@gmail.com www.molmac.p7.gov.np |
| ४ | सामाजिक विकास मन्त्रालय, धनगढी, कैलाली | ☎ ०९१५२५००९, ५२४५६३ ☎ ०९१ ५२७६६ | mosdkailali07@gmail.com www.mosd.p7.gov.np |
| ५ | आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय, धनगढी, कैलाली | ☎ ०९१५२६६८८, ५२६९३४ ☎ ०९१५२४८२८ | moiaffairsandlaw7@gmail.com www.moial.p7.gov.np |
| ६ | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय, धनगढी, कैलाली | ☎ ०९१५२१०१०७, ५२५२४५ ☎ ५२३९४७ | moeap7@gmail.com, moeap@ p7.gov.np www.moeap.p7.gov.np |

३.१७ प्रदेश अन्तर्गतका कृषि र पशु विकास कार्यालयहरूको फोन, फ्याक्स, ईमेल र वेबसाइट
प्रदेश १ अन्तर्गतका कार्यालयहरू (कृषि)

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | ईमेल/वेबसाइट |
|---------|--|---|--|
| १ | कृषि विकास निर्देशनालय, विराटनगर, मोरङ | ☎ ०२१-४७०२५८, ४७०१५८ | radagribrt@gmail.com www.radbiratnagar.gov.np |
| २ | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन सहयोग तथा तालिम केन्द्र, झुम्का, सुनसरी | ☎ ०२५-५६२००४, ०२५-५६२०२२ ९८४२०५०८३५ | abptcjhumkap1@gmail.com ratc.jhumka@gmail.com |
| ३ | वीउ विजन प्रयोगशाला झुम्का, सुनसरी | ☎ ०२५-५६२००४, ९८५२०६३१३५ | seedlab1jhumka@gmail.com |
| ४ | बाली संरक्षण प्रयोगशाला, विराटनगर, मोरङ | ☎ १२०-४७०७३२ | plantprotectionlab1@gmail.com |
| ५ | माटो तथा मल परिक्षण प्रयोगशाला, झुम्का, सुनसरी | ☎ ०२५-५६२०९९, ९८४४०९११५६ | soillab1jhumka@gmail.com |
| ६ | माटो तथा मल परिक्षण प्रयोगशाला, सुरुङ्गा, झापा | ☎ ०२३-५५००६४, ९८५२६८२०६४ | soillab1surunga@gmail.com |
| ७ | बागवानी केन्द्र, फाप्तु, सोलुखुम्बु | ☎ ०३८-५२५०११६, ९८५२८२०२१६ | hrtphaplup1@gmail.com |
| ८ | बागवानी केन्द्र, जौबारी, इलाम | ☎ ०२७-६९१४०५, ९७४२१०९३९, ९८१५३७३७९९, ९८१६७३०३२४, | hrtillamp1@gmail.com |
| ९ | रेशम प्रशोधन केन्द्र, इटहरी, सुनसरी | ☎ ०२५-५८०८४३ | SilkProcessing1@gmail.com |
| १० | रेशम विकास कार्यक्रम, धनकुटा | ☎ ०२६-५२०२९४, ९७४२६३५२०४ | silkdevelopmentp1@gmail.com |

प्रदेश २ अन्तर्गतका कार्यालयहरू (कृषि)

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | ईमेल/वेबसाइट |
|---------|---|-----------------------------|--|
| १ | कृषि विकास निर्देशनालय, नकटाझिज, जनकपुर | ☎ ०२५६२०४५८९ | jhzaitu@gmail.com |
| २ | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन सहयोग तथा तालिम केन्द्र, नकटाझिज, जनकपुर | ☎ ०४१-६२०८९०, ९८५४०२६५२० | ratcnahtajhij@gmail.com www.ratcnahtaj.gov.np |
| ३ | उष्ण प्रदेशीय बागवानी नर्सरी विकास केन्द्र, जनकपुर, धनुषा | ☎ ९८४२०८८१९५ | |
| ४ | माटो तथा मल परिक्षण प्रयोगशाला, राजविराज, सप्तरी | ☎:०३१-५२१६१५ | soillabsaptari@gmail.com |
| ५ | बाली संरक्षण प्रयोगशाला, सिराहा | ०३५५२००५० | pplsiraha@gmail.com |

प्रदेश ३ अन्तर्गतका कार्यालयहरू (कृषि)

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | ईमेल/वेबसाइट |
|---------|---|--|--------------------------------|
| १ | कृषि विकास निर्देशनालय, हेटौडा | ☎ ०५७-५२०४६६, ५२११०४ | addhetaudap3@gmail.com |
| २ | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन सहयोग तथा तालिम केन्द्र, भक्तपुर | ① ९८४५११३८८६ | |
| ३ | बीउ बीजन प्रयोगशाला, हेटौडा, मकवानपुर | ०५७४१२५५१ | seedlabhetauda@yahoo.com |
| ४ | बाली संरक्षण प्रयोगशाला, हरिहरभवन, ललितपुर | ☎ ०१-५५३६४६२, ९८४५०६९६७७ | rppl14@gmail.com |
| ५ | माटो तथा मल परिक्षण प्रयोगशाला, हेटौडा, मकवानपुर | ०५७४१२५३५ | rstl_hetauda@yahoo.com |
| ६ | सितोष्ण फलफुल रुटस्टक विकास केन्द्र, बोंच, दोलखा | ① ९८४५०४५४१२, ९८४५०२९२७६ | boanch.gov@gmail.com |
| ७ | पुष्प विकास केन्द्र, ललितपुर | ☎ ०१-५१७४२६०, ९८४१३८५१२३ | pbkgodawari@gmail.com |
| ८ | उपोष्ण प्रदेशिय वागवानी विकास केन्द्र, त्रिशुली, नुवाकोट | ☎ ०१०-५६००६९, ५६००६८, ९८५७०३५१७३ | horticentertrishuli@gmail.com |
| ९ | शितोष्ण वागवानी नर्सरी केन्द्र, दामन, मकवानपुर | ☎ ०५७-६२०४४९, ९८४५३६३७८९ | thncdaman@gmail.com |
| १० | कन्दमुल तरकारी विकास केन्द्र, सिन्धुली | ☎ ०४७-५२०१२२, ९८५४०४१३२०, | kandamulsindhuli@gmail.com |
| ११ | मसला विकास केन्द्र, पाँचखाल, काभ्रे | ☎ ०११-४९९०५५, ४९९३५५, ९८५११८४६०० | scdcpanchkhal@gmail.com |
| १२ | किम्बु नर्सरी भण्डार विकास केन्द्र, भण्डारा, चितवन | ☎ ०५६-५५००९१, ९८४५१११४३४ | kimbunurserybhandara@gmail.com |
| १३ | प्रजनन् पिढी बिजकोया स्रोत केन्द्र, धुनिवेशी, धादिङ | ☎ ०१०-४०११११, ९८५११७३९४४, ९८४१४१७८३४ | pscc.dhunibesi@gmail.com |
| १४ | व्यावसायिक ग्रेनेज केन्द्र, चित्तापोल, भक्तपुर | ☎ ०१-५११६०२४ | silkbhaktapur024@gmail.com |
| १५ | मौरीपालन विकास कार्यक्रम, भण्डारा, चितवन | ☎ ०५६-५५०६५३, ९८५५०६६५३ | beekeeping_bhandara@yahoo.com |

गण्डकी प्रदेश अन्तर्गतका कार्यालयहरू (कृषि)

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|--|---|--|
| १ | कृषि विकास निर्देशनालय, पोखरा | ☎ ०६१-५२०२७३, ५२०२६३, ५४०८९५, ९८५६०११४६५, ९८४१४३६५८९ | addgandakipradesh@gmail.com chief.add@p4.gov.np info.add@p4.gov.np |
| २ | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन सहयोग तथा तालिम केन्द्र, पोखरा | ☎ ०६१४४५२५-८ ९८५६०१५४४८ ९८४९३५९०८ | apstcpokhara@gmail.com |
| ३ | बाली संरक्षण प्रयोगशाला, पोखरा, कास्की | ☎ ०६१-४६१५४५, ९८५६०३१५४५ | rppl.pokhara@gmail.com |
| ४ | माटो तथा मल परिक्षण प्रयोगशाला, पोखरा, कास्की | ☎ ०६१-४६०१८७, ९८५६०३५१८७ | soillab.pokhara@yahoo.com |
| ५ | प्रजनन पिढी बिज कोया स्रोत केन्द्र, बन्दीपुर, तनहुँ | ☎ ९८५६०६३१०४, ९८५६०३०६४९ | reshamkheti58@gmail.com |
| ६ | रेशम विकास कार्यक्रम, पोखरा, कास्की | ☎ ०६१-५२२०२९, ९८५६०८०१०३ ९८५६०३४५२९ | farmspokhara@gmail.com |
| ७ | रेशम विकास कार्यक्रम, स्याङ्जा | ☎ ९८५६०८०१०३, ☎ ०६३-४४०१०३ | reshamkhetisyangja@gmail.com |
| ८ | बीउ विजन प्रयोगशाला | ☎ ९८५६०५८७१९ | seedlabkaski@gmail.com |

प्रदेश ५ अन्तर्गतका कार्यालयहरू (कृषि)

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|--|--|--------------------------|
| १ | कृषि विकास निर्देशनालय, वुटवल | ☎ ०८१-६२१२२८/ ५६०२४३, ९८४०५९५४४९ | doad.p5@gmail.com |
| २ | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन सहयोग तथा तालिम केन्द्र, खजुरा | ☎ ०८१-५२१७६९ | ratckhajura@yahoo.com |
| ३ | बाली संरक्षण प्रयोगशाला, नेपालगन्ज, बाँके | ☎ ०८१-५६०४२३, ९८५६०२८४५६ | rpplkhajur@gmail.com |
| ४ | माटो तथा मल परिक्षण प्रयोगशाला, खजुरा, बाँके | ☎ ९८५६०३१२३६ | rstlsmd2@gmail.com |
| ५ | बीउ बिजन प्रयोगशाला, भैरहवा, रुपन्देही | ☎ ०८१-५६०४५० | tngaire16@gmail.com |
| ६ | बीउ बिजन प्रयोगशाला, खजुरा, बाँके | ☎ ०८१-६२१२१६ | seedlabkhajura@gmail.com |

कर्णाली प्रदेश अन्तर्गतका कार्यालयहरू (कृषि)

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं र फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|--|------------------|---|
| १ | कृषि विकास निर्देशनालय, सुर्खेत | ☎ ८३-५२०३०५ | doadsurkhet@gmail.com |
| २ | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन सहयोग तथा तालिम केन्द्र, सुर्खेत | ① ९८४८०२५७७२, | purnalal2@gmail.com acharyam2013@gmail.com |
| ३ | बाली संरक्षण प्रयोगशाला, सुर्खेत | ① ९८४४८०५१३८ | ramangiri464@gmail.com |
| ४ | विउ विजन प्रयोगशाला, सुर्खेत | ① ९८४९१३८२५३ | milan.new2007@gmail.com |
| ५ | माटो तथा मलपरिक्षण प्रयोगशाला, सुर्खेत | ① ९८५८०५३३३३ | chaudharisk002@gmail.com |
| ६ | शितोष्ण तरकारी विउ उत्पादन केन्द्र, जूफाल, डोल्पा | ① ९८५८०५२३७० | kcganeshkumar@yahoo.com |
| ७ | आलु बाली विकास कार्यक्रम, दार्मा, हुम्ला | ① ९८६८०७९६५६ | Jhabibha37@gmail.com |

सुदूरपश्चिम प्रदेश अन्तर्गतका कार्यालयहरू (कृषि)

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|--|--|-----------------------------|
| १ | कृषि विकास निर्देशनालय, धनगढी, कैलाली | ☎ ०९४-४४०१८७, ०९४-४४००१०, ०९४-४४०४१४ | raddipayal@yahoo.com |
| २ | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन सहयोग तथा तालिम केन्द्र, सुन्दरपुर, कञ्चनपुर | ☎ ०९९-६९०९४३ | ratc.sundarpur@gmail.com |
| ३ | बाली संरक्षण प्रयोगशाला, सुन्दरपुर, कञ्चनपुर | ☎ ०९९-६९०९२५ | rpplsundarpur2007@gmail.com |
| ४ | माटो तथा मल परिक्षण प्रयोगशाला, सुन्दरपुर, कञ्चनपुर | ☎ ०९९-६९०६८९ | rstisundarpur@gmail.com |
| ५ | विउ विजन प्रयोगशाला, सुन्दरपुर, कञ्चनपुर | ☎ ०९९-६९१६१४, ०९९-५२०५८४ | rstisnp@gmail.com |
| ६ | सुख्खा फलफुल विकास केन्द्र, सतबाँझ, बैतडी | ☎ ०९५-६९०५७१ | dfdcbaitadi@yahoo.com |
| ७ | तरकारी जर्मीप्लाज्म सम्बद्धन तथा विउ उत्पादन केन्द्र, डडेलधुरा | ☎ ०९६४२०१७५ | vspc.tarkari@gmail.com |

प्रदेश १ अन्तर्गतका कार्यालयहरू (पशु विकास)

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|---|------------------|------------------|
| १ | पशुपन्छी तथा मत्स्य विकास निर्देशनालय, विराटनगर | ☎ ०२१४७०९२५ | lfdbrt@gmail.com |

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|---------------------------------------|------------------|---------------------|
| २ | पशु सेवा तालिम केन्द्र, दुहवी, सुनसरी | ☎ ०२५५४०७०८ | lstcp1sun@gmail.com |

प्रदेश २ अन्तर्गतका कार्यालयहरू (पशु विकास)

| क्र.सं | कार्यालय | फोन नं र फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|--------|---------------------------------------|------------------|-----------------------|
| १ | पशुपन्धी तथा मत्स्य विकास निर्देशनालय | ९८४१७५३६२७ | dolfd.p2.np@gmail.com |
| २ | पशु सेवा तालिम केन्द्र, जनकपुर | ☎ ०४१-५२०३४२ | |

प्रदेश ३ अन्तर्गतका कार्यालयहरू (पशु विकास)

| क्र.सं | कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|--------|---|-----------------------------|--------------------------|
| १ | पशुपन्धी तथा मत्स्य विकास निर्देशनालय, हेटौडा | ☎ ०५७-२४२५४ ०५७-५२४३२९ | dlfd3p@gmail.com |
| २ | पशु सेवा तालिम केन्द्र, ललितपुर | ☎ ०१-५५२००१० | lstcp3@gmail.com |
| ३ | मत्स्य विकास केन्द्र, कुलेखानी | ☎ ०५७-६२०२३७ | rdfdckulekhani@gmail.com |
| ४ | मत्स्य विकास केन्द्र, भण्डारा, चितवन | ☎ ०५६-५५००८५, ९८५५०६२०८५ | fdcbhandara@gmail.com |
| ५ | बाख्रा विकास फार्म, चित्लाङ, मकवानपुर | ९८५५०६९४८४ | chitlanggoat@gmail.com |

गण्डकी प्रदेश अन्तर्गतका कार्यालयहरू (पशु विकास)

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|---|----------------------------|------------------------|
| १ | पशुपन्धी तथा मत्स्य विकास निर्देशनालय | ९८४६०२९१८२ | dlfd.gandaki@gmail.com |
| २ | पशु सेवा तालिम केन्द्र, माटेपानी, पोखरा | ☎ ०६१-५२४१९५ ९८५२०५९६१० | ltc.pokhara@gmail.com |
| ३ | मत्स्य विकास केन्द्र, मिर्मी, स्याङ्जा | ☎ ६३४०३००६ ९८४७०२९०५० | cfdcmirmi@gmail.com |

प्रदेश ५ अन्तर्गतका कार्यालयहरू (पशु विकास)

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|--|-----------------------------|---|
| १ | पशुपन्धी तथा मत्स्य विकास निर्देशनालय, वुटवल | ☎ ०७१-४३८५९६, ९८५४०३६७४९ | dolfdp5@gmail.com Yugalktiwarigmail.com www.dolfd.p5.gov.np |
| २ | पशु सेवा तालिम केन्द्र, नेपालगञ्ज | ☎ ०८१-५२०३०४, ९८५८०४०३०४ | rlstcpnj2014@gmail.com khagandrarajsapkota@gmail.com |
| ३ | कुखुरा विकास फार्म, खजुरा, बाँके | ☎ ०८१-५६०२०९, ९८५८०२४२१८ | lalitkunwar38@gmail.com |

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|---|-----------------------------|----------------------|
| ४ | मत्स्य विकास केन्द्र, महादेवपुरी, बाँके | ☎ ०८१-५२९२२०, ९८५८००१०६९ | bhusaldeep@gmail.com |

कर्णाली प्रदेश अन्तर्गतका कार्यालयहरू (पशु विकास)

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|--|-----------------------------|-------------------------|
| १ | पशुपन्थी तथा मत्स्य विकास निर्देशनालय, सुर्खेत | ☎ ०८३५२०९३७, ९८४२८२६५४९ | dlfdssurkhet@gmail.com |
| २ | पशु सेवा तालिम केन्द्र, सुर्खेत | ☎ ०८३-५२५३५४, ९८४८०२९८९५ | itckarnaliskt@gmail.com |

सुदूरपश्चिम प्रदेश अन्तर्गतका कार्यालयहरू (पशु विकास)

| क्र.सं. | कार्यालय | फोन नं. /फ्याक्स | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|--|------------------------------------|--------------------------|
| १ | पशुपन्थी तथा मत्स्य विकास निर्देशनालय, धनगढी | ☎ ०९४४०९४६ ०९४४०९३२, ९८४९९७९३३६ | rdsdipayaldoti@yahoo.com |
| २ | पशु सेवा तालिम केन्द्र, धनगढी | ☎ ०९९-५२९९३९, ९८५८४२२४६७ | rltcdhangadhi@gmail.com |
| ३ | मत्स्य विकास केन्द्र, गेटा, कैलाली | ☎ ०९९-५७५९२०, ९७५९००३३९० | fdckalali@gmail.com |

३.१८ प्रदेश अन्तर्गतका कृषि ज्ञान केन्द्रहरू तथा भेटेरिनी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रहरू:
प्रदेश नं. १ अन्तर्गतका कृषि ज्ञान केन्द्रहरू

| क्र.सं. | कृषि ज्ञान केन्द्र | जिल्ला | फोन नं. | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--------------------|-----------|------------------------------------|---|
| १ | ताप्लेजुङ | ताप्लेजुङ | ☎ ०२४-४६०१३०, ६९९ | www.dadotaplejung.gov.np akcpachthar@gmail.com |
| | | पाँचथर | ☎ ०२४-४२०१३०, ४६८, ९८१७९४४४३१ | www.dadopanchthar.gov.np akcpachthar@gmail.com |
| २ | ईलाम | ईलाम | ☎ ०२७-४२००४६, ४७, ९८४२०३४८६१ | www.dadoilam.gov.np akcillam@gmail.com |
| ३ | झापा | झापा | ☎ ०२३-४४४, ४४६, ९८४२६७१०९ | www.dadojhapa.gov.np akcjhapa@gmail.com |
| ४ | भोजपुर | भोजपुर | ☎ ०२९-४२०१३०, ६३०, ९८४४०३६४७७ | www.dadobhojpur.gov.np akcbhojpur130@gmail.com |
| ५ | संखुवासभा | संखुवासभा | ☎ ०२९-४६०१३०, ४८७, ९८४४३४७३९८ | akcsankhuwasabha@gmail.com |
| | | तेह्रथुम | ☎ ०२६-४६०१३०, ४१३ | www.dadoterhathum.gov.np dadotthum@gmail.com |
| ६ | धनकुटा | धनकुटा | ☎ ०२६-४२०४७८, २२६, ९८४२३४, ४७८४ | www.dadodhankuta.gov.np akcdhankuta@gmail.com |
| | | सुनसरी | ☎ ०२५-४६०१२४, १०६, ९८४२०८२८२१ | www.dadosunsari.gov.np akcsunsari@gmail.com |
| ७ | सुनसरी | सुनसरी | ☎ ०२५-४२६४६८, ४२१३४८ | www.dadomorang.gov.np dadomorang@yahoo.com |
| | | खोटाङ्गा | ☎ ०३६-४२०१३०, ६२९, ९८४४०६९६८२६ | www.dadokhotang.gov.np khotangakc@gmail.com |

| क्र.सं. | कृषि ज्ञान केन्द्र | जिल्ला | फोन नं. | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--------------------|------------|-------------------------------------|--|
| ९ | सोलुखुम्बु | सोलुखुम्बु | ☎ ०३८-४२०१३०, ४२००१५, ९८४५६७१३७२ | www.dadosolukhumbu.gov.np akcsolukhumbu@yahoo.com |
| १० | ओखलढुङ्गा | ओखलढुङ्गा | ☎ ०३७-४२०१३०, ६०६, ९८४४०४०४४४ | akcokhaldhunga@gmail.com |
| ११ | उदयपुर | उदयपुर | ☎ ०३५-४२०१३०, २६३, ९८४२८३४०६७ | www.dadoudaypur.gov.np akcudaypur@gmail.com |

प्रदेश १ अन्तर्गतका भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रहरू

| क्र.सं. | भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रको नाम | जिल्ला | फोन नं. | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|---|-------------------------|-------------|---------------------------|
| १ | पाँचथर | ताप्लेजुङ पाँचथर | ☎ ०२७५२०१२७ | vhlsanchthar@gmail.com |
| २ | झापा | इलाम झापा | ☎ ०२३५२११६१ | vhlsjhapa@gmail.com |
| ३ | संखुवासभा | संखुवासभा भोजपुर | ☎ ०२९५६०१५९ | vhlsankhuwasava@gmail.com |
| ४ | धनकुटा | तेह्रथुम धनकुटा | ☎ ०२६५२०२८० | vhlsdhankuta@gmail.com |
| ५ | मोरङ | मोरङ | ☎ ०२१४७१९५८ | vhlsmorang@gmail.com |
| ६ | सुनसरी | सुनसरी | ☎ ०२५५६०१६२ | vhlsunsari@gmail.com |
| ७ | ओखलढुङ्गा | सोलुखुम्बु ओखलढुङ्गा | ☎ ०३७५२०२६० | vhlsokhaldhunga@gmail.com |
| ८ | उदयपुर | खोटाङ उदयपुर | ☎ ०३५४२०१२९ | vhlsudayapur@gmail.com |

प्रदेश २ अन्तर्गतका कृषि ज्ञान केन्द्रहरू:

| क्र.सं. | कृषि ज्ञान केन्द्र | जिल्ला | फोन /फ्याक्स | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--------------------|---------------------|--|----------------------------|
| १ | सप्तरी | सिराहा सप्तरी | ☎ ९८५२८२०७६५ ☎ ०३१-५२००५० | dadosaptari@gmail.com |
| २ | धनुषा | धनुषा | ☎ ०४१-५२३७३९, ९८५४०२७७३९ ☎ ०४१-५२८३९ | akcdhanusha@gmail.com |
| ३ | सर्लाही | महोत्तरी सर्लाही | ☎ ०४६-५२०१३०, ९८५४०३६५३० ☎ ०४६-५२००३० | pradeeptakur@yahoo.com |
| ४ | बारा | बारा | ☎ ०५३-५५००१७, ९८५५०२५०२८ ☎ ०५३-५५१२१७ | dado.bara@yahoo.com |
| ५ | रौतहट | रौतहट | ☎ ०५५-५२०००१, ९८५५०४०१२९ ☎ ०५५-५२०३७० | dadorauthat.gmail.com |
| ६ | पैसा | पैसा | ☎ ०५१-५२२३०४, ९८५२८३०५५० ☎ ०५१-५२१८७९ | agriscienceparsa@gmail.com |

प्रदेश २: अन्तर्गतका भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रहरू

| क्र.सं. | भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रको नाम | जिल्ला | फोन नं. | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|---|------------------|--------------------------|-------------------------|
| १ | सिराहा | सप्तरी सिराहा | ☎ ९८५२८२१२०५ | dhrubyadav205@gmail.com |
| २ | धनुषा | धनुषा | ☎ ०४१ ५२०१७९, ९८५४०२६०२१ | mbishnudev@yahoo.com |
| ३ | महोत्तरी | महोत्तरी | ☎ ०४४ ५२००७३, ९८४१७४२२९० | disomahottary@gmail.com |

| क्र.सं. | भेटेरिनी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रको नाम | जिल्ला | फोन नं. | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--|---------|--------------------------|------------------------|
| ४ | सर्लाही | सर्लाही | ☎ ०४६ ५२०१४५, १८४५८२५७२ | dlisosarlahi@yahoo.com |
| ५ | पर्सा | पर्सा | ☎ ०५१ ५२२५५१, १८५५०३५२२२ | prikshanram@yahoo.com |
| ६ | रौतहट | रौतहट | ☎ ०५५ ५२०१२५ १८४१६७४९२ | vetdram1975@gmail.com |

प्रदेश नं. ३ अन्तर्गतका कृषि ज्ञान केन्द्रहरू

| क्र.सं. | कृषि ज्ञान केन्द्र | जिल्ला | फोन/ फ्याक्स | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--------------------|---------------|--------------------------------|-------------------------------|
| १ | ललितपुर | काठमाण्डौ | ☎ ०१-५५३४५७३, १८५१०७३६७ | www.dadolalitpur.gov.np |
| | | भक्तपुर | ☎ ०१-४४८१२१९, ५०९२२१७, ५५३४६१६ | dadolalitpur@gmail.com |
| | | ललितपुर | | |
| २ | काभ्रे | काभ्रे | ☎ ०११-४९०५८९, ① १८५११२७०१० | www.dado.kavre.gov.np |
| | | सिन्धुपाल्चोक | ☎ ०११-४९०२०१, ६२०३४७ | dadokavre@gmail.com |
| ३ | नुवाकोट | रसुवा | ☎ ०१०-५६०१२८, १८४३१५२११३ | www.dadosindhupalchowk.gov.np |
| | | नुवाकोट | ☎ ०१०-५४४०१२८, ५६०२१६ | dadokavre@gmail.com |
| ४ | धादिङ्ग | धादिङ्ग | ☎ ०१०-५२०१२८ १८५११५८६३० | akenuwakot@gmail.com |
| | | | ☎ ०१०-५२०४१९ | akcdhading@gmail.com |

| क्र.सं. | कृषि ज्ञान केन्द्र | जिल्ला | फोन/ फ्याक्स | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--------------------|-------------------|--|--|
| ५ | रामेछाप | रामेछाप | ☎ ०४८-५४००६३, ९८४९५४८२८४ ☎ ०४८-५४०३०८ | akc.ramechhap2075@gmail.com |
| ६ | सिन्धुली | सिन्धुली | ☎ ०४७-५२०९६६, ९८५९९४५४०४ ☎ ०४७-५२०९६६ | www.dadosindhuli.gov.np akcsindhuli@gmail.com |
| ७ | चितवन | मकवानपुर चितवन | ☎ ०५६-५२०९५५, ९८५५०५९५७० ☎ ०५६-५२६२२६ | akchitwan@gmail.com |

प्रदेश नं. ३ अन्तर्गतका भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रहरु

| क्र.सं. | भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रको नाम | जिल्ला | फोन नं. | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|---|--------------------------------|-----------------------------|--------------------------|
| १ | ललितपुर | काठमाडौं भक्तपुर ललितपुर | ☎ ०१ ५५४२४४९, ९८५९९३७९७० | vhlectaliitpur@gmail.com |
| २ | चितवन | चितवन | ☎ ०५६५२०९७६ | dlschitwan@gmail.com |
| ३ | मकवानपुर | मकवानपुर | ☎ ०५४९२८२८, ०५७ ४९२५७९ | vhospitalmak@gmail.com |
| ४ | सिन्धुली | रामेछाप सिन्धुली | ☎ ०४७ ५२०९८५ | dlsosindhuli@yahoo.com |
| ५ | नुवाकोट | रसुवा नुवाकोट | ☎ ०९० ५६००९२ | dlsosnuwakot12@gmail.com |
| ६ | धादिङ | धादिङ | ☎ ०९० ५२०९०७ | dlsodhading@gmail.com |
| ७ | दोलखा | सिन्धुपाल्चोक दोलखा | ☎ ०४९ ४२९९५४ | dlsodolakha@gmail.com |

| क्र.सं. | भेटीरिनी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रको नाम | जिल्ला | फोन नं. | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--|----------------|--------------------------|------------------------------|
| ८ | काभ्रेपलाञ्चोक | काभ्रेपलाञ्चोक | ☎ ०११ ४९०२६६, ९८५११६४५९४ | vhsscduhulikhe2019@gmail.com |

गण्डकी प्रदेश अन्तर्गतका कृषि ज्ञान केन्द्रहरू

| क्र.सं. | कृषि ज्ञान केन्द्र | जिल्ला | फोन /फ्याक्स | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--------------------|---------|--|---|
| १ | लमजुङ | मनाङ | ① ९८५६०४५२३०, ९८४६२९४८२३ ☎ ०६६-५२०१३० | www.dadolamjung.gov.np akclamjung@gmail.com |
| २ | गोरखा | गोरखा | ९८५६०३०६४९ ☎ ०६४-४२०१३ | www.dadogorkha.gov.np gorkhadado@yahoo.com |
| ३ | तनहुँ | तनहुँ | ① ९८५६०६४१३०, ९८५६०२७३१० ☎ ०६५-५६०१३० | dadotanahun@gmail.com, akctanahun@gmail.com |
| ४ | स्याङजा | कास्की | ① ९८५६०२८४४४ ☎ ०६३-४२०१३० | www.dadosyangja.gov.np akcsyangja@gmail.com |
| ५ | म्याग्दी | स्याङजा | ① ९८५७६२२१४४ ☎ ०६३-५२०१३० | www.dadomyagdi.gov.np dadomyagdi@gmail.com |
| ६ | पर्वत | पर्वत | ① ९८५७६३००२३ ☎ ०६७-४२०१३० | www.dadoparbat.gov.np dadoparbat@gmail.com knshigyankantdraparbat@gmail.com |

गण्डकी प्रदेश अन्तर्गतका भेटीरिनी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रहरू

| क्र.सं. | भेटीरिनी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रको नाम | जिल्ला | फोन नं. | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--|--------|-------------|----------------------|
| १ | गोरखा | गोरखा | ☎ ०६४ १११६३ | vhl.gorkha@gmail.com |

| क्र.सं. | भेटरिनरी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञान केन्द्रको नाम | जिल्ला | फोन नं. | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--|--------------------------|------------------------|----------------------------|
| २ | स्याङजा | स्याङजा | ०६३ ४२०१०८, ९८५६०५०९६४ | vhl.syangja@gmail.com |
| ३ | तनहुँ | तनहुँ पूर्वी नवलपरासी | ०६३४०३००६, ९८४६१०१८० | vhl.tanahun@gmail.com |
| ४ | लमजुङ | मनाङ लमजुङ | ०६६ ५२०१३१, ९८५६०१६२३४ | vhl.lamjung@gmail.com |
| ५ | कास्की | कास्की | ०६१ ५२००८२, ९८५६००४८८८ | vethospitalkaski@gmail.com |
| ६ | बागलुङ | पर्वत बागलुङ | ०६८ ५२०१२१, ९८५७२३१२१ | vhl.baglung@gmail.com |
| ७ | म्याग्दी | म्याग्दी मुस्ताङ | ०६९ ५२०१२१, ९८५७२७५५५ | vhl.magdi@gmail.com |

प्रदेश नं. ५ अन्तर्गतका कृषि ज्ञान केन्द्रहरु

| क्र.सं. | कृषि ज्ञान केन्द्र | जिल्ला | फोन/फ्याक्स | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--------------------|------------------------------|-------------|---------------------------|
| १ | गल्मी | गल्मी | ०१८४४०२९५०० | akcgulmi@gmail.com |
| २ | अर्घाखाँची | अर्घाखाँची | ०१८४११६६३९५ | akcarghakhanchi@gmail.com |
| ३ | पाल्पा | पाल्पा | ०१८५७०६५२९४ | akcpalpa@gmail.com |
| ४ | पश्चिम नवलपरासी | रुपन्देही पश्चिम नवलपरासी | ०१८५६०४९२१३ | akcnawalparasi@gmail.com |
| ५ | कापिलवस्तु | कापिलवस्तु | ०१८५७०५३०६३ | akckapilvastu@gmail.com |
| ६ | दाङ | प्युठान दाङ | ०१८५८०२०४६१ | akcdang@gmail.com |
| ७ | बाँके | बाँके बाँदिया | ०१८६८०८१३११ | akcbanke@gmail.com |

| क्र.सं. | कृषि ज्ञान केन्द्र | जिल्ला | फोन/फ्याक्स | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--------------------|------------------------|----------------|--------------------|
| ८ | रोल्पा | पूर्वी रूकुम रोल्पा | ०१ ९८४७८३१३३९७ | kgkrolpa@gmail.com |

प्रदेश नं. ५ अन्तर्गतका भेटेरिसरी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञान केन्द्रहरू:

| क्र.सं. | भेटेरिसरी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञान केन्द्रको नाम | जिल्ला | फोन नं. | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|---|-------------------------|---------------------------------------|--|
| १ | पाल्पा | गुल्मी पाल्पा | ०७५ ५२०१४५, ९८४७०२८८२२ | disopalpa@gmail.com |
| २ | कपिलवस्तु | अर्घाखाँची कपिलवस्तु | ०७६ ५६००२१, ९८४७०५६४६८ | disokapilvastu@yahoo.com nandlalrolpa@gmail.com |
| ३ | स्पन्देही | नवलपरासी स्पन्देही | ०७१ ५२०२०६, ९८५१११९८११, ९८५७०२४१०९ | disorupandehi@gmail.com dr.vermanl@gmail.com |
| ४ | रोल्पा | पूर्वी रूकुम रोल्पा | ०८६ ४४००५६, ९८४५१४५०३१ | giri_dharma@yahoo.com |
| ५ | दाङ | प्युठान दाङ | ०८२ ५६००२१, ९८४९५३०५८८ | disodang@gmail.com dr.bbkc@gmail.com |
| ६ | बाँके | बाँके बर्दिया | ०८१ ५२०२५४, ९८५७०६१६०३ | kunwarvet@gmail.com disobanke@gmail.com |

कर्णाली प्रदेश अन्तर्गतका कृषि ज्ञान केन्द्रहरू

| क्र.सं. | कृषि ज्ञान केन्द्र | जिल्ला | फोन/फ्याक्स | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--------------------|------------------------|------------------------|---------------------|
| १ | सल्यान | सल्यान पश्चिम रूकुम | ०८८-५३००१९, ९८४५०८५८५४ | akcrukumw@gmail.com |

| क्र.सं. | कृषि ज्ञान केन्द्र | जिल्ला | फोन/फ्याक्स | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--------------------|---------|--------------------------|--|
| २ | सुर्खेत दैलेख | | ☎ ०८१-४२०१४५, १८४१३२०८०१ | akcdai.lekh@gmail.com |
| ३ | जाजरकोट | जाजरकोट | ☎ ०८१-४३०१२५, १८५८०५३१२५ | akcjajarkot@gmail.com |
| ४ | डोल्पा | डोल्पा | ☎ ०८७-५५००९९, १८६८३०१२०० | akcdolpa@gmail.com |
| ५ | हुम्ला | हुम्ला | ☎ ०८७-६८००११, १८६८३९५९१९ | akchumla@gmail.com |
| ६ | जुम्ला | जुम्ला | ☎ ०८७-५२००२७, १८५८४४०३२६ | www.dadojumla.gov.np akcjumla@gmail.com |
| ७ | कालीकोट | कालीकोट | ☎ ०८७-४४०११८, १८४१०४८७०३ | akckalikotl@gmail.com |

कर्णाली प्रदेश अन्तर्गतका भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रहरू

| क्र.सं. | भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रको नाम | जिल्ला | फोन नं. | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|---|------------------------|--------------------------|-------------------------|
| १ | सल्यान | सल्यान | ☎ ०८८-५२००६२, १८४५१७६२१६ | vetsecsalyan@gmail.com |
| २ | सुर्खेत | दैलेख सुर्खेत | ☎ ०८३-५२०२८८, १८६८०७४३५१ | vetsecsurkhet@gmail.com |
| ३ | पश्चिम रकुम | जाजरकोट पश्चिम रकुम | ☎ ०८८-५३००१०, १८४५०७२१९२ | vetsecrukum@gmail.com |
| ४ | जुम्ला | कालिकोट जुम्ला | ☎ ०८७-५२००२८, १८५८०२३५५८ | vetsecjumla@gmail.com |
| ५ | डोल्पा | डोल्पा | ☎ ०८७-५५००५२, १८५८९००५६५ | vetsecdolpa@gmail.com |
| ६ | हुम्ला | हुम्ला | ☎ ०८७-६८००१०, १८५८०३३४४२ | vetsecchumla@gmail.com |
| ७ | मुगु | मुगु | ☎ ०८७-४६००७६, १८४९००७२० | vetsecmugu@gmail.com |

सुदूरपश्चिम प्रदेश अन्तर्गतका कृषि ज्ञान केन्द्रहरू

| क्र.सं. | कृषि ज्ञान केन्द्र | अन्तर्गतका जिल्लाहरू | फोन/फ्याक्स | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--------------------|----------------------|---|---|
| १ | बैतडी | दार्चुला बैतडी | ☎ ०९३-४२०१४१, ४२०४४७ ☎ ०९५-५२०१५४, ५२०४७९, ५२००५४ ☎ ०९६-४१०१७९, ४१०११२ ☎ ०९४-४११०३, ४१११२६ | www.dadodarchula.gov.np, dadodarchula@gmail.com www.dadobaitadi.gov.np, dadobaitadi2027@gmail.com www.dadodadeldhura.gov.np, dadeIdhuradado@gmail.com dadodoti80@gmail.com |
| ३ | अछाम | अछाम | ☎ ०९७-६२०१८७, ६२०११४ | www.dadoachham.gov.np, dadoachham@rocketmail.com |
| ४ | बझाङ | बझाङ | ☎ ०९२-४२१०४५ | dadobajhang@yahoo.com |
| ५ | बाजुरा | बाजुरा | ☎ ०९७-५४२२४४, ५४१०१४ | www.dadobajura.gov.np, dadobajura@gmail.com |
| ६ | कञ्चनपुर | कञ्चनपुर | ☎ ०९९-५२१२४२, ५२२१८३ | www.dadokanchanpur.gov.np, dadokanchanpur@gmail.com |
| | | कैलाली | ☎ ०९१-५२११२४, ५२१२२७ | dadokailali@gmail.com |

सुदूरपश्चिम प्रदेश अन्तर्गतका भेटेरिनी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्रहरू

| क्र.सं. | भेटेरिनी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्रको नाम | जिल्ला | फोन नं. | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|--|----------------------------|---|-----------------------------|
| १ | कञ्चनपुर | कैलाली कञ्चनपुर | ☎ ०९९ ५२११७६, ०९९ ५२५६५७, ९८५८४४०१४२ | dlso_kanchanpur@yahoo.com |
| २ | डडेल्धुरा | डोटी डडेल्धुरा | ☎ ०९६ ४१०११४, ९८५८७४४४३४ | dlso73dadedlhura@yahoo.com |
| ३ | बैतडी | बैतडी | ☎ ०९५ ४००००६, ९८५८७८२५२५ | dlsopatan.baitadi@yahoo.com |
| ४ | बाजुरा | दार्चुला अछाम बाजुरा | ☎ ०९७ ५४१०६४, ९८४१४२८७४२ | dlsobajura@gmail.com |
| ५ | बझाङ | बझाङ | ☎ ०९२ ४२१०५०, ९८४१०४३७१८ | dlsobajhang@yahoo.com |

३.१९ कृषि शिक्षण संस्थाहरू

| शिक्षण संस्था | फोन नं. /फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|---|--|--|
| कृषि तथा वन विज्ञान विश्वविद्यालय, रामपुर, चितवन (AFU) | ☎ ०५६-५९९६५५, ५९९७७७, ५९९५९४ | www.afu.edu.np admin@afu.edu.np Post Box No. 13712 |
| College of Natural Resource Management, Puranchaur, Kaski | ☎ ०६९-५०३००७, ५०३००४, ९८५५०५८२६४ | |
| College of Natural Resource Management, Parkhibas, Dankuta, | ०२६-५-४०५९६४ | parkhibas@afu.edu.np |
| College of Natural Resource Management, Tikapur, Kailali | | |
| College of Natural Resource Management-Marin, Kapilakot, Sindhuli | | |
| कृषि तथा पशु विज्ञान अध्ययन संस्थान (TU), सानेपा, ललितपुर | ☎ ०१-५५५२३७८, ५५५००८७ | www.iaas.edu.np info@iaas.edu.np |
| लमजुङ कृषि क्याम्पस | ☎ ०६६-४०२०३७ ०६६-४०२०३८ | lamjungiaas@gmail.com |
| पक्लिहवा कृषि क्याम्पस | ☎ ०७१-५०६०९१ | - |
| रामपुर क्याम्पस, खैरहनी, चितवन | | |
| Gokulshwor Agriculture and Animal Science College, Baitadi | ☎ ०९३-४०००४४ | info@gaasc.edu.np www.gaasc.edu.np |
| College of Life Sciences, Tulsipur, Dang | ☎ ०८२-५२२९७८ ०८२-५२२९५७ ☎ ०८२-५२२९५७ | mari.hrdcoordinator@gmail.com |
| Prithu Technical College, Lamahi, Dang | ① ९८५७८३२२१० ९८५७८४१३३४ | prithutechnicalcollege@gmail.com gangaparaspur@gmail.com www.trithu.edu.np |
| B.Sc. in Horitculture and Floriculture Management, Ilam | ☎ ०२७-५२०६६५, ५२००२० ५२०४७२, ९८४२६३५४७३ ९८४२६३५८९३ | - |

| शिक्षण संस्था | फोन नं. /फ्याक्स | इमेल/वेबसाइट |
|---|--|---|
| Girija Prasad Koirala College of Agriculture and Research Center(GPCAR), Biratnagar, Morang | २१४२५०११ | pugpcar@gmail.com |
| हिमालयन कलेज अफ एग्रीकल्चर साईन्सेस एण्ड टेक्नोलोजी | ☎ ०१ ४२७३३४१ | info@hicast.edu.np hicast@wlink.com.np www.hicast.edu.np |
| Nepal Polytechnic Institute, Bharatpur, Chitwan | ०५६५२४९८६, | info@npibharatpur.org.np |
| प्राविधिक शिक्षा तथा व्यवसायिक तालिम परिषद, सानोठिमी, भक्तपुर | ☎ ०१ ६६३०४०८, ६६३०७६९, ☎ ६६३०२९४ | info@ctevt.gov.np research@ctevt.org.np www.ctevt.org.np P.O.Box 3546 ktm. Nepal |

अन्य

| क्र.सं. | संस्थाको नाम | पदाधिकारीको नाम | सम्पर्क नं. | इमेल/वेबसाइट |
|---------|---|---------------------------|---------------------------|--|
| १ | वंगुर व्यवसायी संघ, नेपाल | उमेश कुमार राई | ०१-५१००५९१, ९८५११८३८९१ | pean.pignepal@gmail.com www.pean.org.np |
| २ | नेपाल बीउ व्यवसायी संघ | लक्ष्मीकान्त ढकाल | | |
| ३ | नेपाल पोल्ट्री सप्लायर्स कल्याणकारी संघ | तेजनारायण पाण्डे | ०५६-५७९६४९ | nepalpoultryforum@gmail.com |
| ४ | नेपाल कुखुरा बजार व्यवस्थापन संघ | कृष्णहरी लोहनी | ०५६-५७९६४९ | |
| ५ | नेपाल अण्डा उत्पादक संघ | श्री शिवराम के. सी. | ०५६-५७९६४९ | |
| ६ | नेपाल ह्याचरी उद्योग संघ | ऋषिराम पौडेल/ शिव बराल | ९८४५०२३०५२ ०१-४८१२८२९ | nepalhatcheryinda\$\$0@gmail.com |

३.२० प्रमुख टेलिभिजन प्रसारण संस्थाहरु

| क्र.सं. | टेलिभिजनको नाम | टेलिफोन नं. | इमेल वेबसाइट |
|---------|---|--------------|--|
| १ | आफ्नो मिडिया नेटवर्क प्रा.लि. जनकपुर-८, धनुषा | ☎ ०४१-५३०६०३ | appantv@gmail.com |
| २ | एबिसि मिडिया ग्रुप प्रा.लि. (एबिसिटिभि), हात्तिसार, काठमाण्डौ | ☎ ०१-४४४५२२८ | abctvnews@gmail.com, www.abcnews.com.np |
| ३ | अन्नपूर्ण मिडिया नेटवर्क प्रा.लि. (एपिवनटिभि), थापाथली, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४२६९६६५ | info@apl1tv.com, www.apl1tv |

| क्र.सं. | टेलिभिजनको नाम | टेलिफोन नं. | इमेल वेवसाइट |
|---------|---|--------------|--|
| ४ | आभास टिभि, भरतपुर २, चितवन | ☎ ०५६ ५२२३४९ | info@avasstv.com, www.avasstv.com |
| ५ | एभिन्युज टि.भी., भरतपुर २, चितवन | ☎ ०१ ४२२७२२२ | atv@aveneus.tv, www.aveneus.tv |
| ६ | भक्तिदर्शन अन्तर्राष्ट्रिय टेलिभिजन, कुपोण्डल, ललितपुर | ☎ ०१ ५०१०८०६ | info@bhaktidarshantv.com, www.bhaktidarshantv.com |
| ७ | बुद्ध सामुदायिक टिभि, बुटवल ११, रुपन्देही | ☎ ०७१ ४३८२०३ | newsbuddha@gmail. com, www.buddhatv.org.np |
| ८ | बिजनेस टिभि, डिल्लीबजार, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४४३७४५६ | businessvnpal@gmai. com, www. businessvnpal.com |
| ९ | दिव्य दर्शन टिभि, निलकण्ठ ५, धादिंग | ☎ १० ५२१०६४ | |
| १० | हिमालय टेलिभिजन, बानेश्वर, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४४७२२५४ | info@himalayatv.com, www.himalayatv.com |
| ११ | हिमशिखर टेलिभिजन, दमक, झापा | ☎ ०२३ ५८५५१२ | himshikhartv@gmail. com, www.himshikhartv. com.np |
| १२ | इमेज टेलिभिजन, लाजिम्पाट, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४००६५५५ | info@imagechannel. com.np, www. imagechannels.com |
| १३ | इन्डिजेनियस टिभि, अनामनगर, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४१०२६८९ | indigenoustelevision@ gmail.com, www. indigenoustelevision.com |
| १४ | क्लास टेलिभिजन, भरतपुर १२, चितवन | ☎ ०५६ ५२५१८४ | ovigantv@gmail.com |
| १५ | कान्तिपुर टेलिभिजन, सुविधानगर, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ५१९२००० | admin.ktv@kmg.com.np, www.kantipurvtv.com |
| १६ | लुम्बिनि सामुदायिक टेलिभिजन, बुटवल, रुपन्देही | ☎ ०७१ ४१९००२ | televisionlumbini@ gmail.com, www. lumbinitv.org |
| १७ | माउन्टेन टेलिभिजन, कुपण्डोल, ललितपुर | ☎ ०१ ५०१०८०६ | info@maountaintv.com. np, www.mountaintv. com.np |
| १८ | नमस्ते टेलिभिजन, भरतपुर २, चितवन | ☎ ०५६ ५२३४८६ | tvnamaste@gmail.com , www.namastetv.com.np |

| क्र.सं. | टेलिभिजनको नाम | टेलिफोन नं. | इमेल वेवसाइट |
|---------|--------------------------------------|--------------|--|
| १९ | नेपाल मण्डल, लगनखेल, ललितपुर | ☎ ०१ ५५२७५०१ | nepalmandatv@gmail.com |
| २० | नेपाल टेलिभिजन, सिंहदरबार, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४२००३४८ | nepaltv@wlink.com.np, www.ntv.org.np |
| २१ | न्यूज २४, महाराजगंज, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४००२६६६ | nvc@news24nepal.tv, www.news24nepal.tv |
| २२ | टिम टिभि, हेटौडा ४, मकवानपुर | ☎ ०५७ ५२७५९९ | teamtvtvhd@gmail.com, |
| २३ | टिभि टुडे, पेप्सिकोला, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४९९२३१७ | tvtodaynepal@gmail.com, www.tvtodaynepal.com |
| २४ | जनता टेलिभिजन, मिनभवन, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४१०७२३२ | info@janatanetwork.com, www.janata.net |
| २५ | मकालु टेलिभिजन, विराटनगर, मोरंग | ☎ ०२१ ५३१३२१ | info@makalutv.com, www.makalutv.com |
| २६ | बोधि टेलिभिजन, टेकु, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४१००१२४ | bodhi.tvchannel@gmail.com, www.bodhitv.tv |
| २७ | एपि १ टेलिभिजन, थापाथली, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४२६१६६५ | info@ap1tv.com, www.annapurnatv.com |
| २८ | सुर्योदय टिभि, विर्तामोड १, झापा | ☎ ०२३५ ४५१०८ | suryodayatv@gmail.com, www.suryodayatv.com |
| २९ | टिभि फिल्िम, चावहिल, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४८२२८५२ | gkfilmy@gmail.com, www.gkfilmy.com |
| ३० | स्वास्थ्य टिभि, रातोपुल, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४४९३११० | info@healthtvnepal.com, www.healthtvnepal.com |
| ३१ | अभियान टेलिभिजन, भरतपुर १२, चितवन | ☎ ०५६ ५२५१८४ | abhiyantv@gmail.com, |
| ३२ | टिभि कालिका, भरतपुर १०, चितवन | ☎ ०५६ ५२७१५८ | info@kalikatv.com.np |
| ३३ | सगरमाथा टेलिभिजन, बबरमहल, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४२३३०७१ | info@sagarmatha.tv, www.sagarmatha.tv |
| ३४ | बिजनेस प्लस टिभि, कुपण्डोल, ललितपुर | ☎ ०१ ५०१०८०६ | |
| ३५ | कृषि टि.भी. | ☎ ०१ ६२०१३३० | |
| ३६ | तराई टि.भि. | ☎ ०१ ४१०६१९९ | |

३.२१ राष्ट्रिय दैनिक पत्रिकाहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम | फोन नं. | ईमेल/वेबसाइट |
|---------|---|-------------|--|
| १ | अन्नपूर्णपोष्ट, तिनकुने, काठमाण्डौ | ४४८२३०५ | Annapurna@annapost.com, www.annapurnapost.com |
| २ | आर्थिक अभियान, थापाथली, काठमाण्डौ | ४२६७७१७ | editorial@abhiyan.com.np, www.abhiyan.com.np |
| ३ | आर्थिक दैनिक, कुपण्डोल, ललितपुर | ५५५४४२३६ | arthik.dainik@gmail.com, www.arthikdainil.com.np |
| ४ | क्राइम रिपोर्टर सन्ध्याकालिन, म्हेपी, काठमाण्डौ | ४३६२४८८४ | sndhya.kalin@yahoo.com, crimereporter.of.com |
| ५ | कान्तीपुर, थापाथली, काठमाण्डौ | ५१३५००० | kanti@kmg.com.np, kanti@kmg.com.np |
| ६ | कारोवार, बुद्धनगर, काठमाण्डौ | ४७६४००० | mail@karobardaily.com, www.karobardaily.com |
| ७ | गोरखापत्र, धर्मपथ, काठमाण्डौ | ४२२९२१ | gopa@mos.com.np, www.gorkhapatraonline.com |
| ८ | जन सवाल, दरबारमार्ग, काठमाण्डौ | ४२२१८६८ | janasabal_280@yahoo.com, www.janasawalnews.com |
| ९ | द राईजिड, नेपाल, धर्मपथ, काठमाण्डौ | ४२२२२७९ | trnfeatures@hotmail.com |
| १० | द हिमालय टाईम, अनामनगर, काठमाण्डौ | ४७७०३५८ | editorial@thehimalayantimes.com, www.thehimalayantimes.com |
| ११ | द काठमाण्डौ पोष्ट, थापाथली, काठमाण्डौ | ५१३५००० | kpost@kantiipur.com.np, www.ekantipur.com |
| १२ | नागरिक, वागद्वार, काठमाण्डौ | ४२६५१०० | nagari@nagariknews.com, www.nagariknews.com |
| १३ | नेपाल समाचार पत्र, भिमसेन स्थान, काठमाण्डौ | ४२६९१७९ | nepalsamacharpatra@gmail.com, www.news@newsafnepal.com |
| १४ | प्रक्षेपण, डिल्लीवजार, काठमाण्डौ | १८२५१०९१८७६ | nepnews@yahoo.com, www.prakshapan.com.np |
| १५ | मध्यान्ह, वागवजार, काठमाण्डौ | ४२२६३६६ | madhyanhadaily59@yahoo.com, www.madhyanhadaily.com.np |
| १६ | राजधानी, कुपण्डोल, ललितपुर | ५५४६३०० | rajdhaninews@gmail.com, www.rajdhani.com.np |
| १७ | रिपब्लिका, वागद्वार, काठमाण्डौ | ४२६५१०० | republica@myrepublica.com, www.opedmyrepublica.com |
| १८ | सन्ध्याकालिन, भोटाहि, काठमाण्डौ | ४२२२८९० | sandhyakalin@yahoo.com |
| १९ | सौर्य, वागवजार, काठमाण्डौ | ४२५६८६६ | info@souryadaily.com |
| २० | हिमालय टाईम, मध्यवानेश्वर, काठमाण्डौ | ४४७८९१७७ | desk@himalayantimes.com.np, www.himalayantimes.com |
| २१ | नयां पत्रिका, वागवजार, काठमाण्डौ | ४०१२६६६ | letter@nayapatrika.com, www.nayapatrika.com |
| २२ | कमाण्डर पोष्ट, वावेश्वर, काठमाण्डौ | | |

३.२२ कृषि सम्बन्धी पत्रिका/म्यागाजिनहरुको विवरण

| क्र.सं. | पत्रिका/म्यागाजिनको नाम | फोन नं. | ईमेल/वेबसाईट |
|---------|---------------------------------|------------------------------|---|
| १ | कृषि टाइम्स मासिक | ☎ ४२२४५७२ | evtmedia@gmail.com |
| २ | आरसी टाइम्स साप्ताहिक, पोखरा | ☎ ०६१-५४०६२२ | arsi.times@gmail.com |
| ३ | कृषि साप्ताहिक | ९८५१०५९४५५ | sajnepal@gmail.com www.krishionline.com.np |
| ४ | कृषक मासिक | ☎ ४४६०२६६ | krishakmasik@gmail.com |
| ५ | कृषक र प्रविधि मासिक | ☎ ४७८५८४२ | togetherforagriculture@gmail.com info@agrinepal.com.np www.rndinnovative.com.np www.agrinepal.com.np |
| ६ | हिपात कृषक मासिक | ९८५१०८१२८१ | hipatmasik@gmail.com |
| ७ | एग्रो टाइम्स मासिक | ☎ ४२४९०६६ | info@agro.com.np |
| ८ | कृषि जर्नल मासिक | ☎ ४२८८७४३ ९८४१४४५७५३ | krishijournal@yahoo.com www.krishijournal.com.np |
| ९ | हाम्रो सम्पदा मासिक | ☎ ४७७०२०६ ४७७९९७४ | info@hamrosampada.com.np shyam1sampada@gmail.com www.hamrosampada.com.np |
| १० | भेट टाइम्स | ९८५१०५४८६८ | vettimes@yahoo.com |
| ११ | भेट न्यूज | ९८५११२०१५ ९८५१०६४९२१ | vetnewsforyou@gmail.com |
| ११ | कृषि सूचना राष्ट्रिय मासिक | ९८४९२३७९२६ | agri_infomonthly@yahoo.com www.apac.org.np |
| १२ | हलो खबर पत्रिका | ९८५१०३०३०० | meromanjel@gmail.com www.halokhabar.com |
| १३ | तरकारी फलफूल सन्देश | ☎ ०१-४२८७०६५ | |
| १४ | कृषि अनलाईन | ९८५१०५९४५५ | sajnepal@gmail.com www.krishionline.com |
| १५ | नेशनल न्यूज साप्ताहिक | ☎ ०१-६२२५६२४ ९८४१३०२९२७ | nationalnewsweekly@gmail.com |
| १६ | Krishidaily.com | ☎ ९८५५०३४९३५ ☎ ९८५११०५८५४ | krishidaily@gmail.com www.krishidaily.com |

३.२३ कृषि रेडियो

| क्र.सं. | रेडियोको नाम | फोन | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|----------------------|------------|----------------------------|
| १ | कृषि रेडियो, धादिङ्ग | ९८५१०८३६५७ | news.krishiradio@gmail.com |

३.२४ कृषि पत्रकार/प्रकाशन तथा प्रसारण गृहहरुको संस्थाहरु

| क्र.सं. | संस्था | फोन | ईमेल/वेवसाइट |
|---------|-------------------------------|---------------------------------------|--|
| १ | नेपाल कृषि पत्रकार प्रतिष्ठान | ९८५१०१९१०८, ९८४९२४५३५५, ९८४९०१७४०१ | najonktn@gmail.com www.newsagro.com |
| २ | नेपाल कृषि पत्रकार समाज | ९८५१०५९४४५ | sajnepal@gmail.com www.krishionline.com |
| ३ | कृषि संचार समाज | ९८४५१४८८८२ | |

३.२५ National/International Non-Governmental Organizations

| Name of Organization | Phone/ Fax | Email/Website |
|-------------------------------|------------------------------------|---|
| Action Aid Nepal | ☎ ०१ ४४३६३७७ ☎ ४४१९,७१८ | www.actionaid.org/nepal mail.nepal@actionaid.org |
| Agriculture Enterprise Center | ☎ ०१ ४२६२२४५/२६० | - |
| Agriculture Technology Center | ☎ ०१ ५५२५९५६ | - |
| Asian Development Bank | ☎ ०१ ४२२७७८४/७७९ | - |
| Care International Nepal | ☎ ०१ ५५२२१५३ ☎ ५५२१२०२ | SBT@carenep.mos.com.np |
| CARE-Nepal | ☎ ०१ ५५२२१४३/१५३ | care@carenep.mos.com.np |
| CEAPRED | ☎ ०१ ५५४६५४२, ५५२०२७२ | info@ceapred.wlink.com.np |
| CEDA | ☎ ०१ ४३३१७२१ | ceda@wlink.com.np |
| CIMMYT | ☎ ०१ ४२६९५६४ ☎ ५५४८८२६ | |
| FAO | ☎ ०१ ५५२३९९०, ५५२३२३९ | www.fao.org |
| FORWARD Nepal | ☎ ०५६ ५२७६२३ ☎ ०५६ ५२१५२३ | ctwforward@wlink.com. |
| GTZ | ☎ ०१ ५५२३२२८ ☎ ५५२१९८२ | gtz-nepal@gtz.de |
| Heifer Project International | ☎ ०१ ५२५०५५४, ५२५०८४१ ☎ ५२५०८७३ | heifer.nepal@heifer.org, www.heifernepal.org |

| Name of Organization | Phone/ Fax | Email/Website |
|--|------------------------------------|---|
| Helvetas | ☎ ०१ ५५३११०९, ५५२२०१३ | www.hevetasnepal.org.np |
| ICIMOD | ☎ ०१ ५५२५३१३ ☎ ५५२४५०९ | icimod@icimod.org.np www.icimod.org |
| IDE/Nepal | ☎ ०१ ५५२४४६१, ५५४८८२६ | ide@ide.wlink.com.np |
| JICA | ☎ ०१ ५५५२२६९, ५५५२१९९ ☎ ५५५२२२९ | - |
| LI-Bird | ☎ ०६१-५२६८३४ | libird@mos.com.np |
| Luthern World Federation | ☎ ०१ ४७२१२७१ ☎ ४७२०२२५ | www.lwfnepal.org |
| Natural Resources and Agriculture Management Center (NaRAM Center) | ☎ ०१-४८८०३२४ | naramcenter@yahoo.com |
| Nepal Permaculture Group | ☎ ०१-४२५२५९७ | ngp@earthcare.wlink.com.np www.npg.org.np |
| Plan International | ☎ ०१ ५५३५५६०, ५५३६४३१ | |
| Practical Action | ☎ ०१ ४४४६०१५ | practicalaction@practicalaction.org.np www.practicalaction.org |
| Royal Everest Coffee | ☎ ०१ ४४१३९५९ ☎ ४४१०९२५ | |
| NAST | ☎ ०१ ५५४३४०६, ५५४३४१६ | |
| RRN | ☎ ४४१५४१८ ☎ ४४१८२९६ | rrn@mos.com.np |
| SAARC | ☎ ०१ ४२२१७८५ ☎ ४२२६३५० | |
| SNV | ☎ ०१ ५५२३४४४, ५५२२९१५ | |
| SSMP | ☎ ०१ ५५४३५९१ ☎ ५५२६८९० | psussmp@wlink.com.np |
| UNDP | ☎ ०१ ५५२३२००/९८६ | www.undp.org |
| UNFPA | ☎ ०१ ५५२३६३७, ५५३७७४९ | |
| USAID | ☎ ०१ ४२७०१४४, ४२७२२७१ | |
| WHO | ☎ ०१ ५५२३९९३, ५५२३६३७ | registry@who.int |

| Name of Organization | Phone/ Fax | Email/Website |
|------------------------|---------------------------|---------------------------------|
| Women Awareness Centre | ☎ ०६९-४२०४५६ | |
| Winrock International | ☎ ०१ ४४६७०८७ ☎ ४४७६१०९ | winrocknepal@winrock.org. np |
| World Bank | ☎ ०१ ४२२६७९२ ☎ ४२२५११२ | |
| World Food Programme | ☎ ०१ ५५४३४२० | wfp.kathmandu@wfp.org |

कृषि प्राविधिकहरूको संस्था

| संस्था | फोन | इमेल/वेबसाइट |
|---|----------------------------|------------------------------|
| Nepal Agricultural Technicians Association (NATA) | ☎ ०१-५५४४१७४ | nata2064@gmail.com |
| नेपाल पाराभेटेनरी एण्ड एसोसिएसन (नेभ्ला) | ०१-४२६८९५५, ९८५१२४०५५३, | nevlacc@yahoo.com |
| नेपाल पशु स्वास्थ्य सेवा प्राविधिक संघ | ९८४३१२५१६४ | neltakathmandu2071@gmail.com |
| नेपाल चिकित्सा परिषद | ०१-४२५९१४४ | info@vcn.gov.np |

३.२६ अस्पतालहरूको टेलिफोन नम्बरहरू

| सि नं | अस्पताल | टेलिफोन नं |
|-------|---|--------------------------------|
| १ | वीर अस्पताल | ☎ ०१ ४२२१९८८, ४२२१९१९ |
| २ | त्रि. वि. शिक्षण अस्पताल | ☎ ०१ ४४१२३०३, ४४१२४०४, ४४१२५०५ |
| ३ | टेकु अस्पताल, टेकु | ☎ ०१ ४२५३३९५, ४२५३३९६ |
| ४ | पाटन अस्पताल, लगनखेल | ☎ ०१ ५५२२२७८, ५५२२२६६ |
| ५ | भक्तपुर अस्पताल, भक्तपुर | ☎ ०१ ६६१०६७६, ६६१६०४९ |
| ६ | कान्ती वाल अस्पताल, महाराजगन्ज | ☎ ०१ ४४१४७९८, ४४२७४५२ |
| ७ | परोपकार श्री ५ ईन्द्रराज्य लक्ष्मी प्रसुती गृह, थापाथली | ☎ ०१ ४२५३२७७, ४२५३२७६ |
| ८ | मानसिक अस्पताल, लगनखेल | ☎ ०१ ५५२१६१२, ५५२१३३३ |
| ९ | तिलगंगा आखा अस्पताल, पिङ्गलास्थान | ☎ ०१ ४४९३७७५, ४४९३६८४ |
| १० | नरदेवी अस्पताल, नरदेवी | ☎ ०१ ४२५९१८२, ४२५९७६४ |
| ११ | वीरेन्द्र सैनिक अस्पताल, छाउनी | ☎ ०१ ४२७९४४०, ४२८५६७३ |
| १२ | विरिन्द्र प्रहरी अस्पताल, महाराजगन्ज, काठमाण्डौ | ☎ ०१ ४४१२४३०, ४४१२५३० |

| सि नं | अस्पताल | टेलिफोन नं |
|-------|---|-------------------------------|
| १३ | होमियोप्याथिक चिकित्सालय | ☎ ०१ ५५२२०९२ |
| १४ | फ्रेण्ड्स अफ शान्त भवन, जोरपाटी | ☎ ०१ ४४७०१८१ |
| १५ | नेपाल अर्थोपेडिक अस्पताल | ☎ ०१ ४४९३७२५/४४७५२७४ |
| १६ | स्पाइनल इन्जुरीरि ह्याविटेशन सेन्टर, जोरपाटी | ☎ ०१ ४४७०८७४ |
| १७ | नेशनल डेन्टल हस्पिटल, पानीपोखरी | ☎ ०१ ४३३३६९७/४४३६३११ |
| १८ | कान्तिपुर डेन्टल हस्पिटल | ☎ ०१ ४३८५९१०/४३८५९११ |
| १९ | शहीद गंगालाल राष्ट्रिय हृदय रोग केन्द्र, वाँसवारी | ☎ ०१ ४३७३७४/४३७३३२२ |
| २० | नेपाल मेडिकल कलेज शिक्षण अस्पताल, अत्तरखेल, जोरपाटी | ☎ ०१ ४८६००८, ४४८६००९, ४४८७०८२ |
| २१ | काठमाण्डौ मेडिकल कलेज, सिनामङ्गल | ☎ ०१ ४४७६१५२ |
| २२ | मितेरी अस्पताल, बागबजार | ☎ ०१ ४२६९५५५, ४२६४३३३ |
| २३ | राष्ट्रिय क्षयरोग केन्द्र, ठिमी | ☎ ०१ ६६३००३३, ६६३०७०६ |
| २४ | ऊँ हस्पीटल एण्ड रिसर्च सेन्टर, चाबहिल | ☎ ०१ ४४७६२२५ |
| २५ | मेडिकियर अस्पताल, चावहिल | ☎ ०१ ४४६७०११, ४४६७०६७ |
| २६ | काठमाडौँ मोडल अस्पताल | ☎ ०१ ४२४०८०५, ४२४०८०६ |
| २७ | वि एण्ड बि अस्पताल | ☎ ०१ ५५३३२०६ |
| २८ | निजामती सेवा अस्पताल | ☎ ०१ ४१०७००३ |
| २९ | अल्का अस्पताल | ☎ ०१ ५५५५५५५ |
| ३० | नेपाल बाथ रोग उपचार केन्द्र | ☎ ०१ ५५२१२०८ |
| ३१ | नेपाल आँखा अस्पताल | ☎ ०१ ४२५०६९१ |
| ३२ | नेपाल आँखा बैंक | ☎ ०१ ४४९३६८४ |
| ३३ | मनोरोग उपचार तथा पुनःस्थापना केन्द्र | ☎ ०१ २१४३४४६ |
| ३४ | निदान अस्पताल, पुल्चोक | ☎ ०१ ५५३१३३३ |
| ३५ | मधुमेह तथा थाइरोइड उपचार केन्द्र, कुपन्डोल | ☎ ०१ ५५४४३५८ |

३.२७ स्थानीय तहको विवरण

प्रदेश नं. १

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|-----------------------|---------------------------|---------------------|------------------------------|
| १ | ताप्लेजुङ | फुङलिङ नगरपालिका | ११ | phunglingmun.gov.np |
| २ | | आठराई त्रिवेणी गाउँपालिका | ५ | aathraithribenimun.gov.np |
| ३ | | सिदिङ्वा गाउँपालिका | ७ | sidingbamun.gov.np |
| ४ | | फक्ताङलुङ गाउँपालिका | ७ | phaktanglungmun.gov.np |
| ५ | | मिक्वाखोला गाउँपालिका | ५ | mikwakholamun.gov.np |
| ६ | | मेरिङदेन गाउँपालिका | ६ | meringdenmun.gov.np |
| ७ | | मैवाखोला गाउँपालिका | ६ | maiwakholamun.gov.np |
| ८ | | पाथिभरा याङवरक गाउँपालिका | ६ | yangwarakmuntaplejung.gov.np |
| ९ | | सिरीजङ्घा गाउँपालिका | ८ | sirijanghamun.gov.np |
| १० | | पाँचथर | फिदिम नगरपालिका | १४ |
| ११ | फालेलुंग गाउँपालिका | | ८ | phalelungmun.gov.np |
| १२ | फाल्गुनन्द गाउँपालिका | | ७ | phalgunandamun.gov.np |
| १३ | हिलिहाङ गाउँपालिका | | ७ | hilihangmun.gov.np |
| १४ | कुम्मायक गाउँपालिका | | ५ | kummayakmun.gov.np |
| १५ | मिक्लाजुङ गाउँपालिका | | ८ | miklajungmunpanchthar.gov.np |
| १६ | तुम्बेवा गाउँपालिका | | ५ | tumwewamun.gov.np |
| १७ | याङवरक गाउँपालिका | | ६ | yangwarakmunpanchthar.gov.np |
| १८ | ईलाम | ईलाम नगरपालिका | १२ | ilammun.gov.np |
| १९ | | देउमाई नगरपालिका | ९ | deumaimun.gov.np |
| २० | | माई नगरपालिका | १० | maimun.gov.np |
| २१ | | सूर्योदय नगरपालिका | १४ | suryodayamun.gov.np |
| २२ | | फाकफोकथुम गाउँपालिका | ७ | phakphokthummun.gov.np |
| २३ | | चुलाचुली गाउँपालिका | ६ | chulachulimun.gov.np |
| २४ | | माईजोगमाई गाउँपालिका | ६ | maijogmaimun.gov.np |
| २५ | | माङसेबुङ गाउँपालिका | ६ | mansebungmun.gov.np |
| २६ | रोङ गाउँपालिका | ६ | rongmun.gov.np | |
| २७ | सन्दकपुर गाउँपालिका | ५ | sandakpurmun.gov.np | |
| २८ | झापा | मेचीनगर नगरपालिका | १५ | mechinagarmun.gov.np |
| २९ | | दमक नगरपालिका | १० | damakmun.gov.np |
| ३० | | कन्काई नगरपालिका | ९ | kankaimun.gov.np |
| ३१ | | भद्रपुर नगरपालिका | १० | bhadrapurmun.gov.np |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|-------------------------|------------------------|-----------------------|-------------------------------|
| ३२ | | अर्जुनधारा नगरपालिका | ११ | arjundharamun.gov.np |
| ३३ | | शिवशताक्षी नगरपालिका | ११ | shivsatakshimun.gov.np |
| ३४ | | गौरादह नगरपालिका | ९ | gauradahmun.gov.np |
| ३५ | | वितर्तामोड नगरपालिका | १० | birtamodmun.gov.np |
| ३६ | | कमल गाउँपालिका | ७ | kamalmun.gov.np |
| ३७ | | गौरीगंज गाउँपालिका | ६ | gaurigunjmun.gov.np |
| ३८ | | बाह्रदशी गाउँपालिका | ७ | bahradashimun.gov.np |
| ३९ | | झापा गाउँपालिका | ७ | jhapamun.gov.np |
| ४० | | बुद्धशान्ति गाउँपालिका | ७ | buddhashantimun.gov.np |
| ४१ | | हल्दिबारी गाउँपालिका | ५ | haldibarimun.gov.np |
| ४२ | | कचनकवल गाउँपालिका | ७ | kachankawalmun.gov.np |
| ४३ | | मोरंग | विराटनगर महानगरपालिका | १९ |
| ४४ | बेलवारी नगरपालिका | | ११ | belbarimun.gov.np |
| ४५ | लेटाङ नगरपालिका | | ९ | letangmun.gov.np |
| ४६ | पथरी शनिश्चरे नगरपालिका | | १० | patharishanishcharemun.gov.np |
| ४७ | रंगेली नगरपालिका | | ९ | rangelimun.gov.np |
| ४८ | रतुवामाई नगरपालिका | | १० | ratuwamaimun.gov.np |
| ४९ | सुनवर्षि नगरपालिका | | ९ | sunawarshimun.gov.np |
| ५० | उर्लावारी नगरपालिका | | ९ | urlabarimun.gov.np |
| ५१ | सुन्दरहरैचा नगरपालिका | | १२ | sundarharachamun.gov.np |
| ५२ | बुढीगंगा गाउँपालिका | | ७ | budhigangamunmorang.gov.np |
| ५३ | धनपालथान गाउँपालिका | | ७ | dhanapalthanmun.gov.np |
| ५४ | ग्रामथान गाउँपालिका | | ७ | gramthanmun.gov.np |
| ५५ | जहदा गाउँपालिका | | ७ | jahadamun.gov.np |
| ५६ | कानेपोखरी गाउँपालिका | | ७ | kanepokharimun.gov.np |
| ५७ | कटहरी गाउँपालिका | | ७ | kataharimun.gov.np |
| ५८ | केरावारी गाउँपालिका | | १० | kerabarimun.gov.np |
| ५९ | मिक्लाजुङ गाउँपालिका | | ९ | miklajungmunmorang.gov.np |
| ६० | सुनसरी | | ईटहरी उपमहानगरपालिका | २० |
| ६१ | | धरान उपमहानगरपालिका | २० | dharan.gov.np |
| ६२ | | ईनरुवा नगरपालिका | १० | inaruwamun.gov.np |
| ६३ | | दुहवी नगरपालिका | १२ | duhabimun.gov.np |
| ६४ | | रामधुनी नगरपालिका | ९ | ramdhunimun.gov.np |
| ६५ | बराहक्षेत्र नगरपालिका | ११ | barahamun.gov.np | |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|-----------------------|----------------------------|--------------------|--------------------------------------|
| ६६ | | देवानगञ्ज गाउँपालिका | ७ | dewanganjmun.gov.np |
| ६७ | | कोशी गाउँपालिका | ८ | koshimun.gov.np |
| ६८ | | गढी गाउँपालिका | ६ | gadhimun.gov.np |
| ६९ | | बर्जु गाउँपालिका | ६ | barjumun.gov.np |
| ७० | | भोक्राहा नरसिंह गाउँपालिका | ८ | bhokrahamun.gov.np |
| ७१ | | हरिनगर गाउँपालिका | ७ | harinagaramun.gov.np |
| ७२ | धनकुटा | पाख्रिबास नगरपालिका | १० | pakhribasmun.gov.np |
| ७३ | | धनकुटा नगरपालिका | १० | dhankutamun.gov.np |
| ७४ | | महालक्ष्मी नगरपालिका | ९ | mahalaxmimundhankuta.gov.np |
| ७५ | | साँगुरीगढी गाउँपालिका | १० | sangurigadhimun.gov.np |
| ७६ | | सहिदभूमि गाउँपालिका | ७ | khalsachhintangshahidbhumimun.gov.np |
| ७७ | | छथर जोरपाटी गाउँपालिका | ६ | chhatharjorpatimun.gov.np |
| ७८ | | चौबिसे गाउँपालिका | ८ | choubisemun.gov.np |
| ७९ | | तेहथुम | म्याङलुङ नगरपालिका | १० |
| ८० | लालीगुराँस नगरपालिका | | ९ | laliguransmun.gov.np |
| ८१ | आठराई गाउँपालिका | | ७ | aathraimun.gov.np |
| ८२ | छथर गाउँपालिका | | ६ | chhatharmun.gov.np |
| ८३ | फेदाप गाउँपालिका | | ५ | phedapmun.gov.np |
| ८४ | मेन्छयायेम गाउँपालिका | | ६ | menchhayayemmun.gov.np |
| ८५ | संखुवासभा | चैनपुर नगरपालिका | ११ | chainpurmun.gov.np |
| ८६ | | धर्मदेवी नगरपालिका | ९ | dharmadevimun.gov.np |
| ८७ | | खाँदवारी नगरपालिका | ११ | khandbarimun.gov.np |
| ८८ | | मादी नगरपालिका | ९ | madimunsankhuwasabha.gov.np |
| ८९ | | पाँचखपन नगरपालिका | ९ | panchkhapanmun.gov.np |
| ९० | | भोटखोला गाउँपालिका | ५ | bhotkholamun.gov.np |
| ९१ | | चिचिला गाउँपालिका | ५ | chichilamun.gov.np |
| ९२ | | मकालु गाउँपालिका | ६ | makalumun.gov.np |
| ९३ | | सभापोखरी गाउँपालिका | ६ | savapokharimun.gov.np |
| ९४ | | सिलीचोड गाउँपालिका | ५ | silichongmun.gov.np |
| ९५ | भोजपुर | भोजपुर नगरपालिका | १४ | bhojpurmun.gov.np |
| ९६ | | षडानन्द नगरपालिका | ९ | shadanandamun.gov.np |
| ९७ | | टेम्केमैयुङ गाउँपालिका | ८ | tyamkemaikumun.gov.np |
| ९८ | | रामप्रसाद राई गाउँपालिका | ७ | ramprasadrainmun.gov.np |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|------------|-----------------------------------|------------|-------------------------------|
| ९९ | | अरुण गाउँपालिका | ७ | arunmun.gov.np |
| १०० | | पौवादुङमा गाउँपालिका | ६ | pauwadungmamun.gov.np |
| १०१ | | साल्पासिलिछो गाउँपालिका | ६ | salpasilichhomun.gov.np |
| १०२ | | आमचोक गाउँपालिका | १० | aamchowkmun.gov.np |
| १०३ | | हतुवागढी गाउँपालिका | ९ | hatuwagadhimun.gov.np |
| १०४ | सोलुखुम्बु | सोलुदुधकुण्ड नगरपालिका | १० | solududhkundamun.gov.np |
| १०५ | | माप्य गाउँपालिका | ७ | dudhkoshimun.gov.np |
| १०६ | | खुम्बु पासाङलहमु गाउँपालिका | ५ | khumbupasanglhamumun.gov.np |
| १०७ | | थुलुङ दुधकोशी गाउँपालिका | ९ | dudhkaushikamun.gov.np |
| १०८ | | नेचासल्यान गाउँपालिका | ६ | nechasalyanmun.gov.np |
| १०९ | | माहाकुलुङ गाउँपालिका | ५ | mahakulungmun.gov.np |
| ११० | | लिखु पिके गाउँपालिका | ५ | likhupikemun.gov.np |
| १११ | | सोताङ गाउँपालिका | ५ | sotangmun.gov.np |
| ११२ | ओखलढुंगा | सिद्धिचरण नगरपालिका | १२ | siddhicharanmun.gov.np |
| ११३ | | खिजिदेम्बा गाउँपालिका | ९ | khijidembamun.gov.np |
| ११४ | | चम्पादेवी गाउँपालिका | १० | champadevimun.gov.np |
| ११५ | | चिशंखुगढी गाउँपालिका | ८ | chishankhugadhimun.gov.np |
| ११६ | | मानेभञ्ज्याङ गाउँपालिका | ९ | manebhanjyangmun.gov.np |
| ११७ | | मोलुङ गाउँपालिका | ८ | molungmun.gov.np |
| ११८ | | लिखु गाउँपालिका | ९ | likhumunokhaldhunga.gov.np |
| ११९ | | सुनकोशी गाउँपालिका | १० | sunkoshimunokhaldhunga.gov.np |
| १२० | खोटाङ | हलेसी तुवाचुङ नगरपालिका | ११ | halesituwachungmun.gov.np |
| १२१ | | दिक्तेलरुपाकोट मझुवागढी नगरपालिका | १५ | rupakotmajhuwagadhimun.gov.np |
| १२२ | | ऐसेलुखर्क गाउँपालिका | ७ | aiselukharkamun.gov.np |
| १२३ | | रावा वेसी गाउँपालिका | ६ | lamidandamun.gov.np |
| १२४ | | जन्तेढुंगा गाउँपालिका | ६ | jantedhungamun.gov.np |
| १२५ | | खोटेहाङ गाउँपालिका | ९ | khotehangmun.gov.np |
| १२६ | | केपिलासगढी गाउँपालिका | ७ | kepilasgadhimun.gov.np |
| १२७ | | दिप्रुङ चुइचुम्मा गाउँपालिका | ७ | diprungmun.gov.np |
| १२८ | | साकेला गाउँपालिका | ५ | sakelamun.gov.np |
| १२९ | | बराहपोखरी गाउँपालिका | ६ | barahapokharimun.gov.np |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेवसाईट |
|---------|--------|------------------------|------------|----------------------------|
| १३० | उदयपुर | कटारी नगरपालिका | १४ | katarimun.gov.np |
| १३१ | | चौदण्डीगढी नगरपालिका | १० | chaudandigadhimun.gov.np |
| १३२ | | त्रियुगा नगरपालिका | १६ | triyugamun.gov.np |
| १३३ | | बेलका नगरपालिका | ९ | belakamun.gov.np |
| १३४ | | उदयपुरगढी गाउँपालिका | ८ | udayapurghadhimun.gov.np |
| १३५ | | ताप्ली गाउँपालिका | ५ | taplimun.gov.np |
| १३६ | | रौतामाई गाउँपालिका | ८ | rautamaimun.gov.np |
| १३७ | | लिम्चुङ्बुङ गाउँपालिका | ५ | sunkoshimunudayapur.gov.np |

प्रदेश नं. २

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेवसाईट | |
|---------|-----------------|---------------------------------|--------------------|----------------------------------|------------------------|
| १३८ | सप्तरी | राजविराज नगरपालिका | १६ | rajbirajmun.gov.np | |
| १३९ | | कञ्चनरुप नगरपालिका | १२ | kanchanrupmun.gov.np | |
| १४० | | डाकनेश्वरी नगरपालिका | १० | dakneshworimun.gov.np | |
| १४१ | | बोदेबरसाईन नगरपालिका | १० | bodebarsainmun.gov.np | |
| १४२ | | खडक नगरपालिका | ११ | khadakmun.gov.np | |
| १४३ | | शम्भुनाथ नगरपालिका | १२ | shambhunathmun.gov.np | |
| १४४ | | सुरुङ्गा नगरपालिका | ११ | surungamun.gov.np | |
| १४५ | | हनुमाननगर कङ्कालिनी नगरपालिका | १४ | hanumannagarkankalinimun.gov.np | |
| १४६ | | सप्तकोशी नगरपालिका | ११ | saptakoshimun.gov.np | |
| १४७ | | अग्निसाइर कृष्णासवरन गाउँपालिका | ६ | agnisairkrishnasawaranmun.gov.np | |
| १४८ | | छिन्नमस्ता गाउँपालिका | ७ | chhinnamastamun.gov.np | |
| १४९ | | महादेवा गाउँपालिका | ६ | mahadevamun.gov.np | |
| १५० | | तिरहुत गाउँपालिका | ५ | tirahutmun.gov.np | |
| १५१ | | तिलाठी कोईलाडी गाउँपालिका | ८ | tilathikoiladimun.gov.np | |
| १५२ | | रूपनी गाउँपालिका | ६ | rupanimun.gov.np | |
| १५३ | | राजगढ गाउँपालिका | ६ | belhichapenamun.gov.np | |
| १५४ | | बिष्णुपुर गाउँपालिका | ७ | bishnupurmunsaptari.gov.np | |
| १५५ | | बलान-बिहुल गाउँपालिका | ६ | balanbihulmun.gov.np | |
| १५६ | | सिराहा | लहान नगरपालिका | २४ | lahanmun.gov.np |
| १५७ | | | धनगढीमाई नगरपालिका | १४ | dhangadhimaimun.gov.np |
| १५८ | सिरहा नगरपालिका | | २२ | sirahamun.gov.np | |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|----------------------------------|------------------------------|--------------------------|-----------------------------------|
| १५९ | सिराहा | गोलबजार नगरपालिका | १३ | golbazarmun.gov.np |
| १६० | | मिर्चैयाँ नगरपालिका | १२ | mirchaiyamun.gov.np |
| १६१ | | कल्याणपुर नगरपालिका | १२ | kalyanpurmun.gov.np |
| १६२ | | कर्जन्हा नगरपालिका | ११ | karjanhamun.gov.np |
| १६३ | | सुखीपुर नगरपालिका | १० | sukhipurmun.gov.np |
| १६४ | | भगवानपुर गाउँपालिका | ५ | bhagwanpurmun.gov.np |
| १६५ | | औरही गाउँपालिका | ५ | aurahimunsiraha.gov.np |
| १६६ | | बिष्णुपुर गाउँपालिका | ५ | bishnupurmunsiraha.gov.np |
| १६७ | | बरियारपट्टी गाउँपालिका | ५ | bariyapattimun.gov.np |
| १६८ | | लक्ष्मीपुर पतारी गाउँपालिका | ६ | laxmipurpatarimun.gov.np |
| १६९ | | नरहा गाउँपालिका | ५ | narahamun.gov.np |
| १७० | | सखुवानान्कारकट्टी गाउँपालिका | ५ | sakhuwanankarkattimun.gov.np |
| १७१ | | अर्नमा गाउँपालिका | ५ | anarmamun.gov.np |
| १७२ | | नवराजपुर गाउँपालिका | ५ | nawarajpurmun.gov.np |
| १७३ | | धनुषा | जनकपुरधाम उपमहानगरपालिका | २५ |
| १७४ | क्षिेश्वरनाथ नगरपालिका | | १० | kshireshwornathmun.gov.np |
| १७५ | गणेशमान चारनाथ नगरपालिका | | ११ | ganeshmancharnathmun.gov.np |
| १७६ | धनुषाधाम नगरपालिका | | ९ | dhanushadhammun.gov.np |
| १७७ | नगराइन नगरपालिका | | ९ | nagrainmun.gov.np |
| १७८ | विदेह नगरपालिका | | ९ | bidehamun.gov.np |
| १७९ | मिथिला नगरपालिका | | ११ | mithilamun.gov.np |
| १८० | शहीदनगर नगरपालिका | | ९ | shahidnagarmun.gov.np |
| १८१ | सबैला नगरपालिका | | १३ | sabailamun.gov.np |
| १८२ | कमला नगरपालिका | | ९ | kalamamun.gov.np |
| १८३ | मिथिला बिहारी नगरपालिका | | १० | mithilabiharimun.gov.np |
| १८४ | हंसपुर नगरपालिका | | ९ | hansapurmun.gov.np |
| १८५ | जनकनन्दिनी गाउँपालिका | | ६ | janaknandinimun.gov.np |
| १८६ | बटेश्वर गाउँपालिका | | ५ | bateshwormun.gov.np |
| १८७ | मुखियापट्टी मुसहरमिया गाउँपालिका | | ६ | mukhiyapattimusaharmiyamun.gov.np |
| १८८ | लक्ष्मीनिया गाउँपालिका | | ७ | laxminiyamun.gov.np |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट | |
|---------|-----------------------|-----------------------|--------------------|---------------------------|---------------------|
| १८९ | महोत्तरी | औरही गाउँपालिका | ९ | aurahimundhanusha.gov.np | |
| १९० | | धनौजी गाउँपालिका | ५ | dhanaujimun.gov.np | |
| १९१ | | जलेश्वर नगरपालिका | १२ | jaleshwormun.gov.np | |
| १९२ | | बर्दिबास नगरपालिका | १४ | bardibasmun.gov.np | |
| १९३ | | गौशाला नगरपालिका | १२ | gaushalamun.gov.np | |
| १९४ | | लोहरपट्टी नगरपालिका | ९ | loharpattimun.gov.np | |
| १९५ | | रामगोपालपुर नगरपालिका | ९ | ramgopalpurmun.gov.np | |
| १९६ | | मनरा शिसवा नगरपालिका | १० | manrashiswamun.gov.np | |
| १९७ | | मटिहानी नगरपालिका | ९ | matihanimun.gov.np | |
| १९८ | | भंगाहा नगरपालिका | ९ | bhagahamun.gov.np | |
| १९९ | | बलवा नगरपालिका | ११ | balwamun.gov.np | |
| २०० | | औरही नगरपालिका | ९ | aurahimunmahottari.gov.np | |
| २०१ | | एकडारा गाउँपालिका | ६ | ekdaramun.gov.np | |
| २०२ | | सोनमा गाउँपालिका | ८ | sonmamun.gov.np | |
| २०३ | | साम्सी गाउँपालिका | ७ | samsimun.gov.np | |
| २०४ | | महोत्तरी गाउँपालिका | ६ | mahottarimun.gov.np | |
| २०५ | | पिपरा गाउँपालिका | ७ | pipramun.gov.np | |
| २०६ | | सर्लाही | ईश्वरपुर नगरपालिका | १५ | ishworpurmun.gov.np |
| २०७ | | | मलंगवा नगरपालिका | १२ | malangwamun.gov.np |
| २०८ | | | लालबन्दी नगरपालिका | १७ | lalbandimun.gov.np |
| २०९ | हरिपुर नगरपालिका | | ९ | haripurmun.gov.np | |
| २१० | हरिपुरवा नगरपालिका | | ९ | haripurwamun.gov.np | |
| २११ | हरिवन नगरपालिका | | ११ | harionmun.gov.np | |
| २१२ | बरहथवा नगरपालिका | | १८ | barhathwamun.gov.np | |
| २१३ | बलरा नगरपालिका | | ११ | balramun.gov.np | |
| २१४ | गोडैटा नगरपालिका | | १२ | godaitamun.gov.np | |
| २१५ | बागमती नगरपालिका | | १२ | bagmatimunsarlahi.gov.np | |
| २१६ | कविलासी नगरपालिका | | १० | kawilasimun.gov.np | |
| २१७ | चक्रघट्टा गाउँपालिका | | ९ | chakraghattamun.gov.np | |
| २१८ | चन्द्रनगर गाउँपालिका | | ७ | chandranagarmun.gov.np | |
| २१९ | धनकौल गाउँपालिका | | ७ | dhankaulmun.gov.np | |
| २२० | ब्रह्मपुरी गाउँपालिका | | ७ | brahmapurimun.gov.np | |
| २२१ | रामनगर गाउँपालिका | | ७ | ramnagarmun.gov.np | |
| २२२ | बिष्णु गाउँपालिका | | ८ | bishnumun.gov.np | |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट | |
|---------|-------------------------|-------------------------|-----------------------------|---------------------------|-------------------------|
| २२३ | सर्लाही | कौडेना गाउँपालिका | ७ | kaudenamun.gov.np | |
| २२४ | | पर्सा गाउँपालिका | ६ | parsamun.gov.np | |
| २२५ | | बसबरीया गाउँपालिका | ६ | basbariyamun.gov.np | |
| २२६ | रौतहट | चन्द्रपुर नगरपालिका | १० | chandrapurmun.gov.np | |
| २२७ | | गरुडा नगरपालिका | ९ | garudamun.gov.np | |
| २२८ | | गौर नगरपालिका | ९ | gaurmun.gov.np | |
| २२९ | | बौधीमाई नगरपालिका | ९ | baudhimaimun.gov.np | |
| २३० | | ब्रुन्दावन नगरपालिका | ९ | brindawanmun.gov.np | |
| २३१ | | देवाही गोनाही नगरपालिका | ९ | dewahigonahimun.gov.np | |
| २३२ | | गढीमाई नगरपालिका | ९ | gadhimaimun.gov.np | |
| २३३ | | गुजरा नगरपालिका | ९ | gujaramun.gov.np | |
| २३४ | | कटहरिया नगरपालिका | ९ | katahariyamun.gov.np | |
| २३५ | | माधव नारायण नगरपालिका | ९ | madhavnarayanmun.gov.np | |
| २३६ | | मौलापुर नगरपालिका | ९ | maulapurmun.gov.np | |
| २३७ | | फतुवाबिजयपुर नगरपालिका | ११ | phatuwabijaypurmun.gov.np | |
| २३८ | | ईशनाथ नगरपालिका | ९ | ishnathmun.gov.np | |
| २३९ | | परोहा नगरपालिका | ९ | parohamun.gov.np | |
| २४० | | राजपुर नगरपालिका | ९ | rajpurmunrautahat.gov.np | |
| २४१ | | राजदेवी नगरपालिका | ९ | rajdevimun.gov.np | |
| २४२ | | दुर्गा भगवती गाउँपालिका | ५ | durgabhagawatimun.gov.np | |
| २४३ | | यमुनामाई गाउँपालिका | ५ | yamunamaimun.gov.np | |
| २४४ | | वारा | कलैया उपमहानगरपालिका | २७ | kalaiyamun.gov.np |
| २४५ | | | जीतपुर सिमरा उपमहानगरपालिका | २४ | jeetpursimaramun.gov.np |
| २४६ | कोल्हवी नगरपालिका | | ११ | kolhabimun.gov.np | |
| २४७ | निजगढ नगरपालिका | | १३ | nijgadhmun.gov.np | |
| २४८ | महागढीमाई नगरपालिका | | ११ | mahagadimaimun.gov.np | |
| २४९ | सिम्रौनगढ नगरपालिका | | ११ | simraungadhmun.gov.np | |
| २५० | पचरौता नगरपालिका | | ९ | pachrautamun.gov.np | |
| २५१ | आदर्श कोटवाल गाउँपालिका | | ८ | aadarshakotwalmun.gov.np | |
| २५२ | करैयामाई गाउँपालिका | | ८ | karaiyamaimun.gov.np | |
| २५३ | देवताल गाउँपालिका | | ७ | devtalmun.gov.np | |
| २५४ | परवानीपुर गाउँपालिका | | ५ | parwanipurmun.gov.np | |
| २५५ | प्रसौनी गाउँपालिका | | ७ | prasaunimun.gov.np | |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|--------|---------------------------|------------|---------------------------|
| २५६ | वारा | फेटा गाउँपालिका | ७ | phetamun.gov.np |
| २५७ | | बारागढीगाउँपालिका | ६ | baragadhimun.gov.np |
| २५८ | | सुवर्ण गाउँपालिका | ८ | suwarnamun.gov.np |
| २५९ | | विश्रामपुर गाउँपालिका | ५ | bishrampurmun.gov.np |
| २६० | पर्सा | बिरगंज महानगरपालिका | ३२ | birgunjmun.gov.np |
| २६१ | | पोखरिया नगरपालिका | १० | pokhariyamun.gov.np |
| २६२ | | बहुदरमाई नगरपालिका | ९ | bahudarmaimun.gov.np |
| २६३ | | पर्सागढी नगरपालिका | ९ | parsagadhimun.gov.np |
| २६४ | | ठोरी गाउँपालिका | ५ | thorimun.gov.np |
| २६५ | | जगरनाथपुर गाउँपालिका | ६ | jagarnathpurmun.gov.np |
| २६६ | | धोबीनी गाउँपालिका | ५ | dhobinimun.gov.np |
| २६७ | | छिपहरमाई गाउँपालिका | ५ | chhipaharmaimun.gov.np |
| २६८ | | पकाहा मैनपुर गाउँपालिका | ५ | pakahamainpurmun.gov.np |
| २६९ | | बिन्दबासिनी गाउँपालिका | ५ | bindabasinimun.gov.np |
| २७० | | सखुवा प्रसौनी गाउँपालिका | ६ | sakhuwaprasaunimun.gov.np |
| २७१ | | पटेर्वा सुगौली गाउँपालिका | ५ | paterwasugaulimun.gov.np |
| २७२ | | कालिकामाई गाउँपालिका | ५ | kalikamaimun.gov.np |
| २७३ | | जिरा भवानी गाउँपालिका | ५ | jirabhawanaimun.gov.np |

प्रदेश नं. ३

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|----------|------------------------|------------|----------------------------|
| २७४ | सिन्धुली | कमलामाई नगरपालिका | १४ | kamalamaimun.gov.np |
| २७५ | | दुधौली नगरपालिका | १४ | dudhaulimun.gov.np |
| २७६ | | गोलन्जर गाउँपालिका | ७ | golanjormun.gov.np |
| २७७ | | घ्याङलेख गाउँपालिका | ५ | ghyanglekhmun.gov.np |
| २७८ | | तीनपाटन गाउँपालिका | ११ | tinpatanmun.gov.np |
| २७९ | | फिक्कल गाउँपालिका | ६ | phikkalimun.gov.np |
| २८० | | मरिण गाउँपालिका | ७ | marinmun.gov.np |
| २८१ | | सुनकोशी गाउँपालिका | ७ | sunkoshimunsindhuli.gov.np |
| २८२ | | हरिहरपुरगढी गाउँपालिका | ८ | hariharpurgadhimun.gov.np |
| २८३ | रामेछाप | मन्थली नगरपालिका | १४ | manthalimun.gov.np |
| २८४ | | रामेछाप नगरपालिका | ९ | ramechhapmun.gov.np |
| २८५ | | उमाकुण्ड गाउँपालिका | ७ | umakundamun.gov.np |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|-------------------|------------------------------|-------------------|--|
| २८६ | रामेछाप | खाँडादेवी गाउँपालिका | ९ | khandadevimun.gov.np |
| २८७ | | गोकुलगङ्गा गाउँपालिका | ६ | gokulgangamun.gov.np |
| २८८ | | दोरम्बा गाउँपालिका | ७ | dorambamun.gov.np |
| २८९ | | लिखु तामाकाशी गाउँपालिका | ७ | likhumunramechhap.gov.np |
| २९० | | सुनापती गाउँपालिका | ५ | sunapatimun.gov.np |
| २९१ | दोलखा | जिरी नगरपालिका | ९ | jjirimun.gov.np |
| २९२ | | भिमेश्वर नगरपालिका | ९ | bhimeshwormun.gov.np |
| २९३ | | कालिन्चोक गाउँपालिका | ९ | kalinchowkmun.gov.np |
| २९४ | | गौरीशङ्कर गाउँपालिका | ९ | gaurishankarmun.gov.np |
| २९५ | | तामाकोशी गाउँपालिका | ७ | tamakoshimun.gov.np |
| २९६ | | मेलुङ्ग गाउँपालिका | ७ | melungmun.gov.np |
| २९७ | | विगु गाउँपालिका | ८ | bigumun.gov.np |
| २९८ | | वैतेश्वर गाउँपालिका | ८ | baiteshwormun.gov.np |
| २९९ | | शैलुङ्ग गाउँपालिका | ८ | shailungmun.gov.np |
| ३०० | सिन्धुपाल्चोक | चौतारा साँगाचोकगढी नगरपालिका | १४ | chautarasangachowkgadhimun.gov.np |
| ३०१ | | बाह्रविसे नगरपालिका | ९ | bahrabisemun.gov.np |
| ३०२ | | मेलम्ची नगरपालिका | १३ | melamchimun.gov.np |
| ३०३ | | ईन्द्रावती गाउँपालिका | १२ | indrawatimun.gov.np |
| ३०४ | | जुगल गाउँपालिका | ७ | jugalmun.gov.np |
| ३०५ | | पाँचपोखरी थाङपाल गाउँपालिका | ८ | panchpokharithangpalmun.gov.np |
| ३०६ | | बलेफी गाउँपालिका | ८ | balephimun.gov.np |
| ३०७ | | भोटेकोशी गाउँपालिका | ५ | bhotekoshimun.gov.np |
| ३०८ | | लिसङ्खु पाखर गाउँपालिका | ७ | lisankhupakharmun.gov.np |
| ३०९ | | सुनकोशी गाउँपालिका | ७ | sunkoshimunsindhupalchowk.gov.np |
| ३१० | | हेलम्बु गाउँपालिका | ७ | helambumun.gov.np |
| ३११ | | त्रिपुरासुन्दरी गाउँपालिका | ६ | tripurasundarimunsindhupalchowk.gov.np |
| ३१२ | | काभ्रेपलान्चोक | धुलिखेल नगरपालिका | १२ |
| ३१३ | बनेपा नगरपालिका | | १४ | banepamun.gov.np |
| ३१४ | पनौती नगरपालिका | | १२ | panautimun.gov.np |
| ३१५ | पाँचखाल नगरपालिका | | १३ | panchkhalmun.gov.np |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|------------------------|----------------------------|------------------------|--------------------------------|
| ३१६ | काभ्रेपलाञ्चोक | नमोबुद्ध नगरपालिका | ११ | namobuddhamun.gov.np |
| ३१७ | | मण्डनदेउपुर नगरपालिका | १२ | mandandeupurmun.gov.np |
| ३१८ | | खानीखोला गाउँपालिका | ७ | khanikholaamun.gov.np |
| ३१९ | | चौरीदेउराली गाउँपालिका | ९ | chaurideuralimun.gov.np |
| ३२० | | तेमाल गाउँपालिका | ९ | temalmun.gov.np |
| ३२१ | | बेथानचोक गाउँपालिका | ६ | bethanchowkmun.gov.np |
| ३२२ | | भुम्लु गाउँपालिका | १० | bhumlumun.gov.np |
| ३२३ | | महाभारत गाउँपालिका | ८ | mahabharatmun.gov.np |
| ३२४ | | रोशी गाउँपालिका | १२ | roshimun.gov.np |
| ३२५ | | ललितपुर | ललितपुर महानगरपालिका | २९ |
| ३२६ | गोदावरी नगरपालिका | | १४ | godawarimunlalitpur.gov.np |
| ३२७ | महालक्ष्मी नगरपालिका | | १० | mahalaxmimunlalitpur.gov.np |
| ३२८ | कोन्ज्योसोम गाउँपालिका | | ५ | konjyosommun.gov.np |
| ३२९ | बागमती गाउँपालिका | | ७ | bagmatimunlalitpur.gov.np |
| ३३० | महाङ्काल गाउँपालिका | | ६ | mahankalmun.gov.np |
| ३३१ | भक्तपुर | चाँगुनारायण नगरपालिका | ९ | changunarayanmun.gov.np |
| ३३२ | | भक्तपुर नगरपालिका | १० | bhaktapurmun.gov.np |
| ३३३ | | मध्यपुर थिमी नगरपालिका | ९ | madhyapurthimimun.gov.np |
| ३३४ | | सूर्यविनायक नगरपालिका | १० | suryabinayakmun.gov.np |
| ३३५ | काठमाण्डौ | काठमाण्डौ महानगरपालिका | ३२ | kathmandu.gov.np |
| ३३६ | | कागेश्वरी मनोहरा नगरपालिका | ९ | kageshworimanoharamun.gov.np |
| ३३७ | | कीर्तिपुर नगरपालिका | १० | kirtipurmun.gov.np |
| ३३८ | | गोकर्णेश्वर नगरपालिका | ९ | gokarneshwormun.gov.np |
| ३३९ | | चन्द्रागिरी नगरपालिका | १५ | chandragirimun.gov.np |
| ३४० | | टोखा नगरपालिका | ११ | tokhamun.gov.np |
| ३४१ | | तारकेश्वर नगरपालिका | ११ | tarakeshwormunkathmandu.gov.np |
| ३४२ | | दक्षिणकाली नगरपालिका | ९ | dakshinkalimun.gov.np |
| ३४३ | | नागार्जुन नगरपालिका | १० | nagarjunmun.gov.np |
| ३४४ | | बुढानिलकण्ठ नगरपालिका | १३ | budhanilkanthamun.gov.np |
| ३४५ | शङ्खरापुर नगरपालिका | ९ | shankharapurmun.gov.np | |
| ३४६ | नुवाकोट | विदुर नगरपालिका | १३ | bidhurmun.gov.np |
| ३४७ | | बेलकोटगढी नगरपालिका | १३ | belkotgadhmun.gov.np |
| ३४८ | | ककनी गाउँपालिका | ८ | kakanimun.gov.np |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|----------|----------------------------|------------|---------------------------------|
| ३४९ | नुवाकोट | किस्पाङ गाउँपालिका | ५ | kispangmun.gov.np |
| ३५० | | तादी गाउँपालिका | ६ | tadimun.gov.np |
| ३५१ | | तारकेश्वर गाउँपालिका | ६ | tarakeshwormunnuwakot.gov.np |
| ३५२ | | दुप्लेश्वर गाउँपालिका | ७ | dupcheshwormun.gov.np |
| ३५३ | | पञ्चकन्या गाउँपालिका | ५ | panchakanyamun.gov.np |
| ३५४ | | लिखु गाउँपालिका | ६ | likhumunnuwakot.gov.np |
| ३५५ | | म्यङ्ग गाउँपालिका | ६ | meghangmun.gov.np |
| ३५६ | | शिवपुरी गाउँपालिका | ८ | shivapurimun.gov.np |
| ३५७ | | सुर्यगढी गाउँपालिका | ५ | suryagadhimun.gov.np |
| ३५८ | रसुवा | उत्तरगया गाउँपालिका | ५ | uttargayamun.gov.np |
| ३५९ | | कालिका गाउँपालिका | ५ | kalikamunrasuwa.gov.np |
| ३६० | | गोसाईकुण्ड गाउँपालिका | ६ | gosaikundamun.gov.np |
| ३६१ | | नौकुण्ड गाउँपालिका | ६ | naukundamun.gov.np |
| ३६२ | | आमाछोदिङमो गाउँपालिका | ५ | parbatikundamun.gov.np |
| ३६३ | धादिङ | धुनीबेंशी नगरपालिका | ९ | dhunibeshimun.gov.np |
| ३६४ | | निलकण्ठ नगरपालिका | १४ | neelakanthamun.gov.np |
| ३६५ | | खनियाबास गाउँपालिका | ५ | khaniyabasmun.gov.np |
| ३६६ | | गजुरी गाउँपालिका | ८ | gajurimun.gov.np |
| ३६७ | | गल्छी गाउँपालिका | ८ | galchhimun.gov.np |
| ३६८ | | गङ्गाजमुना गाउँपालिका | ७ | gangajamunamun.gov.np |
| ३६९ | | ज्वालामुखी गाउँपालिका | ७ | jwalamukhimun.gov.np |
| ३७० | | थाक्रे गाउँपालिका | ११ | thakremun.gov.np |
| ३७१ | | नेत्रावति डबजोड गाउँपालिका | ५ | netrawatimun.gov.np |
| ३७२ | | बेनीघाट रोराङ्ग गाउँपालिका | १० | benighatrorangmun.gov.np |
| ३७३ | | रुवी भ्याली गाउँपालिका | ६ | rubivalleymun.gov.np |
| ३७४ | | सिद्धलेक गाउँपालिका | ७ | siddhalekmun.gov.np |
| ३७५ | | त्रिपुरासुन्दरी गाउँपालिका | ७ | tripurasundarimundhading.gov.np |
| ३७६ | मकवानपुर | हेटौडा उपमहानगरपालिका | १९ | hetaudamun.gov.np |
| ३७७ | | थाहा नगरपालिका | १२ | thahamun.gov.np |
| ३७८ | | इन्द्रसरोवर गाउँपालिका | ५ | indrasarowarmun.gov.np |
| ३७९ | | कैलाश गाउँपालिका | १० | kailashmun.gov.np |
| ३८० | | बकैया गाउँपालिका | १२ | bakaiyamun.gov.np |
| ३८१ | | बाम्मति गाउँपालिका | ९ | bagmatimunmakawanpur.gov.np |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेवसाईट |
|---------|--------|------------------------|------------|---------------------------|
| ३८२ | | भिमफेदी गाउँपालिका | ९ | bhimphedimun.gov.np |
| ३८३ | | मकवानपुरगढी गाउँपालिका | ८ | makawanpurgadhimun.gov.np |
| ३८४ | | मनहरी गाउँपालिका | ९ | manaharimun.gov.np |
| ३८५ | | राक्सिराङ्ग गाउँपालिका | ९ | raksirangmun.gov.np |
| ३८६ | चितवन | भरतपुर महानगरपालिका | २९ | bharatpurmun.gov.np |
| ३८७ | | कालिका नगरपालिका | ११ | kalikamunchitwan.gov.np |
| ३८८ | | खैरहनी नगरपालिका | १३ | khairhanimun.gov.np |
| ३८९ | | माडी नगरपालिका | ९ | madimunchitwan.gov.np |
| ३९० | | रत्ननगर नगरपालिका | १६ | ratnanagarmun.gov.np |
| ३९१ | | राप्ती नगरपालिका | १३ | raptimunchitwan.gov.np |
| ३९२ | | इच्छाकामना गाउँपालिका | ७ | ichchhakamanamun.gov.np |

गण्डकी प्रदेश

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेवसाईट |
|---------|---------------------|---------------------------|------------------------|------------------------|
| ३९३ | गोरखा | गोरखा नगरपालिका | १४ | gorkhamun.gov.np |
| ३९४ | | पालुङटार नगरपालिका | १० | palungtarmun.gov.np |
| ३९५ | | वारपाक सुलीकोट गाउँपालिका | ८ | sulikotmun.gov.np |
| ३९६ | | सिरानचोक गाउँपालिका | ८ | siranchowkmun.gov.np |
| ३९७ | | अजिरकोट गाउँपालिका | ५ | ajirkotmun.gov.np |
| ३९८ | | आरूघाट गाउँपालिका | १० | aarughatmun.gov.np |
| ३९९ | | गण्डकी गाउँपालिका | ८ | gandakimun.gov.np |
| ४०० | | चुमनुव्री गाउँपालिका | ७ | chumanuwrimun.gov.np |
| ४०१ | | धार्चे गाउँपालिका | ७ | dharchemun.gov.np |
| ४०२ | | भिमसेनथापा गाउँपालिका | ८ | bhimsemun.gov.np |
| ४०३ | शहिद लखन गाउँपालिका | ९ | shahidlakhanmun.gov.np | |
| ४०४ | लमजुङ | बेसीशहर नगरपालिका | ११ | besishaharmun.gov.np |
| ४०५ | | मध्यनेपाल नगरपालिका | १० | madhyanepalmun.gov.np |
| ४०६ | | राईनास नगरपालिका | १० | rainasmun.gov.np |
| ४०७ | | सुन्दरबजार नगरपालिका | ११ | sundarbazzarmun.gov.np |
| ४०८ | | क्वहोलासोथार गाउँपालिका | ९ | kwholasotharmun.gov.np |
| ४०९ | | दूधपोखरी गाउँपालिका | ६ | dudhpokharimun.gov.np |
| ४१० | | दोर्दी गाउँपालिका | ९ | dordimun.gov.np |
| ४११ | | मर्स्याङ्दी गाउँपालिका | ९ | marsyangdimun.gov.np |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|-------------------|-----------------------------|-------------------|------------------------------|
| ४१२ | तनहुँ | भानु नगरपालिका | १३ | bhanumun.gov.np |
| ४१३ | | भिमाद नगरपालिका | ९ | bhimadmun.gov.np |
| ४१४ | | व्यास नगरपालिका | १४ | vyasmun.gov.np |
| ४१५ | | शुक्लागण्डकी नगरपालिका | १२ | shuklagandakimun.gov.np |
| ४१६ | | आँबुखैरेनी गाउँपालिका | ६ | aanbookhairenimun.gov.np |
| ४१७ | | ऋषिङ्ग गाउँपालिका | ८ | rishingmun.gov.np |
| ४१८ | | घिरिङ गाउँपालिका | ५ | ghiringmun.gov.np |
| ४१९ | | देवघाट गाउँपालिका | ५ | devghatmun.gov.np |
| ४२० | | म्याग्दे गाउँपालिका | ७ | myagdemun.gov.np |
| ४२१ | | वन्दिपुर गाउँपालिका | ६ | bandipurmun.gov.np |
| ४२२ | स्याङ्जा | गल्याङ नगरपालिका | ११ | galyangmun.gov.np |
| ४२३ | | चापाकोट नगरपालिका | १० | chapakotmun.gov.np |
| ४२४ | | पुतलीबजार नगरपालिका | १४ | putalibazarmun.gov.np |
| ४२५ | | भीरकोट नगरपालिका | ९ | bheerkotmun.gov.np |
| ४२६ | | वालिङ नगरपालिका | १४ | walingmun.gov.np |
| ४२७ | | अर्जुनचौपारी गाउँपालिका | ६ | arjunchauparimun.gov.np |
| ४२८ | | आँधिखोला गाउँपालिका | ६ | aandhikholumun.gov.np |
| ४२९ | | कालीगण्डकी गाउँपालिका | ७ | kaligandakimunsyangja.gov.np |
| ४३० | | फेदीखोला गाउँपालिका | ५ | phedikholumun.gov.np |
| ४३१ | | बिरुवा गाउँपालिका | ८ | biruwamun.gov.np |
| ४३२ | हरिनास गाउँपालिका | ७ | harinasmun.gov.np | |
| ४३३ | कास्की | पोखरा महानगरपालिका | १३ | pokharalekhnathmun.gov.np |
| ४३४ | | अन्नपूर्ण गाउँपालिका | ११ | annapurnamunkaski.gov.np |
| ४३५ | | माछापुच्छ्रे गाउँपालिका | ९ | machhapuchhremun.gov.np |
| ४३६ | | मादी गाउँपालिका | १२ | madimunkaski.gov.np |
| ४३७ | | रूपा गाउँपालिका | ७ | rupamun.gov.np |
| ४३८ | मनाङ | चामे गाउँपालिका | ५ | chamemun.gov.np |
| ४३९ | | नार्पा भूमि गाउँपालिका | ५ | naraphumun.gov.np |
| ४४० | | नासो गाउँपालिका | ९ | nashongmun.gov.np |
| ४४१ | | मनाङ डिस्त्र्याङ गाउँपालिका | ९ | nesyangmun.gov.np |
| ४४२ | मुस्ताङ | घरपझोङ गाउँपालिका | ५ | gharpajhongmun.gov.np |
| ४४३ | | थासाङ गाउँपालिका | ५ | thasangmun.gov.np |
| ४४४ | | दालोमे गाउँपालिका | ५ | dalomemun.gov.np |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|---------------------------------------|-----------------------------------|--------------------|-------------------------------|
| ४४५ | | लोमथाङ गाउँपालिका | ५ | lomanthangmun.gov.np |
| ४४६ | | बाह्रगुड मुक्तिक्षेत्र गाउँपालिका | ५ | bahragumuktichhetramun.gov.np |
| ४४७ | म्याग्दी | बेनी नगरपालिका | १० | benimun.gov.np |
| ४४८ | | अन्नपूर्ण गाउँपालिका | ८ | annapurnamunmyagdi.gov.np |
| ४४९ | | धवलागिरी गाउँपालिका | ७ | dhawalagirimun.gov.np |
| ४५० | | मंगला गाउँपालिका | ५ | mangalamun.gov.np |
| ४५१ | | मालिका गाउँपालिका | ७ | malikamunmyagdi.gov.np |
| ४५२ | | रघुगंगा गाउँपालिका | ८ | raghugangamun.gov.np |
| ४५३ | | पर्वत | कुश्मा नगरपालिका | १४ |
| ४५४ | फलेवास नगरपालिका | | ११ | phalewasmun.gov.np |
| ४५५ | जलजला गाउँपालिका | | ९ | jaljalamun.gov.np |
| ४५६ | पैयूं गाउँपालिका | | ७ | paiyunmun.gov.np |
| ४५७ | महाशिला गाउँपालिका | | ६ | mahashilamun.gov.np |
| ४५८ | मोदी गाउँपालिका | | ८ | modimun.gov.np |
| ४५९ | विहादी गाउँपालिका | | ६ | bihadimun.gov.np |
| ४६० | बाग्लुङ | बागलुङ नगरपालिका | १४ | baglungmun.gov.np |
| ४६१ | | गल्कोट नगरपालिका | ११ | galkotmun.gov.np |
| ४६२ | | जैमूनी नगरपालिका | १० | jaiminimun.gov.np |
| ४६३ | | ढोरपटन नगरपालिका | ९ | dhorpatanmun.gov.np |
| ४६४ | | बरेङ गाउँपालिका | ५ | barengmun.gov.np |
| ४६५ | | काठेखोला गाउँपालिका | ८ | kathekholaamun.gov.np |
| ४६६ | | तमानखोला गाउँपालिका | ६ | tamankholaamun.gov.np |
| ४६७ | | ताराखोला गाउँपालिका | ५ | tarakholaamun.gov.np |
| ४६८ | | निसीखोला गाउँपालिका | ७ | nisikholaamun.gov.np |
| ४६९ | | वडिगाड गाउँपालिका | १० | badigadmun.gov.np |
| ४७० | नवलपरासी (बर्दघाट सुस्ता पूर्व) | कावासोती नगरपालिका | १६ | kawasotimun.gov.np |
| ४७१ | | गैडाकोट नगरपालिका | १८ | gaidakotmun.gov.np |
| ४७२ | | देवचुली नगरपालिका | १३ | devchulimun.gov.np |
| ४७३ | | मध्यविन्दु नगरपालिका | ५ | madhyabindumun.gov.np |
| ४७४ | | बौदीकाली गाउँपालिका | ६ | bungdikalimun.gov.np |
| ४७५ | | बुलिङटार गाउँपालिका | ९ | bulingtarmun.gov.np |
| ४७६ | | विनयी त्रिवेणी गाउँपालिका | ७ | binayitribenimun.gov.np |
| ४७७ | हुप्सेकोट गाउँपालिका | ६ | hupsekotmun.gov.np | |

प्रदेश नं. ५

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|--------------------------|-------------------------------|---------------------------|-----------------------------|
| ४७८ | गुल्मी | मुसिकोट नगरपालिका | ९ | musikotmungulmi.gov.np |
| ४७९ | | रेसुङ्गा नगरपालिका | १४ | resungamun.gov.np |
| ४८० | | ईस्मा गाउँपालिका | ६ | ishmamun.gov.np |
| ४८१ | | कालीगण्डकी गाउँपालिका | ७ | kaligandakimungulmi.gov.np |
| ४८२ | | गुल्मी दरबार गाउँपालिका | ७ | gulmidarbarmun.gov.np |
| ४८३ | | सत्यवती गाउँपालिका | ८ | satyawatimun.gov.np |
| ४८४ | | चन्द्रकोट गाउँपालिका | ८ | chandrakotmun.gov.np |
| ४८५ | | रुरु गाउँपालिका | ६ | rurumun.gov.np |
| ४८६ | | छत्रकोट गाउँपालिका | ६ | chhatrakotmun.gov.np |
| ४८७ | | धुर्कोट गाउँपालिका | ७ | dhurkotmun.gov.np |
| ४८८ | | मदाने गाउँपालिका | ७ | madanemun.gov.np |
| ४८९ | | मालिका गाउँपालिका | ८ | malikamungulmi.gov.np |
| ४९० | | पाल्पा | रामपुर नगरपालिका | १० |
| ४९१ | तानसेन नगरपालिका | | १४ | tansenmun.gov.np |
| ४९२ | निस्दी गाउँपालिका | | ७ | nisdimun.gov.np |
| ४९३ | पूर्वखोला गाउँपालिका | | ६ | purbakholamun.gov.np |
| ४९४ | रम्भा गाउँपालिका | | ५ | rambhamun.gov.np |
| ४९५ | माथागढी गाउँपालिका | | ८ | mathagadhmun.gov.np |
| ४९६ | तिनाउ गाउँपालिका | | ६ | tinaumun.gov.np |
| ४९७ | बगनासकाली गाउँपालिका | | ९ | baganaskalimun.gov.np |
| ४९८ | रिब्दिकोट गाउँपालिका | | ८ | ribdikotmun.gov.np |
| ४९९ | रैनादेवी छहरा गाउँपालिका | ८ | rainadevichharamun.gov.np | |
| ५०० | रुपन्देही | बुटवल उपमहानगरपालिका | १९ | butwalmun.gov.np |
| ५०१ | | देवदह नगरपालिका | १२ | devdahamun.gov.np |
| ५०२ | | लुम्बिनी सांस्कृतिक नगरपालिका | १३ | lumbinisanskritikmun.gov.np |
| ५०३ | | सैनामैना नगरपालिका | ११ | sainamainamun.gov.np |
| ५०४ | | सिद्धार्थनगर नगरपालिका | १३ | siddharthanagarmun.gov.np |
| ५०५ | | तिलोत्तमा नगरपालिका | १७ | tilottamamun.gov.np |
| ५०६ | | गैडहवा गाउँपालिका | ९ | gaidahawamun.gov.np |
| ५०७ | | कन्चन गाउँपालिका | ५ | kanchanmun.gov.np |
| ५०८ | कोटहीमाई गाउँपालिका | ७ | kotahimaimun.gov.np | |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|---------------------|------------------------|---------------------|---------------------------------|
| ५०९ | रुपन्देही | मर्चवारी गाउँपालिका | ७ | marchawarimun.gov.np |
| ५१० | | मायादेवी गाउँपालिका | ८ | mayadevimunrupandehi.gov.np |
| ५११ | | ओमसतिया गाउँपालिका | ६ | omsatiyamun.gov.np |
| ५१२ | | रोहिणी गाउँपालिका | ७ | rohiniimun.gov.np |
| ५१३ | | सम्मरीमाई गाउँपालिका | ७ | sammariimaimun.gov.np |
| ५१४ | | सियारी गाउँपालिका | ७ | siyarimun.gov.np |
| ५१५ | | शुद्धोधन गाउँपालिका | ७ | shuddhodhanmunrupandehi.gov.np |
| ५१६ | | कपिलबस्तु | कपिलवस्तु नगरपालिका | १२ |
| ५१७ | बुद्धभूमी नगरपालिका | | १० | buddhabhumimun.gov.np |
| ५१८ | शिवराज नगरपालिका | | ११ | shivrajmun.gov.np |
| ५१९ | महाराजगंज नगरपालिका | | ११ | maharajgunjmun.gov.np |
| ५२० | कृष्णनगर नगरपालिका | | १२ | krishnanagarmun.gov.np |
| ५२१ | बाणगंगा नगरपालिका | | ११ | bangangamun.gov.np |
| ५२२ | मायादेवी गाउँपालिका | | ८ | mayadevimunkapilvastu.gov.np |
| ५२३ | यसोधरा गाउँपालिका | | ८ | yasodharamun.gov.np |
| ५२४ | सुद्धोधन गाउँपालिका | | ६ | shuddhodhanmunkapilvastu.gov.np |
| ५२५ | विजयनगर गाउँपालिका | | ७ | bijaynagarmun.gov.np |
| ५२६ | अर्घाखाँची | सन्धिखर्क नगरपालिका | १२ | sandhikharkamun.gov.np |
| ५२७ | | शितगंगा नगरपालिका | १४ | shitangamun.gov.np |
| ५२८ | | भूमिकास्थान नगरपालिका | १० | bhumikasthanmun.gov.np |
| ५२९ | | छत्रदेव गाउँपालिका | ८ | chhatradevmun.gov.np |
| ५३० | | पाणिनी गाउँपालिका | ८ | paninimun.gov.np |
| ५३१ | | मालारानी गाउँपालिका | ९ | malaranimun.gov.np |
| ५३२ | प्यूठान | प्यूठान नगरपालिका | १० | pyuthanmun.gov.np |
| ५३३ | | स्वर्गद्वारी नगरपालिका | ९ | swargadwarimun.gov.np |
| ५३४ | | गौमुखी गाउँपालिका | ७ | gaumukhimun.gov.np |
| ५३५ | | माण्डवी गाउँपालिका | ५ | mandavimun.gov.np |
| ५३६ | | सरुमारानी गाउँपालिका | ६ | sarumaranimun.gov.np |
| ५३७ | | मल्लरानी गाउँपालिका | ५ | mallaranimun.gov.np |
| ५३८ | | नौवहिनी गाउँपालिका | ८ | naubahinimun.gov.np |
| ५३९ | | झिमरुक गाउँपालिका | ८ | jhimrukmun.gov.np |
| ५४० | | ऐरावती गाउँपालिका | ६ | airawatimun.gov.np |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|-------------------|--------------------------|---------------------------|------------------------|
| ५४१ | रोल्पा | रोल्पा नगरपालिका | १० | rolpamun.gov.np |
| ५४२ | | त्रिवेणी गाउँपालिका | ७ | trivenimunrolpa.gov.np |
| ५४३ | | परिवर्तन गाउँपालिका | ६ | duikholimun.gov.np |
| ५४४ | | माडी गाउँपालिका | ६ | madimunrolpa.gov.np |
| ५४५ | | रुन्टीगढी गाउँपालिका | ९ | runtigadhimun.gov.np |
| ५४६ | | लुङ्ग्री गाउँपालिका | ७ | lungrimun.gov.np |
| ५४७ | | गंगादेव गाउँपालिका | ७ | sukidahamun.gov.np |
| ५४८ | | सुन्छहरी गाउँपालिका | ७ | sunchhaharimun.gov.np |
| ५४९ | | सुनिल स्मृति गाउँपालिका | ८ | suwarnawatimun.gov.np |
| ५५० | | थवाङ गाउँपालिका | ५ | thabangmun.gov.np |
| ५५१ | | रुकुम (पूर्वी भाग) | पुथा उत्तरगंगा गाउँपालिका | १४ |
| ५५२ | भूमे गाउँपालिका | | ९ | bhumemun.gov.np |
| ५५३ | सिस्ने गाउँपालिका | | ८ | sisnemun.gov.np |
| ५५४ | दाङ | तुल्सीपुर उपमहानगरपालिका | १९ | tulsipurmun.gov.np |
| ५५५ | | घोराही उपमहानगरपालिका | १९ | ghorahimun.gov.np |
| ५५६ | | लमही नगरपालिका | ९ | lamahimun.gov.np |
| ५५७ | | बंगलाचुली गाउँपालिका | ८ | bangalachulimun.gov.np |
| ५५८ | | दंगीशरण गाउँपालिका | ७ | dangisharanmun.gov.np |
| ५५९ | | गढवा गाउँपालिका | ८ | gadhwamun.gov.np |
| ५६० | | राजपुर गाउँपालिका | ७ | rajpurmundang.gov.np |
| ५६१ | | राप्ती गाउँपालिका | ९ | raptimundang.gov.np |
| ५६२ | | शान्तिनगर गाउँपालिका | ७ | shantinagarmun.gov.np |
| ५६३ | | बबई गाउँपालिका | ७ | babaimun.gov.np |
| ५६४ | बाँके | नेपालगंज उपमहानगरपालिका | २३ | nepalgunjmun.gov.np |
| ५६५ | | कोहलपुर नगरपालिका | १५ | kohalpurmun.gov.np |
| ५६६ | | नरैनापुर गाउँपालिका | ६ | narainapurmun.gov.np |
| ५६७ | | राप्तीसोनारी गाउँपालिका | ९ | raptisonarimun.gov.np |
| ५६८ | | बैजनाथ गाउँपालिका | ८ | baijanathmun.gov.np |
| ५६९ | | खजुरा गाउँपालिका | ८ | khajuramun.gov.np |
| ५७० | | डुडुवा गाउँपालिका | ६ | duduwamun.gov.np |
| ५७१ | | जानकी गाउँपालिका | ६ | janakimunbanke.gov.np |
| ५७२ | बर्दिया | गुलरिया नगरपालिका | १२ | gulariyamun.gov.np |
| ५७३ | | मधुवन नगरपालिका | ९ | madhuwanmun.gov.np |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|--|------------------------|------------|-----------------------|
| ५७४ | बर्दिया | राजापुर नगरपालिका | १० | rajapurmun.gov.np |
| ५७५ | | ठाकुरबाबा नगरपालिका | ९ | thakurbabamun.gov.np |
| ५७६ | | बाँसगढी नगरपालिका | ९ | bansgadhimun.gov.np |
| ५७७ | | बारबर्दिया नगरपालिका | ११ | barbardiyamun.gov.np |
| ५७८ | | बढैयाताल गाउँपालिका | ९ | badhaiyatalmun.gov.np |
| ५७९ | | गेरुवा गाउँपालिका | ६ | geruwamun.gov.np |
| ५८० | नवलपरासी (बर्दघाट सुस्ता पश्चिम) | बर्दघाट नगरपालिका | १६ | bardghatmun.gov.np |
| ५८१ | | रामग्राम नगरपालिका | १८ | ramgrammun.gov.np |
| ५८२ | | सुनवल नगरपालिका | १३ | sunwalmun.gov.np |
| ५८३ | | सुस्ता गाउँपालिका | ५ | sustamun.gov.np |
| ५८४ | | पाल्हीनन्दन गाउँपालिका | ६ | palhinandanmun.gov.np |
| ५८५ | | प्रतापपुर गाउँपालिका | ९ | pratappurmun.gov.np |
| ५८६ | | सरावल गाउँपालिका | ७ | sarawalmun.gov.np |

कर्णाली प्रदेश

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|-----------------------|--------------------------|------------|-------------------------|
| ५८७ | रुकुम (पश्चिम भाग) | मुसिकोट नगरपालिका | १४ | musikotmunrukum.gov.np |
| ५८८ | | चौरजहारी नगरपालिका | १४ | chaurjaharimun.gov.np |
| ५८९ | | आठबिसकोट नगरपालिका | १४ | aathbiskotmun.gov.np |
| ५९० | | बाँफिकोट गाउँपालिका | १० | banphikotmun.gov.np |
| ५९१ | | त्रिवेणी गाउँपालिका | १० | trivenimunrukum.gov.np |
| ५९२ | | सान्नी भेरी गाउँपालिका | ११ | sanibherimun.gov.np |
| ५९३ | सल्यान | शारदा नगरपालिका | १५ | sharadamun.gov.np |
| ५९४ | | बागचौर नगरपालिका | १२ | bagchaurmun.gov.np |
| ५९५ | | बनगाड कुपिण्डे नगरपालिका | १२ | bangadkupindemun.gov.np |
| ५९६ | | कालिमाटी गाउँपालिका | ७ | kalimatimun.gov.np |
| ५९७ | | त्रिवेणी गाउँपालिका | ६ | trivenimunsalyan.gov.np |
| ५९८ | | कपुरकोट गाउँपालिका | ६ | kapurkotmun.gov.np |
| ५९९ | | छत्रेश्वरी गाउँपालिका | ७ | chhatreshworimun.gov.np |
| ६०० | | सिद्ध कुमाख गाउँपालिका | ५ | dhorchaurmun.gov.np |
| ६०१ | | कुमाख गाउँपालिका | ७ | kumakhmalikamun.gov.np |
| ६०२ | | दार्मा गाउँपालिका | ६ | darmamun.gov.np |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|---------------------------------|---------------------------|-----------------------|-------------------------------|
| ६०३ | सुर्खेत | बीरेन्द्रनगर नगरपालिका | १६ | birendranagarmun.gov.np |
| ६०४ | | भेरीगंगा नगरपालिका | १३ | bherigangamun.gov.np |
| ६०५ | | गुर्भाकोट नगरपालिका | १४ | gurbhakotmun.gov.np |
| ६०६ | | पञ्चपुरी नगरपालिका | ११ | panchapurimun.gov.np |
| ६०७ | | लेकवेशी नगरपालिका | १० | lekbeshimun.gov.np |
| ६०८ | | चौकुने गाउँपालिका | १० | chaukunemun.gov.np |
| ६०९ | | बराहताल गाउँपालिका | १० | barahatalmun.gov.np |
| ६१० | | चिङ्गाड गाउँपालिका | ६ | chingadmun.gov.np |
| ६११ | | सिम्ता गाउँपालिका | ९ | simtamun.gov.np |
| ६१२ | | दैलेख | नारायण नगरपालिका | ११ |
| ६१३ | दुल्लु नगरपालिका | | १३ | dullumun.gov.np |
| ६१४ | चामुण्डा विन्द्रासैनी नगरपालिका | | ९ | chamundabindrasainimun.gov.np |
| ६१५ | आठबीस नगरपालिका | | ९ | aathabismun.gov.np |
| ६१६ | भगवतीमाई गाउँपालिका | | ७ | bhagawatimaimun.gov.np |
| ६१७ | गुराँस गाउँपालिका | | ८ | guransmun.gov.np |
| ६१८ | डुंगेश्वर गाउँपालिका | | ६ | dungeshwormun.gov.np |
| ६१९ | नौमुले गाउँपालिका | | ८ | naumulemun.gov.np |
| ६२० | महावु गाउँपालिका | | ६ | mahabumun.gov.np |
| ६२१ | भैरवी गाउँपालिका | | ७ | bhairabimun.gov.np |
| ६२२ | ठाँटीकाँध गाउँपालिका | ६ | thantikandhmun.gov.np | |
| ६२३ | जाजरकोट | भेरी नगरपालिका | १३ | bherimun.gov.np |
| ६२४ | | छेडागाड नगरपालिका | १३ | chhedagadmun.gov.np |
| ६२५ | | नलगाड नगरपालिका | १३ | tribeninalgadmun.gov.np |
| ६२६ | | बारेकोट गाउँपालिका | ९ | barekotmun.gov.np |
| ६२७ | | कुसे गाउँपालिका | ९ | kushemun.gov.np |
| ६२८ | | जुनीचाँदे गाउँपालिका | ११ | junichaandemun.gov.np |
| ६२९ | | शिवालय गाउँपालिका | ९ | shibalayamun.gov.np |
| ६३० | डोल्पा | ठुली भेरी नगरपालिका | ११ | thuliberimun.gov.np |
| ६३१ | | त्रिपुरासुन्दरी नगरपालिका | ११ | tripurasundarimundolpa.gov.np |
| ६३२ | | डोल्पो बुद्ध गाउँपालिका | ६ | dolpobuddhamun.gov.np |
| ६३३ | | शे फोक्सुन्डो गाउँपालिका | ९ | shephoksundomun.gov.np |
| ६३४ | | जगदुल्ला गाउँपालिका | ६ | jagdullamun.gov.np |
| ६३५ | | मुड्केचुला गाउँपालिका | ९ | mudkechulamun.gov.np |

| क्र.सं. | जिल्ला | स्थानीय तहको नाम | वडा संख्या | वेबसाईट |
|---------|---------|----------------------------|------------|---------------------------|
| ६३६ | | काईके गाउँपालिका | ७ | kaikemun.gov.np |
| ६३७ | | छार्का ताडसोड गाउँपालिका | ६ | chharkatangsongmun.gov.np |
| ६३८ | | चन्दननाथ नगरपालिका | १० | chandannathmun.gov.np |
| ६३९ | | कनकासुन्दरी गाउँपालिका | ८ | kankasundarimun.gov.np |
| ६४० | | सिंजा गाउँपालिका | ६ | sinjamun.gov.np |
| ६४१ | जुम्ला | हिमा गाउँपालिका | ७ | himamun.gov.np |
| ६४२ | | तिला गाउँपालिका | ९ | tilamun.gov.np |
| ६४३ | | गुठिचौर गाउँपालिका | ५ | guthichaurmun.gov.np |
| ६४४ | | तातोपानी गाउँपालिका | ८ | tatopanimun.gov.np |
| ६४५ | | पातारासी गाउँपालिका | ७ | patarasimun.gov.np |
| ६४६ | | खाँडाचक्र नगरपालिका | ११ | khandachakramun.gov.np |
| ६४७ | | रास्कोट नगरपालिका | ९ | raskotmun.gov.np |
| ६४८ | | तिलागुफा नगरपालिका | ११ | tilagufamun.gov.np |
| ६४९ | कालिकोट | पचालझरना गाउँपालिका | ९ | pachaljharanamun.gov.np |
| ६५० | | सान्नी त्रिवेणी गाउँपालिका | ९ | sannitrivenimun.gov.np |
| ६५१ | | नरहरिनाथ गाउँपालिका | ९ | narharinathmun.gov.np |
| ६५२ | | शुभ कालिका गाउँपालिका | ८ | kalikamunkalikot.gov.np |
| ६५३ | | महावै गाउँपालिका | ७ | mahawaiimun.gov.np |
| ६५४ | | पलाता गाउँपालिका | ९ | palatamun.gov.np |
| ६५५ | | छायानाथ रारा नगरपालिका | १४ | chhayanathraramun.gov.np |
| ६५६ | मुगु | मुगुम कार्मारोङ गाउँपालिका | ९ | mugumkarmarongmun.gov.np |
| ६५७ | | सोरु गाउँपालिका | ११ | sorumun.gov.np |
| ६५८ | | खत्याड गाउँपालिका | ११ | khatyadmun.gov.np |
| ६५९ | | सिमकोट गाउँपालिका | ८ | simkotmun.gov.np |
| ६६० | | नाम्खा गाउँपालिका | ६ | namkhamun.gov.np |
| ६६१ | हुम्ला | खार्पुनाथ गाउँपालिका | ५ | kharpunathmun.gov.np |
| ६६२ | | सर्केगाड गाउँपालिका | ८ | sarkegadmun.gov.np |
| ६६३ | | चंखेली गाउँपालिका | ६ | chankhelimun.gov.np |
| ६६४ | | अदानचुली गाउँपालिका | ६ | adanchulimun.gov.np |
| ६६५ | | ताँजाकोट गाउँपालिका | ५ | tajakotmun.gov.np |

सुदूरपश्चिम प्रदेश

| क्र.स. | स्थानीय तहको नाम | जिल्ला | वडा संख्या | वेबसाईट |
|--------|-------------------------|-------------------------------|--------------------|------------------------------|
| ६६६ | बाजुरा | बडीमालिका नगरपालिका | ९ | badimalikamun.gov.np |
| ६६७ | | त्रिवेणी नगरपालिका | ९ | trivenimunjura.gov.np |
| ६६८ | | बुढीगंगा नगरपालिका | १० | budhigangamunjura.gov.np |
| ६६९ | | बुढीनन्दा नगरपालिका | १० | budhinandamun.gov.np |
| ६७० | | गौमुल गाउँपालिका | ६ | gaumulmun.gov.np |
| ६७१ | | जगन्नाथ गाउँपालिका | ६ | pandavgufamun.gov.np |
| ६७२ | | स्वामीकार्तिक खापर गाउँपालिका | ५ | swamikartikmun.gov.np |
| ६७३ | | खप्तड छेडेदेह गाउँपालिका | ७ | chhededahamun.gov.np |
| ६७४ | | हिमाली गाउँपालिका | ७ | himalimun.gov.np |
| ६७५ | | बझाङ | जयपृथ्वी नगरपालिका | ११ |
| ६७६ | बुंगल नगरपालिका | | ११ | bungalmun.gov.np |
| ६७७ | तलकोट गाउँपालिका | | ७ | talkotmun.gov.np |
| ६७८ | मष्टा गाउँपालिका | | ७ | mastamun.gov.np |
| ६७९ | खप्तडछान्ना गाउँपालिका | | ७ | khaptadchannamun.gov.np |
| ६८० | थलारा गाउँपालिका | | ९ | thalamun.gov.np |
| ६८१ | बित्थडचिर गाउँपालिका | | ९ | bitthadchirmun.gov.np |
| ६८२ | सूर्मा गाउँपालिका | | ५ | surmamun.gov.np |
| ६८३ | छबिसपाथिभेरा गाउँपालिका | | ७ | chhabispathiveramun.gov.np |
| ६८४ | दुर्गाथली गाउँपालिका | | ७ | durgathalimun.gov.np |
| ६८५ | केदारस्थुँ गाउँपालिका | | ९ | kedarasyumun.gov.np |
| ६८६ | साइपाल गाउँपालिका | | ५ | kandamun.gov.np |
| ६८७ | अछाम | मंगलसेन नगरपालिका | १४ | mangalsenmun.gov.np |
| ६८८ | | कमलबजार नगरपालिका | १० | kamalbazarmun.gov.np |
| ६८९ | | साँफेबगर नगरपालिका | १४ | sanfebagarmun.gov.np |
| ६९० | | पन्चदेवल विनायक नगरपालिका | ९ | panchadewalbinayakmun.gov.np |
| ६९१ | | चौरपाटी गाउँपालिका | ७ | chaurpatimun.gov.np |
| ६९२ | | मेल्लेख गाउँपालिका | ८ | mellekhmun.gov.np |
| ६९३ | | बान्निगढी जयगढ गाउँपालिका | ६ | bannigadhijaygadhmun.gov.np |
| ६९४ | | रामारोशन गाउँपालिका | ७ | ramaroshanmun.gov.np |
| ६९५ | | ढकारी गाउँपालिका | ८ | dhakarimun.gov.np |
| ६९६ | | तुर्माखुँद गाउँपालिका | ८ | turmakhadmun.gov.np |

| क्र.स. | स्थानीय तहको नाम | जिल्ला | वडा संख्या | वेबसाईट |
|--------|-----------------------|---------------------------|----------------------|------------------------------|
| ६९७ | डोटी | दिपायल सिलगढी नगरपालिका | ९ | dipayalsilgadhimmun.gov.np |
| ६९८ | | शिखर नगरपालिका | ११ | shikharmun.gov.np |
| ६९९ | | पूर्वीचौकी गाउँपालिका | ७ | purbichaukimun.gov.np |
| ७०० | | बडीकेदार गाउँपालिका | ५ | badikedarmun.gov.np |
| ७०१ | | जोरायल गाउँपालिका | ६ | gorayalmun.gov.np |
| ७०२ | | सायल गाउँपालिका | ६ | sayalmun.gov.np |
| ७०३ | | आदर्श गाउँपालिका | ७ | aadarshmun.gov.np |
| ७०४ | | के.आई.सिं. गाउँपालिका | ७ | kisinghmun.gov.np |
| ७०५ | | बोगटान फुड्सिल गाउँपालिका | ७ | bogatanmun.gov.np |
| ७०६ | | कैलाली | धनगढी उपमहानगरपालिका | १९ |
| ७०७ | टिकापुर नगरपालिका | | ९ | tikapurmun.gov.np |
| ७०८ | घोडाघोडी नगरपालिका | | १२ | ghodaghodimun.gov.np |
| ७०९ | लम्कीचुहा नगरपालिका | | १० | lamkichuhamun.gov.np |
| ७१० | भजनी नगरपालिका | | ९ | bhjanimmun.gov.np |
| ७११ | गोदावरी नगरपालिका | | १२ | godawarimunkailali.gov.np |
| ७१२ | गौरीगंगा नगरपालिका | | ११ | gaurigangamun.gov.np |
| ७१३ | जानकी गाउँपालिका | | ९ | janakimunkailali.gov.np |
| ७१४ | बर्दगोरिया गाउँपालिका | | ६ | bardgoriyamun.gov.np |
| ७१५ | मोहन्याल गाउँपालिका | | ७ | mohanyalmun.gov.np |
| ७१६ | कैलारी गाउँपालिका | | ९ | kailarimun.gov.np |
| ७१७ | जोशीपुर गाउँपालिका | | ७ | joshipurmun.gov.np |
| ७१८ | चुरे गाउँपालिका | | ६ | churemun.gov.np |
| ७१९ | कञ्चनपुर | | भीमदत्त नगरपालिका | १९ |
| ७२० | | पुर्नवास नगरपालिका | ११ | punarbasmun.gov.np |
| ७२१ | | वेदकोट नगरपालिका | १० | bedkotmun.gov.np |
| ७२२ | | महाकाली नगरपालिका | १० | mahakalimunkanchanpur.gov.np |
| ७२३ | | शुक्लाफाँटा नगरपालिका | १२ | shuklaphantamun.gov.np |
| ७२४ | | बेलौरी नगरपालिका | १० | belaurimun.gov.np |
| ७२५ | | कृष्णपुर नगरपालिका | ९ | krishnapurmun.gov.np |

| क्र.स. | स्थानीय तहको नाम | जिल्ला | वडा संख्या | वेबसाईट |
|--------|------------------------|-----------------------|-------------------|--------------------------|
| ७२६ | | बेलडाडी गाउँपालिका | ५ | beldandimun.gov.np |
| ७२७ | | लालझाडी गाउँपालिका | ६ | laljhadimun.gov.np |
| ७२८ | डडेलधुरा | अमरगढी नगरपालिका | ११ | amargadhimun.gov.np |
| ७२९ | | परशुराम नगरपालिका | १२ | parshurammun.gov.np |
| ७३० | | आलिताल गाउँपालिका | ८ | aalitalmun.gov.np |
| ७३१ | | भगेश्वर गाउँपालिका | ५ | bhageshwormun.gov.np |
| ७३२ | | नवदुर्गा गाउँपालिका | ५ | navadurgamun.gov.np |
| ७३३ | | अजयमेरु गाउँपालिका | ६ | ajayamerumun.gov.np |
| ७३४ | | गन्यापधुरा गाउँपालिका | ५ | gnyapadhuramun.gov.np |
| ७३५ | बैतडी | दशरथचन्द नगरपालिका | ११ | dasharathchandmun.gov.np |
| ७३६ | | पाटन नगरपालिका | १० | patanmun.gov.np |
| ७३७ | | मेलौली नगरपालिका | ९ | melaulimun.gov.np |
| ७३८ | | पुर्चौडी नगरपालिका | १० | purchaudimun.gov.np |
| ७३९ | | सुर्नया गाउँपालिका | ८ | sunaryamun.gov.np |
| ७४० | | सिगास गाउँपालिका | ९ | sigasmun.gov.np |
| ७४१ | | शिवनाथ गाउँपालिका | ६ | shivanathmun.gov.np |
| ७४२ | | पञ्चेश्वर गाउँपालिका | ६ | pancheshwormun.gov.np |
| ७४३ | | दोगडाकेदार गाउँपालिका | ८ | dogdakedarmun.gov.np |
| ७४४ | | डीलासैनी गाउँपालिका | ७ | dilasainimun.gov.np |
| ७४५ | | दार्चुला | महाकाली नगरपालिका | ९ |
| ७४६ | शैल्यशिखर नगरपालिका | | ९ | shailyashikharmun.gov.np |
| ७४७ | मालिकार्जुन गाउँपालिका | | ८ | malikarjunmun.gov.np |
| ७४८ | अपिहिमाल गाउँपालिका | | ६ | apihimalmun.gov.np |
| ७४९ | दुहुँ गाउँपालिका | | ५ | duhunmun.gov.np |
| ७५० | नौगाड गाउँपालिका | | ६ | naugadmun.gov.np |
| ७५१ | मार्मा गाउँपालिका | | ६ | marmamun.gov.np |
| ७५२ | लेकम गाउँपालिका | | ६ | lekammun.gov.np |
| ७५३ | ब्याँस गाउँपालिका | | ६ | vyansmun.gov.np |

४. कृषिसँग सम्बन्धित नीति, ऐन नियम तथा कार्यविधिहरू

कृषि विकासको गतिलाई सहज बनाउन कृषि सम्बन्धी नीति, नियमहरूको महत्वपूर्ण स्थान रहेको हुन्छ। सरकारको प्राथमिकता, प्रतिवद्धता र नियमन गर्ने कार्यलाई व्यवस्थित गर्न कृषिका विभिन्न नीति ऐन र नियमहरूले समेटेका हुन्छन्। हालसम्म तर्जुमा भएका यस्ता नीति ऐन र नियमहरू निम्न छन्। यी समाग्रीहरू कृषि विकास मन्त्रालय र अन्तर्गतका सम्बन्धित निकायहरूको प्रकाशन वेवसाइटहरूमा उपलब्ध छन्।

नीतिहरू

- | | |
|--|--|
| १. राष्ट्रिय कृषि नीति, २०६१ | १४. राष्ट्रिय सहकारी नीति, २०६९ |
| २. कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन नीति, २०६३ | १५. वाणिज्य नीति, २०७२ |
| ३. कृषि जैविक विविधता नीति, २०६३ (संशोधन सहित) | १६. जलवायु परिवर्तन नीति, २०६७ |
| ४. राष्ट्रिय चिया नीति, २०५७ | १७. औद्योगिक नीति, २०६७ |
| ५. राष्ट्रिय कफी नीति, २०६० | १८. आपूति नीति, २०६९ |
| ६. दुग्ध विकास नीति, २०६४ | १९. विज्ञान तथा प्रविधि नीति, २०६१ |
| ७. राष्ट्रिय बीउ बिजन नीति, २०५६ | २०. जैविक प्रविधि नीति, २०६३ |
| ८. राष्ट्रिय मल नीति, २०५८ | २१. कृषि यान्त्रिकरण प्रवर्द्धन नीति, २०७१ |
| ९. सिँचाई नीति, २०७० | २२. मौरी प्रवर्धन नीति, २०७४ |
| १०. पन्छीपालन नीति, २०६८ | २३. राष्ट्रिय सिमसार नीति, २०६९ |
| ११. खर्क नीति, २०६८ | २४. बन नीति, २०७१ |
| १२. पुष्प प्रवर्द्धन नीति, २०६९ | २५. विकास सहायता नीति, २०७१ |
| १३. राष्ट्रिय भू-उपयोग नीति, २०७२ | २६. सार्वजनिक नीजि साझेदारी नीति, २०७२ |

ऐनहरू

- | | |
|---|---|
| १. खाद्य ऐन, २०२३ | ११. खाद्य अधिकार तथा खाद्य सम्प्रभुता सम्बन्धी ऐन, २०७५ |
| २. आमामाको दूधलाई प्रतिस्थापन गर्ने वस्तु (विक्री वितरण नियन्त्रण) ऐन, २०४९ | १२. पशु वधशाला र मासु जाँच ऐन, २०५५ |
| ३. आयोडिनयुक्त नून (उत्पादन तथा विक्री वितरण) ऐन, २०५५ | १३. सहकारी ऐन, २०७४ |
| ४. दाना पदार्थ ऐन, २०३३ | १४. नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद ऐन, २०४८ |
| ५. पेटेन्ट डिजायन र ट्रेडमार्क ऐन, २०२२ | १५. नेपाल पशु चिकित्सा परिषद ऐन, २०५५ |
| ६. जलचर संरक्षण ऐन, २०१७ | १६. राष्ट्रिय चिया तथा कफी विकास बोर्ड ऐन, २०४९ |
| ७. पशु स्वास्थ्य तथा पशु सेव ऐन, २०५५ | १७. राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड ऐन, २०४८ |
| ८. बीउ विजन ऐन, २०४५ | १८. राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड ऐन, २०४९ |
| ९. जीवनाशक विषादी ऐन, २०४८ | १९. बाली तथा पशुपन्छी बीमा निर्देशन, २०६९ |
| १०. बिरुवा संरक्षण ऐन, २०६४ | |

नियमावलीहरु

१. खाद्य नियमावली, २०२७
२. दाना पदार्थ नियमावली, २०४१
३. बीउ बिजन नियमावली, २०५४
४. जीवनाषक विषादी नियमावली, २०५०
५. सिँचाई नियमावली, २०५६
६. पशु स्वास्थ्य तथा पशु सेवा नियमावली, २०५६
७. पशु वधशाला र मासु जाँच नियमावली, २०५७
८. सहकारी नियमावली, २०४९
९. नेपाल पशु चिकित्सा परिषद् नियमावली, २०५७

आदेशहरु

१. रासायनिक मल नियन्त्रण आदेश, २०५५
२. चन्द्रडाँगी बीउ बिजन तथा दुग्ध विकास समिति (गठन) आदेश, २०५२
३. कालीमाटी फलफूल तथा तरकारी बजार विकास समिति (गठन) (तेस्रो संशोधन) आदेश, २०६३
४. कपास विकास समिति (गठन) आदेश, २०३७
५. पशु आहारा उत्पादन विकास समिति (गठन) आदेश, २०४१
६. बर्डफ्लु रोग नियन्त्रण आदेश, २०६४

मौजूदा कार्यविधि सूची

| | |
|----|--|
| १ | समुदाय व्यवस्थित सिंचित कृषि क्षेत्र आयोजना अन्तर्गत स्थानीय तह मार्फत कार्यान्वयन हुने कृषि विकास कार्यक्रम सञ्चालन कार्यविधि २०७५ |
| २ | कृषि उपज भण्डारण घर (Silo) निर्माण कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७५ |
| ३ | कृषि उपज भण्डारणका लागि प्रयोग गरिने शितघर तथा दुग्ध चिस्यान केन्द्रमा लाग्ने विद्युत महशुलमा अनुदान भुक्तानी दिने सम्बन्धि कार्यविधि २०७५ |
| ४ | सिंचित क्षेत्र सघन कृषि विकास कार्यक्रम सञ्चालन कार्यविधि, २०७५ |
| ५ | मौरी, च्याउ, रेशम कार्यक्रम कार्यविधि (दोस्रो संशोधन) २०७० |
| ६ | राष्ट्रपति उत्कृष्ट पुरस्कारको कार्य विधि दोश्रो संशोधन २०७५ |
| ७ | कृषि सूचना कार्यविधि २०७५ |
| ८ | कृषि पूर्वाधार विकास कार्यविधि २०७५ |
| ९ | प्राङ्गारिक कृषि प्रवर्द्धन कार्यविधि २०७५ |
| १० | सार्वजनिक तथा निजी जग्गामा फलफूल खेती विस्तार कार्यक्रम सञ्चालन कार्यविधि, २०७५ |
| ११ | कागती खेती प्रवर्द्धन कार्यक्रम संचालन कार्यविधि २०७५ |
| १२ | कृषि उपज प्रशोधन कारखाना स्थापना अनुदान कार्यविधि, २०७५ |
| १३ | क्यानिङ्ग तथा प्याकेजिङ्ग उद्योग स्थापना कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७५ |
| १४ | वगर खेती कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७५ |
| १५ | रैथाने बाली प्रवर्द्धन तथा संरक्षण कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७५ |
| १६ | शित भण्डार गृह स्थापना कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७४ (प्रथम संशोधन) २०७५ |
| १७ | फलफूल प्रोसेसिङ्ग प्लान्ट स्थापना कार्यक्रम सञ्चालन कार्यविधि (प्रथम संशोधन) २०७४ |

| | |
|----|--|
| १८ | कृषि तथ्याङ्क संकलन, प्रशोधन र प्रविष्टी कार्यक्रम सञ्चालन सम्बन्धी कार्यविधि, २०७४ |
| १९ | पुष्प व्यवसाय प्रवर्द्धन कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७२ |
| २० | विषादी अवशेष द्रुत विश्लेषण कार्यक्रम सञ्चालन कार्यविधि, २०७१ प्रथम संशोधन २०७४ |
| २१ | कृषि यान्त्रीकरण अनुदान परिचालन कार्यविधि, २०७४ |
| २२ | सामुदायिक आई.पी.एम श्रोत केन्द्र सञ्चालन कार्यविधि २०७४ |
| २३ | कमर्सियल एग्रिकल्चर एलायन्स (सि.ए.ए.) मार्फत सञ्चालन हुने व्यवसायिक कृषि विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७४ |
| २४ | व्यावसायिक कृषि तथा पशुपन्छी कर्ममा प्रदान गरिने व्याज अनुदानसम्बन्धी कार्यविधि, २०७३ |
| २५ | फलफूल विरुवा उत्पादन पूर्वाधार विकास कार्यक्रम सञ्चालन कार्यविधि, २०७३ (पहिलो संशोधन २०७४) |
| २६ | फलफूल प्रोसेसिङ्ग प्लान्ट स्थापना कार्यक्रम सञ्चालन कार्यविधि, २०७४ |
| २७ | कृषि पर्यटन प्रवर्द्धन कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७४ |
| २८ | प्रिसिजन तथा प्रोजेक्टेड हर्टिकल्चर प्रविधि विस्तार कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७४ |
| २९ | सूचनाको हक कार्यान्वयन सम्बन्धि कार्यविधि, २०७४ |
| ३० | वृहत सुन्तलाजात अनुसन्धान, विकास र बिस्तार (श्रोत केन्द्र स्थापना) कार्यक्रम संचालन कार्यविधि, २०७४ |
| ३१ | खाद्य मेला सञ्चालन कार्यविधि, २०७४ |
| ३२ | तैरिने मत्स्य दाना उत्पादन गरिरहेका उद्योगहरूलाई मेशिनरीहरूमा ५० प्रतिशत अनुदानमा कार्यक्रम सञ्चालन कार्यविधि, २०७४ |
| ३३ | कृषि इन्टर्न परिचालन कार्यविधि- २०७४ |
| ३४ | अल्लैची वेयरहाउस व्यवस्थापन र संचालन कार्यविधि २०७४ |
| ३५ | महिलाद्वारा संचालित कृषिका परिकारका लागि साना घरेलु उद्योग (संघसंस्था) साझेदारी कार्यक्रम संचालन कार्यविधि २०७३ |
| ३६ | विदेशमा कृषि सम्बन्धि तालिम तथा उच्च शिक्षा हाँसिल गरी स्वदेशमा व्यवसाय संचालन गर्ने युवाहरूलाई प्रोत्साहन तथा अनुदान कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७१ |
| ३७ | विषादि खुद्रा विक्रेता ईजाजत पत्र, सुरक्षित भण्डारण एवं प्रयोग संचालन कार्यविधि, २०७१ |
| ३८ | जग्गा भाडामा लिई व्यवसायिक खेती गर्ने लक्षित समुदायका कृषकलाई अनुदान उपलब्ध गराउने सम्बन्धी कार्यविधि, २०७१ |
| ३९ | पशु गोठ सुधार तथा घाँसेवाली उत्पादन प्रवर्द्धन कार्यक्रम कार्यान्वयन सम्बन्धी कार्यविधि, २०७१ |
| ४० | बाली अवधिभरको एकिकृत शत्रुजीव व्यवस्थापन सहजकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालन कार्यविधि, २०७१ |
| ४१ | व्यवसायिक कृषि कार्यका लागि लीइने रिणको व्याजदर तथा जग्गाको भाडामा अनुदान उपलब्ध गराउने कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७१ |
| ४२ | प्राङ्गरिक प्रमाणिकरणका लागि आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली संचालनार्थ अनुदान उपलब्ध गराउने सम्बन्धी कार्यविधि, २०७१ |
| ४३ | रासायनिक मल तथा विषादी प्रयोग नगरी जैविक खेती गर्ने गाँउ विकास समितिलाई कृषि क्षेत्रमा खर्च गर्न नियमित अनुदानमा २५ प्रतिशत थप गर्ने कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने कार्यविधि, २०७१ |

| | |
|----|--|
| ४४ | एकिकृत शत्रुजीव व्यवस्थापन (आई.पी.एम) अनुशरण (Follow up)कार्यक्रम संचालन कार्यविधि, २०७१ |
| ४५ | जग्गा भाडामा लिङ्ग व्यवसायिक खेती गर्ने लक्षित समुदायका कृषकलाई अनुदान उपलब्ध गराउने सम्बन्धी कार्यविधि, २०७१ |
| ४६ | पशु गोठ सुधार तथा घाँसेवाली उत्पादन प्रवर्द्धन कार्यक्रम कार्यान्वयन सम्बन्धि कार्यविधि, २०७१ |
| ४७ | चियापत्ती ढुवानी प्रयोजनका लागि पिकअप,मिनीट्रकको आयातमा भन्सार महशूल छुट सुविधा सिफारिश सम्बन्धी कार्यविधि, २०७१ |
| ४८ | अनुदानमा मिल्कीङ्ग मेसिन वितरण कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि — २०७१ |
| ४९ | राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्डबाट संचालन गरिने कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७१ |
| ५० | शित भण्डार निर्माणका लागि अनुदान उपलब्ध गराउने सम्बन्धी कार्यविधि, २०७१ |
| ५१ | व्यवसायिक पशु पालन (गाई/भैसी) फार्म व्यवस्थापनको लागि अनुदान कार्यविधि, २०७१ |
| ५२ | कृषि विभाग अन्तरगत संचालन हुने युवा लक्षित कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७१ |
| ५३ | कृषक समूह/सहकारी मार्फत प्राङ्गारिक मल (भर्मिकम्पोष्ट) उत्पादनका लागि सहयोग कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७१ |
| ५४ | भटमास उत्पादन प्रवर्द्धन कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७१ |
| ५५ | तेलहन एवं जुट बालीहरूको उत्पादित बीउमा अनुदान सहयोग कार्यक्रम संचालन कार्यविधि, २०७१ |
| ५६ | तेलहन तथा उखु बालीमा फ्रन्टलाइन प्रदर्शन कार्यक्रम संचालन कार्यविधि, २०७१ |
| ५७ | मसिना तथा वासनादार धान उत्पादन प्रवर्द्धन कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७१ |
| ५८ | राष्ट्रपति उत्कृष्ट कृषक पुरस्कार कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७१ |
| ५९ | सामुदायिक पोष्ट हाभेष्ट सेवा केन्द्र स्थापना सम्बन्धी वित्तिय संस्थाको साझेदारीमा व्याज अनुदान परिचालन कार्यविधि, २०७० |
| ६० | कृषकस्तर पशुपालन व्यवहारिक तालिम संचालन कार्यविधि, २०७० |
| ६१ | लघुवित्त सहकारी संस्था संगको साझेदारीमा कृषि औजार, उपकरण खरिद तथा संचालन गर्न व्याज अनुदान परिचालन कार्यविधि, २० |
| ६२ | कृषि तथा पशु सेवा विभाग अन्तरगत संचालित युवा लक्षित कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७० |
| ६३ | कृषि विभाग अन्तरगत संचालित मौरी, च्याउ, रेशम कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७० |
| ६४ | मिल्क एनालाईजर बितरण कार्यविधि २०७० |
| ६५ | कृषि विभाग अन्तरगत संचालित मत्स्य विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७० |
| ६६ | प्राङ्गारिक तथा जैविक मल नियमन कार्यविधि, २०६८ |
| ६७ | कृषि यान्त्रीकरण अनुदान परिचालन कार्यविधि, २०७३ |
| ६८ | व्यवसायिक कृषि उत्पादन तथा प्रशोधन केन्द्र (जोन) विकास कार्यक्रम संचालन कार्यविधि - २०७३ |
| ६९ | कृषि औद्योगिक क्षेत्र (सुपर-जोन) विकास कार्यक्रम संचालन कार्यविधि - २०७३ |
| ७० | साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्यक्रम संचालन कार्यविधि - २०७३ |
| ७१ | प्रतिफलमा आधारित प्रोत्साहन अनुदान (Output Based Incentive) कार्यक्रम संचालन कार्यविधि - २०७३ |

| | |
|----|--|
| ७२ | व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (ब्लक) विकास कार्यक्रम संचालन कार्यविधि, २०७३ |
| ७३ | मौरी, च्याउ र रेशम कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७० पहिलो संशोधन २०७३ |
| ७४ | पूर्व मूलबीउ उत्पादनका लागि टिस्युकल्चर प्रयोगशाला स्थापना र संचालन तथा टिस्युकल्चर प्रयोगशाला र स्क्रीन हाउस सुदृढीकरण गर्न निजी क्षेत्रलाई अनुदान उपलब्ध गराउने सम्बन्धी कार्यविधि, २०७३ |
| ७५ | सिमान्तकृत तथा पिछडिएको समुदाय लक्षित कृषि विशेष कार्यक्रम (तरकारी) कार्यान्वयन कार्यविधि (पहिलो संशोधन, २०७३) |
| ७६ | द्वन्द्व पिडित लक्षित विशेष कृषि कार्यक्रम (तरकारी) कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७३ |
| ७७ | "फलफुल दशक (आ.व. २०७३/७४-२०८२/८३)" संचालन कार्यविधि, २०७३ |
| ७८ | फलफूल बिरुवा उत्पादन पूर्वाधार विकास कार्यक्रम संचालन कार्यविधि, २०७३ |
| ७९ | हाइटेक ग्रीन हाउस निर्माणमा अनुदान कार्यविधि, २०७२ (पहिलो संशोधन, २०७३) |
| ८० | प्रशोधन कारखाना स्थापना (अदुवा र वेसार) अनुदान कार्यविधि, २०७२ |
| ८१ | कृषि सहकारी संघ संस्थाहरूलाई उपलब्ध गराईने अनुदान सम्बन्धी कार्यविधि, २०७२ |
| ८२ | भुक्रम प्रभावित जिल्लामा सिचाई तथा जलश्रोत व्यवस्थापन आयोजना राहत कार्यक्रम अन्तर्गत गोठ निर्माण/पुनः निर्माण सहयोग कार्यविधि, २०७२ |
| ८३ | जैतुन प्रवर्द्धन कार्यक्रम संचालन कार्यविधि, २०७२ |
| ८४ | खेतीयोग्य बाँझो जग्गालाई उपयोग गर्ने सम्बन्धी कार्यविधि, २०७२ |
| ८५ | राष्ट्रपति उत्कृष्ट कृषक पुरस्कार कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७१ |
| ८६ | महिला द्वारा संचालन तथा व्यवस्थित तथा ब्यावस्थित एकिकृत कृषि फार्म संचालन कार्यविधि, २०७२ |
| ८७ | तरकारी उत्पादनका लागि उन्नत प्रविधिमा आधारित हाईटेक ग्रीनहाउस निर्माण कार्यविधि, २०७२ |
| ८८ | व्यवसायिक कृषि/पशु विकास फार्मको पूर्वाधार विकास तथा प्रविधिक क्षमता अभिवृद्धि गरी उत्कृष्ट फार्म विकास गर्ने कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७२ |
| ८९ | युवाहरूलाई व्यवसायिक कृषि कर्जा प्रदान गरिने व्याज अनुसान सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) कार्यविधि, २०७१ |
| ९० | प्राङ्गारिक मल अनुदान (जिल्लास्तर) कार्यविधि, २०७२ |
| ९१ | कृषि विभाग अन्तर्गत कृषि ईन्जिनियरिङ्ग निर्देशनालयबाट संचालित कृषि यान्त्रिकरण अनुदान परिचालन कार्यविधि, २०७० (प्रथम संशोधन, २०७१) |
| ९२ | सूचनाको हकसम्बन्धी ऐन कार्यान्वयन र अनुगमन सम्बन्धी कार्यविधि, २०७१ |
| ९३ | चिलिङ्गभ्याट वितरण कार्यविधि, २०७० (पहिलो संशोधन, २०७१) |
| ९४ | मिल्क एनालाईजर वितरण कार्यविधि, २०७० (पहिलो संशोधन, २०७१) |
| ९५ | व्यवसायिक पशु पालन (गाई/भैसी) फार्म व्यवस्थापनको लागि अनुदान कार्यविधि, २०७१ |
| ९६ | राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्डबाट संचालन गरिने कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७१ |
| ९७ | कृषि मेला संचालन कार्यविधि, २०७१ |
| ९८ | शुन्य शक्ति र वैकल्पिक उर्जा सिंचाई प्रणाली जडानको लागि अनुदान परिचालन कार्यविधि, २०७३ |

५. कृषि, पशुपन्थी, भूमि व्यवस्था तथा सहकारी क्षेत्र विकास रूपान्तरणको मार्गचित्र, २०७५

क) कृषि तथा पशुपन्थी क्षेत्र नीति तथा कानुनी सुधार

- १) नेपालको संविधानमा प्रदत्त खाद्य अधिकार, खाद्य सुरक्षा र खाद्य सम्प्रभुताको सुनिश्चितताका लागि मुलुकको संघीय शासन संरचना अनुकूल हुने गरी आवश्यक नयाँ नीति तथा ऐनहरूको तर्जुमा गरिनेछ । पुराना नीति तथा कानूनहरूको समय सापेक्ष परिमार्जन गरिनेछ ।
- २) संघीय सरकारबाट सञ्चालन भइरहेका प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना लगायत कृषि, पशुपन्थी क्षेत्रबाट संचालित अन्य परियोजना तथा कार्यक्रमका दस्तावेजहरूको समयानुकूल पुन परिभाषित गरी परिमार्जन गरिनेछ । प्रदेश र स्थानीय सरकारलाई नीति तथा कानून तर्जुमा गर्न क्षमता बृद्धिमा सहयोग गरिनेछ ।
- ३) कृषि, पशुपन्थी, भूमि व्यवस्था र सहकारी क्षेत्रमा कार्यान्वयनमा रहेका सफल नीति तथा कार्यक्रमहरूलाई निरन्तरता दिइनेछ । उत्कृष्ट परिणाम र लक्ष्य हासिल गर्न नसकेका नीति तथा कार्यक्रमहरूको पुनरावलोकन गरी परिमार्जन वा खारेजसमेत गरिनेछ । साथै किसान आयोगलाई समयसापेक्ष बनाउन वर्तमान संरचना पुनर्गठन र कार्यादेश पुनरावलोकन गरिनेछ ।

अनुसन्धान, प्रविधि विकास र प्रसार

- ४) अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने सक्षम संस्थाको रूपमा कृषि अनुसन्धान परिषदको वर्तमान संरचनागत पक्षको समिक्षा गरी पुनर्गठन र कार्यादेश परिमार्जन गरिनेछ । गुणस्तरीय अध्ययन तथा अनुसन्धानलाई टेवा दिन कृषि अनुसन्धान परिषद (नार्क) लाई मानित विश्वविद्यालयको रूपमा विकास गरिनेछ ।
- ५) कृषि तथा पशुपन्थीजन्य उद्योगहरूको स्थापनामार्फत् आश्रीत जनशक्तिलाई उद्योगतर्फ रूपान्तरित गर्दै कृषि पशुपन्थी मूल्य श्रृङ्खलामा काम गर्ने जनशक्तिहरूको पहिचान गरी क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । साथै कृषि र पशु सेवा, प्रसारको विद्यमान संरचनालाई पुनर्गठन गरी प्रदेश र स्थानीय तहको सहकार्य र आवश्यकता पहिचानका आधारमा कृषि ज्ञान केन्द्र, पशु अस्पताल तथा विज्ञ केन्द्रहरू स्थापना गरिनेछ ।
- ६) पशुपन्थीको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धिका लागि हालको नश्रु सुधार अभियानलाई तीनै तहका सरकारको सहकार्यमा बिस्तार गरिनेछ, प्रत्येक वर्ष कम्तिमा एक तिहाइका दरले कृत्रिम गर्भाधानको संख्यामा वृद्धि गरिनेछ । यो अभियानलाई सार्थक बनाउन संघीय, प्रादेशिक तथा स्थानीय तहबाट जनस्तरमा व्यापक सूचना प्रवाह गरी पाँच वर्षभित्र उन्नत उत्पादनशील गाईभैँसीको संख्या दोब्बर पुर्याइनेछ ।
- ७) केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग, प्रदेश र स्थानीय तहबीचको सहकार्यमा आगामी १ वर्षभित्र यथार्थपरक तथ्याङ्क संकलन गरी राष्ट्रिय कृषि तथा पशुपन्थी तथ्याङ्क व्यवस्थापन सूचना प्रणाली निर्माण गरिनेछ । संकलित तथ्याङ्कलाई नियमित रूपमा कृषि ज्ञान केन्द्र, पशु अस्पताल तथा विज्ञ केन्द्रहरू मार्फत् अद्यावधिक हुने व्यवस्था मिलाइनेछ ।

उत्पादन बृद्धि र बजारीकरण

- ८) कृषि उत्पादन सामग्रीको आपूर्ति व्यवस्थालाई सहज र सुलभ बनाई गुणस्तरीय रासायनिक मल समयमै उपलब्ध गराउन उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालयको समन्वयमा निजी क्षेत्र र सहकारी क्षेत्र समेतको सहभागितामा सातवटै प्रदेशमा बफर स्टकको लागि कम्तीमा २५ हजार मेट्रिक टन क्षमताका भण्डारण गृहहरू स्थापना गरिनेछ । साथै स्थानीय तहसंगको समन्वयमा आवश्यकता अनुसार शीत भण्डार, रस्टिक भण्डार, सेलार भण्डार, शुन्य शक्ति भण्डार जस्ता स्थानीय उत्पादनलाई सहयोग पुग्ने भण्डारण गृहहरू निर्माण गर्न प्रोत्साहित गरिनेछ ।
- ९) प्रमुख खाद्य वस्तुहरूमा परिनिर्भरताको कारण मुलुकले व्यहोरिरहेको समस्यालाई दृष्टिगत गर्दै खाद्य सुरक्षाका रणनीतिक महत्वका बालीहरू, जस्तै: धान, मकै, गहुँमा आत्मनिर्भरता हासिल गर्न ठूला सिंचाई आयोजनाहरूको कमाण्ड क्षेत्रभित्र सघन कृषि विकास कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
- १०) विगतमा अधिकांश मध्य पहाडी र उच्च पहाडी क्षेत्रको खाद्य तथा पोषण सुरक्षाको प्रमुख आधारको रूपमा रहेका तर हाल निकै कम खेती गरिने कोदो, जौ, उवा, फापर, चिनो, कागुनो, लट्टे आदि स्थानीय बालीहरूको प्रवर्द्धनका लागि आगामी वर्षदेखि 'रैथाने बाली प्रवर्द्धन कार्यक्रम' सञ्चालन गरिनेछ । साथै अर्गानिक खेतीलाई प्रोत्साहित गर्ने नीति अनुरूप शुरूमा कर्णाली प्रदेश र प्रदेश २ को लागि गुरुयोजना तयार गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- ११) किसानहरूको आय-आर्जन बृद्धिमा प्रत्यक्ष सहयोग पुग्ने गरी मुलुकका उत्तर र दक्षिण १३ सडक करिडोरमा तरकारी, फलफूल र तुलनात्मक लाभ भएका बाली बस्तुहरूको सघन मूल्य श्रृङ्खला विकास कार्यक्रम सञ्चालन गरी तरकारी र फलफूलमा व्यवसायिकताको विकास गरिनेछ । साथै कृषि तथा पशुपन्छी क्षेत्रका सरकारी फार्महरूलाई सुदृढिकरण गरी वस्तु अनुसार केन्द्रीय स्रोत केन्द्रको रूपमा विकास गरिनेछ ।
- १२) खेतीयोग्य जमिन खुम्चिँदै गएको सन्दर्भमा गुणस्तरीय तरकारीको बढ्दो आवश्यकता सम्बोधन गर्न शहरी र आसपासका क्षेत्रमा प्रि-सिजन तथा प्रोटेक्टेड प्रविधिबाट कौशी तरकारी खेती, पुष्प खेती लगायत हाइड्रोपोनिक प्रणालीमा आधारित शहरी खेती प्रवर्द्धन कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
- १३) कृषि उपजहरूको उत्पादन र बजारीकरणका लागि कृषकहरूलाई उत्प्रेरित गर्न मुख्य-मुख्य कृषि उपजहरूको न्यूनतम समर्थन मूल्य तोक्ने व्यवस्था मिलाइनेछ । साथै आगामी ३ वर्ष भित्र कृषिजन्य उपजहरू आलु, प्याज, खुर्सानी लगायत हरियो तरकारीमा आत्मनिर्भर बनाउन स्वदेशमै उत्पादन बृद्धि गरी विदेशबाट आयात गर्न नपर्ने वातावरण सिर्जना गरिनेछ ।
- २३) कुखुराको दानामा प्रयोग हुने मकै, भटमास लगायतका कच्चा पदार्थ ७० प्रतिशत आयात भइरहेको वर्तमान अवस्थालाई सम्बोधन गर्न प्रदेश तथा स्थानीय तहसँग सहकार्य गरी दानाको लागि उपयुक्त मकै भटमास लगायतका बालीको सघन खेती कार्यक्रम सञ्चालन गरी पाँच वर्षभित्र यस्तो आयातलाई कम्तीमा एक तिहाइले कम गरिनेछ ।
- २४) सामुहिक खेतीको माध्यमबाट कृषि तथा पशुजन्य बस्तुहरूको उत्पादकत्व बृद्धि गरी आत्मनिर्भरता तर्फ उन्मुख गराउन र साना किसानको आयआर्जनमा प्रत्यक्ष सहयोग पुग्ने गरी सबै प्रदेशमा एकीकृत सामुदायिक नमुना आधुनिक कृषि फार्महरू स्थापना गरिनेछ । पहिलो चरणमा कार्यविधि समेत निर्माण गरी कर्णाली प्रदेशमा पाइलटिङ्गको रूपमा प्रारम्भ गरिनेछ ।

सामाजिक सुरक्षा तथा रोजगार बृद्धि

- २५) स्वदेशमा नै रोजगारी सृजना गरी युवा जनशक्तिको विदेश पलायन रोक्न, विदेशबाट कृषि सम्बन्धी ज्ञान, सीप र पूँजीसहित फर्केका युवाहरूलाई व्यवसायिक कृषि पेशामा आवद्ध गर्न कृषिमा युवा विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ । जसअन्तर्गत एकल तथा सामुहिक रूपमा कृषि व्यवसाय सञ्चालन गर्न ईच्छुक युवाहरूको अभिलेख सूची तयार गरी व्यवसायिक योजनाका साथै प्रतिफलमा आधारित ७० प्रतिशतसम्म अनुदान प्रवाह गरिनेछ ।
- २६) प्राकृतिक प्रकोप, रोगब्याधी वा दुर्घटनाबाट कृषि, पशुन्छी व्यवसायमा हुने क्षतिलाई परिपूर्ति गर्न, ऋण तथा अनुदान प्राप्त गर्न कृषि पशुपन्छी बीमालाई किसानमूखी बनाई कार्यान्वयनका लागि अभियानका रूपमा अघि बढाइनेछ ।
- २७) आगामी २ वर्षभित्र उत्पादन र स्रोतको आधारमा किसानको बर्गिकरण गरी किसान परिचयपत्र बितरण गरिनेछ । साथै वर्गिकृत न्यून आय भएका तथा सिमान्तकृत किसानहरूलाई लक्षित गरी योगदानमा आधारित किसान पेन्सन योजना लागू गरिनेछ ।
- २८) शहिद, बेपत्ता, द्रन्द्पडीत परिवार तथा एकल महिलालाई लक्षित गरी कृषि, पशुजन्म बस्तुहरूको व्यवसायिक उत्पादन मार्फत उनीहरूको आयआर्जनमा बृद्धि गर्न सहूलियत ऋण तथा पुँजीगत अनुदान सहितको विशेष लक्षित कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।
- २९) उत्पादन, बजारीकरण र पूर्वाधार निर्माणमा दिइने पुँजीगत अनुदान, ब्याज अनुदान, सहूलियत ऋण प्रवाहका कार्यक्रमबाट वास्तविक किसानहरू लाभान्वित हुन सक्ने गरी अनुदानको विधमान व्यवस्थामा पुनरावलोकन गरिनेछ ।

खाद्य स्वच्छता र गुणस्तर प्रवर्धन

- ३०) निर्यातयोग्य कृषि उपज वस्तुहरूको गुणस्तरीयता प्रवर्द्धन गर्न एग्रिडिटेड प्रयोगशाला स्थापना गरी प्रमाणीकरण सेवालार्ई सुदृढ गरिनेछ । यस्ता उपजहरूको ब्राण्डिङ्ग, ट्रेडमार्क र भौगोलिक संकेतहरू विकास गर्दै लगिनेछ ।
- ३१) सबै भन्सार विन्दुहरूमा क्वारेन्टाइन फस्टको नीतिअनुरूप कृषिजन्म उपजहरूको आयात निर्यात नियमनका लागि आधुनिक प्रविधियुक्त प्रयोगशाला सहितको क्वारेन्टाइन सेवालार्ई स्तरोन्नति गरिनेछ । कृषि उपजहरूमा क्वारेन्टाइन जाँचपास पश्चात् मात्र भन्सार जाँचमा जाने कार्यलाई कडाइका साथ लागू गरिनेछ ।
- ३२) विषादीहरूको असन्तुलित, अनियन्त्रित प्रयोग तथा त्यस्ता उत्पादित वस्तुहरूको उपभोगले जनस्वास्थ्य र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्ने हुनाले यसको नियन्त्रण गर्न ठोस योजना निर्माण गरी कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ । द्रुततर विषादी विश्लेषण र जैविक अवशेष विश्लेषणलाई सबै प्रादेशिक बजार र प्रमुख नाकाहरूमा स्थापना गरी सञ्चालन गरिनेछ । साथै पशु औषधी हर्मोनको अवशेष विश्लेषण गरी नियमन कार्यलाई सुदृढ बनाइनेछ ।
- ३३) उपभोक्तालार्ई गुणस्तरीय पशुपन्छीजन्म उत्पादन उपलब्धता सुनिश्चित गर्न संघीय स्तरमा मापदण्ड निर्धारण गरी तीनै तहका सरकारको समन्वयमा आगामी आर्थिक वर्षदेखि उपत्यका लगायतका शहरी क्षेत्रबाट शुरू गरी क्रमशः देशका सबै क्षेत्रमा बिस्तार हुने गरी स्वस्थताको प्रमाणपत्र जारी गर्ने व्यवस्था गरिनेछ ।

- ३४) प्रदेश र स्थानीय तहसंगको समन्वय र सार्वजनिक, निजी तथा सहकारी क्षेत्रको साझेदारीमा ७ वटा प्रदेशमा प्रतिदिन कम्तीमा ५० मेट्रिक टन उत्पादन क्षमता भएका उच्च प्रोसेसिङ्ग पूर्वाधारसहितको पशु बधशाला (सलटर हाउस) निर्माण गरिनेछ ।
- ३५) इजाजत पत्र नै नलिई सञ्चालनमा रहेका पशुपन्छीजन्य उत्पादन र बिक्रि बितरण गर्ने पसलहरुलाई निश्चित समयवाधि तोक्री कानुनको दायरामा ल्याई वस्तु वा सेवाको गुणस्तर नियमनलाई व्यवस्थित गरिनेछ ।

ख) भूमि व्यवस्था क्षेत्र

- ३६) खेतीयोग्य उर्वर जमिन गैरकृषि क्षेत्रमा प्रयोग भइरहेको वर्तमान सन्दर्भमा जग्गालाई कृषि बसोवास, औद्योगिक लगायतका क्षेत्रमा बर्गिकृत गरी कृषियोग्य जमिनलाई ब्यवसायिक प्लटिङ्ग र बाँझो राख्न नपाउने व्यवस्था गर्न आगामी ६ महिनाभित्र भूमि नीति र भू-उपयोग ऐन तर्जुमा गरी कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ । कानुन तर्जुमा र कार्यान्वयनका लागि उच्च स्तरीय विज्ञ समूह गठन गरी आवश्यक सुझाव र सहयोग लिइनेछ ।
- ३७) जग्गाधनी र मोहीबीच भूमिमा रहेको दोहोरो स्वामित्व सम्बन्धी समस्या हल गर्न मन्त्रालयमा मोहीयानी समस्या समाधान इकाई स्थापना गरी आगामी १ वर्षभित्र 'मोही प्रथा' पूर्णतः अन्त्य गरिनेछ । साथै जनयुद्धको समयमा तत्कालीन ने.क.पा. (माओवादी) पक्षबाट किनबेच गराइएका जग्गाहरुको एकीकृत तथाडूक संकलन गरी स्थायी समाधानको लागि आवश्यक नीतिगत व्यवस्था गरिनेछ ।
- ३८) नेपालसँग सीमा जोडिएका छिमेकी मुलुकसँगको डिजिटल सीमा नापी अद्यावधिक गर्ने कार्यलाई उच्च प्राथमिकता दिइनेछ । अन्तरदेशीय भूमिको वैज्ञानिक नापी गर्न स्याटेलाइट, हवाई तथा स्थलगत विधिबाट भूमिको नापी कार्य परियोजना अगाडि बढाइनेछ ।
- ३९) आफै खेती गर्न नचाहने जग्गाधनीले खेतीयोग्य जग्गा लिजमा दिन सक्ने र जग्गा नभएका वा कम भएका कृषकका लागि चक्लावन्दी भूमि करारमा लिई व्यवसायिक कृषि खेती गर्ने प्रणालीको विकास गर्न आगामी २ वर्षभित्र किसान भूमि बैंक स्थापना गर्ने उदेश्यले प्रदेश तथा स्थानीय तहको समन्वय, सहकार्य र सरोकारवालासंगको समेत परामर्शमा उपयुक्त निर्णय गरिनेछ ।
- ४०) मालपोत र नापी कार्यालयहरूमा सेवाग्राहीले सेवा लिन जाँदा बिचौलियाहरूबाट ठगिने क्रियाकलापको अन्त्य गर्न आगामी ६ महिनाभित्र जनताको प्रत्यक्ष सरोकार रहने विषय नापी कित्ताकाँट, जग्गा दर्ता, खरिदबिक्री, नामसारी, अंशबण्डाजस्ता कार्यको फारम र प्रक्रिया सरलीकरण गरी कार्यालयहरूमा सिधै सेवाग्राहीले निवेदन दिनसक्ने प्रणालीको विकास गरिनेछ । साथै जग्गा प्रशासन सम्बन्धि राजश्वलाई विद्युतीय भुक्तानी प्रणालीबाट कारोबार हुने व्यवस्था गरिनेछ ।
- ४१) मालपोत तथा नापी कार्यालयमा आधारभूत प्रविधिमैत्री पूर्वाधार निर्माण तथा स्रोतसाधनको व्यवस्था गरी सेवाग्राहीमैत्री वातावरण तयार गरिनेछ । साथै सेवाग्राहीको भीड र धेरै कारोबार हुने मालपोत तथा नापी कार्यालयमा डिजिटल टोकन प्रणाली लागु गरिनेछ ।
- ४२) भूमि नापी सम्बन्धि साविकका लिखत, श्रेस्ता, फाँटबारी र अनुसूचिलगायत अन्य कागजातहरू डिजिटलमा अद्यावधिक गरी भूमि र नापी कार्यालयबाट सम्पादन हुँदै आएका कामहरू नाप नक्सा तथा श्रेस्तासहितको भरपर्दो अभिलेखाडूकन गरी प्रदेश र स्थानीय तहमा हस्तान्तरण गरिनेछ ।
- ४३) राज्यको वैधानिक प्रणालीमा दर्ता नरहेका, अव्यवस्थित रूपमा बसोबास वा जग्गा उपभोग भइरहेका वा अनौपचारिक रूपमा आवाद, कमोद भइरहेका भू-सम्बन्धलाई व्यवस्थित गर्न र भूमिसम्बन्धि

समस्या समाधान गर्न उच्च स्तरीय भूमि आयोग गठन गरिनेछ ।

- ४४) जग्गाको कारोवार रहेको मूल्यांकन सम्बन्धी विविधतालाई सुधार गरी बैज्ञानिक, व्यवहारिक र वास्तविक मूल्यांकन प्रणाली लागु गर्न आवश्यक व्यवस्था गरिनेछ ।
- ४५) राष्ट्रिय गौरवको विषय र आम नेपालको पहिचान विश्वको सर्वोच्च शिखर सगरमाथाको स्वदेशी पुँजी र जनशक्तिबाट २ वर्षभित्र वैज्ञानिक उचाई मापन गरी सार्वजनिक गरिनेछ ।
- ४६) भूमिमा महिलाको हालको २५.७ प्रतिशत स्वामित्वलाई ५० प्रतिशतसम्म उल्लेखीय रूपमा वृद्धि गर्न महिलाको एकल नाममा वा पति पत्नी दुवैको संयुक्त नाममा जग्गा रजिष्ट्रेशन गर्दा हुने राजश्व छुटको विद्यमान व्यवस्थालाई पुनरावलोकन गरी ४० प्रतिशतसम्म पुर्याउन आवश्यक पहल गरिनेछ । साथै महिलाको नाममा भू-स्वामित्व रहेको परिवारलाई राज्यबाट वितरण हुने सेवामा विशेष सहूलियत प्रदान गर्न आवश्यक पहल गरिनेछ ।
- ४७) मुक्त कर्मैया र हलियाको समस्यालाई पूर्ण प्राथमिकता दिई आगामी आवाभिन्न मुक्त कर्मैया र मुक्त हलियाको पुनःस्थापना गर्ने कार्य सम्पन्न गरिनेछ ।

ग) सहकारी क्षेत्र

- ४८) सहकारी क्षेत्रमा सम्पत्ति शुद्धिकरण सम्बन्धि विषयलाई लागु र नियमन गर्न सम्पत्ति शुद्धिकरण निर्देशन, २०७४ को प्रभावकारी कार्यान्वयन गरिनेछ । साथै रू. ५० करोड भन्दा बढी बचत परिचालन गर्ने सहकारी संस्थाहरूको सघन अनुगमन तथा वित्तीय विश्लेषण गर्न विशेष संयन्त्रको निर्माण गरिनेछ ।
- ४९) आगामी १ वर्षभित्र उद्योग वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालयसँग समन्वय गरी प्रदेश नं. ३ को वीरगञ्ज चिनी कारखाना र प्रदेश नं. ५ को लुम्बिनी चिनी कारखानालाई सहकारी मोडेलमा ल्याउन विशेष पहल गरिनेछ । साथै सुदूरपश्चिम प्रदेशमा सहकारी चिनी उद्योग स्थापना गर्ने कार्य प्रारम्भ गरिनेछ ।
- ५०) गरीब घर पहिचान भएका २६ जिल्ला (रूकुम पूर्व समेत) का ३ लाख ९१ हजार ८३१ घर परिवारलाई आगामी ६ महिनाभित्र परिचयपत्र बितरणको कार्य प्रारम्भ गरिने र बाँकी ५१ जिल्लाहरूमा गरिब घर परिवार पहिचान गरी २ वर्षभित्र परिचयपत्र बितरणको कार्य थालनी गरिनेछ । साथै यस्ता परिवारलाई आत्मनिर्भर र व्यवसायी बनाउन आवश्यकतामा आधारित ऋण ब्याज अनुदान र किसान शिक्षाका विशेष प्याकेजहरू ल्याइनेछ ।
- ५१) सहकारी उद्योगको प्रवर्द्धन गर्न ७ वटै प्रदेशमा प्रदेशस्तरीय औद्योगिक ग्रामको स्थापना गरिनेछ । पहिलो चरणमा सहकारी उद्योग विकास र प्रवर्द्धन हुन सक्ने कम्तिमा २ प्रदेशहरू छनौट गरी कार्य प्रारम्भ गरिनेछ ।

भावी सुशासन प्रवर्द्धन, अनुगमन र मूल्याङ्कन

- ५२) कृषि क्षेत्रको समग्र पक्षको सुधार र भावी कार्यदिशाबारे दीर्घकालीन रणनीति, योजना निर्माणमा सहयोग पुग्ने गरी आगामी ६ महिनाभित्र संघीय स्तरमा उच्चस्तरीय विज्ञ सम्मेलन आयोजना गरिनेछ ।
- ५३) मन्त्रालयसँग सम्बन्धित सूचनाको प्रभावकारी प्रवाहको लागि मन्त्रालयमा मिडिया सेन्टरको स्थापना गरी समय सापेक्ष प्रविधिको प्रयोगमा जोड दिइनेछ ।
- ५४) मन्त्रालय अन्तर्गतका संघीय परियोजना तथा कार्यक्रमलाई नतिजामुखी बनाउन व्यवस्थित अनुगमनको कार्यढाँचा विकास गरी प्रभावकारी अनुगमन गरिनेछ । कुनै पनि आयोजनाको लक्ष्यअनुसार प्रतिफल हासिल नभएमा सम्बन्धित जिम्मेवार निकाय वा प्रमुखलाई जवाफदेही गराउने पद्धतिको विकास गरिनेछ ।

- ५५) विभागीय प्रमुख, परियोजना प्रमुख र कार्यालय प्रमुखसँग संगठनको लक्ष्य, उद्देश्य र तोकिएको कार्यसँग परिणामलाई जोडी कार्य सम्पादन करार गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ । सोही आधारमा कर्मचारीहरूको बृत्ति विकासका अवसरहरूको मूल्याङ्कन हुने प्रणालीको विकास गरिनेछ ।
- ५६) मन्त्रालय अन्तर्गतका कर्मचारीहरूको सरुवालार्ई व्यवस्थित र पारदर्शी बनाउन ६ महिनाभित्र नयाँ सरुवा मापदण्ड बनाई कार्यान्वयन गरिनेछ । त्यस्तै मन्त्रालय र अन्तर्गतका कर्मचारीहरूलाई समय सापेक्ष क्षमता अभिवृद्धिका कार्यक्रमहरू संचालन गरिनेछ ।
- ५७) मन्त्रालयसँग सम्वन्धित जनगुनासाहरूको सुनुवाई र व्यवस्थापनका लागि आगामी ६ महिनाभित्र मन्त्रालयमा टोल फ्रि नम्बरसहितको गुनासो सुनुवाई डेक्स स्थापना गरी सञ्चालन गरिनेछ ।
- ५८) लक्ष्य अनुरूप प्रतिफल प्राप्तिको लागि तत्कालीन, मध्यकालीन र दीर्घकालीन स्वरूपमा कार्ययोजना र क्रियाकलापहरू निर्माण गरी कार्यान्वयन गरिनेछ । साथै मार्गचित्र परिणाममूखी कार्यान्वयनका लागि देहायबमोजिमको उच्च स्तरीय निर्देशक समिति र मार्गचित्र कार्यान्वयन, अनुगमन तथा सहजीकरण समितिको व्यवस्था गरिनेछ ।

६. कृषि विकास रणनीति (ADS) बारे संक्षिप्त जानकारी

सारांश (SUMMARY)

कृषि विकास रणनीति (एडिएस) कृषि विकास मन्त्रालयले राष्ट्रिय किसान सञ्जालसँगको सहकार्यमा एसियाली विकास बैंक लगायतको १३ वटा विकास साझेदारहरू संलग्न प्राविधिक सहायता टोली (TA Team) को सहयोगमा तयार गरेको हो । यस रणनीतिको उद्देश्य १० वर्षे कार्ययोजना र मार्ग चित्र सहित कृषि क्षेत्रको विगत तथा वर्तमानका कामहरूको समीक्षामा आधारित कृषि विकासको समष्टिगत २० वर्षे रणनीतिक योजना प्रस्तुत गर्नु हो ।

एडिएस र कृषिको रूपान्तरण प्रक्रिया (ADS AND THE PROCESS OF AGRICULTURAL TRANSFORMATION)

एडिएस को तर्जुमा मूलतः कृषिमा आधारित समुदायलाई सेवा र उद्योग क्षेत्रबाट बढी आय आर्जन गर्न सक्ने गरी कृषि क्षेत्रको रूपान्तरण गर्ने अवधारणामा आधारित छ । नेपालीको लागि खाद्य उत्पादन तथा वितरण, गैर कृषि क्षेत्रसहितको ग्रामीण विकास, श्रमिक र जमिनको उत्पादकत्व वृद्धि, व्यापार सन्तुलन, रोजगारी र युवा पलायन, कृषि क्षेत्रमा महिलाको भूमिका र जलवायु परिवर्तनको सन्दर्भमा प्राकृतिक स्रोत-साधनको व्यवस्थापन आदिका लागि रूपान्तरण प्रक्रियाको उपादेयता स्थापित हुने छ । एडिएसले कृषि क्षेत्रको रूपान्तरण प्रक्रियालाई गति दिने र नेपाली समाजको आकाङ्क्षा तथा समस्याहरूबीच सही तालमेल सुनिश्चित गर्ने छ ।

एडिएस को परिकल्पना (VISION OF THE ADS)

“आर्थिक वृद्धिलाई गति दिने, जीवनस्तरलाई माथि उकास्ने, खाद्य तथा पोषण सुरक्षामा योगदान दिने, खाद्य सम्प्रभुता उन्मुख आत्मनिर्भर, दिगो, प्रतिस्पर्धी तथा समावेशी कृषि क्षेत्र”

तालिका १: एडिएस परिकल्पनाका लागि सूचकहरू र लक्ष्यहरू(Indicators and Targets for ADS Vision)

| परिकल्पनाका सम्भाग | सूचकहरू | २०१५ को अवस्था | अल्पकालीन लक्ष्य (५वर्ष) | मध्यकालीन लक्ष्य (१० वर्ष) | दीर्घकालीन लक्ष्य (२० वर्ष) |
|--|---|---------------------------------------|---------------------------------------|--------------------------------------|--------------------------------------|
| आत्मनिर्भरता (Self-reliant) दिगोपन Sustainable | खाद्यान्नमा आत्मनिर्भरता | खाद्यान्नमा १६ प्रतिशत व्यापार घाटा | ० प्रतिशत व्यापार घाटा | ०-५ प्रतिशत अतिरिक्त निर्यात व्यापार | ०-५ प्रतिशत अतिरिक्त निर्यात व्यापार |
| | वर्षैरि सिंचाइ | २५.२ प्रतिशत | ३५ प्रतिशत | ६० प्रतिशत | ८० प्रतिशत |
| प्रतियर्धी Competitive | माटोमा प्राङ्गारिक पदार्थ | १.९६ प्रतिशत | ३.० प्रतिशत | ३.९२ प्रतिशत | ४ प्रतिशत |
| | हैशियत विप्रीएको जमिन (degraded land) | ३.७२ मिलियन हेक्टर | ३.७२ मिलियन हेक्टर | २.८८ मिलियन हेक्टर | १.६ मिलियन हेक्टर |
| समावेशी (Inclusive) | जंगलले ढाकेको | ४४.७ प्रतिशत | ४४.७ प्रतिशत | ४४.७ प्रतिशत | ४४.७ प्रतिशत |
| | जमिनको उत्पादकत्व (कृषिक्षेत्रको कुल गार्हस्थ उत्पादन प्रति हेक्टर) | ३,२७८ अमेरिकी डलर | ४,१८४ अमेरिकी डलर | ५,३३९ अमेरिकी डलर | ८,६९७ अमेरिकी डलर |
| समावेशी (Inclusive) | कुल गार्हस्थ उत्पादनमा कृषि व्यवसायको प्रतिशत | ८ प्रतिशत | ९ प्रतिशत | ११ प्रतिशत | १६ प्रतिशत |
| | कृषि व्यापार सन्तुलन | व्यापार घाटा १,१२३ मिलियन अमेरिकी डलर | व्यापार घाटा १,०७३ मिलियन अमेरिकी डलर | व्यापार घाटा ८८२ मिलियन अमेरिकी डलर | व्यापार बचत ५०८ मिलियन अमेरिकी डलर |
| समावेशी (Inclusive) | कृषिजन्य निर्यात | २५५ मिलियन अमेरिकी डलर | ४५६ मिलियन अमेरिकी डलर | ८१४ मिलियन अमेरिकी डलर | २,५९८ मिलियन अमेरिकी डलर |
| | महिलाको वा संयुक्त स्वामित्वमा रहेको कृषियोग्य जग्गा प्रतिशत | १६ प्रतिशत | २० प्रतिशत | ३० प्रतिशत | ५० प्रतिशत |
| समावेशी (Inclusive) | कृषि कार्यक्रमको पहुँचमित्रका कृषक प्रतिशत | १८.२ प्रतिशत | २२ प्रतिशत | २६ प्रतिशत | ३२ प्रतिशत |

| परिकल्पनाका सम्भाग | सूचकहरू | २०१५ को अवस्था | अल्पकालीन लक्ष्य (५वर्ष) | मध्यकालीन लक्ष्य (१० वर्ष) | दीर्घकालीन लक्ष्य (२० वर्ष) |
|--|--|--|--|--|---|
| वृद्धि (Growth) | कृषि क्षेत्रको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको औसत वृद्धिदर | २.२३ प्रतिशत (८) | ४ प्रतिशत | ५ प्रतिशत | ६ प्रतिशत |
| जीविकोपार्जन (Livelihood) | कृषि क्षेत्रको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन/कृषि श्रमिक ग्रामीण क्षेत्रहरूमा गरीबी | ८३५ अमेरिकी डलर | १,०२९ अमेरिकी डलर | १,२६८ अमेरिकी डलर | १,९२६ अमेरिकी डलर |
| खाद्य तथा पोषण सुरक्षा (Food and Nutrition Security) | खाद्य जनित गरिबी (८८) पोषण | २७.६ प्रतिशत | १९ प्रतिशत | १३ प्रतिशत | ६ प्रतिशत |
| | | १. पुङ्कोपन (stunting) ३७.४ प्रतिशत, २. कम तौल (underweight) २०.१ प्रतिशत, ३. सुकेनास (ख्याउटे पना) लागेका जनसङ्ख्या (wasting) को प्रतिशत ११.३, ४. बिएमआई (Body Mass Index) कम भएका महिलाको प्रतिशत १८.१ | पुङ्कोपन (stunting) २९ प्रतिशत, कम तौल (underweight) हुने २० प्रतिशत, सुकेनास लागेका जनसङ्ख्या (wasting) को प्रतिशत ५, बिएमआई कम भएका महिलाको प्रतिशत १५ | पुङ्कोपन (stunting) २० प्रतिशत, कम तौल (underweight) हुने १३ प्रतिशत, सुकेनास लागेका जनसङ्ख्या (wasting) को प्रतिशत ३, बिएमआई कम भएका महिलाको प्रतिशत १३ | पुङ्कोपन (stunting) ८ प्रतिशत, कम तौल (underweight) हुने ५ प्रतिशत, सुकेनास लागेका जनसङ्ख्या (wasting) को प्रतिशत १, बिएमआई कम भएका महिलाको प्रतिशत ५ |

एडिएस एक जीवन्त रणनीति हो (ADS is a living strategy) एडिएसको पाँच पाँच वर्षमा बाह्य समिक्षा गरी त्यसमा सरकार र नागरिक समाजले व्यापक छलफल गर्ने छन् र निरन्तर संशोधन कल्पना गरिएको छ ।

स्रोत: कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय

७ राष्ट्रिय किसान आयोग

परिचय:

मुलुकको अर्थतन्त्रको मेरुदण्डको रूपमा रहेको कृषि क्षेत्रलाई आधुनिकीकरण, व्यवसायीकरण र विविधीकरण गरी किसानको हकहितको संरक्षण एवं प्रवर्द्धन गर्न तथा कृषि सम्बन्धी नीति, ऐन, कानून तथा योजना तर्जुमाको साथै कृषि अनुसन्धान र प्रसारलाई किसानमैत्री बनाई किसानहरूको हक हित र अधिकारको रक्षा गर्दै कृषि उत्पादनमा नेपाललाई आत्मनिर्भर बनाउनु वाञ्छनीय भएको तथ्यलाई आत्मसाथ गर्दै कृषि विकास रणनीति सन् (२०१५-३५) ले परिलक्षित गरे बमोजिमका उद्देश्य हासिल गर्न नेपाल सरकारबाट मिति २०७३।१।०६ मा जारी राष्ट्रिय किसान आयोग गठन कार्यकारी आदेश, २०७३ अनुसार राष्ट्रिय किसान आयोग गठन भएको हो । यस आयोगको कार्यालय हरिहरभवन, ललितपुरमा अवस्थित छ ।

दूरदृष्टि:

आम किसानको हक हित र अधिकारको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्ने मूल मर्मलाई आत्मसात गर्दै कृषि नै विकास र समृद्धिको आधार हो भन्ने मान्यताका साथ किसान अधिकार संस्कृतिको विकास गर्ने ।

लक्ष्य:

किसान अधिकारमैत्री वातावरण निर्माण मार्फत सबै किसानले आफूलाई प्राप्त अधिकारको निर्वाध उपभोग गर्न पाउने स्थिति निर्माण गर्ने ।

ध्येय:

विश्वव्यापी रूपमा आत्मसात गरिएका किसान अधिकारका सिद्धान्त, मूल्य मान्यतालाई अवलम्बन गर्दै स्वतन्त्र, निष्पक्ष, विश्वसनीय तथा नेतृत्वदायी राष्ट्रिय किसान अधिकार सम्बर्द्धन र प्रवर्द्धन गर्ने संस्थाको रूपमा आयोग रहनेछ ।

काम, कर्तव्य र अधिकार:

राष्ट्रिय किसान आयोग गठन कार्यकारी आदेश, २०७२ मा उल्लेख भए बमोजिम आयोगलाई देहायका काम कर्तव्य र अधिकारहरू तोकिएको छ।

- क. कृषि विकास रणनीतिको सफल कार्यान्वयन गर्नको लागि कृषि विकास मन्त्रालय लगायत कृषि क्षेत्र सँग सम्बन्धीत निकायहरू समक्ष समय सापेक्ष सुधारका सम्बन्धमा नेपाल सरकारलाई राय सुझाव दिने
- ख) किसानहरूको हक हितलाई प्रवर्द्धन गर्न किसान कल्याणकारी योजना Farmer welfare scheme तर्जुमा गरी नेपाल सरकारलाई सिफारिस गर्ने ।
- ग) नेपाल सरकारले जारी गरेका विद्यमान नीति ऐन नियममा किसान अधिकारमा रहेको नीतिगत भिन्नता (policy gap) को सम्बन्धमा अध्ययन तथा विश्लेषण गरी सुधारको लागि नेपाल सरकारलाई सुझाव दिने ।
- घ) किसान हक हित अधिकार एंवम किसानहरूको राज्य प्रतिको कर्तव्य र दायित्वका लागि नयाँ नीति ऐन वा नियमावली बनाउन नेपाल सरकारलाई सहयोग गर्ने ।
- ङ) किसान अधिकारको अनुगमन, सुपरिवेक्षण गर्ने र सुधारको लागि नेपाल सरकार समक्ष सिफारिस गर्ने ।

- च) कृषि कार्यमा प्रयोग हुने प्राकृतिक स्रोत साधनमा किसानहरूको पहुँच बढाउने र अधिकार स्थापना गर्ने ठोस कार्य योजना नेपाल सरकार समक्ष सिफारिस गर्ने ।
- छ) विभिन्न बाली वस्तुहरूको बजार सरलीकरण गुणस्तर तथा लागत प्रतिस्पर्धात्मकता अभिवृद्धि र मुल्य अभिवृद्धिको आधारमा किसानले उचित मुल्य पाउने उपायको बारेमा नेपाल सरकारलाई सुझाव दिने ।
- ज) वस्तुगत संघ, उत्पादक सहकारी संघ तथा किसान संजाल एवं संगठनहरूको क्षमता अभिवृद्धि गरी किसानहरूको हक अधिकारको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्ने उपायहरू सम्वन्धमा नेपाल सरकारलाई सुझाव दिने ।
- झ) किसानहरूको परम्परागत ज्ञान सिप प्रविधि रैथाने जात बिउ नश्ल तथा किसानहरूले विकास गरेका बालीरपशु नश्लमा उनीहरूको पहुँच र प्रयोग बढाउन तथा त्यसमा किसानहरूको अधिकार स्थापना गर्न नेपाल सरकारलाई आवश्यक सुझाव दिने ।
- ञ) कृषि पेशा लाई आकर्षित बनाउन अवलम्बन गर्नु पर्ने किसान अधिकार सम्वन्धी नीति तथा कार्यक्रमका सम्वन्धमा अध्ययन अनुसन्धान गर्ने गराउने ।
- ट) संविधानले व्यवस्था गरेका किसानहरूका हक हित र अधिकारहरू कार्यान्वयन भए नभएको सम्वन्धमा अध्ययन गरी नेपाल सरकारलाई आवश्यक सिफारिस गर्ने ।
- ठ) किसान संघ संगठनहरू (समूह, सहकारी, गै.स.स. बाहेक)लाई दर्ता गरी नियमन गर्ने ।
- ड) सरकारी तथा गैर सरकारी एंव निजी क्षेत्रबाट संचालित नीति तथा कार्यक्रम र आयोजनाहरू बाट किसानहरूको अधिकार हनन् भएमा सम्वन्धित निकाय र नेपाल सरकारलाई जानकारी गराइ आवश्यक सिफारिस गर्ने ।
- ढ) नेपाल सरकारले समय समयमा तोकेका अन्य काम गर्ने ।

स्रोत: राष्ट्रिय किसान आयोग, हरिहरभवन

८. प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकिकरण परियोजना

(स्वदेशी सोच, स्वदेशी लगानी र आन्तरिक संस्थागत जनशक्तिबाट तयार भएको कृषि विकास रणनीति कार्यान्वयको सहयोगी परियोजना)

परिचय:

नाम: प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकिकरण परियोजना

परियोजनाको अवधि: २०७३ श्रावण – २०८२ असार (१० वर्ष)

परियोजना अवधिभरको कूल अनुमानित लागत: रु. १ खर्ब ३० अर्ब ७४ करोड २० लाख

पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोनको संख्यामा संभाव्यता र आवश्यकताको आधारमा क्रमश वृद्धि गर्दै कम्तिमा १५ हजार पकेटहरू, १५०० ब्लकहरू, ३०० जोनहरू र २१ वटा सुपरजोनहरू स्थापना गरी ३ वर्षभित्र प्रमुख खेद्यान्न वालीहरूमा, २ वर्षभित्र तरकारी वाली तथा माछामा र ७ वर्षभित्र प्रमुख फलफुल वालीमा आत्मनिर्भर रहने लक्ष्य लिएको छ ।

सम्भागहरू:

१. साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्यक्रम (न्यूनतम क्षेत्रफल १० हे.)
२. व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (ब्लक) विकास कार्यक्रम (न्यूनतम क्षेत्रफल १०० हे.)
३. व्यवसायिक कृषि उत्पादन तथा प्रशोधन केन्द्र (जोन) विकास कार्यक्रम (न्यूनतम क्षेत्रफल ५०० हे.)

४. बृहत व्यवसायिक कृषि उत्पादन तथा औद्योगिक केन्द्र (सुपरजोन) विकास कार्यक्रम (न्यूनतम क्षेत्रफल १००० हे.)

संचालनको अवधारणा:

- ३.१ कृषि योग्य जमिनको चकलाबन्दी
- ३.२ विशिष्टिकृत व्यवसायीकरण
- ३.३ उन्नत प्रविधि र गुणस्तरीय पूर्वाधार विकास
- ३.४ अन्तराष्ट्रिय रूपमा बजारमा प्रतिस्पर्धि कृषि र औद्योगिकरण
- ३.५ उपलब्धिमा आधारित सहजीकरण (Smart Output Based Facilitation)

संचालन गर्ने निकाय: नेपाल सरकार, कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय

सहयोगी निकायहरू

१. अर्थ मन्त्रालय
२. उर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मन्त्रालय
३. वन तथा वातावरण मन्त्रालय
४. उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालय
५. संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय
६. शहरी विकास मन्त्रालय
७. भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मन्त्रालय
८. शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय

अपेक्षित प्रतिफल:

- ७.१ परियोजना संचालनको ३ वर्ष भित्र प्रमुख खाद्यान्न वालीहरू (धान, गहुँ, मकै) मा, २ वर्ष भित्र तरकारी वाली र माछामा र ७ वर्ष भित्र प्रमुख फलफुल वालीमा आत्मनिर्भर भएको हुनेछ ।

सहजीकरण सेवा र सुविधा

| क्र.मं. | विवरण | सहजिकरण (Facilitation) |
|---------|--|------------------------|
| १ | कृषि उत्पादन सामग्रीहरू स्रोत केन्द्र (वीउ, वेर्ना, विरुवा, माछा भुरा लगायत) | ५० प्रतिशत |
| २ | प्राविधिक सहयोग | १०० प्रतिशत |
| ३ | प्रयोगशाला सेवाहरू | ८५ प्रतिशत |
| ४ | कृषि औजार तथा उपकरणहरू | ५० प्रतिशत |
| ५ | साना सिंचाइ पूर्वाधारहरू | ८५ प्रतिशत |
| ६ | उत्पादनोपरान्त तथा कृषि व्यवसाय सेवा पूर्वाधारहरू | ८५ प्रतिशत |

केही अत्यावश्यक उत्पादन सामग्रीहरूको व्यवस्थापनका लागि निर्देशक समितिको निर्णयानुसार थप सहजिकरणका विषयहरू निर्णय हुन् ।

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना

मसिर सम्मको जोन, सुपरजोनहरुको कार्यक्षेत्र २०७५

| क्र.सं. | जिल्ला/ भौगोलिक क्षेत्र | बाली | सम्पर्क नं. | इमेल |
|---------|-------------------------|-----------------|------------------------|---------------------------------|
| १ | झापा | धान (सुपरजोन) | ९८५२६५५१७० | superzonejhapa@ic2073@gmail.com |
| २ | झापा | सुपारी जोन | ९८५२६७७००३ | suparizejhapa@gmail.com |
| ३ | झापा | खर जोन | ९८४२६८३८८३ | rabarzonejhapa@gmail.com |
| ४ | इलाम | किवि जोन | ९८५२०४१८९५, ९८४५६९२९२७ | ilamkiwizone@gmail.com |
| ५ | पाँचथर | अलैची जोन | ९८५२६८४३२, ०२४-५२१०९८ | zone5thar@gmail.com |
| ६ | ताप्लेजुङ्गा | अलैची जोन | ९८६२८५५०४२ | czonetpj@gmail.com |
| ७ | मोरङ | माछा जोन | ९८४२०२०२१४, ०२१-५३६०२४ | pmamp.zonemorang@gmail.com |
| ८ | मोरङ | धान जोन | ९८४२०२०२१४, ९८४२०८४७५७ | upenwal@gmail.com |
| ९ | सुनसरी | अदुवा/बेसार जोन | ९८५२०४८१८३, ०२५-५३२१५१ | pm.sunsari123@gmail.com |
| १० | सुनसरी | माछा जोन | ९८५२०४८१८३ | pmamp.sunsarifish@gmail.com |
| ११ | सुनसरी | धान जोन | ९८५२०६४१३३ | neelkamalsingh10@gmail.com |
| १२ | भोजपुर | अलैची जोन | ९८४२३०४१४९ | zonehhojpur@gmail.com |
| १३ | धनकुटा | तरकारी जोन | ९८४२६७२८६८, ०२६-४०४१९० | zonethankuta@gmail.com |
| १४ | संखुवासभा | अलैची जोन | ९८४५८१७०१३ | lama23prabin@gmail.com |
| १५ | उदयपुर | सुन्तला जोन | ९८५२८३५५६१ | pmampczonudp@gmail.com |
| १६ | उदयपुर | अदुवा/बेसार जोन | ९८४४०८६२२१ | dadoudayapur@gmail.com |
| १७ | खोटाङ | मकै/मकै बीउ जोन | ९८११७५१३२५ | pmamp.piukhotang@gmail.com |
| १८ | आखलढुंगा | आलु जोन | ९८४१४६३७११ | potatozoneokd@gmail.com |
| १९ | सोलुखुम्बु | सुन्तला जोन | ९८४१३०६३३६ | pmamp.ziusolu@gmail.com |
| २० | सोलुखुम्बु | अदुवा/बेसार जोन | ९८४१३०६३३६ | mnpoude12015@gmail.com |
| २१ | धनुषा | माछा सुपरजोन | ९८५४०२४२३४, ०४१-४२०३२२ | pmampfishszdhanusha@gmail.com |
| २२ | धनुषा | धान जोन | ९८५४०२००५३ | dhanzonezhanusha@gmail.com |

| क्र.सं. | जिल्ला/भौगोलिक क्षेत्र | बाली | सम्पर्क न. | इमेल |
|---------|------------------------|----------------|------------------------|-----------------------------------|
| २३ | बारा | माछा सुपरजोन | ९८५५०४८८९९, ०५३-५५००१७ | ganesh.mishra1961@gmail.com |
| २४ | सर्लाही | धान जोन | ९८५४०३८८०६, ०४६-६२०५०५ | pmampzonesarlahi@gmail.com |
| २५ | रौतहट | तरकारी जोन | ९८४२८२०९६५, ०५५-५६५०७८ | rmahatha@gmail.com |
| २६ | पर्सा | तरकारी जोन | ९८५५०३६४१५, ९८१९२०५८५१ | pmampparsa@gmail.com |
| २७ | सप्तरी | आँप जोन | ९८१४७१९९५७ | mangozonesaptari@gmail.com |
| २८ | सिराहा | धान जोन | ९८५४०२४५३७, ०३३-५४५१६६ | pmamp.piu.zonericesirha@gmail.com |
| २९ | सिन्धुली | जुनार सुपरजोन | ९८५५०८११७७, ०४७-६९२०२७ | junarsuperzone@gmail.com |
| ३० | काभ्रे | आलु सुपरजोन | ९८४११४०००२, ०११-६६२४४९ | superzonekavre@gmail.com |
| ३१ | दोलखा | किवि जोन | ९८५४०४८११७ | pmamp.kiwidolakha@gmail.com |
| ३२ | सिन्धुपाल्चोक | मकै जोन | ९८४१८८२७९८ | sindhuzone75@gmail.com |
| ३३ | मकवानपुर | तरकारी जोन | ९८५५०८२५५५ | sujanamgaj@gmail.com |
| ३४ | भक्तपुर | आलु जोन | ९८४१६०९५२४, ०१-५१४२१३१ | bhaktapurzone@gmail.com |
| ३५ | नुवाकोट | तरकारी जोन | ९८५११०५८५६ | vegetablenuwakot@gmail.com |
| ३६ | नुवाकोट | आलु जोन | ९८४१५८१६१८, ०१०-४१८०४२ | jonepiu.nuwakot2073@gmail.com |
| ३७ | धादिङ्ग | तरकारी जोन | ९८४१४१२५८३, ०१०-४१६१११ | kaflekr@gmail.com |
| ३८ | धादिङ्ग | मकै जोन | ९८५६०३०३६४ | pmampdhading@gmail.com |
| ३९ | चितवन | तरकारी जोन | ९८४५११०८८४ | Pmamp.veg.zone.chitwan@gmail.com |
| ४० | चितवन | केरा जोन | ९८४१७६५४१८ | zonebananactw@gmail.com |
| ४१ | चितवन | मौरी जोन | ९८५५०८२२१७० | pmampbeezonechitwan@gmail.com |
| ४२ | कास्की | तरकारी सुपरजोन | ९८५६००७१००, ०६१-४६२४८८ | pmampsuperzonekaski4@gmail.com |
| ४३ | गोरखा | सुन्तला जोन | ९८५६०१०९१० | adhikari.ajaya@gmail.com |
| ४४ | तनहुँ | तरकारी जोन | ९८४६०८९६१० | pmamp.vegzone.tanahu@gmail.com |
| ४५ | लमजुङ्गा | अलैची जोन | १८४६१४१४२८ | koiralagov.58@gmail.com |
| ४६ | नवलपरासी (पूर्व) | सुन्तला जोन | ९८५८०६००३१ | pmampnawalparasi2018@gmail.com |

| क्र.सं. | जिल्ला/भौगोलिक क्षेत्र | बाली | सम्पर्क न. | इमेल |
|---------|---------------------------------------|-----------------|------------------------|--|
| ४७ | पाल्पा | तरकारी जोन | ०७५-५२११८० | pmampzonepalpa@gmail.com |
| ४८ | मुस्ताङ | स्याङ जोन | १८५७६५००८८ | applezonemustang@gmail.com |
| ४९ | मनाङ | स्याङ जोन | १८५६०४६३०६, ०६६-४४०२१३ | dadomustang@gmail.com |
| ५० | पर्वत | मकै जोन | १८५६००७१०० | dadomanang1@gmail.com |
| ५१ | स्याङ्जा | सुन्तला सुपरजोन | १८५६०५०००८, ०६३-४२०४८० | applezonemanang@gmail.com |
| ५२ | म्याग्दी (म्याग्दी, वाग्लुङ्ग, पर्वत) | सुन्तला जोन | १८४३२१७६४४ | pmampzoneparbat@gmail.com |
| ५३ | बाग्लुङ्ग (वाग्लुङ्ग र गुल्मी) | आलु जोन | १८४५०८८४४६ | suntalazonemyagdi@gmail.com |
| ५४ | गुल्मी | कफी सुपरजोन | १८६६३३२०५६ | Kp34271@gmail.com |
| ५५ | गुल्मी | मकै/मकै बीउ जोन | १८५५०६६१०५, ०७९-५२०१३० | umanathbhandari1@gmail.com |
| ५६ | गुल्मी | सुन्तला जोन | १८६७४२३३१६, १८५५०५३१२१ | pmampgulmi@gmail.com |
| ५७ | दाङ्ग | मकै सुपरजोन | १८४५०६४४१३, ०८२-४१७०७० | shree2024prasad@gmail.com |
| ५८ | दाङ्ग | तोरी जोन | १८५११८४५३७ | dangsuperzone@gmail.com |
| ५९ | कपिलबस्तु | धान सुपरजोन | १८५११६४६४९, ०७६-५५०३४७ | indraoli@yahoo.com torizonedang@gmail.com |
| ६० | कपिलबस्तु | तरकारी जोन | १८५७००५१४२३ | Pmproject2073@gmail.com |
| ६१ | कपिलबस्तु | माछा जोन | १८४८४२३१९४ | pmampvegzonekapilvastu@gmail.com |
| ६२ | प्युठान | धान जोन | १८५७८३६१२०, ०८६-४६०३४३ | gchaudhary06@gmail.comkapilvastufishzone@gmail.com |
| ६३ | अर्घाखाँची | तरकारी जोन | १८५७०६०४४६ | bhaskar_pdl@yahoo.com |
| ६४ | रामेछेही | माछा जोन | १८५७०१६११७, ०७९-५२७००६ | pmampznpnyuthan@gmail.com |
| ६५ | रोल्पा | मकै जोन | १८४५४२१९७२ | pmamppakz@gmail.com |
| | | | | zonerupandehi@gmail.com |
| | | | | zoneroipa@gmail.com |
| | | | | pradhk69@gmail.com |

| क्र.सं. | जिल्ला/ भौगोलिक क्षेत्र | बाली | सम्पर्क न. | इमेल |
|---------|-------------------------|-----------------|------------------------|---------------------------------|
| ६६ | रुकुम (पूर्व) | ओखर जोन | ९८४८४३३३७२ | pmampwainutzzone@gmail.com |
| ६७ | रुकुम | तरकारी जोन | ९८४१५५८०३९, ०८८-४०११२० | rukumzone@gmail.com |
| ६८ | दैलेख | मुन्तला जोन | ९८४८०६२९७६ | pmampdailekh@gmail.com |
| ६९ | जाजरकोट | मुन्तला जोन | ९८५११६४७४० | pmampjkt@gmail.com |
| ७० | सल्यान | अदुवा/बेसार जोन | ९८४८०३०६१६, ०८८-४००२२७ | piuzonesalyan@gmail.com |
| ७१ | कालिकोट | स्याउ जोन | ९८४८१३४२७५ | |
| ७२ | जुम्ला | स्याउ सुपरजोन | ९८५१२१५३३९, ०८७-५२०६६६ | superzonejumla66@gmail.com |
| ७३ | सुर्खेत | अदुवा/बेसार जोन | ९८५१२४७१६४, ०८३-५५५३२४ | pmampsurkhet@gmail.com |
| ७४ | बाँके | मकै जोन | ९८४७०२३०८३, ०८१-५२७७६१ | zonebanke@gmail.com |
| ७५ | बर्दिया | धान सुपरजोन | ९८५८०३४४४४, ०८४-४६०१४९ | pmamp.rice.rajapur@gmail.com |
| ७६ | कैलाली | गहुँ सुपरजोन | ९८५१०८२३३२ | pmampsuperzonekailali@gmail.com |
| ७७ | कैलाली | तेलहन वाली जोन | ९८४८६८८७४३ | oilseedszone.kailali@gmail.com |
| ७८ | डडेल्धुरा | आलु सुपरजोन | ९८४८४८५६२६, ०९६-४१००९२ | pmampzonedadeldhura@gmail.com |
| ७९ | कंचनपुर | धान जोन | ९८४९९८१८२०, ०९९-५२२२३७ | pmampkanchanpur@gmail.com |
| ८० | अछाम | आलु जोन | ९८४८६२०९२६, ०९७-६२०१८७ | pmampachham75@gmail.com |
| ८१ | दार्चुला | स्याउ जोन | ९८४८७७२४७० | bishnu.ojha63@gmail.com |
| ८२ | वैतडी | मकै जोन | ९८४८७१६५२१ | haribaitadi2075@gmail.com |
| | | | | jayrajawasthi@gmail.com |
| ८३ | बाजुरा | जैतुन जोन | ९८५८४८५५८४, ०९७-५०१०७० | zonebajura@gmail.com |

स्रोत: प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकिकरण परियोजना खुमलटार ललितपुर

८. बाली तथा पशुपन्धी बीमा

बीमा ऐन, २०४९ को दफा ८(घ२) ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी बीमा समितिले कृषि विकास मन्त्रालयको सहयोग र समन्वयमा बाली तथा पशुपन्धी बीमा निर्देशन, २०६९ जारी गरेको छ । यो निर्देशन वि.सं.२०६९ साल माघ १ गतेदेखि लागू भएको छ । निर्देशन जारी भएसँगै समितिले धान बाली, तरकारी खेती, फलफूल खेती, आलु खेती, पशुधन, पंक्षी र माछा बीमालेखको ढाँचा तथा अन्य व्यवस्था तोकिसकेको छ । बीमा शुल्कको पचास प्रतिशत रकम नेपाल सरकारले व्यहोर्ने व्यवस्था समेत भई सकेको छ । ईच्छुक बीमा कम्पनी (बीमक) हरूले निर्देशनको अधिनमा रही बीमा समितिबाट स्वीकृति लिएर बाली तथा पशुपन्धी सम्बन्धी बीमाको सेवा संचालन गर्न सक्नेछन् । बीमकले बाली तथा पशुपन्धी बीमाको लागि प्रचलित कानून बमोजिमको पशुपन्धी व्यक्ति, संगठित संस्था, समूह आदिलाई बीमा अभिकर्ताको रूपमा कार्य गराउन सक्नेछ । बाली तथा पशुपन्धी बीमामा कार्य गर्ने कर्मचारी तथा आफुले नियुक्त गरेका बाली तथा बीमा सम्बन्धी कार्य गर्ने बीमा अभिकर्तालाई काममा लगाउनु पूर्व बीमा कम्पनी (बीमक) ले बाली पशुपन्धी तथा बीमा सञ्चालन, व्यवस्थापन, वितरण तथा दावी भुक्तानी प्रकृया सम्बन्धमा आधारभूत तालिम दिनु पर्नेछ । कृषक (बीमित) हरूले अभिकर्ताको सहयोगमा माथि उल्लेखित बाली, पशुपन्धी तथा माछापालन बीमालेखमा तोकिएको सर्त बमोजिम निर्धारित प्रस्ताव फारम भरी आफ्नो व्यवसायको बीमा गराउन सक्नेछन् । बीमा अभिकर्ताले बीमा गराए वापत कमिशन पाउने व्यवस्था गरिएको छ । बीमा गर्दा प्रस्ताव फारमको साथ सम्बन्धित प्राविधिकको प्रमाणपत्र समेत पेश गर्नु पर्दछ । प्राविधिक ब्यक्ति भन्नाले बाली बीमाको हकमा कृषि सेवा केन्द्र वा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाबाट कृषि बिषयमा आधारभूत ज्ञान हासिल गरी सम्बन्धित निकायबाट सो सम्बन्धमा कार्य गर्ने इजाजत प्राप्त व्यक्ति र पशुपन्धी बीमाको हकमा पशु सेवा केन्द्र, उपकेन्द्रका प्राविधिक वा भेटेरीनरी जे.टि., जे.टि.ए.वा ग्रामीण पशुपन्धी स्वास्थ्य कार्यकर्ता वा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाबाट पशुपन्धी चिकित्सा/पशुपन्धी विज्ञान विषयमा ज्ञान हासिल गरी सम्बन्धित निकायबाट सो सम्बन्धमा कार्य गर्ने इजाजत प्राप्त व्यक्ति भनी परिभाषित गरिएको छ । बाली तथा पशुपन्धी बीमा निर्देशन, २०६९ र विभिन्न बाली, पशुपन्धी तथा माछा सम्बन्धी बीमालेखमा उल्लेख भएका केही मुख्य अंशहरु तपसिलमा दिईएको छ ।

बाली तथा पशुपन्धी बीमाको बीमा शुल्क कमिशन सम्बन्धी व्यवस्था

| क्र.सं. | बाली तथा पशुपन्धी बीमाको किसिम | बीमा शुल्क | कमिशन |
|---------|--------------------------------|----------------------------------|--|
| १ | बालीबीमा | बीमाङ्कको ५ प्रतिशत (प्रतिबाली) | बीमा शुल्कको १५ प्रतिशत |
| २ | पशुबीमा | बीमाङ्कको ५ प्रतिशत (प्रति वर्ष) | बीमा शुल्कको १५ प्रतिशत |
| ३ | पंक्षी बीमा | व्यवसायिक | बीमाङ्कको ५ प्रतिशत प्रति समूह (व्याच) |
| | | घरपालुवा | बीमाङ्कको ५ प्रतिशत प्रति समूह (व्याच) |

सदस्य संस्था मार्फत बीमा भएमा कूल बीमा शुल्कमा १५ प्रतिशत छुटको व्यवस्था छ ।

माछाको बीमाशुल्क

- एक वर्ष वा सो भन्दा कम अवधिको लागि पालिने माछाको बीमाशुल्क बीमाङ्क रकमको दुई (२) प्रतिशत हुनेछ । तर बिषेश सघन प्रबिधि अनुसार माछा पालन गरिएको अवस्थामा बीमाशुल्कमा दश (१०) प्रतिशत छुट दिईनेछ ।

- माछाको बीमा अवधि न्यूनतम तीन(३) महिनाको हुनेछ । पोखरी/रेसवेमा भुरा राखेको पन्ध्र (१५) दिन भित्र बीमा गरी सक्नुपर्नेछ ।
- बीमितले माछा पालनको लागि तयार गरिएको पोखरी/रेसवेको बीमा गर्न चाहेमा त्यस्तो
- पोखरी/रेसवेको बीमाङ्क रकमको एक(१) प्रतिशत बीमाशुल्क भुक्तानी गरी सम्पुष्टि द्वारा थप सुरक्षण लिन सकिनेछ ।

सुरक्षण हुने बालीको क्षेत्रफल र लागत

बालीको लागत:- बालीको बीमा गर्दा बाली लगाउँदादेखि बाली पाकदासम्म लाने लागत मूल्य कृषि विकास मन्त्रालय मार्फत उपलब्ध गराएको आधारभूत लागत विवरण बमोजिम हुनेछ ।

न्यूनतम क्षेत्रफल:- प्रत्येक कृषकले सुरक्षण गर्न पाउने बालीको न्यूनतम क्षेत्रफल पहाडमा आठ आना (आधा रोपनी) र तराईमा एक कठ्ठा हुनु पर्नेछ । सो भन्दा कम क्षेत्रफलमा लगाईएको बालीका लागि बीमालेख जारी गरिने छैन ।

सुरक्षण हुने पशुपन्छी धनको अधिकतम बीमाङ्कको सिमा र उमेर

अधिकतम बीमाङ्क:- बैंक वा वित्तीय संस्थाबाट ऋण लिई खरीद गरेको, आफ्नै गोठमा हुर्केको वा आफ्नै लगानीबाट खरीद गरेको पशुपन्छीधनहरूको स्थानिय मूल्यको आधारमा बीमाङ्क रकम देहाय बमोजिम हुनेछ:

क) गाईभैंसी

| गाई | उन्नत | स्थानीय |
|----------------------------|---------------|-------------|
| बाच्छी (१ वर्षसम्मको) | रु.३०,०००।- | रु.१०,०००- |
| बाच्छी (१ वर्षदेखि माथिको) | रु.७५,०००।- | रु.२५,०००।- |
| दुधालु | रु.१,५०,०००।- | रु.५०,०००।- |

वा सोको वास्तविक मूल्य जून कम हुन्छ सो सम्म ।

| भैंसी | उन्नत | स्थानीय |
|----------------------|---------------|-------------|
| पाडी (१८महिनासम्मको) | रु.३०,०००।- | रु.१५,०००।- |
| पाडी (१८महिनामाथिको) | रु.६०,०००।- | रु.३०,०००।- |
| दुधालु | रु.१,२५,०००।- | रु.७०,०००।- |

वा सोको वास्तविक मूल्य जून कम हुन्छ सो सम्म ।

ख) प्रजननको लागि पालिएको प्रति राँगो तथा साँढेको बढीमा रु.७०,०००।- (सत्तरी हजार) वा सोको वास्तविक मूल्य जून कम हुन्छ सो सम्म ।

ग) ढुवानी वा जोत्नको लागि प्रति गोरु वा राँगोको रु ४०,०००।- (चालिस हजार) वा सोको वास्तविक मूल्य जून कम हुन्छ सो सम्म ।

घ) नाक/चौरी

| | |
|-----------|-------------|
| बाच्छी | रु.१२,०००।- |
| कोरेली | रु.२५,०००।- |
| दुधालु | रु.५०,०००।- |
| वयस्क याक | रु.८०,०००।- |

वा सोको वास्तविक मूल्य जून कम हुन्छ सो सम्म ।

ड) मासुको लागि पालिएका भेडा बाख्रा तथा बंगुरको आदिका पाठाहरुको उमेर अनुसार स्थानीय बजारमूल्य वा बढीमा रु.८,०००।- (आठ हजार) हुनेछ ।

च) पाठा पाठी उत्पादनका लागि पालिने माउको मूल्य बढीमा देहाय बमोजिम हुनेछ:

- बाख्रा र भेडा रु.१०,०००।-
- बंगुर रु.१०,०००।-

छ) मासु, चल्ला तथा अण्डाको लागि पालिने हाँस वा कुखुराको मूल्य देहाय बमोजिम हुनेछ:

| | |
|---|------------|
| ब्रोइलर (आठ हप्ताको) (मासु उत्पादन गर्ने) | रु.४००।- |
| लेयर्स (अण्डा पार्ने) | रु.७००।- |
| ह्याचरी (चल्ला पार्ने) | रु.१,२००।- |
| हाँस (अण्डा पार्ने) | रु.७००।- |
| हाँस (मासु उत्पादन गर्ने) | रु.६००।- |

उमेर: पशुधनको बीमायोग्य उमेर (न्यूनतम र अधिकतम) देहाय बमोजिम हुनेछ:-

- स्थानीय तथा उन्नत जातको गाई २ वर्ष (अथवा पहिलो वेत भएको) देखि १० वर्षसम्म
- भैसी ३ वर्ष (अथवा पहिलो वेत भएको) देखि १२ वर्षसम्म
- स्थानीय तथा उन्नत नश्रुको बाच्छी-कोरेली वा पाडीको ६ महिनादेखि २ वर्षसम्म
- प्रजननको लागि उन्नत नश्रुको साँढे वा राँगाको ३ वर्षदेखि ७ वर्षसम्म
- ढुवानी वा जोत्नको लागि गोरु वा राँगा ३ वर्षदेखि १२ वर्षसम्म
- भेडा, बाख्रा र बंगुर ३ महिनादेखि बिक्रीका लागि तयार हुन्जेलसम्म ।

माछापालन विमा

माछा पालनको लागि न्यूनतम २०० वर्ग मिटरको पोखरी र कम्तिमा तीन (३) फिट पानीको गहिराई भएको पोखरी हुनु पर्दछ तर ट्राउट माछाको हकमा प्राविधिकको सिफारिस अनुसारको संरचना भएको हुनु पर्नेछ । अन्य व्यवस्था माछा विमा लेखमा लेखिए अनुसार हुनेछ ।

बाली तथा पशुपन्डीको बीमाङ्कको हकमा प्रत्येक वर्ष तथ्याङ्क हेरी आवश्यक पुनरावलोकन गर्न सकिनेछ तथा निर्देशनमा समावेश नभएका बाली, पशुपन्डी तथा अन्यको बीमाङ्कको हकमा सम्बन्धित मन्त्रालय मार्फत उपलब्ध भएको तथ्याङ्कलाई आधार मानी निर्धारण गर्न सकिनेछ ।

- पशुपन्डीको मूल्य, जात र पालिने क्षेत्र अनुसार फरक फरक हुन सक्नेछ ।

- पशुपन्धीको मूल्याङ्कन गर्दा प्रस्तावित पशुपन्धीको उमेर, स्वास्थ्य स्थिति र उत्पादकत्वको आधारमा गर्नु पर्नेछ ।
- तर यसरी निर्धारण गरिने मूल्य स्थानीय बजारमा चलेको मूल्य भन्दा बढी हुने छैन ।
- बीमा गरिएको बाली तथा पशुपन्धीको बीमा अवधिभित्र क्षति भएमा क्षतिको मूल्याङ्कन सम्बन्धित विशेषज्ञ/प्राविधिकबाट गराउनु पर्नेछ ।

बीमालेखले रक्षावरण गर्ने जोखिमहरू

देहायका कुनै कारणबाट धानबाली, तरकारी, फलफूल, आलु, पंक्षी र माछा बीमा अवधिभित्र हानी नोक्सानी भएमा बीमकले बीमाङ्क रकमको ९० प्रतिशत रकम बीमितलाई भुक्तानी गर्नेछः

(धानबाली, तरकारी, फलफूल, आलु, पंक्षीको हकमा)

- (क) आगलागी, चट्याङ,
- (ख) भूकम्प,
- (ग) बाढी/डुवान /खडेरी,
- (घ) पहिरो/भूस्खलन,
- (ङ) आँधिबेहरी, असिना, हिउँ वा तुसारो,
- (च) आकस्मिक/दुर्घटनाजन्य बाह्य कारणहरू,
- (छ) किरा तथा रोगबाट हुने हानि-नोक्सानी
(माछाको हकमा तलका थप बुँदा समेत)
- (ज) अक्सिजनको कमि, एमोनियाबाट हुने नोक्सानी,
- (झ) बिषालु पदार्थबाट मरेमा ।

पशुधनको हकमा: बीमाको अवधिभित्र पशुधनको विवरण तालिकामा उल्लेख भए बमोजिमका पशुधनहरूको क्षति/हानिनोक्सानी भएमा देहाय बमोजिमको क्षतिपूर्ति रकम बीमकले सम्बन्धित पक्षलाई भुक्तानी गर्नेछ ।

- क) मृत्यु भएमा बीमाङ्क रकमको ९० प्रतिशत
- ख) पूर्ण स्थायी रूपमा अशक्त भएमा बीमाङ्क रकमको ५० प्रतिशत

दाबी सम्बन्धी प्रकृया

बीमालेखले रक्षावरण गरेको जोखिमहरूका कारणबाट बीमित माछा र पंक्षीको हानी नोक्सानी भएमा सात (७) दिनभित्र र धान, तरकारी, फलफूल, आलु –वालिहरूको) हकमा १५ दिनभित्र वा सो अवधिभित्र संभव नभएमा सोको कारण सहित संभव हुनासाथ बैङ्क/सदस्य संस्था मार्फत देहायका कागजातहरू बीमक समक्ष पेश गर्नु पर्नेछ ।

- क) सक्कल बीमालेख
- ख) पूर्ण रूपले भरिएको दाबी फाराम,
- ग) सम्बन्धित प्राविधिकको प्रतिवेदन (पशु र पंक्षीको हकमा मृत्यु प्रमाण-पत्र)
- घ) न.पा./गा.पा./वडाको सर्जिमिन मुचुल्का वा माछा, पशुधन र पंक्षीको हकमा कम्तिमा सबभन्दा नजिकको दुई (२) जना छिमेकीको सर्जिमिन मुचुल्का

बाली तथा पशुपन्छी बीमा गर्ने कम्पनी, तोकिएको जिल्ला र सम्पर्क व्यक्तिहरूको नाम र सम्पर्क नम्बर

| क्र.सं. | बीमा कम्पनी | तोकिएको जिल्ला | सम्पर्क व्यक्तिको नाम | सम्पर्क नं. | इमेल |
|---------|----------------------|--|---|--|---------------------------------|
| १ | युनाइटेड इ. क. लि. | सुनसरी बाजुरा अछाम | श्री जापनाकुमारी सिंह शाही श्री जापनाकुमारी सिंह शाही श्री प्रेमराज रेग्मी | १८६५०६२९ १८६९०२०५०७ १८६८४४७९९ | uic@mail.com.np |
| २ | एमरेष्ट इ. क. लि. | कालिकोट बर्दिया सुर्खेत दैलेख | श्री भुपेन्द्र बम श्री राजु श्रेष्ठ श्री गणेश बहादुर वली रामबहादुर थापा मगर | १८४८०६३९२३ १८६००५१८४ १८४८१०४९५८ १८१८५०८६२७ | info@eic.com.np |
| ३ | सगरमाथा इ. क. लि. | जाजरकोट सुनसरी जुम्ला | श्री चाँपुरायाणविष्ट श्री तिलक बहादुर शाही श्री लोकेन्द्र न्यौपाने | १८४८२०९८९५ १८६३९५६३२२ १८५८०३९९२० | info@sagarmathainsurance.com.np |
| ४ | एन. एल.जी. इ. क. लि. | सल्यान डोल्पा पश्चिमाञ्चल बाँके | श्री विमर्श प्रधान श्री चरन कुमार डि.सी. श्री रेशम कु. बस्नेत श्री शुशीलकुमार श्रेष्ठ | १८५९११५७०६ १७४८०९९१९६ १८९६५६३८१६ ०८१ ४९५९६३ | info@nlgi.com.np |
| ५ | नेशनल इ. क. लि. | प्युठान रोल्पा दाङ्ग अर्घाखाँची | श्री सुनिल पोखरेल श्री जनकराज ओली श्री पेरम घर्ती श्री सरोज कुमार खड्का सरोज कुमार यादव | १८५८०४०९६६ १८५८०४०९६७ १८५८०४०९६७ १८६७७६३८०५ १८६७५९६६७२ | info@nicnepal.com |
| ६ | ओरिएण्टल इ. क. लि. | तेह्रथुम धनकुटा सुनसरी सप्तरी | श्री अर्जुन ढुंगाना श्री अर्जुन ढुंगाना श्री सन्तोष मण्डल श्री गणेश श्रेष्ठ | १८५२०५३२०० १८५२०५३२०० १८५२०२९९०३ १८५२०२७८८८१ | oriental@wlink.com.np |

| क्र.सं. | बीमा कम्पनी | तोकिएको जिल्ला | सम्पर्क व्यक्तिको नाम | सम्पर्क नं. | इमेल |
|---------|-----------------------|--|--|---|---------------------------|
| ७ | हिमालयन जनरल इ.क.लि. | सिन्धुपाल्चोक काम्रेपलान्चोक ललितपुर बारा | श्री निराजनश्रेष्ठ श्री उमेश प्रधान श्री अन्जु श्रेष्ठ श्री शंकर पौडेल | ९८४१८८९०५० ९८५११८५८११ ९८४१३७८१७२ ९८६५०४७६९१ | ktn@hgi.com.np |
| ८ | प्रिमियर इ.क.लि. | दोलाखा सर्लाही सिन्धुली रामेछाप | श्री कल्याण प्रसाद भाडारी श्री रमेश तिमिल्सीना श्री मोतिलालायादव श्री भुपेन्द्र पराजुली | ९८४१८४२००४ ९८४४०३२७८१ ९८४२६४७०५९ ९८१५०३५३४० | premier@picl.com.np |
| ९ | शिखर इ.क.लि. | चितवन चितवन मकवानपुर मकवानपुर नुवाकोट नुवाकोट धादिङ्गा धादिङ्गा | श्री चन्द्रमणिशर्मा श्री ईश्वर अधिकारी श्री प्रमोद पोखरेल श्री जय प्रसाद सुवेदी श्री महेश्वर भुरतेल श्री सुरेन्द्र राई श्री सितारामअर्याल श्री राजकुमार आले | ९८०१०६४११७ ९८४५११३१८३ ९८०१०६७९६९ ९८०१२३५११२ ९८६५७३९०३ ९८४९८५३८१७ ९८५१०६७२७६ ९८४६७५६७०९ | shikharins@mos.com.np |
| १० | आई.एम.ई. जनरल इ.क.लि. | धनुषा महोत्तरी ओखलढुङ्गा सोलुखुम्बु | श्री अर्जुन कु. पौडेल श्री झपेन्द्र विमिरे श्री खुर. हरि दाहाल श्री खगेन्द्र वन | ९८५४०२०९५३ ९८४१५२२१२५ ९८४११४१२०१ ९८१५७६०२३८ | info@iginepal.com |
| ११ | नेपाल इ.क.लि. | दार्चुला वैतडी डडेल्धुरा कञ्चनपुर | श्री महेन्द्र बोहोरा श्री महादेव अवस्थी श्री सागर बम श्री प्रितिमी सुवेदी | ९८६५९८३३४२ ९८४८७७३१८२ ९८४९६७२४५२ ९८६८४०४२८९ | nic@nepalinsurance.com.np |

| क्र.सं. | बीमा कम्पनी | तोकिएको जिल्ला | सम्पर्क व्यक्तिको नाम | सम्पर्क नं. | इमेल |
|---------|------------------------|--|--|--|--------------------------|
| १२ | सिद्धार्थ इ.क.लि. | रूपन्देही पाल्पा कास्की मनाङ्ग | श्री गौतम कुमार सापकोटा श्री गणेश पन्थी श्री नवराजपौडेल श्री रामचन्द्र देवाडी | ९८५७०५६३०० ९८५७०६५४३२ ९८५६०८२१३८ ९८५६०४६६८९ | info@siddhartha.com |
| १३ | लुम्बिनी जनरल इ.क.लि. | संखुवासभा उदयपुर भोजपुर खोटाङ्ग | श्री दिपक पोख्रेल श्री सुविप चौधरी श्री सन्तोष तिवारी श्री बाबुराम आचार्य | ९८४२२१५५२० ९८५१२०६२७६ ९८५२०६२०७५ ९८५३८४६०६२ | info@glic.com.np |
| १४ | प्रभु इ.क.लि. | मुस्ताङ्ग म्याग्दी वालुङ्ग स्याङ्जा | श्री किरणथकाली श्री जुजुमानश्रेष्ठ श्री पर्वत कु. शाक्य श्री रञ्जितश्रेष्ठ | ९८४७६४०९२३ ९८४९७४१८४२ ९८४७६५५०८१ ९८४९४१८४९४ | info@prabhuinsurance.com |
| १५ | प्रुडेन्सियल इ.क.लि. | तनहु गोर्खा लमजुङ्ग नवलपरासी | श्री सुविपअधिकारी श्री समिर श्रेष्ठ श्री कृष्णथापा श्री सुख सागर बरई | ९८२३८०८७७० ९८१४१४०७२० ९८५६०४६३१८ ९८५७०२४८९० | prudential@wlink.com.np |
| १६ | राष्ट्रिय बीमा इ.क.लि. | कैलाली बझाङ्ग डोटी | श्री केशवराज पनेरु श्री काशीरामजोशी श्री डम्बर ओझा | ९८४८१४८००० ९८४८४२१७७० ९८५७०२४८९० | info@rbcl.com.np |

| क्र.सं. | बीमा कम्पनी | तोकिएको जिल्ला | सम्पर्क व्यक्तिको नाम | सम्पर्क नं. | इमेल |
|---------|--------------------------|--|--|---|------------------------------|
| १७ | नेको इ.क.लि. | ताप्लेजुङ्गा पाँचथर इलाम झापा –बिर्तामोड झापा –दमक | श्री सर्वज्ञ खतिवडा श्री चन्द्रप्रसाद बाँस्कोटा श्री मिलन सुवेदी श्री चिरन्जिबीथपलिया श्री गणेश बहादुर खत्री | १८०१८२१०८६ १८६२१६०४८० १८०१८२१०३२ १८०१८२१०४३ १८०१८२१०४६ | info@necoinsurance.com.np |
| १८ | श्री सानिमा जन्मल इ.क.लि | मोरङ नवलपुर कपिबस्तु | श्री रामकाजीमोडेल श्री नागोन्द्र साह श्री सहस राम तेली | १८०७००८३१२/ १८४४४६६५४३ १८४५४२२९१८ १८४७००८२११२/ १८२१३२८४२३ | sanima@sanimageneral.com |
| १९ | श्री अजोड इ.क.लि | गुल्मी पर्वत पूर्वी रुकुम रौतहट | श्री सन्तोष न्यौपाने श्री हरि सुवेदी श्री प्रकाश के.सी. श्री ओमराजनिरौला | १८४७५७४१४४ १८५६०४६७२८ १८६४९८८८२२५ १८५५०४१४८४ | info@ajodinsurance.com |
| २० | श्री जन्मल इ.क.लि | रमुवा सिरहा पर्सा | श्री प्रल्हादपाडे सुश्री मनिषाचौधरी श्री अजयश्रेष्ठ | १८४३०३७९१० १८६२९६७६३५ १८४५२५४५०८ | info@generalinsurance.com.np |

बाली तथा पशुपन्छी बीमा गर्ने बीमा कम्पनी र केन्द्रिय सम्पर्क व्यक्तिहरुको नाम र सम्पर्क नम्बर

| क्र.सं. | बीमकको नाम | कर्मचारीको नाम | मोबाइल नम्बर |
|---------|----------------------------|---------------------------------|--------------------------|
| १ | नेपाल इ.क.लि. | श्री धीरेन्द्रबहादुर राजभण्डारी | ९८४१४३८७३९ |
| २ | दिओरियन्टल इ.क.लि. | श्री अरुण बज्राचार्य | ९८५१२२३३५० |
| | | श्री अर्जुन ढुङ्गाना | ९८५२०५३२०० |
| ३ | श्री नेशनल इ.क.लि. | श्री आलोक जयसवाल | ९८५५०२१४२६ |
| | | श्री उदयकुमार कर्ण | ९८४९२२५६५६ |
| ४ | हिमालयन जनरल इ.क.लि. | श्री निरज मान सिंह प्रधान | ९८५१११६९१ |
| ५ | युनाइटेड इ.क.(नेपाल) लि. | श्री दीपकखत्री | ९८४१८१०४३५ |
| | | श्री सन्तोष न्यौपाने | ९८४१७३९७१८ |
| ६ | प्रिमियर इ.क.(नेपाल) लि. | श्री विवेक सेढाई | ९८४००९९६५६ |
| ७ | श्री एभरेष्ट इ.क.लि. | श्री बच्चुरामखडका | ९८५११२८८९६ |
| | | श्री पूर्ण शोभा श्रेष्ठ | ९८२४०८९३०४ |
| ८ | श्री नेको इ.क.लि. | श्री विष्णु प्रसाद धिताल | ९८४५०२२८६१ |
| | | श्री निवेदिता बस्नेत | ९८५२०४९४४९ |
| ९ | श्री सगरमाथा इ.क.लि. | श्री विष्णु बहादुर अधिकारी | ९८५१०८७८६० |
| १० | श्री प्रभु इ.क.लि. | श्री शिव प्रसाद खनाल | ९८४९०६७५४५ |
| | | श्री प्रकाश अर्याल | ९८५१०१५८४२ |
| ११ | श्री आइएमई जनरल ई. क. लि. | श्री प्रतिभा मिश्र | ९८४१३८५८७ |
| १२ | प्रुडेन्सियल इ.क.लि. | श्री गीता प्याकुरेल | ९८४१५९१८४८ |
| १३ | श्री शिखर इ.क.लि. | श्री उदित प्रसाद काफ्ले | ९८०११८५९२५ |
| | | श्री सार्थक राजपाण्डे | ९८०१२३५१०२, ०१४१०१५३९ |
| १४ | श्री लुम्बिनी जनरल इ.क.लि. | श्री नवराज तिमिल्सेना | ९८५५०५००८७ |
| | | श्री कुशब बराल | ९८४३३२७३०० |
| १५ | सिद्धार्थ इ.क.लि. | श्री सुबोध कर्मचार्य | ९८५११२७८७३ |
| | | श्री नविन सुवेदी | ९८५१२३३९७३ |
| १६ | श्री एनएलजी इ.क.लि. | श्री समिर कुमार श्रेष्ठ | ९८४२०४५९०५ |
| १७ | श्री राष्ट्रियबीमा इ.क.लि. | श्री दीपक खनाल | ९८४१४५१४७३ |
| | | श्री हरि भट्ट | ९८४८७२६८७३ |
| १८ | श्री सानिमा जनरल इ.क.लि. | श्री हाडमा सुब्बा | ९८५१००८३४१ |
| | | श्री राकेश श्रेष्ठ | ९८४१९१९००६ |
| १९ | श्री अजोड इ.क.लि. | श्री दिपक पोखरेल | ९८५११२४८८९ |
| | | श्री रमा बोहरा | ९८५१११०२४१ |

| क्र.सं. | बीमकको नाम | कर्मचारीको नाम | मोबाइल नम्बर |
|---------|------------------|--|--------------------------|
| २० | श्री जनरल इ.क.लि | श्री रिना श्रेष्ठ श्री यमकला घिमिरे | ९८६९२८२९२३ ९८६९१४०१५९ |

स्रोत: कृषि विभाग, हरिहरभवन

१०. बीउ बिजन

नेपाल हालसम्म उन्मोचन तथा दर्ता प्रक्रियाबाट सूचित भएका ७३ बालीका ६९८ जातहरु

| क्र.सं. | बाली | उन्मोचन विधिबाट जातको संख्या | दर्ता विधि बाट जातको संख्या | जम्मा जातको संख्या | सूचीबाट हटाईएका जातहरु |
|---------|---------------|------------------------------|-----------------------------|--------------------|------------------------|
| १ | चैते धान | ७ | ० | ७ | - |
| २ | बर्षे धान | ६२ | ५४ | ११६ | १२ |
| ३ | मकै | २७ | ६१ | ८८ | ११ |
| ४ | गहुँ | ३१ | १ | ३२ | १३ |
| ५ | कोदों | ५ | - | ५ | - |
| ६ | जौ | ६ | - | ६ | - |
| ७ | फापर | १ | - | १ | - |
| ८ | दलहन बाली | ४० | १ | ४१ | २ |
| ९ | तेलहन बाली | १७ | २ | १९ | १ |
| १० | औद्योगिक बाली | १२ | - | १२ | - |
| ११ | आलु | ११ | २ | १३ | - |
| १२ | तरकारी | ३९ | २९८ | ३३७ | - |
| १३ | घाँसेबाली | १५ | २ | १७ | - |
| १४ | फलफूल बाली | २ | २ | ४ | - |
| | जम्मा | २७५ | ४२३ | ६९८ | ३९ |

१०.१ अन्नबाली

क) चैतेधान

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकोदिन | उत्पादनक्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-------------|--------------|---------|---------------------------|---|
| १ | सि.एच.४५ | २०२३ (१९६६) | ११८ | ३.५ | तराई, भित्री मधेश तथा मध्य पहाड |
| २ | विन्देश्वरी | २०३८ (१९८१) | १२८ | ४.० | तराई र भित्री मधेश |
| ३ | चैते २ | २०४४ (१९८७) | १३५ | ४.८ | तराईको सिञ्चित भूमि |
| ४ | चैते ४ | २०४४ (१९८७) | ११८ | ४.५ | तराईको सिञ्चित भूमि |
| ५ | चैते ६ | २०४८ (१९९२) | १२३ | ४.८ | तराई र भित्री मधेश (३०० मिटरसम्मको उचाईको सिञ्चित भूमि) |
| ६ | हार्दिनाथ १ | २०६० (२००४) | १२० | ४.०३ | तराई, भित्री मधेश, रिभर बेसिन ८०० मिटरसम्म |
| ७ | चैते ५ | २०७४ (२०१८) | १२०-१२५ | ४.६ | समुद्र सतह देखी ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदीकिना, बेसी तथा समतल फाँट |

ख) वर्षे धान

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाको दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---------------|--------------|----------|----------------------------|--------------------|
| १ | ताईचुङ्गा १७६ | २०२४ (१९६६) | १४४ | ७.९ | मध्यपहाड र उपत्यका |
| २ | चाईनुङ्गा २४२ | २०२४ (१९६६) | १४४ | ७.३ | पहाड |
| ३ | ताईनाम १ | २०२४ (१९६६) | १४४ | ६.६ | पहाड |
| ४ | ताईनाम २ | २०२४ (१९६६) | १४३ | ७.८ | पहाड |
| ५ | मसुली | २०३० (१९७३) | १५५ | ३.५ | तराई र भित्रीमधेश |
| ६ | जानकी | २०३६ (१९७९) | १३५ | ४.५ | तराई र भित्रीमधेश |

| क्र. सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|----------|------------|--------------|-----------|----------------------------|--|
| ७ | सावित्री | २०३६ (१९७९) | १४० | ४.० | तराई र भित्रीमधेश |
| ८ | हिमाली | २०३९ (१९८२) | १४९ | ६.४ | पहाड |
| ९ | कन्वन | २०३९ (१९८२) | १४३ | ७.३ | पहाड |
| १० | खुमला ३ | २०४१ (१९८३) | १३० | ६.५ | मध्य पहाड |
| ११ | खुमला २ | २०४४ (१९८७) | १४२ | ५.६ | काठमाडौं उपत्यका तथा समान हावापानी भएको ३००० फीट देखि ४५०० फीटसम्म उचाइको मध्य पहाड |
| १२ | खुमला ४ | २०४४ (१९८७) | १४४ | ६.३ | काठमाडौं उपत्यका तथा समान हावापानी भएको ३००० फीट देखि ४५०० फीटसम्म उचाइको मध्य पहाड |
| १३ | मकवानपुर १ | २०४४ (१९८७) | १५० | ४.३ | ढुङ्गे किराको प्रकोप भएको तराई |
| १४ | घैया २ | २०४४ (१९८७) | ११३ | ३.४ | तराईको अर्सिचित पाखा |
| १५ | पालुङ्गा २ | २०४४ (१९८७) | १७२ | ६.१ | शितोष्ण हावापानी भएका मकवानपुर जिल्लाको पालुङ्गा सरहका पहाडी क्षेत्र |
| १६ | खुमला ५ | २०४७ (१९९०) | १५४ | ६.७ | १००० मिटर देखि १४०० मिटर सम्म उचाइ भएका पश्चिमी मध्यपहाडी क्षेत्रहरू जस्तै पर्वत, वाग्लुङ्गा, म्याग्दी |
| १७ | खुमला ७ | २०४७ (१९९०) | १४६ | ७.० | १००० मिटरदेखि १४०० मिटर सम्म उचाइ भएका पश्चिमी मध्य पहाडी क्षेत्रहरू जस्तै पर्वत, वाग्लुङ्गा, म्याग्दी |
| १८ | खुमला ९ | २०४७ (१९९०) | १४८ | ६.७ | १००० मिटरदेखि १४०० मिटरसम्म उचाइ भएका पश्चिमी मध्य पहाडी क्षेत्रहरू जस्तै पर्वत, वाग्लुङ्गा, म्याग्दी |
| १९ | छोमरोङ्गा | २०४७ (१९९१) | १६४ | ४.२ | नेपालको पूर्वी एवं पश्चिमी क्षेत्रको १४०० मिटरदेखि २००० मिटरसम्म उचाइ भएको उच्च पहाड र चिसो हावापानी भएको मध्यपहाड |

| क्र. सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|----------|--------------|--------------|-----------|----------------------------|--|
| २० | राधा ७ | २०४८ (१९९२) | १४८ | ३.५ | तराई, भित्री मधेश र सो सरह हावापानी भएको अकाशो खेती गरिने क्षेत्र |
| २१ | राधाकृष्ण ९ | २०४८ (१९९२) | १५० | ३.८ | तराई, भित्री मधेश र सो सरह हावापानी भएको सिञ्चित भूमि |
| २२ | राधा ४ | २०५२ (१९९५) | १२५ | ३.२ | मध्य पश्चिम र सुदूरपश्चिम तराई (कपिलवस्तु, दाङ्गा, वर्दिया, बाँके, कैलाली र कञ्चनपुर) |
| २३ | राधा ११ | २०५२ (१९९५) | १४८ | ४.० | मध्य तराई (पर्सा, वारा, रौतहट, सर्लाही, महोत्तरी र धनुषा) |
| २४ | राधा १२ | २०५२ (१९९५) | १५५ | ४.६ | पूर्वी तराई |
| २५ | माछापुच्छे ३ | २०५३ (१९९६) | १७४ | ५.० | १४०० मिटर देखि २००० मिटर सम्म उचाइको चिसो हावापानी भएको मध्य देखि उच्च पहाडसम्म (लुम्बि, घान्द्रुक र छोरामाडुङ्गा क्षेत्र) |
| २६ | खुमला ६ | २०५६ (१९९९) | १५५ | ७.८ | काठमाडौँ उपत्यका एवं सो सरहको हावापानी हुने ठाउँ |
| २७ | रामपुर मसुली | २०५६ (१९९९) | १३५ | ५.७ | तराई, भित्री मधेश, बेंशी एवं मध्य पहाडको ९०० मिटर उचाईसम्म अथवा मसुली धान लगाउन सकिने सबै क्षेत्र |
| २८ | चन्दननाथ १ | २०५८ (२००२) | १९१ | ५.०५ | जुम्ला वा सो सरहको हावापानी भएको क्षेत्र |
| २९ | चन्दननाथ ३ | २०५८ (२००२) | १९२ | ५.३ | जुम्ला वा सो सरहको हावापानी भएको क्षेत्र |
| ३० | मञ्जुश्री २ | २०५८ (२००२) | १४९ | १०.०८ | काठमाडौँ उपत्यका |
| ३१ | खुमला ११ | २०५८ (२००२) | १४४ | ८.५ | काठमाडौँ उपत्यका |
| ३२ | लोकतन्त्र | २०६३ (२००६) | १२५-१३० | ३.६ | तराई, भित्री मधेश, तल्लो पहाड र मध्य पहाडका नदी किनारा |
| ३३ | मिथिला | २०६३ (२००६) | १४५-१५० | ३.५-४.५ | तराई, भित्री मधेश र मध्य पहाडको बेंशी |
| ३४ | राम | २०६३ (२००६) | १३०-१३७ | ४.०-७.२ | तराई, भित्री मधेश (शिवालिक उपत्यका, मकवानपुर, चितवन र नवलपरासी) |

| क्र. सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|----------|---------------------------------|--------------|---------------|----------------------------|---|
| ३५ | वर्षे ३००४ | २०६३ (२००६) | १५७ | ३.८ | तराई र भित्री मधेश |
| ३६ | पोख्रेली जेटोबुढो | २०६३ (२००६) | १८०-१८५ | २.६ | पोखरा उपत्यका र यस आसपासका क्षेत्रहरू (६०० देखि ९०० मिटर उचाई) |
| ३७ | खुमल ८ | २०६३ (२००७) | १५८ | ७.७ | मध्य पहाड र तल्लो पहाड |
| ३८ | सुनौलो सुगन्धा | २०६४ (२००८) | १५१ | ३.८ | तराई, भित्री मधेश |
| ३९ | घैया १ | २०६६ (२०१०) | ११५ | २.५-३.५ | असिचित Upland तराई, टार तथा मध्यपहाडका उपत्यका |
| ४० | लल्का बास्मती | २०६६ (२०१०) | १५० | २.५-३.५ | मध्य तथा पूर्वी तराई |
| ४१ | हर्दीनाथ २ | २०६६ (२०१०) | १२५ | ३.१-४.२ | तराई तथा भित्री मधेश |
| ४२ | तरहरा १ | २०६६ (२०१०) | ११३-१२५ | ४.२ | मध्य तथा पूर्वी तराई |
| ४३ | डि. वाई. १८ (पञ्जीकरण मात्र) FI | २०६६ (२०१०) | ११८ | ९.१७ | तराई तथा भित्री मधेश |
| ४४ | डि. वाई. २८ (पञ्जीकरण मात्र) FI | २०६६ (२०१०) | १२० | ८.८६ | तराई तथा भित्री मधेश |
| ४५ | डि. वाई. ६९ (पञ्जीकरण मात्र) FI | २०६६ (२०१०) | १२५ | ९.५२ | तराई तथा भित्री मधेश |
| ४६ | खुमल-१० | २०६८ (२०११) | १३६ (१०७-१७०) | ४.७८ | काठमाण्डौ उपत्यका र सो सारहको हावापानी भएका पहाडी क्षेत्र । |
| ४७ | खुमल-१३ | २०६८ (२०११) | १४४ (११७-१८३) | ४.१७ | काठमाण्डौ उपत्यका र सो सारहको हावापानी भएका पहाडी क्षेत्र । |
| ४८ | सुख्खा धान — १ | २०६८ (२०११) | १२३-१२५ | ३.२-४.२ | पूर्व तथा पश्चिमी तराई, भित्री मधेश तथा मध्य पहाडको ५०० मिटरसम्मका बेसी तथा टार । |

| क्र. सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|----------|---------------------------------------|--------------|-----------|----------------------------|---|
| ४९ | सुख्खा धान — २ | २०६८ (२०११) | १२२-१२४ | २.३-३.५ | पुर्वि तथा पश्चिमी तराई, भित्री मधेश तथा मध्य पहाडका ५०० मिटरसम्मका बेसी तथा टार |
| ५० | सुख्खा धान — ३ | २०६८ (२०११) | १२२-१२५ | २.५-३.६ | पुर्वि तथा पश्चिमी तराई, भित्री मधेश तथा मध्य पहाडका ५०० मिटरसम्मका बेसी तथा टार |
| ५१ | बर्षे — २०१४ | २०६८ (२०११) | १३५-१४० | ३.८ | तराई |
| ५२ | स्वर्णा सब — १ | २०६८ (२०११) | १५०-१५५ | ४-५ | तराई, तथा भित्री मधेश र मध्य पहाडका ५०० मिटरसम्मका बेसीको सिंचित तथा घोल क्षेत्र। |
| ५३ | बर्षे — १०२७ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ (२०११) | १२१ | ३.३ | असिंचित तराई र मध्य पहाडका १००० मिटरसम्मका बेसी तथा टार अर्धसिंचित तथा असिंचित क्षेत्र। |
| ५४ | साँवा मसुली सब — १ | २०६८ (२०११) | १४५-१५० | ३.५-४ | तराई, तथा भित्री मधेश र मध्य पहाडका ५०० मिटरसम्मका बेसीको सिंचित तथा घोल क्षेत्र। |
| ५५ | तरा, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ (२०११) | ११६ | ५.१ | तराई र भित्री मधेश |
| ५६ | सुरज, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ (२०११) | १२३ | ५.७७ | तराई र भित्री मधेश |
| ५७ | पृथ्वी, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ (२०११) | १२४ | ६.० | तराई र भित्री मधेशको सिंचित क्षेत्र |
| ५८ | एआईजे - ६४४४, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ (२०११) | १२२ | ४.४३ | तराई र भित्री मधेशको सिंचित क्षेत्र |
| ५९ | पि. एच. बी. - ७१, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ (२०११) | १२९ | ५.२६ | तराई/सिंचित |
| ६० | यु. एम. - ३१२, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ (२०११) | १३२ | ५.४६ | सल्लाही देखि बाँके सम्मको तराई र भित्री मधेश |

| क्र. सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|----------|---|--------------|------------|----------------------------|--|
| ७३ | सुख्खा धान — ६ | २०७१(२०१४) | १२०-१२५ | ३-४ | तराई र भित्री मधेसको असिचित खेत र मध्य पहाडको ५०० मिटर उचाईको टार बेसी । |
| ७४ | सिन्दुरी (पञ्जीकरण मात्र) ओ.पि. | २०७२(२०१५) | १३५-१४५ | ४-५ | तराई र भित्री मधेस |
| ७५ | सुन्दरम (पञ्जीकरण मात्र) ओ.पि. | २०७२ (२०१५) | १२०-१२५ | ४.४-५.३ | तराई र भित्री मधेस |
| ७६ | डेल्टा गनी (पञ्जीकरण मात्र) ओ.पि. | २०७२ (२०१५) | १२४-१२८ | ३.९-५ | तराई र भित्री मधेस |
| ७७ | आकाश (पञ्जीकरण मात्र) ओ.पि. | २०७२ (२०१५) | १२०-१२५ | ६-६.३ | तराई र भित्री मधेस |
| ७८ | गरिमा F1(पञ्जीकरण मात्र) | २०७२ (२०१५) | १३०-१३५ | ५.८-६.३ | तराई र भित्री मधेस |
| ७९ | डि आर एच ७७५ F1(पञ्जीकरण मात्र) | २०७२ (२०१५) | १२५-१३० | ५.६ | तराई र भित्री मधेस |
| ८० | डि आर एच ७४४ F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७२ (२०१५) | १३०-१३५ | ६.५ | तराई र भित्री मधेसको सिचित क्षेत्र |
| ८१ | एराइज ६४४४ गोल्ड F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७२ (२०१५) | १३० | ५.१ | बाँके देखि पूर्वको तराई र भित्री मधेश |
| ८२ | एराइज तेज गोल्ड F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७२ (२०१५) | १३५ | ५.३ | बाँके देखि पूर्वको तराई र भित्री मधेश |
| ८३ | जि के ५०१७ F1(पञ्जीकरण मात्र) | २०७२ (२०१५) | १२७ | ५.१-५.४ | तराई र भित्री मधेश |

| क्र. सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|----------|--|--------------|-----------|----------------------------|---|
| १५ | जे.के.आर. एच. ३३३३ F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३ (२०१७) | १३५ | ६.० | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाट |
| १६ | एच.जे.-जि.१ F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३ (२०१७) | १२०-१२५ | ८-९ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाट |
| १७ | एच.जे.-जि.५ F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३ (२०१७) | १२०-१३० | ७-८ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाट |
| १९ | एच.जे.-जि.१० F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३ (२०१७) | १२०-१२५ | ८-९ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाट |
| १९ | बहुगुणी धान १ | २०७४ (२०१८) | १३५ | ५.५ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाट |
| १०० | बहुगुणी धान २ | २०७४ (२०१८) | १४२ | ५.८ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाट |
| १०१ | हर्दिनाथ ३ | २०७४ (२०१८) | १२५ | ५.५ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाट |
| १०२ | एल.जी.१३.०1 F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | १२०-१२५ | ७.५-८ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाट |
| १०३ | एल.जी.१३.०२ F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | १२०-१२५ | ७.५-८ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाट |
| १०४ | साभा १२७F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | ११८ | ५.१६ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाट |
| १०५ | साभा १३४ F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | ११५-११८ | ५.६४ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाट |

| क्र. सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|----------|---|--------------|-----------|----------------------------|--|
| १०६ | अराईज ६१२९ गोल्ड F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | ११२-११५ | ६.५-७ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाँट |
| १०७ | अराईज प्राईमा F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | १३०-१३५ | ७.५-८ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाँट |
| १०८ | भि.एन.आर २२३३ F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | १२०-१२५ | ५.५-६.६ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाँट |
| १०९ | भि.एन.आर २२४५ F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | १२०-१२५ | ५.५-६.६ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाँट |
| ११० | डि.वाई ६८ F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | १२० | ४.३-६.२ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाँट |
| १११ | डि.वाई ७९ F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | १२१ | ४.३-६.२ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, बैँसी तथा समतल फाँट |
| 112 | कालो चामल (पञ्जीकरण मात्र) | २०७५ (२०१८) | ११९-१२५ | २.२ | तराई, भित्री मधेश, पहाड, उपत्यका र बैँसीहरु |
| ११३ | LPNBR 1605 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७५ (२०१८) | १५० | ७.० | पूर्वी तथा मध्य तराई |
| ११४ | श्रीराम खुशु (पञ्जीकरण मात्र) | २०७५ (२०१८) | ११८-१२१ | ५.२-६.२ | तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, |
| ११५ | एरिज अइडिया (पञ्जीकरण मात्र) | २०७५ (२०१८) | १२०-१२५ | ५.३-६.१ | तराई, भित्री मधेश, नदी किनार, |
| ११६ | अल्ट्रा सुपर सम्पूर्ण (पञ्जीकरण मात्र) | २०७५ (२०१८) | १३५-१३७ | ४.०५-४.५१ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको तराई, भित्री मधेश तथा नदी किनार |

(ग) मकै

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (म. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-------------------|--------------|-----------|------------------------------|--|
| १ | खुमल पहेलो | २०२२ (१९६५) | १२०-१३० | ४.९ | मध्य पहाड |
| २ | रामपुर कम्पोजिट | २०३२ (१९७५) | ११०-११५ | ४.४ | तराई, भित्रीमधेश, बैसी र मध्य पहाड |
| ३ | अरुण २ | २०३९ (१९८१) | ८०-९० | २.२ | तराई, मध्यपहाड |
| ४ | मनकामना १ | २०४४ (१९८७) | १२०-१३० | ४.० | मध्यपहाड (हिउँदमा तराई क्षेत्रमा पनि लगाउन सकिने) |
| ५ | गणेश २ | २०४६ (१९८९) | १५०-१८० | ३.५ | उच्चपहाड (हिउँदमा तराई र भित्री मधेशमा पनि लगाउन सकिने) |
| ६ | रामपुर २ | २०४६ (१९८९) | १०५-११० | ४.० | तराई, भित्रीमधेश, बैसीरटार |
| ७ | अरुण १ | २०५२ (१९९५) | ९०-१०० | ४.० | पश्चिम तराई र मध्यपहाड |
| ८ | गणेश १ | २०५४ (१९९७) | १७५ | ५.० | उच्च पहाड |
| ९ | मनकामना ३ | २०५९ (२००२) | १४२ | ५.५ | पूर्वाञ्चल, मध्यमाञ्चल र पश्चिमाञ्चल विकासक्षेत्रका मध्य पहाडीक्षेत्र (१००० मिटर देखि १७०० मिटरसम्मको उचाईको लागि) |
| १० | गौरव हाईब्रिड मकै | २०६१ (२००३) | ११०-१५० | ८.१ | तराई र भित्रीमधेश (हिउँदेखतीको लागि) |
| ११ | देउती | २०६३ (२००६) | १३०-१३५ | ५.७ | मध्यपहाड |
| १२ | सितला | २०६३ (२००६) | १३०-१३५ | ६.०८ | पहाड |
| १३ | मनकामना ४ | २०६५ (२००८) | ११७ | ५.३ | नेपालको पूर्व देखि पश्चिमसम्म मध्य पहाडको १६०० मिटर भन्दा तल |
| १४ | पोसिलो मकै १ | २०६५ (२००८) | १४५-१५५ | ५.३ | नेपालको पूर्व देखि पश्चिमसम्म मध्य पहाडको १६०० मिटर भन्दा तल |
| १५ | मनकामना ५ | २०६६ (२०१०) | १४०-१४५ | ५.२७ | कर्णाली पूर्वका मध्य पहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---------------------------------------|--------------|---|----------------------------|--|
| १६ | मनकामाना ६ | २०६६ (२०१०) | १४०-१४५ | ५.३४ | पूर्वी-मध्य पश्चिम पहाड |
| १७ | बायो १६८१, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | १०-११० | ६.५-८ | मध्यमाञ्चल क्षेत्रको मध्यपहाड-बर्षे मौसम पूर्वी तराइ-हिउँदे मौसम |
| १८ | राजकुमार F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | १००-११० | ८-९ | तराई, भित्रीमधेश, रिभरवेसिन, भ्याली र तल्लो पहाडी भागको ७०० मिटर उचाईसम्म |
| १९ | नुतन (के.एच १०१, F1) (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | १०-१२ | ६.५-८ | तराई, भित्रीमधेश, रिभर वेसिन र उपत्यकाको ७०० मिटर उचाईसम्मको |
| २० | सुपर ९०० एम., F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | १२०-१६० | ८-१२ | मध्यतराई - हिउँदे तथा बर्षे मौसम |
| २१ | डिकेसी ९०८१, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०११) | १२०-१६० | १०-१२ | मध्यतराई - हिउँदे मौसम (कार्तिक - माघ) |
| २२ | अल राउण्डर, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०११) | १२०-१६० | ७-१० | तराई क्षेत्रमा - हिउँदे तथा बर्षेमौसम |
| २३ | डिकेसी ७०७४, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०११) | ८५-९५ | ६-८ | मध्यमाञ्चल क्षेत्रको मध्यपहाड - वर्षेमौसम मध्यतराईमा - बसन्ते मौसम |
| २६ | बिस्को - ९४० F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ (२०११) | १३५-१४० | ७.१३ | मध्य तराई र पहाड |
| २७ | सि - ११११, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ (२०११) | १४०-१६७ (Winter) १०५-११० (Rainy) | ५.१४-७.५ | पूर्वि तथा मध्य तराई र मध्य पहाडको बेसी तथा टार । |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|---|-------------------------------|---|
| २८ | सि. पि.- ८०८, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ (२०११) | १३०-१४० (Winter) ११०-१२० (Rainy) | १.९५ | पुर्वि तथा मध्य तराई |
| २९ | सि. पि. - ६६६, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ (२०११) | ११०-१२० | ६.९७ | पुर्वि तथा मध्य तराई |
| ३० | गोदावरी-९८९, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ (२०११) | १०५ | ७.३६ | पुर्वि तथा मध्य तराई, र मध्य पहाडको बेसी तथा टार। |
| ३१ | अर्ली - २, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ (२०११) | १०५ | ५.३९ | पुर्वि तथा मध्य तराई, र मध्य पहाडको बेसी तथा टार। |
| ३२ | टि. सि. एस.- ९६९६, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ (२०११) | ११० | ८.३४ | मध्य तराई |
| ३४ | आर. एम. एल. - ४ (Inbred line) | २०६९ (२०१२) | | | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई |
| ३५ | एन. एम. एल. - २ (Inbred line) | २०६९ (२०१२) | | | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई |
| ३६ | आदित्य-९१९, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | १२१ (Days to silking) | ७.२ | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई |
| ३७ | प्रोएग्रो- ४६४२, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ११५ (Days to silking) | ८.२९ | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई |
| ३८ | बिस्को- ९४० नयाँ, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ११९ (Days to silking) | ७.७४ | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई |
| ३९ | सि. पी. - ८३८, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ११९ (Days to silking) | ७.११ | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|-------------------------|----------------------------|--|
| ४० | १० भि १०, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ११६ (Days to silking) | ७.४६ | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई |
| ४१ | डि. एम. एच.- ७३१४, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | १२३ (Days to silking) | ६.६६ | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई |
| ४२ | डि. एम. एच.- ८४९ F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ११३ (Days to silking) | ६.८५ | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई |
| ४३ | एम. एम.- ११०७, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | १२३ (Days to silking) | ९.० | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई |
| ४४ | डेकाल्ब डवल, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ११८ (Days to silking) | ६.७९ | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई |
| ४६ | एन. एम. एच.- ७३१ F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ११५ (Days to silking) | ७.१२ | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई |
| ४७ | पायोनियर-३५२, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | १२२ (Days to silking) | ८.६५ | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई |
| ४९ | १२२०, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ११७ (Days to silking) | ७.३७ | तराई, भित्री मधेश, रिभर वेसिनर उपत्यकाको ७०० मिटर उचाई सम्मको |
| ५० | टि. एक्स-३६९, F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | १२४ (Days to silking) | ९ | तराई, भित्री मधेश, रिभर वेसिनर उपत्यकाको ७०० मिटर उचाई सम्मको |
| ५१ | सि.-११४६, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ११६ (Days to silking) | ९.७ | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई |
| ५२ | खुमल हाब्रिड मकै - २ | २०७१ (२०१४) | १५२- Winter १३८--Summer | ९.०८ ८.५ | मध्य पहाडी क्षेत्रमा वर्षा याममा र तराई तथा भित्री मधेशमा हिउदे मौसममा । |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-----------------------------|---------------|----------------------|----------------------------|---|
| ५३ | के वाई एम - ३३ | २०७१ (२०१४) | ६८ (Days to silking) | २.५ | मध्य पहाडी क्षेत्रमा वर्षा याममा र तराई तथा भित्री मधेसमा हिउँदे मौसममा । |
| ५४ | के वाई एम - ३५ | २०७१ (२०१४) | ६६ (Days to silking) | १.५ | मध्य पहाडी क्षेत्रमा वर्षा याममा र तराई तथा भित्री मधेसमा हिउँदे मौसममा । |
| ५५ | रेशुङ्गा कम्पोजिट | २०७१ (२०१४) | १२७ | ५.२ | मध्य तथा पश्चिमाञ्चल क्षेत्रको ७०० देखि १,४०० मिटर उचाइको पहाडी क्षेत्र । |
| ५६ | गुल्मी - २ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७१ (२०१४) | १२५ | ५.४ | गुल्मी र अर्घाखाँची जिल्लाको ७०० देखि १,४०० मिटर उचाइको क्षेत्र । |
| ५७ | अरुण ३ | २०७२ (२०१५) | १०० | ३.९ | मध्यपश्चिमदेखि पूर्वको तराई, भित्री मधेश र मध्य पहाड । तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे र वसन्ते तथा मध्य पहाडमा गृष्म ऋतुमा खेती गर्न सकिने । |
| ५८ | अरुण ४ | २०७२ (२०१५) | ११३-११५ | ४.२ | मध्य पश्चिम देखि पूर्वको तराई, भित्री मधेश र मध्य पहाड । तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे र वसन्ते तथा मध्यपहाडमा गृष्म ऋतुमा खेती गर्न सकिने । |
| ५९ | अरुण ६ | २०७२ (२०१५) | ९० | ३.५ | मध्य पश्चिम देखि पूर्वको तराई, भित्री मधेश र मध्य पहाड । तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे र वसन्ते तथा मध्य पहाडमा गृष्म ऋतुमा खेती गर्न सकिने । |
| ६० | रामपुर हाईब्रिड ४ | २०७३(२०१६) | १५५-१६५ | ६.३५ | तराई र भित्री मधेशको हिउँदे सिजन ७०० मिटरसम्म |
| ६१ | आर.एम.एल.३२ (ईनब्रेड लाईन) | २०७३(२०१६) | | | तराई र भित्री मधेशको हिउँदे सिजन ७०० मिटरसम्म |
| ६२ | आर.एम.एल.१७ (ईनब्रेड लाईन) | २०७३(२०१६) | | | तराई र भित्री मधेशको हिउँदे सिजन ७०० मिटरसम्म |
| ६३ | रामपुर हाईब्रिड ६ | २०७३(२०१६) | १५८-१६५ | ६.८ | तराई र भित्री मधेशको हिउँदे सिजन ७०० मिटरसम्म |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--------------------------------------|--------------|------------|-------------------------------|--|
| ६४ | आर.एम.एल.४ (ईनब्रेड लाईन) | २०७३(२०१६) | | | तराई र भित्री मधेशको हिउँदे सिजन ७०० मिटरसम्म |
| ६५ | जि.के. ३१४० F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३(२०१६) | १७५ | ६.४ | नारायणी नदी देवी पूर्वी तराई र भित्री मधेशको हिउँदे सिजनको लागि ७०० मिटरसम्म |
| ६६ | जि.के. ३११४ F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३(२०१६) | १७० | ६.५ | नारायणी नदी देवी पूर्वी तराई र भित्री मधेशको हिउँदे सिजनको लागि ७०० मिटरसम्म |
| ६७ | एन.एम.एच. ७१३ F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३(२०१६) | १७५ | ६.३ | नारायणी नदी देवी पूर्वी तराई र भित्री मधेशको हिउँदे सिजनको लागि ७०० मिटरसम्म |
| ६८ | एन.एम.एच. १२४७ F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३(२०१६) | १७७ | ६.०७ | नारायणी नदी देवी पूर्वी तराई र भित्री मधेशको हिउँदे सिजनको लागि ७०० मिटरसम्म |
| ६९ | पि.३३९६F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३(२०१६) | १६५ | ६.२९ | नारायणी नदी देवी पूर्वी तराई र भित्री मधेशको हिउँदे सिजनको लागि ७०० मिटरसम्म |
| ७० | ३०२२F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३(२०१६) | १७० | ६.३ | नारायणी नदी देवी पूर्वी तराई र भित्री मधेशको हिउँदे सिजनको लागि ७०० मिटरसम्म |
| ७१ | ३०३३F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३(२०१६) | १७० | ६.४ | नारायणी नदी देवी पूर्वी तराई र भित्री मधेशको हिउँदे सिजनको लागि ७०० मिटरसम्म |
| ७२ | बिस्को एक्स ८१ F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३(२०१६) | १७५ | ९.६ | नारायणी नदी देवी पूर्वी तराई र भित्री मधेशको हिउँदे सिजनको लागि ७०० मिटरसम्म |
| ७३ | बिस्को १७ गोल्ड F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३(२०१६) | १८० | ८.२ | नारायणी नदी देवी पूर्वी तराई र भित्री मधेशको हिउँदे सिजनको लागि ७०० मिटरसम्म |
| ७४ | ९०० एम.गोल्ड F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३(२०१७) | १८० | ६.५ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |
| ७५ | परबल F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७३(२०१७) | १८० | ६.१ | समुन्द्र सतहबाट ७०० मिटर उचाई सम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|------------|-------------------------------|--|
| ७६ | पोषिलो मकै २ | २०७४(२०१८) | १२०-१६० | ४.५ | तराई, भित्री मधेशको समुन्द्र सतहदेखि ८०० मीटरसम्म (वर्षे तथा हिउँदे सिजनको लागि) र मध्य पहाडको समुन्द्र सतहदेखि ८००-१८०० मीटर उचाईसम्म (वर्षे सिजनको लागि) |
| ७७ | रामपुर ४ | २०७४(२०१८) | १७० | ५.४० | तराई, भित्री मधेशको समुन्द्र सतहदेखि ७०० मीटर उचाईसम्म |
| ७८ | मनकामना ७ | २०७४(२०१८) | १५८ | ६.४६ | मध्य पहाडको समुन्द्र सतहदेखि ७००-१६०० मिटर उचाईसम्म |
| ७९ | रामपुर हाईब्रिड ८ F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४(२०१८) | ११०-१५५ | ७.५६ | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मका तराई, भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |
| ८० | रामपुर हाईब्रिड १० F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४(२०१८) | १२०-१६० | ८.०५ | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मका तराई, भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |
| ८१ | पि एल ३३०० F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४(२०१८) | १६०-१६५ | ८.४८ | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |
| ८२ | पि एल ३३३१ F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४(२०१८) | १६०-१६५ | ९.०१ | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |
| ८३ | एच पि २२२ F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४(२०१८) | १६०-१६५ | ८.७४ | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|------------|-------------------------------|--|
| ८४ | १७८४ F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | १४०-१५० | ७.८१ | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |
| ८५ | १५१ सुपर F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | १५५-१६० | ७.२७ | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |
| ८६ | पि ३५३३ F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | १६०-१७० | ७.५५ | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |
| ८७ | एल जी ३३.०१ F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | १६०-१६५ | ८.१ | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |
| ८८ | बिस्को जम्बो ६५ F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | १६०-१६५ | ८.१७ | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |
| ८९ | जे के एम एच ५०२ F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | ११५ | ७.०९ | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |
| ९० | कर्न किंग १५२२ (एम १२१२) F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | १६०-१६५ | ७.२२ | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|------------|----------------------------|--|
| ९१ | सुप्रिम ९०६२ (विकास) F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४(२०१८) | १६०-१६५ | ७.१२ | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |
| ९२ | जे एम १ F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४(२०१८) | १४०-१५० | ७.२१ | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |
| ९३ | जे एम ४ F1, (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४(२०१८) | १४०-१५० | ७.२० | समुन्द्र सतहदेखि ७०० मिटर उचाईसम्मको नारायणी नदी पूर्वका तराई र भित्री मधेशमा हिउँदे सिजनको लागि |

(घ) गहुँ

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| १ | लेमो ५२ | २०१७ (१९६०) | १७६ | ५.० | मध्यपहाड |
| २ | आर.आर. २१ | २०२७ (१९७१) | ११६-१६० | ४.० | तराई र पहाड |
| ३ | यु.पी. २६२ | २०३५ (१९७८) | १२२ | ४.० | तराई |
| ४ | नेपाल २९७ | २०४२ (१९८५) | ११७ | ५.० | तराई |
| ५ | अन्नपूर्ण १ | २०४५ (१९८८) | १६८ | ५.५ | १००० मिटर उचाई भन्दा माथिको पहाड |
| ६ | अन्नपूर्ण ३ | २०४७ (१९९१) | १६५ | ५.५ | लुम्बे र पाख्रिवास क्षेत्रको १०० मिटरदेखि १७०० मिटर उचाईसम्मको भूमि |
| ७ | बी.एल. १०२२ | २०४८ (१९९१) | १२० | ५.० | नारायणी नदी देखि पश्चिमको तराई, टार र १००० मिटरसम्म उचाई भएको उपत्यकाहरू |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--------------------|--------------|-----------|-------------------------------|---|
| ८ | भृकुटी | २०५१ (१९९४) | १२० | ५.० | तराई, टार र १००० मिटरसम्म उचाई भएका उपत्यकाहरू |
| ९ | अन्नपूर्ण ४ | २०५१ (१९९४) | १६१ | ५.० | मध्य र उच्च पहाड |
| १० | बी.एल. ११३५ | २०५१ (१९९४) | ११५ | ५.० | तराई, टार र १००० मिटरसम्म उँचाई भएका उपत्यकाहरू |
| ११ | अव्युत | २०५४ (१९९७) | १२५ | ४.५ | टार, १००० मिटरभन्दा कम उचाई भएका उपत्यकाको मध्यम तथा उच्च उर्वराभूमि |
| १२ | रोहिणी | २०५४ (१९९७) | ११९ | ४.१ | तराई, टार र १००० मिटरभन्दा कम उचाई भएका उपत्यकाको सिञ्चित र मध्यम तथा उच्च उर्वराभूमि |
| १३ | पासाङ्गल्हामु | २०५४ (१९९७) | १७८ | ६.७ | मध्यपहाड जस्तै काठमाडौँ र जुम्ला सरहको समान हावापानी भएको उच्च पहाड |
| १४ | कान्ति | २०५४ (१९९७) | १७४ | ५.५ | पहाडी क्षेत्रको मध्यम र उच्च उर्वरा भूमि |
| १५ | बी.एल. १४७३ | २०५६ (१९९९) | ११५ | ४.० | तराई, टार र १००० मिटरभन्दा कम उचाई भएका उपत्यकाको सिञ्चित र मध्यम तथा उच्च उर्वराभूमि |
| १६ | गौतम | २०६१ (२००४) | ११९ | ३.४ | तराई, टार तथा ५०० मिटर भन्दा कम उचाई भएको उपत्यका |
| १७ | डब्लु के १२०४ | २०६४ (२००७) | १७९ | ३.४ | मध्य पहाड र उच्च पहाड |
| १८ | आदित्य | २०६६ (२०१०) | ११८ | ४.७९ | तराई, टार र ५०० मी. सम्मको उपत्यका |
| १९ | एन.एल. १७१ | २०६६ (२०१०) | १२२ | ४.५३ | तराई, टार र ५०० मी. सम्मको उपत्यका |
| २० | विजय | २०६७ (२०११) | १११-१२३ | ४.४५ | तराई, टार र ५०० मी. सम्मको उपत्यका |
| २१ | गौर (BL 3235) | २०६९ (२०१२) | १६० | ४.२-५.० | मध्य तथा उच्च पहाड |
| २२ | धौलागिरी (BL 3503) | २०६९ (२०१२) | १५६ | ३.६-४.९ | मध्य तथा उच्च पहाड |
| २३ | तिलोत्तमा | २०७२ (२०१५) | १०५-१२० | २.५-३.२ | तराई र भित्री मधेसको सिञ्चित तथा अर्ध सिञ्चित क्षेत्र |
| २४ | डॉफे | २०७२ (२०१५) | १६३-१७० | ४.४८ | मध्य तथा उच्च पहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-------------------|--------------|------------|----------------------------|---|
| २५ | बाणगंगा | २०७३ (२०१६) | ११० | ३.३ | तराई, टार, हाचो उपत्यका ७०० मिटरसम्मको उचाईमा सिन्चित र अर्ध सिंचित क्षेत्रको लागि |
| २६ | स्वर्गद्धारी | २०७३ (२०१६) | १६३ | ४.४ | मध्य तथा उच्च पहाड (७०० देखी १४०० मिटरसम्म) सिंचित तथा अर्ध सिंचित क्षेत्रको लागि |
| २७ | मुनाल | २०७४ (२०१८) | १६४ | ४.९१ | समुद्र सतहको ६०० देखि २३०० मि. उचाईसम्मको मध्य तथा उच्च पहाडको सिंचित तथा असिंचित क्षेत्र |
| २८ | च्याखुरा | २०७४ (२०१८) | १५८ | ३.२६ | समुद्र सतहको ६०० देखि १,६०० मि. उचाईसम्मको मध्य पहाडको असिंचित क्षेत्र |
| २९ | खजुरा ड्युपम १ | २०७४ (२०१८) | १२६ | ४.८६ | समुद्र सतहदेखि ५०० मिटर उचाईसम्मका दाड, बाँके, बर्दिया, कैलाली, कञ्चनपुरका सिंचित क्षेत्र |
| ३० | खजुरा ड्युपम २ | २०७४ (२०१८) | १२९ | ५.२६ | समुद्र सतहदेखि ५०० मिटर उचाईसम्मका दाड, बाँके, बर्दिया, कैलाली, कञ्चनपुरका सिंचित क्षेत्र |
| ३१ | पावै गहुँ (वर्ती) | २०७५ (२०१८) | ३३० | २.१९-२.७५ | कर्णाली अंचलको २३०० देखि ३३०० मिटर सम्म । २८०० मिटर उपयुक्त । |
| ३२ | वि.एल. ४३४१ | २०७५ (२०१८) | | ५.०३ | तराई र भित्री मधेश लगायत समुन्द्री सतह बाट ८०० मिटर उचाई सम्म । |

(ड) कोबी

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------|--------------|------------|----------------------------|-----------------------------|
| १ | ओख्ले १ | २०३७ (१९८०) | १५४-१९४ | ३.३ | मध्य र उच्च पहाड |
| २ | डल्ले १ | २०३७ (१९८०) | १२५-१५१ | ३.३ | तराई, भित्रीमधेश र मध्यपहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| ३ | काब्रे कोदो १ | २०४७ (१९९०) | १६७ | २.३ | ९०० मिटरदेखि १९०० मिटर उचाइसम्मको मध्यपहाडी क्षेत्रको पाखोबारी |
| ४ | सैलुङ कोदो १ | २०७२ (२०१५) | १५५ | २.४ | मध्यमाञ्चल देखि मध्य पश्चिमाञ्चल क्षेत्रको १३०० देखि २२०० मि. उचाईको मध्य पहाड र उच्च पहाड |
| ५ | काब्रे कोदो २ | २०७२ (२०१५) | १५३ | २.५ | मध्यमाञ्चल देखि मध्य पश्चिमाञ्चल क्षेत्रको ७०० देखि १८०० मि. उचाईको मध्य पहाड |

(च) जौ

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--------------|--------------|------------|----------------------------|---|
| १ | बोनस | २०३० (१९७४) | १६२ | ३.६ | काठमाडौं उपत्यका र समान हावापानी भएको क्षेत्र |
| २ | एच.बी.एल ५६ | २०३० (१९७४) | १३५ | ३.० | तराई र भित्रीमधेश |
| ३ | गाल्ट | २०३० (१९७४) | १५७ | २.३ | तराई, भित्रीमधेश र पालुङ्ग उपत्यका |
| ४ | सि.आई. १०४४८ | २०३० (१९७४) | १२५ | २.६ | तराई र भित्रीमधेश |
| ५ | केच | २०३१ (१९७५) | ११२ | २.५ | तराई र भित्रीमधेश |
| ६ | सोलुउवा | २०४७ (१९९०) | १७७ | १.९ | मुस्ताङ्ग, मनाङ्ग र डोल्पाका २००० मिटर देखि ३००० मिटरसम्म उचाईका लेकाली क्षेत्र |

(छ) फापर

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-------------|--------------|------------|----------------------------|---------------------------------------|
| १ | मिठे फापर १ | २०७२ (२०१५) | ७२ | १.२ | तराई र भित्री मधेश देखि उच्च पहाडसम्म |

१०.२ दलहन

(क) भटमास

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|----------------|--------------|------------|----------------------------|---|
| १ | हाडी | २०३५ (१९७७) | १२४ | २.४ | तराई र भित्रीमधेश |
| २ | रात्मम | २०४४ (१९८७) | १४५ | १.० | मध्यपहाड र उपत्यका |
| ३ | सेती | २०४६ (१९९०) | १५० | १.२ | मध्यपहाड र उपत्यका |
| ४ | कब | २०४६ (१९९०) | १२३ | २.५ | तराई र भित्रीमधेश |
| ५ | लुम्ले भटमास १ | २०५३ (१९९६) | १३८-१४७ | १.७ | ४०० मिटरदेखि १,६०० मिटर उचाइसम्मको मध्यपहाड |
| ६ | तरकारी भटमास १ | २०६० (२००४) | १२० | २.३ | मध्यपहाडी क्षेत्र ८०० मिटरदेखि १,५०० मिटरसम्म |
| ७ | पूजा | २०६३ (२००६) | १२५ | १.६ | तराई, भित्रीमधेश र मध्य पहाड |

(ख) मुसुरो

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|----------------|--------------|------------|----------------------------|---|
| १ | सिन्दुर | २०३६ (१९७९) | १४८ | १.५ | तराई, भित्री मधेश र पहाड |
| २ | सिम्रिक | २०३६ (१९७९) | १४३ | १.५ | तराई, भित्री मधेश र पहाड |
| ३ | शिशिर | २०३६ (१९७९) | १५० | २.० | तराई, भित्री मधेश र पहाड |
| ४ | सिमल | २०४६ (१९९०) | १४३ | ४.१ | तराई, भित्री मधेश र मध्यपहाड |
| ५ | शिखर | २०४६ (१९९०) | १४३ | ३.५ | तराई, भित्री मधेश र मध्यपहाड |
| ६ | खजुरा १ | २०५६ (१९९९) | १२८ | १.५ | मध्यपश्चिमाञ्चल देखि सुदूर पश्चिमाञ्चलसम्मको धान र मकै लगाईने खेत |
| ७ | खजुरा मुसुरो २ | २०५६ (१९९९) | १३४ | २.१ | मध्यपश्चिमाञ्चल देखि सुदूरपश्चिमाञ्चलसम्मको धान र मकै लगाईने खेत |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|----------------|--------------|------------|----------------------------|---|
| ८ | शितल | २०६१ (२००४) | १३४ | १.१ | सम्पूर्ण तराई र मध्यपहाड |
| ९ | महेश्वर भारती | २०६४ (२००७) | १११ | १.४ | काठमाण्डौ उपत्यका वा सोसह, मध्य पहाडी क्षेत्रको टार तथा वेसी |
| १० | सगुन | २०६४ (२००७) | ९८ | १.३ | काठमाण्डौ उपत्यका वा सो सरह, मध्यपहाडी क्षेत्रको टार तथा वेसी |
| ११ | खजुरा मुसुरो ३ | २०७३ (२०१७) | १४८ | १.७८ | समुन्द्र सतहबाट १७०० मिटरसम्मको तराई भित्री मधेश र मध्यपहाड |
| १२ | खजुरा मुसुरो ४ | २०७४ (२०१८) | १३६ | १.०८ | मध्य तथा सुदुरपश्चिमका तराई (दाङ्ग देखि कञ्चनपुर सम्म, १०० देखि ७०० मिटरसम्म) |

(ग) चना

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| १ | धनुष | २०३६ (१९७९) | १४४ | १.८ | तराई र भित्रीमधेश |
| २ | राधा | २०४४ (१९८७) | १४२ | १.६ | तराईका सुख्खा भाग र आकाशो पानीको भरमा खेती गर्न सकिने भूमि |
| ३ | सीता | २०४४ (१९८७) | १४० | १.५ | तराईका सुख्खा भाग र आकाशो पानीको भरमा खेती गर्न सकिने भूमि |
| ४ | काशली | २०४७ (१९९०) | १४४ | १.६ | पश्चिम तराई र भित्रीमधेश |
| ५ | कालीका | २०४७ (१९९०) | १४२ | १.४ | मध्य र पश्चिम तराई तथा भित्रीमधेश |
| ६ | तारा | २०६४ (२००८) | १३५ | १.४ | तराई र मध्य पहाडको बेशी तथा टार |
| ७ | अवरोधी | २०६४ (२००८) | १३५ | १.३ | तराई र मध्य पहाडको बेशी तथा टार |

(घ) बोडी

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------|--------------|------------|----------------------------|-------------------|
| १ | आकाश | २०४६ (१९९०) | ७३ | १.० | तराई र भित्रीमधेश |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------------------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| २ | प्रकाश | २०४६ (१९९०) | ६० | ०.८ | तराई र भित्रीमधेश |
| ३ | सूर्य | २०६१ (२००४) | ७७ | १.३ | मध्य र पश्चिम तराई, भित्रीमधेश |
| ४ | डबल हाभेष्ट (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७०-१०० | १६-१८ | तराई र पहाड |
| ५ | मालेपाटन - १ | २०६८ (२०११) | ७५-९० | ०.८-१.० | तराई, भित्री मधेश तथा मध्य पहाडका टार तथा होचा क्षेत्रहरू (३०० देखि १००० मी) |
| ६ | गाजले बोडी | २०७३ | ७८ | १.८५ | समुन्द्र सतहबाट १२०० मिटर सम्मको तराई भित्री मधेश र मध्य पहाड |

(ड) रहर

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| १ | रामपुर अरहर १ | २०४८ (१९९२) | १९७ | १.५ | चितवन, मकवानपुर र सर्लाही जिल्लाहरूको तराई र भित्री मधेश |
| २ | बागेश्वरी | २०४८ (१९९२) | २६१ | २.० | धनुषा, सर्लाही र बाँके जिल्लाहरू |

(च) मास

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-------------|--------------|------------|----------------------------|---|
| १ | कालु | २०४६ (१९८९) | ४९ | १.२ | मध्य पहाड र उपत्यका |
| २ | रामपुर मास | २०७५-२०१८ | ६४ | ०.८८ | तराई भित्री मधेश तथा मध्य पहाडका टार तथा होचा क्षेत्रहरू (१०० देखि १२५० मिटरसम्म) |
| ३ | खजुरा मास १ | २०७५-२०१८ | ६६ | ०.८९ | तराई भित्री मधेश तथा मध्य पहाडका टार तथा होचा क्षेत्रहरू (१०० देखि १२५० मिटरसम्म) |

(ख) मुहुर

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-------------|--------------|------------|----------------------------|---|
| १ | पुसा वैशाखी | २०३२ (१९७६) | ६० | १.५ | तराई |
| २ | कल्याण | २०६३ (२००६) | ६० | ०.६९ | तराई, चुरे पहाड र मध्यपहाड |
| ३ | प्रतिक्षा | २०६३ (२००६) | ६३ | ०.६८६ | तराई, चुरे पहाड र मध्यपहाड |
| ४ | प्रतिज्ञा | २०७५ (२०१८) | ५९ | १.३० | तराई/भित्री मधेश तथा मध्यपहाडका टार तथा होचा क्षेत्रहरु (१०० देवी/७०० मिटरसम्म) |

१०.३ तेलहन

(क) बढाम

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------|--------------|------------|----------------------------|---|
| १ | बी. ४ | २०३७ (१९८०) | १४० | १.५ | तराई, भित्री मधेश र मध्यपहाड |
| २ | जनक | २०४५ (१९८९) | १४५ | २.५ | तराई, भित्री मधेश र मध्यपहाडी क्षेत्रको सिचाईको सुविधा नभएको बलौटे दोमट माटो भएको क्षेत्र |
| ३ | ज्योती | २०५३ (१९९६) | १३७-१५३ | २.० | तराई, भित्री मधेश र मध्य पहाडी क्षेत्रको पानी नजम्ने तथा चिम्ट्याइलो माटो नभएको क्षेत्र |
| ४ | जयन्ती | २०५३ (१९९६) | ११५ | २.२ | तराई, भित्री मधेश र मध्य पहाडी क्षेत्रको पानी नजम्ने तथा चिम्ट्याइलो माटो नभएको क्षेत्र |
| ५ | राजर्षि | २०६२ (२००५) | १३६ | २.८४ | तराई र भित्री मधेश |
| ६ | वैदेही | २०६२ (२००५) | ११० | ३.३ | तराई र भित्री मधेश |

(ख) तोरी

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|------------|----------------------------|---|
| १ | विकास | २०४६ (१९८९) | ८५-९० | ०.८ | मध्यमाञ्चल देखि सुदूरपश्चिमाञ्चलसम्मको तराई र भित्रीमधेश |
| २ | लुम्ले १ | २०५३ (१९९६) | ८९-१५३ | ०.९ | पश्चिमक्षेत्रको ७०० मिटर उचाई भन्दा माथिको मध्य देखि उच्च पहाड |
| ३ | प्रगति | २०५३ (१९९६) | ९९ | १.० | पूर्वी मध्यपहाड, तराई र भित्री मधेशको असिञ्चित भूमि |
| ४ | उन्नति | २०६२ (२००५) | ८६ | १.०४ | तराई, भित्रीमधेश र कम उचाई भएको उपत्यकाको असिञ्चित क्षेत्र |
| ५ | प्रीति | २०६२ (२००५) | ८३ | १.२६ | तराई, भित्रीमधेश र कम उचाई भएको उपत्यकाको असिञ्चित क्षेत्र |
| ६ | मोरङ्ग तोरी - २ | २०७० (२०१३) | ८३ | ०.७ -०.९ | तराई तथा मध्य तराई |
| ७ | जे वाई - १६, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | १६० | १.८ | तराई तथा भित्री मधेशको सिंचित तथा अर्धसिंचित क्षेत्र |
| ८ | सुर्खेत स्थानिय तोरी - ३ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७१ (२०१४) | ८२ -१०० | ०.९०५ | मध्यपश्चिमका तराई जिल्लाहरु बाँके, बर्दिया, दाङ, मध्यपहाडका, सुर्खेत, कैलेख सल्यान र भेरी नदि किनारका क्षेत्रहरु। |

(ग) रायो

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------------|--------------|------------|----------------------------|---|
| १ | पुसा बोल्ड | २०४५ (१९८९) | ११०-११५ | ०.९ | तराई र भित्रीमधेश |
| २ | कृष्णा | २०४६ (१९८९) | ११५ | १.१ | मध्यमाञ्चलदेखि सुदूरपश्चिमाञ्चल सम्मको तराई र भित्रीमधेश |
| ३ | मोरङ्ग रायो/तोरा | २०७४ (२०१८) | १०२-१२० | ०.९२ | समुन्द्र सतह देखि ७०० मिटर उचाईसम्मका तराई तथा भित्रीमधेश |

(घ) तील

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-------------------|--------------|------------|----------------------------|----------------------------------|
| १ | नवलपुर खैरो तील १ | २०५७ (२०००) | ८५ | १.२ | सिरहा देखि नेपालगञ्ज सम्मका तराई |
| २ | नवलपुर झुसे तील १ | २०५७ (२०००) | १.३ | ०.६५ | तराई र भित्री मधेश |

१०.४ औद्योगिक बाली

(क) सूती

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------|--------------|------------|----------------------------|-----------------|
| १ | बेलाचापी १ | २०४६ (१९८९) | ६०-७० | ०.९ | तराई |

(ख) कपास

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--------------------|--------------|------------|----------------------------|-------------------------------|
| १ | ट्याम्कट एस.पी. ३७ | २०३४ (१९७७) | ६०-७० | ०.९ | मध्यमाञ्चल र सुदूरपश्चिमाञ्चल |

(ग) उखु

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| १ | जीतपुर १ | २०५३ (१९९६) | ३००-३६० | ७.० | पूर्वाञ्चल, मध्यमाञ्चल र पश्चिमाञ्चलको सिंचित तराई |
| २ | जीतपुर २ | २०५३ (१९९६) | ३००-३६० | ९.० | पूर्वाञ्चल, मध्यमाञ्चल र पश्चिमाञ्चलको असिञ्चित तराई |
| ३ | जीतपुर ३ | २०६० (२००४) | ३००-३६० | ७.२ | तराई |
| ४ | जीतपुर ४ | २०६० (२००४) | ३००-३६० | ८.० | तराई |

(घ) जुट

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|----------------------|--------------|------------|----------------------------|-----------------|
| १ | इटहरी १ (सेतोपात) | २०५६ (१९९९) | ११८ | ३.४ | पूर्वी तराई |
| २ | इटहरी २ (सुनौलो पात) | २०५६ (१९९९) | ११६ | ३.३ | पूर्वी तराई |

(ङ) अदुवा

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-----------------|--------------|------------|----------------------------|---|
| १ | कपुरकोट अदुवा १ | २०५८ (२००१) | २२५-२४० | २२-३८ | १६०० मिटर उचाईसम्मको भित्री मधेश, मध्य पहाडर बेसी |
| २ | कपुरकोट अदुवा २ | २०७३ (२०१६) | २४०-२६० | ३२.७५ | भित्रीमधेश, मध्य पहाडर बेसी १६०० मिटर उचाईसम्म |

(च) हलैदो/बैसार

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-------------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| १ | कपुरकोट हलैदो — १ | २०७५ (२०१४) | २४५ -२६० | २७.८ | मध्यपहाडको असिन्चीत पाखो बारी |
| २ | कपुरकोट हलैदो — २ | २०७४ (२०१८) | २४५ -२६० | ३४.०५ | समुन्द्र सतहदेखि १६०० मिटर उचाईसम्मका तराई तथा भित्री मधेश |

१०.५ तरकारी बाली

(क) आलु

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-------------|--------------|------------|----------------------------|---|
| १ | कृषी ज्योति | २०४९ (१९९२) | ११० | २३ | पहाडमा वर्षे बालीको लागि माघ, फाल्गुण र चैत्र, हिउँदेबालीको लागि असोज र कार्तिकमा तथा कम वर्षा हुने पश्चिमका उच्च पहाडका लागि असार र साउन |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मै. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|----------------------------------|--------------|------------|-------------------------------|---|
| २ | कुप्री सिन्दुरी | २०४९ (१९९२) | ११०-१२० | २३ | तराईमा हिउँदे बालीको रुपमा, असोजदेखि मंसिरसम्म र तल्लोपहाडी भेगमा कार्तिकदेखि पुससम्म |
| ३ | डेजिरे | २०४९ (१९९२) | ९०-१२० | १८ | तराईमा हिउँदेबालीको रुपमा असोज र कार्तिक, मध्यपहाड र तल्लोपहाडमा भाद्र र असोज तथा मध्य पहाडदेखि उच्च पहाडमा वर्षेबालीको रुपमा माघ र फागुन |
| ४ | जनकदेव | २०५६ (१९९९) | ११० | ३९.४ | मध्य तथा उच्च पहाडी क्षेत्रमा गृष्म ऋतु, उपत्यका तथा तराई क्षेत्रमा शारद ऋतु र कम पानी पर्ने उच्च पहाडी क्षेत्रमा वर्षा ऋतु |
| ५ | खुमल सेतो १ | २०५६ (१९९९) | ११० | ३८.७ | मध्य तथा उच्च पहाडी क्षेत्रमा गृष्म ऋतु, कम पानी पर्ने उच्च पहाडी क्षेत्रमा र मध्यपहाडी क्षेत्रमा शारद ऋतु |
| ६ | खुमल रातो २ | २०५६ (१९९९) | ९५ | ३६.२ | तराई, भित्रीमधेश तथा खोंचहरूमा शारद ऋतु |
| ७ | खुमल लक्ष्मी | २०६५ (२००८) | १२०-१४० | २४-२८ | मध्य तथा उच्च पहाडी भेग - बर्षे बाली सुख्खा उच्च पहाडी भेग - मनसून बाली तराई तथा भित्री मधेश - शारद तथा हिउँदे बाली |
| ८ | आई पी वाई ८ | २०६५ (२००८) | ११०-१२० | २५-२७ | तराई तथा भित्री मधेश |
| ९ | खुमल उज्वल | २०७१ (२०१४) | १०० - १२० | २५ | मध्य पहाड देखि उच्च पहाडी क्षेत्र |
| १० | खुमल उपहार | २०७१ (२०१४) | १०० -१२० | २४ | तराई र मध्य पहाडको १२०० मिटर उचाइ सम्म । |
| ११ | टि पि एस - १ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७१ (२०१४) | ११०-१२० | ३५ -४० | तराई र मध्य पहाडको सिंचित क्षेत्र |
| १२ | टि पि एस - २ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७१ (२०१४) | ११० -१२० | ३० -३५ | तराई र मध्य पहाडको सिंचित क्षेत्र |
| १३ | खुमल विकास | २०७५(२०१८) | १००-११० | २५.७५ | मध्य पहाड देखि उच्च पहाडी क्षेत्र (१२०० मिटर देखी ३००० मिटर सम्म |

(ख) काउली

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मै. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|-----------|-------------------------------|----------------------------|
| १ | काठमाडौं स्थानीय | २०४६ (१९९०) | ११०-१२० | २५.० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| २ | डोल्पा स्तोबल | २०५१ (१९९४) | ११०-१२० | १५ | तराई, मध्यपहाड र उच्च पहाड |
| ३ | सर्लाही विपाती | २०५१ (१९९४) | ५५-६० | ८.० | तराई र मध्यपहाड |
| ४ | एन एस ६० एन, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५५-६० | २६-३० | तराई र पहाड |
| ५ | एन एस १०६, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७०-७५ | २८-३४ | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| ६ | एन एस ९०, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ९०-९५ | ४०-६० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| ७ | अन्ना ९०, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ९० | ४५-५६ | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| ८ | अन्ना कप, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६० | ३० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| ९ | रेनी, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ८१ | ३६-४० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| १० | डमी, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७० | ४०-४४ | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| ११ | युमिको, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७५ | २६-३० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| १२ | सो बेष, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७०-७५ | ३०-४० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| १३ | हार्ड ईजल्याण्ड, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५०-५५ | ३३ | तराई र मध्ये पहाड |
| १४ | हार्ड फ्ल्यास, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ११० | ४५ | मध्ये पहाड |
| १५ | मिल्कीवे F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १२० | ५२-५ | पहाड र उच्च पहाड |
| १६ | कासमिरे F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ११० | ५२-५ | तराई र मध्ये पहाड |
| १७ | क्याडिड चार्म, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ११० | ५२-५ | तराई र मध्ये पहाड |
| १८ | युकोन, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ११० | ५६ | तराई र मध्ये पहाड |
| १९ | नेपा हार्डट, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १०० | ३८ | तराई र मध्ये पहाड |
| २० | सो क्राउन, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७० | २२-२५ | तराई र पहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|-----------|-------------------------------|------------------|
| २१ | सो मिस्टीक, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६० | ३५-४० | तराई र पहाड |
| २२ | सो ग्रेस, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७३ | ३५-४० | तराई र पहाड |
| २३ | नेपा ६०, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५५ | २६-२८ | तराई र पहाड |
| २४ | सो क्वीन, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५० | २०-२२ | तराई र पहाड |
| २५ | सो डोम, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ८५ | ४०-४५ | तराई र पहाड |
| २६ | सो मार्च, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १८० | ५०-५५ | तराई र पहाड |
| २७ | हार्डट कप, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५०-५५ | १५-१६ | तराई र पहाड |
| २८ | हार्डट किड, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७० | १८-२० | तराई र पहाड |
| २९ | हार्डट कलाउड, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७०-७५ | २२-२३ | तराई र पहाड |
| ३० | हार्डट डायमण्ड, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ८०-८५ | ३६ | तराई र पहाड |
| ३१ | सो मून, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ९०-१०० | ४०-४४ | तराई र मध्य पहाड |
| ३२ | सिल्वरकप ६०, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ५०-६० | २४-३० | मध्यपहाड र तराई |
| ३३ | सिल्वरमून ६०, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ५०-६० | २०-२६ | मध्यपहाड र तराई |
| ३४ | रेमी, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ५०-६० | २४-३० | मध्यपहाड र तराई |
| ३५ | हार्डट टप, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ९० | ४२ | मध्यपहाड र तराई |
| ३६ | सुपर हार्डट टप, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ९५ | ५६ | मध्यपहाड र तराई |
| ३७ | देवि १, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ९५ | ४९ | मध्यपहाड र तराई |
| ३८ | देवि २, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ११५ | ४८ | मध्यपहाड र तराई |
| ३९ | एन २२, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | १३० | ६० | मध्यपहाड र तराई |
| ४० | मनास्लु, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ८० | २८ | मध्यपहाड र तराई |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|-----------|----------------------------|-----------------------------|
| ४१ | निम्नु, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ८० | २८ | मध्यपहाड र तराई |
| ४२ | हार्डट मुन, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | १२५ | ४८ | मध्यपहाड र तराई |
| ४३ | ८०४, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ९० | २८ | मध्यपहाड र तराई |
| ४४ | हार्डट स्नो, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ५५-६० | २२.९ | तराई भित्री मधेस र पहाड |
| ४५ | मेघा F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ६०-६५ | ४०-५० | तराई र मध्य पहाड |
| ४६ | अल द राउण्ड (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | १३० | १५-२० | तराई, मध्य पहाड र उच्च पहाड |
| ४७ | स्नो वेभ F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ६०-६५ | ५०-५५ | तराई र मध्य पहाड |
| ४८ | जुली F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ५०-५५ | ३५-४० | तराई र मध्य पहाड |
| ४९ | फुजिएमा F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ७०-८५ | ३५ | तराई र मध्य पहाड |
| ५० | खुमल ज्यापू | २०७२ (२०१५) | ६५-८० | २९.७ | मध्य पहाडी क्षेत्र |

(ग) मूला

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------------------------------|--------------|-----------|----------------------------|--|
| १ | मिनोअर्ली | २०४६ (१९९०) | ४०-४५ | २६ | तराई, पहाड र उच्च पहाडको सिञ्चित भूमि |
| २ | हार्डट नेक | २०५१ (१९९४) | ६०-६५ | ३५ | मध्यपहाड |
| ३ | सुठाने रातो | २०५१ (१९९४) | ७०-८० | ४३ | मध्यपहाड |
| ४ | चालीस दिने | २०५१ (१९९४) | ३५-४५ | २८ | तराई र मध्यपहाड |
| ५ | टोकिनासी (पञ्जीकरण मात्र) | २०५१ (१९९४) | ५२-६० | ३१ | १९०० मिटरदेखि १७०० मिटरसम्मको मध्यपहाड |
| ६ | धनकुटे (पञ्जीकरण मात्र) | २०५१ (१९९४) | ५५-६० | ४२ | १९०० मिटरदेखि १७०० मिटरसम्मको मध्यपहाड |
| ७ | अल सिजन हार्डट (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ७० | २०-३० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|--------------|----------------------------|------------------------|
| ८ | मिनोअर्ली लड हार्डट (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ५५-६० | २०-३० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| ९ | वाइ आर हार्डट सिग्रेड, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६०-६५ | ४०-८० | तराई र पहाड |
| १० | मिनोअर्ली लड हार्डट, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५५-६० | ४०-६० | तराई र पहाड |
| ११ | एनी सिजन, (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ७० | ४०-६० | तराई र पहाड |
| १२ | ग्रीन बो, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६५ | ४०-६० | तराई र पहाड |
| १३ | ट्रिपिकल क्रस, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-४५ | ४०-६० | तराई र पहाड |
| १४ | ग्रीन नेक, OP (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ४०-५० | ५-७ | मध्य, पहाड र तराई |
| १५ | लड हार्डट मिमोड, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ६० | ४०-६० | मध्यपहाड |
| १६ | सिन्जीन, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ६५ | ४०-४५ | मध्यपहाड |
| १७ | बि एन ४२९, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ६० | ४०-४५ | मध्यपहाड |
| १८ | रकि - ४५ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ४५-५० १४० | ४४-५० ०.८-०.९ क्त्म | तराई र मध्यपहाड |

(घ) सालगम

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|-----------|----------------------------|--|
| १ | पर्पल टप | २०४६ (१९९०) | ६०-७० | २३ | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| २ | फुयुनोसो, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ५०-६० | १०-१८ | मध्य पहाड र तराई |
| ३ | काठमाडौं रातो | २०७३ | ६५ | ३०.६० | समुन्द्र सतहबाट १००० देखि १५०० मिटरसम्मको मध्यपहाड |

(ड) रायो साग

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|----------------------------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| १ | खुमल चौडापात | २०४६ (१९९०) | ५०-६० | ३५.० | तराई, पहाड र उच्चपहाड |
| २ | मार्फा चौडापात | २०४१ (१९९४) | ५५-६५ | २८.० | मध्य पहाड र उच्च पहाड |
| ३ | खुमल रातोपात | २०४१ (१९९४) | ६०-७० | २८.० | मध्य पहाड र उच्च पहाड |
| ४ | ताङ्गखुवा रायो | २०४१ (१९९४) | ३०-३६ | ३१.० | १.१०० मिटरदेखि १.७०० मिटरसम्मको मध्य पहाड |
| ५ | माईक जायन्ट, (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ३५-४० | १ | तराई र पहाड |
| ६ | रेड जायन्ट, (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ३५-४० | १ | तराई र पहाड |
| ७ | गुजमुञ्जे रायो(पञ्जीकरण मात्र) | २०७१ (२०१४) | २४० -२७० | २. Seed | समुन्द्र सतहबाट १.५०० देखि १.८०० मिटरसम्मको पहाडी क्षेत्र। |
| | | | | ३० Fresh | |
| ८ | डुडे रायो (पञ्जीकरण मात्र) | २०७१ (२०१४) | २४० | २. Seed | समुन्द्र सतहबाट १.५०० देखि १.८०० मिटरसम्मको पहाडी क्षेत्र। |
| | | | | ३५ Fresh | |

(च) प्याज

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-------------------------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| १ | रेड क्रियोल | २०४६ (१९९०) | ६० | १५ | तराई, पहाड र उच्च पहाड तीन भौगोलिक क्षेत्रमा क्रमशः कार्तिक देखि मंसिर, भाद्रदेखि कार्तिक र फागुनदेखि चैत्रसम्म लगाउने |
| २ | सुपेक्स F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १३०-१५० | ३५-३८ | तराई र पहाड |
| ३ | टि आई १७२, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १३०-१५० | ३२-३५ | तराई र पहाड |
| ४ | कास F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | २५० | ६० | तराई र पहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|------------|----------------------------|------------------|
| ५ | भेनुस, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३०० | ४५ | तराई र पहाड |
| ६ | विन्टर सिल्भर, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३०० | ४५ | तराई र पहाड |
| ७ | नासिक — ५३ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६८ | १३०-१६५ | १६.६-२०.० | तराई र मध्य पहाड |

(ख) गोलभैडा

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|------------|----------------------------|---------------------------------|
| १ | पुसारुबी | २०४६ (१९९०) | ६० | १५.० | तराई र पहाड |
| २ | रोमा | २०५१ (१९९४) | ६५-७० | १२-१५ | तराई र मध्यपहाड |
| ३ | मनप्रेक्स | २०५१ (१९९४) | ८०-९० | २०-४० | मध्य र उच्च पहाड |
| ४ | एन.सी.एल. १ | २०५१ (१९९४) | ६५-७० | २०-३० | तराई र मध्यपहाड |
| ५ | सृजना, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७०-८० | १०५-११० | मध्यपहाड: ८०० मि.देखि १,६०० मि. |
| ६ | गौरव ५५५, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२००९) | १००-१०५ | १०६ | तराई: १५० मि. माथि |
| ७ | अमिता, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ९५-१०० | ९६.२ | तराई तथा मध्य पहाड |
| ८ | एन एस ८१५, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७०-८० | ८०-९० | तराई तथा मध्य पहाड |
| ९ | एन एस ७१९, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७८-८० | ८०-९० | तराई र पहाड |
| १० | स्वर्क्षा, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७५-८० | ८०-९० | तराई र पहाड तथा रिभर बेसिन |
| ११ | एन एस २५३५, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७५-८० | १४०-१५० | तराई र पहाड |
| १२ | एन एस ५३, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ८०-८५ | ९०-१०० | तराई र पहाड |
| १३ | युरेका, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १०२ | ९३.७ | तराई र पहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|-----------|-------------------------------|--------------------------|
| १४ | साभरा, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १०४ | ११३ | तराई र पहाड |
| १५ | जिको, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १०४ | १४० | तराई र पहाड |
| १६ | सेन्स, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १०७ | ११५ | तराई र पहाड |
| १७ | सेन्स, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ११२ | १०४ | तराई र पहाड |
| १८ | स्पेक्ट्रा, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १०१ | १२२ | तराई र पहाड |
| १९ | एस्ट्रो ७१७, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १०३ | १३१ | तराई र पहाड |
| २० | नोभा, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १०७ | १५२ | तराई र पहाड |
| २१ | मारिता, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १०४ | ११३ | तराई र पहाड |
| २२ | भि एल ४४३, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १०४ | १४० | तराई र पहाड |
| २३ | माधुरी, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ८० | १२० | मध्य पहाड र तराई |
| २४ | जमुना, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ८५ | १२० | तराई तथा मध्य पहाड |
| २५ | माक्सु, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ६०-७० | ३० | तराई तथा मध्य पहाड |
| २६ | वपेल, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ८५-९० | ५६ | तराई, मध्य तथा उच्च पहाड |
| २७ | दलिला, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ६०-७० | ३० | तराई, मध्य तथा उच्च पहाड |
| २८ | जिना, इए (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ५०-५५ | ३८ | तराई भित्री मधेस र पहाड |
| २९ | टी. — ३०, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ६०-६५ | ५७ | तराई भित्री मधेस र पहाड |
| ३० | सुर्य — १११ F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | १००-१०५ | ६०.५ | तराई र मध्यपहाड |
| ३१ | अमरुता F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ६०-७० | ४०-५० | तराई क्षेत्र |
| ३२ | मिन्टो F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ६०-६५ | १००-१२० | तराई र मध्यपहाड |

(ज) गाजर

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|------------|----------------------------|------------------------|
| १ | नानटिस फोर्टे | २०४६ (१९९०) | ९०-१०० | १२.० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| २ | न्यु कुरोदा (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | १०० | ५०-६० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| ३ | नेपा ड्रिम, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १२० | २५ | तराई र पहाड |
| ४ | सिम्रा, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १२० | २५ | तराई र पहाड |
| ५ | कुरोदा मार्क II, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ५०-६० | ५-७ | मध्य पहाड र तराई |
| ६ | मस्काडे (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ५५-६० | ७०-१०० | तराई र मध्य पहाड |

(झ) बन्दा

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|------------|----------------------------|------------------------|
| १ | कोपनहेगान मार्केट | २०५१ (१९९४) | ७०-९० | ३५ | तराई र मध्यपहाड |
| २ | नेपा ग्रिम ७७७, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ८५-९० | ७५ | तराई तथा मध्य पहाड |
| ३ | बिगसन १७९, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ९५-१०० | ८० | उच्च पहाड |
| ४ | नेपा राउण्ड, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ९० | ७५ | तराई |
| ५ | सुपर ग्रिम, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ९०-१०० | ४०-५० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| ६ | रेयर बल, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ९० | ३६-४० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| ७ | ग्रिम कोरोनेट, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७५-८० | ३५-३८ | तराई र पहाड |
| ८ | सुपर कोरोनेट, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७५-८० | ३२-३५ | तराई र पहाड |
| ९ | नेपा स्टार, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७५-८० | २२-२५ | तराई र पहाड |
| १० | टि ६२१, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५५-६० | १८-२० | तराई र पहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टना/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|-----------|--------------------------------|-------------------------|
| ११ | रुबि किङ, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७५ | २२-२५ | तराई र पहाड |
| १२ | समर क्रस, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५३-५८ | ४५-६० | तराई र पहाड |
| १३ | ग्रिन च्यालेन्जर F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६०-६५ | ४५-६० | तराई र पहाड |
| १४ | ग्रिन हिरो, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५३-५८ | ४५-६० | तराई र पहाड |
| १५ | नेपा म्याजिक, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६०-६५ | ४५-६० | तराई र पहाड |
| १६ | बोनस, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ८०-८५ | ६०-७० | तराई र पहाड |
| १७ | गोल्डेन बल, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४८-५३ | ४५-६० | तराई र पहाड |
| १८ | क्षितिज, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५३-५८ | ४५-६० | तराई र पहाड |
| १९ | ऋषि, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६०-६५ | ४५-६० | तराई र पहाड |
| २० | ग्रिन क्राउन, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ७५-८० | २०-२५ | मध्य पहाड |
| २१ | ग्रिन टप, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ११० | ४८ | मध्य पहाड र तराई |
| २२ | एन एस आर, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | १०० | ४२ | मध्य पहाड र तराई |
| २३ | के एफ ६५, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ९५ | ३९.२ | मध्य पहाड र तराई |
| २४ | ऐन ७६६, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | १०० | ४८ | मध्य पहाड र तराई |
| २५ | एन वाई सि आर, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | १०० | ४८ | मध्य पहाड |
| २६ | ग्रिन हट, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ७५-८० | ५०-६० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| २७ | वाई आर होनाम, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ७५-८० | ५०-६० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| २८ | एशिया एक्स्प्रेस, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ५५ | ४०-५० | तराई र मध्य पहाड |
| २९ | सि.जे. एन. - १२, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ७५-८० | ४९.३ | तराई भित्री मधेस र पहाड |
| ३० | एशिया क्रस, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ५०-५५ | ३९.२ | तराई भित्री मधेस र पहाड |
| ३१ | जेनिथ F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ५५-६५ | ४० | तराई डबल |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------------------------|--------------|-----------|----------------------------|-----------------|
| ३२ | फुटोस्की F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ९० | ३०-४५ | तराई, मध्य पहाड |

(ब) तनेबोडी

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|----------------------------------|--------------|-----------|----------------------------|-----------------------------|
| १ | खुमल तने | २०५१ (१९९४) | ६०-७० | ४.५ | तराई र मध्य पहाड |
| २ | सर्लाही तने | २०५१ (१९९४) | ५०-६० | ७.० | तराई र मध्य पहाड |
| ३ | चन्द्रा ०४१, (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ४८ | ३३ | तराई र मध्य पहाड |
| ४ | कर्मा स्टीकलेस (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ४५ | १५ | तराई र मध्य पहाड |
| ५ | एनओ - ३२४ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ६०-६५ | ४.६ | तराई, मध्य पहाड र उच्च पहाड |
| ६ | सीला - ४६४ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ३५-४० | ५ | तराई र मध्य पहाड |

(ट) घिउ सिमी

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|----------------------------|--------------|-----------|----------------------------|------------------|
| १ | त्रिशुली सिमी | २०५१ (१९९४) | ७०-७५ | १४.० | मध्य र उच्च पहाड |
| २ | झांगे सिमी | २०५१ (१९९४) | ५०-५५ | ९.० | तराई र मध्य पहाड |
| ३ | मान्दर (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ४६ | १२ | तराई र मध्य पहाड |

(ठ) केराड

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|----------------|--------------|-----------|----------------------------|------------------------|
| १ | सर्लाही आर्केल | २०५१ (१९९४) | ६०-६५ | ५-७ | तराई, मध्य र उच्च पहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकमे दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------|--------------|-----------|----------------------------|------------------------|
| २ | न्यू लाईन | २०५१ (१९९४) | ८५-९० | ६-८ | तराई र मध्य पहाड |
| ३ | सिक्किमे | २०५१ (१९९४) | | २५-३० | तराई, मध्य र उच्च पहाड |

(ड) भेडे खुसानी

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकमे दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|-----------|----------------------------|------------------------|
| १ | क्यालिफोर्निया | २०५१ (१९९४) | ८०-९० | १६-२० | तराई, मध्य र उच्च पहाड |
| २ | सागर (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ६५-७५ | ३६ | तराई र मध्य पहाड |
| ३ | एन एस ६३२, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६५ | ४४-५० | तराई र पहाड |

(ढ) खुसानी

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकमे दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|-----------|----------------------------|--------------------------------|
| १ | ज्वाला | २०५१ (१९९४) | ६०-७० | २५-३० | तराई, मध्य र उच्च पहाड |
| २ | कर्मा ७४७, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७० | ४० | तराई र मध्य पहाड |
| ३ | कर्मा ७७७, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६५ | ६० | तराई र पहाड |
| ४ | नेपा हट, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १२० | ४० | तराई र मध्य पहाड |
| ५ | अन्ना ३, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७०-७५ | ४०-४४ | तराई र पहाड |
| ६ | एन एस १७०१, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७५-८५ | ८०-९० | तराई र मध्य पहाडका नदीकिनारहरू |
| ७ | एन एस ११०१, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७०-८० | ७०-७४ | तराई र मध्य पहाडका नदीकिनारहरू |
| ८ | गोली, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७०-८० | ७०-७६ | तराई र मध्य पहाडका नदीकिनारहरू |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|------------|----------------------------|--------------------------------|
| ९ | आकास, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७५-८५ | ५०-५६ | तराई र मध्य पहाडका नदीकिनारहरू |
| १० | बिग मामा ३, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ९५ | ५० | तराई र पहाड |
| ११ | ओमगा, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ११५ | ५० | तराई र पहाड |
| १२ | सुपर तारा, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ११८ | ४० | तराई र पहाड |
| १३ | मार्शल, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ११५ | ३५ | तराई र पहाड |
| १४ | सुद्र, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ६५ | ४९-३ | तराई भित्री मधेस र पहाड |
| १५ | प्रिमियम F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ८०-८५ | २५-३० | तराई र मध्य पहाड |
| १६ | नैना F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ८० | ४०-५० | तराई र मध्य पहाड |

(ण) भण्डा

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|------------|----------------------------|--------------------------------|
| १ | नुकी | २०५१ (१९९४) | ६०-६५ | २५-३० | तराई र मध्य पहाड |
| २ | एन एस ७९७, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५५-६० | ३०-४० | तराई र मध्य पहाडका नदीकिनारहरू |
| ३ | अर्का केशव (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ७०-७५ | २०-२४ | तराई र मध्य पहाडका नदीकिनारहरू |
| ४ | अन्ना ८०६, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६४ | ४०-४५ | तराई र मध्य पहाडका नदीकिनारहरू |
| ५ | स्नाको, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ६०-७० | १० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| ६ | मायालु - ५५५ F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ७५ | ४५ | तराई र मध्यपहाड |
| ७ | साम्ती F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ४५-५० | ५० | तराई |
| ८ | आशा F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ६०-६५ | ६०-७० | तराई र मध्य पहाड |

(त) धिरौला

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|------------|----------------------------|-------------------|
| १ | कान्तिपुरे | २०४१ (१९९४) | ११०-१२० | १५-१८ | मध्य पहाड |
| २ | न्यु नारायणी, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४५ | १३ | तराई र मध्यपहाडका |
| ३ | गिता, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४० | ३८ | तराई र मध्यपहाडका |
| ४ | एन एस ४४५, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-४५ | २४-३६ | तराई र मध्यपहाड |
| ५ | एन एस ४४१, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-४५ | २०-३० | तराई र मध्यपहाड |
| ६ | निशा — ७७७F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ४५ | ४० | तराई र मध्य पहाड |
| ७ | सरिता F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ४५-५० | ५०-७० | तराई |
| ८ | सिन्धु F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ५०-६० | ५०-७० | तराई |

(थ) काँक्रो

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|------------|----------------------------|-----------------|
| १ | कुन्ठे | २०४१ (१९९४) | ७५-८० | १५-१८ | तराई र मध्यपहाड |
| २ | एन एस ४०४, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३०-३५ | २,४-३.२ | तराई र पहाड |
| ३ | एन एस ४०८, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४३-४५ | ४ | तराई र पहाड |
| ४ | चाँदनी, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३६ | ५८ | मध्य पहाड |
| ५ | सिमरन, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३५ | ६३ | मध्य पहाड |
| ६ | मलिका ९९९, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३७ | ५८ | तराई |
| ७ | कोपिला, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३५ | ६५ | तराई र मध्यपहाड |
| ८ | कर्मा, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३५ | ६३ | तराई र मध्यपहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-----------------------------------|--------------|------------|-------------------------------|-----------------|
| १ | गौरी ७५७, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३५ | ६३ | तराई र मध्यपहाड |
| १० | हिमाल, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३५-३७ | ६० | मध्य पहाड |
| ११ | गरिमा, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४५-४८ | ५५ | तराई र मध्यपहाड |
| १२ | मनिषा, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३५ | ६० | मध्य पहाड |
| १३ | सन्ध्य, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३५-३७ | ६१ | मध्य पहाड |
| १४ | सालिनी, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३६-४६ | ५४ | तराई र मध्यपहाड |
| १५ | सिता ८८८, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३४ | ६६ | मध्य पहाड |
| १६ | रमिता, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३५-३८ | ६३ | मध्य पहाड |
| १७ | पार्वती ४७८, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३५ | ६० | मध्य पहाड |
| १८ | शाहिनी १, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३६ | ६८ | तराई |
| १९ | शाहिनी २, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३७ | ६८ | तराई |
| २० | निन्जा १७९, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३५ | ६३ | तराई र मध्यपहाड |
| २१ | नेपा टुसी, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-४० | १५-१८ | तराई र पहाड |
| २२ | नेपा टुसी ००५, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-४० | १८-२० | तराई र पहाड |
| २३ | नेपा टुसी १०३, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-४० | १८-२० | तराई र पहाड |
| २४ | डयाडी २२३१, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३५ | ३०-४० | तराई र पहाड |
| २५ | लक्की स्टार, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३५ | ३०-४० | तराई र पहाड |
| २६ | डाइनेष्टी, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४२ | ४०-६० | तराई र पहाड |
| २७ | बेली F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४० | ५०-७० | तराई र पहाड |
| २८ | म्याजेष्टी, F (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४० | ५०-७० | तराई र पहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|------------|----------------------------|------------------------------|
| २९ | हिमालय, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ४५ | ६३.७ | मध्य पहाड र तराई |
| ३० | हिरो, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ४७ | ७० | तराई |
| ३१ | जुबोराज ४११, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ४५ | ७६.५ | मध्य पहाड र तराई |
| ३२ | कानेना, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ३५-४० | १५-२० | मध्य पहाड र तराई |
| ३३ | कासिन्दा, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ३५-३८ | १५-२० | मध्य पहाड र तराई |
| ३४ | एल. — ३३३ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६९ (२०१२) | ५२ | २७.१ | तराई भित्री मधेस र पहाड |
| ३५ | राजा F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ४५ | ६५ | तराई |
| ३६ | मालिनी F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ४३-४५ | ४५-४८ | तराई |
| ३७ | एनओ— १२१ F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ५५ | ३२ | तराई र मध्य पहाड |
| ३८ | भक्तपुर लोकल (दत्ती) | २०७५ (२०१८) | ६०-६५ | ३०-३५ | ६०० देखी १६०० मिटर उचाईसम्म। |

(ब) स्ववास फर्सी

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|------------|----------------------------|------------------|
| १ | असारे स्ववास | २०५१ (१९९४) | ६०-८० | ९.७.८ | तराई र मध्य पहाड |
| २ | अन्ना १०१, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६५-७० | ४०-५० | तराई र पहाड |
| ३ | अन्ना २०२, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६५-७० | ३६-४० | तराई र पहाड |
| ४ | अन्ना ३०३, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६५-७० | ४० | तराई र पहाड |
| ५ | सनी हाउस, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५०-५२ | ५१.८ | तराई र पहाड |
| ६ | टुरु ग्रीन, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३८-४३ | २९ | तराई र पहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|---------------|------------|----------------------------|------------------------------|
| ७ | मोन्डो भि, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३८-४३ | २५ | तराई र पहाड |
| ८ | लड ग्रीन, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५३-५८ | २५ | तराई र पहाड |
| ९ | हनि डेजर्ट, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ९०-९५ | १८ | तराई र पहाड |
| १० | डेभिन्च (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ६०-७५ | १०५ | मध्य पहाड र तराई |
| ११ | स्टार व आई जुकिनी(पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५०-५५ | ११० | मध्य पहाड र तराई |
| १२ | ग्रे जुकिनि (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ४५ | ८० | तराई र मध्य पहाड |
| १३ | सुपर स्ववास बल (पञ्जीकरण मात्र) | २०७५(२०१८) | ४०-४५ | २८-३१ | मध्य पहाडको सिंचित क्षेत्र । |

(घ) स्वीस चार्ड

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------|--------------|------------|----------------------------|-----------------------|
| १ | सुसाग | २०५१ (१९९४) | ६०-७० | २०-३५ | तराई, मध्य र उच्चपहाड |

(न) तीते करेला

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|------------|----------------------------|-------------------------------|
| १ | हरियो करेला | २०५१ (१९९४) | ९०-१०० | २०-३५ | तराई र मध्यपहाड |
| २ | चन्द्रा, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४८-५० | १९-८ | तराई र मध्यपहाड |
| ३ | लक्ष्मी ५५५, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५० | २८ | तराई, मध्य पहाड तथा उच्च पहाड |
| ४ | पिपल, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५० | २०.९ | तराई, मध्य पहाड तथा उच्च पहाड |
| ५ | शिव, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४८-५० | २१.४ | तराई |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|-----------|-------------------------------|-------------------------------|
| ६ | सेती ४४४, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४६-४८ | २६.९ | तराई, मध्य पहाड तथा उच्च पहाड |
| ७ | कोमल, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४८-५० | ३५.६ | तराई, मध्य पहाड तथा उच्च पहाड |
| ८ | गंगा, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-४५ | २४ | तराई |
| ९ | सम्बृद्धि, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४८-५० | ३५.८ | तराई, मध्य पहाड तथा उच्च पहाड |
| १० | हिरा, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४८-५० | २४.३ | तराई |
| ११ | एन एस ४५३, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-५० | ४०-४५ | तराई, र पहाड |
| १२ | एन एस ४५४, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-५० | ४०-४५ | तराई र पहाड |
| १३ | एन एस १०२४, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-५० | ४०-४५ | तराई र पहाड |
| १४ | एन एस ४३१, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-५० | ४०-४५ | तराई र पहाड |
| १५ | एन एस ४३४, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-५० | ४४-४८ | तराई र पहाड |
| १६ | एन एस ४३३, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-५० | ४०-४५ | तराई र पहाड |
| १७ | पाली, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ४०-५० | ४५-५० | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| १८ | केशव - ७७७, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ५० | २८.५ | तराई र मध्य पहाड |
| १९ | हरीत F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ६०-७० | ३०-३५ | तराई र मध्य पहाड |
| २० | रमन F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ६०-६५ | ३५-४० | तराई |
| २१ | माया F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ४५ | ४०-४५ | तराई र मध्यपहाड |
| २२ | सि.जी. ०१ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७५ (२०१८) | ८०-९९ | १८-२२ | पूर्वीतराई |
| २३ | सि.जी. ०२ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७५ (२०१८) | ८०-९९ | १५-१९ | पूर्वीतराई |

(प) रामतोरिया

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-----------------------------------|---------------|------------|----------------------------|----------------------------|
| १ | पार्वती | २०५१ (१९९४) | ५०-६० | १२-१६ | तराई, मध्य र उच्च पहाड |
| २ | अर्का अनामिका (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ४०-४५ | २४-३२ | तराई, मध्यपहाड र उच्च पहाड |
| ३ | जया F (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ४५-५० | १३-२० | तराई |

(फ) पालुङ्गे

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------------------------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| १ | हरिपाते | २०५१ (१९९४) | ४०-४५ | १२-१६ | तराई, मध्य र उच्चपहाड |
| २ | डब्लु किड, F, (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | १२० | १८-२७ | तराई, र पहाड |
| ३ | एशिया डोड चो, F, (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ५०-६० | १०-१८ | मध्य पहाड र तराई |
| ४ | एशिया वोल डोड, F, (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ५० | १०-१८ | मध्य पहाड र तराई |
| ५ | पाटने पालुङ्गे (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | ५०-५५ | १६-६० | समुन्द्र सतह देखि २१०० मिटर उचाई सम्मका तराई, पहाड र उच्च पहाड |

(ब) ब्रो काउली

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------------------------------|--------------|------------|----------------------------|-------------------------------|
| १ | ग्रीन डोम ११५, F, (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ११५ | २०-२४ | तराई पहाड तथा उच्च पहाड |
| २ | ग्रीन डोम ८०, F, (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ८० | १८-२४ | तराई, मध्य पहाड तथा उच्च पहाड |
| ३ | ग्रीन पारासोल, F, (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७३ | ३०-३२ | तराई, र पहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|-----------|----------------------------|------------------|
| ४ | प्रिमियम क्रप, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६०-६५ | २१-२३ | तराई, र पहाड |
| ५ | सेन्ताडरो, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६८ | २२-२५ | तराई, र पहाड |
| ६ | ग्रीन पिया, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ८५ | १६-१७ | तराई, र पहाड |
| ७ | साकुरा, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ९५ | १०-१२ | मध्य पहाड |
| ८ | एभरेष्ट ग्रीन, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ९५ | २५-३० | तराइ र मध्य पहाड |
| ९ | किड डोम, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ८५-९० | १६-२४ | तराइ र मध्य पहाड |
| १० | अर्ली यु, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ६०-६५ | १२-१८ | तराइ र मध्य पहाड |
| ११ | नोक गक, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ८५-९० | १६-२४ | तराइ र मध्य पहाड |

(भ) तर्बुजा

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|-----------|----------------------------|-----------------|
| १ | लक्ष्मी ७४७, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७०-७५ | २०.५ | तराई |
| २ | लक्ष्मी ७६७, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७५-८० | ३०.५ | तराई |
| ३ | मस्ताना F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ६५-७० | ७०-८० | तराई |

(म) फर्सि

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|-----------|----------------------------|-----------------|
| १ | सोनार ०२२, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ७५-८० | ५५ | तराई |

(य) लौका

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|---------------|------------|----------------------------|------------------------|
| १ | काभरी, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४५-५० | ४०-५० | तराई, र पहाड |
| २ | एन एस ४२१, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४५-५० | ४४-५६ | तराई, र पहाड |
| ३ | एन एस ४४३, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४३-५० | ३०-४० | तराई, र पहाड |
| ४ | अनमोल, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ६० | १२ | तराई, पहाड र उच्च पहाड |
| ५ | धारा F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ५५-६५ | ५०-७० | तराई तथा पहाड |

(र) पाटे धिरौला

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|------------|----------------------------|------------------|
| १ | छु म्यु ५०१, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४० | २३ | तराई र मध्य पहाड |
| २ | भिसेट सि सि १६५, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ३५-४० | ३० | तराई र मध्य पहाड |
| ३ | एन एस ४०१, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-४५ | ४४-४८ | तराई र पहाड |

(ल) धनिया

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|------------|----------------------------|-----------------------------|
| १ | लोटस (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ४०-५० | ११.८ | तराई, र मध्यपहाड |
| २ | सुरभी (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ३५ | १६-२० | तराई, मध्य पहाड र उच्च पहाड |
| ३ | अमेरिकन लड्डा स्ट्यान्डीड (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ४५-५० | १२.२ | तराई र मध्य पहाड |
| ४ | एक्स एम एल एनओ -४६५, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ३५ | ७.२ | तराई, मध्य पहाड र उच्च पहाड |
| ५ | रामसेस F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | ५०-६० | ६-७ | तराई र मध्य पहाड |

(ब) बिचिण्डा

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|------------|----------------------------|-----------------|
| १ | कर्णाली, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४५ | ३० | तराई र मध्यपहाड |
| २ | हरियाली, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५० | ३० | तराई र मध्यपहाड |

(श) कुरिलो

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---|--------------|------------|----------------------------|-----------------------------|
| १ | मेरी वाशिडटम ५०० डब्लु, (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | २१० | ६ | तराई, मध्य पहाड र उच्च पहाड |

(ष) पार्सले

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|------------|----------------------------|-----------------|
| १ | पार्सले ग्रीन कारपेट (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ६०-६५ | १ | तराई र पहाड |
| २ | सोइ सिम (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ६०-६५ | २ | तराई र पहाड |
| ३ | सेलेरी उताह टल ग्रीन (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ७०-८० | १ | तराई र पहाड |

(स) ग्यांठकोपी

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--|--------------|------------|----------------------------|-----------------|
| १ | नेपा बल, F ₁ (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४०-५० | १५ | तराई, र पहाड |
| २ | सम्राट (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६७ (२०१०) | ६० | १५ | मध्य पहाड |

(ह) पाकचौय

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकमे दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---------------------------------------|---------------|-----------|----------------------------|-----------------|
| १ | टेथी ग्रीन F, (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ४५-५० | ४८-५७ | तराई र पहाड |
| २ | चोको -पञ्जीकरण मात्र, OP | २०६७ (२०१०) | ४०-५० | २ | तराई र मध्यपहाड |
| ३ | क्यान्टोड हार्डट (पञ्जीकरण मात्र), OP | २०६७ (२०१०) | ४०-५० | २ | तराई र मध्यपहाड |
| ४ | एनओ —४१६, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०७० (२०१३) | २५० | १६ | तराई तथा पहाड |

(क्ष) जिरिको साग

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकमे दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-----------------------------------|--------------|-----------|----------------------------|-----------------------------------|
| १ | ग्रीन स्पान, (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ५०-५५ | ४-५ | तराई, मध्य पहाड र उच्च पहाड |
| २ | ग्रीन वेभ (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ४०-४५ | १ | तराई र मध्य पहाड तथा नदी किनारहरु |
| ३ | न्यु रेड फायर (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ५०-५५ | १ | तराई र मध्य पहाड तथा नदी किनारहरु |

(त्र) चुकन्दा

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकमे दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---------------------------|--------------|-----------|----------------------------|-----------------|
| १ | मधुर (पञ्जीकरण मात्र) OP | २०६६ (२०१०) | ६०-७० | २४-३६ | तराई र पहाड |

(ज्ञ) चाईनीज बन्दा

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाकमे दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-----------------------------------|--------------|-----------|----------------------------|-----------------|
| १ | ब्लुज, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ५५-६० | २२-२५ | तराई र पहाड |
| २ | विन्टर भिजिट, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६६ (२०१०) | ९० | ९०-११० | तराई र पहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---------------------------------------|--------------|------------|-------------------------------|-------------------|
| ३ | स्त्रीड सन — ६० (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ७५-८० | २०-२५ | मध्य पहाड |
| ४ | एन ७, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ९५ | ४२ | तराई, र मध्य पहाड |
| ५ | सि आर चुन दे गिल, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०१०) | ६५-७० | ४०-५० | तराई, र मध्य पहाड |

क) चम्सुर

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------------------------|--------------|------------|-------------------------------|--|
| १ | ठिमी चम्सुर (पञ्जीकरण मात्र) | २०७४ (२०१८) | ४५-५० | ८ | समुद्र सतह देखि १२०० मिटर उचाई सम्मको तराई, मध्य र उच्च पहाड |

क) लहै

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-------------------------------|--------------|------------|-------------------------------|---|
| १ | रोमछाप हरियो (पञ्जीकरण मात्र) | २०७५ (२०१८) | | ८.६८ | २०० देखि १६५० मिटर उचाई सम्मको असिचित क्षेत्र |

१०.६ घाँसे बाली

(क) जै

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------|--------------|------------|-------------------------------|---------------------|
| १ | कामधेनु जै | २०६१ (२००४) | २०६ | ५१-७५ | तराई र मध्य पहाड |
| २ | नेत्र जै | २०६१ (२००४) | १९७ | ३२-९१ | तराई र मध्य पहाड |
| ३ | गणेश | २०६९ (२०१२) | २१७ | ४८-५० | तराई देखि मध्य पहाड |

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-----------------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| ४ | पार्वती | २०६९ (२०१२) | २०७ | ६१-७० | तराई देखि उच्च पहाड |
| ५ | अमृतधारा | २०७२ (२०१५) | १८०-१९० | ३६ | तराई देखि मध्य पहाड |
| ६ | नन्दिनी | २०७२ (२०१५) | १३९-१९० | ३२-३८ | तराई र भित्री मधेस |
| ७ | स्वाम, पञ्जिकरण मात्र | २०७३ (२०१७) | १७०-१७५ | ३०-३५ | समुन्द्र सतहबाट २००० मिटर उचाई सम्मको तराई, मध्य र उच्च पहाड |

(ख) सेतो क्लोभर

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---------------------|--------------|------------|----------------------------|-------------------------|
| १ | प्याउली सेतो क्लोभर | २०६९ (२०१२) | २२२ | ३०-४५ | मध्य पहाडदेखि उच्च पहाड |

(ग) बर्सिम

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|-------------------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| १ | बर्सिम ग्रीन गोल्ड | २०७२ (२०१५) | २७६-२८४ | ७२-७८ | तराई र भित्री मधेस |
| २ | मेसकाभी, पञ्जीकरण मात्र | २०७३ (२०१७) | १६०-१७० | ७५-८५ | समुन्द्र सतहबाट १२०० मिटर उचाई सम्मको तराई र मध्य पहाड |

(घ) राईघाँस

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|----------------|--------------|------------|----------------------------|--------------------|
| १ | धुन्चे राईघाँस | २०७२ (२०१५) | २७६-२८४ | ३०-४० | मध्य तथा उच्च पहाड |

(ड) टियोसेन्टी

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| १ | मकैचरी १ | २०७३(२०१७) | ११५-१२५ | ३५-४५ | समुन्द्र सतहबाट १५०० मिटर उचाई सम्मको तराई र मध्य पहाड |

(च) कमान भैच

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--------------|--------------|------------|----------------------------|---|
| १ | कुटिल कोसा १ | २०७३(२०१७) | १६३-१७० | ३५-४० | समुन्द्र सतहबाट २००० मिटर उचाई सम्मको तराई मध्य र उच्च पहाड |

(छ) स्टाईलो

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|----------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| १ | पाल्पा स्टाईलो | २०७३(२०१७) | ११५-१२५ | ७२-८० | समुन्द्र सतहबाट १६०० मिटर उचाई सम्मको तराई र मध्य पहाड |

(ज) ककसफुट

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--------------|--------------|------------|----------------------------|---|
| १ | रसुवा ककसफुट | २०७३(२०१७) | २९६-३०० | ३०-४० | समुन्द्र सतहबाट १२०० देखी ४००० मिटर उचाई सम्मको मध्य पहाड र उच्च पहाड |

(झ) नेपियर

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मे. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|---------------|--------------|------------|----------------------------|--|
| १ | हात्ती घाँस १ | २०७३(२०१७) | १२०-१३० | ६०-८० | समुन्द्र सतहबाट १५०० मिटर उचाई सम्मको तराई र मध्य पहाड |

(ज) सेटारिया

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | पाक्ने दिन | उत्पादन क्षमता (मै. टन/हे) | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------|--------------|------------|----------------------------|---|
| १ | खुमल बन्सो | २०७३ (२०१७) | १२०-१३० | ६०-८० | समुन्द्र सतहबाट २००० मिटर उचाई सम्मको तराई मध्य र उच्च पहाड |

१०.७ फलफूल बाली

(क) कागती

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | | | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|------------------|--------------|-----------------|-----------------|--|
| | | २०७२ (२०१५) | ३ वर्षमा फल्ल्छ | ३ वर्षमा फल्ल्छ | |
| १ | सुन कागती १ | २०७२ (२०१५) | ३ वर्षमा फल्ल्छ | ३४-५ | तराई र भित्री मधेस तथा मध्य पहाडको खोच बेशीको पानी नजमने क्षेत्र |
| २ | सुन कागती २ | २०७२ (२०१५) | ३ वर्षमा फल्ल्छ | २६-९ | तराई र भित्री मधेस तथा मध्य पहाडको खोच बेशीको पानी नजमने क्षेत्र |
| ३ | तेह्रथुम स्थानिय | २०७५ (२०१८) | | १५ | पूर्वीपहाडको १००० देखि १६०० मिटरसम्मको तुसारो नपर्ने क्षेत्र |

(ख) सुन्तला

| क्र.सं. | बालीको जात | सिफारिस वर्ष | सिफारिस क्षेत्र |
|---------|--------------------|--------------|---|
| १ | खोकु स्थानीय (दती) | २०७५ (२०१८) | पूर्वी पहाडको १००० देखि १६०० मिटरसम्मको तुसारो नपर्ने क्षेत्र |

सूचित लिस्टबाट हटाइएका (Denotified) विभिन्न बालीका जातहरूको विवरण

गर्ह

| क्र.सं. | जातको नाम | उन्मोचित वर्ष | सिफारिस भएको क्षेत्र | कारण |
|---------|-----------------|---------------|----------------------|---|
| १ | पिटिक -६२ | २०२४ (१९६७) | पहाड | खैरो तथा पहलो सिन्दुरे रोग बढी लाग्ने सानो दाना साथै उत्पादन कम दिने हुनाले कृषकहरूले लगाउन छाडी सकेको हुनाले। |
| २ | लेर्मा रोहो -६४ | २०२४ (१९६७) | पहाड | रातो तथा सानो दाना भएको खैरो सिन्दुरे साथै पात डडुवा रोग बढी लाग्ने हुनाले कृषकहरूले यसको खेती गर्न बन्द गरेकाले। |

| क्र.सं. | जातको नाम | उन्मोचित वर्ष | सिफारिस भएको क्षेत्र | कारण |
|---------|-------------|---------------|----------------------|--|
| ३ | कल्याण सोना | २०२५ (१९६८) | तराई | खैरो सिन्दुरे तथा पात डडुवा रोग अत्याधिक लामो दाना सानो आकारको भएको र उत्पादन कम हुने हुँदा कृषकहरूले लगाउन छोडिकाले। |
| ४ | एस ३३१ | २०२८ (१९७५) | पहाड | खैरो तथा पहेलो सिन्दुरे रोग बढी लामो र दानाको आकार सानो भएका कारण कृषकहरूले लगाउन छोडिकाले। |
| ५ | एस एल ३० | २०३२(१९७५) | पश्चिम तराई | खैरो सिन्दुरे पात डडुवा र कालो पोके रोग बढी लामो भएको कारण कृषकहरूले यसको बीउको माग बन्द गरेकाले। |
| ६ | एच डि १९८२ | २०३२ (१९७५) | पश्चिम तराई | खैरो सिन्दुरे तथा पात डडुवारोग बढी लाग्नुको साथै दानाको आकार सानो भएकोले कृषकहरूले यसको बीउको माग नआएकाले। |
| ७ | लुम्बिनी | २०३८ (१९८१) | तराई | पात डडुवा रोग बढी लाग्नुको साथै दानाको आकार सानो भएकोले कृषकहरूले यसको बीउको माग नआएकाले। |
| ८ | त्रिबेणी | २०३९(१९८२) | तराई | ढिलो गरी लगाउँदा बीउ यो जातको दाना सानो (चाउरिने) हुनाले यसको बीउको माग नआएकाले। |
| ९ | बिनायक | २०४०(१९८३) | तराई | खैरो सिन्दुरे तथा पात डडुवा रोग अत्याधिक लामो हुँदा उत्पादन कम हुँदै गएकोले यसको बीउको माग बन्द हुनाले। |
| १० | सिद्धार्थ | २०४०(१९८३) | तराई | खैरो सिन्दुरे तथा पात डडुवा रोग अत्याधिक लामो र उत्पादन कम हुनाले कृषकहरूले यसको बीउको माग बन्द गरेको हुनाले। |
| ११ | भाष्कर | २०४०(१९८३) | मध्यपश्चिम तराई | यसको दानाको आकार सानो हुने हुनाले कृषकहरूले यसको विकल्पमा अन्य ठूला दाना भएको जात हरू पाएकाले यस खेती गर्न छोडिकाले। |
| १२ | नेपाल २५१ | २०४५(१९८८) | तराई | खैरो सिन्दुरे तथा पात डडुवा रोगको प्रकोप बढी हुने र दानको आकार पनि अन्य जातहरूको तुलनामा सानो हुने हुँदा कृषकहरूले लगाउन छोडिकाले। |
| १३ | अन्नपूर्ण २ | २०४५(१९८८) | पहाड | पहिलो सिन्दुरे र खैरो सिन्दुरे रोगको प्रकोप बढी हुने हुनाले। |

ख. धान

| क्र.सं | जातको नाम | उन्मोचित वर्ष | सिफारिस भएको क्षेत्र | कारण |
|--------|-------------|---------------|-------------------------------|--|
| १ | आईआर ८ | २०२५ (१९६८) | तराई र भित्री मधेश | विरलै लगाएको पाएको, रोग (ब्लाष्ट, ब्याक्टेरियल लिफ ब्लाइट, ब्राउन स्पट) सहन नसक्ने, डोठि गवारो, ब्राउन प्लान्ट होपर लाग्ने गरेको, कम उत्पादन, कहीबाट माग नआएको, उत्पादन रोकिएकोले। |
| २ | आईआर २० | २०२९ (१९७२) | तराई र भित्री मधेश | ** ** |
| ३ | आईआर २२ | २०२९ (१९७२) | तराई र भित्री मधेश | ** ** |
| ४ | आईआर २४ | २०३२ (१९७५) | तराई र भित्री मधेश | ** ** |
| ५ | परवानीपुर १ | २०३० (१९७३) | तराई र भित्री मधेश | ** ** |
| ६ | जया | २०३० (१९७३) | तराई | ** ** |
| ७ | चन्दिना | २०३५ (१९७८) | तराई | ** ** |
| ८ | दुर्गा | २०३६ (१९७९) | तराई र भित्री मधेश | ** ** |
| ९ | लक्ष्मी | २०३६ (१९७९) | तराई | ** ** |
| १० | खजुरा २ | २०४४ (१९८७) | मध्यपश्चिम तराईको सिंचित भूमि | ** ** |
| ११ | मल्लिका | २०३९ (१९८२) | तराई | ** ** |
| १२ | वर्षे २ | २०४४ (१९८७) | तराई र भित्री मधेश | ** ** |

ग. तोरी

| क्र.सं | जातको नाम | उन्मोचित वर्ष | सिफारिस भएको क्षेत्र | कारण |
|--------|-----------|---------------|----------------------|---|
| १ | टाइप ९ | २०३७ (१९८०) | सम्पूर्ण तराई | यो बीउ उत्पादन तथा वितरण प्रचलनमा नरहेको साथै कृषक तथा विभिन्न निकायहरूबाट उक्त जातको बीउको माग पनि भएको पाइँदैन र तोरी बाली अत्यधिक परपरागसेचित बाली भएकोले धेरै जातहरूको उत्पादन गर्न समस्या परिरेको छ। |

घ. चना

| क्र.सं | जातको नाम | उन्मोचित वर्ष | सिफारिस भएको क्षेत्र | कारण |
|--------|-----------|---------------|----------------------|---|
| १ | त्रिशुल | २०३७ (१९८०) | तराई र भित्री मधेश | यो जातमा ओइलाउने रोग बढी देखिएको र उत्पादन समेत कम भएकोले कृषकहरूबाट धनुष जातको तुलनामा यो जातको बीउको माग कम भएको र कृषकहरूले समेत मन नपराएको हुँदा यो जात लोप भएको हो । |

ङ. भटमास

| क्र.सं | जातको नाम | उन्मोचित वर्ष | सिफारिस भएको क्षेत्र | कारण |
|--------|-----------|---------------|----------------------|---|
| १ | हिल | २०३३ (१९७६) | पहाड | यसमा पहिलो मोजाइक भाइरस रोग बढी भएको र उत्पादनमा क्रमिक रुपमा हास हुँदै गएको हुँदा यो जात कृषकहरूले मन नपराएकोले क्रमिक रुपमा बीउ लोप हुँदै गएको हो । |

च. मकै

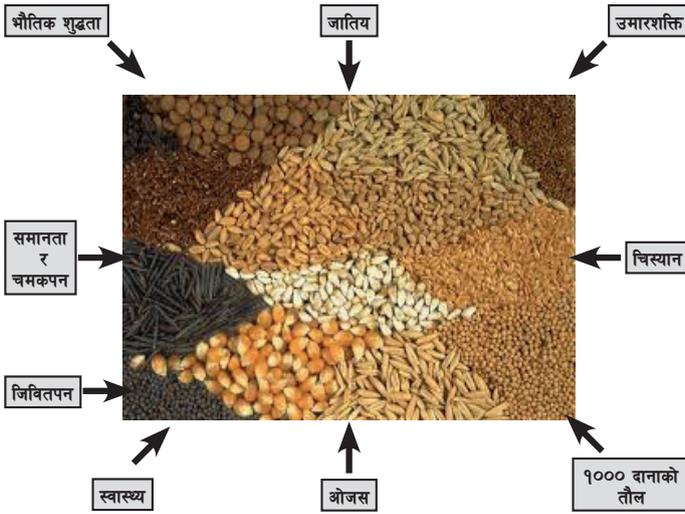
| क्र.सं | जातको नाम | उन्मोचित वर्ष | सिफारिस भएको क्षेत्र | कारण |
|--------|--------------|---------------|---------------------------|---|
| १ | ककनी पहेलो | २०२३ (१९६६) | उच्च पहाड (लेक) | Desirable genes of this variety is incorporated on Manakamana 2 and Hill Pool Yellow |
| २ | रामपुर १ | २०५२ (१९९५) | पश्चिम तराई र मध्य पहाड | It is white grain maize variety, which was released for TIT. Presently, there is virtually no demand for white grained maize in TIT and thus it is preserved in cold store for future uses. |
| ३ | मकालु २ | २०४६ (१९८९) | लुम्ले र पाखिबास क्षेत्र | Two yellow grained maize variety Makalu 2 and Ganes 2 were released in 1989 for hills. Nevertheless, Ganes 2 became popular in the maize millete cropping system as compare to Makalu 2. |
| ४ | जानकी | २०३५ (१९७८) | तराई | These two varieties were also white grain variety which were released in late 70s since past few years, the market demand for white grained in TIT is very limited. Therefore, the highly desirable traits of these varieties were incorporated in Manakamana 1 and Manakamana 3 which is highly popular among farmers. |
| ५ | सर्लाही सेतो | २०३२ (१९७५) | पूर्वी तराई र भित्री मधेश | |

| क्र.सं | जातको नाम | उन्मोचित वर्ष | सिफारिस भएको क्षेत्र | कारण |
|--------|-------------------------------------|---------------|---|---|
| ६ | हेटौडा कम्पोजिट | २०२१ (१९७२) | मध्य पहाड, भित्री मधेश, बेसी तथा टार | Farmers got better option and choice through Rampur composite, Manakamana 1 and Rampur 2 in place of Hetauda Composite for better yield and other desirable characters (Plant and Ear Height, Lodging Resistant, Disease Resistance etc.) |
| ७ | रामपुरपहेलो | २०२२ (१९६५) | तराई र भित्री मधेश | This variety was downy mildew disease susceptible and thus replaced by Rampur composite which is DM tolerant/resistant. |
| ८ | बिग बोस | २०६१ (२०१२) | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई | This variety was released as a hybrid in Nepal, but hybrid as OP seeds were found in the market that misled seed uses. |
| ९ | ३० पी ३०, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०११) | मध्यमाञ्चल क्षेत्रको मध्य पहाड – वर्षे मौसम तराई – हिउदे मौसम | The producer company stop to produce this variety so Nepalese dealer of this variety request to denotify |
| १० | ३० बि ११, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६७ (२०११) | मध्यमाञ्चल क्षेत्रको मध्य पहाड– वर्षे मौसमतराई – हिउदे मौसम | The producer company stop to produce this variety so Nepalese dealer of this variety request to denotify |
| ११ | पायोनियर— ३७८५, F1 (पञ्जीकरण मात्र) | २०६१ (२०१२) | नारायणी नदि पूर्वका भित्री मधेश तथा तराई | The producer company stop to produce this variety so Nepalese dealer of this variety request to denotify |

१०.८ गुणस्तरीय बीउका विशेषताहरू एवं नेपालमा बीउको गुणस्तर कायम गर्ने तरिका

गुणस्तरयुक्त बीउ बिजन भनेको के हो ?

गुणस्तरयुक्त बीउ भन्नाले कुनै पनि बाली/जातको बीउको बंशानुगत जातिय शुद्धता, भौतिक शुद्धता, उपयुक्त चिस्यान, राम्रो उमारशक्ति, रोग कीरा मुक्त स्वस्थ, समान आकार प्रकार, चमकपन (चित्र १) आदि गुणहरू तोकिएको मापदण्ड अनुसार कायम भएको हुनु पर्दछ । बीउको उत्पादन, संकलन, प्रशोधन, भण्डारण, प्याकेजिङ्ग र विक्रि वितरण एवं ढुवानीको क्रममा बीउको गुणस्तर निरीक्षण तथा नियन्त्रणमा विशेष ध्यान पुर्याउन सकिएन भने त्यस्ता गुणहरूमा ह्रास हुन जान्छ । अतः गुणस्तरयुक्त बीउ उपलब्ध गराउन बीउ उत्पादक, आयातकर्ता, बिक्रेता र बीउ बिजन गुणस्तर नियन्त्रण गर्ने निकायको अहम् भूमिका रहन्छ ।



चित्र १. गुणस्तरीय बीउका विशेषताहरू (Seed quality attributes)

नेपालमा बीउको गुणस्तर कायम गर्ने तरिका

नेपालमा बीउ बिजन ऐन २०४५ (पहिलो संशोधन, २०६४) अनुसार गुणस्तरिय बीउको उत्पादन तथा बिक्री वितरणलाई नियमति एवं व्यवस्थित गर्न २ वटा प्रणालीहरू (बीउ प्रमाणिकरण र यथार्थ संकेतपत्र लगाउने) अवलम्बन गरिएको छ । निम्न दुई तरिकाबाट उपलब्ध हुने बीउ बिजनहरूलाई आधिकारिक गुणस्तरयुक्त बीउ मान्न सकिन्छ । बीउ बिजन गुणस्तर नियन्त्रण केन्द्र र पाँच विकास क्षेत्रमा क्षेत्रीय बीउ बिजन प्रयोगशालाहरूले बीउ बाली खेत निरीक्षण, बीउ परिक्षण तथा बीउ प्रमाणिकरण र गुणस्तर नियन्त्रण कार्यमा सहयोग गर्दै आइरहेका छन् ।

१. बीउ प्रमाणिकरण (Seed Certification)

बीउ प्रमाणिकरण भनेको कुनै सिफारिस जातको बीउ उत्पादन तथा त्यस उपरान्तका क्रियाकलापमा आवश्यक रोहवरी र निगरानी राख्दै बीउको गुणस्तरीयताको ग्यारेण्टी गर्नको लागि अपनाइने एक कार्य प्रणाली हो । यसमा बीउ

गुण नियन्त्रण निकायले श्रोत बीउ, बीउ बाली, खलिहान, प्रशोधन केन्द्र, भण्डारण आदिको निरीक्षण गरी तयारी बीउको नमुना परीक्षण गर्दछ र तोकिएको गुणस्तरको हदभित्र रहेको विउ लटमा प्रमाणपत्र जारी गर्नुको साथै बीउ वोरामा निसाना सहितको संकेतपत्र राखी सिलबन्दी गर्दछ । बीउ प्रमाणिकरण गर्ने कार्य बीउ बिजन ऐन अनुसार स्वेच्छीक (Voluntary) छ । यस पद्धतिमा श्रोत बीउ देखि लिएर उत्पादन पक्ष र बीउ थैलावन्दीसम्म बीउ विशेषज्ञको निगरानीमा गरिन्छ । यस पद्धतिमा व्यवस्थित तरिकाबाट विभिन्न तहमा अनुगमन एवं परीक्षण गरी गराई खेतमा बीउ बालीको न्युनतम स्तर र बीउ बिजनको न्युनतम स्तर भन्दा माथि रहेको बीउलाई गुणस्तर अंकित प्रमाणिकरणको ट्याग (संकेत पत्र) लगाई बीउको ग्यारेन्टी दिईन्छ । यस पद्धतिमा तीन वर्गहरूको बीउलाई (मुल, प्रमाणित प्रथम, प्रमाणित द्वितिय) मात्र बीउ प्रमाणिकरण निकाय बाट प्रमाणित गराइन्छ भने श्रोत बीउ (प्रजनन बीउ) लाई प्रजननकर्ता बाट नै प्रमाणित गर्ने व्यवस्था रहेको छ ।

२. यथार्थ संकेतपत्र (Truthful Labeling)

यो पद्धति अनिवार्य (Compulsory) छ । यस प्रक्रियामा बीउ प्रमाणिकरणमा जस्तै हरेक पक्षमा बीउ प्रमाणिकरण निकायका बीउ विशषज्ञहरूले प्राविधिक निरीक्षण गरिदैन । यस पद्धतिमा बीउ उत्पादक वा बीउ बिक्रेताले बीउको गुणनियन्त्रणको हरेक पक्षमा आफ्नै बन्दोबस्तबाट गरेको हुन्छ । यस किसिमबाट उत्पादन गरिएको बीउ बिक्री गर्दा उक्त बीउको थैलोमा सो बीउको गुणस्तर अनुसार अंकित गरेको यथार्थ संकेत पत्र लगाएको हुनु पर्छ । बीउको उमारशक्ति र भौतिक शुद्धता बीउ गुण नियन्त्रण निकायले बीउ नमुना झिकेर लिई जाँच गर्दछ र राष्ट्रिय बीउ बिजन समितिले तोकेको हद भन्दा माथिको गुणस्तरिय बीउलाई यथार्थ संकेतपत्र लगाएर विक्रि वितरण गर्न सकिन्छ । यथार्थ संकेतपत्र पहिलो रंगको कागजमा कालो अक्षरले लेखेको हुनु पर्दछ । साथै यस किसिमको बीउको गुणस्तर सम्बन्धी जिम्मेवारी बीउ विक्रेता वा बीउ उत्पादक नै हुन्छ । बीउको गुण नियन्त्रकले यस्ता संकेतपत्र लगाएर बिक्री भईराखेका बीउको नमुना लिई परीक्षण गरी राखेको हुन्छ । यस्ता बीउमा न्युनतम स्तरभन्दा कम गुणको बीउ बिक्री भई राखेको खण्डमा बीउ बिजन ऐनमा तोकिएबमोजिम रोक्का गरी सजाय हुन सक्छ । यथार्थ संकेतपत्रमा तपसिल अनुसारको विवरण भरी बीउको थैलो अनुसारको साइजमा प्याकिङ्ग गर्दा स्पष्ट देखिने गरी थैला भित्र हालेर मात्र बीउको बिक्री वितरण गर्नु पर्दछ । यथार्थ संकेतपत्रको लम्बाई १३. ५ से.मी., र चौडाई ८.५ से.मी.को हुनुपर्छ ।

संकेतपत्रमा हुनुपर्ने विवरणहरू

- | | |
|--------------------------------|------------------------------|
| १. उत्पादन वर्ष | २. परीक्षण मिति |
| ३. बालीको नाम | ४. बालीको जात |
| ५. उमारशक्ति प्रतिशत (न्युनतम) | ६. शुद्धता प्रतिशत (न्युनतम) |
| ७. बीउको तौल | ८. लोगो |
| ९. सिफारिस क्षेत्र | |

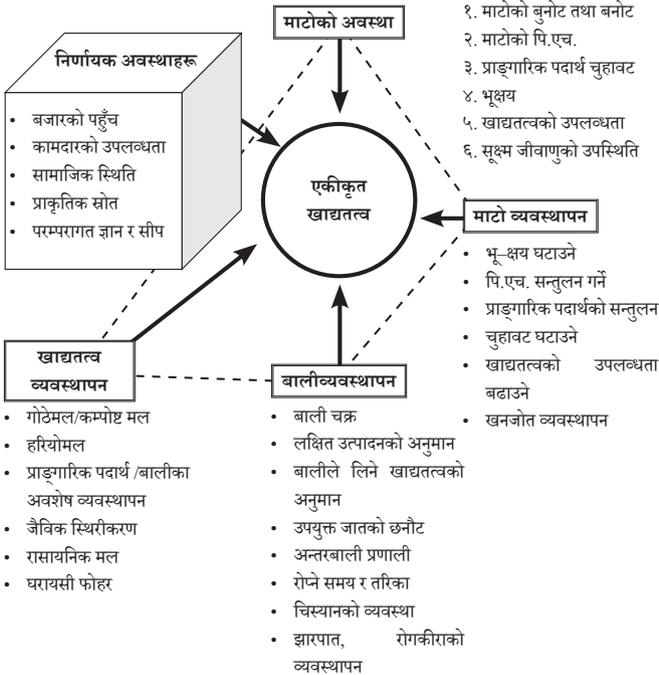
स्रोत: वीउ बिजन गुणस्तर नियन्त्रण केन्द्र, हरिहरभवन २०७५ ।

११. माटो

११.१ बिरुवाको एकीकृत खाद्यतत्व व्यवस्थापनको अवधारणा

बिरुवालाई आवश्यक पर्ने सबै खाद्यतत्वहरू आवश्यकता अनुरूप, न्यायोचित रूपमा उपलब्ध गराउन, रासायनिक मल सहित प्राङ्गारिक मलहरूको सबै सम्भाव्य स्रोतहरूलाई अधिकतम उपभोगमा ल्याई बाली व्यवस्थापन, माटो व्यवस्थापन र खाद्यतत्व व्यवस्थापनलाई टेवा दिदै वातावरणमा न्यून असर पाउँदै माटोको दिगो उर्वराशक्ति व्यवस्थापन गर्दै जाने प्रकृत्यालाई एकीकृत खाद्यतत्व व्यवस्थापन भनिन्छ। यो पद्धति खासगरी मूल्यांकन, निर्णय र कार्यान्वयनमा आधारित हुन्छ। यो माटोको उर्वराशक्तिको दीर्घकालीन व्यवस्थापन गर्ने भरपर्दो उपाय हो। साथै माटो, मल, पानी र बालीको उचित व्यवस्थापनद्वारा जमिनबाट बढी तथा दिगो उत्पादन लिन सकिन्छ। कृषकहरूमा पनि आफ्नो खेतबारीको लागि आफैले परीक्षण गरी सो को मूल्यांकनद्वारा निर्णय लिने क्षमतामा वृद्धि गराउँछ। यसले स्थानीय तथा बाह्य स्रोतहरूको प्रभावकारी उपयोगद्वारा उत्पादन बढाउनुका साथै माटोको दिगोपनामा जोड दिदै वातावरणको सुधार गर्ने मात्र नभई खाद्यतत्वहरूको सदुपयोग तथा तिनको प्रभावकारिता बढाउन पनि मद्दत गर्दछ।

एकीकृत खाद्यतत्व व्यवस्थापनको आधार



११.२ रासायनिक मलखादहरू

| मलको नाम | पोषकतत्वहरू (प्रतिशतमा) | | | | |
|--------------------|-------------------------|---------|-------|-------|-------|
| | नाइट्रोजन | फस्फोरस | पोटास | जिंक | सल्फर |
| यूरिया | ४६ | - | - | - | - |
| एमोनियम सल्फेट | २१ | - | - | - | २०-२५ |
| कम्प्लेसल | २० | २० | - | - | - |
| कम्प्लिट | १९ | १९ | १० | - | - |
| डी.ए.पी. | १८ | ४६ | - | - | - |
| सिंगल सुपर फस्फेट | - | १६ | - | - | - |
| डबल सुपर फस्फेट | - | ३२ | - | - | - |
| ट्रिपल सुपर फस्फेट | - | ४८ | - | - | - |
| म्युरेट अफ पोटास | - | - | ६० | - | - |
| जिंक सल्फेट | - | - | - | २२-३५ | - |

आवश्यक क्षेत्रफलका लागि मलको मात्रा निकाल्न यो सूत्र प्रयोग गर्न सकिन्छ:

$$\text{मलको मात्रा (के.जी.)} = \frac{१०० \times \text{क} \times \text{ख}}{\text{मलमा भएको खाद्यतत्वको प्रतिशत मात्रा}}$$

क. मल प्रयोग गर्ने क्षेत्रफल (हेक्टरमा)

ख. प्रति हेक्टर सिफारिस मलको मात्रा

विभिन्न बालीनालीका लागि सिफारिस मलखाद मात्रा

| बाली | प्राङ्गारिक मल मे.टन/हे. | नाइट्रोजन कि.ग्रा./हे. | फोस्फोरस कि.ग्रा./हे. | पोटास कि.ग्रा./हे. | आवश्यक रसायनिक मल कि.ग्रा./हे. | | |
|------------------|--------------------------|------------------------|-----------------------|--------------------|--------------------------------|----------|-----------|
| | | | | | यूरिया | डि.ए.पि. | म्यू.अ.पो |
| धान: सिंचित | ६ | १०० | ३० | ३० | १९१.९ | ६५.२२४ | ५०.० |
| असिंचित | ६ | ६० | २० | २० | ११३.४ | ३.४८ | ३३.३३ |
| गहुः सिंचित | ६ | १०० | ५० | २५ | १७४.९ | १०८.७ | ४१.६७ |
| असिंचित | ६ | ५० | ५० | २० | ६६.१६ | १०८.७ | ३३.३३ |
| मकै वर्षे+हिउँदे | ६ | ६० | ३० | ३० | १०४.९ | ६५.२२ | ५०.० |
| जौ, उवा, फापर | ६ | ३० | २० | १० | ४८.२ | ४३.४८ | १६.६७ |
| कोदो | ६ | २० | १० | १० | ३४.९७ | २१.७४ | १६.६७ |
| उखु मुख्य बाली | १० | १२० | ६० | ४० | २०९.८ | १३०.४ | ६६.६७ |
| उखु खुट्टी बाली | १० | १५० | ६० | ४० | २७५.० | १३०.४ | ६६.६७ |
| अदुवा | २४ | ३० | ३० | ६० | ३९.७ | ६५.२२ | १००.० |
| आलु | ३० | ७० | ५० | ४० | १०९.६ | १०८.७ | ६६.६७ |

| बाली | प्राङ्गारिक मल मे.टन/हे. | नाइट्रोजन कि.ग्रा./हे. | फोस्फोरस कि.ग्रा./हे. | पोटास कि.ग्रा./हे. | आवश्यक रसायनिक मल कि.ग्रा./हे. | | |
|------------------|--------------------------|------------------------|-----------------------|--------------------|--------------------------------|----------|-----------|
| | | | | | युरिया | डि.ए.पि. | म्यू.अ.पो |
| सुर्ती | १० | ३५ | २३ | ६० | ५६.५२ | ५०.० | १००.० |
| तोरी, रायो, कपास | ६ | ६० | ४० | २० | ९६.४१ | ८६.९६ | ३३.३३ |
| सूर्यमुखी | ६ | ६० | ४० | २० | ९६.४१ | ८६.९६ | ३३.३३ |
| तरकारी बाली | ३२ | ७० | ५० | ४० | १०९.६ | १०८.७ | ६६.६७ |
| मास, मसुरो, मुंग | ४-६ | २० | २० | २० | २६.४७ | ४३.४८ | ३३.३३ |
| बोडी, रहर | ४-६ | २० | ४० | ३० | ९.४५ | ८६.९६ | ५०.० |
| चना | ४-६ | २० | ४० | २० | ९.४५ | ८६.९६ | ३३.३३ |
| केराउ | ४-६ | १५ | ४० | १० | | ८६.९६ | १६.६७ |
| भटमास | ४-६ | १० | ४० | ३० | | ८६.९६ | ५०.० |
| बदाम | ६ | ४० | ६० | २० | ३५.९२ | १३०.४ | ३३.३३ |
| किम्बु | - | ३०० | १४० | १८० | ५३३.१ | ३०४.३ | ३००.० |
| तराई: सिंचित | - | १५० | ७० | ९० | २६६.५ | १५२.२ | १५०.० |
| असिंचित | - | २०० | ८० | १२० | ३६६.७ | १७३.९ | २००.० |
| पहाड: सिंचित | - | १०० | ४० | ६० | १८३.४ | ८६.९६ | १००.० |
| असिंचित | - | | | | | | |

नोट: युरिया मल बलौटे माटोमा सिफारिस मात्राको २५ प्रतिशत र अन्य माटोमा ५० प्रतिशत जमीनको तयारीका समयमा र बाँकी युरियाको मात्रा २-३ पटक गरी टप ड्रेसिङ गर्न सिफारिस गरिन्छ ।

फलफूलको निम्ति मलखाद सिफारिस मात्रा (प्रति बोट)

| बोटको उमेर वर्षमा | प्रांगारिक मल कि.ग्रा. | नाइट्रोजन ग्राम | फस्फोरस ग्राम | पोटास ग्राम | आवश्यक रसायनिक मल ग्राम/बोट | | |
|-------------------|------------------------|-----------------|---------------|-------------|-----------------------------|----------|-----------|
| | | | | | युरिया | डि.ए.पि. | म्यू.अ.पो |
| १ | २५ | - | - | - | - | - | - |
| २ | ३० | १०० | ५० | २० | १७९.५८ | १०८.७० | ३३.३३ |
| ३ | ४० | १२५ | ७५ | ३० | २१५.०३ | १६३.०४ | ५०.०० |
| ४ | ५० | १५० | १०० | ४० | २५०.४७ | २१७.३९ | ६६.६७ |
| ५ | ६० | २०० | १५० | ५० | ३२१.३६ | ३२६.०९ | ८३.३३ |
| ६ | ६०-१०० | ३०० | २०० | ७५ | ५००.९५ | ४३४.७८ | १२५.०० |
| ७ | ६०-१०० | ४०० | २०० | १०० | ७१८.३४ | ४३४.७८ | १६६.६७ |
| ८ र सो भन्दा माथि | ६०-१०० | ५०० | २०० | १०० | ९३५.७३ | ४३४.७८ | १६६.६७ |

११.३ विभिन्न पि.एच. तथा बुनोट (Texture) भएको माटोमा कृषि चूनको प्रयोग

| माटोको पि.एच मान | कृषि चूनको सिफारिस मात्रा (के.जी/रोपनी) | | | | | |
|------------------|---|------|----------------|------------|------|----------------|
| | पहाड | | | तराई | | |
| | बलौटे दोमट | दोमट | चिम्टाईलो दोमट | बलौटे दोमट | दोमट | चिम्टाईलो दोमट |
| ६.४ | १५ | २० | २४ | ८ | १४ | २२ |
| ६.३ | २९ | ४० | ४८ | १५ | २४ | ४४ |
| ६.२ | ४३ | ६० | ७२ | २३ | ३४ | ६४ |
| ६.१ | ५८ | ७८ | ९८ | ३० | ४४ | ८६ |
| ६.० | ७१ | ९२ | १२० | ३८ | ५२ | १०६ |
| ५.९ | ८५ | ११० | १४६ | ४५ | ६२ | १२८ |
| ५.८ | ९७ | १२८ | १६६ | ५२ | ७२ | १४६ |
| ५.७ | १०८ | १४२ | १८८ | ५८ | ८२ | १६६ |
| ५.६ | ११९ | १५८ | २०८ | ६४ | ९० | १८४ |
| ५.५ | १३० | १७० | २३० | ७० | १०० | २०० |
| ५.४ | १४० | १८८ | २५२ | ७६ | ११० | २२० |
| ५.३ | १५० | २०४ | २७४ | ८१ | ११८ | २३८ |
| ५.२ | १६० | २१८ | २९४ | ८६ | १२६ | २५४ |
| ५.१ | १६९ | २२८ | ३१४ | ९१ | १३६ | २७० |
| ५.० | १७६ | २४० | ३३४ | ९६ | १४२ | २८६ |
| ४.९ | १८४ | २५२ | ३५४ | १०१ | १५० | ३०२ |
| ४.८ | १९१ | २६२ | ३७४ | १०६ | १५८ | ३१६ |
| ४.७ | १९९ | २७२ | ३९० | १११ | १६६ | ३३० |
| ४.६ | २०५ | २८० | ४०६ | ११५ | १७४ | ३४० |
| ४.५ | २१० | २९० | ४२० | १२० | १८० | ३५० |

- कृषि चून बाली लगाउनु भन्दा दुई/तीन हप्ता पहिले नै माटोमा मिलाउनु पर्दछ ।
- धेरै अम्लिय अथवा pH कम भएको माटोमा कृषि चूनको प्रयोग गर्दा सिफारिस मात्रालाई दुईपटक गरी प्रयोग गर्दा लाभदायक हुन्छ ।
- कृषि चून माटो परीक्षण गरी सकेपछि मात्र प्रयोग गर्नुपर्दछ ।

कृषि चुन पाईने स्थान र सम्पर्क टेलिफोन

- ✓ दिग्विजय प्रोडक्स प्रा.ली. हेटौडा, फोन ०५७-५२७२२५, ९८५५०६८५१०
- ✓ देउराली उर्वरा कृषि चुन तथा शक्ति ग्रिट उद्योग छत्रेदेउराली धादिङ, घनेन्द्र कार्कि ९८१५३०८०६७, ९७४२१११२७०

११.४ माटो तथा रसायनिक मल विश्लेषण गर्दा प्रति नमुना लाग्ने शुल्क

| माटोको नमुना विश्लेषण: | रसायनिक मल विश्लेषण: | प्राङ्गारिक मल विश्लेषण: |
|----------------------------|---|----------------------------|
| माटोको पि.एच. रु १०।- | कूल नाईट्रोजन रु ३००।- | पि.एच. रु १२।- |
| नाईट्रोजन रु ८०।- | नाईट्रेट नाईट्रोजन रु ३००।- | कूल नाईट्रोजन रु ४५०।- |
| फस्फोरस रु १००।- | एमोनिकल नाईट्रोजन रु १५०।- | कूल फस्फोरस रु ५००।- |
| पोटास रु ८०।- | कूल फस्फोरस रु ३००।- | पोटास रु ४००।- |
| प्रांगारिक पदार्थ रु १००।- | फ्याक्सनल फस्फोरस पानीमा घुलनशील रु १२००।- | चिस्यान रु २०।- |
| बोरन रु ४००।- | पोटास STTB रु २५२।- | प्रांगारिक कार्बन रु १२०।- |
| जिंक रु २५०।- | पोटास फ्लेम फोटोमिटर रु ४००।- | |
| आईरन रु २५०।- | | |
| कपर रु २५०।- | | |
| म्यागनीज रु २५०।- | | |
| मोलिब्डेनम रु ४००।- | | |
| माटोको टेक्सचर रु ३०।- | | |

मूख्य मूख्य वालीहरु र उपयुक्त माटोको पि.एच.

| खाद्यान्न वाली | उपयुक्त पि.एच. | तरकारी वाली | उपयुक्त पि.एच. | फलफुल वाली | उपयुक्त पि.एच. |
|----------------|----------------|-------------|----------------|------------|----------------|
| धान | ५.०-६.५ | आलु | ४.५-७.५ | आँप | ५.५-७.० |
| मकै | ५.५-७.५ | कुरीलो | ५.५-७.० | केरा | ६.०-७.५ |
| गहुँ | ५.५-७.५ | काँक्रो | ६.०-७.५ | सुन्तला | ५.५-६.५ |
| कोदो | ५.५-६.५ | बन्दा | ६.५-७.५ | स्याउ | ६.०-८.० |
| जौ | ६.५-८.० | प्याज | ६.५-७.५ | किवीफल | ५.०-६.५ |
| फापर | ५.५-७.० | मूला | ६.०-७.४ | | |
| | | काउली | ६.५-७.५ | | |
| | | पालुंगो | ६.०-७.५ | | |
| | | गोलभेंडा | ५.५-७.० | | |

स्रोत: केन्द्रीय कृषि प्रयोगशाला, हरिहरभवन ।

११.५ नेपालमा उत्पादित दर्ता भएका प्राङ्गारिक मलहरु

| क्र.सं | दर्ता भएका मलहरुको नाम | दर्ता गराउने निकाय -फर्म/कम्पनी |
|--------|-----------------------------|--|
| १ | ट्राइकोडर्मा प्राङ्गारिक मल | नेपाल कल्पवृक्ष म्यानेजमेन्ट एण्ड ट्रेडिङ प्रा.लि, चोभार, काठमाडौं । |
| २ | राडर प्राङ्गारिक भोल मल | मनकामना एग्रिटेक प्रा.लि., दिव्यनगर, चितवन |
| ३ | राप्ती दाङ गड्यौला मल | मध्य पश्चिम भर्मिक कम्पोष्ट -गड्यौला) मल उद्योग, ढिकपुर-२, दाङ । |

| क्र.सं | दर्ता भएका मलहरुको नाम | दर्ता गराउने निकाय -फर्म/कम्पनी |
|--------|---|---|
| ४ | संजीवनी भोल मल | संजीवनी एग्रो फार्म प्रा.लि. रुपन्देही । |
| ५ | संजीवनी जैविक धुलो मल | संजीवनी एग्रो फार्म प्रा.लि. रुपन्देही । |
| ६ | संजीवनी हाई पावर (भोल) | संजीवनी एग्रो फार्म प्रा.लि. रुपन्देही । |
| ७ | समर्पण | लर्ड बुद्ध हर्वल प्लाण्टस प्रा.लि., थापाथली, काठमाडौं । |
| ८ | सौभाग्य प्राङ्गारिक मल | सौभाग्य प्राङ्गारिक मल उद्योग, मधवलिया-४, रुपन्देही । |
| ९ | साथी प्राङ्गारिक मल | नेसनल बायोटेक प्रा. लि. लेले, ललितपुर |
| १० | सुर्या वायो फर्टिलाइजर्स | सुर्या वायो फर्टिलाइजर्स उद्योग, हात्ती वनगाई, रुपन्देही । |
| ११ | बुस्टर प्राङ्गारिक मल | नेपाल मल उद्योग, बर्दिवास, महोत्तरी । |
| १२ | बोकासी मल | संजीवनी एग्रो फार्म प्रा.लि. रुपन्देही । |
| १३ | बायोक्मप जैविक मल | बायोक्मप नेपाल प्रा. लि, कीर्तिपुर । |
| १४ | बनसुन सुपर अर्गानिक फर्टिलाइजर | बनसुन एग्रो अर्गानिक्स प्रा. लि., नारायणगााड, चितवन । |
| १५ | मनकामना प्राङ्गारिक मल | मनकामना एग्रो अर्गानिक फर्टिलाइजर उद्योग प्रा.लि., पिठुवा-२, चितवन । |
| १६ | भू म्यत्र भर्मिकम्पोष्ट मल | प्रारम्भ बायोटेक प्रा.लि., रामकोट-६, काठमाण्डौ |
| १७ | भूशक्ती प्राङ्गारिक मल | इन्दुशंकर चिनी उद्योग लि, सर्लाही, हरिऔन । |
| १८ | नेप्लिज प्राङ्गारिक मल | नेप्लिज वेष्ट मेनेज्मेन्ट प्रा.लि., लेले-२, ललितपुर । |
| १९ | नर्थ फिल्ड प्राङ्गारिक मल | नर्थ फिल्ड प्राङ्गारिक मल कारखाना प्रा.लि., गोरखा नगर पालिका-९, गोरखा । |
| २० | प्राङ्गारिक मल | सुर्यशक्ति सुपर जैविक प्राङ्गारिक मल उत्पादन केन्द्र प्रा.लि., सोनपुर-५, दाङ्ग । |
| २१ | प्राङ्गारिक मल | अन्नपूर्ण कृषि मलखाद उद्योग, विराटनगर-१०, मोरङ्ग । |
| २२ | प्रङ्गारिक मल | एग्रो हेल्थ वायो टेक प्रा.लि., भरतपुर-४, चितवन |
| २३ | प्राङ्गारिक मल | कृष्ण एण्ड कृष्णा प्राङ्गारिक मल उद्योग, पोर्ताहा-१, सप्तरी । |
| २४ | प्राङ्गारिक भोलमल | डब्लु डब्लु एग्रोटेक प्रा.लि. देवचुली-१४, नवलपरासी । |
| २५ | दिव्या भर्मिकम्पोष्ट मल | दिव्या अर्गानिक फर्टिलाइजर प्रा.लि., खजुरा-ई-गाँउ, बाँके |
| २६ | दिपक भर्मिकम्पोष्ट मल | दिपक भर्मी कम्पोष्ट मल, लालबन्दी-१, सर्लाही |
| २७ | विराट भर्मिकम्पोष्ट मल | विराट वायोटेक इण्डस्ट्रिज, विराटनगर ११, मोरङ्ग । |
| २८ | त्रिवेणी अर्गानिक कम्प्लेक्स प्राङ्गारिक मल | त्रिवेणी वायो इनर्जी रिसर्च एण्ड डेभेलपमेण्ट सेन्टर, रामपुर टो कनी, वारा । |
| २९ | त्रिशक्ती प्राङ्गारिक मल | बुद्ध प्राङ्गारिक मल उद्योग, सखुवा, महेन्द्रनगर, धनुषा । |
| ३० | किरण प्राङ्गारिक भोल मल | मनकामना एग्रोटेक प्रा.लि., दिव्यनगर, चितवन |
| ३१ | NAFED Bio-fertilizer | नेपाल राष्ट्रिय सहकारी संस्था लि. । |
| ३२ | लुम्बिनी जैविक मल सुपर फस्फेट | लुम्बिनी एग्रो अर्गानिक फर्टिलाइजर कम्पनी प्रा.लि., मकहर-द, म्रिगौली, रुपन्देही । |

| क्र.सं | दर्ता भएका मलहरूको नाम | दर्ता गराउने निकाय -फर्म/कम्पनी |
|--------|--|---|
| ३३ | युनिक प्राङ्गारिक मल | युनिक बायोटेक अर्गानिक प्रा.लि, जगतपुर, चितवन । |
| ३४ | इको प्राङ्गारिक मल | इको नेक्स्ट टेक्नोलोजिज प्रा.लि., पोखरा.-५, कोलपाटन, र मबजार । |
| ३५ | उर्जा अर्गेनिक मल | उर्जा अर्गेनिक मल प्याकेजिङ उद्योग, पर्सा |
| ३६ | Plant Boom प्राङ्गारिक झोलमल | माटो केयर प्रा.लि., कलैया ५, बारा । |
| ३७ | Plant Grow प्राङ्गारिक भोलमल | Soil care bio Fert, हेटौडा-११, मकवानपुर |
| ३८ | Plant Grow प्राङ्गारिक झोलमल | माटो केयर प्रा.लि., कलैया ५, बारा । |
| ३९ | Plant Neutra प्राङ्गारिक झोलमल | माटो केयर प्रा.लि., कलैया ५, बारा । |
| ४० | उचित प्राङ्गारिक मल | उचित जैविक मल उद्योग, ठेको-८, ललितपुर । |
| ४१ | कञ्चन प्राङ्गारिक मल | कञ्चन प्राङ्गारिक मलखाद उद्योग भलारी-३, कञ्चनपुर |
| ४२ | खनिजा प्राङ्गारिक मल | शिवशक्ति बायोप्लान्टिक इण्डस्ट्रिज, लिपनीमाल ७, बारा । |
| ४३ | आविष्कार प्राङ्गारिक मल | डल्लाकोटी एण्ड क्रुप साइन्स प्राइभेट लि., बारा, नेपाल । |
| ४४ | उर्जा प्राङ्गारिक मल | एसिएन जैविक मल उद्योग प्रा.लि., टंकिसिनवारी २, सकमा, मोरङ्ग |
| ४५ | ओबी फर्ट प्राङ्गारिक मल | Organic Bio Fertilizer (P) Ltd., Bharatpur, Nepal |
| ४६ | त्रिशुल ब्रान्डको भर्मि कम्पोष्ट मल दर्ता सम्बन्धमा । | कुशवाह खाद्य विज भण्डार, देवानागंज ७, सुनसरी । |
| ४७ | नमुना दानादार प्राङ्गारिक मल | Namuna Av-tech (P) Ltd., Sundar Haraicha-1, Morang, Nepal |
| ४८ | प्राङ्गारिक मल | Khanal Poultry Pvt. Ltd., Chainpur-1, Chitwan, Nepal |
| ४९ | बायोक्मप प्राङ्गारिक मल | बायो कम्प प्रा. लि. खोकना, ललितपुर । |
| ५० | भर्मिकम्पोष्ट मल | बावा बायोटेक इण्डस्ट्रिज, कटहरी २, मोरङ्ग । |
| ५१ | भर्मिकम्पोष्ट मल | दुर्गा भवानी जैविक भर्मि कम्पोष्ट मल उद्योग, विराटनगर ११, मोरङ्ग । |
| ५२ | भर्मिकम्पोष्ट मल | अमृत बायोटेक इण्डस्ट्रिज, विराटनगर १६, मोरङ्ग । |
| ५३ | भर्मिकम्पोष्ट मल | नेपाल जैविक भर्मिमल खाद उद्योग, विराटनगर १०, मोरङ्ग । |
| ५४ | भर्मिकम्पोष्ट मल | गुप्तेश्वरी महिला विकास सहकारी संस्था लि, भारदेउ-१, ललितपुर |
| ५५ | भर्मिकम्पोष्ट मल | अम्बे बायोटेक उद्योग, उर्लावारी २, मोरङ्ग । |
| ५६ | भर्मिकम्पोष्ट मल | टन्कि सिनवारी पशुपालन फाराम, टंकिसिनवारी, मोरङ्ग । |

| क्र.सं | दर्ता भएका मलहरूको नाम | दर्ता गराउने निकाय -फर्म/कम्पनी |
|--------|---|--|
| ५७ | भूमी प्राङ्गारिक मल | एग्रिटेक मल्टिनेशनल प्रा.लि., माडी नगरपालिका ४, सितलपुर । |
| ५८ | मनकामना एग्रीमल- अर्गानिक नाइट्रोजन | मनकामना एग्रिटेक प्रा.लि.,चितवन । |
| ५९ | मनकामना एग्रीमल- अर्गानिक पोटास | मनकामना एग्रिटेक प्रा.लि.,चितवन । |
| ६० | मनकामना एग्रीमल- अर्गानिक फस्फेट | मनकामना एग्रिटेक प्रा.लि.,चितवन । |
| ६१ | शक्ति प्राङ्गारिक मल | नेपाल इन्टिग्रेटेड मोडल एग्रो फार्म प्रा.लि., उग्रचण्डी नाला-१, काभ्रे |
| ६२ | सफल किसान प्राङ्गारिक धुलो मल दर्ता सम्बन्धमा । | जनकपुर फर्टिलाइजर उद्योग,झोराहाट-३,मोरङ्ग । |

श्रोत : कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय, २०७५ ।

११. मत्स्यपालन

परिचय

माछालाई पोखरी वा तालतलैयामा पालेर हुर्काउने प्रविधिलाई मत्स्यपालन भनिन्छ । पोखरी, ताल, तलैया, घोल, केज, रेसवे तथा धानखेतमा केही व्यवस्थापन प्रविधिहरू अपनाइ माछा पालन गर्न सकिन्छ । यस सम्बन्धी आवश्यक प्राविधिक जानकारी भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्र, प्रादेशिक मत्स्य विकास केन्द्रहरूरु केन्द्रीय मत्स्य प्रवर्द्धन तथा संरक्षण केन्द्र सो अनर्तगतका कार्यालयहरूबाट प्राप्त गर्न सकिन्छ । हालसम्मको अनुसन्धान तथा अध्ययन कार्यबाट नेपालमा २३२ जातका माछा पाइएको थाहा भएको छ तापनि हाल कृषक/व्यवसायीहरूले माछापालनमा प्रयोग गरिएका सात जातका विकास माछाहरू मध्ये ३ स्वदेशी तथा ४ विदेशी जातका माछाहरू निम्नानुसार छन् ।

- ❖ स्वदेशी माछाहरू: रहु, नैनी तथा भाकुर
- ❖ विदेशी कार्प जातका माछाहरू: सिल्भर कार्प, विगहेड कार्प, ग्रास कार्प तथा कमन कार्प
- ❖ अन्य विदेशी जातका माछाहरू: पुन्टियस, टिलापिया, पंगासियस र रेन्बोट्राउट ।
- ❖ सौन्दर्य माछा (रङ्गीन माछा)का जातहरू: कोई कार्प

माछाको पौष्टिक महत्व:

- ❖ माछा उच्च गुणस्तरयुक्त प्रोटीन, कम चिल्लो पदार्थ र छिटो पच्ने प्राणी प्रोटीनको श्रोत हो ।
- ❖ माछाको मासुमा लाइसिन (Lysine) र सल्फरयुक्त एमिनो एसिड मेथियोनिन (Methionine) जस्ता मानव शरीरलाई आवश्यक पर्ने पौष्टिक तत्वको मात्रा धेरै भएको पाइन्छ ।
- ❖ माछाको बोसोमा ओमेगा-३ फ्याट्टी एसिड र पोलि-अनसेचुरेटेड फ्याटिएसिडहरू हुने भएकोले माछा खादा मानव शरीरमा कोलेस्टेरोल (रगतमा बोसो) को मात्रा कम गरी स्वस्थ बनाउदछ ।
- ❖ माछामा पोलिअनस्याचुरेटेड आमेगा-३ समूहको लिनोलिक समूहको फ्याटिएसिडहरू प्रचुर मात्रामा पाइने

भएकाले यी तत्वबाट मानिसको उच्च रक्तचाप कम गरी हृदयघात हुनबाट जोगाउछ ।

- ❖ माछाको मासुमा भिटामिन डि र भिटामिन ए प्रचुर मात्रामा हुन्छ ।
- ❖ माछा क्याल्सियम, फस्फोरस, म्याग्नेसियम, आईरन, कपर, जिंक जस्ता मिनेरल्सको पनि स्रोत हो ।
- ❖ माछामा कोलेस्टेरोल कम हुने भएकोले विरामी, बच्चा, बृद्ध र सबै उमेरका मानिसले सेवन गर्न सक्छन् ।
- ❖ धेरैजसो समुद्री माछाहरूमा आयोडिन, ओमेगा-३, भिटामिन ए, फलाम पाइने हुदा यी पौष्टिक तत्वको सहाराले-अन्धोपन, एनेमिया (रगतको कमी) र गलगाड जस्ता रोग हुनबाट मानिसलाई बचाएर शरीर तन्दुरुस्त पार्दछ ।

व्यवसायिक मत्स्य पालन गर्दा ध्यान दिनु पर्ने कुराहरु:

- ❖ उपयुक्त स्थलको छनौट गरी पोखरी निर्माण गरौं ।
- ❖ पोखरीमा १ मीटर भन्दा बढी पानीको गहिराई कायम गरौं ।
- ❖ प्राकृतिक आहारा निर्माणको लागि नियमित रुपमा मलखाद (प्रति कठ्ठा पाकेको गोबरमल १०० के.जी., युरिया ४ के.जी., डि.ए.पी. ३ के.जी. शुर्मा) को प्रयोग गरौं ।
- ❖ ३ ईन्चभन्दा ठूलो साईजको अनुपात मिलाएर ७ जातको (कमन कार्प २५%, सिल्भर कार्प ३५%, विगहेड कार्प ५%, ग्रास कार्प ५%, रहु १०%, नैनी १५%, भाकुर ५%) मत्स्य भूरा प्रति कठ्ठा ३५० देखी ५०० संख्यामा स्टकिङ्ग गरौं ।
- ❖ मत्स्य पालन/उत्पादनमा हुने जोखिम न्यूनिकरण गर्न मत्स्य वीमा गरौं ।
- ❖ पेलेट दानाको प्रयोग गरौं ।
- ❖ पोखरीमा पानीको नियमित जाँच गरी गुणस्तर कायम राखौं ।
- ❖ एरिएटरको प्रयोग गरी अक्सिजनको कमीबाट माछालाई बचाऔं ।
- ❖ माछाको नियमित रुपमा स्वास्थ्य एवं वृद्धिदर जाँच गरौं ।
- ❖ एकिकृत माछापालन गरी डिलको सदुपयोग गरौं ।
- ❖ विक्री योग्य माछा विक्री गरी पुन मत्स्य भूरा स्टकिङ्ग गरौं ।
- ❖ माछापालनको उत्पादन, आम्दानी खर्चको रेकर्ड अध्यावधिक गरौं ।

नेपालमा पालन गरिएका विकासे जातका माछाका विशेषताहरू

१. न्यानो हावापानीमा छोटो समयमा छिटो बढ्ने ।
२. रोगब्याधी कम लाग्ने तथा कम अक्सिजनमा पनि बाँच्न सक्ने ।
३. पर्याप्त मात्रामा पोथी माछाबाट बच्चा दिन सक्ने र चाँडै परिपक्व भई प्रजनन कार्यमा प्रयोग हुन सक्ने ।
४. स्थानीय व्यक्तिहरूले रूचाउने ।
५. पोखरीमा उत्पादन हुने प्राकृतिक तथा कृत्रिम आहारा खाएर बाच्न सक्ने ।

माछा मार्ने तरिकामा प्रतिबन्ध गरीएका बुंदाहरु (जलचर संरक्षण एन, २०१७ मा भएका प्रावधानहरु)

| क्र. स. | प्रतिबन्धित क्रियाकलाप | दण्ड जरिवाना |
|---------|------------------------------------|--|
| १ | बिष्फोटक पदार्थ प्रयोग गरेमा | बिगो बमोजिमको क्षतिपूर्ती भराइ रु. ५०००।-सम्म जरिवाना हुने |
| २ | विद्युतीय प्रक्रियाबाट माछा मारेमा | |
| ३ | बिषादि प्रयोग गरी माछा मारेमा | |

नेपालमा पालन गरिएका माछाका जातहरूको खाने बानी र स्वभाव

| माछाको जात | पानीमा चरन गर्ने तह | माछाको खाने स्वभाव तथा प्रकृति |
|--|---|--|
| <p>कमन कार्प</p>  | <p>पानीको पिंघ र बीचमा चरन गर्छ ।</p> | <p>सर्वभक्षी, कृत्रिम आहारा रुचाउने। यो माछा पोखरीमा उत्पादन हुने विभिन्न प्रकारका वनस्पति तथा प्राणीजन्य सूक्ष्म जीवहरू, जलाशयको पीधमा रहेको किरा, कुहिएका झारपात आदि खान्छ। कमन कार्पको शरीर सर्लक्क परेको सुडौल र बाटुलो हुन्छ। यो माछाले सजिलैसंग पोखरीको पानीमा फूल पारेर बच्चा निकाल्दछ।</p> |
| <p>सिल्भर कार्प</p>  | <p>पानीको माथिल्लो भागमा चरन गर्छ ।</p> | <p>मूख्य आहाराको रूपमा सूक्ष्मजन्य वनस्पति जीवाणु वा हरियो लेऊ अत्यधिक रुचाउछ। यसको गिलमा मसिनो जाली हुन्छ जसको सहायताले पानीमा भएको आहारा छानेर खाने गर्दछ। यो माछा दोस्रो वर्षमा मात्र प्रजननको लागि योग्य हुन्छ र कृत्रिम प्रविधिद्वारा प्रजनन गरिन्छ।</p> |
| <p>बिगहेड कार्प</p>  | <p>पानीको माथिल्लो भागमा चर्ने गर्छ ।</p> | <p>मूख्यतया प्राणीजन्य सूक्ष्म जीवाणुहरू खाने गर्दछ। यसको गिलमा सिल्भर कार्पको भन्दा अलि ठूलो प्वाल भएको जाली भएको हुनाले वनस्पतिजन्य जीवाणुको साथै प्राणीजन्य जीवाणु बढी फिल्टर गरी खान्छ।</p> |
| <p>ग्रास कार्प</p>  | <p>पोखरीको छेऊ छेऊमा र बीचमा चरन गर्छ ।</p> | <p>माछा भुराले वनस्पति र प्राणीजन्य जीवाणु खान्छ र बढ्दै गएपछि पोखरीको घाँस र झारपात पनि खान्छ।</p> |
| <p>रोहु</p>  | <p>पोखरीको विचमा चरन गर्छ ।</p> | <p>यस माछाले एक कोषिय लेऊ, प्राणीजन्य जीवाणु र खासगरी सडेगलेका झारपातहरू खान्छ। यो माछा स्वादको लागि निकै नै प्रसिद्ध माछा हो। यो माछाले पोखरीमा जमेको पानीमा फूल पादैन। यसैले यो माछालाई कृत्रिम विधिद्वारा प्रजनन गराइन्छ।</p> |

| माछाको जात | पानीमा चरन गर्ने तह | माछाको खाने स्वभाव तथा प्रकृति |
|--|--|--|
| <p>नैनी</p>  | <p>पानीको माथिल्लो सतहमा चरन गर्छ।</p> | <p>यस माछाले पोखरीको पिंधमा पाइने सडेगलेका घाँसपात र किराहरू खान्छ। यो माछाले सबै चिज खाने हुनाले यसलाई सर्वहारी भनिन्छ। यो माछाले पोखरीमा जमेको पानीमा फूल पाउँदा यसैले यो माछालाई कृत्रिम विधिद्वारा प्रजनन गराइन्छ।</p> |
| <p>भाकुर</p>  | <p>पानीको सबै तहमा बस्छ।</p> | <p>यस माछाले पोखरीको सतह नजिक पाइने प्राणीजन्य जीवाणुहरू खाने गर्दछ। यो माछाले पोखरीमा जमेको पानीमा फूल पाउँदा यसैले यो माछालाई कृत्रिम विधिद्वारा प्रजनन गराइन्छ।</p> |
| <p>भित्तापिया</p>  | <p>पानीको सबै तहमा बस्छ।</p> | <p>यो सर्वहारी माछा भएतापनि यसले सूक्ष्म जिवहरू र अरु माछाको भुरा खान पनि निकै मन पराउछ। तर यसले दाना पनि निकै मन पराउछ। केही मात्रामा प्राणीजन्य जीवाणुहरू पनि उपभोग गर्दछ।</p> |
| <p>माँगर</p>  | <p>पानीको सबै तहमा बस्छ।</p> | <p>माँसाहारी माछा हो। माँसाहारी प्रकारको कृत्रिम दानाको आपूर्तिको भरमा यसको पालन गर्नुपर्छ।</p> |
| <p>रेन्बो ट्राउट</p>  | <p>पानीको सबै तहमा बस्छ।</p> | <p>माँसाहारी माछा हो। यसले ढाड नभएको प्राणी जन्य जीवाणुको र ससाना किराहरू, माछाहरू आहाराको रूपमा उपभोग गर्दछ।</p> |
| <p>सहर</p>  | <p>सतह र पोखरीको पोँधमा बस्ने गर्दछ।</p> | <p>यो सानो अवस्थामा माँसाहारी प्रकृतिको हुन्छ। जतिजति बढ्दै जान्छ यसको खाने स्वभावमा परिवर्तन हुन्छ र पछि परिपक्व अवस्थामा मुख्यतया वनस्पतिजन्य सूक्ष्म जीवाणुहरू प्रमुख रूपमा र केही मात्रामा प्राणीजन्य जीवाणुहरू पनि उपभोग गर्दछ।</p> |

| माछाको जात | पानीमा चरण गर्ने तह | माछाको खाने स्वभाव तथा प्रकृति |
|--|---------------------------------------|--|
| <p>पङ्गासियस</p>  | सतह र पोखरीको बीच भागमा बस्ने गर्दछ । | यो माछा माँसाहारी माछा हो तर ठूलो हुँदै गए पश्चात् अवसरवादी स्वभाव जस्तो हुन्छ र अन्य आहारा पनि खान्छ। |

माछा पालनको उत्पादन खर्चको सामान्य विवरण

| सघन माछापालनको लागि उत्पादन खर्च र हेक्टर | | | | |
|---|--------|--------|-------|-----------|
| विवरण | इकाई | परिमाण | दर | रकम रु. |
| सरसफाई | हेक्टर | १ | १०००० | १०००० |
| चुन | के.जी. | ५०० | २० | १०००० |
| प्राङ्गारिक मल | के.जी. | ३००० | २ | ६००० |
| डि.ए.पि. मल | के.जी. | ९० | ६० | ५४०० |
| युरिया | के.जी. | १२० | ५० | ६००० |
| पानीभर्नेखर्च | हेक्टर | १ | ३६००० | ३६००० |
| माछा भुरा | गोटा | १५००० | २=५ | ३७५०० |
| ढुवानीखर्च | हेक्टर | १ | ८००० | ८००० |
| प्राङ्गारिक मल | के.जी. | ६००० | २ | १२००० |
| डि.ए.पि. | के.जी. | ६०० | ६० | ३६००० |
| युरिया | के.जी. | ८४० | ५० | ४२००० |
| पेलेट दाना | के.जी. | ६००० | ४५ | २१०००० |
| विविधखर्च | | १ | ६५००० | ६५००० |
| खर्च जम्मा | | | | ४८३९०० |
| आम्दानी | | ६००० | २०० | १२,००,००० |
| वार्षिक नाफा | | | | ७,१६,१०० |
| वार्षिक नाफा% | | | | १४८ |

पोखरीमा मत्स्यपालन व्यवस्थापनमा ध्यान दिनुपर्ने केही थप महत्वपूर्ण पक्षहरू

| क्र.सं | समस्याहरू | समाधानका उपायहरू |
|--------|---|---|
| १ | अक्सिजनको कमी: बिहान घाम उदाउनु अघि पोखरीका माछा पानीको सतहमा आई प्याक गरेको देखिन्छ। पोखरीमा बढी झारपात वा छहारी वा बदली भएको समयमा वा बढी मलखाद वा बढी संख्यामा माछा लगायत अन्य जलचर भएको अवस्थामा यस्तो लक्षण देखिन्छ। पानीमा घुलित अक्सिजनको मात्रा कम हुने समयमा पानीको सतहमा अनुपातिक हिसाबले अन्य स्थानमा भन्दा बढी अक्सिजन घुलित पानी उपलब्ध हुने भएकोले यस्तो समयमा माछाले सतहमा आई छिटो छिटो मुख बाउने (प्याक प्याक) गरेको लक्षण देखिन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> पोखरीमा तत्काल बाहिर्बाट पानी थपी दिने। पम्पिङ्ग सेट लगाएर पानी तोनेर फोहोरा बनाई सोही पोखरीमा खसाल्ने। पानी नधमिलिने गरी पोखरीमा मानिस पसेर पानी चलाउने वा पौडी खेल्ने। एरिएटर (पानी चलाउने मेसिन) को प्रयोग गर्ने। अपरान्ह घाम लागि सकेपछि जाल हाली निकाल्ने। केही समयको लागि पोखरीमा माछालाई दाना र मल खाद नदिने। |
| २ | पोखरीमा पानी छिटो सुक्ने: साधारणतया बलौटे माटोमा पोखरी निर्माण गर्नु हुँदैन। पिँधमा बालुवाको मात्रामा बढी भएको पोखरी पानी छिटो सुक्दछ र बारम्बार पानी थन्पुर्छ। यसरी थपिने पानी कम मलिलो हुने भएकोले पोखरीमा रहेका माछाको वृद्धिमा कमी आउँछ। | <ul style="list-style-type: none"> बाहिर्बाट कन्तीमा १ फिट चिम्ट्याईलो माटो पिँधमा थप्ने। प्रत्येक वर्ष बलौटे पोखरीको पिँधमा प्रशस्त गोबर मल, झारपाद, परा४.५ल, वा अन्य प्राङ्गारिक पदार्थ हाल्ने गर्नाले क्रमशः कम चुहिने हुन्छ। पिँधमा प्याष्टिक बिछ्याउने। |

जात अनुसार माछाका भुराहरू उपलब्ध हुने समय र स्रोतहरू

| क्र.सं. | माछाको किसिम | भुरा पाइने समय | सरकारी स्रोत केन्द्रहरू | निजी क्षेत्रका स्रोत केन्द्रहरू |
|---------|------------------|----------------|---|---|
| १ | कमन कार्प | फाल्गुण-वैशाख | प्रादेशिक मत्स्य विकास केन्द्रहरू: लहान, फत्तेपुर, भण्डारा र कुलेखानी | एपी त्रिडर्स लिमिटेड, टंकीसिनुवारी, मोरङ; चौधरी मत्स्य ह्याचरी, फूलकाकट्टी-६, सिपाहा, मुखिया, शान्ति, मिश्रा, काजल, गिरीजा मत्स्य ह्याचरी, जनकपुर। |
| २ | ग्रास कार्प | चैत्र-जेष्ठ | संघीय मत्स्य विकास कार्यालयहरू: जनकपुर, हेटौँडा, भैरहवा | |
| ३ | सिल्वर कार्प | वैशाख-आषाढ | | |
| ४ | विगहेड कार्प | वैशाख-आषाढ | | |
| ५ | रहु | आषाढ-भाद्र | | ठाकुर मत्स्य ह्याचरी, जलेश्वर, पदम विश्वास मत्स्य ह्याचरी, मोतिसर-२, बारा, चन्द्रिका मत्स्य पालन फार्म, रामपुर टोकनी, बारा, पटेल मत्स्य ह्याचरी, पाली, नवलपरासी, मण्डल मत्स्य ह्याचरी, भैरहवा र गणेश मत्स्य ह्याचरी, तौलिहवा। |
| ६ | नैनी | आषाढ-भाद्र | | |
| ७ | भाकुर | आषाढ-भाद्र | | |
| ८ | ट्राउट माछा भुरा | फागुन-चैत्र | मत्स्य अनुसन्धान केन्द्र रसुवा तथा प्राइभेट फर्महरू | |

माछा भुराको दररेट

| | |
|---------------------------|---------------------|
| फ्राई भुरा | - २५ पैसा/गोटा |
| फिंगरलिङ | - ७५ पैसा/गोटा |
| एडभान्स फिंगरलिङ | - १.५० रुपैयाँ/गोटा |
| सौन्दर्य माछा (कोई कार्प) | - ५ रुपैयाँ/गोटा |

कार्प माछा पालनको लागि पानीको उपयुक्त गुणस्तर

| गुणहरू | वान्छित स्तर |
|---------------------------|------------------------|
| क) भौतिक गुणहरू | |
| १. पानीको गहिराई | १.५ मिटर |
| २. पानीको रंग | हरियो |
| ३. पारदर्शिता | २०-४० से.मी. |
| ४. प्रकाश क्षेत्र | ४०-८० से.मी. |
| ५. तापक्रम | १८-३२ डि.से. |
| ख) रसायनिक गुणहरू | |
| १. घुलित अक्सिजन | ५ पी.पी.एम. भन्दा बढी |
| २. घुलित कार्बनडाईअक्साईड | २० पी.पी.एम. भन्दा बढी |
| ३. पी.एच. | ७-९ |
| ४. सम्पूर्ण क्षारीयता | ५०-२०० पी.पी.एम. |
| ५. सम्पूर्ण कडापन | ५०-२०० पी.पी.एम. |
| ६. अमोनिया | ०.२ पी.पी.एम. भन्दा कम |
| ग) जैविक गुणहरू | |
| १. टुला जलीय वनस्पति | अनुपस्थित |
| २. फाइटोप्लाटन | बाहुल्यता |
| ३. जुप्लाटन | ठीके मात्रा |
| ४. हिलो/लेदो | ३० से.मी. भन्दा कम |

श्रोत: केन्द्रीय मत्स्य प्रवर्द्धन तथा संरक्षण केन्द्र वालाजु, काठमाण्डौ २०७५।

१३. फलफूल खेती प्रविधि तालिका

क) वर्षे फलफूल

| क्र. सं. | फलफूलको नाम | जातहरू | लगाउने दूरी (मिटर) | बिरुवा संख्या/रोपनी | मलखाट/फलदिने बोट (वार्षिक) | | | | फल टिप्न तयार हुने समय | उत्पादन मे.ट./हे |
|----------|-------------|---|--|---------------------|----------------------------|------------------|----------------|-------------------------|--|------------------|
| | | | | | प्राङ्गारिक मल (के. जी.) | डी. ए. पी. ग्राम | युरिया (ग्राम) | म्युरेट अफपोटास (ग्राम) | | |
| १ | आँप | अगौटे-बन्वाई ग्रीन, बन्वाई एलो, गोपालभोग, सुकतारा, गुलाबखस मध्ये-दशहरी, मालदह, मल्लिका, अन्नपाली पछौटे-चौसा, कलकत्तिया, सिपिया, अबेढात। | १०-१२x १०-१२, होचा जात अन्नपालीको लागि ८x८ | ५ बोट ५ बोट | ५० | ९३१.२० | १४३३.८४ | ११३३.३३ | फलको भेटनोतिरबाट पहिलो रंग चढी एक दुई फल पाकेर झर्न सुरु गरेपछि (जेठ-भदौ) वा फल टिपी पानीमा डुबाउँदा डुब्यो भने फल टिप्ने बेला भयो भन्ने बुझनुपर्दछ। | ८-१० |
| २ | लिची | अगौटे-देशी, अलिबंदाना, मजुफरपुर मध्य-शाही, पूर्वी, चाइना, रोजसन्टेड पछौटे-कसवा, लेट, बेदाना, कलकत्तिया | १० x १० | ७-८ | ५० | ४३४.७८ | ११३४.२२ | १०००.० | बोक्रोको वाहिरी रंग हरियोबाट रातोमा परिणत भई बोक्रोमा भएको काँडाहरू नरम भएपछि (जेठ-श्रावण) फल टिप्नु पर्दछ। | ७-८ |
| ३ | केरा | वसराईडवार्फ, हरिछाल, रोबष्टा, विलियम हाइब्रिड, मोलभोग, चिनिचम्पा, स्थानीय, मुझे, दुसेरा | अग्लो जात २-३ x २-३ होचो जात २ x २ | ५०-५५ १२५ | २५ | २३९.१३ | ३४१.२१ | ४१६.६७ | कोसाका पाटाहरू पूरा भई पुष्ट र फलको आकार गोलो र रंग हरियोबाट हल्ला हरिया भएपछि फल टिप्नु पर्दछ। | १५-२० |

| क्र. सं. | फलफूलको नाम | जातहरू | लगाउने दूरी (मिटर) | विरुवा संख्या/रोपनी | मलखाद/फलदिने बोट (वार्षिक) | | | | फल टिप्न तयार हुने समय | उत्पादन मे.ट./हे |
|----------|-------------|---|--|---------------------|----------------------------|------------------|----------------|---|------------------------|------------------|
| | | | | | प्राङ्गारिक मल (के. जी.) | डी. ए. पी. ग्राम | युरिया (ग्राम) | म्युरेट अफपोटास (ग्राम) | | |
| ४ | भुईकटहर | जायन्टक्यू, कान्ति, मोरिसस | प्रति ब्याड २ लाइन ब्याडको दूरी ७५-९० से.मी., लाइन ६० x बोट ३० से.मी | १००० के.जी./हे. | १७३.९१ | ३२२.२५ | २६६.६७ | बोक्राको रंग हल्का पहेंलो र फेदको ३-४ घण्टामा पहेंलो दाग चढे पछि आखलाका भुल्ला खैरो खुकुलो भएपछि (आषाढ-भदौ) फल लिनु पर्दछ। | २०-२५ | |
| ५ | मेवा | वाशिटन, हनिड्यू, कोयमवटुर, सिगापुरपिक, रांचीड्वार्फ, पोष डेलिसियस, सोलो | २ x २ | १२५ | २०-२५ | ५४३.४८ | ८३३.३३ | फलमा हल्का पहेंलो रंग चढे पछि फल टिप्नु पर्दछ। | १५-२० | |
| ६ | अम्बा | लखनउ -४९, इलाहाबाद सेफदा, रेडपलेस, सिडलेस, चितिदार, के.बि.-१ र स्थानीय जात। | ६-७x ६-७ | १५ | ४० | ५२४.५७ | ५००.० | फलमा हल्का पहेंलो रंग बढेपछि र नरम पना आएपछि (श्रावण-कात्तिक) फल टिप्नु पर्दछ। | ७-१२ | |
| ७ | रुखकटहर | रुद्राक्षी, सिगापुर, करुबाराका, पेनीवाराका, स्थानीय | १२-१५ x १२-१५ | ३-४ | ५० | ६४२.१७ | ४००.० | तरकारीको लागि बीउ नछिप्पिएसम्म कलिला फलटिप्ने, फल परिपक्व हुन १०-१०दिन लाग्छ, फललाई हातले थपथपाउँदा गहिरो आवाज आएपछि (जेठ-भदौ) फल टिप्नु पर्दछ। | १५-२० | |

| क्र. सं. | फलफूलको नाम | जातहरू | लगाउने दूरी (मिटर) | बिरुवा संख्या/रोपनी | मलखाद/फलादिने बोट (वार्षिक) | | | | फल टिप्न तयार हुने समय | उत्पादन मे.ट. /हे |
|----------|--------------|--|--|---------------------|-----------------------------|------------------|----------------|-------------------------|------------------------|-------------------|
| | | | | | प्राङ्गारिक मल (के. जी.) | डी. ए. पी. ग्राम | युरिया (ग्राम) | म्युरेट अफपोटास (ग्राम) | | |
| ८ | अमला | बनारसी, चकैया, कन्चन, प्रन्सीस, कृष्ण र स्थानीय जातहरू | ५-६x ५-६ | १५-२० | ४० | १०८६.९६ | २२६.८३ | ८३३.३३ | ९-१२ | ९-१२ |
| ९ | एभोकाडो | फुर्ट, इथिन्जर, रिड, ह्यास, टोपाटोपा | ८-१० x ८-१० | ६ | ४० | १६३.०४ | ३७०.९८ | ३३३.३३ | ८-१० | ८-१० |
| १० | मेकाडेमियानट | केज्हाउ, काकी, इकैका, किउ | ६ x ६ | १३-१५ | ५० | २१७.३९ | ३४९.७२ | ३३३.३३ | २-३ | २-३ |
| ११ | स्ट्रबेरी | न्योहो, ओनो | इयाडेबोख इयाड ९० से.मी. बोट ३०-४५ से.मी. | १५०० | २२५०० के.जी./हे. | ०.०० | ९७.८३ | १४१.६७ | १२-१५ | १२-१५ |

| क्र. सं. | फलफूलको नाम | जातहरू | लगाउने दूरी (मिटर) | बिरुवा संख्या/रोपनी | मलखाद/फलादिने बोट (वार्षिक) | | | | फल टिप्न तयार हुने समय | उत्पादन मे.ट. /हे |
|----------|-------------|--|--|---------------------|-----------------------------|------------------|----------------|-------------------------|------------------------|---|
| | | | | | प्राङ्गारिक मल (के. जी.) | डी. ए. पी. ग्राम | युरिया (ग्राम) | म्युरेट अफपोटास (ग्राम) | | |
| १२ | वयर | उम्रान, गोला, चोचल, बनारसी, नाजुक, कैथली | ४-६ x ४-६ | १५ | ४० | ४३४.७८ | ११६.८२ | ३३३.३३ | ९-१२ | पर्दछ। एक पटक नपाक्ने हुँदा पटक-पटकगारी टिप्नु पर्दछ। (कार्तिक-चैत्र) |
| १३ | सुपारी | छलिया, मोहितनगर, कामरूप, मंगला | ३ x ३ | ५० | २५ | ३२६.०९ | ४१५.८८ | ८३३.३३ | १-२ | जानहावा पानी अनुसार कार्तिक/मंसि रवेछि फाल्गुन/चैत्र महिनामा फल परिपक्व हुन्छन्। फलको बोक्रा सुनौला पर्हेलो वा खैरो रंग चढेपछि फल टिप्नु पर्दछ। फललागेको ६-८ महिनापछि फल परिपक्व हुन्छ। फलहरू चम्किलो र रातो पर्हेलो भएपछि टिप्नु पर्दछ। (जेठ-अषाढ) |
| १४ | नरिवल | अलोजात -वेस्टकोष्टल, फिजी, एस.एस.ग्रीन, सान रामोन, फिलिपिनो, लगुनाहोचोजात -लंका द्विप अण्डामन ड्वार्फ, | अरलो जात ७.५-९ x ७.५-९ होचो जात ६.५-७x ६.५-७ | १४ | २५ | ४३४.७८ | ५४७.२६ | ५५.०० | १-२ | फल लागेको करिब १२ महिना पछिफल परिपक्व हुन्छ परिपक्व फलमा पानीको मात्र कम हुन्छ। ताजाको प्राको लागि भने |

| क्र. सं. | फलफूलको नाम | जातहरू | लगाउने दूरी (मिटर) | विरुवा संख्या/रोपनी | मलखाद/फलदिने बोट (वार्षिक) | | | | फल टिप्न तयार हुने समय | उत्पादन मे.ट. /हे |
|----------|-------------|---|--|---------------------|----------------------------|------------------|----------------|-------------------------|--|-------------------|
| | | | | | प्राङ्गारिक मल (के. जी.) | डी. ए. पी. ग्राम | चुरिया (ग्राम) | म्युरेट अफपोटास (ग्राम) | | |
| | | चेनी, रेजिया, ड्वार्फग्रीन, ड्वार्फ ओरेनज, कोकोनिनो, नुलेका | | | | | | | १० महिनामा फल टिप्नु पर्दछ। (जेठ-आषाढ) | |
| १५ | वेल | मिर्जापुरी, कागजी गाण्डा, कागजी ईटावा, कागजी बनारसी | बिजु विरुवा - १० x १० कलमी विरुवा - ८ x ८ | ५-८ | ५० | ७३० | १८० | ६८० | फल लागेको करिब आठ महिनामा फलपूर्ण रुपमा पावन्छ। फल पावदा गाडा हरियोबाट हल्का हरियो र गुदी हल्का पहेंलोबाट गाडा पहेंलो हुन्छ। | २०-३० |
| १६ | सापोटा | कालीपत्ति, क्रिकेटबल, बुरीपत्ति आदी | १० x १० | ५ | ४० | २०० | ७५ | २०० | झुसझनु थाले पछि फलको बाहिरी बोक्रा काट्याउँदा सेतो दूध आउन छोडे पछि फल टिप्ने। | १५-२० |

(ख) हिउँदे फलफूल

| क्र. सं. | फलफूलको नाम | जातहरू | लगाउने दुरी (मिटर) | एक रो पनीमा लगाउने विल्वा | मलखाद/फल दिने बो - वार्षिक | | | | फल टिचन तयार हुने समय | उत्पादन मे.टन /हे. |
|----------|-------------|--|--------------------|---------------------------|----------------------------|------------------|----------------|--------------------------|---|--------------------|
| | | | | | प्रारम्भिक मल (के.जी.) | डी.ए.पी. (ग्राम) | युरिया (ग्राम) | म्युरेट अफ पोटास (ग्राम) | | |
| १. | स्याउ | बढी चिसो चाहिने - गोल्लेन डेलिसियस, रेड डेलिसियस, रोयल डेलिसियस, रिच ए रेड डेलिसियस, जोनाथन, मैकन्टस, रोमब्युटी, ग्रानी स्मिथ, मध्य चिसो चाहिने - क्रिस्मिन, काटूजा, रेडजुन, कक्स औरिनज पिपिन, कम चिसो चाहिने - अन्ना, भौरड, नाओयी | ६ x ६ | १५ | ५० | ४३४.७८ | ६९९.४३ | १३३.३३ | फलको आकार उम्रो, स्वादलाई आधारमा निजात अनुसार फलको रंगमा (रातो, पहेलो, हरिया) परिवर्तन भएपछि असर-असोजसम्म फल टिचनु पर्दछ। | ८-१० |
| २. | नास्पाती | बढी चिसो चाहिने - युरोपियन जात - वार्टलेट, अन्बुव्यूरेहाडी, कनफलेन्स आदि। कम चिसो चाहिने - फर्पिङ्गा (स्थानीय) मध्य चिसो चाहिने होसुह, चोजुरो, सिन्को (जापानिज) | ६-८ x ६-८ | १५ | ५० | ४३४.७८ | ६९९.४३ | ६६.६७ | फलको रंग हरियोवाट अलि अलि पहेलो वा खैरो फुस्रोमा परिणत भएपछि (श्रावण-असोज) फल टिचनु पर्दछ। | १०-१५ |
| ३. | आखर | थिमसेल, हार्टले, एशले, फ्लाङ्गाकवेट, पायने | १०-१२x १०-१२ | ६ | ५० | ४३४.७८ | ६९९.४३ | ३३३.३३ | फलको बाहिरी बोक्रा फुटी केही फल झर्न थालेपछि (भदौ-असोज) फल टिचनु पर्दछ। | ३-४ |
| ४. | आरु | आगौटे - ओरायम, स्पिडटाइम, आर्मगोल्ड। मध्य - फ्रेन्चअर्लि, रेडहाभेन, | ५-६ x ५-६ | १५ | २५ | ३२६.०९ | ५८९.७९ | १५०.०० | फलको आकार बढेर फल हल्का हरियो वा रातोमा परिणत भई अलिनस भएपछि (जेठ-श्रावण) फल टिचनु पर्दछ। | ६-७ |

| क्र. सं. | फलफूलको नाम | जातहरू | लगाउने दुरी (मिटर) | एक रो पनीमा लगाउने विरवा | सलखाइ/फल विने बो -वार्षिक | | | | फल टिप्न तयार हुने समय | उत्पादन से.टन/हे. |
|----------|-------------|---|--------------------|--------------------------|---------------------------|------------------|----------------|--------------------------|---|-------------------|
| | | | | | प्राञ्चारिक मल (के.जी.) | डी.ए.पी. (ग्राम) | युरिया (ग्राम) | स्युरेट अफ पोटास (ग्राम) | | |
| | | टेक्सास एलो ल्कोरिडास पछोटे - पेरीग्रीन, अल्वर्टा, जुलाई अल्वर्टा | | | | | | | | |
| ५. | आरुबखडा | अगोटे - ग्रीनगेज, मैथली, फर्मासा मध्य - पेरीपोसा, व्युटी, बरबैक, पछोटे - सल्लारोजा | ५-६ x ५-६ | १५ | २५ | २१७.३९ | ३४९.७२ | २५०.०० | फलहरू परिपक्व हुने समय जात अनुसार फरक पर्दछ। फलको रंग गाढा गुलाबी, मुदिको रंग अलि अलि रातो पहेंलो हुन थालेपछि -जेठ-श्रावण) फल टिप्नु पर्दछ। | ६-७ |
| ६. | कटुस | टान्जावा, यामाटोवासे, इबुकी, इसिजुकी, मोरिवासे, चुकुवा, चाइनिज | ८ x ८ | ८ | ५० | ४३४.७८ | ६९९.४३ | ३३३.३३ | जात अनुसार भाद्र वैखि कार्तिक महिना सम्म फलहरू भर्न सुरु गरेपछि फल टिप्ने गर्नु पर्दछ। | ७ |
| ७. | हलुवाबेद | फुयू, जिरो (टरो नहुने जात), जेन्जीमारो (Pollinizer Variety), हिरातानेनामी, (टरो हुने जात) | ५-६ x ५-६ | १५ | २५ | ३२६.०९ | ४१५.८८ | ४१६.६७ | भाद्र-कार्तिक महिनामा फलहरूमा जालीय गुण अनुसार रंगको विकास भई सकेपछि फल टिप्नु पर्दछ। | ६-७ |

| क्र. सं. | फलफूलको नाम | जातहरू | लगाउने दुरी (मिटर) | एक रो पनीमा लगाउने विरवा | सलखाव/फल दिने बो - वार्षिक | | | | फल टिप्न तयार हुने समय /हे. | उत्पादन मे.टन /हे. |
|----------|-------------|---|--------------------|--------------------------|----------------------------|------------------|----------------|--------------------------|-----------------------------|---|
| | | | | | प्राञ्चारिक मल (के.जी.) | डी.ए.पी. (ग्राम) | युरिया (ग्राम) | स्युरेट अफ पोटास (ग्राम) | | |
| ८. | खुर्पानी | साकरपारा, कैसा, न्यू क्यासल, (कम चिसो चाहिने) | ६ x ६ | १५ | २५ | २१७.३९ | ३४९.७२ | ८३.३३ | ६-७ | जेठ महिनामा जात अनुसारको रंग चढी अलि नरम हुन थाले पछि फलहरू टिप्नुपर्दछ । |
| ९. | कागजी बढाम | नानपारेल, नेल्स अट्टा, टेक्सास, मिसन | ५-६ x ५-६ | १५ | २५ | ३८०.४३ | ६१२.०० | २९१.६७ | १-२ | भदौ-असोज महिनामा फलको बाहिरी बोक्रा फुट्न थालेपछि फल टिप्नु पर्दछ । |
| १०. | लप्सी | स्थानीय | १० x १० | ६ | २५ | ५४३.४८ | ५४८.२० | २५०.०० | १०-१५ | कार्तिक-मंसिर महिनामा फलहरू हेर्दा हल्का हरियो पहेलो भएपछि फल टिप्नु पर्दछ । |
| ११. | बुच्चे ओखर | महान, चोन्टा, मोहक । | १०-१२ x १०-१२ | ६ | ५० | ४३४.७८ | ६९९.४३ | ३३३.३३ | ८-९ | फलको बोक्रा फूटी प्राकृतिक रुपमा फल भर्छन तत् पश्चात सकलन गर्ने । भदौ असोज महिनामा फल पाकेर भर्न शुरु गरेपछि फल टिप्नुपर्दछ । |
| १२. | अनार | बेदाना, कान्तारी, गणेश, सिन्धुरि या, मुडुला । | ५x ५ | १५ | २५ | ५४३.४८ | ८७४.२९ | ४१६.६७ | ६-८ | अनारको फल ननक्लाइमेटे रिक भएको हुँदा परिपक्व भएपछि टिप्नु पर्दछ । फलहरू पहेलो र वीउ रातो |

| क्र. सं. | फलफूलको नाम | जातहरू | लगाउने दुरी (मिटर) | एक रो पनीमा लगाउने विरवा | सलखाइ/फल दिने बो - वार्षिक | | | | फल टिप्न तयार हुने समय /हे. | उत्पादन से.टन /हे. |
|----------|---------------|---|--------------------|--------------------------|----------------------------|------------------|----------------|------------------------|---|--------------------|
| | | | | | प्राञ्चारिक मल (के.जी.) | डी.ए.पी. (ग्राम) | युरिया (ग्राम) | सुरेट अफ पोटास (ग्राम) | | |
| १३. | अंगुर | स्टुवेन, ओलम्पिया, हिमरड सिडलेस, क्याहो, मस्काट बेली ए, क्याम्बल अली, बफलो, डेलावेर । | २-३ x २-३ ४ x ५ | ५० २५ | ३० | ७६०.८७ | २४५.७५ | ४१६.६७ | फलको रंग चढी गुलियो भएपछि जात अनुसार केही सेतो, पहेंला वा पारदर्शी भएपछि (असार-भाद्र) फल टिप्नु पर्दछ । | १५-२० |
| १४. | किन्नी फ्रुट | आलिसन, हे -वार्ड (पोथी) टो मोरी(भाले) | ६ x ४ | २० | ३० | १०० | २०० | १०० | कार्तिक-मंसिर, भदूस भर्ने थालेपछि | |
| १५. | जैतुन (Olive) | पेन्डोलिनो, ब्यनिनो, कोराटिना, फ्रान्टोय आदी | ८ x ८ | ८ | २५ | ३५० | १७५ | १७५ | फलमा रङ्ग चढे परिवर्तन भएर तलको गुणस्तर राम्रो समय पारेर टिप्ने । | |

(ग) सुन्तला जात फलफूलहरू

| क्र. सं. | फलफूलको नाम | जातहरू | लगाउने दुरी (मिटर) | एक रो पनीमा लगाउने विरुवा | मलखाद/फल विने बोट (वार्षिक) | | | | फल टिज तयार हुन समय | उत्पादन मे.टन /हे. |
|----------|-------------|---|--------------------|---------------------------|-----------------------------|------------------|----------------|--------------------------|---|--------------------|
| | | | | | प्राथमिक मल (के.जी.) | डी.ए.पी. (ग्राम) | युरिया (ग्राम) | स्प्रेट अफ पोटास (ग्राम) | | |
| १ | सुन्तला | धनकुटा स्थानीय, पोखरा स्थानीय, किन्नो, योशिदा पो डकान, मरकट(जापानीज), ओला पोडकान, उन्सु (ओकिचुवासे), मियागावावासे), थाई तान्जारिन । | ५-६ X ५-६ ४-५ | १५ -२० | ५० | ५४३.४८ | ८७४.२९ | ८३३.३३ | फलको बोक्राको रंग हरि योवाट पहेलो, (रोरु) पहेलो भएपछि र रसमा गुलियोपना बढेपछि भण्डारणको लागि ५० %रंग चढेपछि र ताजा फलको लागि ७५%रंग चढेपछि कार्तिक-मंसीर मा फल टिज्नु पर्दछ । | ९-१२ |
| २ | जुनार | स्थानीय जुनार, नाभेल ओरेग, वासिङ्टन नाभेल, योशिदा नाभेल, तारकको न्यूसेलर । | ५-६ X ५-६ | १५ -२० | ५० | ५४३.४८ | ८७४.२९ | ८३३.३३ | फलको बोक्राको रंग ८० % वा सो भन्दा बढी रंग बढेपछि र रसमा गुलियो पना बढेपछि कार्तिक-मंसिरमा फल टिज्नु पर्दछ । | १०-१४ |
| ३ | कागती | मेक्सीकन, बनारसी र स्थानीय सुन कागती | ४-५ X ४-५ | २५ | ५० | ४३४.७८ | ६९९.४३ | ५५.०० | फलको बोक्राको रंग हरि योवाट पराल जस्तो पहेलोमा परिणत भएपछि र फलले पूर्ण आकार | ७-८ |

| क्र. सं. | फलफूलको नाम | जातहरू | लगाउने बुरी (मिटर) | एक रो पनीमा लगाउने विरवा | मलखाद/फल विने बोट (वार्षिक) | | | | फल टिज तयार हुन समय | उत्पादन मेटन /हे. |
|----------|---------------|---|--------------------|--------------------------|-----------------------------|------------------|----------------|--------------------------|--|-------------------|
| | | | | | प्राकारिक मल (के.जी.) | डी.ए.पी. (ग्राम) | युरिया (ग्राम) | म्युरेट अफ पोटास (ग्राम) | | |
| ४ | लेमन (निबुवा) | नेपाली अमिलो, युरेका राउण्ड, युरेका अबलड, लिसवन, पल्ल-१ | ५ X ५ | १५ | ५० | ४३४.७८ | ६९९.४३ | ५५.०० | लिएपछि आश्विन-पौष सम्म फल टिज्नु पर्दछ । फलको बोक्राको रंग हरि योबाट पराल जस्तो पहेंलोमा परिणत भएपछि र फलले पूर्ण आकार लिएपछि आश्विन-पौष सम्म फल टिज्नु पर्दछ । | ७-८ |
| ५ | भोगटे | थाई (सेतो गुडी) र स्थानिय छनौट (रातो गुडी) | ५-६ X ५-६ | १५ | ५० | ५४३.४८ | ८७४.२९ | ८३३.३३ | फलको बोक्राको रंग हरि योबाट पराल जस्तो पहेंलोमा परिणत भएपछि कार्तिक-पौष सम्म फल टिज्नु पर्दछ । | ७-८ |
| ६ | मुत्तला | जापानिज गोलो | ३ X ४ | ३० - ४० | ५० | ५०० | २५० | ५०० | गाढा सुत्तला रंग चढे पछि माघ - फागुनमा टिज्नु पर्छ । | ४ - ५ |
| ७ | ज्यामिर | सेती ज्यामिर, काली ज्यामिर | ६ X ५ | १५ | ५० | ५०० | २५० | ५०० | गाढा सुत्तला रंग चढे पछि पौष - माघमा टिज्नु पर्छ । | १२-१५ |

१४. कफ़ी तथा चिया खेती प्रविधि तालिका

| क्र. सं. | कफ़ी तथा चिया | जात/हर | लगाउने दूरी (मिटर) | एक रो पनीना लगाउने विरवा | मलबाद प्रति बोट (के.जी) | | | | फल तथा पात टिनु तयार हुने समय | उत्पादन मे.टन /हे. |
|----------|---------------|---|--------------------|--------------------------|-------------------------|------------------|----------------|--------------------------|---|--------------------|
| | | | | | प्राङ्गारिक मल (के.जी.) | डी.ए.पी. (ग्राम) | युरिया (ग्राम) | स्युरेट अफ पोटास (ग्राम) | | |
| १. | कफ़ी | अरोविका, रोवस्टा | २-२.५-२-२.५ | ११० | ५ | ११६.५७ | ११६.२६ | १२५.०० | फल हरियोवाट रातोमा परिणत भएपछि ४-५ पटकगरी (पौष-फाल्गुन) टिनु पर्दछ। | १-३ |
| २. | चिया | सि.टि.सि.:टि.भिसेरिज-३०, हिलिका, मनोहरी, तिनआली, नगरजुली | ०.९ X ०.६ | ६००-७०० | | ८.७० | १३.९९ | २०.०० | चैत्रदेखि कार्तिकसम्म मुना टिनु सकिन्छ। | ०.६५० |
| ३ | चिया | अर्थाडकस: गुम्तीसेलेक्सन, फुवाछिरेङ्गी -३१२, तक्दा-७८, तक्दा-१४५, तक्दा-३८३, तक्दा-२४६, वेनकवर्न-१५७, आन्वारी-२ | ०.६ X ०.४ | ७००-८०० | | ८.७० | १३.९९ | २०.०० | चैत्रदेखि आश्विनसम्म मुना टिनु सकिन्छ। | ०.३०० |

श्रोत: राष्ट्रिय फलफूल विकास केन्द्र, किर्तिपुर २०७५।

१५. पुष्प खेती प्रतिधि तालिका

कट फलावरको लागि

| क्र. सं. | पुष्पको नाम | पुष्पको जातहरू | लगाउने दुरी (से.मी.) | मलखाद प्रति रोपनी (के.जी.) | | | व्यवस्थापन | फूल टिप्ने समय | कटवालर उत्पादन / रोपनी / वर्ष |
|----------|------------------------|--|----------------------|----------------------------|-----------|---------|--------------------------|----------------------------|-------------------------------|
| | | | | प्राङ्गारिक मल | नाइट्रोजन | फस्फोरस | | | |
| १. | ग्लाडिओलस (Galadiolus) | अमेरिकन ब्यूटी, जेष्टर ईन्टरप्रेट, क्याण्डिमेल, हवाईट प्रस्पेरीटी हाल्याण्ड ब्यूटी | १५-१५ | ५००० | ३ | ४ | खुल्ला ठाउँ | ६० दिन देखि फुल्ल थाल्ने । | १२-१४ हजार स्टिक |
| २ | गुलाब (Rose) | डच, एच.टि | ४५-६० | ८-१० के.जी/बोट | १५ | १० | खुल्ला ठाउँ वा पोली हाउस | रोपको ३ महिनापछि | १० - ११ हजार स्टिक |
| ३. | जर्बेरा | यानारा, रेड बुल, ओपियम (सबै जातमा रातो, पहेलो र सेतो पूमल फुल्ने) | ३०-४५ | ३००० | ६ | ८ | पोली हाउस | १२० दिनपछि | ३०,००० स्टिक |
| ४. | कार्नेशन | चाली र लिबर्टी (स्टाण्डर्ट) | १५-१५ | ३००० | ६ | ८ | पोली हाउस | १२० दिनपछि | ५०,००० स्टिक |
| ५. | रजनीगन्धा | सिङ्गल, डबल | १५-२० | २००० | १० | ३ | खुल्ला ठाउँ | ७० दिनपछि | ४०००-६००० स्टिक |
| ६ | गोदावरी | अपसरा, जयन्ती, अर्कीटक र चालीया | ३०ह३० | ३००० | १५ | १० | खुल्ला ठाउँ वा पोली हाउस | काठमाण्डौमा अशाज - कार्तिक | ३०,००० स्टिक |

नोट: लगाउने समय: जर्बेरा, कार्नेशन, बाह्र महिना, ग्लाडिओलस र रजनीगन्धा तराईमा असोज-फाल्गुण र मध्य पहाडमा माघ-जेठको पहिलो हप्ता, गुलाब पौषदेखि फाल्गुनसम्म लगाईन्छ ।

श्रोत: पुष्प विकास केन्द्र गोदावरी २०७५ ।

तरकारी बालीनका लागि सिफारिस मलखाद मात्रा

| बाली | प्राञ्चारिक मल मे.टन/हे. | नाइट्रोजन कि.ग्रा./हे. | फोस्फोरस कि.ग्रा./हे. | पोटास कि.ग्रा./ हे. | आवश्यक रसायनिक मल कि.ग्रा./हे. |
|-------------|--------------------------|------------------------|-----------------------|---------------------|---|
| तरकारी बाली | ३२ | ७० | ५० | ४० | युरिया १०९.६ डि.ए.पि. १०८.७ म्यू.अ.पो ६६.६७ |

१६. तरकारी खेती प्रविधि तालिका

| क्र. स | बाली | जात | बेनी साँते समय | | | मलखाद के.जी./रो. | | | बेनी लगाउने दूरी (से.मी.) | | बीउ/बेनी दर (ग्राम वा संख्या) | |
|--------|---------------------------------|--|----------------|----------------------|-------------------------|------------------|-----------------|-----------------|---------------------------|-----------|-------------------------------|-------------------------|
| | | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई/बेसी | कम्पोस्ट | युरिया डि.ए.पी. | म्युरेट अफपोटास | ड्याङ्ग × ड्याङ्ग | बीउ × बीउ | | |
| १ | काउली खुला सेचति अगौटे जात | सर्लाही दिपाली | चैत-असार | चैत-वैशाख (जेठ-असार) | असार-श्रावण (भादौ-असोज) | १५०० | १० | ६ | ४ | ४५ | ४५ | २५०० बेनी (३०-४० ग्राम) |
| | काउली खुला सेचति मध्य मौसमी जात | काठमाण्डौ स्थानीय खुमलज्यापु | माघ-श्रावण | साउन-भाद्र | भाद्र-असोज | १५०० | १० | ६ | ४ | ६० | ४५ | १८०० बेनी (३० ग्राम) |
| | काउली खुला सेचति पछौटे जात | डोल्पा स्नोबल १६ | माघ-वैशाख | असोज-मांसिर | असोज-मांसिर | १५०० | १० | ६ | ४ | ६० | ४५ | १८०० बेनी (३० ग्राम) |
| | काउली हाईब्रीड | सिल्भर कप ६०, हवाईट फ्लास, हवाईट कप-अगौटे जात) | जेठ-भाद्र | अन्तिम | | २००० | १० | ६ | ५ | ४५ | ४५ | १५ ग्राम |

| क्र. स | बाली | जात | बेनी साने समय | | | मलखाद के जी./रो. | | | | बेनी लगाउने दूरी (से.मी.) | | बीड/बेनी दर (ग्राम वा संख्या) |
|--------|---------|--|--------------------------|--------------------|-----------|------------------|-----------------|-----------------|-------------------|---------------------------|-----------|-------------------------------|
| | | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई/बेसी | कमपोष्ट | गुरीया डि.ए.पी. | स्प्रेट अफपोटास | ड्याङ्ग × ड्याङ्ग | बोट × बोट | | |
| २ | काँक्रो | हवाइट टप, रोम, बेवी १, स्नो डोम, मिल्क वे (मध्य मौसमी जात) | मध्य श्रावण-भाद्र | | | २००० | १० | ६ | ५ | ६० | ४५ | १५ ग्राम |
| | | स्नो मिस्टक, मेघा, एन.एस-९०, एन.एस.१०६, स्नो डोम, नेपा हवाइट (पछौटे जात) | असोज-फाल्गुन | | | २००० | १० | १० | ५ | ७५ | ७५ | १० ग्राम |
| ३ | कराउ | निन्चा १७९, डाइनेष्टी | फाल्गुन-जेठ/श्रावण-असोज | पौष-माघ/असोज-मंसिर | १५०० | ७ | २ | ५ | ७५ | ७५ | १०० ग्राम | |
| | | मालिनी, सालिनी, बेवी, नेपा टुसी | " | " | | | | | ७५ | ७५ | " " | |
| | | भक्तपुर लोकल | " | " | | | | | २०० | २०० | ४० " | |
| | | कुश्ले | " | " | | | | | २०० | १०० | " " | |
| | | न्यु लाइन | श्रावण-मंसिर/माघ-फाल्गुन | असोज-कार्तिक | १५०० | | २ | ६ | ६० | ६० | २००० " | |
| | | सलाही आर्केल | " | " | | | | | " | " | " " | |
| | | सिक्किम स्थानिय | " | " | | | | | ७५ | ७५ | " " | |

| क्र. स | बाली | जात | बेनी सौतेँ समय | | | मलखाद के जी./रो. | | | | बेनी लगाउने दूरी (से.मी.) | | बीड/बेनी दर (ग्राम वा संख्या) |
|--------|------------------|---|---|---|--|--|--|---|--|--|--|-------------------------------|
| | | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई/बेसी | कमपोष्ट | यूरीया डि.ए.पी. | स्यूटे अफपोटास | ड्रयाङ्ग × ड्रयाङ्ग | बोट × बोट | | |
| ४ | खुसानी (पीरो) | ज्वाला, कर्मा ७४७, ने पा हट एन-एस १७०१ मार्शल न्यू कुरोदा, कुरोदा मार्क II नाण्टिस | चैत्र-वैशाख चैत्र-वैशाख चैत्र-वैशाख जेठ-साउन | माघ-फाल्गुन माघ-फाल्गुन माघ-फाल्गुन भाद्र-मंसिर | भाद्र-असोज भाद्र-असोज भाद्र-असोज असोज-कृत्तिक | १५०० १५०० १५०० १५०० | ५ ५ ५ ५ | ५ ५ ५ ५ | ३० ४५ ३० ३० | ३० ३० ४५ १० | ४००० बेनी ४००० बेनी ३०० ग्राम ३०० ग्राम | |
| ७ | गोलभेडा अग्लोजात | डालिला, सृजना, गौरव ५५५, सूर्य १११ एन.सि.एल.१ रोमा | चैत्र-जेठ " " " " वैशाख-जेठ | फाल्गुन-भाद्र " " " " फाल्गुन-श्रावण | भाद्र-कार्तिक " " " " भाद्र-माघ | १५०० १५०० २००० २००० | १० १० १० १० | ९ १० १० १० | ४ ४ ७ ७ | ४५ ४५ ७ ७ | १०-१५ ग्राम १०-१५ ग्राम १-१० ग्राम १-१० ग्राम | |
| | गोलभेडा होचोजात | माकिस टि ३० सुरक्षा मिन्टो एन.एस. ५१५ पुसा स्त्री अमरुता | जेठ-श्रावण " " " " चैत्र -श्रावण फाल्गुन-वैशाख फाल्गुन-श्रावण " | भाद्र-माघ जेठ-श्रावण " " चैत्र -श्रावण फाल्गुन-वैशाख फाल्गुन-श्रावण " | २००० २००० २००० २००० २००० २००० २००० | १० १० १० १० १० १० १० | १० १० १० १० १० १० १० | ७-५ ७-५ ७-५ ७-५ ७-५ ७-५ ७-५ | ४५ ४५ ७ ७ ६० ६० ७ ७ | ४५ ४५ ७ ७ ६० ६० ७ ७ | १-१० ग्राम १-१० ग्राम १-१० ग्राम १-१० ग्राम १-१० ग्राम १-१० ग्राम १-१० ग्राम १-१० ग्राम | |

| क्र. स | बाली | जात | वेर्ना साँतें समय | | | मलखाद के जी./रो. | | | | वेर्ना लगाउने दूरी (से.मी.) | | बीउ/वेर्ना दर (ग्राम वा संख्या) |
|--------|-------------------------|---|-------------------|------------------------------|--------------|------------------|-----------------|----------------|-------------------|-----------------------------|-----|---------------------------------|
| | | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई/बेसी | कम्पोस्ट | यूरीया डि.ए.पी. | स्यूटे अफपोटास | ड्याङ्ग × ड्याङ्ग | बोट × बोट | | |
| | गोलभेडा मध्यम अग्लो जात | मनप्रेक्स, अमिता | | फाल्गुन-जेठ र श्रावण | | २००० | १० | १० | ७-५ | | ४५ | १०-१५ ग्राम |
| | | युरेका माधुरी | | फाल्गुन-चैत्र फाल्गुन-जेठ | | २००० | १० | १० | ७-५ | | ७५ | १०-१५ ग्राम |
| ८ | र्याँट गोपी | समाट, नेपा बल | जेठ-भदौ | साउन-फाल्गुन | असोज-पौष | १५०० | ५ | ३ | २-५ | २० | २० | १२००० वेर्ना |
| ९ | घिरौला | कान्तिपुरे | वैशाख-जेठ | फाल्गुन-जेठ | माघ-जेठ | ५०० | २ | १ | ३०० | ३०० | २०० | ५०-१०० ग्राम |
| १० | चम्सुर | न्यु नारायणी, गीता | वैशाख-जेठ | फागुन-जेठ | माघ-जेठ | | | | २०० | २०० | २०० | १०० ग्राम |
| ११ | चुकंदर | ठिमी चम्सुर | फाल्गुन-वैशाख | भाद्र-माघ | असोज-मांसिर | ६०० | ४ | २ | २० | २० | २/३ | ५००-१००० |
| १२ | जिरीको साग | मधुर | जेठ-साउन | भाद्र-असोज | असाज-कार्तिक | १००० | ६ | ४ | २ | ४५ | १० | ४००० वेर्ना |
| १३ | तरबुजा | पिन स्यान, पिन वेम | जेठ -श्रावण | श्रावण-फाल्गुन | असोज-कार्तिक | ६०० | ६ | ४ | २ | ४५ | ३० | ४००० " |
| १४ | तिटेकरेला | लक्ष्मी ७४७, लक्ष्मी ७६७ हरियो करेला | वैशाख-जेठ | फाल्गुन-चैत्र | माघ-जेठ | ५०० | ३ | २ | २०० | २०० | १०० | २५० बोट |
| | | पाली | वैशाख-जेठ | फाल्गुन-चैत्र | माघ-जेठ | १५०० | १० | ६ | ३ | १५० | १०० | १०० ग्राम |
| | | एन एस ४३३, हीरा | वैशाख-जेठ | फाल्गुन-जेठ | पौष-जेठ | | | | | १५० | १०० | १००ग्राम |
| | | | | | | | | | | १५० | १०० | " |

| क्र. स | बाली | जात | बेनी साँतें समय | | | मलखाद के जी./रो. | | | | बेनी लगाउने दूरी (से.मी.) | | बीड/बेनी दर (ग्राम वा संख्या) |
|--------|----------------|---------------|-----------------|---------------|--------------|------------------|-----------------|-----------------|----------|---------------------------|-----|-------------------------------|
| | | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई/बेसी | कम्पोस्ट | यूरीया डि.ए.पी. | स्यूटेड अफपोटास | ड्रयाङ्ग | ड्रयाङ्ग × बीट × बीट | | |
| १५ | पालुगो | पाटने | वैशाख-श्रावण | भाद्र-माघ | आश्विन-कालिक | १००० | ६ | ४ | २ | २० | २/३ | ५००-१००० " |
| | | हरिपते | वैशाख-श्रावण | भाद्र-माघ | आश्विन-कालिक | १००० | ६ | ४ | २ | २० | २/३ | ५००-१००० " |
| १६ | प्याज | रेड क्रियोल | - | असोज-पौष | असोज-कालिक | १५०० | १२ | ९ | ४ | १५ | १० | ५०० " |
| | | नासिक ५३ | - | पौष-माघ | मंसिर -पुष | १५०० | १२ | ९ | ४ | १५ | १० | ५०० " |
| १७ | फर्सी (स्ववास) | सुरेक्स | - | असोज-पौष | असोज-कालिक | १५०० | १२ | ९ | ४ | १५ | १० | ५०० " |
| | | असारे फर्सी | वैशाख-जेठ | पौष-माघ | मंसिर -पुष | १५०० | १२ | ९ | ३ | १०० | १०० | १०० " |
| | | ग्रे जुक्रिनी | वैशाख-जेठ | फाल्गुन-चैत्र | माघ-जेठ | १५०० | १२ | ९ | ३ | १०० | १०० | १०० " |
| | | स्थानीय | वैशाख-जेठ | फाल्गुन-चैत्र | माघ-जेठ | १५०० | १२ | ९ | ३ | २०० | २०० | १०० " |
| | | लडू ग्रीन | जेठ-श्रावण | माघ-भाद्र | | १५०० | १२ | ९ | ३ | २०० | १०० | १०० " |
| १८ | वकुल्ला | सानी हाउस | जेठ-श्रावण | माघ-भाद्र | | १५०० | १२ | ९ | ३ | १० | १० | १०० " |
| | | सोण्डो मि | | माघ-भाद्र | | १५०० | १२ | ९ | ३ | १० | १० | १०० " |
| | | स्थानीय | चैत्र-वैशाख | भाद्र-असोज | असोज-कालिक | ६०० | २ | २ | २ | ६० | ३० | ३००० " |

| क्र. स | बाली | जात | बेनी साँत समय | | | मलबाद के जी./रो. | | | | बेनी लगाउने दूरी (से.मी.) | | बीउ/बेनी दर (ग्राम वा संख्या) |
|--------|-------|-------------|---------------|--------------|--------------|------------------|-----------------|----------------|---------|---------------------------|----|-------------------------------|
| | | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई/बेसी | कम्पोस्ट | यूरीया डि.ए.पी. | स्यूटे अफपोटास | ड्याङ्ग | ड्याङ्ग × बीउ × बीउ | | |
| १९ | वन्दा | सुपर प्रिन | फाल्गुन-वैशाख | श्रावण-भाद्र | भाद्र-असोज | १००० | १२ | ९ | ४ | ६० | ४५ | १८०० बेनी (२५ ग्राम) |
| | | | जेठ-श्रावण | चैत्र-असोज | मंसिर-माघ | १००० | १२ | ९ | ४ | ४५ | ३० | ३००० (२५ ग्राम),, |
| | | | जेठ-श्रावण | चैत्र-असोज | मंसिर-माघ | १००० | १२ | ९ | ४ | ६० | ४५ | १८०० (२५ ग्राम), |
| | | | जेठ-श्रावण | श्रावण-मंसिर | असोज-कार्तिक | १००० | १२ | ९ | ४ | ४० | ४० | ३००० (१५ ग्राम) |
| | | | जेठ-श्रावण | श्रावण-मंसिर | असोज-कार्तिक | १००० | १२ | ९ | ४ | ४० | ४० | ३००० बेनी (१५ ग्राम) |
| | | | जेठ-श्रावण | श्रावण-मंसिर | असोज-कार्तिक | १००० | १२ | ९ | ४ | ४० | ४० | ३००० बेनी (१५ ग्राम) |
| | | | जेठ-श्रावण | श्रावण-मंसिर | असोज-कार्तिक | १००० | १२ | ९ | ४ | ४० | ४० | ३००० बेनी (१५ ग्राम) |
| | | | जेठ-श्रावण | श्रावण-मंसिर | असोज-कार्तिक | १००० | १२ | ९ | ४ | ४० | ४० | ३००० बेनी (१५ ग्राम) |
| | | | जेठ-श्रावण | श्रावण-मंसिर | असोज-कार्तिक | १००० | १२ | ९ | ४ | ४० | ४० | ३००० बेनी (१५ ग्राम) |
| | | | जेठ-श्रावण | श्रावण-मंसिर | असोज-कार्तिक | १००० | १२ | ९ | ४ | ४० | ४० | ३००० बेनी (१५ ग्राम) |
| २० | बोडी | खुमल तने | चैत्र-वैशाख | माघ-फाल्गुन | भाद्र-असोज | ६०० | ४ | ६ | २ | १२० | ३० | २००० ग्राम |
| | | सर्लाही तने | साउन-भाद्र | माघ-फाल्गुन | भाद्र-असोज | ६०० | ४ | ६ | २ | १२० | ३० | २००० ,, |
| | | चन्द्रा ०४१ | | आषाढ-भदौ | असोज-मंसिर | ६०० | ४ | ६ | २ | ७० | ७० | १०००,, |
| | | याई लंग | साउन-भाद्र | आषाढ-भदौ | असोज-मंसिर | ६०० | ४ | ६ | २ | ७० | ७० | १०००,, |
| | | मालेपाटन १ | साउन-भाद्र | आषाढ-भदौ | असोज-मंसिर | ६०० | ४ | ६ | २ | ३० | ३० | १५०० ग्राम |

| क्र. स | बाली | जात | बेनी साँतें समय | | | मलबाद के जी./रो. | | | | बेनी लगाउने दूरी (से.मी.) | | बीड/बेनी दर (ग्राम वा संख्या) |
|--------|-----------|-------------------|-----------------|----------------|---------------|------------------|-----------------|---------------|----------|---------------------------|----|--------------------------------|
| | | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई/बेसी | कम्पोस्ट | यूरीया डि.ए.पी. | स्मूट अफपोटास | ड्रयाङ्ग | ड्रयाङ्ग × बीट × बीट | | |
| २१ | ब्रोकाउली | प्रिमियम कृप | जेट-श्रावण | श्रावण-माघ | असोज-कार्तिक | ५०० | १९ | ९ | ४ | ६० | ४५ | ५-१० " |
| | | ग्रीन पिया | फागुन-वैशाख | भाद्र-असोज | भाद्र-असोज | ५०० | १९ | ९ | ४ | ४५ | ३० | ५-१० " |
| | | एसरेट गिन | जेट-श्रावण | श्रावण-माघ | असोज-कार्तिक | ५०० | १९ | ९ | ४ | ६० | ४५ | ५-१० " |
| | | साकुरा, सेन्ताउरो | जेट-श्रावण | श्रावण-कार्तिक | असोज-कार्तिक | ५०० | १९ | ९ | ४ | ४५ | ३० | ५-१० " |
| | | नुर्कि | जेट-श्रावण | चैत्र-आषाढ | असोज-कार्तिक | १००० | १० | ९ | ४ | ६० | ४५ | १८-००-२००० बेनी (३० ग्राम) |
| २२ | भण्टा | एन.एस. ७९७ | जेट-श्रावण | चैत्र-आषाढ | असोज-कार्तिक | १००० | १० | ९ | ४ | ६० | ६० | १४००-१६०० बेनी (३० ग्राम) |
| | | अर्का केशव | जेट-श्रावण | चैत्र-आषाढ | असोज-कार्तिक | १००० | १० | ९ | ४ | ६० | ६० | १४००-१६००, (३० ग्राम) |
| | | सलाही गीन | जेट-श्रावण | चैत्र-आषाढ | असोज-कार्तिक | १००० | १० | ९ | ४ | ६० | ४५ | १८-००- २०००," (३० ग्राम) |
| | | पपल लंग | जेट-श्रावण | चैत्र-आषाढ | असोज-कार्तिक | १००० | १० | ९ | ४ | ६० | ४५ | १८-००- २०००," |
| | | लुकी | चैत्र-जेट | चैत्र-आषाढ | भाद्र-कार्तिक | १००० | १० | ९ | ४ | ६० | ४५ | १८-००- २०००," |

| क्र. स | बाली | जात | वेर्ना साँने समय | | | मलखाद के जी./रो. | | | | वेर्ना लगाउने दूरी (से.मी.) | | बीड/वेर्ना दर (ग्राम वा संख्या) |
|--------|-------------|---------------------|------------------|-----------------|---------------|------------------|-----------------|----------------|-------------------|-----------------------------|------|---------------------------------|
| | | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई/बेसी | कम्पोस्ट | यूरीया डि.ए.पी. | स्यूटे अफपोटास | ड्याङ्ग × ड्याङ्ग | बोट × बोट | | |
| २३ | भेडे खुसानी | स्यालिफोनिया वण्डर | जेट-श्रावण | फाल्गुन-चैत | असोज-कार्तिक | १५०० | १० | ५ | ५ | ६० | ४५ | २००० वेर्ना (२५-३० ग्राम) |
| | | एन.एस. ६३२, सागर | जेट-साउन | फाल्गुन-भाद्र | असोज-कार्तिक | १५०० | १० | ५ | ५ | ६० | ४५ | २००० वेर्ना |
| २४ | मूला | ह्रवाइंट नेक | जेट-साउन | भाद्र-असोज | भाद्र-कार्तिक | १००० | १० | ९ | ३ | २० | २० | २५०-५००ग्राम |
| | | मिनो अर्ली | जेट-साउन | श्रावण-कार्तिक | भाद्र-कार्तिक | १००० | १० | ९ | ३ | २० | २० | २५०-५००ग्राम |
| | | छूठाने रातो | जेट-साउन | जेट-असोज | भाद्र-कार्तिक | १००० | १० | ९ | ३ | २० | २० | २५०-५००ग्राम |
| | | टोकीनासी | जेट-साउन | जेट-फाल्गुन | मंसिर-माघ | १००० | १० | ९ | ३ | २० | २० | २५०-५००ग्राम |
| | | ४० दिने | जेट-साउन | कार्तिक-फाल्गुन | फाल्गुन-चैत्र | १००० | १० | ९ | ३ | २० | २० | २५०-५००ग्राम |
| | | ग्रीन नेक, प्रिन बो | जेट-साउन | कार्तिक-फाल्गुन | फाल्गुन-चैत्र | १००० | १० | ९ | ३ | २० | २० | २५०-५००ग्राम |
| | | स्थानीय | फाल्गुन-वैशाख | भाद्र-मंसिर | असोज-मंसिर | ६०० | ६ | ४ | २ | २० | २(३) | ग्राम |
| | | कसुरी | फाल्गुन-वैशाख | भाद्र-मंसिर | असोज-मंसिर | ६०० | ६ | ४ | २ | २० | २(३) | ५००-१००० " |
| २५ | मेथी | पार्वती | वैशाख-जेट | फाल्गुन-भदौ | माघ-जेट | ६०० | ६ | ४ | २ | ५० | ३० | ५००-१००० " |
| | | अर्का अनामीका | वैशाख-जेट | फाल्गुन -भदौ | माघ-जेट | ६०० | ६ | ४ | २ | ५० | ३० | ५००-१००० " |

| क्र. स | बाली | जात | बेनी साँतें समय | | | | मलखाद के जी./रो. | | | | बेनी लगाउने दूरी (से.मी.) | | बीड/बेनी दर (ग्राम वा संख्या) |
|--------|------|-------------------|-----------------|----------------|--------------|----------|------------------|-----------------|---------------------|-----------|---------------------------|------------|-------------------------------|
| | | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई/बेसी | कम्पोस्ट | यूरीया डि.ए.पी. | स्प्रेट अफपोटास | ड्रयाङ्ग × ड्रयाङ्ग | बोट × बोट | | | |
| २७ | रायो | खुमल चौडापात | फाल्गुन-बैशाख | भाद्र-मंसिर | असोज-मंसिर | १००० | १० | ९ | ४ | ४५ | ३० | १० ग्राम | |
| | | | जेट-असार | श्रावण-जेट | असोज-मंसिर | १००० | १० | ९ | ४ | ५० | ५० | १० ग्राम | |
| | | | फाल्गुन-बैशाख | भाद्र-मंसिर | असोज-मंसिर | १००० | १० | ९ | ४ | ४५ | ३० | १० ग्राम | |
| | | | फाल्गुन-बैशाख | भाद्र-मंसिर | असोज-मंसिर | १००० | १० | ९ | ४ | ४५ | ३० | १० ग्राम | |
| २८ | लसुन | स्थानीय | वैशाख-जेट | श्रावण-माघ | असोज-कार्तिक | १५०० | १२ | १२ | ४ | १५ | १५ | २५००० " | |
| | | | | फाल्गुन-असार | पुष-जेट | १५०० | २ | १ | १ | २०० | २०० | ५०-१०० " | |
| २९ | लौका | एन.एस.४२१, कावेरी | वैशाख-जेट | फाल्गुन-चैत्र | माघ-जेट | १५०० | २ | १ | १ | २०० | २०० | ५०-१०० " | |
| | | | जेट-साउन | श्रावण-फाल्गुन | असोज-मंसिर | १००० | ४ | ६ | ३ | ३० | ३० | १०० " | |
| ३० | सलगम | काठमाण्डौ रातो | जेट-साउन | श्रावण-फाल्गुन | असोज-मंसिर | १००० | ४ | ६ | ३ | ३० | २० | १०० " | |
| | | | जेट-वैशाख | माघ-फाल्गुन | भाद्र-असोज | ६०० | ४ | ६ | ३ | १२० | ५० | ५००-१००० " | |
| ३१ | सिमी | त्रिशुली | फाल्गुन-चैत्र | साउन | भाद्र-असोज | ६०० | ४ | ६ | ३ | १२० | ३० | २००० " | |
| | | | फाल्गुन-चैत्र | साउन | भाद्र-असोज | ६०० | ४ | ६ | ३ | १२० | ५० | ५००-१००० " | |
| | | | जेट-असार | फाल्गुन-श्रावण | असोज-मंसिर | ६०० | ४ | ६ | ३ | ७० | ७० | ५००-१००० " | |
| | | | चैत्र-वैशाख | साउन | भाद्र-असोज | ६०० | ४ | ६ | ३ | १२० | ५० | ५००-१००० " | |
| | | | जेट-असार | फाल्गुन-श्रावण | असोज-मंसिर | ६०० | ४ | ६ | ३ | ७० | ७० | ५००-१००० " | |
| | | | जेट-असार | फाल्गुन-श्रावण | असोज-मंसिर | ६०० | ४ | ६ | ३ | ४५ | ३० | २००० " | |

| क्र. स | बाली | जात | बेनी सातें समय | | | | मलखाद के.जी./रो. | | | | बेनी लगाउने दूरी (से.मी.) | | बीउ/बेनी दर (ग्राम वा संख्या) |
|--------|--------------|----------------------------------|----------------|--------------|---------------|----------|------------------|---------------|-------------------|-----------|---------------------------|-------------|-------------------------------|
| | | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई/बेंसी | कम्पोस्ट | यूरीया डि.ए.पी. | स्यूट अफपोटास | डियाङ्ग × डियाङ्ग | बोट × बोट | | | |
| ३२ | स्वीसचार्ड | सुसाग | फाल्गुन-जेट | श्रावण-माघ | असोज-मंसिर | ५०० | १० | ६ | ३ | ४५ | ३० | १० | २००० कटिङ्ग |
| ३३ | सखरखण्ड | स्थानीय | जेट-असार | जेट-भद्र | कार्तिक-मंसिर | १००० | १० | ६ | २ | ४५ | ४५ | २००० कटिङ्ग | |
| ३४ | कुरिलो | जापानीज रातो | जेट-असार | जेट-भद्र | असोज-मंसिर | १००० | १० | ६ | २ | ४५ | ४५ | २००० कटिङ्ग | |
| ३५ | तरकारी भटमास | मोरे वासिस्टन ५०० तरकारी भटमास १ | जेट-श्रावण | फाल्गुन-भद्र | | १००० | १२ | ९ | ३ | १०० | ६० | ६०० बोट | |
| ३६ | पाकचौइ साग | चौको, टेस्टी ग्रीन | फाल्गुन-बैशाख | भाद्र-मंसिर | असोज-कार्तिक | ६०० | ६ | ९ | ३ | ३० | ३० | १ के.जि. | |
| | | | | | असोज-मंसिर | १००० | १० | ९ | ४ | ३० | ३० | २० ग्राम | |

आलु खेती प्रविधी तालिका

| क्र. सं. | जात | रोजे समय/सिफारिस क्षेत्र | | | मलखाद के.जी./रोपनी | | | बीउ दर के.जी./रोपनी | लगाउने दूरी (से.मी.) | बाली तयार हुन लागने दिन | उत्पादन से.ट / रोपनी | |
|----------|----------------|--------------------------|-----------|--------------------------------|--------------------|----------------|--------|---------------------|----------------------|-------------------------|----------------------|-----------|
| | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई, भित्री मधेस, बेंसी र खोच | कम्पोस्ट डि.ए.पी. | स्यूट अफ पोटास | यूरीया | | | | | |
| १ | कुफिज्योती | फाल्गुन/चैत्र | पौष/माघ | | १५०० | ११ | ७ | ५ | ७५-१०० | ७०×२५ | १००-१२० | १-१.२५ |
| २. | कुफ्रिसिन्दुरी | - | - | असोज-मंसिर | १५०० | ११ | ७ | ५ | ७५-१०० | ७०×२५ | ११०-१३० | १.२५-१.५ |
| ३. | डिजिरे | - | पौष/माघ | असोज-मंसिर | १५०० | ११ | ७ | ५ | ७५-१०० | ७०×२५ | ७०-९० | ०.७५-१.०० |

| क्र. सं. | जात | रोने समय/सिफारिस क्षेत्र | | | मलखाद के.जी./रोपनी | | | | बीउ दर के.जी./रोपनी | लगाउने दूरी (से.मी.) | बाली तयार हुन लागने दिन | उत्पादन से.ट / रोपनी |
|----------|-------------|--------------------------|-----------|-------------------------------|--------------------|----------|--------|------------------|---------------------|----------------------|-------------------------|----------------------|
| | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई, भित्री मधेश, बैसी र खोच | कम्पोस्ट | डि.ए.पी. | यूरिया | स्यूरेट अफ पोटास | | | | |
| ४. | जनकदेब | फाल्गुन/चैत्र | पौष/माघ | - | १५०० | ११ | ७ | ५ | ७५-१०० | ७०×२५ | १००-१२० | १.२५-१.५ |
| ५. | खुमलसतो—१ | - | पौष/माघ | - | १५०० | ११ | ७ | ५ | ७५-१०० | ७०×२५ | १००-१२० | १.२५-१.५ |
| ६ | खुमलरातो—२ | - | - | असोज-मंसिर | १५०० | ११ | ७ | ५ | ७५-१०० | ७०×२५ | १००-१२० | १.२५-१.५ |
| ७. | खुमललक्ष्मी | फाल्गुन/चैत्र | पौष/माघ | असोज-मंसिर | १५०० | ११ | ७ | ५ | ७५-१०० | ७०×२५ | १००-१२० | १.२५-१.५ |
| ८. | आई.पी.वाई.८ | - | - | असोज-मंसिर | १५०० | ११ | ७ | ५ | ७५-१०० | ७०×२५ | १००-१२० | १.२५-१.५ |
| ९ | खुमल उच्चल | फाल्गुन/चैत्र | पौष/माघ | असोज-मंसिर | १५०० | ११ | ७ | ५ | ७५-१०० | ७०×२५ | १००-१२० | १.२५-१.५ |
| १० | खुमल उपहार | फाल्गुन/चैत्र | पौष/माघ | असोज-मंसिर | १५०० | ११ | ७ | ५ | ७५-१०० | ७०×२५ | १००-१२० | १.२५-१.५ |
| ११ | खुमल विकास | फाल्गुन/चैत्र | पौष/माघ | असोज-मंसिर | १५०० | ११ | ७ | ५ | ७५-१०० | ७०×२५ | १००-१२० | १.२५-१.५ |
| १२ | कार्डिनल | - | पौष/माघ | असोज-मंसिर | १५०० | ११ | ७ | ५ | ७५-१०० | ७०×२५ | १००-१२० | १.२५-१.५ |
| १३ | एन.पि.आई१०६ | फाल्गुन/चैत्र | पौष/माघ | — | १५०० | ११ | ७ | ५ | ७५-१०० | ७०×२५ | ११०-१२० | १.२५-१.५ |

बीयाँबाट उत्पादित सिडलिंग ट्यूबरबाट खाथन आलु उत्पादन

| क्र. सं. | बाली जात | रोने समय/सिफारिस क्षेत्र | | | मलखाद के.जी./रोपनी | | | | बीउ दर के.जी./रोपनी | लगाउने दूरी (से.मी.) | बाली तयार हुन लागने दिन | उत्पादन से.ट / रोपनी |
|----------|----------|--------------------------|-----------|-------------------------------|--------------------|----------|--------|------------------|---------------------|----------------------|-------------------------|----------------------|
| | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई, भित्री मधेश, बैसी र खोच | कम्पोस्ट | डि.ए.पी. | यूरिया | स्यूरेट अफ पोटास | | | | |
| १. | आलु | फाल्गुन/चैत्र | पौष/माघ | असोज-मंसिर | १५५ के.जी. | ११ | ७ | ५ | २५-३० | ७०×२५ | १००-११० | १.२५-१.५ |

वीयाँ वाट सिडलिंग ट्युबर उत्पादन

| क्र. सं. | वाली | जात | रोजे समय/सिफारिस क्षेत्र | | | मलखाव के.जी./रोपनी | | | | बियाँबर (ग्राम) | लगाउने दूरी (से.मी.) | सिडलिंग ट्युबर तयार हुन लाग्ने दिन | उत्पादन के.जी. / बर्गमिटर |
|----------|------|---------------------------|--------------------------|-----------|-------------------------------|--------------------|----------|--------|------------------|----------------------------------|----------------------|------------------------------------|---------------------------|
| | | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई, भित्री मधेस, बैसी र खोच | कम्पोस्ट | डि.ए.पी. | यूरिया | स्युरेट अफ पोटास | | | | |
| १. | आलु | टी.पी.एस.१, टी.पी.एस.२ | फाल्गुन/चैत्र | पौष / माघ | असोज-मंसिर र खोच | ५ के.जी. | १७ | १२ | १७ | ५ ग्रामले २५ बर्ग मिटरलाई पुग्ने | २५×४ | १००-११० | ४-५ |

आलुको बियाँबाट खाउन आलुखेती (बेर्ना सारर) TPS

| क्र. सं. | वाली | जात | रोजे समय/सिफारिस क्षेत्र | | | मलखाव के.जी./रोपनी | | | | बियाँबर (ग्राम)/रोपनी | बेर्ना सार्ने दूरी (से.मी.) | वाली तयार हुन लाग्ने दिन | उत्पादन मे.ट / रोपनी |
|----------|------|---------------------------|--------------------------|-----------|-------------------------------|--------------------|----------|--------|------------------|-----------------------|-----------------------------|--------------------------|----------------------|
| | | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई, भित्री मधेस, बैसी र खोच | कम्पोस्ट | डि.ए.पी. | यूरिया | स्युरेट अफ पोटास | | | | |
| १. | आलु | टी.पी.एस.१, टी.पी.एस.२ | फाल्गुन/चैत्र | पौष / माघ | असोज-मंसिर र खोच | १५.०० | ११ | ७ | ५ | ५ ग्राम | ६०×२० | १००-११० | १-१.५ |

तरकारी वालीहरूमा उपयुक्त माटोको पि.एच.

| तरकारी वाली | उपयुक्त पि.एच. |
|-------------|----------------|
| आलु | ४.५- ७.५ |
| कुरीलो | ५.५- ७.० |
| काँक्रो | ६.०- ७.५ |
| बन्दा | ६.५- ७.५ |
| प्याज | ६.५- ७.५ |

| तरकारी वाली | | उपयुक्त पि.एच. | |
|-------------|--|----------------|--|
| मूला | | ६.०- ७.४ | |
| काउली | | ६.५- ७.५ | |
| पालुंगी | | ६.०- ७.५ | |
| गोलभेंडा | | ५.५- ७.० | |

मसला वाली उत्पादन प्रविधि तालिका

| क्र. सं | वाली जात | लगाउने समय | | | मलबाद | | | | लगाउने दूरी | बैना/ बीउ मात्रा र रोपनी | वाली तयार हुन लाग्ने अवधी | उत्पादन (के.जी. र रोपनी) | कैफियत | |
|---------|--|---------------|---------------|---------------|-------------------------|----------------------|---------------------|----------------------|-------------|--------------------------|---------------------------|--------------------------|----------------|-----------------------------|
| | | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई | कम्पीष्ट (डिको र रोपनी) | ता. (के.जी. र रोपनी) | फ. (के.जी. र रोपनी) | पो. (के.जी. र रोपनी) | | | | | | बोट रोब बोट |
| १. | अलैची रामसाई | जेठ - श्रावण | जेठ - श्रावण | जेठ - श्रावण | ५०-६० | ५ | ३ | ३ | १.२-१.५ मि | १.२-१.५ मि | ६६७-१०४१ | तिन बर्ष | ३०-४० (सुख्खा) | ३ बेना र खाडल (मिफारिस जात) |
| | गोलसाई | " | " | - | " | " | " | " | १.२-१.५ मि | १.२-१.५ मि | ६६७-१०४१ | " | " | " |
| | डम्बरसाई | - | " | - | " | " | " | " | १.२-१.५ मि | १.२-१.५ मि | ६६७-१०४१ | " | " | " |
| | साउने | जेठ - श्रावण | " | - | " | " | " | " | १.२-१.५ मि | १.२-१.५ मि | ६६७-१०४१ | " | " | " |
| २. | अदुवा कपुरकोट अदुवा-१, कपुरकोट अदुवा-२ | फाल्गुन-चैत्र | फाल्गुन-चैत्र | फाल्गुन-चैत्र | ६०-७० | ४ | २.५ | २.५ | ३०से.मि | ३०से.मि | २२५-३०० | ७-९ महिना | १०००-१५०० | (उन्मोचित जात) |
| ३. | बेसार कपुरकोट हलदो १, कपुरकोट हलदो २ | चैत्र-वैशाख | चैत्र-वैशाख | चैत्र-वैशाख | ६०-७० | ५ | ३ | ३ | ३० से.मि | २५ से.मि | १००-१५० | ६-९ महिना | २०००-२२०० | (प्रचलित जात) |

| क्र. सं. | बाली | लगाउने समय | | | मलखाद | | | | लगाउने दूरी | | बेनी/ बीउ मात्रा र रोपनी | बाली तयार हुन लाग्ने अवधी | उत्पादन (के.जी. र रोपनी) | कैफियत |
|----------|-------|---------------------|----------------|----------------|-------------------------|----------------------|---------------------|----------------------|--------------|----------------|--------------------------|---------------------------|--------------------------|--------|
| | | उच्च पहाड | सध्य पहाड | तराई | कम्पोस्ट (डोको र रोपनी) | ना. (के.जी. र रोपनी) | फ. (के.जी. र रोपनी) | पो. (के.जी. र रोपनी) | बोट डेबि बोट | साईन डेबि साईन | | | | |
| ४. | लसुन | चाईनिज | श्रावण | भाद्र-आश्विन | — | ७ | ३.५ | २५ से. मि | २५ से. मि | ५० के. जि. | १-१० महिना | १०००-१५०० | पुचलित जात) | |
| ५. | लसुन | स्थानीय | असोज - कार्तिक | असोज - कार्तिक | ५०-६० | ५ | २.५ | १५ से. मि | ७-८ से. मि | २५-३० से. मि | ४-६ महिना | ६००-१००० | | |
| ६. | मार्च | स्थानीय | श्रावण | श्रावण | ४०-५० | ८ | १.४ | २.५ मि | २.५ मि | ३५००-५००० बेनी | ३ वर्ष | ७५-१०० सुकेको | सिपकारीस जात) | |
| ७. | जिरा | आर.जेड -१९ जि. सि-१ | - | - | असोज - कार्तिक | ४०-५० | १.५ | १.० | बोट ३० से.मि | १ के.जी | ४ महिना | २०-३५ | सिपकारीस जात) | |

प्याजको सेटबाट गानो उत्पादन

| क्र. सं. | बाली | जात | सेट उत्पादन | डल्ला उत्पादन | मलखाद (के.जी./रोपनी) | | | लगाउने दूरी (से.मी.) | | बीउ बेनी दर (के.जी.) | उत्पादन लिन समय (दिन) | उत्पादन (के.जी.) | कैफियत |
|----------|-------|-------|--------------|-------------------|----------------------|-----|--------|----------------------|----------------|----------------------|-----------------------|------------------|--------|
| | | | | | कम्पोस्ट | ना. | फ. पो. | बोट×बोट | ड्याड × ड्याड. | | | | |
| १. | प्याज | एन-५३ | असोज-कार्तिक | १५ असोज-श्रावण भर | १००० | ६ | ५ | ५ | २० | ८०/१०० | ७० | १५०० -२५०० | |

स्रोत: राष्ट्रिय आलु तरकारी तथा मसला बाली विकास केन्द्र, खुमलटार ललितपुर, २०७५

१७. बाली संरक्षण

१७.१ विभिन्न बालीका रोग तथा कीराहरू र तिनको व्यवस्थापन

१७.१.१ अन्नबाली

धान बालीमा क्षति गर्ने मुख्य कीराहरू

| कीराको नाम | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|---|--|--|---|
| १. रिङ्गे, ट्वाँटी र कीर्थो कीरा (Seed bed beetle, Mole Cricket, Field Cricket) | वयस्क अवस्था चम्किलो कालो हुन्छ र लाभ्रे खैरो रङ्गको हुन्छ। वयस्क र लाभ्रे दुवै माटो भित्र बस्छन्। ट्वाँटी कीराको खुट्टा बढी मोटो र बलिया नडग्रा भएका हुन्छन् भने कीर्थोमा साधारण उफ्रने किसिमका खुट्टा हुन्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> बिरुवाको कलिलो अवस्थामा माटो मुनि रहेको जरा र डाँठको भाग खाई दिन्छ र बिरुवाहरू मर्दछन्। ट्वाँटी कीराले आलीमा दुलो पोरे पानी चुहिने समस्या पनि गराउँछन्। | <ul style="list-style-type: none"> खेतमा पानी पटाउने। सालिन्दा आक्रमण हुने खेतमा, रोपाईं गर्नु अगावै क्लोरपाइरिफस १.०% GR ०.५ केजी वा क्लोरपाइरिफस ४% GR ०.७५ केजी प्रति रोपनी वा क्लोरपाइरिफस २.०% EC (जस्तै डर्सवान वा फिनेवान वा रसवान) नामक कीटनाशक विषादी १ मी.ली. प्रति लीटर पानीका दरले खेतमा पानी सुकाएर छर्ने। |
| २. गवारो (Borer) | वयस्क अवस्थामा विभिन्न आकार प्रकारका पुतली हुन्छन्। लाभ्रेहरू फिंका पहुँला अथवा गुलाबी रङ्गका अथवा शरीरमा धर्का भएका हुन्छन् यिनीहरू बिरुवाको डाँठ भित्र रहन्छन्। | बिरुवाको कलिलो अवस्थामा आक्रमण भएमा मृत गावा (Dead heart) देखिन्छन् यदि बिरुवाको फूलफुल्ले अवस्थामा आक्रमण भएमा भुस मात्र भएको सेतो वाला (White head) देखिन्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> गवारोको क्षति कम गर्न हरेक वर्ष धान काटी सकेपछि रहेको सम्पूर्ण टूटा निकाली जलाइ दिने अथवा टूटा डुब्ने गरी पानी पटाइ दिने अथवा धान काटेपछि खेतलाई जोतिदिने। बेनीको पातको टुप्पोमा देखिएका फुलहरूलाई पातको टुप्पो चुँडेर नष्ट गर्ने। प्रकाश पासोको माध्यमबाट वयस्क पुतलीलाई आकर्षण गरी मार्ने। ट्राइकोग्रामा परजीवी कीरा ५,०००-१,००,००० प्रति हेक्टरका दरले रोपाइ गरेको ३-४ हप्ता पछि छाड्ने। धान खेतको आलीमा भटमास लगाउने व्यासीलस थुरीनजियन्सिस (Bt.) ३ ग्राम प्रति लिटर पानीका दरले छर्कने। |

| कीराको नाम | पहियान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|---|--|--|---|
| ३. धानको काँडादार खपटे हिस्सा (Rice Hispa) | वयस्क खपटे कीरा निलो-कालो रङ्गको काँडा दार पँखेटा भएको हुन्छ । | यसले नोकसान पुर्याएको पातमा सेता धर्साहरू र सेता धब्बाहरू देखिन्छन् । | <ul style="list-style-type: none"> गवारोहरूको घेरै प्रकोप भएको खेतमा कारटाप हाइड्रोक्लोरोइड ४ %GR (जस्तै अनुदान, विदान, कीटाप, आदि) वा फिप्रोनिन ०.३ % GR (जस्तै रीप्री, रिजेन्ट, टाटाजेन्ट आदि) दाना विषादी कुनै एक १.२५ के.जी. प्रति रोपनीका दरले वा क्लोरानट्रानीलीप्रोल ०.४ % GR (जस्तै फेस्टेरा) खेतमा छिपछिपे पानी जमाइ छर्ने । विषादी छरेपछि ४ दिनसम्म खेतबाट पानी बन्द दिनु हुँदैन । माकुरा, लामा सिंगो फट्याङ्ग्रा जस्ता मित्र जीवको संरक्षण गर्ने । बेर्नाको पातको टुप्पोमा देखिएका फुलहरूलाई पातको टुप्पो चुँडेर नष्ट गर्ने व्याडमा टम्स पानी जमाएर पानीमा उत्रेका खपटेलाई जम्मा गरी नष्ट गर्ने । प्रकोप बढी भएमा अन्तिम बिकल्पको रूपमा बजारमा सजिलैसँग उपलब्ध हुने सम्पर्क विषादी क्लोरोपाइरिफस २० % EC (जस्तै डर्सवान, डरसेट, फाइनवेन) १.२५ मिलि प्रति लि वा लाम्ग्साइह्लोथ्रिन ५ % EC (जस्तै एजेन्ट प्लस, ब्राभो ५०००, कराते, सूर्य एजेन्ट) ०.५ मिलि प्रति लिटर वा मालाथियन ५० % EC (जस्तै साइथियन, अनु मालाथियन, सूर्याथियन) १.५ मिलि प्रति लिटर पानीमा मिसाइ छर्ने । |
| ४. फड्के (कीराहरू हरियो, खैरो र सेतो पिठ्यू भएको) (Hoppers) | कुनै हरिया, कुनै सेता र कुनै खैरा किसिमका फुफुन उफ्रने किसिमका मसिना कीराहरू हुन्छन् । | <ul style="list-style-type: none"> धानका विरुवाहरू सुकेर मर्दछन् । विरुवाहरू गाँजिन र बढ्न सक्दैनन् । धानको वोटमा वाला नलागी पाराल जस्तो भई वोट सुकेर जान्छ । | <ul style="list-style-type: none"> उपयुक्तजातको छनोट गर्ने । हिलो लगाईएको भन्दा छिटो लगाईएको र हिलोपाके भन्दा छिटो पाके धान बालीमा फड्केकीराको प्रकोप कम भएको पाईएको छ । गाँजको घनत्व कम गर्ने । धान रोप्ने समयमा प्रतिगाँजमा २—३ वटा भन्दा बढी बेर्नाहरू नरोप्ने । नाईट्रोजनयुक्त मलखादको उचित प्रयोग गर्ने । समय समयमा गोडमेल तथा सरसफाई गरी कीराको बैकल्पिक |

| कीराको नाम | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|--------------------------|--|--|--|
| ५. धानको पतरो (Rice bug) | वयस्क पतरो खैरोमा हरियो मिसिएको हुन्छ भने वच्चा पतरो हरियो हुन्छ । यसलाई समातेर विस्तारै थिच्चा नराप्नो गन्ध छोड्छ । | पातमा बढी आक्रमण भएमा वोट नै पहुँचिने हुन्छ र वालामा आक्रमण गरेको छ भनेदानाहरूमा खैरो दाग देखिने, दानाहरू फोसा हुने अथवा आधा फोसिएका दाना हुने गर्दछ । | <ul style="list-style-type: none"> आश्रयस्थल नष्ट गर्ने । ३-४ दिनको फरकमा खेतमा पानीको सतह बढाउने घटाउने र सुकाउने गर्नुपर्छ । धान खेतको पर्यावरणमा मित्र जीवको संख्या अत्यन्त कम वा शून्य र शत्रु जीवको संख्या अत्यधिक रहेको समयमा अन्तिम बिकल्पको रूपमा रासायनिक विषादीको प्रयोग गर्ने । वैहिक विषादीहरू एसीफेट ७५ %SP (जस्तै एसीफेट, आस्ताफ, लेन्सर) २ मिलि वा युप्रोफेजिन २५ % SC (जस्तै युप्रोलोड, डेभिफेजिन) १.५ मिलि वा फिप्रोनिन ५ % SG (जस्तै रिजेन्ट, स्टाल्कर, डेभिजेन्ट-व्लस) २-३ मिलि वा इमिडाक्लोप्रिड १७.८ % SL (जस्तै अनुमिदा, एटम, केमिडा, हिमिडा) १ मिलि प्रति ४ लिटर पानीमा वा कार्बो सल्फान २५ % EC (जस्तै मार्सल) १ मिलि प्रति लिटर वा एजाडिरोक्टीन ०.०३ % EC (जस्तै निम्बोसिडीन, मल्टीनीम) २ मिलि आलो पालो गरी एक-एक हप्ताको फरकमा छर्कनु पर्दछ । बिषादी छर्कदा धानको बिरवा माथिबाट होइन बिरवाको फेदमा पर्ने किसिमले छर्कनु पर्दछ । |
| | | | <ul style="list-style-type: none"> खेत भित्र तथा वरपरको झारपात गोडमेल गरी पतरोको वैकल्पिक आश्रयस्थललाई नष्ट गर्ने । एकै समय पाके धानका जातहरू छनोट गरी लगाउने । प्रकाश पासोको माध्यमबाट वयस्क कीरालाई मार्न सकिन्छ । डर्टी ट्र्यापको प्रयोग गर्ने । यसको लागि गाई बैसीको ताजा पिसावमा कपडा वा जुटको वोरालाई भिजाएर एउटा घोचाको एक छेउमा बाँध्ने र उक्त घोचोलाई धान बारीको बीचमा लगेर गाड्ने गर्नुपर्दछ । ट्रयापमा आकर्षित भएका पतरोहरूलाई बाहिर पट्टीबाट प्लाष्टिकको झोलाले छोपी संकलन गरी मार्ने । |

| कीराको नाम | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-----------------------------|---|--|---|
| ६. पात वेरुवा (Leaf roller) | हल्का खैरो रङ्गका वयस्क पुतली हुन्छन्। पखेटामा दुईवटा बाङ्गा-टिङ्गा धर्महरू हुन्छन्। लार्भा हल्का हरियो रङ्गका हुन्छन्। | पातलाई वेरि भित्र पट्टि बसी पातको हरियो पदार्थ खाइदिन्छन् र पात सुक्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> यो कीराको प्रकोप ज्यादा भएमा अन्तिम विकल्पको रूपमा कीटनाशक विषादी जस्तै मालाथियन ५० % EC (जस्तै साइथियन, अनुमालाथियन, सूयाथियन) २ मिलि प्रति लिटर र अथवा साइपरमोथ्रिन २५ % EC (जस्तै अनुकील, साइपरसीड, केआइसाइपर) वा फेन्थेलेट २० % EC (जस्तै अनुफेन, फेनभल, कीफेन) ०.५ मिलि प्रति लिटर पानीका दरले कुनै एक विषादी विरुवा राम्ररी भिजे गरी छर्नुपर्दछ। धान रोप्ने बेलामा स्वस्थ र बलिया बेनीहरूको प्रयोग गर्ने। नाइट्रोजनयुक्त मलको उचित प्रयोग गर्ने। धान खेतको राम्ररी गोडमेल गर्ने। काँडेदार डोरी लाई दुवै छेउमा समातेर खेतको दुई छेउमा बस्नेर धानलाई छुवाएर क्रमशः विपरीत दिशातिर जाने। यस्ता गर्नाले धानको पातमा रहेका पात वेरुवाका लार्भाहरू पानीमा खसेर नष्ट हुन्छन्। बि. टी. क्रस्टाकी नामक जैविक विषादी १.५ मि.लि. प्रति लिटर पानीमा मिसाई खेतमा छर्ने। प्रति हेक्टर जमिनमा ५००—६०० लीटर जैविक विषादी र पानीको झोल प्रयोग गर्ने। प्रकोप बढी भएमा अन्तिम विकल्पको रूपमा बजारमा सजिलैसँग उपलब्ध हुने सर्पक विषादी क्लोरपाइरिफस २० % EC (जस्तै डर्सवान, डरमेट, फाइनेन) १.२५ मिलि प्रति लि वा कार्बोसल्फान २५ % EC (जस्तै मार्सल) १ मिलि प्रति लिटर, कार्टाप हाइड्रोलोग्राइड ४ % GR (जस्तै अनुदान, विदान, कीटाप) १ मिलि प्रति लिटर वा लाम्डासहोइलोथ्रिन ५ % EC (जस्तै एजेन्टप्लस, ब्राभो ५०००, कराते) ०.५ मिलि प्रति लिटर वा अजाडीराक्टीन ०.१५ % (जस्तै मल्टीनेमोर, निकोनिम) ३-५ मिलि प्रति लिटर दरले छन्। |

| कीराको नाम | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|------------------------|--|---|--|
| ७. मिलिवाग (Mealy bug) | वयस्क सानो, गुलाबी रङ्गको, नरम शरीर भएको, सेतो सैन जस्तो पदार्थले ढाकिएको हुन्छ। कुनै पछेटा भएका र कुनै पछेटा विहिन हुन्छन्। | बिरुवा रोगाउने, बढ्दैन नसक्ने, जिङ्गिङ्ग पोर पहुँलिन्छन् बिरुवामा बाला लाग्दैन। | <ul style="list-style-type: none"> • खेतमा पानीको सतह बढाउने। • खेतभित्र र वरीपरी रहेका घाँसपातहरू हटाउने। • कीराको प्रकोप ज्यादा भएमा अन्तिम बिकल्पको रूपमा गवारोमा वताइएका विषावी प्रयोग गर्ने। |

धान बालीका मुख्य रोगहरू

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|--|--|--|
| १. ब्लाष्ट रोग (Blast) | पातमा स-साना सेता टीका बीचमा भएका लाम्बिचला खैरा थोप्ला देखा पर्दछन्। बाला देखि तलको डाँठको वरीपरी वा आँख्लामा खैरो रङ्ग भएको दाग पनि देखिन्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> • रोग निरोधक जातहरू लगाउने। • कार्बेन्डाजिम ५०%WP (जस्तै बोभिष्टिन वा डेरोसाल) २-३ ग्राम प्रति किलो ग्राम बीउका दरले बीउ उपचार गरी ब्याड राख्ने। • सिफारिस अनुसार नाइट्रोजन मल प्रयोग गर्ने। • खेतमा पानी जमाई राख्ने। • ट्राइसाइकाजोल ७५%WP (जस्तै बान, लोजिक, ट्रिप) ०.७५ ग्राम प्रति लिटर वा सुगामाइसिन ३%SL (जस्तै कासु-बी, किमाइसिन) १.५ मि.लि. प्रति लिटर पानीमा, वा हेक्जाकोनाजोल ५%EC (जस्तै एभोन, कम्फोर्ट, हेक्जाप्रस) २ ग्राम प्रति लिटर वा क्रेसोकिजम मिथाइल ४४.३ SC (जस्तै इजोन) १मि.लि. प्रतिलिटर पानीमा मिसाई १५ दिनको फरकमा २-३ पटक छर्ने। |
| २. ब्याक्टेरियल लिफ ब्लाइट (Bacterial leaf blight) | पातको किनाराबाट लामो पहुँला वा खैरा रङ्गका धर्साहरू देखिन्छन्, पात टुप्पोबाट सुकेर मर्दछ। | <ul style="list-style-type: none"> • रोग निरोधक जातहरू लगाउने। • सिफारिस अनुसार रासायनिक मल हाल्ने। • रोग लागेको खेतमा केही दिन पानी सुकाइदिने। • स्टेप्टोमाइसिन सल्फेट १% + टेट्रासाइक्लिन ह्याइड्रोक्लोराइड १% W/P एग्रिमाइसिन-१००, ०.२५ ग्राम प्रति लिटर पानीको झोलामा बीउलाई ३० मिनेटसम्म डुबाएर बीउ उपचार गर्ने। |

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|--|--|--|
| ३. फेद थोप्ले रोग (Brown leaf spot disease) | पात वा धानका गोडामास-साना गोलाकार वा लाम्बिचला खैरो थोप्लाहरू देखिन्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> • कार्बेन्डाजिम ५.०% WP (जस्तै बेभिथिन वा डेरोसाल) २-३ ग्राम प्रति किलोग्राम बीउका दरले बीउ उपचार गरी ब्याड राख्ने। • सिचाई भएको ठाउँमा चैत्र महिनाको शुरुमा नै सिफार्सिस गरिएका उन्नत जातका धानहरू रोप्ने। • मेन्कोजेव ७५ % WP (जस्तै डाइथिन एम-४५.) विषादी ३ ग्राम प्रति लिटर वा प्रोपिनेब ७०% WP (जस्तै एनाट्राकोल, किएन्ट्रा, एन्ट्रगोल्ड) ३ ग्राम प्रति लिटर पानीको दरले मिसाई १५ दिनको फरकमा ३ पटक छर्कने। |
| ४. फेद कुहिने रोग (Foot rot) | रोगी विशुवा अल्लो नहुने, पहेँलिनै र अन्तमा फेद कुहिएर मर्दछन्। तल्लो आँख्लाहरूबाट जरा निस्कन्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> • रोगी बोट भएको खेतबाट बीउ संकलन नगर्ने। • कार्बेन्डाजिम ५.०% WP (जस्तै बेभिथिन वा डेरोसाल) दुसरीनाशक विषादी २ ग्राम प्रति किलो बीउका दरले उपचार गरी ब्याड राख्ने। • रोग ग्रस्त बोटहरू उखेलेर नष्ट गर्ने। • रोग अवरोधक जात लगाउने तर खुमल-४ जस्ता रोग नसहने जात नलगाउने। |
| ५. पातको फेद डडुवा रोग (Sheath blight) | पातको फेदमा अण्डाकार खैरा थोप्लाहरू भएपछि आकारमा बृद्धि हुँदै जान्छ र दूसीको कालो पिर्खाहरू (Sclerotia) देखापर्दछ। बोटको माथिल्लो भागमा समेत पुच्छर सुकेर डडेको जस्तो देखिन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> • नाइट्रोजन मल सिफार्सिस मात्रामा भन्दा बढी प्रयोग नगर्ने। • उन्नत जातको धान रोप्दा बोट देखि बोटको दूरी बढाउने। • भेलिडामाइसिन ३% L (जस्तै सिथमार, भालिगन, ओजोरो) ३ ग्राम प्रति लिटर पेनसाइक्युरोन २२.९ % SC (जस्तै मोन्सेरेन २५०) १.५ मि.लि. प्रति लिटर पानीमा वा कार्बेन्डाजिम ५.० % WP (जस्तै बेभिथिन वा डेरोसाल) दुसरीनाशक विषादी १.५ ग्राम प्रति लिटर पानीको दरले मिसाई १०-१२ दिनको फरकमा २ पटक छर्ने। • प्रोपिकोनजोल २५% EC (जस्तै बम्पर, बोनिम, टिल्ट) १ मि.लि. प्रति ४ लिटर पानीमा मिसाई १०-१२ दिनको फरकमा २ पटक छर्ने। |
| ६. खैरा रोग (Khaira disease) | जिंकको कमीले देखिने यो रोगमा रोगी बोटको फेदतिरको पात पहेँलिएर जान्छ। पातमा खैरा थोप्लाहरू पनि देखिन्छन्। पछि पूरै पात खैरो वा रातो | <ul style="list-style-type: none"> • धान र उखुको घुम्ती बाली लगाउने। • लक्षण देखापरे पछि २० ग्राम जिंक सल्फेट र १२% ग्राम चून ५० लिटर पानीमा मिसाई प्रति रोपनीका दरले १० दिनको फरकमा २ पटक छर्कने। |

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-----------|---|--|
| | हुन्छ । गाँज थपिने र बढ्ने क्रम रोकिन्छ | <ul style="list-style-type: none"> नाइट्रोजन र फस्फोरस मला सिफारिस मात्रा भन्दा बढी प्रयोग नगर्ने । लक्षण देखिएमा केही दिन सम्म खेतमा पानी मुकाउने । |

मकै बालीमा क्षतिगर्ने मुख्यकीराहरू

| कीरा | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|------------------------------|---|---|---|
| १. फेद काट्ने कीरा (Cutworm) | वयस्क पुतली ध्वाँसे रङ्गको र मध्यम आकारको हुन्छ । लाभ्रे खरानी रङ्गको हुन्छ र छोइ विद्यो भने बटारिएर बस्छ । | दिउँसो लाभ्रेहरू लुकेर बस्छन र राती बाहिर आई बोटलाई जमिनको सतहमुनिबाट वा माथिबाट काट्दछन् । | <ul style="list-style-type: none"> काटोको बिरुवाको जरा नजिक माटोमा कोट्ट्याएर लाभ्रेहरू खोजी नष्ट गर्ने । वि. टी.के. नामक जैविक विषादी वा मालाथियन ५ % DP २ ग्राम प्रति केजी गहुँको चोकर मिसाएको चारा प्रति रोपनी आधा केजी का दरले साँझमा प्रयोग गर्ने । क्लोरोपाइरीफस १.०% GR (जस्तै देवीवान) वा मालाथियन ५% DP (मालाथियन ५% धूलो) १ के.जी. प्रति रोपनीका दरले माटोको उपचार गर्ने । |
| २. खुम्रे कीरा (White grub) | खुम्रे खपटेहरू गाढा खैरो रङ्गका हुन्छन् । लाभ्रेहरूको टाउको खैरो रङ्गको र शरीर सेतो रङ्गको हुन्छ । छोइविद्यो भने बटारिएर बस्छ । | यिनीहरूले माटो भित्रै बसी जराहरू खान्छन् जसले गर्दा बिरुवाहरू बढ्न सक्दैनन् मर्दछन् । मर्म लागेको बिरुवा उखलेर हेर्दा जराहरू सबै खाएको पाइन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> खेतबारीलाई गहिरो गरेर जोती दिनाले यी कीराहरू सूर्यको तापले गर्दा मर्दछन् साथै परजीवी एवं चराहरूले खाई दिन्छन् । काँचो गोबर मल प्रयोग गर्ने । क्लोरोपाइरीफस (जस्तै डर्सवान १.०%) विषादी १ के.जी. वा क्लोरान्द्रानिलिप्रोल ०.४%GR (जस्तै फस्टेरा) प्रति रोपनीका दरले मकै छन्नु भन्दा अघि छर्ने । खपटे माउलाई बिजुली बत्तीको पासोमा आकर्षण गरी मार्ने । १ के.जी. प्रति रोपनीका दरले दानामा उत्पादित हरियो दुसी (Metarhizium anisopliae) मकै छन् समयमा लाईनमा छर्ने । |

| कीरा | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|--------------------------|---|---|--|
| ३. फौजी कीरा (Army worm) | वयस्क पुतली धाँसे रङ्गको हुन्छ र पुर्णरूपले बढेका लार्वाहरू गाढा हरियोमा अलि पहेंलो रङ्ग मिसिएको जस्ता हुन्छन् पिठ्ठूँ पाट्टि अस्पष्ट धर्काहरू हुन्छन्। | लाभ्रेहरूले मकैको बिरुवाको सबै भाग खाइ दिन्छन् बाँकी केही राख्दैन। | <ul style="list-style-type: none"> डेल्टामेथ्रिन २.८% EC (जस्तै डेसिम, डेल्साइड, डिस) १.२ मी.ली. प्रति लिटर पानीमा मिलाई छर्ने व्यासिलस थुरेन्जेन्सिस कुस्टाँकी व्याक्टेरिया (B.t.k.) १ ग्राम प्रति लिटर पानीमा मिसाई छर्ने। अर्को खेतमा जाने बाटो अवरोध हुने गरी खाडल खनी खाडलमा पानी र विषादी राखि दिने। परजीवी कीरा ट्राइक्लोग्रामा १ लाख प्रति हेक्टरका दरले छोड्ने। गवारो लागेको बाटहरू उखेलेर नष्ट गरी दिने। मकै भाँचेर ढोड काटेपछि ठुटाहरू नष्ट गर्ने। डाइमथोयट ३०% EC १.५ मिली प्रति लिटर वा थायामेथोकजाम १.२.६% EC+लाम्डा साइलाथिन ९.३% EC १ एम एल प्रति ४ लिटर पानीमा मिसाई ५०० लिटर मिश्रण प्रति हेक्टर छर्ने। |
| ४. गवारो (Borer) | कुनै हल्का खैरो रङ्गका हुन्छन् शरीरमा चावटा खैरो रङ्गका धर्काहरू हुन्छन्। कुनै लार्वाको रङ्ग हल्का पहेंलोमा गुलाफी रङ्ग मिसिएको हुन्छ। | भर्खर निस्केका लार्वाहरूले पात खान्छन् पातहरूमा प्रशस्त छिद्राहरू हुन्छन्। पछि धिनीहरू डाँठ भित्र पसी गुवो खानाले गुवो मर्दछ। विरुवाको टुप्पोमा लार्वाहरूले बिठ्याएको पदार्थ देखिन्छ। | |

मकै बालीका मुख्य रोगहरू

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|------------------------------------|---|--|
| १. पातमा लामो डुब्बा (Leaf blight) | पातमा ठूला लाम्बिला आँखा आकारका खैरा दागाहरू देखा पर्दछन्। पछि ती थोप्लाहरू एक आपसमा जोडिई पात मुकाई दिन्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> स्वस्थ बीउको प्रयोग गर्ने। रोग अबरोधक जातहरू: मनकामना-३, गणेश-१, गणेश-२ लगाउने। कार्बेन्डाजिम ५० % WP (जस्तै बेभिथिन) दुसीनासक विषादी २ ग्राम प्रति किलो बीउका दरले बीउ उपचार गरी रोप्ने। रोग अबरोधक जातहरू: गणेश-२, मनकामना-१ रोप्ने। स्वस्थ घोगाहरू छनोट गरी बीउ राख्ने। कार्बेन्डाजिम ५० % WP वा बेभिथिन दुसीनासक विषादी २ ग्राम प्रति किलो बीउका दरले बीउ उपचार गरी बीउ रोप्ने। |
| २. घोगा कुहिनै (Ear rot) | घोगाको टुप्पोबाट रातो वा गुलाफी रङ्ग भई कुहिन थाल्दछ। कुनै बेला घोगाको फेदबाट पनि कुहिनै गर्दछ। | |

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-------------------------------------|---|--|
| ३. कालो पोके (Head smut) | धान चमरा कालो भई लट्टा पोके जस्तो देखिन्छ। घोगामा दानाको सट्टा कालो बीजाणुको धूलोले भरिएको हुन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> स्वस्थ बीउको प्रयोग गर्ने। बारीमा कालो पोके रोग देखे बित्तिकै जम्मा गरी नष्ट गर्ने धेरै रोग आउने क्षेत्रमा कार्बेन्डाजिम ५० % WP (जस्तै वेभिष्टिन) २ ग्राम प्रति के.जी. बीउको दरले उपचार गरी रोप्ने। |
| ४. डाँठ कुहिन (Stalk rot) | जमिन भन्दा माथि डाँठको दोश्रो आँखला नजिकैको भित्री भागको गुदीको रङ्ग बदलिन्छ र डाँठ कुहिन गई बोट दल्दछ। | <ul style="list-style-type: none"> सिफारिस मात्रामा मल प्रयोग गर्ने। रोगको जीवाणु गभारोबाट समै हुँदा उक्त गभारो नियन्त्रण गर्न विषादी प्रयोग गर्ने। |
| ५. डाउनी मिल्ड्यू (Downy mildew) | पातहरू पहेलिएर सानो हुने र पातमा धर्साहरू देखिन्। | <ul style="list-style-type: none"> स्वस्थ बीउको प्रयोग गर्ने। रोग अवरोधक जातहरू रामपुर २, रामपुर कम्पोजिट लगाउने। मेन्कोजेव ७५ प्रतिशत डब्लु पि (जस्तै डाइथेन एम-४५.) विषादी ३ ग्राम प्रति लिटर वा मेटालेक्सिल ८ % मेन्कोजेव ६४ % (जस्तै क्रिनोक्सिल गोल्ड, रिडोमिल एम जेड, ट्यागमील) २ ग्राम प्रति लिटर पानीमा मिसाई छर्ने। |
| ६. धर्साँ शेने रोग (Gray Leaf spot) | धान चमरा निस्कने बेलामा फेद नजिकका पातमा शुरुमा स-साना पहेँला वा खैरा दाग बनाउँछ र दुइ तीन हप्ता भित्र नशारँग समान अन्तरमा लाम्बिचला धर्साहरूमा परिवर्तन हुन्छ। धर्साहरू जोडिदै गई पूरै पात ध्वस्त हुन्छ। पातबाट डाँठ, घोगाको खोस्टामा पनि लाग्छ। घोगाहरू साना, हलुका, थोते, टेडा हुने हुन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> रणेश १, मनकामना ३, मनकामना १, हिलपुल पहेलो र देउती जातका रोग सहन सक्ने जात लगाउने। मकै छिटो रोप्ने र पातलो रोप्ने। घुम्ती बाली अपनाउने। रोगीबाटका अवशेष जलाउने, रोगको लक्षण देखिनासाथ पात हटाउने। सन्तुलित मलखाद प्रयोग गर्ने। दुसीनासक विषादी कार्बेन्डाजिम ५०%WP(जस्तै वेभिष्टिन वा वेनोफेट) १ ग्राम वा डाइथेन एम ४५ वा साफ २ ग्राम प्रति लिटर पानीको दरले छर्ने। |

गहुँ बालीमा लाग्ने कीराहरू

| कीराको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-----------------|--|---|
| १. कीटकीटे खपटे | लार्भा (Wire worm) ले जरा काटी दिन्छ र बोट सुक्छ । | मकैको फेंद काट्ने कीराको जस्तै विषादी प्रयोग गर्ने । सिचाई सुविधा भएमा राम्रोसँग सिचाई गर्ने । |
| २. लाही कीरा | बाला पसाउने बेलामा यसले दुःख दिन्छ । लाही कीराहरूले कलीलो बालाको रस चुसी नोक्सान गर्दछन् । | लेडी विटल्स (मिन्नु खपटे) प्रयोग गर्ने । डायमथोपेट ३०% ई.सी. को १ मी.ली. प्रति लिटर पानीका दरले छर्कने । |
| ३. गुलावी गभारो | यिनीहरूले गहुँको गुवो काटी नोक्सान गर्छन् । | धानमा नोक्सानी गर्ने गभारोको नियन्त्रणका उपायहरू अपनाउने । |

गहुँबालीका मुख्य रोगहरू

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-------------------------------|--|--|
| १. डटुवा रोग (Leaf blight) | साना खैरो रङ्गको थोप्लाहरू पातमा देखिन्छन् । पछि ती थोप्लाहरू बढ्छन् एक आपसमा जोडिई पातसुकैको वा डढेको जस्तो देखिन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> कार्बोक्सिन १.७५%+थिरम १.७.५%(जस्तै भाइटाभेक्स-२००) २ ग्राम प्रति किलोका दरले बीउ उपचार गर्ने । सिफारिस मात्रामा पोटोस मलको प्रयोग गर्ने । ठिक समयमा गहुँ छर्ने । रोग अवरोधक जातहरू लगाउने । |
| २. खैरो सिन्दुरे (Brown rust) | पातको माथिल्लो सतहमा सुन्तला रङ्गका फोकाहरू देखिन थाल्दछन् । ती फोकाहरू छुट्टैछुट्टै रहेका हुन्छन् । | <ul style="list-style-type: none"> रोग अवरोधक जातहरू लगाउने । सिफारिस गरिए अनुसार मलखादको प्रयोग गर्ने, ठीक समयमा गहुँ छर्ने गहुँको बोट ठूलो भएमा म्यान्कोजेव ७.५% WP (जस्तै डाइथेन एम-४५) नामक विषादी १.५-२ के.जी. प्रति हे. ७५० लिटर पानीमा मिसाई १५ दिनको अन्तरमा २-३ पटक छर्कने । वा प्रोपिकोनजोल २५% EC (जस्तै बोमस, बम्पर, टिल्ट २५) ०.७५ ग्राम प्रति लिटर पानीका दरले मिसाई छर्कने । |

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|--|---|---|
| ३. पहेँलो सिन्दुरे (Yellow rust) | पातको माथिल्लो सतहमा पहेँला, लाम्बिचला फोकाहरू एकअर्कासँग मिली धर्सा परे रहेका हुन्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> रोग अवरोधक जातहरू जस्तै: डब्लुके १२०४, पासाङ्गल्हाम लगाउने र ठीक समयमा गर्नु छर्ने। सिफारिस गरिए अनुसार रासायनिक मल प्रयोग गर्ने। माथि खेरो सिन्दुरे जस्तै व्यवस्थापन विधी अपनाउने। |
| ४. कालो पोके (Loose smut) | बालामा दाना लामुको सट्टा कालो सूसीको जिवानुले भरिएको हुन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> स्वस्थ बीउको प्रयोग गर्ने। कार्बोक्सिन १७.५%+ थाईराम १७.५%(जस्तै भाइटाभेक्स-२००) विषादी २ ग्राम वा टेबुकोनाजोल २ % DS (जस्तै क्याभियट, राक्सिल) १ ग्राम प्रति केजी गहुँको बीउका दरले बीउ उपचार गरी छर्ने। रोग लागेको बालाबाट धूलो नसर्दै उखेलेर खाल्डोमा गाड्ने अथवा जलाई दिने। अन्नपूर्ण-४ जातको गहुँमा यो रोग कम लाग्ने हुँदा यो जात लगाउने। |
| ५. गन्डाउने कालो पोके (Stinking smut or hill bunt) | रोगी दानाहरू गोलाकार हुन्छन् कालो रङ्गको रोगको जीवाणुहरू ले भरिएका हुन्छन्। ती जीवाणुहरू दाना फुटाएर बाहिर झर्दछन्। नजिकबाट सुँध्दा माछा कुहिएको जस्तो गन्ध आउँछ। | <ul style="list-style-type: none"> दुई तीन वर्ष सम्म घुमती बाली लगाउने वा गहुँ नै नलगाउने। कार्बोक्सिन १७.५%+थिराम १७.५% (जस्तै भाइटाभेक्स-२००) २ ग्राम प्रति केजी गहुँको बीउका दरले बीउ उपचार गरी छर्ने। स्वस्थ बीउको प्रयोग गर्ने। |

जौ बालीमा लाग्ने मुख्य रोगहरू

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|----------------------------------|---|---|
| १. पहेँलो सिन्दुरे (Yellow rust) | पातको माथिल्लो सतहमा पहेला, लाम्बिचला फोकाहरू एक अर्कासँग मिली धर्सा भएर रहेका हुन्छन्। | रोग अवरोधक जात लगाउने। |
| २. धर्से रोग (Stripe rust) | पातको माथिल्लो सतहमा पहेला धर्साका र धब्बाहरू देखिन्छन्। | कार्बोक्सिन १७.५%+ थाईराम १७.५%(जस्तै भाइटाभेक्स-२००) २ ग्राम प्रति केजी बीउका दरले उपचार गरी लगाउनाले रोगको प्रकोप एकदमै कम भएको पाइएको छ। |

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|---------------------|---|---|
| ३. कालो पोके (Smut) | बालामा दाना लानुको सट्टा कालो ढूसीको जीवाणुले भरिएको हुन्छ। | स्वस्थ बीउको प्रयोग गर्ने। कार्बोक्सिन १७.५%+थिरम १७.५% (जस्तै भाइटाभेक्स-२००) विषादी २ ग्राम प्रति केजी बीउका ढरले बीउ उपचार गरी छन्। रोग लागेको बालाबाट धूलो नझर्दै उखेलेर खाल्डोमा गाड्ने अथवा जलाइदिने। |

१७.१.२ कोसेबाली: चना, मास, भटमास, मुङ्ग, चना र रहसमा क्षति पु-याउने कीराहरू

| कीराकोनाम | पहिचान | क्षतिकोलक्षण | व्यवस्थापनविधि |
|-------------------------------------|---|--|---|
| १. झुसिलकीरा (Hairy caterpillar) | वयस्क हल्का पहेँला पखेटा भएको पुतली हुन्छ। यसका अधिल्ला पखेटामा मसिना र पछिल्ला पखेटामा अलिक ठूला काला शोप्लाहरू हुन्छन्। पुतलीको पेटको रङ्ग रातो हुन्छ। पूर्ण विकसित लार्वाको शरीरमा राता काला झुसे झुसले भरिएको हुन्छ। | झुसिल कीराहरूले पातको सम्पूर्ण हरियो भाग खाईदिनाले पातहरू सेतो पातलो कागज जस्ता हुन्छन्। अन्तमा किरुवा पात विहीन हुने गर्दछ। | <ul style="list-style-type: none"> झुसिलकीराहरू झुण्डमा रहेकै अवस्थामा पातलाई टिप्ने र संकलन गरी नष्ट गर्ने। कीराको प्रकोप ज्यादा भएमा कीटनाशक विषादी डेल्टामेथ्रिन २.८% ई.सी. (जस्तै डेसिस) १ मी.ली. वा साइपरमिथ्रिन १०% ई.सी. (जस्तै रिपकड, डेभिसाइपर) १ मी.ली. प्रति लिटर पानीका ढरले कुनै एक विषादी छन्। |
| २. कोसामा लामे गवरोहरू (Pod borers) | वयस्क पुतली हल्का पहेँलो रङ्गका हुन्छन्। अन्य गवरोको वयस्क पुतलीको पखेटामा सेता धब्बा भएका ध्वंसि खालका हुन्छन्। कुनै वयस्क पुतली नीलो रङ्गका पनि हुन्छन्। पूर्ण विकसित लार्वाको शरीरमा रङ्गी विरङ्गी धर्सहरू हुन्छन्। यिनले समय समयमा रङ्ग बदली रहन्छन्। | कोसामा प्वालहरू देखिन्छन्। लार्वाले आधा शरीर कोसा भित्र पसाएर खाएको प्रष्ट देख्न सकिन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> यौनजन्य कीरा आकर्षण पदार्थ “हेलील्यूर” को प्रयोग गरेर भाले पुतलीलाई समाल्न सकिन्छ। धेरै संख्यामा भाले पुतली देखिएमा अन्य व्यवस्थापन विधि अपनाउन सकिन्छ। मसिना लार्वा देखिनासाथ व्यासीलस थुरीजेन्सिस भेराइटी कुसंटाकीको पानीमा मिसिने धूलो १ ग्राम प्रति लिटर पानीका ढरले मिसाएर वेलुकी पख छन्। न्यूक्लिअर पोलिहेड्रोसीस भाइस, हेली (एम.पी.भी.) को १.०० एल. ई. को १ मी.ली. वा २.०० एल. ई. को ०.५ मी.ली. प्रति लिटर पानीमा २-३ थोपा नीर |

| कीराकोनाम | पहिचान | क्षतिकोलक्षण | व्यवस्थापनविधि |
|--|--|---|--|
| | | | <p>मिसाई मिसाए बनाएको झोल बेलुकीपख छर्ने ।</p> <ul style="list-style-type: none"> निममा आधारित कीटनाशक विषादीहरू जस्तै मार्गोसोम ०.१ ई.सी. वा माल्टिनिम ०.०३ ई.सी. ५ मी.ली. प्रति लिटर पानीका दाले बनाएको झोल छर्ने । इमामोक्टिन बेन्जोएट ५% SG (जस्तै किङ्ग स्टार, एनस्टार) ०.५ मी.ली. प्रति लिटर पानीमा बनाएको झोल छर्ने । अरु विषादी गोलभेंडाको गबारोमा जस्तै प्रयोग गर्न सकिन्छ । |
| ३. लाही र पात खन्ने कीरा (Aphid and leafminer) | लाही सानो कीरा जस्तै विरुवाको रस चुसेर खान्छ । पात खन्ने कीराको लाभाले बिरुवामा नागवेली आकारको सुरुग बनाएर पातको भित्र बसी हरियो भाग खान्छ । | वोट रोगाउने, वढन नसक्ने साथै पहेलो हुने हुन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> गोलभेंडामा बताए जस्तै व्यवस्थापनका उपायहरू अपनाउने । |

मुसुरो बालीका रोगहरू

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|------------------------------|---|---|
| १. ओइलाउने रोग (Wilt) | बेर्ना अवस्थामा बोट एक्कासी ओइलाउन थाल्दछ र पात सुक्दै जान्छ । फूलफुल्ले बेलामा पनि बोटको टुप्पो ओइलाउदै जान्छ । पात पहेँल्लिदै जान्छ र पूँबोट ओइलाएर मर्दछ । | <ul style="list-style-type: none"> रोग नलागेने वा कम लाग्ने जातहरू सिमल, शिखर, खजुरा-१, खजुरा-२ लगाउने । दुई बर्षको घुम्ती बाली अपनाउने । चाडै रोपेमा रोग लाग्ने समय छल्ल सकिन्छ । |
| २. जरा कुहिनो रोग (Root rot) | बोटको तल्लो पातहरू पहेँल्लिदै माथितिरका पातहरू पहेँल्लिन थाल्दन् । रोग लागेको बोटको मुख्य जराहरू र सहायक जराहरू कुहिएका हुन्छन् । | <ul style="list-style-type: none"> रोगग्रस्त क्षेत्रमा ३-४ वर्षसम्म मुसुरो नलगाउने । घुम्ती बाली प्रणाली अपनाउने । |

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|----------------------|---|---|
| ३. डढवा रोग (Blight) | पातको टुप्पाहरू खाद्यतत्वको कमिबाट भाएजस्तो रङ्ग बदलिई सुक्दै जान्छ । माथिल्ला हाँगाहरू पहेला भई सुक्दछन् । | <ul style="list-style-type: none"> रोग देखापने बित्तिकै म्यान्कोजेब ७.५% WP (जस्तै डाइथिम एम. ४५, इण्डोफिल एम ४५, सूर्य एम ४५) नामक बिषादी २-३ ग्राम प्रति लिटर पानीमा मिसाई ७ दिनको फरकमा २-३ पटक छर्ने । |

चना बालीका रोगहरू

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|----------------------------------|--|--|
| १. खैरो रोग (Botrytis grey mold) | पातका टुप्पाहरू रङ्ग बिहिन भएर सुक्न जान्छन् । फूल कुहेर कोसा नलामु नै रोगको प्रमुख लक्षण हो । जीवाणुका लागि वातावरण सुहाउँदो भएमा वोटको सबै भागमा फूसो वा काला खैरा थोप्लाहरू देखापर्दछन् । | <ul style="list-style-type: none"> चनाको वोट ठाडो हुने जात पातलो हुने गरी लगाउने । कार्बेन्डाजिम ५.०% WP (जस्तै वैभिष्टिन) १ ग्राम प्रति लिटर पानीमा मिसाई फूल फुल्ने बेलामा छर्ने । |
| २. फेद कुहिन रोग (Foot rot) | रोगी बेनी वा बोटहरू पहेला हुन्छन् तर पातहरू आइलाएका हुँदैनन् । माटोको सतह र तलतिर बोट कुहिएको हुन्छ र सेतो दुसिले ढाकेको हुन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> धुन्ती बाली प्रणाली अपनाउने । कार्बेन्डाजिम ५.०% WP (जस्तै वैभिष्टिन) ३ ग्राम प्रति केजी बीउको दरले उपचार गरेर रोप्ने । |
| ३. कालो जरा कुहिन (Root rot) | यो रोग लागेपछि बोट पहेलिनन्छन् र ओइलाउँछ । मसिनो जराहरू कुहेर झर्दछन् बाँकी भएका जरा कालो हुन्छन् । | <ul style="list-style-type: none"> फेद कुहिन रोगको व्यवस्थापनका उपायहरू अपनाउने । |

रहर बालीमा लाग्ने रोगहरू

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-------------------|--|---|
| १. ओइलाउने (Wilt) | बोटको फेदबाट टुप्पोतिर प्याजी रङ्गको धब्बा फैल्दै जान्छ । यो रोगमा कुनै कुनै हाँगा मात्र आइलाउन पनि सक्छ । खास गरेर फूल फुल्ने र कोसा लाग्ने बेलामा ओइलाउने रोग देखा पर्दछ । | <ul style="list-style-type: none"> रोग नलाग्ने जात जस्तै रामपुर रहर लगाउने । रोग मुक्त खेतबाट बीउ छान्ने । रहर र अननबाली मिश्रित खेती गर्ने । वाली चक्र अवलम्बन गर्ने । |

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-------------------------------|--|--|
| २. बाँझोपन (Sterility mosaic) | खेतबारीमा ठाउँ ठाउँमा होचा, फूलका हाँगाहरू गुचमुचुचु भई फूल फुलेको हुन्छ। उक्त हाँगाहरू फिक्का हरियो कोसा नलागेका बोटहरू टाढैबाट सजिलैसँग देखिन्छन्। पातहरू फिक्का हरियो र गाढा हरियोको मिश्रण भई छिबि पनि हुन सक्छ। | <ul style="list-style-type: none"> रोग कम लामो जातहरू जस्तै बागेश्वरी, रामपुर रहर लगाउने। रोगको श्रोतको रुपमा रहेको बहुवर्षीय रहर र हाँगा काटिएका रहरका बोटहरू नाश गर्ने। रोग सार्ने सुलसुलेको संख्या घटाउन धुन्ती बाली लगाउने। |

१७.१.३ आलु बालीका हानिकारक काराहरू

| कीरा | पहिचान | क्षतिको पहिचान | व्यवस्थापन विधि |
|---------------------------------|--|---|--|
| १. फेद काट्ने लाभ्रे (Cut worm) | ध्वाँसे वा खैरो रङ्ग चिल्लो शरीरको ढाडतर्फ अस्पष्ट धर्साहरू र चलाई विँदा गुडुलिनै हुन्छ। | काटिएका बोटको फेद र आलुमा प्वाल हुन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> काटेको बिरुवाको जरा नजिक माटोमा कोट्याएर लाभ्रेहरू खोजी नष्ट गर्ने। खेतमा बिरुवा नजिक केही झारपात राखेमा रातमा लार्भा त्यहाँ वस्छन र विहानीपख हेरी माने। क्लोरोपाइरिफस १.०%GR (जस्तै डर्सवान १.०% गेडा) वा मालाथियन धूलो १ के.जी. प्रति रोपनीका दरले माटोको उपचार गर्ने। |
| २. रातो कमिला (Red ant) | भाले कमिलाको शारीरिक बनोटमा अरिगालको जस्तो हुन्छ र पारदर्शक पखेटा- हरुका नशाहरू काला छैरा देखिन्छन्। पोथी कमीला लामो बनावटको हुन्छ र यसका पखेटाहरू हूँदैनन्। | आलुमा माटो सहितका मसिना वा ठूला छिद्रहरू हुन्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> आलु रोनु अघि क्लोरोपाइरिफस १.०% GR वा २.०% झोलाले माटोको उपचार गर्ने। कमिला खेतमा देखा साथ सिचाइको व्यवस्था गर्ने। गहुँद, असुरो, केतुकी, तीते पाती, खिरो वा चिउरीको पीनाको प्रयोग गर्ने। कमिलाको गोला नजिक भएको शंका लागेमा नष्ट गर्ने। |

| कीरा | पहिचान | क्षतिको पहिचान | व्यवस्थापन विधि |
|------------------------------------|--|--|---|
| ३. थुम्रे (White grub) | बोसो समानको सेतो शरीर, टाउको खैरो-रातो, ठूल-ठूला ३ जोर खुट्टा भएको र छुटा खुम्चिने हुन्छ। | माटो मुनि चपाईएका डाँठ देखिन्छन्। | खपटे माउलाई बिजुली बत्तीको पासोमा आकर्षण गरी मार्ने। • १ के.जी. प्रति रोपनीका दले दानामा उत्पादित हरियो हुसी (Metarhizium anisopliae) आलु रोप्ने समयमा लाईनमा छर्ने। • काँचो गोबर मल प्रयोग नगर्ने। • रातो कमिलालाई जस्तै विषादी छर्ने। |
| ४. थोप्ले खपटे (Epilachna beetle) | वयस्क खपटे, गोलाकार, खैरो र माथिल्लो पखेटाहरूमा १२ वा २८ वटा थोप्ला भएको। लाभ्रे, बाङ्गाटिङ्गा काँडा र पहुँलो शरीर भएको हुन्छ। | पातको हरियो भागहरू कोत्रेको र आँवी परेका पातहरू देखिन्छन्। | • डेट्रोमोथ्रिन २८ %EC १ मी.ली प्रति लिटर पानीमा वा मालाथियन ५० %EC १मी.ली. प्रति लिटर पानीमा मिसाइ छर्ने |
| ५. कागे खपटे | निलो, कालो शरीर र टाउको खैरो रातो हुन्छ। | बोटभरी बसी पातहरू खाएपछि बोट नासिन्छ। | • थोप्ले खपटेको जस्तै। |
| ६. आलुको पुतली (Potato tuber moth) | लाभ्रेको रङ्ग हलुको गुलाफी, टाउको गाढा खैरो र छुँदा असाध्यै चलमलाउने हुन्छन्। वयस्क पुतली खैरो र सानो हुन्छ। | पातमा हरियो, सेतो धब्बा, खैरो-डढेको धब्बा, डाँठर आलुमा सुरङ्गाहरू देखिने र आलुका आँखला बाट खैरो पदार्थ निस्कन्छ। | • लक्षण देखिएका पात चुडेर नष्ट गरि दिने। • बत्तिको पासो प्रयोग गर्ने। • गहिरामा आलु रोप्ने र आलुको दाना छोपिने गरी जेकरा दिने। • सिँचाइको राम्रो व्यवस्था गर्ने। • कीरा भएको शका लागेका बीउ आलु मालाथियन ५० %EC १ मी.ली. प्रति लिटर पानीमा झोल बनाइ ५-१०मिनेट डुबाएर छहारिमा सुकाएर भण्डार गर्ने। • पि.टि. एम लुको प्रयोग गर्ने। • बि.टि.के. जैविक विषादीको प्रयोग गर्ने। • नयाँ आलुलाई पुरानो कीरा लागेको आलुसँग नमिसाउने। • छहारिमा सुकाईएका तीतेपाती वा ठूला पाते वेधे, पुदिना |

| कीरा | पहिचान | क्षतिको पहिचान | व्यवस्थापन विधि |
|---|---|---|--|
| ७. लाही कीरा र लिफमाइनर (Aphid)/ Leaf minor | कमलो, हरियो वा पहेँलो, हरियो शरीर र पखेटा भएको वा नभएको हुन्छ । | लाहीको माउ र बच्चा दुवैले कलिला पातहरूको तल्लो सतहमा बसेर रस चुस्दछ । यसले गर्दा बोट ख्याउटे हुन्छ । पात पहेँलो र गुज्जुजुज परेको हुन्छ । | <p>वोझो धुलो बीच बीचमा राखिदिने हातीबार सिमुका पात टुक्रापारी सञ्चित आलु माथि तह मिलाई राख्ने ।</p> <ul style="list-style-type: none"> यसको प्रकृतिक शत्रु लैडीबर्ड बिटल वा जालीदार पखेटा भएको कीरा प्रयोग गर्ने । पहेँलो पासो (Yellow trap) को प्रयोग गर्ने । रोपेको एक महिना पछि लाही देखिएमा डायमेटोएट ३० %EC को १ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा मिसाइ छर्कने । गोलभेंडामा जस्तै व्यवस्थापन गर्ने । |

आलु बालीका रोगहरू

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|----------------------------|---|---|
| १. डडुवा रोग (Leaf blight) | पातको टुप्पा वा किनारमा सानो खैरो भिजेको जस्तो दाग देखापर्दछ । जुन चौडै बढ्छ र दागको पछाडि हेर्दा सेतो भुवा जस्तो दुसी देखिन्छ । यो रोग डाँठ र दानामा पनि लाग्दछ पछि पूरै बोट सुकेर डढेको जस्तो देखिन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> रोग कम लाग्ने वा रोग अबरोधक जातहरू लगाउने । खेतबारी सरसफाई गर्ने, नाभो हटाउने, स्वस्थ बीउ प्रयोग गरी आलु खेती गर्ने । रोग देखिने बित्तिकै म्यान्कोजेव ७.५% WP (जस्तै डाईथम एम-४५) को २-३ ग्राम प्रति लिटर पानीको दरले ७ दिनको फरकमा ३ देखि ४ पटक छर्ने । रोग धेरै बढेमा मेटाल्याक्सिल ८% म्यान्कोजेव ६.४% WP (जस्तै रिजेमिल ७२% WP वा क्रिनोस्मील गोल्ड ७२% WP) १.५ ग्राम प्रति लिटर पानीमा राखी छर्ने । अरु विषादी गोलभेंडाको डडुवामा जस्तै गर्ने । रोग लागेको खेतबाट उत्पादित बीउ नरोप्ने । रोग लागेको खेतमा आलु नरोप्ने । |
| २. एजेरु (Wart disease) | आलुको दानाको आँखाहरूमा ससाना सेता खटिराहरू जस्ता लक्षण देखिन्छन् । जुनपछि बिस्तारै बढेर काउली जस्तो फुक्क भई पूरा दानालाई नै घेरी आलुको आकार बिग्रिन्छ । त्यस्तो आलु पछि कालो हुँदै जान्छ र कुहिन्छ । | |

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|--|--|---|
| ३. ओइलाउने वा खैरो पिप चक्के रोग (Brown rot) | बोट एककासी पानी नभएको जमिनमा उम्रे जस्तो ओइलाएर मर्न थाल्दछ । रोगी दाना काट्दा नशा वरिपरी खैरो चक्का हुने र पिप जस्तो निस्कन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> रोग लागेको खेतबाट उत्पादित बीउ नरोप्ने । रोग ग्रस्त क्षेत्रमा अन्नबालीसँग घुम्टी बाली लगाउनु पर्दछ । रोग लागेको बोट जलाउने वा दाना जम्मा गरी गाड्ने । |
| ४. दाँदे रोग (Common scab) | आलुको सतहमा केही उठेका अथवा खाडल परेका दाँदहरू देखापर्दछन् । | <ul style="list-style-type: none"> रोग रहित स्वस्थ आलु रोप्ने । रोगी आलु नष्ट गर्ने । रोग ग्रस्त क्षेत्रमा घुम्टी बाली लगाउने । आलु बढ्ने बेलामा माटोमा चिस्थान कायम राख्ने । |

१७.१.४ तरकारी बालीका रोग र कीराहरू

फूलकोवी समूह (फूलकोवी, बन्दाकोवी, ब्रोंकाउली, मुला, रायो, सालगम, ग्याँठकोवी आदि) का बालीलाई क्षति पु-याउने प्रमुख कीराहरू

| कीराको नाम | पहिचान | क्षतिको पहिचान | व्यवस्थापन विधि |
|--|--|---|---|
| १. बन्दाको पुतली (Cabbage butterfly) | वयस्क पुतलीको पखेंटाको रङ्ग सेतो र अधिल्ला पखेंटाको करीब अग्र भागमा काला धब्बाहरू हुन्छन् । कुनै पुतलीका लाभ्रेहरूको शरीरमा पहेंला धर्माहरू हुन्छन् भने कुनै पुतलीका लाभ्रेहरू हरिया हुन्छन् । | पातमा प्वालै प्वाल भेटिन्छन् । प्रकोप बढी भएको खण्डमा सम्पूर्ण पातहरू खाईदिन्छन् । | <ul style="list-style-type: none"> कीराका पहेंला फुल र लाभ्रेहरूलाई जम्मा गरी नष्ट गर्ने । पुतलीहरूलाई हाते जालीले पक्रेर नष्ट गर्ने । कीराको प्रकोप बढी भएमा साइपरमेथ्रिन १.०%EC १ मी.ली अथवा मालाथायन ५.०% ई.सी. २ मी.ली प्रति लिटर वा इमामेक्विन बेन्वाइड ५%SG १.५ मी.ली प्रति लिटर पानीमा बनाएको झोल छर्ने । |
| २. इट्ठुङ्गे पुतली (Diamond Back Moth) | वयस्क पुतली खैरो रङ्गको हुन्छ । पखेंटाको भित्री किनारामा सेतो त्रिकोणाकार तीनवटा चिन्हहरू हुन्छन् । पुतली बसेको बेला उक्त चिन्हहरू मिलेर ईटको आकार बन्दछ । | पातको हरियो भाग खाईदिनाले पातहरू हरियो झिल्ली जस्तो बन्दछन् । प्रकोप बढी भएमा बिर्खाको सम्पूर्णपातहरू नष्ट भई बढ्न सक्दैनन् । | <ul style="list-style-type: none"> तरकारी लिईसकेपछि बाँकी रहेका बोट र पातलाई नष्ट गर्ने । फूलकोवी समूहका बाली र गोलभेंडासँगै लगाउने । प्राकृतिक शत्रुहरू जस्तै कोटोसिया प्लुटेली, एपान्टेलिस प्लुटेली, कमिला, माकुरा, चरा आदिको संरक्षण गर्ने । यसको आकर्षण ल्यूरोको प्रयोग गर्ने । लाभ्रे साना हुँदा Btk. को प्रयोग गर्ने । |

| कीराको नाम | पहिचान | क्षतिको पहिचान | व्यवस्थापन विधि |
|--|---|--|---|
| ३. सूतिको पात खाने लाभ्रे (Tobacco caterpillar) | वयस्क पुतली खैरो रङ्गको हुन्छ र यसका पखेटामा वाङ्गा टिङ्गा धसाहरू हुन्छन्। लाभ्रेहरू प्रायः गरी हरियो खैरो रङ्गका हुन्छन्। | शुरूको आक्रमणमा पातहरूमा प्वालै प्वाल देखिन्छन्। प्रकोप बढी हुँदा सम्पूर्ण पात खाई बिरुवा पात बिहीन बन्दछ। | <ul style="list-style-type: none"> एजाडिपाक्विश्रन ०.०३% EC (जस्तै मल्टिनीम, निम्बिसिडिन) ५ मी.ली प्रतिलीटर पानीमा राखेर छर्ने। Beauveria bassiana जैविक विषादी २-५ मी.ली प्रति लीटर पानीमाका दरले साँझ पख छर्ने इमामेक्टरीन बेन्जवाइट ५% SG (जस्तै किङ्ग स्टार, एनस्टार) ०.५ ग्राम प्रतिलीटर पानीमा मिसाएर छर्ने। फुल र लाभ्रेहरू जम्मा गरी नष्ट गर्ने। खेतबारीमा पानी पटाउने। माथि इन्ट्रुडे पुतलीको व्यवस्थापन गर्न बताइएका निमजन्त्य विषादी प्रयोग गर्ने। अडीरलाई पासो बालीको रुपमा लगाउन सकिन्छ। स्पोडो ल्यूस् वा स्पोडो एम.पि.भि. को प्रयोग गर्ने। गोलभँडामा बताए जस्तै गर्ने। |
| ४. उफ्रने खपटे (Flee beetle) | वयस्क कालो उपियाँ जस्तो फड्कने खपटे हुन्छ। | पातहरू मसिना प्वालैवाल हुन्छन्। | माथि सूतिको पात खाने लाभ्रेलाई बताईएको निमजन्त्य पदार्थ र विषादी प्रयोग गर्ने। |
| ५. माटो मुनी बसी क्षति गर्ने कीराहरू (खुम्रे, फेद काट्टने कीरा, रातो कमिला, कीर्था) (Soil Insects) | खुम्रे: वयस्क खैरो तथा कालो हुन्छ र लाभ्रे हँसिया आकारको हुन्छ। फेद काट्टने: ध्वाँसे पुतली, लाभ्रा चिल्लो कालो रातो कमिला: जरा वरिपरी मसिना खैरा राता कीराको समूह | बिरुवा ओइलाउने र मर्ने। बिरुवा ढल्छ, बिरुवा ओइलाउँछ र मर्छ। | <ul style="list-style-type: none"> काँचो गोबर प्रयोग नगर्ने। पानी पटाउने। झारपातको थुप्रो राखी कीरा जम्मा हुने पासो बनाउने। गहुँतको झोल बनाई माटो भिजाउने। सालिन्दा आक्रमण हुने खेतमा, रोपाई गर्नु अगावै क्लोरपाइरीफस १.०% GR (जस्तै देवीवान १.०% GR) वा मालाथियन ५% DP (मालाथियन ५% धूलो) १ के. जी. प्रति रोपनीका दरले माटोको उपचार गर्ने वा |

| कीराको नाम | पहिचान | क्षतिको पहिचान | व्यवस्थापन विधि |
|------------|--|---|--|
| ६. लाही | <ul style="list-style-type: none"> पखेटा भाएका र नभाएका मसिना हरिया रङ्गका हुन्छन्। लाजाँको संख्यामा देखिन्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> विस्वा रोगाउने। लाहीले आक्रमण गरेको देखिने। अन्य कमिला हिडेको देखिने। | <p>क्लोरापाइरिफस २० ई.सी. (जस्टैडर्सवान, फाइनबान, रसबान) नामक कीटनाशक विषादी १ मी.ली. प्रति लीटर पानीका दाले खेतमा छर्ने।</p> <ul style="list-style-type: none"> मृत्तिको झोल बनाई छर्ने। गाईवस्तुको मुत्र र पानी (१:४) को अनुपातमा मिसाइ २-३ दिन फरकमा पटक पटक छर्ने। गोलभेडामा वताए जस्तै गर्ने विषादी छर्ने। |

१७.१.५ फूलगोवी समूह वालीका रोगहरू

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|--|---|---|
| १. अल्टेनेरिया थोप्ले (Alternaria Leaf Spot) | <ul style="list-style-type: none"> खैरो वा कालो स-साना गोलाकार थोप्लाहरू पहिले पातमा देखा पर्दछन्। ती थोप्लामा पछि चक्का विकास हुन्छ। त्यस्ता थोप्लाहरू डाँठ र कोसामा समेत देखापर्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> रोगी पात र अन्य झारापात बटुलेर जलाउने। स्वस्थ बीउ प्रयोग गर्ने। Mancozeb 75 % WP (डाईथेनएम-४५, Anu M-45) ढसीनाशक विषादी ३ ग्राम प्रति किलो बीउका दाले बीउ उपचार गर्ने। Mancozeb 75 % WP (डाईथेनएम-४५, Anu M-45) वा Copperoxychloride 50% WP (Blitox, Curex) ढसीनाशक विषादी २-३ ग्राम प्रति लिटर छर्ने। |
| २. डाँठ कुहिनो रोग (Sclerotinia Rot) | <p>माटोको सतहभित्रको काउलीको डाँठ कुहिनो र सेतो दूसी अग्रेको देखिन्छ वा फूल फुलेको बेलामा बोट ओइलाउँछ। बोटको डुकुको रङ्ग सेतो फुसो हुनुका साथै डाँठभित्र काला गिर्वाहरू देखिन्छन्।</p> | <ul style="list-style-type: none"> रोग मुक्त क्षेत्रको बीउ प्रयोग गर्ने। रोगी बोटहरूको डाँठ बटुलेर जलाउने। तीनहसादेखि एक महिनासम्म रोग ग्रस्त खेतमा बाली लगाउनु अगाडि पानी जमाउने। धानसँग घुम्ती बाली लगाउने। जमिन तयार गर्दा गहिरा खनजोत गर्ने। |

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|--|--|---|
| ३. नसा कालो भई कुहिनो (Black rot) | पातको छेउबाट लक्षण शुरु भई अंग्रेजी भी (V) आकारको पहुँलो लक्षण देखा पर्दछ र पछि नसाहरू कालो भै डाँठसम्म पुगी वोट कुहन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> • रोग नलागोको क्षेत्रको स्वस्थ बीउ मात्र प्रयोग गर्ने । • रोगी बोट बिस्वा हटाई नष्ट गर्ने । • कुसिफेरी परिवार बाहेक अन्य बालीसँग घुन्ती बाली लगाउने । |
| ४. डाउनरी मिल्ड्यू (Downy mildew) | पातमा स-साना प्याजी रङ्गका थोप्लाहरू देखिई तल्लो सतहमा सेतो ढुसी अंग्रेको देखिन्छ रोग ज्यादा व्याडमा लाग्ने भएतापनि अनुकूल वातावरणमा काउली समेत कालो भई सुक्दछ । त्यस्तो पलको डाँठहरू समेत कालो हुन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> • बीउलाई कार्बोन्डाजिम 50%WP (डेरोसाल) ले उपचार गरेर मात्र व्याड राख्ने • व्याड राख्दा धेरैबाक्लो नराख्ने । • रोगी पातहरू र झारहरू बटुलेर नास गर्ने । • धेरै रोग लागेको खेतमा घुन्ती बाली लगाउने । • Mancozeb 75 %WP (डाईथेन एम-४५, Anu M-45) वा Copper oxychloride 50%WP (Blitox, Curex) ढसीनाशक बिषादी २-३ ग्राम प्रति लिटर छर्ने |
| ५. टर्निप मोज्याक भाइरस (Turnip mosaic) | पातमा गाढा हरियो र हल्का हरियो रङ्गको छिरिविरे लक्षण देखा परे गाढा हरियो भागहरू माथि उठेका देखिन्छन् । | <ul style="list-style-type: none"> • रोगी बोट देखा पर्नासाथ उखेली जलाउने । • रोग सार्ने लाही किरा नष्ट गर्ने । • रातो जातको रायोमा यो रोग कम लाग्दछ । |
| ६. क्लब स्ट (गदा जस्तो जरा हुने) (Club Root) | विस्वाको वृद्धि रोकिन्छ, पहुँलिन्छ, बढ्न सक्दैन । यस्ता विस्वा उखेलेर हेरेमा जरा गदा जस्तो डल्लो पोके आकार देखिन्छ । जरा बाक्लो, मोटो र ठूलो हुनाले जराको तलको भाग अत्यधिक ठूलो हुन जान्छ । तर फेद जरा (जमिन माथिको भाग) सामान्य हुने हुनाले जरा गदा जस्तो देखिन्छ । यसरी वृद्धि भएका जराहरू कुहिएर काला भएर जान्छन् । | <ul style="list-style-type: none"> • घुन्ती बाली लगाउने (३-४ वर्षमा मात्रै फूल कोवी वर्नाका तरकारी लगाउने) • रोगी बोट जलाई दिने वा गाडी दिने । • कार्बोन्डाजिम २ ग्राम प्रति लिटर पानीमा • यो रोग कम पि.एच. भएको (अम्लिय) माटोमा धेरै छिटो फैलने भएकोले चून प्रयोग गरी माटोको पि.एच.७.२ भन्दा बढी बनाउने • जीवाणु रहित नर्सरीमा बेर्ना हुकाउने । • रोग लागेको ठाउँको बेर्ना अन्य ठाउँमा लैजाने रोक लगाउने । |

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-----------|-------|--|
| | | <ul style="list-style-type: none"> Flusulphimide 0.3 % WP (नेभिजिन) १.०-१.५ केजी/रोपनी वा ३ ग्राम प्रति वोट । नर्सरी व्याडमा ३ केजी प्रति १.० घन मीटर । |

भन्टा, फर्सी काँक्रो, लौका, धिरोला, करेला, चट्टेल, आदि बालीमा लामने कीराहरू

| बाली | कीराहरू | कीटनाशक विषादीहरू | व्यवस्थापन विधि | |
|-------|------------------------|--|---|--|
| | | | मात्रा | काहिले हाल्ने |
| टमाटर | फलमा लाग्ने गवारो | <ul style="list-style-type: none"> Azadirachtin 0.03% EC (Multineem, Nimbecidine) जैविकविषादी Heli NPV (Heli-cide) 100LE जैविकविषादी BTK Novaluron 10% EC (Rimon) Lambda cyhalothrin 5% EC (Cilva plus, Karate) | <ul style="list-style-type: none"> ५ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा १ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा १-३ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा १ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा ०.५-१ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा | <ul style="list-style-type: none"> फुल पारेको देउना साथ |
| | | <ul style="list-style-type: none"> हेलि ल्यूरो पासो को प्रयोग गर्ने, परजीवी कीरा ट्राइक्रोग्रामा १ लाख प्रति हेक्टरका दरले छोड्ने । | | <ul style="list-style-type: none"> फुल पारेको देउनासाथ राख्ने |
| | सूतिको पात खाने लार्भा | <ul style="list-style-type: none"> Azadirachtin 0.03% EC (Multineem, Nimbecidine) जैविक विषादी Spodo-NPV 100LE जैविक विषादी BTK Novaluron 10% EC (Rimon) Lambda cyhalothrin 5% EC (Cilva plus, Karate) | <ul style="list-style-type: none"> ५ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा १ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा १-३ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा १ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा ०.५-१ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा | <ul style="list-style-type: none"> फुल पारेको देउनासाथ |
| | | <ul style="list-style-type: none"> स्पुडो ल्यूरो पासोको प्रयोग गर्ने परजीवी कीरा ट्राइक्रोग्रामा १ लाख प्रति हेक्टरका दरले छोड्ने । | | |

| बाली | कीराहरू | कीटनाशक विषादीहरू | व्यवस्थापन विधि | |
|------|------------------------------|---|--|---|
| | | | मात्रा | काहिले हाल्ने |
| | सेतो झिंगा/ लाही/ लिफ माइन्ड | <ul style="list-style-type: none"> जैविक विषादी Verticillium lecanii 1.15 WP (Mealkil, Vertigine) Azadirachtin 0.03% EC (Multineem, Nimbecidine) Imidacloprid 17.8 SL (Adimire, Atom, Chemida) Acetamiprid 20% SP (Ekka, Magik, Manik) Thiamethoxam 25%WG (Areva, Arrow, Renova) पहेलो टासिने पासो प्रयोग गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> ५ ग्राम प्रति लीटर पानीमा ५ ग्राम...प्रति लीटर पानीमा १ मि.ली.प्रति ५ लीटर पानीमा १ ग्राम. प्रति १० लीटर पानीमा २ ग्राम प्रति ५ लीटर पानीमा | |
| | टुटा पात खन्ने कीरा | <ul style="list-style-type: none"> बाली चक्र अपनाउने प्रति रोपनी एउटा टि एल एम ल्युर ओटा टी पासोमा राखी कीराको अनुगमन गर्ने र प्रति रोपनी ५ वटा राखी व्यवस्थापन गर्ने स्टीकी टाप प्रयोग गर्ने संक्रमित विरुवाका भागहरू संकलन गरी जलाउने निममा आधारित विषादीहरू एजाडिप्रिक्टिन १ प्रतिशत इ सी मेटाराइजियम एनिसोप्ली गहुट पानी क्लोरोएन्टानिलिप्रोल १८.५ प्रतिशत एस सी स्पिनोस्याड ४५ प्रतिशत एस सि फ्लुविन्डियामाइड ३१.३५ प्रतिशत एस सि इमामेक्टिन बेन्जोएट ५ प्रतिशत डब्लुडिजी | <ul style="list-style-type: none"> ३ एम एल प्रति लिटरको दरले ४ के जी प्रति हेक्टर प्रयोग गरी प्यापाहरूको व्यवस्थापन गर्ने १:५ को अनुपातमा मिसाइ १ एमएल/लीटर पानीमा मिसाइ १ एमएल/३ लिटर पानीमा मिसाइ १ एमएल/३-५ लिटर पानीमा मिसाइ १ एमएल/३ लिटर पानीमा मिसाइ | <p>कीरा देखिए पछि ७/७ दिनको फरकमा छन्।</p> <p>५/५ दिनको अन्तराल १०-१५ दिन फरकमा छन् १०-१५ दिन फरकमा छन् १०-१५ दिन फरकमा छन् १०-१५ दिन फरकमा छन्</p> |

| बाली | कीराहरू | कीटनाशक विषादीहरू | व्यवस्थापन विधि | |
|---|---|---|---|---|
| | | | मात्रा | काहिले हाल्ने |
| भन्दा | १) भन्दाको गवारो २) थोप्ले खपट | <ul style="list-style-type: none"> Azadirachtin 0.03%EC (Multineem, Nimbecidine) Emamectin benzoate 5% SG (King star, N- star) Cypermethrin 2.5% EC (Nagcyper, Cyperhit, All super) Lamacyhalothrin 5% EC (Bravo, Karate, Avon) Fenvalerate 20% EC (Fenval, Nagfen, Devifen) | <ul style="list-style-type: none"> ५ मी.ली. प्रति लीटर पानीमा ०.५ ग्राम प्रति लीटर पानीमा ०.५ मी.ली. प्रति लीटर पानीमा ०.५ - ०.७५ मी.ली. प्रति लीटर पानीमा ०.७५ मी.ली. प्रति लीटर पानीमा | बिरुवा हुर्कि सके पछि छर्ने र कीरा लागे पछि पनि छर्ने |
| | | अन्य उपाय: फुल, लाभ्रे तथा वयस्क अवस्थाका कीराहरू बुटली नष्ट गर्ने । बयस्क खपटे बुटली नष्ट गर्ने । भन्दाको गवारोको पुतली <i>Leucinodes</i> फेरोमेन ट्राणको प्रयोग गरी संकलन गर्ने र नष्ट गर्ने । जुनमा भान्दा रोपाइ गर्ने गवारो लागेको मुना र फल लाई नष्ट गर्ने | | |
| काँक्रो, फर्सी, लौका, धिरौला, करेला, चट्टेल | १) फर्सीको रातो खपटे २) फर्सीको फल कुहाउने औंसा | <ul style="list-style-type: none"> मालाथियम ५.०% इ.सी. (मालाथियम रिमेडी, Cythion, Suryathion) निममा आधारित कीटनाशक विषादी छर्ने मालाथियम ५.०% इ.सी. (मालाथियम रिमेडी, Cythion, Suryathion) | २ मी.ली. प्रति लीटर पानीमा | अन्य उपाय: कुहेर झरेको फललाई बुटली गहरो खाडलमा हाली पुरी दिने औंसाको माउ झिंगा यता उता उडेको देखा साथ |
| | अन्य उपाय: • न्युलियर फेरोमोन पासोको प्रयोग गर्ने, औंसा लागि कुहिएर झरेका फललाई बुटली गहरो खाडलमा हाली पुरी दिने । वेक्ट्रोसेरा कम्पोजिटी ल्यूस्क प्रयोग गर्ने | | | |
| | ३) थोप्ले खपटे ४) लाही | भन्दामा जस्तै बन्दा काउलीमा जस्तै | भन्दामा जस्तै | कीरा लागेपछि बाली टिप्ने बेला नभएमा |

काँक्रो फर्सी जातका बालीमा लामने रोगहरू

| रोगको नाम | लक्षणहरू | व्यवस्थापनका विधि |
|--|---|--|
| १. पाउडरी मिल्ड्यू (Powdery Mildew) | पातमा सेतो खरानी छरेको जस्तो लक्षण देखा पर्दछ र ज्यादा प्रकोप भएमा डाँठमा समेत सौ लक्षण देखापरी पातहरू सुक्न थाल्दछन् । | <ul style="list-style-type: none"> • खेतवारी सफा राख्न रोग लागेको पातहरू र झारहरू नष्ट गर्ने । • दुई भाग चून र एक भाग गन्धकको धूलो मिसाएर मलमलको कपडामा पोको पोरे राम्ररी छर्ने । अथवा Dinocap 48% EC (व्याराथेन) 0.5-1 मी.ली प्रति लीटर पानीमा मिसाएर पातहरू राम्ररी भिजे गरी छर्कने । अथवा Carbendazim 50% WP (Bavistin, Dhanustin, Derosal) १ ग्राम प्रति लीटर पानी अथवा Sulphur 80% WP (Sulfex, Sulphur, Sulphil) २.५ ग्राम प्रति लीटर पानीमा अथवा थायोयानेट मिथाइल ७०% डब्लुपी (Control, Hexastop, Kingasin-M) १.५ ग्राम प्रतिलीटर पानीमा राखी छर्कने । |
| २. डाउनी मिल्ड्यू (Downy Mildew) | यो रोगको प्रकोप काँक्रोमा धेरै देखा पर्दछ । पातमा हल्का खैरो रङ्गको कुनापरेका थोप्लाहरू देखापर्दछन् । पातको तल्लो सतहमा हुसी उम्रेको देखिन्छ । पातहरू छिट्टै सुकाई बोटलाई समेत सुकाउँदछ । फलको आकारमा विकृती देखा पर्दछ । | <ul style="list-style-type: none"> • रोग रहित क्षेत्रको स्वस्थ बीउ मात्र प्रयोग गर्ने । • उपचारित बीउबाट मात्र उत्पादित बेनी रोप्ने । • रोगी बोट र अन्य झारपातहरू उचित तरिकाले नष्ट गर्ने । • Thiram 75% WS २ ग्राम प्रति किलोको दरले बीउ उपचार गर्ने । • फल नलागेको अवस्थामा भए कपर अक्सिक्लोराइड ५.०% WP (ब्लाइटक्स, Curex) विषादीर-३ ग्राम प्रति लीटर पानीका दरले मिसाई छर्कने । अथवा • Mancozeb 75% WP (Dithane M 45, Indofil M 45, Surya M 45) २ ग्राम अथवा Carbendazim 50% WP (Bavistin, Dhanustin, Derosal) १ ग्राम प्रति लीटर पानीका दरले मिसाई छर्कने । अथवा • Dimethomorph 50% WP (Kingsstival, N-Bat, Real Bat) १.५ ग्राम अथवा Zineb 75% WP (All-z-78, Indofil-z-78) २ ग्राम प्रति लीटर पानीका दरले मिसाई छर्कने । |
| ३. कुक्कुर मोज्याक र स्ववास मोज्याक भाइरस (Mosaic Virus) | पातमा हरियो र फिका पहुँलो छिचिरे लक्षण देखापरी बोट बढ्न सक्दैन । प्रकोप धेरै भएमा बोटका टुप्पाहरूमा गुम्बजिएको लक्षण देखा पर्दछ । | <ul style="list-style-type: none"> • रोगी बोट देखा पर्ना साथ उखेलेर नाराश गर्ने । • स्वस्थ बीउ रोप्ने । • रोग सार्ने खपेटे क्रीरा र लाही क्रीराको नियन्त्रण गर्ने । |

गोलभेंडा, भण्टा र खुर्सानी वर्गका बालीमा लाग्ने रोग र कीराहरू

| रोगको नाम | लक्षणहरू | व्यवस्थापन विधि |
|--|---|---|
| १. डडुवा रोग (Blight) | पातमा डढेको जस्तो लक्षण देखिन्छ। शुरुमा पानीले भिजेको जस्तो हल्का खैरो हुन्छ र गाढा खैरो वा कालो रङ्गमा परिणत हुन्छ। अनुकूल वातावरणमा त्यस्ता थोप्लाहरूको वृद्धि भई बोटलाई डढाई दिन्छ। ओसिलो अवस्थामा पातको तल्लो सतहमा सेतो दूसी देखिन्छ र फलमा खैरा कालो दागहरू देखा पर्दछन्। | <ul style="list-style-type: none"> रोग लागेको बोट, पुराना बोटहरू र झारपात बदुली जलाउने र खेतवारी सफा सुघर राख्ने। रोग शुरु हुने बेलादेखि कपर अक्सिक्लोराइड (ब्ल्याइटक्स ५.०% WP) १.५ ग्राम र मेन्कोजेब ७.५% WP (डाइथेनएम-४५) बिषावी १.५ ग्राम मिलाई जम्मा ३ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाएर ७-१० दिनको फरकमा ३-४ पटक बोट राम्ररी भिज्ने गरी छर्कने। अथवा Chlorothalonil 75% WP (Difence, Kaavach, Protector) १.५ ग्राम अथवा Propineb 70% WP (Antracol, Antragold, Ki Antra) ३ ग्राम प्रतिलीटर पानीमा मिसाएर छर्कने। Dimethomorph 50% WP (Kingstival, N-Bat, Real Bat) १.५ ग्राम वा Fenamidon 10% +Mancozeb 50% WG (Ki Ten, Sectin) ३ ग्राम प्रतिलीटर पानीमा मिसाएर छर्कने। Cymoxanil 8% +Mancozeb 64% WP (Kingmill 72, Moximate) २ग्रामवाMetalaxy 8% + Mancozeb 64% WP (Ridomyl, Kingmill MZ, Krinoxyl gold) २ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाएर छर्कने। स्वस्थ बोटमा फलेका फलबाट मात्र बीउ छान्ने। रोगी बोट हटाई नष्ट गर्ने। रोगी बोट छोएर हात राम्ररी नधोई स्वस्थ बोटलाई नछुने। |
| २. टोमाटो मोझ्याक भाइरस (Mosaic Virus) | साधारण पातको हरियोपन भन्दा बेग्लै हरिया र हल्का हरिया भागहरूमा छिरीरिे लक्षण देखापर्दछ। त्यस्ता पातहरूमा खाल्डा खुल्डी परेको समेत देखिन सक्छ। बोटवर्नाको वृद्धि राम्रोसँग हुँदैन र फल कम लाग्छ। | <ul style="list-style-type: none"> रोग लागेको बोट देखा पनीसाथ उखेरिे नष्ट गर्ने यो रोग सेतो झिंगाबाट सरे हुनाले डाईमिथोएट (रोग ३०% ई.सी. कीटनाशक बिषावी १ मी.ली. प्रति लीटर पानीका दले प्रयोग गरी |
| ३. लीफ कर्ल भाइरस (पात घुम्निने रोग) (Leaf Curl Virus) | यो रोग खुर्सानी र गोलेभडाको लागि महत्वपूर्ण छ। रोग लागेको बोटका पातहरू घुम्निएर माथितिर फर्कन्छ र पातहरू फिका पहेँलो र साना साना हुन्छन्। खुर्सानीमा पातहरू डुंगाको | |

| रोगको नाम | लक्षणहरू | व्यवस्थापन विधि |
|---|---|--|
| ४. डडुवा (Phomopsis Blight) | आकारमा घुमिन सक्छ। त्यस्तो रोग लागेको बोटहरूमा कम फुल्ने वा फलै नलाग्ने पनि हुन सक्छ। यसबाहेक पातहरूमा गुडमुञ्चिएको लक्षण पनि देखा पर्दछन्। वेर्नामा डाँठ कुहिएको लक्षण देखा पर्छ भने पातमा गोला खेरा थोप्लाहरू देखिइ वीच भागमा केही फिक्कापन देखिन्छ। मसिना काला काला पिनको टाउको जस्ता दागहरू हुन्छन्। त्यस्तै फलमा चक्का परेको ठूलठूला थोप्लाहरूको विकास भई कालो मसिना गिर्खाहरू देखिइ फललाई कुहाइ दिन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> • त्यसलाई नियन्त्रण गर्ने। • स्वस्थ बीउ मात्र प्रयोग गर्ने। • कार्बेन्डाजिम ५०% WP (वेभिष्टिन, Derosal, Dhanustin) २ ग्राम प्रति किलोको दरले बीउ उपचार गरेर मात्र वेर्ना राख्ने। • Mancozeb 75% WP (Dithane M 45, Indofil M 45, Surya M 45) अथवा कपर अक्सिक्लोराइड ५०% WP (ब्लाइटक्स, Curex), २-३ ग्राम प्रति लीटर पानीका दरले मिसाई छर्कने। • घुम्ती बाली लगाउने। |
| ५. ओइलाउने रोग (Wilt) | बोटहरू सर्लकक ओइलाएको देखिन्छ। त्यस्ता बोटलाई काटेर सफा पानीमा डाँठ डुबायो भने सेतो शाकाणु निस्केर पानीमा घोलिन्छ र धमिलो बन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> • सोलानेसी परिवारको बाहेक अन्य बाली सँग घुम्ती बाली लगाउने। • रोग अवरोधक जातहरू लगाउने। |
| ६. जरामा गाँठा पर्ने रोग (Root Knot Nematode) | बोट सानो र ख्याउटे भई बढ्न सक्दैन र पातहरू पहिलिएर झर्न थाल्छ। त्यस्ता बोटको जरामा साना गिर्खाहरू बनेका हुन्छन् जसले गर्दा पछि बोट ओइलाउँछ। | <ul style="list-style-type: none"> • अन्न बालीसँग घुम्ती बाली अपनाउने। • खेतको खनजोत गहिरासँग गर्ने। • मुख्य बालीसँग सूर्यमुखी, सयपत्री जस्ता फूलको बोटहरू रोप्ने। • रोगी बोटहरू उचित तरीकाले नष्ट गर्ने। |
| ७. कोत्रे रोग (Anthracnose) | बोटको टुप्पा माथिबाट सुक्दै आउँछ। यसले गर्दा पूरै हाँगा वा बोट सुक्ने गर्दछ। बोटको डाँठहरूमा काला काला स-साना गिर्खाहरू देखिन्छन्। खुर्सानीको फलमा खास गरी रातो हुने बेलायामा दागहरू देखिई पछि फल कुहन्छ। त्यस्ता दागहरूमा थुप्रै काला गिर्खाहरू बन्दछन्। | <ul style="list-style-type: none"> • रोगी बोटको फलबाट बीउ नराख्ने। • क्याप्टान ५०% WP (धानुटान) विषादीले बीउ उपचार गर्ने • खेतमा सफा सुग्ध राख्न रोग लागेका पुराना बोटहरू र झारपातहरू बटुलेर जलाउने। • रोगको लक्षण देखा पर्नासाथ कपर अक्सीक्लोराइड ५०% WP (ब्लाइटक्स) म्यान्कोजेव वा ७५ WP (डाइथेन एम-४५) ३ |

| रोगको नाम | लक्षणहरू | व्यवस्थापन विधि |
|---|--|--|
| गोलभेंडाको पात खन्ने कीरा Tomato leaf minor Tuta absoluta (Meyrick) | यसले कलिलो फल बढी नष्ट गर्छ। लाभाले पात, डाँठ, मुना र फल भित्र छेडे र क्षति गर्दछ। क्षतिग्रस्त पातलाई नियालेर हेर्दा सेतो झिल्ली भित्र लाभाला देख्न सकिन्छ। यो कीराको प्रकोप बढी भएमा पुरै पातहरू जलेर नष्ट भएको देख्न सकिन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाएर ७-९ दिनको फरकमा ३ पटक छर्कने। अथवा Chlorothalonil 75% WP (Diflence, Kaavach, Protector) र ग्राम अथवा Captan 50% WP (Captain, Captra) ३ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाएर छर्कने। बत्तिको पासोको रुपमा प्रयोग वा टिएलएम ल्यूफ फेरोमन ओटाटी ट्रायप वा स्टीकी ट्रायपमा प्रति रोपनी एउटा प्रयोग गर्ने। ब्यासिलस थुरिन्जीनेसीस कुस्टाकी -बीटी) १% डब्लुपी १-२ ग्राम प्रति लि. पानीमा सानो अवस्थाको लाभाला हुँदा साँझ पख छर्कने। क्लोरोट्रानिलिप्रोल १८.५% एससी ३ मिली प्रति १०लि. पानीमा राखी छर्कने। स्पिनोसाड ४५% एससी १ मिलि प्रति ३ लि. पानीमा राखी छर्कने। |

सिमी र केराउ बालीका रोगहरू

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-------------------------------------|---|---|
| १. सिन्दुरे रोग (Rust) | शुरुमा पातमा मसिमा झण्डै सेता फोकाहरू देखिन्छन् पछि ती फोकाहरू खैरो र डुंगामा परिणत भई फुटेर धूलो निस्कन्छ। कोसामा पनि यस्ता फोकाहरू देखिन सक्छन्। रोग लागेका पातहरू सुकेर बोट चाँडै मर्छ। | <ul style="list-style-type: none"> रोगी बोटका भागहरू, टुटाहरू अनि झारापातहरू वटुलेर जलाई खेतवारी सफा राख्ने। बीउ उत्पादन गर्ने बालीमा भए रोग देखा पर्ना साथ गन्धक र चून १:२ भागको अनुपातमा मिसाएर मलमलको कपडामा पोको पारेर छर्ने। Sulphur 80% WP (Sulfex, Sulfi) ३ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाएर छर्कने। रोगी बोटहरू बटुलेर जलाउने र खेतवारी सफा सुग्घर राख्ने। दुई भाग चून र एक भाग गन्धकको धूलो मिसाएर मलमलको कपडामा पोको पारेर राम्ररी छर्ने। अथवा Dinocap 48% EC (क्याराथेन) ०.५-१ मि.ली प्रति लीटर पानीमा मिसाएर पातहरू राम्ररी भिज्ने गरी छर्कने। |
| २. धूलो ढूसी/खपाने (Powdery mildew) | शुरुमा पातहरूमा फिक्का रङ्गमा बदलिएको भागहरू देखिन्छन्। त्यस्ता भागहरूमा सेतो धूलो छेको जस्तो ढूसी उम्रको देखिई पछिबाट सबै भाग ढाकिन्छन्। त्यस्तो लक्षण जरा बाहेक सबै भागमा लाग्दछ। रोग लागेको कोसा भण्डारणमा छिटो कुहिन्छ। | |

| रोगको नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|---------------------------------|---|---|
| ३. मोज्याक भाइरस (Mosaic virus) | पात पहेँलो, गुणमुञ्ज परेको र सानो हुन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> सम्भव भाएसम्म रोग अवरोधक जात लगाउने। स्वस्थ बीउ प्रयोग गर्ने। रोगी बोट उखलेर नष्ट गर्ने। |
| ४. एन्थ्राकनोज (Anthracnose) | शुरुमा पातमा खैरा थोप्ला देखिन्छन्, पछि गाढा खैरो बन्ध र बीचमा कालो खाल्डो परेको देखिन्छ। यस्ता थोप्लाको चारैतिर खरानी रङ्गको हल्का खैरो देखिन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> क्याप्टान ५०% WP (धानुटान) बिषादीले बीउ उपचार गर्ने रोगको लक्षण देखा पर्नासाथ कपर अक्सीक्लोराइड (क्लाइटक्स-५०% WP) वा मेन्कोजेव (डाइथेन एम-४५, ७५% WP) ३ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाएर ७-७ दिनको फरकमा ३ पटक छर्कने। अथवा Chlorothalonil 75% WP (Diffence, Kaavach, Protector) २ ग्राम अथवा Captan 50% WP (Captan, Captra) ३ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाएर छर्कने। |

१७.१.६ फलफूलका कीरा तथा रोगहरूको व्यवस्थापन

आँपका कीराहरू

| कीरा | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|------------------------|--|---|---|
| १. फड्के कीरा (Hopper) | वयस्क कीरा हल्का हरियोमा खैरो मिसिएको हुन्छ र उभ्रन्छन्। | थिनीहरूले गर्दा बिरुवामा कालो ढूसी लाग्छ। | Dimethoate 30% EC (Rogor, Anugor, Rogohit) १.५ मी.ली. प्रति लीटर पानीमा वा Buprofezin 25% SC (Buprolo, Devefezin) १-२ मी.ली. प्रति लीटर पानीमा वा Malathion 50% EC (मालाथियन मिडेडी, Cythion, |

| कीरा | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|--------------------------------------|--|--|--|
| २. ऑप वीच/ कोयाको घुन (Stone weevil) | वयस्क घुन मध्यम आकारको, डल्लो र गाढा खैरो रङ्गको हुन्छ । छोइ विंदा मरेको जस्तै बहाना गर्दछ । | लाभ्रेहरू ऑपको गुदी खाँदै कोयासम्म पस्दछन र फल खान लायक हुँदैन । | Suryathion) १.५ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा वा Deltamethrin 2.8% EC (Decis, Dice) ०.५ मी. ली.प्रति लीटर पानीमा वा Imidacloprid 17.8 % SL (Admire, Atom, Chemida) १ मी.ली.प्रति चार लीटर पानीमा वा Thiamethoxam 25%WG (Areva, Arrow, Renova) १ मी.ली.प्रति दश लीटर पानीमा पानीमा मिसाई फूल फुल्नु अगाडि र फूल झर्नै शुरू हुँदा १-१ पटक छर्ने । <ul style="list-style-type: none"> • बोटाबाट झरेका फलहरू र कीरा लागेका फलहरूलाई नष्ट गर्ने • Dimethoate 30% EC (Rogor, Anugor, Rogohit) १.५ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा वा Malathion 50% EC (Cythion, Suryathion) १.५ मी.ली.प्रति लीटर पानीमा मिसाई छर्ने । |
| ३. ऑपको साइलिड (Mango psyllid) | वयस्क कीरा सानो खरानी रङ्गको पखेटा भएको हुन्छ । | यो कीराले कोपिलामा आक्रमण गर्दछ जसको फलस्वरूप यसमा गाँठाहरू निस्कन्छन् । | <ul style="list-style-type: none"> • कीरा लागेका हाँगाहरू काटेर नष्ट गर्ने । • माथि फड्के कीराको जस्तै विषादी प्रयोग गर्न • कीरा कम लाग्ने ऑपका जातहरू लगाउने । |

ऑपका रोगहरू

| रोग | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-------------------------|--|---|
| १. कोत्रे (Anthracnose) | पात, कमलो डाँठ, फूलको झुप्पा तथा फलमा कालो दागहरू देखा पर्दछन् मुन्टाको टुप्पोबाट मुक्दै जान्छ । फलमा रोग शुरूमै लागेमा फल झर्दछन् । | रोग लागेका भागहरू काँटछाँट गरी नष्ट गर्ने । वर्षा शुरू हुनु अगावै फूल फक्रनुअघि ३ देखि ४ पटकसम्म कपर अक्सीक्लोराइड (ग्लाइटक्स ५.०%) छर्ने । |

| | | |
|--|--|--|
| <p>२. सेतो धूलो रोग (Powdery mildew)</p> | <p>पात, फूलको कोपिला, फूलको झुप्यो र फलमा फुस्रो सेतो धूलो देखापर्दछ । पछि ती सुकेर काला हुन्छन् ।</p> | <p>फूल फक्रनु अघि दुई नाशक डिनोक्वाप ४८% इ.सी. (केराथेम) १/२ ग्राम/लीटर पानीमा वा Carbendazim 50% WP (Bavistin, Dhanustin, Derosal) ०.५-१ ग्राम/लीटर पानीमा अथवा Sulphur 80% WP (Sulfex, Sulphur, Sulphil) ३ ग्राम प्रतिलीटर अथवा Hexaconazole 5%EC (Avon, Comfort, Hexahit) १-२ मी.ली. प्रतिलीटर पानीमा मिसाइ १ पटक पूर्ण फूल फक्रिसके पछि र दशबाह्र दिनको फरकमा २-३ पटक छर्कने ।</p> |
|--|--|--|

स्याउका रोगहरू

| रोग | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|----------------------------------|---|---|
| <p>१. क्राउन गल (Crown gall)</p> | <p>माटोको सतह नजिक बोटको जरा र डाँठको जोर्नीबाट एबेरु जस्तो डल्लो पलाउने गर्दछ । डल्लो केराउको दाना जत्रो देखि ठूलो आकारमा ६ इन्च जति डायमिटर सम्मका हुन्छन् । डल्लो शुरुमा नरम फुस्रो हुने र पछि पुरानो हुँदा कडा र कालो हुन्छ ।</p> | <ul style="list-style-type: none"> • रोग लागेको थाहा भएकै क्षेत्रमा स्याउ लगायत यो रोग लाग्ने कुनै पनि फलफूलको बिरुवा नलगाउने । • रोग देखापरेका बिरुवाहरू नष्ट गर्ने । • बोटबिरुवामा काम गर्दा सकभर घाउ, चोट नलाने गरी काम गर्ने । • रोग नलागेको क्षेत्रमा मात्र नसरी तयार गर्ने । • बिरुवा लगाइएको ठाउँमा पानी जम्न नदिने । • वगैचा सफा राख्ने । • बोटमा पात झर्ने बेलामा यूरियाको घोल बोटमा छर्कने । • Mancozeb 75%WP (Dithane M 45, Indofil M 45, Surya M 45) वा क्याप्टान 50%WP (Captan, Captra) ३ ग्राम प्रतिलीटर वा Chlorothaloni 75%WP (Jatayu, Kavach, Protector) २ ग्राम प्रतिलीटर पानीमा घोलेर बोटमा फूलका कोपिलाहरूको झुप्याहरू हरियो बनेका अवस्थामा, फूलफुल्लु अगाडि र फूलको पातहरू झरेपछि फलको चिचिलो अवस्था सम्म १०-११ दिनको फरकमा छर्कने । |
| <p>२. दाद (Apple scab)</p> | <p>प्रायः फूलको कोपिलाका पातहरू, डाँठ तथा फलमा हल्का खैरा दागहरू वन्दछन् जुनपछि कालो मखमल जस्तो केही उठेका हुन्छन् । रोग लागेका फलहरूका आकार बिग्रेका, चिरा परेका दाना दागहरूले गर्दा नराम्रो हुन्छन् ।</p> | <ul style="list-style-type: none"> • रोग लागेको थाहा भएकै क्षेत्रमा स्याउ लगायत यो रोग लाग्ने कुनै पनि फलफूलको बिरुवा नलगाउने । • रोग देखापरेका बिरुवाहरू नष्ट गर्ने । • बोटबिरुवामा काम गर्दा सकभर घाउ, चोट नलाने गरी काम गर्ने । • रोग नलागेको क्षेत्रमा मात्र नसरी तयार गर्ने । • बिरुवा लगाइएको ठाउँमा पानी जम्न नदिने । • वगैचा सफा राख्ने । • बोटमा पात झर्ने बेलामा यूरियाको घोल बोटमा छर्कने । • Mancozeb 75%WP (Dithane M 45, Indofil M 45, Surya M 45) वा क्याप्टान 50%WP (Captan, Captra) ३ ग्राम प्रतिलीटर वा Chlorothaloni 75%WP (Jatayu, Kavach, Protector) २ ग्राम प्रतिलीटर पानीमा घोलेर बोटमा फूलका कोपिलाहरूको झुप्याहरू हरियो बनेका अवस्थामा, फूलफुल्लु अगाडि र फूलको पातहरू झरेपछि फलको चिचिलो अवस्था सम्म १०-११ दिनको फरकमा छर्कने । |

| रोग | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-------------------------------------|--|---|
| ३. धूलो ढूसी/खराने (Powdery mildew) | त्यो रोगमा पात, कमलौ डाँठ, फूलका कोपिलाहरू तथा फलमा रोग लाग्दछ। पात सेतो घुमिने हुन्छ। कमलौ डाँठ नबढ्ने र फलमा जालो जस्तो हुन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> रोग लागेका डाँठहरू काँटछाँट गरी हटाउने। फूलको कोपिला बन्न थाले देखि टुपोका डाँठहरू आउञ्जेलसम्म कार्वेन्डाजिम (लेभिमिथिन ५०% डब्लु.पी.) १-२ ग्राम/लीटर पानीमा हाली वा केराथेम १/२ ग्राम/लीटर पानीमा हाली छर्कने। आफ्नो धूलो ढूसी जस्तै गर्ने |
| ४. गुलाबी रोग (Pink disease) | हाँगा बिर्गाँका डाँठका सतहमा शुरुमा पानीले भिजेको जस्तो दाग बन्दछ। पछि फिका गुलाबी रङ्गका ढूसीका रचनाहरू देखापर्दछन्। | <ul style="list-style-type: none"> हिउँदमा रोग लागेको भागहरू काँटछाँट गरी हटाउने। काँटछाँट पछि कपर अक्सिकलोराइड ५०% डब्लु.पी. (व्लाइटक्स) ३ ग्राम प्रतिलीटर पानीमा हाली छर्कने वोडोपेष्टको लेपले काटिएको सतहमा लेपिदिने। |
| ५. बोक्रा खुइलिने (Papery bark) | शुरुमा हाँगाहरूमा गोलो दाग देखिन्छ। उक्त दागहरूमा स-साना खटिराहरू बाहिरी बोक्राको भित्रबाट उठेका देखिन्छन्। रोगको प्रकोप बढी भयो भने उक्त दागहरू मिलेर हाँगा वा बोटलाई वरिपरि घेर्दछ। रोग लागेका बोक्राहरू कागज जस्तो भइ च्यातिएर उक्किन्छन्। रोगी हाँगा सुक्ने गर्दछ। | <ul style="list-style-type: none"> धेरै रोग लागे बोट नै सुक्न थालेमा बोटलाई नै नष्ट गर्ने हाँगामा रोग लागेको देखियो भने तुरुन्त बोडोपेष्ट वा अन्य तौवायुक्त विषादीको पेष्ट बनाइ रोग लागेको भागमा लगाउने। रोग लागेको हाँगा सुक्िसकेको भए काट्ने र काटेको भागमा तौवायुक्त विषादी लगाउने। |

स्याउका कीराहरू

| कीरा | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|--------------------------------|---|--|--|
| १. भुवादार लाही (Wolly aphids) | यो लाहीको शरीर बैजनी रङ्गको र सेतो कपास जस्तो पदार्थले ढाकिएको हुन्छ। | यिनीहरू सयकडौं संख्यामा स्याउको हाँगा, मूल स्तम्भ र जरामा बसेर रस चुस्दछन् जसले गर्दा गाँठाहरूको विकास भै मसिना जराहरू निस्कन्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> जाडोयाममा यो कीरा जरामा आई बस्ने हुनाले यसको निम्ति कार्टाप हाईड्रो क्लोराइड गेडा जाडोयाममा फेब्रुवारी माटो मुनि पर्ने गरी बोटको उमेर अनुसार १०-३० ग्राम प्रति बोटको हिसाबले राखी सिचाइ गरिदिने। |

| कीरा | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|--------------------------------------|---|---|---|
| | | | <ul style="list-style-type: none"> कीरा लागेको नर्सरी बोटहरूलाई इमिलिकोलपीट ०.५ एम. एल./लीटर पानीको मिश्रणले उपचार गर्ने । खमिज तेल एटसो १० मिलि प्रति लिटर पानीमा मिसाइ छर्ने परजीवी कीरा एफिलिनस मालीको चैत वैशाख तिर प्रयोग गर्ने । |
| २. गवारो (Borer) | वयस्क खपटे कीरा ठूलो र खैरो रङ्गको हुन्छ । यसका सिँगहरू लामा, पछेटा सेतोमा मसिना थोप्लाहरू मिसिएको हुन्छ । लार्भा धिउ रङ्गको, टाउको ठूलो र खुट्टा नभएको हुन्छ । | लाभ्राहरू कलिलो हाँगा छेडेर काठ खान थाल्दछ जसले गर्दा हाँगा सुकेर मर्दछन् । कीरा पसेको प्वालमा काठको धूलो देखिन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> जाडोयाममा सुकेका हाँगाहरू र कीरा लागेका हाँगाहरूलाई काँटछाँट गरी जलाईदिने । कीरा लागेको हाँगामा दुलो पत्ता लगाई डाइक्लोरेभस ७६% ई.सी (नुभन) १मी.ली प्रति लिटर पानीको झोलामा वा Dimethoate 30% EC (Rogor, Anugor, Rogohit) १ मिलि प्रति लिटर पानीमा मिसाइ छर्ने वा मट्टिले लामा कपास चोपलेर प्वाल टाली दिने । |
| ३. घनटाउके गवारो (Flat headed borer) | वयस्क खपटे कीरा कालो रङ्गको र श्रेण्चो आकारको हुन्छ । | बोक्राभिन्न पट्टि बसी डाँठमा सानो प्वाल पारी सुरुङ्ग जस्तै खनेर टाउको पसाई बोटलाई नोक्सान गर्दछ । | <ul style="list-style-type: none"> बोटमा बोर्डोलेप लगाउँदा क्लोरोपाइरीफस (डर्सवान २०% ई.सी.) १:१:१ भाग लेपमा मिसाइ लगाईदिने । बैशाखतिर Malathion 50% EC (मालाथियन रिमेडी, Cythion, Suryathion) १.५ मिलि अथवा डेसिस आधा मी.ली प्रति लिटर पानीमा झोल बनाईछर्ने । |

| कीरा | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|---|--|--|--|
| ४. गवारो (Short hole borer) | वयस्क खपटे कीरा सानो, कालो रङ्गको र मुख तल तिर फर्केको हुन्छ। | यसले हाँगा भित्र सानो प्वाल बनाई बोटलाई नोक्सान गर्दछ। | <ul style="list-style-type: none"> • बोटमा वोडोलेप लगाउँदा क्लोरोपाइरीफस (डसवान २० ई.सी.) १:१.९ भाग लेपमा मिसाई लगाईदिने। • बैशाखतिर Malathion 50% EC (मालाथियन रिमेडी, Cythion, Suryathion) १.५ मिलि अथवा डेसिस आधा मी.ली प्रतिलीटर पानीमा झोल बनाईछर्ने। |
| ५. कल्लेकीरा (Sanjose scale) | यो कीरा सानो, एकै ठाउँमा बसिरहने र कल्लाले ढाकिएको हुन्छ। | यो कीराले रुखको मूल स्तम्भ र हाँगाबाट रस चुस्दछ जसले गर्दा बोट फष्टाउन सक्दैन। साथै फलको पनि रस चुसेर खान्छ। | <ul style="list-style-type: none"> • कीरा लागेका बोटबिस्वाहरू एक ठाउँबाट अर्को ठाउँमा नलैजाने। • Dimethoate 30% EC (Rogor, Anugor, Rogohit) १ मिलि प्रतिलिटर पानीमा मिसाई दुई दुई महिनामा एक पटक छर्ने। |
| ६. पाल बनाउने लाभ्रे (Tent caterpillar) | लाभ्रेको शरीरमा झूस हुन्छ र कालो खैरो रङ्गको हुन्छ। | हाँगा फाटिएको ठाउँका पातहरूमा जालोको पाल बनाई बस्दछन्। | <ul style="list-style-type: none"> • Malathion 50% EC (मालाथियन रिमेडी, Cythion, Suryathion) १.५ मिलि प्रतिलीटर पानीमा झोल बनाईछर्ने। |
| ७. रातो मुलमुले (Red Spider Mite) | साना धेरै खुट्टा भएको रातो माउ मुलमुले एक ठाउँमा बस्दैन र हिंडिहन्छ भने बच्चा भने हांगा वा रुखका कुना काप्चा पातको फेद आदीमा थुपेर बसी रहन्छ। हातले त्यसलाई मिच्यो भने रगत जस्तै रातो हातमा लाग्छ। | बोटको कलिला भागहरूमा (हांगा, पात) आदी स्थानको रस चुसी नोक्सान पु-याउछ। मुलमुले धेरै लागेका पातहरू प्याजी रङ्गमा परिणत हुन्छ र समय अगावै झर्न थाल्दछन्। | <ul style="list-style-type: none"> • Dicofol 18.5% EC (Colone) ३ मिलि प्रतिलिटर पानीमा वा Propargite 57% EC (Kingmite, Omite) ३ मिलि प्रतिलिटर पानीमा वा रोग १ एम एल प्रतिलिटर पानीमा मिसाई नयाँ पालुवा आउन साथ १.५ दिनको फरकमा ३ पटक छर्ने। |

भुईकटहरका कीराहरू

| कीरा | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|------------------------------|-----------------------------------|--|--|
| १. कत्ले कीरा (Scale insect) | यो सानो कत्ताले ढाकिएको कीरा हो । | डाँट र पातमा बसेर रस चुस्छन् । पातमा कालो दूसी जमेको देखिन्छ । | • माथि उल्लेखित कत्ले कीरालाई जस्तै नियन्त्रण विधि अपनाउने । |
| २. मिलिबग (Mealy bug) | यो नरम, चेटो शरीर भएको कीरा हो । | कत्ले कीराले जस्तै लक्षण देखाउँछ । | • माथि उल्लेखित जस्तै विधि अपनाउने । |

केरा बालीका कीराहरू

| कीरा | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-------------------------------------|--|---|--|
| १. केराको थाम घुन (Stem weevil) | वयस्क खपटे कालो वा रातो रङ्गको हुन्छ यसको मुँड निकै लामो हुन्छ । यसका लाभ्रे सेतो शरीर र रातो टाउको भएको हुन्छ । | लाभ्रे थाम भित्रभित्रै खोतलेर खाने हुनाले थाम भित्र छियाछिया हुन्छ । बिरुवा पहेलिन थाल्छ । साधारण हुरी वतासले पनि बोट ढल्ने हुन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> • रोगाएका बोटहरूलाई जै देखि उखेलेर मसिना टुक्रा गरी नष्ट गर्नुपर्छ । • एउटा गाँजमा ३ वटा सम्म मात्र बोट राख्ने । • लत्रेका वा लत्रम लागेका पातहरू केराको थामको संगमबाट काट्ने गर्नुपर्छ । • एउटा लामो चक्कुले कीरा लागेको थामलाई खोतलेर लाभाहरूलाई नष्ट गर्ने । • काम नलाग्ने केराका बोटहरू काटेर टुक्राटुक्रा पारी केरा बाँचामा यताउती राखिदिनाले त्यसमा वयस्क घुनहरू जम्मा हुन्छन् तिनलाई संकलन गरी नष्ट गर्न सकिन्छ । |
| २. केरा गानुको घुन (Rhizome weevil) | वयस्क खपटे चम्किलो कालो हुन्छ । | यो घुनका लाभ्रेले केराको गानो खाईदिनाले जराहरू कमजोर हुने गर्दछन् । बोट सजिलै ढल्ने गर्दछ । केरा पसाउन सक्दैन र यदि पसाई हाले पनि फल पुष्ट हुँदैनन् । | <ul style="list-style-type: none"> • घुनले आक्रमण गरेको गानु र थामलाई टुक्रा टुक्रा पारी नष्ट गर्नुपर्छ । • घुन लागेको गाँजको बिरुवा अन्यत्र रोप्नु हुँदैन । • केराको बोटमा लत्रेका पातहरू हटाई गाँजलाई सफा सुग्घ राख्नुपर्छ । |

| कीरा | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|------|--------|---------------|---|
| | | | <ul style="list-style-type: none"> धुन लामे बारीमा नयाँ केराको बोट रोप्नु अघि सम्पूर्ण पुराना बोटहरूलाई जै देखि उखेलेर हटाउनुपर्छ । केराको प्रत्येक गांजमा क्लोरोपाइरिफस (डर्मवान १० धूलो) ३० ग्रामका दरले बोटको वरिपरि छेर माटोमा मिलाई दिदा धुनको नियन्त्रण हुन्छ । |

केरा बालीका रोगहरू

| कीरा | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-----------------------------|---|---|
| १. ओइलाउने रोग (Wilt) | शुरुमा पुराना पातको किनाराबाट पहेलिन शुरु भइ मुख्य नशातिर बढ्छ । रोगी पातको भेटनो फुटी तलतिर झुण्डिन्छन् पात ओइलाउँछ । जमिन छेउका डाँठ ढाक्ने पातहरू लम्बाई पट्टिबाट फाँटिन्छन् । | <ul style="list-style-type: none"> रोगी केरालाई उखेलेर जलाउने रोगी बोटको पातहरू जलाउने र झांगमा चून वा बोर्डेक्स मिक्सचर छर्ने । एकै ठाउँमा केरालाई सकभर ३ बर्ष भन्दा बढी नलगाउने । |
| २. बन्ची टप (Bunchy top) | रोगी पातहरूको आकार साना, पहेला र किनारा माथितिर बटारिएका हुन्छन् । रोगी पातमा मसिना हरिया थोप्ला र धब्बा पनि देखिन्छन् । | <ul style="list-style-type: none"> रोगी बिरुवा जम्मा गरेर जलाइदिने । यो लाही कीराबाट सरे रोग भएको Dimethoate 30% EC (Rogor, Anugor, Rogohit) १ मिलिप्रतिलीटर पानीमा मिसाएर छर्ने । बीउको लागि प्रयोग हुने गानाहरू स्वस्थ क्षेत्रको बोटबाट मात्र लिने । |
| ३. कोत्रे (Anthracnose) | रोगी फलहरू पहेलिन्छ र बोकामा साना र खैरा थोप्ला देखापर्दछ । यि थोप्लाहरू जोडिएर केहि धसेको जस्तो हुन्छन धेरै आक्रमण भएमा फल कालो भई चाडीरिन वा सुकन सक्छ । | <ul style="list-style-type: none"> फल र बिरुवालाई चोटपटक लामबाट जोगाउने । कपर अक्सिक्लोराइड ३ ग्राम प्रतिलीटर पानीको दरले कोसामा छर्ने । |
| ४. गानो कुहने (Rhizome rot) | गानामा शुरुमा पानीले भिजेको जस्तो खैरा धब्बाहरू देखापर्दछ । पछि ती धब्बाहरूबाट नै कुहिन शुरु हुन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> स्वस्थ ठाउँबाट गानो ल्याई रोप्ने । रोगी बोट जलाएर नष्ट गर्ने । गानालाई स्टेप्टोमाइसिममा केही समय डुबाएर रोप्ने । |

अमिल्ला जातका फलफूलका कीराहरू

| कीरा | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|---------------------------------------|--|--|---|
| १. हरियो ठूलो पुतली (Lemon butterfly) | वयस्क पुतली ठूलो र रङ्गीबिङ्गी हुन्छ, पछाडिको पखेटाको तल पुच्छर जस्तो सानो भाग निस्केको हुन्छ। लार्भा सानो हुँदा खैरो रङ्गको हुन्छ र पूर्ण विकसित लाग्ने हरियो रङ्गको हुन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> लाभ्रले बिरुवाको पात खाई बिरुवालार्ई नाङ्गो पारी दिन्छ। बसन्त र शरद ऋतुमा यिनको आक्रमण बढी हुन्छ | <ul style="list-style-type: none"> डेट्रोमोथिन २८% ई.सी. (डेसिस) विषादी २ एम. एल. प्रतिलीटर पानीमा मिसाई छर्ने |
| २. पातको झिँगा (Leaf miner) | वयस्क पुतली सानो सेतो रङ्गको हुन्छ। लाभ्रे हल्का हरियो रङ्गको हुन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> लाभ्रेहरू आफूले बनाएको पातको सुरुङ्गाभित्र पसी हरियो भाग खाँदै जान्छन्। यस्तो पातहरू सेतो र खुम्चिएको देखिन्छ र भित्र पट्टि मुरुङ्ग जस्तो धर्सा देखिन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> पालुवा आउना साथ डेट्रोमोथिन २८% ई.सी. (डेसिस) विषादी २ मि.लि. प्रतिलीटर पानीमा मिसाई छर्ने वा रोगर ०.०३ प्रतिशत छर्ने। खनिज तेल एट्सो १.० मिलि प्रतिलिटर पानीमा मिसाईछर्ने |
| ३. कल्लो कीरा (Scale insect) | यो धेरै सानो, एकै ठाउँमा बसीरहने कुनै लाम्बिलो र बोक्रासाँग मिल्दो जुल्लो रङ्गको हुन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> यिनीहरू धेरै संख्यामा बसेर बिरुवाबाट रस चुस्दछन् जसले गर्दा बिरुवाहरू रोगाणु जान्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> कीरा लागेका बोटहरू नसानै। फाल्गुण र चैत्र महिनामा एक एक पटक डाइमथोयट ३०% इ.सी. १ एम. एल. प्रतिलीटर पानीमा मिसाई छर्कने मडितेल र साबुनको झोल बनाईछर्ने, मेसिनको तेल कपडामा भिजाई पुछने एट्सो १० मिलि प्रति लि मिसाई छर्ने |
| ४. लाही कीरा (Aphid) | यो लाही सानो र अलि कालो रङ्गको हुन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> यी कीराले बिरुवाबाट रस चुस्दछन् र यसले आक्रमण गरेका बिरुवाका पातहरूमा कालो दूसी देखिन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> फुल फुल्नु अगाडि डाइमथोयट ३०% इ.सी. १ एम. एल. प्रति लीटर पानीमा मिसाई छर्कने |

| कीरा | पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-------------------------------|---|--|--|
| ५. सिट्रस सिल्ला (Psylla) | वयस्क कीरा सानो नरम र खैरो हुन्छ । पखेटा पारदर्शक र तिनमा सेतो थोप्ला हुन्छन् । बच्चाहरू मसिमा र पहेंलो रङ्गका हुन्छन् । | <ul style="list-style-type: none"> बिरुवाको कलिलो भागमा बसी रस चुस्दछन् र पातहरूमा ढूसी फैलिएको देखिन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> माथि उल्लेखित लाही कीरालाई जस्तै विधि अपनाउने । |
| ६. फल कुहाउने औसा (Fruit fly) | वयस्क कीरा करिव घरको झिंगा जस्तै हुन्छ । पखेटा बाहिर पट्टि तन्केका हुन्छन् । औसाहरू सेतो रङ्गका र टाउको तिखारिएका हुन्छन् । | <ul style="list-style-type: none"> औसाहरूले फलको भिन्नाभित्रै बसेर खान्छन् जसले गर्दा फलहरू कुहिएर भुईंमा झर्दछन् । | <ul style="list-style-type: none"> फलफूलको बोटमा पालुवा लागेको बेला र चिचिला लागिसकेपछि मालाथियन ५०% ई.सी. १ मी.ली प्रतिलीटर पानीमा मिसाई छर्ने । बिरुवामा कुनै गुलियो पदार्थमा मालाथियन विषादी मिसाई यसको लेप बनाई ठाउँ-ठाउँमा लगाई दिनाले वयस्क कीराहरू आकर्षित भई खान आई मर्दछन् । सो कार्य पालुवा लाग्ने बेला देखि लिएर फल टिप्ने बेलासम्म गरेमा बढी प्रभावकारी देखिन्छ । कीरा लागेर झरेका फलहरू जम्मा गरी नष्ट गरिदिने । मिथायल युजिनल र मालाथियन ५०% ई.सी. को फेरोमेन टूयाप राखी भाले झिंगा मार्ने । |
| ७. मिलिबग (Mealy bug) | सेता, कपास जस्तै जीउ भरी काँडेकाँडा देखिएकाे नरम कीरा हो । | <ul style="list-style-type: none"> पात र डाँठको रस चुस्दछ । | <ul style="list-style-type: none"> इमिडाकोलपीट ०.२ मी.ली. प्रतिलीटर पानीमा झोल बनाई छर्ने |

अमिलो जातका फलफुलमा फल टिपीसकेपछि विशेष गरी वसन्त याम शुरु पूर्व या जाडो याममा खनजोत मलजल रोग कीरा लागेका हाँगा या पात हल्का काँटछाँट गर्नु कुहेका झरेका फलफूल जलाउने वा गाड्ने तत्पश्चात् आवश्यकता हेरी छिटो नाशवान (सुरक्षित/वातावरणमा कम हानिकारक विषादी प्रयोग गर्ने त्यसपछि फल लागिसके पछि बोटबिरुवाको निरीक्षण र आवश्यकता हेरी रोग कीरा व्यवस्थापन गर्ने प्रक्रिया अपनाउनु पर्दछ ।

अमिलो जातका फलफूलका मुख्य रोगहरू

| रोग | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|--------------------------------|---|---|
| १. क्याङ्कर (Canker) | पात, डाँठ र फलमा सुरमा बाटुलो पछि वेआकारका केही उठेको काठ जस्तो र पहेँलो घेरा भएका हाँगाहरू देखा पर्दछन्। | <ul style="list-style-type: none"> • बाँच्ना सफा राख्ने। • हिउँदमा बोटका मेरुका हाँगा विगाहरू काँटछाँट गरी हटाउने। कपर अक्सिक्लोराइड (ब्लाइटक्स ५० डब्लुपी.) ३ ग्राम प्रतिलीटर झोल काँटछाँट पछि छर्कने र फेद वरिपरी सफा पारी १ देखि १.५ हातसम्म बोडपिष्टले लिपी दिने। • वर्षा सुरु हुनु अगावै नयाँ पालुवा आउन लागेको बेलामा एकपटक र वर्षायाममा २-३ पटक १ प्रतिशतको बोर्डोमिश्रण स्प्रे गर्ने। |
| २. कालो ध्वाँसे (Shooty mould) | पात, डाँठ र फलमा कालो ध्वाँसो जस्तो तहले ढाक्दछ। | <ul style="list-style-type: none"> • बोटहरू सफा राख्ने। • कीराको प्रकोपले यो रोग लाग्ने हुँदा सुरमा ती कीरा नियन्त्रण गर्ने। • अन्य रोग नियन्त्रणको लागि प्रयोग गरिएको ढूसीनाशकले यसलाई पनि नियन्त्रण गर्दछ। |
| ३. कोत्रे (Anthracnose) | स-साना काला दागहरू डाँठ र पातमा देखापर्दछन्। | <ul style="list-style-type: none"> • रोगी हाँगा बिगा काटेर नष्ट गर्ने। • वर्षायाममा रोग बढ्ने हुँदा २-३ पटक १ दिनको फरकमा र हिउँदमा काँटछाँट पछि १ प्रतिशतको बोर्डोमिश्रण वा कपर अक्सिक्लोराइड (ब्लाइटक्स ५०% डब्लुपी.) ३ ग्राम प्रतिलीटरको झोल छर्कने। |
| ४. जरा कुहिनै (Root rot) | पातहरू पहेँलो भई मर्दै जान्छ र टुप्पाबाट वोट सुक्दै सुक्दै जान्छ। | <ul style="list-style-type: none"> • निकासको राम्रो प्रबन्ध मिलाउने। • तीनपाते (जंगली सुन्तला) मा कलमी गरेको बिस्वा लगाउने। • खनजोत गर्दा जगमा चोट नपु-याउने। • माघ महिनातिर रोगी बोटको जगनिको माटो हटाई कुहिएको जरा हटाउने र करीब १-२ हप्ता जरालाई खुल्ला छाडी सम्भव भए खरानी र राम्रो पक्केको मल माटोमा मिसाई जरा पुर्ने। रोगी बोटको फेद वरिपरि राम्ररी भिजे गरी वोर्डो मिश्रण (१प्रतिशत) वा म्यान्कोजेव (इन्डोफिल एम-४५, ७५% डब्लु. पी.) वा कपर अक्सिक्लोराइड (ब्लाइटक्स-५०% डब्लु. पी.) या कार्बेन्डाजिम (डेोसाल) २ ग्राम प्रतिलीटर पानीमा मिसाई ड्रेन्च गर्ने साथै कार्बेन्डाजिम (डेोसाल ५०% डब्लु. पी.) |

| रोग | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|---------------------------------|---|--|
| ५. फेद कुहिले (Stalk rot) | फेद वरिपरि बोक्रा चर्किले कहिले सुख्खा हुने झर्ने र भित्री डाँठ देखापर्ने गर्दछ। समयमै सावधानी लिईएन भने पात पहेंलो भएर हाँगा सुक्यै जाने गर्दछ। | <p>२ ग्राम प्रतिलीटर पानीमा मिसाई पुरा बोट भिल्ले गरी छर्ने र १ दिन पछि फेरी एकपटक कार्वेन्डाजिम (डेरोसाल ५०% डब्लु.पी.) छर्ने।</p> <ul style="list-style-type: none"> वर्षात शुरु हुन थालेपछि माथि उल्लेख गरे वमोजिमको विषादी ड्रेन्च गर्ने र बिरुवामा पनि छर्ने। रोग सहन सक्ने जात लगाउने। तिनपाते (जगली सुन्तला) मा कलमी गरेको बिरुवा लगाउने। सडेको भाग हटाई वोडो लेप लगाउने। तिनपातेको सहायक जरा दिने। हिउँदको समयमा १ प्रतिशत कोयुरिया + ४:४:५.० को बोडो मिश्रण बोटमा स्प्रे गर्ने। फेदमा कृषि चुन छर्ने र खरानी थुपर्ने। पानी जम्न नदिने, निकास राम्रो बनाउने। |
| ६. गुलावी रोग (Pink disease) | आर्दता बढी भएपछि बोक्रा चर्कने, फुट्ने र काठ माथि खटिरा निस्कने र सिंदूर रङ्गको धूलो देखिने, बिरुवा मर्दै जाने। | <ul style="list-style-type: none"> रोग लागेको भागलाई काटेर जलाउने। रोग लागेको भाग खुर्किएर चौबाटियापेष्ट वा वोडो लेप लगाउने। कार्वेन्डाजिम (डेरोसाल ५०% डब्लु.पी.), म्यान्कोजेव (इन्डोफिलएम-४५-७५% डब्लु.पी.) र वोडोमिश्रण पालैपालो छर्ने। |
| ७. प्रिनीड्या (Citrus greening) | <ul style="list-style-type: none"> सुन्तला जात फलफूल (जुनार) का पातहरू पुरै पहेंलो हुने वा पहेंलो पातमा हरियो नशाहरू हुनको साथै हरिया दागहरू पनि देखिन्छन्। छिपिएका पातहरूको बीचको मुख्य नशा असामान्य रुपमा प्रष्ट देखिन्छ। यो अवस्था बिस्तारै बिस्तारै पातका अरु नशाहरूमा सँदै जान्छ र पात पहेंलिलि टुप्पाहरू सुकी अन्तमा बिरुवा नै मर्छ। धेरै फूल फुल्नुको साथै बेमौसममा पनि फूल फुल्न | <ul style="list-style-type: none"> तराई भित्री मधेश र रोगग्रस्त क्षेत्रबाट ल्याई रोपका बिरुवाहरूमा यस्ता लक्षणहरू देखापर्ना साथ बोटहरू काटी जलाइदिने। समुन्द्र सतह देखि ३०० मीटर भन्दा कम उचाई भएको ठाउँमा बिरुवा उत्पादन गर्नु हुँदैन साथै त्यहाँबाट बिरुवा ल्याउनु हुँदैन। यो रोग सिट्रस सिल्ला कीराले सार्ने भएको हुँदा लालिका बनाई डाइमेटोथेट ३०% इ.सी.) १ एम.एल. प्रतिलीटर पानीको दरले प्रयोग गर्नुपर्छ। |

| रोग | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|-----|--|-----------------|
| | <p>सकछ, दाना सानो हुँदै जाने, दाना एकतर्फी मात्र बढ्ने, असामान्य रुपमा फल झर्ने र कम फल्ले हुन्छ।</p> <ul style="list-style-type: none"> • छिपिपका फलहरूमा सूर्य तर्फ भएको भाग मात्र पहिलो रङ्गको हुन्छ अर्को पट्टि हरियो नै रहन्छ • उपरोक्त लक्षणहरू बोटको कुनै एक भाग वा एउटा हाँगामा पनि हुन सकछ। | |

१७.१.७ अन्य वालीका रोगहरू र तिनको व्यवस्थापन

| वाली तथा रोगका नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|----------------------------------|---|---|
| अम्बा ओइलाउने रोग (wilt) | रोगी बिरुवाका टुप्पातिरका पातहरू पहोलिन्छन, ओइलाउछन्। ती पातहरू मुक्कर झर्दछन। डाठमा बरिपरी खैरो रंगले धेरिएर बोट मर्न थाल्दछ। | <ul style="list-style-type: none"> • रोप्ने र गोड्ने बेलामा जरामा चोट पटक नलगाउने। • बोटको बरिपरी चुन छरी सिचाइ गर्ने। • बेर्ना रोप्नु भन्दा दुई हप्ता अगाडि फर्मा लिनले माटो उपचार गर्ने • रोगी बिरुवा देखिएमा हटाउने। • स्प्रेटोमाइसिन ०.०५ प्रतिशतको डोल बनाएर छर्कने। • सडेका मुना र मरेका भागहरू खुक्कै हटाउने। • कपर अक्सिक्लोराइड ५०% डब्बु.पी. (ब्लाइटक्स) ३ ग्राम/लीटर पानीका दरले १ देखि १.५ महिनाको फरकमा छर्कने। • बिरुवाको बरिपरी पानी जम्न नदिने। • रोगी गाना वा पाना बीउको लागि प्रयोग नगर्ने। • माटोमा उचित निकासको व्यवस्था मिलाउने। • घुम्ती वाली चक्र अपनाउने। • कार्बान्डाजिम ५०% डब्बु. पी. (वेभिष्टिन/डेरोसाल) ले बीउ उपचार गर्ने। • ट्राइकोडर्मा भिरीडी जैविक विषादीले बीउ उपचार र कम्पोट उपचार गर्ने |
| सुपारी मुना कुहिनै रोग | बोटको टुप्चाको पातमा पहिलो घेरा भएको खरानी रङ्गको थोप्ला बन्दछ। रोगी पातको नशाहरू कालो भएर जान्छन। | |
| कोले रोग वा महाली रोग (koleroga) | रोगी दानाको बाहिरी सतहमा पानीले भिजेको जस्तो देखापर्छ र सेता ढुसीले छोप्छ र छिपिनु अगाडि नै फलको भेट्ना हुँदै पछि पूरै बोट सडेर मर्दछ। | |
| अदुवा गानो कुहिनै (Rhizome rot) | बोटको माथिल्लो पातको टुप्पो पहिलिँदै पातको किनार हुँदै रोग तलतिर बढ्दै जान्छ। पछि तल पातसँग जोडिएको ठाउँमा पानीले भिजेको जस्तो भएर गिलो हुन्छ बिरुवा तान्दा सजिलै पातसँग छुट्टिएर आँउछ। | |

| बाली तथा रोगका नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|--------------------------------------|---|--|
| पातको थोप्ले (Leaf spot) | पातमा साना, गोला अण्डाकार देखि हल्का पहेला थोप्ला देखापर्दछ र पछि सुकेर प्वाल पर्न सक्दछ । पात दोब्रिन्छ, लत्रिन्छ र बोट होचो हुन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> • रोगी पात जम्मा पारी जलाईदिने । • कपर अक्सिक्लोराइड ५.०% डब्लु.पी. (क्लाइटक्स) ३ ग्राम/लीटर पानीका दाले रोग देखापर्नेपछि छर्कने । |
| बदाम बेर्ना कुहिने (Seedling blight) | ओसिलो ठाउँमा भण्डार गरेका बीउहरू रोप्या बोटको फेद कुहिन्छ र मर्दछ । | <ul style="list-style-type: none"> • सरला र स्वस्थ दाना छानेर सुख्खा ठाउँमा भण्डार गर्ने क्याप्टान ५.०% डब्लु.पी. विषादीले २ ग्राम प्रति के.जी. बीउका दाले बीउ उपचार गर्ने । |
| टीका रोग (Tikka) | पातमा दुई किसिमको, पहिलो रङ्गको थोप्ला र मसिना, गोलाकार गाढा खैरो वा कालो रङ्गका थोप्लाहरू देखा पर्दछन् । | <ul style="list-style-type: none"> • रोगी ठुटा जम्मा गरी जलाईदिने • घुन्ती बाली अपनाउने • क्याप्टान ५.०% डब्लु.पी. विषादी २ ग्राम प्रति के.जी. का दाले बीउ उपचार गर्ने । • पातमा थोप्ला देखापर्न थालेपछि कार्बेन्डाजिम ५.०% डब्लु.पी (बेभिष्टिम) १ ग्राम प्रति लीटर वा Chlorothalonil 75% WP (Diffence, Kaavach, Protector) २ ग्राम प्रतिलीटर पानीमा मिसाई १५-२० दिनको अन्तरमा छर्कने । वा Sulphur 80% WP (Sulfex, Sulphur, Sulphil) ३ ग्राम प्रतिलीटर अथवा Hexaconazole 5%EC (Avon, Comfort, Hexahit) ३ मी.ली प्रतिलीटर पानीमा मिसाई छर्कने । |
| ठिगुरे (Rossete) | बिरुवा असामान्य रुपमा ठिगुरिन गई बोट ज्यादै होचो र सानो हुन्छ । बिरुवाका पातका नशाहरू फक्रन् पातहरू उल्टो दोब्रिएर जान्छन् । बोटमा कोसा लादैन । | <ul style="list-style-type: none"> • रोगी बोट उखेली जलाउने । • घुन्ती बाली लगाउने । • Dimethoate 30% EC (Rogor, Anugor, Rogohit) १ मी.ली प्रतिलीटर पानीमा मिसाई छर्कने । |

| बाली तथा रोगका नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|---------------------|---|---|
| सिंदुरे (Leaf rust) | पातको तल्लो सतहमा सूतला रङ्गको पहेँला दानादार थोप्ला र माथिल्लो तहमा खैरो थोप्ला देखिन्छन्। | Chlorthalonil 75% WP (Diffence, Kaavach, Protector) २ ग्राम प्रतिलीटर पानीमा मिसाई १५-२०दिनको अन्तरमा छर्कने वा Sulphur 80% WP (Sulfex, Sulphur, Sulphil) ३ ग्राम प्रतिलीटर पानीमा अथवा Hexaconazole 5%EC (Avon, Comfort, Hexahit) ३ मी.ली प्रतिलीटर पानीमा मिसाई छर्कने। |

अलैंची

| बाली तथा रोगका नाम | लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|--------------------------------------|---|--|
| १. फुर्के (Footke) | रोगी बिरुवाको फेदमा धेरै स साना काण्डहरू निस्कन्छन् र बोटमा फूल फुल्दैन। बोट होचो हुन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> • बिरुवा बीउबाट उत्पाद नगर्ने • रोगी बिरुवा जम्मा गरी जलाउने। • रोगका बिषाणु सार्ने कीरा मार्न Dimethoate 30% EC (Rogor, Anugor, Rogohit) १ मी.ली प्रतिलीटर पानीमा मिसाई छर्कने। |
| २. छिर्के (Chhirke) | शुरुमा पातका मुख्य नशामा पहेँला धब्बाहरू देखापरी पातमा फैलिन्छन् पछि पहेला थोप्लाहरू खैरो रङ्ग भई पात सुकेर जान्छ र बोट होचो भई वृद्धि रोकिन्छ। | <ul style="list-style-type: none"> • बीउबाट उत्पादित बेर्ना लगाउने। • रोगी बिरुवा जम्मा गरी जलाउने। • मालाथिन ५०% ई.सी. १ मि.लि. वा Dimethoate 30% EC (Rogor, Anugor, Rogohit) १ मी.ली प्रतिलीटर पानीमा मिसाई छर्कने। |
| ३. जरा तथा गानो कुहिनै (Rhizome rot) | बोटको गानो पानीले भिजेको जस्तो गिलो हुन्छ र कालो भएर कुहिनै थाल्दछ। बोटको पातहरू टुप्पोबाट पहेँलाइँदै सुकेर जान्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> • स्वस्थ गाना वा बीउबाट बेर्ना बनाई रोप्ने। • बोटको गोडमेल गर्दा गानोमा चोटपटक नलाग्ने गरी गर्ने। • ट्राइकोडर्माको प्रयोग गर्ने। |

गुलाब

| पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|----------------------------------|--|---|
| १. धूले ढूसी/खराने | गुलाबका पात, मुनाहरूमा खरानीको धूलो झरेको जस्तै गरी रोग देखा पर्दछ र मुना/पातहरू घुमिने हुन्छन्। | <ul style="list-style-type: none"> यो रोगको लक्षण शुरु भएको थाहा पाउने डिनोक्याप ४८% इ.सी. (केराथेन) ०.५ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाइ वा Carbendazim 50% WP (Bavistin, Dhanustin, Derosal) ०.५ (१ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाइ अथवा Sulphur 80% WP (Sulfex, Sulphur, Sulphil) ३ ग्राम प्रति लीटर पानीमा अथवा Hexaconazole 5% EC (Avon, Comfort, Hexalhit) ३ मी.ली प्रति लीटर पानीमा मिसाइ छर्कने। रोग शुरु हुन लागेको थाहा पाउने बित्तिकै म्यान्कोजेव डाईथेम एम ४५ (७५ डब्लु.पी.), ६ ग्राम प्रति लीटर पानीमा मिसाएर। प्रत्येक वर्ष बोट काटिछाँट गर्ने र मरेका भागहरू हटाउनले रोगको श्रोत न्यून हुन्छ। |
| २. कालो थोप्ले (Black leaf spot) | पातको सतहमा पहेंलो घेरा भएका बीचमा कालो रङ्गका बाटुलो आकारका थोप्लाहरू देखापर्दछन्। | |

लिर्चीको पात गुजुमुज्ज पार्ने मुलमुले

| पहिचान | क्षतिको लक्षण | व्यवस्थापन विधि |
|---|---|---|
| १. यो कीरा एकदमै सानो र सेतो रङ्गको हुन्छ | पातको तल्लो सतहमा बसी रस चुस्दछ, पातहरू गुजुमुज्ज भै खैरो रङ्गमा बदलिन्छ। | <p>Dicofol 18.5 EC (Colonel) वा Propargite 57% EC (Kingmite, Omite)</p> <p>३ एम एल प्रति लिटर पानीमा मिसाइ छर्ने।</p> |

१७.२ नेपालमा पत्रिजकृत र प्रतिबन्धित विषादीहरू:

१७.२.१ नेपालमा पत्रिजकृत विषादीहरू (२०७४/०३/३१ सम्म)

| क्र.स. | विषादीको प्रकार | साधारण नाम | व्यापारिक नाम |
|--------|------------------|------------|---------------|
| १ | कीटनाशक | ५२ | १४०५ |
| २ | दुसीनाशक | ४० | ६४८ |
| ३ | व्याक्टेरियानाशक | १ | १५ |
| ४ | झारनाशक | २२ | ३५० |
| ५ | सुलसुलेनाशक | ६ | २७ |
| ६ | शंखेकीरानाशक | १ | २ |
| ७ | मसानाशक | २ | ३३ |
| ८ | जैविक विषादी | १२ | ९० |
| ९ | वनस्पतिजन्य | ३ | ६ |
| | जम्मा | १३९ | २५७६ |

१९.२.२ प्रतिबन्धित विषादीहरू:

| क्र.सं. | विषादीको नाम | प्रतिबन्धित वर्ष |
|---------|--------------------------|--|
| १ | क्लोरोडेन | सन् २००१ |
| २ | डी.डी.टी. | सन् २००१ |
| ३ | डाइएलड्रिन | सन् २००१ |
| ४ | इन्ड्रिन | सन् २००१ |
| ५ | अल्लिड्रिन | सन् २००१ |
| ६ | हेप्टाक्लोर | सन् २००१ |
| ७ | माइक्स | सन् २००१ |
| ८ | टोक्साफेन | सन् २००१ |
| ९ | बी.एच.सी. | सन् २००१ |
| १० | लिन्डेन | सन् २००१ |
| ११ | फस्फामिडन | सन् २००१ |
| १२ | अर्गानो मर्करी कम्पाउण्ड | सन् २००१ |
| १३ | मिथाइल पाराथियन | सन् २००७ |
| १४ | मोनोक्रोटोफस | सन् २००७ |
| १५ | इण्डोसल्फान | सन् २०१४ |
| १६ | फोरेट | २०७२/३/२० को विषदी समितिबाट निर्णय भएको । राजपत्रमा प्रकाशित हुन बाँकी । |
| १७ | कावोफ्युरान | विषादी समितिको मिति २०७५/९/१६ को बैठकले प्रतिबन्धित गर्ने निर्णय गरेको र राजपत्रमा प्रकाशित हुने प्रकृत्यामा रहेको |
| १८ | कार्वाथिल | |
| १९ | डाइक्लोरोभस | |
| २० | ट्राइजोफस | |
| २१ | बेनोमिल | |

विषादी आयात कर्ता बिक्रेता र विषादी संश्लेषण कर्ताहरूमा विशेष अनुरोध

“विषादी आयात, निर्यात, उत्पादन र बिक्री वितरणमा संलग्न हुनु हुने जोकोहि ले पनि जिवनाशक विषादी ऐन र नियमावली बमोजिम ईजाजतपत्र लिएर मात्र विषादीको कारोवार गर्नुपर्नेछ सो विपरित गरेमा नियमानुसार कारवाही हुन्छ ।”

“जीवनाशक विषादीको दुरुपयोग नगरौं, पंजीकरण नगरिएका र प्रतिबन्धित विषादीहरूको प्रयोग गरी मानिस, पशुपन्छी र अन्य लाभदायक जीवजन्तुको स्वास्थ्य र पर्यावरणमा हुने नकारात्मक असरबाट जोगाऔं ।”

“कृषक दाजुभाई तथा दिदीवहिनीहरूमा विशेष अनुरोध ”

- विषादी विष हो, औषधी होईन भन्ने कुरा सदैब मनन् गर्नुहोस ।
- अनावश्यक रूपमा विषादीको प्रयोग नगर्नुहोस/नगराउनुहोस ।
- विषादी खरिद गर्नु पूर्व प्राविधिकको अनिवार्य सल्लाह लिनुहोस ।
- तालिम प्राप्त र ईजाजत पत्र प्राप्त विषादी खुद्रा बिक्रेताहरूबाट मात्र विषादी खरिद गर्नुहोस ।
- विषादी खरिद गर्दा पंजिकृत, सुरक्षितर प्रभावकारी विषादी छान्नुहोस ।
- पंजीकरण नभएकार प्रतिबन्धित विषादी बारे जानकारी राख्नु हो सर त्यस्ता विषादी खरिद नगर्नुहोस ।
- विषादीको सुरक्षित तरिकाले भण्डारण गर्नु हो सर बालबच्चहरूको पहुँच देखि टाढा राख्नुहोस ।
- सहि विषादी, सहि मात्रामा, सहि समयमा र सहि तरिकाले प्रयोग गर्नुहोस ।
- विषादी चलाउँदा सुरक्षात्मक पहिरनको अनिवार्य प्रयोग गर्नुहोस ।
- विषादी प्रयोग गरिसकेपछि पर्खनु पर्ने समय व्यतित नभएसम्म बाली टिपेर खाने र बेच्ने नगर्नुहोस ।
- भण्डारणमा लामे रोग कीरा नियन्त्रणका लागि सकभर स्थानीय प्रविधि अवलम्बन गर्नुहोस । रासायनिक विषादी प्रयोग गर्नु परेमा सुरक्षित विषादी सावधानीपूर्वक गर्नु होस उपभोग पूर्व प्रतिक्षा अवधिको अनिवार्य ख्याल गर्नुहोस ।
- विषादीका खाली भाँडाहरू (डिब्बा, प्याकेट) सुरक्षित तरिकाले नष्ट गर्नुहोस, जथाभावी नफालौं ।
- विषादी बिक्रेताले पंजीकरण नगरिएका विषादी बिक्री नगर्नुहोस ।

विस्तृत जानकारीको लागि नजिकको गाउपालिका/नगरपालिकाका कृषि शाखा/इकाइ/कृषि ज्ञान केन्द्र एवं प्लान्ट क्वारेन्टिन एवं विषादी व्यवस्थापन केन्द्र हरिहरभवनमा सम्पर्क राखौं ।

१७.३ पंजिकृत विषादीहरूको सामान्य नाम तथा विषादी बालीमा प्रयोग गरिसकेपछि बाली टिप्न वा कटानी गर्नका लागि पर्खनुपर्ने प्रतिक्षा अवधि

| क्र.स. | सामान्य नाम | पर्खनुपर्नेसमय (दिन) | क्र.स. | सामान्य नाम | पर्खनु पर्ने समय(दिन) |
|------------------|--------------|----------------------|--------|---------------------|-----------------------|
| १.किटनाशक | | | | | |
| १ | एवोमेक्टिन | १४ | २३ | इमामेक्टिन बेन्जोएट | १० |
| २ | एसिफेट | १५ | २४ | इथियन | १४ |
| ३ | एसिटामिप्रिड | १५ | २५ | फेनभेलेरेट | ७ |

| क्र.स. | सामान्य नाम | परखनुपनेसमय (दिन) | क्र.स. | सामान्य नाम | परखनु पने समय(दिन) |
|-----------------------|---|----------------------|--------|----------------------|-----------------------|
| ४ | अल्फसाइपरमेथ्रिन | १४ | २६ | फेनपाइरोक्सिमेट | ३-७ |
| ५ | अल्फामेथ्रिन | ७ | २७ | फिप्रोनिनल | ३२ |
| ६ | एल्मुनियम फोस्फाइड (सञ्चित अनाजमा प्रयोज गरिने) | | २८ | फ्लुबेन्डियामाइड | ३० |
| ७ | बेटासाइफ्लुरन | ४ | २९ | इमिडाक्लोरप्रिड | ४० |
| ८ | बाइफ्मथ्रिन | ६ | ३० | इण्डोअक्जाकाव | १४ |
| ९ | बुप्रोफेजिन | ५ | ३१ | इटेफेनप्रोक्स | १५ |
| १० | कार्बारिल (तरकारीको लागि) | २२-४० | ३२ | ल्याम्डासाइहालोथ्रिन | १४ |
| ११ | कार्बोसल्फान | ३०-६० | ३३ | लुफेनुरोन | १४ |
| १२ | कार्ताप हाइगोक्लोराइड | २१ | ३४ | मालाथियन | १४ |
| १३ | क्लोरफ्लुजुरान | ७ | ३५ | निटेनपाइराम | १६ |
| १४ | क्लोरानट्राअलिपोर | ७ | ३६ | नोभालुरोन | ५ |
| १५ | क्लोरपाइरिफोस | २८-३५ | ३७ | फेनथोयट | ५ |
| १६ | साइफ्लुथ्रिन | ७ | ३८ | प्रोफेनफोस | १४ |
| १७ | साइपरमेथ्रिन | ७ | ३९ | प्रोपोक्जर | ३० |
| १८ | साइरोमेजिन | ७ | ४० | क्वनालफस | ४० |
| १९ | डल्टामेथ्रिन | ७ | ४१ | स्पाइरोमेसिफेन | ७ |
| २० | डाईफ्लुबेन्जुरोन | ७ | ४२ | टेमेफस | ३० |
| २१ | डाइमेथोएस्ट | १५ | ४३ | थायोमेथोक्साज | १४-२१ |
| २२ | डाइनोटफुरन | ३८ | ४४ | थायोडिकार्व | ७ |
| २ सुलसुले नाशक | | | | | |
| १ | डाइकोफल | ६ | ३ | हेक्जिथियाजोक्स | २० |
| २ | फेनपाइरोकिजमेट | २ | ४ | प्रोपरजाइट | १४ |
| ३ दुसीनाशक | | | | | |
| १ | बेनोमाइल | ७-२१ | १७ | इप्रोवेनफस | १४ |
| २ | क्याप्टान | ३० | १८ | कासुगामाइसिन | ३० |
| ३ | कार्बेन्डाजिम | १४ | १९ | किरोक्सिमिथाइल | १४ |
| ४ | कार्बोक्सिन | २१ | २० | मेन्कोजेब | १४-२८ |
| ५ | क्लोरोथालोनिल | १४ | २१ | मेटालाक्सिल | ४९ |
| ६ | कपर हाइड्रोक्लोराइड | १४ | २२ | मेटिराम | ६ |
| ७ | कपर हाइड्रोक्साइड | १४ | २३ | पेन्सिक्रोन | ७९ |

| क्र.स. | सामान्य नाम | पर्खनुपर्नेसमय (दिन) | क्र.स. | सामान्य नाम | पर्खनु पर्ने समय(दिन) |
|-----------------------|--------------------------------|-------------------------|----------------------------|---|--------------------------|
| ८ | कपर अक्सिलोराइड | २१ | २४ | प्रोविकोनाजोल | १५-३० |
| ९ | साइमोक्सानिल | १४ | २५ | प्रोपिनेव | ३० |
| १० | डाइफिनाकोजाजोल | ३४ | २६ | सल्फर | १४ |
| ११ | डाइमिथोमोर्फ | १४ | २७ | थाइफोनेट मिथाइल | १४ |
| १२ | डिनोक्याप | २१ | २८ | थिराम | १४-३० |
| १३ | फिनामिडन | १० | २९ | ट्राइसाइक्लाजोल | ३० |
| १४ | फ्लुसल्फामिड | २८ | ३० | भेलिडामाइसिन | २१ |
| १५ | हेक्जाकोनाजोल | ४० | ३१ | जिनेव | १० |
| १६ | इप्रोभेलिकार्व | ३०-९० | | | |
| ४. मुसानाशक | | | ५. मोलुसिसाइड | | |
| १ | ब्रोमाडियोलोन | | १ | मेटलडिहाइड | |
| २ | जिकफोस्फाइड | | | | |
| ६. जैविकविषादी | | | ७. न्याक्टेरीयानाशक | | |
| १ | एजाडिरेक्टिन | ३ | १. | स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट + टेट्रासाइक्लिन | २४ घन्टा |
| २ | व्युभेरिया बेसिआना | ७ | | | |
| ३ | मेटाराइजम एनिसेपाली | ३ | | | |
| ४ | स्युडोमोनास फ्लुरेन्सेस | ३ | | | |
| ५ | ट्राइकाडर्मा भिरिडि | ७ | | | |
| ६ | भर्टिसिलियम लेकानी | ७ | | | |
| ८. झारपातनाशक | | | | | |
| १ | २,४डि सोडियम साल्ट | ७ | १० | मेटसल्फुरोन मिथाइल | १४ |
| २ | २,४डि इथाइल इस्टर | २१ | ११ | अक्सिडाजिल | १७ |
| ३ | एमोनियम साल्ट अफ ग्लाइफोसेट | ५६ | १२ | अक्सिफ्लोरफेन | १५ |
| ४ | एट्राजिन | ६० | १३ | पाराक्वाट डाइक्लोराइड | १० |
| ५ | बिसपर्विक सोडियम | | १४ | पेन्डिमिथालिन | ७५ |
| ६ | व्युटाक्लोर | १० | १५ | प्रेटिलाक्लोर | ७५ |
| ७ | क्यालडिनाफोप प्रोपार्जिल | | १६ | प्रोपाक्विजाफोप | २१ |
| ८ | ग्लाइफोसेट | १० | १७ | पाइराजोसल्फुरान इथाइल | ७ |
| ९ | मेट्रिव्युजिम | ७ | १८ | सल्फोसल्फुरोन मिथाइल | ६० |

नोट: विषादीको प्रतिक्षा अवधिलाई निम्न कुराहरुले असर गर्ने हुँदा पर्खनुपर्ने अवधिमा केही फेरवदल हुन सक्दछ।

१. बालीको प्रकार र यसको फिजियोलोजी
२. बाली लगाउने स्थानको मोहडा, उचाई, हावाको गति ।
३. विषादीको प्रयोग मात्रा
४. विषादी प्रयोग गर्दाको मौसम तथा ऋतु आदि ।
५. विषादीलाई माटोमा प्रयोग गर्दा प्रतिक्षा अवधि केही लामो हुने ।

१७.४ एकीकृत शत्रु जीव व्यवस्थापन कार्यक्रम (आइ.पि.एम)

एकीकृत शत्रु जीव व्यवस्थापन (Integrated Pest Management)

एकीकृत शत्रु जीव व्यवस्थापन बाली बिरूवाका शत्रुहरू (रोग, कीरा, झारपात, चरा, मुसा आदि) लाई आर्थिक रूपले न्यायोचित, पर्यावरणीय दृष्टिकोणले दिगो तथा सामाजिक रूपमा स्विकार्य बाली संरक्षण गर्ने एक विधि हो । यसमा एकभन्दा बढी व्यवस्थापनका विधिहरूको एकीकृत रूपमा प्रयोग गरिन्छ जसले गर्दा रासायनिक विषादीहरूको प्रयोगमा कमी हुन आउँछ ।

एकीकृत व्यवस्थापनका मुख्य सिद्धान्तहरू: (१) स्वस्थ बाली उत्पादन, (२) खेतबारीको नियमित अवलोकन, (३) मित्र जीवहरूको संरक्षण (४) कृषकहरूलाई स्वयं दक्ष बनाऔं ।

एकीकृत बाली शत्रु व्यवस्थापनका विधिहरू:

१. रोग कीरा अवरोधक जातको प्रयोग (Resistant Varieties): रोग कीराले नोक्सानी नहुने वा कम हुने जातको प्रयोग गर्ने ।
२. कृषि कर्ममा आधारित तरिका (Cultural Method): बाली चक्र, बीउ छर्ने वा रोपाइ गर्ने समयको हेरफेर, खेतको सरसफाई, उचित खनजोत, बाली कटानीपछि अवशेष नष्ट गर्ने ।
३. भौतिक तथा यान्त्रिक तरिका (Physical and Mechanical): हातले टिप्ने, अवरोध राख्ने, पासो थाप्ने, अनाज सुकाउने आदि ।
४. जैविक तरिका (Biological Control Method): परजीवी एवं शिकारी कीराका साथै विभिन्न जीवाणुजस्तै व्याक्टेरिया (विटी.), फंगस, भाइरस (एन.पि.भि.) र निमाटोडको प्रयोग ।
५. आकर्षक रासायनिक पदार्थको प्रयोग (Chemical Attractants): विभिन्न आकर्षक रासायनिक पदार्थ जस्तै: मिथाइल यूजिनल, क्यूलियर र विभिन्न फेरोमेन जस्तै: हेलीलुर स्पोडोलेयुर आदिको प्रयोग ।
६. घरेलु व्यवस्थापनका विधिहरू ।
७. हर्मोनको प्रयोग: विभिन्न हर्मोन जस्तै आप्लोरको प्रयोग ।
८. विषादीको प्रयोग (Chemical Control Method): अन्य विधिहरूले नियन्त्रण नभएमा उपयुक्त विषादीको सावधानि पूर्वक प्रयोग गर्ने ।

नेपालमा कृषकहरूले अपनाईसकेका केही आई.पि.एम. प्रविधिहरू:

- नीम, टिमुर, बोझो, तितेपाती, ज्वानु, तोरीको तेल प्रयोग गरी अन्न भण्डारणमा रोग कीरा नियन्त्रण ।
- काठको धूलो, गहुँत, साबुनपानी, सूतीको झोल प्रयोग गरी तरकारी बालीको कीरा नियन्त्रण ।
- सुन्तला जात फलफूल र लहरे तरकारीको औँसा कीरा नियन्त्रणको लागि फेरोमेन ट्याप, खेतबारीको सरसफाई ।

- स्थानीय वनस्पतिबाट तयार गरिने झोलमल, गाईको गहुँत, मोही आदिको प्रयोग ।
- केहीमात्रामा विभिन्न पासोहरूको प्रयोग ।
- केही मात्रामा दुसीजन्य, ब्याक्टेरीया, भाइरस तथा निमाटोड जन्य जैविक विषादीको प्रयोग ।
- मित्र जीवहरूको संरक्षण ।

फलफूल तथा तरकारी बालीमा फेरोमेन ट्रयापको प्रयोग:

- क) लहरे तरकारी बाली (कुकरविट्स) जस्तै काँक्रो, घिरौला, लौका, आदि: कुकरविट्स समुदायका तरकारी बालीमा लाग्ने कीराहरू र तिनबाट हुने हानी नोक्सानी नियन्त्रणको लागि क्यूलियर नामक फेरोमेनको प्रयोग गरिन्छ । फेरोमेन ट्रयापको बट्टा भित्र राखिएको कपासमा ५/५ थोपा क्यूलियर र मालाथायन ५० को झोल राखी जमिनबाट ५ फिट उचाईमा राख्नुपर्दछ । फेरोमेनको गन्धले भाले झिंगाहरू आकर्षित भई मालाथायनको प्रभावले मर्दछन् । पोथीले बतासे फुल पर्दछ । प्रतिरोपनी ५ वटा ट्रयाप राख्नुपर्दछ ।
- ख) फलफूल बाली: फलफूलमा लाग्ने औसा कीरा नियन्त्रणको लागि मिथायल यूजिनल नामक फेरोमेनको प्रयोग गरिन्छ । ट्रयापलाई बलियो हाँगामा झुण्ड्याउनु पर्दछ । फेरोमेनको गन्धले भाले झिंगा आकर्षित हुने र मर्ने गर्दछन् पोथी झिंगाले बतासे फुल पर्दछ । यसबाट कीराको संख्यामा कमी भई नियन्त्रण हुन्छ । प्रति ट्रयाप ५/५ थोपाका दरले मिथायल यूजिनल र मालाथायन झोल राख्नुपर्दछ । नोट: हरेक १/१ महिनामा मालाथायन झोल ५ थोपा प्रति ट्रयाप थप्ने ।

कीरा व्यवस्थापनको लागि उपलब्ध हुन सक्ने केही पासोहरू

| क्र.सं. | पासोको नाम | प्रयोगहुने |
|---------|------------------|---|
| १ | लाइटट्राप | रातीमा उड्ने कीराहरू |
| २ | एलो स्टीकी ट्राप | साना उड्ने कीराहरू जस्तै लाही, सेतो झिंगा, लिफमाइनर |
| ३ | स्टेनर ट्राप | मिथाइल युजिनल, क्यूलियर फेरोमन |
| ४ | फनेल ट्राप | हेलील्युर, स्पोजो ल्युर, ल्युसिनोडस ल्युर, पेक्टिनो ल्युर, सिप्रो ल्युर |
| ५ | डेल्ट्रा ट्राप | डि. वि. एम/प्रोटुला ल्युर |
| ६ | ओटा टी ट्राप | डि.वि.एम/प्रोटुला ल्युर, पि. टि. एम १, २ ल्युर |
| ७ | म्याकफल ट्राप | विभिन्न ल्युरको लागि |
| ८ | पिटफल ट्राप | माटोको सतहमा हिड्ने कीराहरू |

बजारमा उपलब्ध हुन सक्ने केही फेरोमन/ल्युर

| क्र.सं. | पासोको नाम | कीरा | वाली |
|---------|-------------------------|--------------------------|---------------------------------|
| १ | मिथाइल युजिनल | फल कुहाउने औसा | सुन्तला जात आप फलफूल |
| २ | क्यूलियर | फल कुहाउने औसा | काक्रो फर्सी समुहका बाली |
| ३ | व्याक्टोसेरा कम्पोजिटिड | फल कुहाउने औसा | माथिका दुवै वाली |
| ४ | हेली ल्युर | गोलभेडाको फलको गवारो | गोलभेडा, चना, रहर |
| ५ | स्पोजो ल्युर | सूर्तिको पातखाने लार्भा | सूर्ति, काउली वर्ग, आलू गोलभेडा |
| ६ | डि.वि.एम/प्रोटुला ल्युर | ईट बूट्टे पुतली | काउली वन्दा समुहका |
| ७ | ल्युसिनोडस ल्युर | फल र डाँठमा लाग्ने गवारो | भाण्टा |
| ८ | पि.टि.एम १, २ ल्युर | जोताहा पुतली | आलू |

| क्र.सं. | पासोको नाम | कीरा | वाली |
|---------|---------------------|-----------------------------|-------|
| ९ | सिप्रो ल्युर | पहेलो गवारो | धान |
| १० | पेक्टिनो ल्युर | दानामा लाग्ने गुलावी गवारो | कपास |
| ११ | इरमित र इरमिन ल्युर | दानामा लाग्ने छिर्के गवारो | कपास |
| १२ | टिएलाएम ल्युर | टमाटरको पात खन्ने टुटा कीरा | टमाटर |

केही प्रचलित जैविक तथा वानस्पतिक विषादी

| क्र.सं. | नाम | प्रयोग |
|---------|--|---|
| १ | एजाडीरेक्टीन (नीममा आधारित) | विभिन्न कीराहरूको लागि |
| २ | व्युभेरिया सियाना (दुसी जन्य) | पुतलीका लार्भा, साना चुस्ने कीरा |
| ३ | मेटाराइजियम एनीसोप्लेई (दुसीजन्य) | खपटे र पुतलीका लार्भाहरू (माटोमा वस्ने जस्तै खुप्रे) |
| ४ | भर्टिसेलियम लेकानी (दुसीजन्य) | सेतो झिंगा, लाही, लिफमाइनर |
| ५ | वेसिलस थ्रनजेनेसिस कुस्टाकी (व्याक्टेरियाजन्य) | विभिन्न पुतली समूहका लार्भाहरू |
| ६ | न्युक्लियर पोलीहेड्रोसिस भाइरस क) हेली ख) स्पोडो | क) गोलभेडाको फल खाने गवारो (हेलीकोभर्भा आर्मीजेरा) ख) सूर्तिको पात खाने लार्भा (Spodoptera litura) |
| ७ | इन्टोमोप्याथोजनीक निमाटोड | माटोमा वस्ने विभिन्न कीराहरू जस्तै खुप्रे |
| ८ | ट्राइकोडर्मा भिरिडी र हर्जानियम | दुसीजन्य रोग विशेष गरी माटोमा रहने |
| ९ | स्युडोमोनास फ्लुरेसेन्स | केराको पनामा वील्ट, ड्याम्पीड अफ, धानको सीथ ल्वाइट, उखुकाके रेड रट, चना र गोलभेडाको ओइलाउने रोग |

जीवनाशक विषादीको सुरक्षित प्रयोग तथा व्यवस्थापन

क) जीवनाशक विषादीको विषालुपनाको तुलनात्मक वर्गिकरण (WHO, 2009)

| खतराको स्तर | एल.डी. ५० मुसामा (मिलीग्राम प्रति केजी शरीरको तौलमा) | |
|----------------------|--|----------------------------|
| | मौखिक | छालावाट |
| अत्यन्त खतरनाक | ५ मिलि ग्राम भन्दा कम | ५० मिलि ग्राम भन्दा कम |
| अति खतरनामक | ५-५० मिलि ग्राम | ५०-२०० मिलि ग्राम |
| माध्यम रूपले खतरनाक | ५१-२००० मिलि ग्राम | २००-२००० मिलि ग्राम |
| सामान्य रूपले खतरनाक | २०००-५००० मिलि ग्राम | २०००-५००० मिलि ग्राम |
| सुरक्षित | ५००० मिलि ग्राम भन्दा माथि | ५००० मिलि ग्राम भन्दा माथि |

(एल.डि. ५०: विषादीको मात्रा जसले परीक्षण गरिएको जनावरको ५०% संख्यालाई मार्दछ)

ख) जीवनाशक विषादीको सुक्षित प्रयोग: विषादीको उचित रूपमा उपयोग नगरिएमा यसले उपयोग कर्ता, अरू मानिस, घरपालुवा पशुहरू, वन्यजन्तुहरू र लाभकारी कीराहरूलाई समेत हानी पु-याउनुको साथै वातावरणलाई पनि नोक्सान गर्दछ।

१) सामान्य सिद्धान्तः

- क) अनावश्यक रूपमा विषादी प्रयोग नगर्नुहोस् ।
- ख) सम्भावित खतराबाट सावधान हुनुहोस् ।
- ग) विषादीको लेबल र अन्य पर्चाहरू पढ्नुहोस् ।
- घ) केटाकेटीलाई विषादीबाट टाढा राख्नुहोस् ।

२) कीटनाशक विषादी उपयोग गर्नु अगाडि:

- क) विषादी सुरक्षित ठाउँमा तालाबन्दी गरी राख्नुपर्छ ।
- ख) स्प्रेयर/डशर राम्रो अवस्थामा हुनुपर्छ ।
- ग) उपकरणलाई काम गर्नु अघि र काम सकिएपछि जाँच गर्नुपर्छ ।
- घ) कमघातक (प्रति किलोग्राम ५०१ मिलीग्राम भन्दा माथि एल.डी. ५० भएको) सुरक्षित विषादी प्रयोग गर्नुपर्छ ।

३) मिश्रण बनाउँदा र छर्दा:

- क) सुरक्षात्मक पहिरन लगाउनुपर्छ, जस्तै: पुरा बाहुलाको कमीज, लामो पतलुङ्ग, जुता वा बूट, चौडा किनारा भएको टोपी, हातमा रबरको पन्जा, मास्क, कृत्रिम श्वास उपकरण आदि ।
- ख) चुरोट पिउन वा धुम्रपान गर्नु हुँदैन ।
- ग) विषादी अन्य ठाउँमा फैलिन नपाओस् भन्नका लागि विषादीको प्याकेटलाई सावधानीपूर्वक खोल्नुपर्दछ ।
- घ) हावाको वहाव कम भएको बेलामा छर्ने गर्नुपर्दछ ।
- ङ) बन्द भएको नोजललाई मुखले फुक्नुहुँदैन ।

४) जीवननाशक विषादी प्रयोग पश्चात:

- क) विषादीको प्रयोग गरेका कागजी पदार्थलाई सुरक्षित स्थानमा जलाएर वा गाडेर नष्ट गर्नुपर्छ ।
- ख) प्रयोग गरिएको भाडा कम्तिमा ३ पटक साबुन पानीले सफा गर्नुपर्दछ ।
- ग) हात मुख राम्ररी साबुन पानीले धुनुपर्दछ ।
- घ) उपकरणलाई राम्ररी सफा गरेर राख्नुपर्दछ ।

५) विष लागेका लक्षणहरू र प्राथमिक उपचार:

ओर्गानोफस्फेट र कार्बमेट यौगिकहरू जस्तै मेटासिड, मेटासिस्टक्स, नुभान आदिले कोलिनेष्टर रोकदछन्, जसले गर्दा स्नायु प्रणालीमा विकार उत्पन्न हुनजान्छ । टाउको दुख्ने, रिंगटा लाग्ने र वाकवाकी हुने र त्यसपश्चात जाडो भई पसीना आउने, झाडा लाग्ने र वान्ता हुने लक्षणहरू देखापर्दछन् । मांसपेशीहरू थर्कनु, भीषण कम्पन हुनु र अचेत नहुने अवस्थाहरू समेत हुन सक्छ ।

प्राथमिक उपचार:

- क) रोगीलाई आधा झुकेको रूपमा टाउको तल पर्ने गरी राख्नुपर्दछ ।
- ख) बान्ता गराउने व्यवस्था गर्नुपर्छ ।
- ग) राम्ररी हावा आउने व्यवस्था मिलाउनुपर्दछ ।
- घ) छिटो अस्पताल लैजाने व्यवस्था गर्नुपर्छ ।
- च) एट्रोफिन सल्फेटको २ मिली ग्राम इन्ट्राभेनस सुई दिनुपर्छ ।

स्रोत: प्लान्ट क्वारेन्टिन एवं विषादी व्यवस्थापन केन्द्र, हरिहरभवन तथा वालि रोग विज्ञान महाशाखा खुमलटार ललितपुर २०७५।

१८. व्यावसायिक कीट विकास केन्द्रसंग सम्बन्धित सरकारी तथा नीजिस्तरमा संचालित केहि फर्महरुको वितरण ।

क) च्याउ उद्योगमा संलग्न व्यक्ति तथा संघसंस्थाहरु

| क्र.सं. | संघ संस्थाको नाम | ठेगाना | सम्पर्क नम्बर |
|---------|--|--------------------------------------|---|
| १ | च्याउ उत्पादक किसान संघ, नेपाल | बल्खु, काठमाडौं | रामहरी, ९८४१३०४३९४ |
| २ | व्यञ्जनकार सप्लायर्स च्यासल | च्यासल, ललितपुर | ९८४१३०४०७५, ९८४१५१९४६७, ९८४१४९३९७६ |
| ३ | नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद, वालीरोग विज्ञान महाशाखा, च्याउ अनुसन्धान कार्यक्रम | खुमलटार, ललितपुर | ०१-५५२३१४३, ०१-५५४६९९४ |
| ४ | ललितपुर च्याउ विक्री सेन्टर | लगनखेल, ललितपुर | शेखरप्रसाद श्रेष्ठ, ९७४१०७३४९३ |
| ५ | आर.आर.मसरुम होलसेल पसल | लखनखेल, ललितपुर | राजुथापा, ९८४१२३८४७१ |
| ६ | Bhattarai Mushroom Research & Spawn Center | कीर्तिपुर, काठमाडौं | श्याम भट्टराई, ९८०३३७७३४०, ९८४१११६२१६ |
| ७ | Kantipur Mushroom Bio techy & Spawn Center | चापागाउँ, ललितपुर | श्यामसुन्दर हलुवाई, ९८४१२८६११८ |
| ८ | Mushroom Service Center | दहचोक, काठमाडौं | सुरेन्द्र गिरी, ४३१०००५, ९८४२२००५०२ |
| ९ | भोर्लेटार च्याउ उद्योग | दमौली, तनहुँ | मनोरञ्जन पौडेल, ९८४६०९३७८९, ९७४१०७३२७६, ९८४५०५०९४९ |
| १० | घिमिरे पराल संकलन केन्द्र | हरिसिद्धि, ललितपुर | केदारप्रसाद घिमिरे, ९८४१८६०१२० |
| ११ | Agribusiness Business Center for Research & Development Pvt. Ltd | जनप्रभात मार्ग, कालिमाटी काठमाडौं | ०१-४२७०६४६, ९८५१०३१६१७ |
| १२ | गोदावरी च्याउ प्रविधि केन्द्र | टौखेल, गोदावरी, ललितपुर | नरहरि खड्का, ५५६००९९, ५५७३६६४, ९८५१०५५४१६ |
| १३ | Kathmandu Agro Concern Pvt. Ltd. | लगनखेल, ललितपुर | ०१-५५३७३६८, ०१-५५३७२२२ |
| १४ | घिमिरे च्याउ उद्योग | चापागाउँ, ललितपुर | हरिप्रसाद घिमिरे, ९८४१८६२९४० |
| १५ | गायत्री अर्गानिक भिलेज | हरिसिद्धि-९, ललितपुर | बद्रि सञ्जेल, ९८४१७०४९८५, शिव सञ्जेल, ९८०३४८९७०८ |
| १६ | हुमा गणेश एग्रो सेन्टर | भक्तपुर | ९८४१२९९६९१, ९८४१३९८५६३, ६६१५९४३ |

| क्र.सं. | संघ संस्थाको नाम | ठेगाना | सम्पर्क नम्बर |
|---------|--|--|---|
| १७ | श्रोम श्री सत्यराम च्याउ उद्योग | काठमाडौं | बलराम सुवेदी, ०१-४१११८१९, ९८४१४७३८७६ |
| १८ | खनाल मसरुम सेन्टर | कालिमाटी तरकारी, बजार। | राजन खनाल ९८४१४३७६३० |
| १९ | के.के. मेशिनरी कन्सन | हस्पिटल रोड, लगनखेल ललितपुर | राजेन्द्र महर्जन, ५५२१०४२, ९८४१२३४३८२, ९८४१३५९०६२ |
| २० | MBR Centre | बबरमहल, काठमाडौं | ९८४१३०७२८० |
| २१ | माउण्ट ग्रिनल्याण्ड प्रा.लि. | त्रिपुरेश्वर, काठमाडौं | जीवनलाल मास्के ९८४२२६०६०१, ९८४१२९५८१३ |
| २२ | कृष्ण प्लाष्टिक | लगनखेल, ललितपुर | ९८४१३०४९२५ |
| २३ | Agriculture Technology, Center, ATC | पुल्चोक, ललितपुर, पो.ब.१४६२, काठमाडौं | ०१-५५२५९५६ |
| २४ | हाम्रो च्याउ उद्योग | ललितपुर | रामहरि, ९८४१३०४३९४ |
| २५ | अनामिका स्केल ट्रेडर्स | लगनखेल, ललितपुर | ०१-५५५५९७८ |
| २६ | Ares mushroom (Mushroom world) | बलम्बु, काठमाडौं | ४३१५६७८, ९८४१२०४२१८ |
| २७ | श्रेष्ठ च्याउ विक्री केन्द्र | असन, काठमाण्डौ | महेश श्रेष्ठ, ९८०३०३७२७५ |
| २८ | कृष्णवीर श्रेष्ठ | कालीमाटी तरकारी बजार, काठमाण्डौ | ९८५१०५८८९ |
| २९ | निर्मल महर्जन | असन, काठमाडौं | ९८४१३६३७०४ |
| ३० | उद्यमशील कृषि बहुउद्देश्यीय सहकारी संस्था लि. | घोराही, दाङ | माधवप्रसाद शर्मा, ०८२-५६०९७२ |
| ३१ | Center for agricultural technology & training | ग्वार्को, ललितपुर | डा. केशरीलक्ष्मी मानन्धर, ०१- ५५२०२५२७, ०१-५५५४५२७ |
| ३२ | चापागाउँ च्याउ उत्पादन सेवा सहकारी संस्था लि. | चापागाउँ, ललितपुर | जयराम थापा, ५५७१२३६, चिनकाजी देसार, ९८४१३३१९३१ |
| ३३ | पश्चिमाञ्चल च्याउ स्रोत केन्द्र | भैरवटोल, पोखरा | श्री टीकाराम अर्याल, ९८४६०३३४१५ |
| ३४ | च्याउ उत्पादक किसान संघ नेपाल | बल्बु, काठमाडौं | पि एन अधिकारी, ९८४१२८६११८ |
| ३५ | पश्चिमाञ्चल च्याउ फर्म | नदीपुर, कास्की | डोर बहादुर घर्ती, ९८४६०७९४०१ |
| ३६ | बिनय च्याउ उद्योग | उर्लाबारी ६, मोरङ | ०२१-४१०१३५, ९८४२४७८५२९ |
| ३७ | Mushroom Seed Nepal and Research Center | मध्यपुर ठिमी, भक्तपुर | आकाश बाडे, ९८४१४०९२६९ |

ख) मौरी श्रोत केन्द्रको विवरण

| क्र.सं. | श्रोत केन्द्रको नाम | ठेगाना | नाम | सम्पर्क नम्बर |
|---------|---|---------------------------|-----------------------|-------------------------|
| १ | नर्सिङ मौरीघार उद्योग | सिफल ७, काठमाडौं | सूर्यमान घिसिङ | ९८४३१२५१९१ |
| २ | बाबा मौरीपालन श्रोत केन्द्र | रत्ननगर २, चितवन | लक्ष्मिनारायण मानन्धर | ०५६-५६००७५ |
| ३ | चितवन मारापालन श्रोत | भरतपुर ९, चितवन | धवतारा लामिछाने | ९८५५०५८१५५ |
| ४ | गोरखा मौरीपालन | भरतपुर ९, चितवन | खेमराज न्यौपाने | ९८५५६५६१७० |
| ५ | लक्ष्मि मौरीपालन श्रोत केन्द्र | प्रगति नगर ३, नवलपरासी | शोमाकान्त रेग्मी | ०७८-५७५०१८ |
| ६ | माउण्टेन बी कन्सर्न | धापाखेल, ललितपुर | सरीता श्रेष्ठ भट्टराई | ९८६०५७४१६१ |
| ७ | माउण्ट एभरेष्ट हनी प्रोडक्ट इको बी प्रोडक्ट | पिठुवा ३, चितवन | ईश्वरी खतिवडा | ९८४५०२४२९९ |
| ८ | राप्ती एपिकल्चर सेन्टर | घोराही ११, दाङ | दीप बहादुर बुढा | ०८२-२५६२४१६ |
| ९ | सागर मौरीघार उद्योग | गैडाकोट ८ नवलपरासी | दयासागर सुवेदी | ०५६-५०११५६ |
| १० | ढकाल मौरीपालन श्रोत केन्द्र | भक्तपुर ३, सुनसरी | हेमराज देवकोटा | ९८४४०३४६९१ |
| ११ | सत्यवती बी कन्सर्न | मणिग्राम २, रुपन्देही | राजन पाण्डे | ०७१-५७०२७५ |
| १२ | शिवशक्ति बी इण्डस्ट्रिज | भरतपुर १०, चितवन | युवराज श्रेष्ठ | ०५६-५२०२८६ |
| १३ | त्रिगाउँ मौरीपालन श्रोत | अर्जुनधारा ७, झापा | अमरदीप भेटवाल | ०२३-५४०९४५ |
| १४ | गार्डेन सिटी बी फार्मिङ केन्द्र | लेखनाथ ३, कास्की | टेकमान गुरुङ | ०६१-५६१२५९ ९८५६०२४६० |
| १५ | मौरीपालन वर्कशप तथा मौरी उपकरण श्रोत केन्द्र | गोदावरी-५, ललितपुर | सानुभाई बसेल | ९८४१२३१६०१ |
| १६ | गण्डकी बी कन्सर्न | गोंगबु, काठमाडौं | देव बहादुर गुरुङ | ९८५१०९३२५९ |
| १७ | मणी मौरीपालन श्रोत केन्द्र | मदनपोखरा ५, पाल्पा | तेज बहादुर भण्डारी | |
| १८ | सामना मौरी तथा मह उत्पादन केन्द्र | प्यूठान ६, प्यूठान | रामचन्द्र सुवेदी | ९८४७९२८५७६ |
| १९ | स्वर्गद्वारी मौरीपालन उद्योग | तुलसीपुर न.पा. १०, दाङ | बिनोद हमाल | |
| २० | शिवशक्ति मौरीपालन श्रोत केन्द्र | घोराही ११, दाङ | विष्णु श्रेष्ठ | ९८४७८१०९५७ |
| २१ | दाङ हनी प्रोडक्सन सेन्टर | घोराही १, दाङ | रामहरी शर्मा | ९८५७८३१८४० |
| २२ | प्राकृतिक मह उत्पादन तथा मौरीपालन फर्म | तुलसीपुर न.पा. ६, दाङ | माधव के.सी. | ९८५७८२२५६८ |
| २३ | युनिक मौरीपालन उद्योग | मनहरी ३, मकवानपुर | शालिकराम बानिया | ९८५५०६८३०४ |
| २४ | सामुहिक मौरीपालन श्रोत केन्द्र | नेत्रगञ्ज ३, सर्लाही | मनोज सिंह | ९८५४०३७५७९ |
| २५ | नेपाल बी कन्सर्न | भरतपुर १०, चितवन | धर्मराज श्रेष्ठ | ९८५११२८८०० |
| २६ | सितारा बी कन्सर्न | खैरहनी ४, चितवन | रामप्रसाद पौडेल | ९८५५०६३५९३ |
| २७ | वाणगंगा मौरीपालन समूह | कपिलवस्तु | लिलापती घिमिरे | ९८४७००८८०३ |
| २८ | मनकामना मौरीपालन श्रोत केन्द्र | जाते ९, मोरङ | इमानाथ पोखरेल | ९८४२०४८८७० |

| क्र.सं. | श्रोत केन्द्रको नाम | ठेगाना | नाम | सम्पर्क नम्बर |
|---------|-----------------------------------|--------------------------|--------------------|---------------|
| २९ | सूर्यमुखी मौरीपालन श्रोत केन्द्र | पुरानोकोट ३, लमजुङ | बेनी बहादुर गुरुङ | ९८४६१२८१११ |
| ३० | धौलागिरी बी कन्सर्न | देउराली ६, म्याग्दी | धनलाल जैसी | ०८५-१०१११११ |
| ३१ | आचार्य बी फर्म | बीरेन्द्रनगर ११, सुर्खेत | प्रेम कुमार आचार्य | ९८४८०३८६६२ |
| ३२ | गौरीशंकर मौरीपालन श्रोत केन्द्र | मसुरीया ७, कैलाली | मोहन खनाल | ९८५८४२१७६९ |
| ३३ | ओम शिवशक्ति मौरीपालन उद्योग | कोहलपुर ११, बाँके | पुरमल बस्नेत | ९८४८३५१०२५ |
| ३४ | मौरी पसल | मानभवन, ललितपुर | महालक्ष्मि श्रेष्ठ | ०१-५५४७२७८ |
| ३५ | गार्डेन एपियरी | नारायणस्थान, काठमाडौं | पवन सत्याल | ९८४१८६१३३० |
| ३६ | लुम्बिनी एपिकल्चर सेन्टर, ललितपुर | कुसुन्ती १३, | अनिरुद्धनाथ शुक्ल | ९८४१३६०१४१ |

ग) रेशम खेतीमा आवद्ध उद्यमी, व्यवसायी तथा संघसंस्थाहरु

| क्र.सं. | नाम | ठेगाना | कैफियत |
|---------|----------------------------|--------------------------|------------|
| १ | रामनाथ अधिकारी | बैरनी, धादिङ | ९८४११६५६२६ |
| २ | नेपाल सिल्क | सोह्रखुट्टे, काठमाडौं | ९८५१०३५१०४ |
| ३ | नेपाल सिर्जनात्मक कला गुठी | झौखेल, ललितपुर | |
| ४ | महिला मार्गदर्शन | जमल, काठमाडौं | |
| ५ | शंकर पाण्डे | बानेश्वर, काठमाडौं | ९८५१०२७००९ |
| ६ | रामचन्द्र पाण्डे | बालाजु, काठमाडौं | |
| ७ | हरिगोपाल च्याखी | लुभु, ललितपुर | |
| ८ | धनकूटा सोस्टर | कूपन्डोल, ललितपुर | |
| ९ | अरविन्द मिश्र | बौद्ध, जोरपाटी, काठमाडौं | |
| १० | लाक्ष्मी शेर्पा | भैसीपाटी, ललितपुर | |
| ११ | कार्की धागो सप्लायर्स | बौद्ध, काठमाडौं | |
| १२ | महेश अधिकारी | गढवा ५, दाङ १३ | ९८४५९२४२६६ |
| १३ | जानकी प्रधान | भैसीपाटी, ललितपुर | ९८४११२२०६० |

स्रोत: व्यवसायिक किट विकास केन्द्र, ललितपुर, २०७५

९८. पोष्टहार्मेट

ताजा कृषि उपजहरुको भण्डारणको मापदण्ड तथा उपजलाइ सुरक्षित राख्न सकिने अवधी

बजारको माग बमोजिमको परिपक्व अवस्थामा लिईएको बाली खाँदा स्वादिलो हुने, तरकारी तथा फलफूलहरुलाई बारीबाट भर्खै टिपेको जस्तो ताजा अवस्थामा राखी भण्डारण अवधि लम्ब्याउदा हतारमा सस्तोमा बेच्नु पर्ने बाध्यता नपर्ने; बजारको माग बमोजिमको परिपक्व अवस्थामा लिईएको बाली खाँदा स्वादिलो हुने, बिक्री गर्ने अवधि बढाउन सकिने, रुप, स्वाद र बासना कायम रहने; उपजको गुणस्तरमा विश्वसनियता बढ्ने; आकर्षक हुने भएकाले स्तरीय उत्पादनलाई सेलार, रष्टिक, शुन्य शक्ति वा कोल्डस्टोरमा राखी वालीको बजारीकरण अबधि बढाउन आवश्यक शर्तहरु तल दिइएको छ

| क्र. सं. | बालीको नाम | भण्डारण गर्ने उपयुक्त तापक्रम (डि.से.) | उपयुक्त आद्रता (प्रतिशत) | बरफ बन्ने तापक्रम, freezing point (डि.से.) | अनुमानीत भण्डारण अवधि |
|----------|---------------------------|--|--------------------------|--|-----------------------|
| १ | साग | ० | ९०-९५ | | ७-१४ दिन |
| २ | हरियो केराउ | ०.१ | ९०-९८ | - ०.६ | १-२ हप्ता |
| ३ | टाटे सिमि | ० | ९०-९५ | | १-२ हप्ता |
| ४ | गाजर | ० | ९८-१०० | - १.४ | ६-८ महिना |
| ५ | भेडे खुर्सानी | ७-१० | ९५-९८ | -०.७ | २-३ हप्ता |
| ६ | हरियो खुर्सानी | ५-१० | ८५-९५ | - ०.७ | २-३ हप्ता |
| ७ | करेला | १०-१२ | ८५-९० | | २-३ हप्ता |
| ८ | खर्वुजा | १०-१५ | ९० | - ०.४ | २-३ हप्ता |
| ९ | जुकीनी फर्सी | ७-१० | ९५ | - ०.५ | १-२ हप्ता |
| १० | स्थानीय फर्सी | १२-१५ | ५०-७० | - ०.८ | २-३ महिना |
| ११ | पाकेको टमाटर | ८-१० | ८५-९० | - ०.५ | १-३ हप्ता |
| १२ | रामतोरीया | १०-१२ | ९०-९५ | | १-२ हप्ता |
| १३ | आलु (बर्षे) | १०-१५ | ९०-९५ | - ०.८ | १०-१४ दिन |
| १४ | प्याज (सुकेको) | ० | ६५-७० | -०.८ | १-८ महिना |
| १५ | गोलभेडा (छिप्पेको अबस्था) | १०-१३ | ९०-९५ | -०.५ | २-५ हप्ता |
| १६ | लसुन (सुकेको) | ० | ६५-७० | -०.८ | ६-७ महिना |
| १७ | ताजा अदुवा | १३ | ६५ | | ६ महिना |
| १८ | चम्सुरको साग | ० | ९९-१०० | - ०.२ | २-३ हप्ता |
| १९ | कुरिलो | २.५ | ९५-१०० | -०.६ | २-३ हप्ता |
| २० | भण्टा | १०-१२ | ९०-९५ | -०.८ | १-२ हप्ता |
| २१ | मुला | ० | ९५-१०० | - ०.७ | १-२ महिना |
| २२ | काउली | ० | ९५-९८ | - ०.८ | ३-४ हप्ता |
| २३ | बन्दा | ० | ९५-१०० | - ०.९ | २-३ महिना |
| २४ | ब्रोकाउली | ० | ९५-१०० | - ०.६ | १०-१४ दिन |
| २५ | पालुङ्गो | ० | ९५-१०० | - ०.३ | १०-१४ दिन |
| २६ | सखरखण्ड | १३-१५ | ८५-९५ | - १.३ | ४-७ महिना |
| २७ | काँक्रो | १०-१२ | ८५-९० | - ०.५ | १०-१४ दिन |

स्रोत: राष्ट्रिय आलु, तरकारी तथा मसलाबाली विकास केन्द्र, खुमलटार ललितपुर, २०७५

१०. बेमौसमी तरकारी उत्पादनको लागि प्लाष्टिक घर

प्रतिकूल मौसममा पनि बिरुवालाई अनुकूल वातावरण सिर्जना गरी बेमौसमी तरकारी उत्पादन गर्न प्लाष्टिक घरको प्रयोग गर्ने गरिन्छ। नेपालमा वर्षा याम (जेष्ठदेखि भदौ महिनासम्म) वर्षाबाट जोगाउन र हिउँदयाम (मंसिरदेखि फागुनसम्म) चिसोबाट बिरुवालाई जोगाउन तराई तथा मध्य पहाडी भागमा प्लाष्टिक घरको प्रयोग गरिदै आएको छ भने उच्च हिमाली भागमा तापक्रम बृद्धि गरि गोलभेंडा काँक्रा जस्ता बढी तापक्रम चाहिने तरकारीको उत्पादनको लागि प्लाष्टिक गुमोज प्रयोग गरिदै आएको छ। हाल नेपालमा निम्न पाँच प्रकारका प्लाष्टिक संरचनाहरू प्रचलनमा रहेका छन्।

१. वाँसवाट निर्मित प्लाष्टिक घर (मध्य पहाडी क्षेत्रको लागि सिफारिस कम लागतमा निर्माण गर्न सकिने तथा खुला खेतवारीमा कम्तिमा २ देखि ३ बर्ष सम्म तरकारी खेती गरेका किसानले वर्षा याममा तरकारीलाई पानीवाट जोगाई उत्पादन लिन ५ देखि ६ मिटर चौडाइ तथा १२ देखि २५ मिटर सम्म लम्बाइ भएका सिल्पाउलिन / यु.भि १०० देखि २०० माइक्रोन प्लाष्टिक प्रयोग गरी निर्माण गरिएका प्लाष्टिक घर)
२. जि.आइ पाइपको टनेल (कम्तिमा १० देखि १५ बर्ष सम्म स्थायी प्रकारका जि.आइको फ्रेमवाट निर्मित भेन्टिलेसन सहितको कीरा नछिर्ने जालीले घेरिएको तथा सिल्पाउलिन तथा यु.भि प्लाष्टिकको प्रयोग गरिएका ५ देखि ६ मिटर सम्म चौडाइ तथा १२ देखि २५ मिटर सम्म लम्बाइ भएको। मध्य पहाडी क्षेत्रमा उपयुक्त)
३. नेट हाउस (तापक्रम अत्याधिक भएका तराई क्षेत्रमा भाद्र देखि जेठ महिना सम्म बेमौसमी तरकारी उत्पादन गर्न कीरा नछिर्ने जाली, ५० देखि ८० प्रतिशत सम्मका अल्मुनियम नेट तथा जि.आइ पाइप प्रयोग गरी स्थान अनुसार साना देखि ठुला सम्म आकार भएका तरकारी खेतीको लागि प्रयोग गरिएका जालिघरहरू)
४. नेचुरल्ली भेन्टिलेटेड प्लाष्टिक घर (मध्य पहाड तथा तापक्रम ४० डिग्री भन्दा वढी नजाने तराईका क्षेत्रमा ब्यवसायिक रुपमा वेमौसमी तरकारी उत्पादन गर्न यु.भि १०० देखि २०० माइक्रोन सम्मको प्लाष्टिक, वरीपरी कीरा नछिर्ने जाली तथा जाडोमा तापक्रम बढाउन प्लाष्टिक कर्टेन समेत भएका कम्तीमा ५ मीटर चौडाइ भएका एउटा मात्र वा गटर राखेर धेरै क्षेत्र समेत ओगट्न सक्ने खालका दुइवटा ढोका तथा थोपा लगायतका सिचाइ सुविधा भएका जि. आइ वाट निर्मित प्लाष्टिक घर)
५. डोम आकारका प्लाष्टिक घर(मध्यपहाडको १६०० मीटर भन्दा अग्ला वा उच्च पहाडका कम हिउँ पर्ने क्षेत्रमा वेमौसमी तरकारी वा फलफूल विरुवा उत्पादन गर्न अर्ध चन्द्राकार आकारका यु.भि. प्लाष्टिक / पोलिकार्वोनेट सिट तथा जि.आइ पाइपको प्रयोग गरि निर्माण गरिएका प्लाष्टिक घर)
६. उच्च प्रविधि युक्त प्लाष्टिक घर (तरकारी वेर्ना, फल वा फूल वेर्नाको बाह्रै महिना उत्पादन गर्न विधुत तथा वाटोघाटोको सुविधा भएका तथा विरुवा / वेर्नाको अत्याधिक माग भएका क्षेत्रमा तताउने,चिस्याउने तथा सिचाइ सुविधा सहित भएको पोलिकार्वोनेट/ यु.भि प्लाष्टिक आदिको प्रयोग भएको जि.आइ वाट निर्मित संरचना जसको लागत अन्य संरचनाभन्दा अधिक हुने)।

प्लाष्टिक घर निर्माणको लागि जग्गा छनौट:

- कम्तिमा ६ घण्टाभन्दा बढी दैनिक घाम लाग्ने, हावा खेल्ने तर हुँरी बतास नचल्ने क्षेत्र
- कम्तिमा पनि ५ मिटरभन्दा बढी चौडाई भएको जमिन
- सिचाइ,सडक विधुत जस्ता पूर्वाधारको ब्यवस्था भएको
- बेर्ना तथा विरुवाको लागि पर्याप्त भाग भएको तथा उत्पादित उपजको बजार भएको क्षेत्र

प्लाष्टिकको प्रयोग

नेपालमा प्लाष्टिक घरको लागि सामान्यतया सूर्यको पराबैजनी किरणले असर नगर्ने सिल्पाउलिन (silpaulin) प्लाष्टिकको प्रयोग गरिदै आएको छ तर इजरायल, भारत लगायतका व्यवसायिक तरकारी खेती गर्ने देशमा सूर्यको प्रकाश प्रशस्त छिर्ने विकास भएका यु.भि १०० देखि २०० माइक्रोनका प्लाष्टिकहरूको नेपालमा प्रचलन वढि रहेको छ ।

नेपालमा सामान्यतया ४५ देखि ९० जि.एस.एम सम्मको पारदर्शी सिल्पाउलिन प्लाष्टिक प्रयोग गर्ने गरिएको छ भने हावा चल्ने र असिना पर्ने ठाउँमा १२० जि.एस.एम सम्मको प्लाष्टिकको प्रयोग गर्ने गरिएको छ ।जति बढी जि.एस.एम को प्लाष्टिकको प्रयोग गरियो त्यति कम सूर्यको प्रकाश बिरुवाले पाई उत्पादन घट्ने सम्भावना हुन्छ तसर्थ यदि हावा, हुरी र असिनाको प्रकोप कम छ भने ४५ जि.एस.एम को प्लाष्टिक वा १००-२०० माइक्रोनको यु.भि प्रयोग गर्नु सबभन्दा राम्रो हुन्छ । हिमाली क्षेत्र जहाँ हिउँद याममा हिउँ पर्दछन त्यस्ता क्षेत्रमा पोलिकावोर्नेट सिटको छानाको रूपमा प्रयोग गर्नु राम्रो हुन्छ । प्लाष्टिक घरमा हाल आएर चूनौतीको रूपमा देखा परेका सेता झिंगा, लाही जस्ता चुसाहा र टुटा जस्ता चपाउने कीराको प्रकोप कम गर्न बरिपरी कीरा नछिर्ने जालीको प्रयोग गर्न अत्यावश्यक छ ।

प्लाष्टिक घरको निर्माण गर्दा ध्यान दिनु पर्ने कुराहरू:

- घरको निर्माण गर्दा समुन्द्री सतहबाट उचाई, तापक्रम, आद्रता, हावा वहावको दिशा तथा लगाउने जातमा विचार पु-याउनु पर्दछ । साथै प्लाष्टिक घर बनाउँदा लगाउने विरुवाको लागि आवश्यक तापक्रम, आद्रता हावाको सन्चार जस्ता कुरामा ध्यान दिन अत्यावश्यक छ ।
- समुन्द्री सतहबाट उचाई कम भएको ठाउँ छ भने सामान्यतया तापक्रम बढी हुने हुँदा घर अग्लो साथै भेन्टिलेसन भएको बनाउनु पर्दछ । बढी उचाई भएको ठाउँमा तापक्रम कम हुने हुँदा तापक्रम बढाउन प्लाष्टिक घर होचो बनाउनु पर्दछ । क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्र मालेपाटनले गरेको सिफारिस अनुसार यदि वाँसको प्लाष्टिक घर बनाउने हो भने ८०० देखि ११०० मिटर सम्मको समुन्द्री सतहवाटको उचाईमा धुरी खाँवाको उचाई ४ मी र छेउको खाँबा ३ मिटर, ११०० देखि १४०० सम्म धुरी खाँवा ३.५ र छेउको २.५ मी र १४०० देखि १९०० मी सम्म धुरी खाँबा ३ मी र छेउको खाँबा २ मी कायम गर्दा गोलभेंडा, काँक्रा लगायतका तरकारी सफलता पूर्वक बेमौसमा उत्पादन गर्न सकिन्छ ।
- बढी गर्मी हुने ठाउँहरूमा प्लाष्टिक घर निर्माण गर्दा हावा ओहोर दोहर गर्ने ठाउँ (Ventilation) भएको बनाउनु पर्दछ । यसो गर्दा तापक्रम र आद्रता नियन्त्रण गर्न सहज भई रोग तथा कीराको प्रकोपलाई न्युनिकरण गर्न सकिन्छ । अत्याधिक चिसो हुने क्षेत्रमा प्लाष्टिक घर निर्माण गर्दा तापक्रम बढाउन गुमोज आकारको प्लाष्टिक घर निर्माण गर्नु पर्दछ ।
- तापक्रम र आद्रता नियन्त्रण गर्न प्लाष्टिक घरको आकार धेरै ठूलो बनाउन हुँदैन (ठाउँको उपलब्धता अनुसार ५ देखि ६ मी चौडाई र १० देखि २५ मी. लम्बाई भएको घर उपयुक्त हुन्छ यदि ठुलो घर बनाउन परेमा हावा सन्चार गर्न पंखाहरूको ब्यवस्था गर्न जरुरी हुन्छ । साथै नियमित रूपमा तापक्रम र आद्रताको अनुगमन गर्न जरुरी हुन्छ ।
- प्लाष्टिक घर बनाउँदा छानाको उपयुक्त स्लोप मिलाउन आवश्यक हुन्छ अन्यथा प्लाष्टिकमा पानी तथा असिनाले क्षति पुर्याउने संभावना हुन्छ ।

तरकारी बालीको खेती गर्दा ध्यान दिनुपर्ने कुरा

बाह्रै महिना एवं लगातार प्लाष्टिक घर भित्र एउटै तरकारी बालीको खेती गर्दा रोग तथा कीराको प्रकोप बढ्न जानुको साथै माटोको अबस्था पनि बिग्रन जाने हुदाँ एउटा तरकारी बाली लगाएपछि भटामास, बोडी लगायतको कोसेबाली परिवारको बाली लगाइ फुल फुल्ने अबस्थामा पुगेपछि माटोमा जोतेर छोडिदिनु राम्रो हुन्छ । एकचोटि तरकारी लिइसकेपछि चैत्र देखी जेष्ठ महिनाको पानी नपर्ने तथा बढी गर्मी हुने सिजनमा प्लाष्टिक घरको प्लाष्टिक हटाएर सयपत्री फूल वा तोरी रोपी १-१.५ महिनाको भएपछि माटोमा मिलाइ पारदर्शी प्लाष्टिकले ३० देखी ४२ दिनसम्म हावा नछिर्ने गरी छोपेमा निमाटोड तथा अन्य माटोमा रहेका कीरा तथा रोगका जिवाणुलाइ नियन्त्रण गर्न सहयोग गर्दछ । प्लाष्टिक घरमा तरकारी लगाउँदा बजारको माग तथा मुल्यको विचार गर्नाको साथै वाली विशेष तापक्रम तथा आद्रताको आवश्यकता, परागसेचनको आवश्यकता र संरचनाको प्रकारलाइ ध्यानमा पुर्याइ सस्तोमा उत्पादन गर्न सकिने वाली रोजन जरुरी हुन्छ ।

केही वालीहरूको मोवायल एप्स एन्ड्रोइड अपरेटिङ्ग सिस्टम भएको मोवाइलमा इन्टरनेट जोडी प्ले स्टोरमा गएर Tomato Nepal, Cucurbits Nepal र Kausi Kheti Nepal टाइप गरी Download गरेर Install गर्न सकिन्छ

1. Kausi kheti app (<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.kausikheti>)
2. Tomato app (<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.tomato.Nepal>)
3. Cucurbits app (<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.dwn.cucurbits.nepal>)

संरचना निर्माण लागत

हाल नेपालमा माथि उल्लेखित ६ प्रकारका संरचना निर्माण प्रति बर्ग मिटरको आधारमा विभिन्न निजी सेवा प्रदायक कम्पनिले गरिरहेका छन् । संरचना निर्माणमा स्थानिय आबहावाको विचार गरी विरुवा बृद्धि विकासका लागि आवश्यक तापक्रम, आद्रता तथा सूर्यको प्रकाश र हावाको सन्चार हुन सक्ने र सकभर कम खर्चमा निर्माण गर्न सकिने निर्माण गर्नाको साथै प्रति इकाइ वढी उत्पादकत्व दिन सक्ने जात तथा प्रविधिको अबलम्बन (थोपा सिचाइ, प्लाष्टिक मल्च आदि) गर्न सक्ने गरी कृषकले ध्यान दिएमा कम लागतमा बढी प्रतिफल लिन सकिन्छ । संरचनाका लागतमा बाटोको सुविधा, सेवा प्रदायकवाटको दुरी, आवश्यक पर्ने संरचनाको किसिम तथा सुविधाहरू लगायतले प्रभाव पार्ने हुनाले आफुलाइ पायक पर्ने स्थानको कृषि प्रविधिकको सल्लाहको आधारमा प्रविधि छनौट गर्न आवश्यक हुन्छ ।

सम्झनुपर्ने कुरा: प्लाष्टिक घर बेमौसमी तरकारी उत्पादनको पूर्वाधार हो यदि बढी उत्पादन तथा आमदानी लिने हो भने बाली अनुसार तापक्रम तथा आद्रताको ब्यवस्थापन, उपयुक्त तरकारीको जातको छनौट, सिफारिस बाली ब्यवस्थापन प्रविधिको अबलम्बन तथा बजारको माग अनुसारको उत्पादन गर्न आवश्यक हुन्छ ।

स्रोत : अरुण काफ्ले, तरकारी वाली विकास केन्द्र खुमलटार, २०७५

२०.१ प्लाष्टिक पोखरी निर्माण

परिचय

सिंचाईको सुविधा नपुगेको क्षेत्रहरूमा कम लागतमा वर्षातको पानी संकलन र जमिनमा बगेको भल पानीका साथै घर र गोठरगुहालीमा परेको आकाशे पानीलाई संकलन गरी कृषकहरूलाई सिंचाई सुविधा उपलब्ध गराउन अनुदान सहयोग दिई कृषक वर्गमा राहत पुर्याउन प्लाष्टिक पोखरी निर्माण कार्य गर्न गराउन कृषि विभागले प्लाष्टिक पोखरी निर्माण कार्यविधि तथा नर्मस् २०७० कार्यान्वयनमा ल्याएको छ। प्रति प्लाष्टिक पोखरी २ देखि ३ रोपनी वा सो भन्दा बढी जमीनमा सिंचाई हुने गरी नेपाल सरकारको तर्फबाट प्लाष्टिक सिट र अन्य आवश्यक सामग्री खरिदको लागि अनुदान सहयोग र उपभोक्ताको तर्फबाट पोखरी निर्माणको लागि खाडल खन्ने लगायत अन्य कामको लागि आवश्यक खर्च उपलब्ध गराई निर्माण गर्न सकिनेछ।

प्राविधिक पक्षहरू

- माटोको किसिम अनुसार प्लाष्टिक पोखरीको आकार निर्धारण गरिन्छ।
- खाडलमा प्लाष्टिक बिछ्याउनु अघि माटोलाई हिल्याई १५ सेन्टीमीटरजति ढुङ्गा रहित लेसिलो माटोले लेपन गर्नु पर्छ।
- पोखरीमा चाहिने प्लाष्टिकको मोटाई २०० देखि २५० जी.एस्.एम. Gram per square meter को सिलपोलिन प्लाष्टिक हुनु पर्नेछ।
- प्लाष्टिकको रङ्ग निलो हुनु पर्नेछ।
- पोखरीको माथिल्लो सतहको लम्बाई र चौडाईभन्दा पिंघको लम्बाई र चौडाई लगभग आधा मिटर कम हुनु पर्दछ।
- पोखरीमा पानी भरिएपछि व्यवस्थित निकास दिनका लागि ढिलको कुनै स्थानमा १५ सेन्टीमीटर गहिरो नाली बनाउनु पर्छ।

आर्थिक पक्षहरू

- उपभोक्ताले आफ्नै पहलमा रकम नगद वा श्रमदान वा जिन्सी वा तिनै थरीको सहयोगमा इन्जिनियरिङ्ग तालिम प्राप्त प्रा.स./ना.प्रा.स. वा लागत ईष्टिमेट गराई खाडल खन्नु पर्नेछ।
- जिल्ला कृषि विकास कार्यालयबाट कृषक समूह/कृषि सहकारी संस्था/उपभोक्ता समितिलाई अनुदान सहयोग नगद वा सो बराबरको सामग्रीहरू – प्लाष्टिक सिट, गटर, पाइप तथा अन्य आवश्यक निर्माण सामग्रीहरू) उपलब्ध गराउनेछ।

२१. कृषि इंजिनियरिङ्ग महाशाखा, खुमलटारबाट तिकसित तथा व्यवसायिक रूपबाट उत्पादित कृषि औजार/उपकरणहरू

| क्र.सं. | मैसिनको नाम | मैसिनको काम | किसिम | क्षमता | मान्यता प्राप्त उत्पादक |
|---------|---|--|--|--|---|
| १ | कादो चुटने र फलने मैसिन (Millet thresher) | कादो चुटने र फलने | खुट्टाले चलाउने बिजुलीको मोटरबाट | एक घण्टामा ४० देखि ६० के.जी. सम्म कादो चुटन र फलन सकिने एकघण्टामा ६० देखि ८० के.जी. सम्म कादो चुटन र फलन सकिने | जे.बी. वर्कशप, ग्वाको, ललितपुर फोन नं. ९८४१२३१३४६ |
| २ | मकै छोड्याउने मैसिन (Corn sheller) | मकै छोड्याउने | हातले चलाउने | १५के.जी. प्रतिघण्टा | जे.बी. वर्कशप, ग्वाको, ललितपुर फोन नं. ९८४१२३१३४६ |
| ३ | मकै रोप्ने मैसिन (lab seeder) | मकैको बीउ र मल एकै साथ रोप्ने। खनजोत नगरेएको जग्गामा पनि मकै लगाउन सकिने। | हातले चलाउने | एक घण्टामा १ रोपनी सम्म रोप्न सकिने | जेन्यून इंजिनियरिङ्ग वर्कशप, ग्वाको, ललितपुर फोन नं. ९८४१२११२२३ |
| ४ | धानको झार गोड्ने मैसिन (Paddy weeder) | लाइनमा रोपेको धान खेत मा झारलाई उखेली माटोमा नै मिलाइदिने | हातले चलाउने | एक रोपनी धान खेतमा यस मैसिनको प्रयोगले ५/६ घण्टामा गोड्न सकिने | जे.बी. वर्कशप, ग्वाको, ललितपुर फोन नं. ९८४१२३१३४६ |
| ५ | बीउ सफा गर्ने मैसिन (Seed cleaning machine) | यस मैसिनबाट रायो, मूला, केराउ, रामतोरीया, भटमास, सिमीको बीउ सफा गर्न सकिने | हातले चलाउने | प्रतिघण्टा ६० देखि ८५ के.जी. बिऊ सफा गर्न सकिने | जेन्यून इंजिनियरिङ्ग वर्कशप, ग्वाको, ललितपुर फोन नं. ९८४१२११२२३ |
| ६ | एइडि काफि पल्पार (Coffee pulper) | काफिको बोक्रा छोडाउने | हातले चलाउने | ६० के.जी. प्रतिघण्टा | जे.बी. वर्कशप, ग्वाको, ललितपुर फोन नं. ९८४१२३१३४६ |
| ७ | हलुका धान/गहुँ झार्ने थ्रेसर (Light weight rice/Wheat pedal thresher) | धान, गहुँ चुटने | खुट्टाले चलाउने बिजुलीको मोटरबाट खुट्टाले चलाउने | १,०० देखि १२० के.जी. प्रतिघण्टा १,२० देखि १५० के.जी. प्रतिघण्टा गहुँको लागि ४५ देखि ५०के.जी. प्रतिघण्टा चुटन सकिने धानको लागि ७५ देखि ८० के.जी. प्रतिघण्टा चुटन सकिने | जेन्यून इंजिनियरिङ्ग वर्कशप, ग्वाको, ललितपुर फोन नं. ९८४१२११२२३ |

| क्र.सं. | मैसिनको नाम | मैसिनको काम | किसिम | क्षमता | मान्यता प्राप्त उत्पादक |
|---------|---|--|---|---|--|
| ८ | यूरिया मोलासिस ब्लक बनाउने प्रेस | यूरिया मोलासिस ब्लक बनाउने | हातले चलाउने | १.६x१.२x६ से.मी. को ब्लक एकै पटक तिन वटा बनाउन सकिने | जे.बी. वर्कशप, ग्वाको, ललितपुर फोन नं. ९८४१२३९३४६ |
| ९ | अदुवा सफा गर्ने मैसिन (Ginger washer) | अदुवा सफा गर्ने | विजुलीको मोटरबाट | ४०० कि.लो. प्रतिघण्टा | जेन्यून इन्जिनियरिङ्ग वर्कशप, ग्वाको, ललितपुर फोन नं. ९८४१२३९२२३ |
| १० | सुधारिएको फलामे हलो (Improved metallic plough) | खेतवारी जोत्ने | पशु चालित | परम्परागत हलोको तुलनामा १.५ देखि २ गुणा बढी खेत वारी जोत्न सकिने | |
| ११ | प्लाष्टिकको पोखरी (Plastic pond) | वर्षातको पानी संकलन गर्नको लागि | २५० देखि ३५० जी.एस.एम.को रंगीन सिल्पाडलीन प्लाष्टिक | ६,००० लि. क्षमताको पोखरीको पानीले करिब २ देखि ३ रोपनीको जमिनमा तरकारी खेती गर्न सकिने | |
| १२ | वारीको झार उखल्ने औजार (Dry Land Weeder) | झारपात उखल्ने को साथै गोडमेल गर्न सकिने | हाते औजार | एकजना ज्यामीले १ दिनमा २ देखि २.५ रोपनी खेतवारीको गोडमेल गर्न सकिन्छ। | गुरु श्री एग्रीकल्चर प्रा.लि. बनेपा ९८४९९९९१९१ |
| १३ | सोलार टनेल ड्रायर (Solar Tunnel Dryer) | कृषि उपजहरू जस्तै स्याउ, च्याउ, मसला, कफि, अदुवा, वेसार इत्यादि सुकाउन उपयोगी। | घामको शक्ति प्रयोग गरेर | ५.५x२.४ मिटर साइजको ड्रायरमा १५० देखि २०० के.जी. एकपटकमा सुकाउन सकिने | |
| १४ | झुसे चुलो (Rice husk Stove) | धानको भुसलाई इन्धनको रूपमा प्रयोग गरी खाना पकाउन सकिने | घरायसी प्रयोजन | १३०० वाट तापिय क्षमता, २३ प १३०० वाट तापिय क्षमता, २३ प्रतिशत दक्षता | |
| १५ | सुधारिएको प्लाष्टिकको घर (Improved Plastic house) | बेमौसमी (बर्षायाम र हिउँदमा पनि तरकारी खेती गर्न सकिने | सिलपोलिन प्लाष्टिक को प्रयोग | समुद्र सतहबाट ६.०० देखि १.२०० मिटर उचाइमा रहेका ठाउँहरूको लागि उपयुक्त हुने | |

| क्र.सं. | मैसिनको नाम | मैसिनको काम | किसिम | क्षमता | मान्यता प्राप्त उत्पादक |
|---------|---|---|------------------------------------|--|------------------------------------|
| १६ | हाते भुसा काट्ने मैसिन (Manual chaff cutter) | हरियो र मुक्रेको भुसा काट्ने | हाते औजार | ३० देखि ३५ कि.लो. प्रतिघण्टा | |
| १७ | मल्टि-याक सोलार ड्रायर (Multi Rack Solar Dryer) | कृषि उपजहरु जस्तै माछा मासु तरकारी स्याउ च्याउ कफि मसला अदुवा बेसार इत्यादि सुकाउन उपयोगि | साना व्यावसायिकहरुको लागि | एकपटकमा २५ के.जी. सम्म १ देखि १.५ दिनमा सुकाउन सकिने | सनवक्स प्रा.लि. , बल्बु ९८५१०४८९७१ |
| १८ | ध्याचो सोलार ड्रायर (Low cost Solar Dryer) | कृषि उपजहरु जस्तै माछा, मासु, तरकारी, स्याउ, च्याउ, कफि, मसला, अदुवा, बेसार इत्यादि सुकाउन उपयोगि | साना किसान र दुर्गम क्षेत्रको लागि | एकपटकमा १० के.जी. सम्म १ देखि २ दिनमा सुकाउन सकिने | |

स्रोत: कृषि इन्जिनियरिङ्क महाशाखा, खुमलटार ललितपुर २०७५

कृषि उपज बजार संचालक समिति

| क्र.सं | स्थान | फोन नं. |
|--------|------------------------|------------------------------------|
| १ | वितर्तामोड, झापा | ०२३-५४०००२, ९८०४९०४४३ |
| २ | धरान, सुनसरी | ०२५-५२९९३४, ९८४२१३५६१९ |
| ४ | लालबन्दी, सर्लाही | ०४६-५०१०४७, ९८४९२४५६३३ |
| ५ | नवलपुर, सर्लाही | ०४६-५७०२२८, ९८३७१४३८६१ |
| ६ | ढल्केबर, धनुषा | ०४१-५६००५८, ९८४४०२२६८९, ९८६९१८७०६९ |
| ७ | सिन्धुलीमाडी, सिन्धुली | ०४७-५२०४५४, ९८४४०९५०८३ |
| ८ | बर्दिबास, महोत्तरी | ०४४-५५०१७९, ९८६४०५२०२७ |

| क्र.सं | स्थान | फोन नं. |
|--------|---------|------------|
| ९ | बुटवल | ९८५७०३६५६ |
| १० | सुर्खेत | ९८४८०७५८२५ |
| १२ | कोहलपुर | ९८५८०३४०३० |

कृषि थोक वजारहरूको विवरण

| क्र.स | थोक बजारको नाम | जिल्ला | फोन नं. | मोबाइल नं |
|-------|--|-----------|-------------------|-----------------------|
| १ | कालिमाटी फलफूल तथा तरकारी थोक बजार, काठमाडौं | काठमाण्डौ | ५१२३१२८/५१२३०८६ | |
| २ | कृषि उपज थोक बजार, विर्तामोड | झापा | ०२३-५४०००२/४५५०५६ | ९८५२६७९१५५ |
| ३ | कृषि उपज थोक बजार, धनान | सुनसरी | ०२५-५६०१२४ | ९८४२१३६१९/९८४२०२६०२८ |
| ४ | कृषि उपज थोक बजार, ढल्केबर | धनुषा | ०४१-५६००५८ | ९८०४८२३४८४६ |
| ५ | कृषि उपज थोक बजार, बर्दिवाम | महोत्तरी | ०४४-५३०१७९ | |
| ६ | कृषि उपज थोक बजार, लालबन्दी | सर्लाही | ०४६-५०१०४७ | ९८४४०३२९३७/९८४४२०५७०३ |
| ७ | कृषि उपज थोक बजार, नवलपुर | सर्लाही | ०४६-५७०२२८ | ९८४४०३४३३४ |
| ८ | कृषि उपज थोक बजार, चरिकोट | दोलखा | ०४९-४२०११३० | ९८४४०५९९५६ |
| ९ | कृषि उपज थोक बजार, सिन्धुलीमाढी | सिन्धुली | ०४७-५२०४५४ | ९८४४०४५५०० |
| १० | कृषि उपज थोक बजार नारायणघाट | चितवन | ०५६-५७०५७२ | ९८५५०५६६९१ |
| ११ | कृषि उपज थोक बजार, धुषा | धादिङ्गा | ०१०-५२०१२८ | ९८०८९८३३०४/९८०८६६६९१७ |
| १२ | कृषि उपज थोक बजार, पोखरा | कास्की | ०६१-५३२५९२ | ९८५६०२१४१४ |
| १३ | कृषि उपज थोक बजार, त्रियासी | स्याङ्जा | ०६३-४२०१३० | ९८४१३१६८९९/९८४१३१७६९९ |
| १४ | कृषि उपज थोक बजार कावासोती | नवलपरासी | ०७८-५२०१२६ | ९८५७०४००६९ |
| १५ | कृषि उपज थोक बजार, बुटवल | राम्पेही | | ९८५७०३१०९४/९८४७०२४१६९ |
| १६ | कृषि उपज थोक बजार, मदनपोखरा | पाल्पा | ०७५-५२०१४४ | ९८५७०६०२६१ |
| १७ | कृषि उपज थोक बजार, कपुरकोट | सल्यान | ०८८-५२०१३० | ९७५८५००४७८ |
| १८ | कृषि उपज थोक बजार, घोराही | दाङ्गा | ०८२-५६००२५ | ९८४७८४९८४६/९८४७८५५६८७ |
| १९ | कृषि उपज थोक बजार लम्ही | दाङ्गा | ०८२-५४०५८१ | |
| २० | कृषि उपज थोक बजार, कोहलपुर | बाँके | ०८१-५४१८४० | ९८५८०३३३४१/९८४८०३४०३० |
| २१ | कृषि उपज थोक बजार, सुर्खेत | सुर्खेत | ०८३-५२०३०५ | ९८४८०४७०६६/९८४८२३१४३१ |
| २२ | कृषि उपज थोक बजार, अत्तरिया | नैलाली | ०९१-५५१२४/५२१२२७ | |

प्राईभेट वजारहरु

| क्र.सं. | कृषि उपज बजारको नाम | बजारको प्रकृति | बजारको अध्यक्ष/ सदस्यको नाम | जिल्ला | फोन नं. |
|---------|--------------------------------|-----------------|-----------------------------|----------|------------|
| १ | श्री कम्पलेक्स प्रा.लि., पोखरा | थोक बजार | श्री झलक श्रेष्ठ | कास्की | ९८५६०२९८४८ |
| २. | वल्खु कृषि बजार | थोक बजार/खुद्रा | | काठमाडौं | ९८५१०४५५९९ |
| ३ | कृषि वजार, खसीबजार, कलंकी | थोकबजार | | काठमाडौं | |
| ४. | कृषि बजार, नयाँ वानेश्वर | थोकबजार | | काठमाडौं | |

नोट: सामाग्रीहरुको मूल्य स्थान अनुसार फरक पर्ने गर्दछ ।

सम्झनुपर्ने कुरा: प्लाष्टिक घर बेमौसमी तरकारी उत्पादनको पूर्वाधार हो यदि बढी उत्पादन तथा आम्वानी लिने हो भने उपयुक्त तरकारीको जातको छनौट, सिफारिस बाली व्यवस्थापन प्रविधिको अवलम्बन तथा बजारको माग अनुसारको उत्पादन गर्न आवश्यक हुन्छ ।

११. पशुपालन/पशु स्वास्थ्य

पशुपन्छीको सामान्य तापक्रम, नाडी र श्वास-प्रश्वास गति

| पशुपन्छी | तापक्रम | | नाडी/मिनट | श्वासप्रश्वास/मिनट |
|----------|-----------------|-----------------|-----------|--------------------|
| | डिग्री सेल्सियस | डिग्री फरेनहाइट | | |
| गाई | ३८.२-३८.९ | १०१-१०२ | ४०-६० | १२-१८ |
| भैंसी | ३८.३-३९.९ | १०१-१०२ | ४०-६० | १२-१८ |
| घोडा | ३८.०-३८.३ | १००.४ -१००.८ | ३०-४० | ८-१६ |
| भेडा | ३९.४-४०.० | १०३ -१०४ | ५५-७५ | २०-३० |
| बाख्रा | ३९.४-४०.० | १०३ -१०४ | ५५-७५ | २०-३० |
| बंगुर | ३७.९-३८.४ | १०२ -१०३ | ६०-७५ | २०-३० |
| खरायो | ३८.०-३८.५ | १०१ -१०२ | १२३ -३०४ | ३६-५० |
| कुकुर | ३८.३-३८.९ | १०१ -१०२ | ९०-१२० | २०-४० |
| विरालो | ३८.३-३८.९ | १०१ -१०२ | १०० -१२० | २०-३० |
| कुखुरा | ४१.१-४१.७ | १०६ -१०७ | १२० -१६० | १५ -६० |

निरोगी र रोगी पशुहरु बीच भिन्नता

| क्र.सं. | विवरण | निरोगी पशुहरु | रोगी पशुहरु |
|---------|---------------|-------------------------|---|
| १ | पशुको रुप/चाल | राम्रो, सतर्क, फुर्तिलो | झसिलो, फुर्तिलो नभएको |
| २ | टाउको | उठेको वा ठाडो हुन्छ | झुकेको हुन्छ |
| ३ | आँखा | पुरा खुलेको, चम्किला | आधा खुलेको, कचेरा लागेको, कोषहरु बढी रातो |

| क्र.सं. | विवरण | निरोगी पशुहरु | रोगी पशुहरु |
|---------|-------------------------------|-----------------------------|---|
| ४ | नाक/मुख | सामान्य | -याल/सिंगान बगेको |
| ५ | पशुलाई बोलाउँदाको प्रतिक्रिया | छिटो प्रतिक्रिया दिन्छ | ढिलो गरी टेर्छ |
| ६ | गोबरको कडापन | सामान्य | बढी कडा वा पातलो, गन्हाउने, रगत मिसिएको |
| ७ | छाला | नरम/सामान्य | खस्रो, रौं ठाडो भएको |
| ८ | कान | ठाडो/सामान्य | लत्रेको, कानबाट पीप बगेको |
| ९ | थुत्नो | ओसिलो | सुख्खा |
| १० | दानापानीमा रुचि | सामान्य | कम खाने/खाँदैनखाने |
| ११ | नाडीको गति | सामान्य (४०-६० प्रति मिनेट) | बढ्ने वा घट्ने |
| १२ | श्वासप्रश्वास | सामान्य (२०-२८ प्रति मिनेट) | श्वास फेर्न अप्ठ्यारो गर्ने/खोकने, गति बढ्ने वा घट्ने |
| १३ | शरिरको तापक्रम | सामान्य (१०२ फरेनहाइट) | प्रायः बढ्ने |
| १४ | उग्राउने (पाहुर झिक्ने) | पाहुर झिक्छ | पाहुर झिक्दैन |

२२.१ गाईका जातहरु

(क) नेपालमा पाईने स्थानीय गाईका जातहरु:

| गाईका जात | उत्पत्ति | विशेषताहरु |
|-------------|---|---|
| १.अछामी गाई | यस गाईको उत्पत्ति अछाम जिल्लामा भए पनि बझाङ, बाजुरा र डोटीमा समेत पाइन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> संसारको सबैभन्दा सानो गाई हो । यसलाई नौ मुट्टे गाईको नामले पनि चिनिन्छ । यसको रंग कालो देखि सेतो, खैरो, खरानी, टाटेपाटे आदि हुन्छ । शारिरीक तौल १२० देखि १५० के.जी. सम्म हुन्छ । दैनिक दूध उत्पादन १.५ देखि २ लिटर र बढीमा ४ लिटर सम्म दूध दिन्छ । |
| २.लुलु गाई | यस गाईको उत्पत्ति मुस्ताङ जिल्लामा भए पनि मनाङ र डोल्पा मा समेत पाइन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> यो जुरो नभएको उच्च हिमाली भेगको सुख्खा चिसो हावापानीमा हुर्कन सक्ने गाई हो । यसको होचो कद, लामो पुच्छर, छोटा खुट्टा, बाक्ला रौं हुन्छन । वयस्क भालेको शारिरीक तौल १५० देखि २२५ के.जी. सम्म र माउको शारिरीक तौल १२० देखि १६० के.जी सम्म हुन्छ । दैनिक दूध उत्पादन औसत १.६ लिटर सम्म दूध दिन्छ । |
| ३.खैला गाई | यस गाईको उत्पत्ति सुदूरपश्चिम प्रदेशको पहाडी जिल्ला खासगरी बैतडी, डडेल्धुरा, डोटी जिल्लामा पाइन्छ । | <ul style="list-style-type: none"> यसको साढे तथा गोरु रिसालु स्वभाव, सिङ सिंघार र माथितिर फर्केको, शरिर बलियो भएको, मालसमान बोक्न र खेत जोत्नको लागि उपयुक्त जात हो । अन्य स्थानीय जातका गाईहरु भन्दा ठुलो शरिर हुन्छ । यसको गर्भधारण अवधि २८८ दिनको हुन्छ । यसले ३०५ दिनको दुहुनो अवधिमा दैनिक औसत दूध उत्पादन २.५ लिटर दिन्छ । |

| गाईका जात | उत्पत्ति | विशेषताहरू |
|---------------------------|--|--|
| ४.पहाडी गाई | पहाडी क्षेत्र | <ul style="list-style-type: none"> यो गाई मध्य पहाडको लागि उपयुक्त, प्राय कालो रंग, दूध उत्पादन क्षमता कम भएको, विषम हावापानीमा हुर्कन सक्ने सानो कदको गाई हो । यो ४ वर्षको उमेरमा बयस्क भई ५ वर्षको उमेरमा पहिलो वेत व्याउछ । गर्भधारण अवधि २७५ दिनको हुन्छ । यसले २४० दिनको दुहुनो अवधिमा औसत दैनिक दूध उत्पादन १.१ के.जी. हुन्छ । |
| ५.तराई गाई | तराई क्षेत्र | <ul style="list-style-type: none"> तराईको समथर भू भागको लागि उपयुक्त गाईको जात हो । प्रायः सेतो रंग, दूध उत्पादन क्षमता कम भएको, मध्यम कदको, कान सिधा, बलियो र गर्मी हावापानीको लागि उपयुक्त गाई हो । यसको औसत शारीरिक तौल २१० के.जी.सम्म हुन्छ । यसको गर्भधारण अवधि २९६ दिनको हुन्छ । यसले २४६ दिनको दुहुनो अवधिमा औसत दैनिक दूध उत्पादन २.१ के.जी. हुन्छ । |
| ६.सिरी गाई (लोपउन्मुख) | पूर्वी पहाडको ,खासगरी ईलाम जिल्ला | <ul style="list-style-type: none"> पहाडको लागि उपयुक्त गाईको जात हो । कालो देखि सेतो रंग, दूध उत्पादन क्षमता राम्रो भएको, चौडा र च्याप्टो निधार, कान सानो र अगाडि निस्केको,धोरै माथी फर्केको तिखो सिङ हुन्छ । गर्भधारण अवधि २९५ दिनको हुन्छ । यसले २६८ दिनको दुहुनो अवधिमा औषत दैनिक दूध उत्पादन ४.५ के.जी. हुन्छ । |
| ७.याक | हिमाली क्षेत्र (समुद्र सतहबाट ३००० देखि ४५०० मिटर उचाई सम्म) | <ul style="list-style-type: none"> यसको भालेलाई याक र पोथिलाई नाक भनेर चिनिन्छ । यसको दूध उत्पादन क्षमता कम भएपनि चिल्लो पदार्थ ६.६ % सम्म हुन्छ । यसको काध सिधा, रौ लामा, सिङ्ग तिखो, लामो र बलियो , अत्यधिक चिसो सहन सक्ने क्षमता हुन्छ । यसको गर्भधारण अवधि २५२ देखि २५५ दिनको हुन्छ । नाकलाई व्याएको दुई महिना सम्म दुहिदेन नवजात बाछाको लागि छोडिन्छ र त्यसपछि मात्र दुहिन्छ । यसले १६७ दिनको दुहुनो अवधिमा औसत दैनिक दूध उत्पादन १.३ के.जी. हुन्छ । वयस्क याकको शारिरीक तौल औषत ३५५ के.जी. र नाकको अधिकतम ३२५ के.जी. सम्म हुन्छ । |

| गाईका जात | उत्पत्ति | विशेषताहरु |
|-------------|---|--|
| ८. चौरी गाई | उच्च पहाडी क्षेत्र (९ हजार देखि १५ हजार फिट सम्म) | <ul style="list-style-type: none"> चौरीबाट चौरी जन्मदैन र चौरी उत्पादनको लागि शुद्ध जातको याक नाक आवश्यकता पर्दछ । शुद्ध जातको भालेलाई याक र पोथीलाई नाक भनिन्छ भने वर्णशंकरलाई चौरी भनिन्छ । चौरीको भालेलाई झोपा भनिन्छ । यो नपुंसक हुन्छ , भारी बोक्ने र खेत जोत्न प्रयोग गरिन्छ । चौरीको पोथीलाई झुमा भनिन्छ यो उत्पादनशील हुन्छ । यसले दैनिक ४ लिटर सम्म दूध दिन्छ । |
| | | <ul style="list-style-type: none"> नाक र स्थानीय जातको बहरको क्रसवाट जन्मेको डिम्जो चौरी र याक र स्थानीय गाईको क्रसवाट जन्मेको लाई उराङ्ग चौरी भनिन्छ । डिम्जो चौरी उचाईमा गएर चर्न सक्ने, ठण्डी सहन सक्ने र दूध उत्पादन राम्रो दिन्छ । उराङ्ग चौरी उचाईमा गएर चर्न नसक्ने, ठण्डी सहन नसक्ने र दूध उत्पादन कम हुन्छ । |

(ख) नेपालमा पाईने उन्नत गाईका जातहरु:

| गाईका जात | उत्पत्ति | विशेषताहरु |
|-----------------------|--|--|
| १. जर्सि गाई | यसको उत्पत्ति बेलायत को जर्सि टापुमा भएको हो । | <ul style="list-style-type: none"> यो करिव त्रिभुजाकार, रंग प्रायः रातो, खैरो वा कालो, डडाल्नु सिधा, फाँचो र थुन ठुला, टाउको विचमा खोप्रो परे जस्तो, अनुहार छोटो र यसको भाले रिसालु हुन्छ । साढेको शारिरीक तौल ६७५ के.जि. र माउको तौल ४५० के. जि. हुन्छ । प्रतिवेत प्रति जनावर दूध उत्पादन ५००० देखि ६००० लिटरसम्म हुन्छ । |
| २. होलिस्टीन फ्रिजियन | यसको उत्पत्ति नेदरल्याण्डको फ्रिजल्याण्डमा भएको हो । | <ul style="list-style-type: none"> यो गाई संसारकै सवभन्दा बढी दुध दिने, सेतो, कालो, टाटेपाटे, ढाड अलि कुप्रेको, लामो र सांधुरो मुख, गाई सान्त स्वभावको र साढे हिंस्रक स्वभावको हुन्छ । साढेको शारिरीक तौल १००० के.जी र माउ ६७५ के.जी. सम्म हुन्छ । दुध उत्पादन प्रतिवेत ६५०० देखि ९००० लिटरसम्म भएतापनि ११००० लिटर भन्दा बढी दिएको पनि पाईन्छ । |
| ३. ब्राउन स्वीस गाई | यसको उत्पत्ति स्वीजरल्याण्डमा भएको हो । | <ul style="list-style-type: none"> यो गाई खैरो वा कालो रंगको, सुस्त र सोझो हुन्छ । प्रतिकुल मौसम खप्नसक्ने, डांडा कांडामा पनि पाल्न सकिने, गर्मिमा पनि पाल्न सकिने, |

| गाईका जात | उत्पत्ति | विशेषताहरु |
|----------------|--|---|
| | | <ul style="list-style-type: none"> शारिरीक तौल साढेको १०० के.जी. रमाउको ६२५ के.जी. सम्म हुन्छ । औसत दुध उत्पादन प्रतिवेत ५५०० लिटरसम्म पाईन्छ । |
| ४. साहिवाल गाई | यसको उत्पत्ति पाकिस्तानको मन्टगोमेरीमा भएको हो । | <ul style="list-style-type: none"> चाकलो निधार, छोटा खुट्टा, छोटा सिङ पछाडी फर्केका, निकै ठुलो र लगभग एकतर्फ ढल्केको जुरो तथा माल भएको हुन्छ । यसको रंग रातो र हल्का खैरो हुन्छ । यो एशियाको राम्रो दुधालु गाई हो । साढेको तौल ५०० के.जी र माउको तौल ३४० के.जी. हुन्छ । प्रतिवेत दुध उत्पादन १३५० लिटर हुन्छ । |
| ५. रेड सिन्धी | यसको उत्पत्ति पाकिस्तानको सिन्धु प्रान्तमा भएको हो | <ul style="list-style-type: none"> यसको रंग रातो कालो, बोधो सिङ्ग भएको धेरै ठुलो जुरो तथा मालभएको, दडिलो शरिर निकै शान्त प्रकृतिको, फाँचो ठुलो र तल झरेको हुन्छ । साढेको शारिरीक तौल ४५० के.जी. रमाउको ३०० के.जी. सम्मको हुन्छ । औसत दुध उत्पादन प्रतिवेत १५०० देखि २२०० लिटर हुन्छ । |
| ६. हरियाणा गाई | यसको उत्पत्ति भारतको हरियाणामा भएको हो । | <ul style="list-style-type: none"> यसको रंग सेतो, कसिलो र अग्लो शरिर हुन्छ । यसको साढे जोत्न र गाडा तान्न उपयुक्त हुन्छ । वयस्क गाईको तौल ५५० के.जी. हुन्छ । प्रतिवेत औषत दूध उत्पादन १२०० लिटर हुन्छ । |

२२.२ भैंसीका जात:

(क) नेपालमा पाईने स्थानीय जातका भैंसीहरु:-

| भैंसीका जात | उत्पत्ति | विशेषताहरु |
|-------------------|--|--|
| १. लिमे भैंसी | यसको उत्पत्ति गण्डकी प्रदेशको कास्की, स्याङ्गजा, पर्वत, वाग्लुङ्ग तनहुँ र लम्जुङ्गमा भएको हो । | स्थानीय भैंसी मध्ये सबैभन्दा सानो जातको भैंसी हो । यसको सिङ्ग धाँटी तिर घुमेको हंसिया आकारको हुन्छ । भैंसीको शारिरीक तौल औषत ३१० देखि ३१५ के.जी र यसको प्रतिवेत दूध उत्पादन १०४८ लिटर हुन्छ । यो भैंसीको संख्या घट्दो क्रममा भएकोले संरक्षणको लागि ध्यान पुर्याउन आवश्यक छ । |
| २. पार्कोटे भैंसी | यो जातको भैंसी मध्य पहाड देखि उच्च पहाडमा पाइन्छ । | यसको रंग कालो हुन्छ । तर कहिकहीं खैरो र हल्का खैरो रंगमा पाइन्छ । अनुहार लाम्चो, टाउको चेप्टो, सिङ्ग तरवार आकारको र शारिरीकको पछाडी भागतिर फर्केको हुन्छ । दूध उत्पादन प्रतिवेत १००० लिटर हुन्छ । |

| भैंसीका जात | उत्पत्ति | विशेषताहरू |
|-----------------|--|---|
| ३. गड्डी भैंसी: | यसको उत्पत्ति सुदूरपश्चिम प्रदेश पहाडी भेगमा भएको हो । | यसको रंग कालो र निधारमा सेतो थोप्ला तारो भएको कहिकतै खैरा र फिक्का रंगको हुन्छ । लामो अनुहार फराकिलो निधार र टाउको, सिङ्ग लामो अर्ध घुमाउरो, पूर्ण विकसित फांचो, दूधका नसा स्पष्ट देखिने हुन्छ । औषत शारिरीक तौल ४५२ के.जी. र दूध उत्पादन दैनिक ३.५ लिटर पाइन्छ । यसको संख्या घट्दो अवस्थामा रहेकोले संरक्षणमा ध्यान दिन आवश्यक छ । |

(ख) उन्नत जातको भैंसी:-

| भैंसीका जात | उत्पत्ति | विशेषताहरू |
|---------------|--|---|
| १. मुरा भैंसी | यसको उत्पत्ति भारतको हरियाणामा भएको हो । | यो निक्खर कालो शरिर, लामो घांटी, छोटो नजिकैबाट घुमेका कसिएको सिङ्ग, राम्रो विकसित भएको फांचा लामो पुच्छर र पुच्छरको बीचमा सेतो फुर्को हुन्छ । यसको शारिरीक तौल ४५० देखि ५०० के.जी र प्रतिवेद औषत दुध उत्पादन १५००देखि २५०० लिटर हुन्छ । |

२२.३ गाई भैंसीहरूमा लाग्ने प्रमुख रोगहरू

१. खोरेत (Foot and mouth disease)

कारण: विषाणु

लक्षणहरू:

- यो रोग लाग्दा एकदम बढी ज्वरो (१०४-१०६ डिग्री फरेनहाइट) आउँछ ।
- विस्तारै घाँसपात नखाने, झोक्राउने हुन्छ ।
- मुख वरिपरि विशेष गरी गिजा र जिब्रोमा स-साना फोकाहरू आउँदछन् ।
- यस सँगसँगै खुट्टाको खुरको कापमा पनि फोकाहरू आउँछन् पशु खुट्टा खोच्याएर हिड्छ र पछि लड्गडो हुन सक्छ ।
- मुख वरिपरि घाउ आउने भएको कारण -याल चुहाउँछ ।
- यस रोगले ठूला माउहरू भन्दा पाठापाठीलाई बढी असर पु-याउँछ ।
- कहिलेकाहीँ खोरेल रोगका कारण थुनेलोको समस्या पनि देखिन्छ ।
- ब्याउने माउहरूमा गर्भ तुहिने समस्या देखिनसक्छ ।

उपचार:

क) मुखको घाउलाई १ प्रतिशतको पोटास पानीले सफा गरिदिने वा फिटकिरी पानीले सफा गरिदिने ।

- ख) खुरका घाउलाई पोटास पानीले धोएर हिमैक्स वा लोरेक्जेन मलहम लगाउनुपर्छ वा २ प्रतिशत निलोतुथो ले घाउ सफा गर्न सकिन्छ ।
- ग) खुट्टाको घाउमा फिनेल प्रयोग गर्न पनि सकिन्छ ।
- घ) घाउहरूमा अन्य जिवाणु प्रवेश गरी सक्रमण नगरुन भन्नको लागि पशुलाई एन्टीबायोटिक सुई लगाउन सकिन्छ ।
- ङ) खोरेत देखिइ रहने ठाउँमा रोकथामको लागि खोरेत विरुद्ध खोप लगाउनुपर्दछ । ६ महिनाको उमेर पुगेपछि पहिलोपटक खोप लगाउने र प्रत्येक वर्ष दोहर्याउने । बढी देखिने ठाउँमा ६-६ महिनामा दोहोर्याउने ।

२. भ्यागुते (Hemorrhagic Septicemia)

कारण: एक प्रकारको जिवाणु

लक्षणहरू:

- उच्च ज्वरो आउने । (१०५ देखी १०७ डिग्री फरेनहाइट)
- घाँटी वरिपरिको भाग तथा जिब्रो सुनिने ।
- फिज काढ्ने ।
- सासफेर्न गाह्रो भई घ्यारघ्यार आवाज निकाल्ने ।
- कहिले काही रगत मिसिएको छेर्ने ।

रोकथाम र उपचार:

- वर्षायाम शुरू हुनु अगाडि प्रत्येक वर्ष पशुलाई खोप लगाउने ।
- रोगको लक्षण देखापरेको छ भने तुरुन्त प्राविधिकलाई देखाई उपचार गराउने ।

३. चरचरे (Black Quarter)

कारण: एक प्रकारको जिवाणु

लक्षणहरू:

- उच्च ज्वरो आउने (१०५ देखी १०७ डिग्री फरेनहाइट)
- विशेष गरी फिलाको मासंपेशी सुनिने र दुख्ने ।
- छाम्दा शुरूमा तातो हुने र पछि चिसो हुने र दुखाई पनि कम हुने ।
- सुनिएको ठाउँमा थिच्दा चरचर आवाज आउने ।

रोकथाम:

- पानी पर्ने समय अगाडी नै गाईवस्तुलाई खोपाउने काम गर्नुपर्दछ । बि.क्यू. पोलीभ्यालेण्ट भ्याक्सिन गाईभैसीमा ५ एम.एल. छाला मुनी (s/c) र पाडा बाच्छालाई ३ एम.एल. सोही तरीकाले दिनुपर्दछ । छ महिना नाघेको वस्तुलाई सुई दिनुपर्दछ । साथै यो सुई प्रत्येक साल दोहो-याउनुपर्दछ ।
- गहिरो खाडल खनी यो रोगबाट मरेको पशुलाई पुरिदिनुपर्दछ ।
- रोगी पशुलाई छुट्याएर राख्नुपर्दछ ।
- रोगी वस्तुले खाएको खाना पानी एवं घाँस निरोगी वस्तु भाउलाई नदिने तथा गोठलाई २% को फर्मालिन झोलले सफा गर्नुपर्दछ ।
- रोगको आशंका भएको चरन क्षेत्रमा बाच्छा/बाच्छी चराउनुहुँदैन ।

४. पट्के (Anthrax)

कारण: एक प्रकारको जिवाणु

लक्षणहरू:

- धेरैजसो कुनै लक्षण नदेखाई अचानक मर्ने ।
- ज्वरो आउने । (१०५ देखि १०७ डिग्री फरेनहाइट)
- सास फेर्न गाह्रो हुने ।
- आँखा रातो हुने ।
- पेट ढाडिने ।
- मरेपछि नाक, मुख, मलद्धार आदिबाट नजम्ने रगत बगेको हुन्छ ।

रोकथाम:

- धेरै रोग देखिने ठाउँमा पशु सेवा प्राविधिकको सिफारिसमा खोप लगाउने ।
- मरेका पशुलाई गहिरो खाडल खनेर गाड्ने । याद गरौं पट्केको शंका लागेको पशुलाई कहिल्यै पनि चिरफार गर्नुहुँदैन ।
- रोगी पशुलाई वथानबाट अलग्गै राख्ने ।
- रोगीको सम्पर्कमा आएको पशुलाई प्राविधिकको सल्लाहमा उपचार गराउने ।

५. थुनेलो (Mastitis)

कारण: यो धेरै कारणहरू हुनसक्छ जस्तै गोठ, पशु र दुहुने मानिसको सरसफाईको कमीले गर्दा विभिन्न, जिवाणुहरू, विषाणुहरू, दूसी, एक कोषिय परजीवी प्रोटोजोवा कल्चौडो वा शरीर भित्र प्रवेश गरेर ।

लक्षणहरू:

- अचानक थुन र कल्चौडो सुनिने, कडा, रातो र छाम्दा दुख्ने हुन्छ ।
- दुध बिग्रने, पातलो पानी जस्तो आउने, छोक्राहरू आउने र कहिलेकाहीं दूध पुरै नआउने हुन्छ ।
- ज्वरो आउने ।

रोकथाम:

- दूध दोई सकेपछि पोभिडिन आयोडिन ९ भाग र ग्लिसरिन १ भाग मिसाएको झोलमा थुनलाई केहि बेर डुबाउने ।
- गोठ, पशु, दूध दुहुने मानिसको र भाँडोको सरसफाईमा विशेष ध्यान दिने ।
- शंका लागेमा पशु विज्ञ केन्द्र वा पशुरोग अन्वेषण प्रयोगशालामा दूध जँचाउने ।
- थुनेलोको लक्षण देखिएमा कृषकले पहिला नबिग्रेको थुनबाट दूध दुहुने, त्यसपछि मात्र बिग्रेको थुनको दुहुने र बिग्रेको थुनको दूधलाई खाडलमा अन्यत्र लसपसन गरी गाड्ने । बिग्रेको थुनबाट पटक पटक दूध दुहे र फ्याक्ने ।
- अविलम्ब प्राविधिकलाई बोलाई उपचार गराउने । जथाभावी औषधीको प्रयोगले थुनेलो झन् जटिल बन्न सक्छ ।

प्रजननसँग सम्बन्धित समस्याहरू

६. बाँझोपन

कारणहरू:

- व्यवस्थापनमा कमजोरी: समय मिलाएर राँगो साँढे नलगाउनु वा कृत्रिम गर्भाधनको उचित समय नपहिल्याउनु (कराएको ८ देखि १८ घण्टाभित्र लैजानुपर्दछ ।)
- पोषण तत्वको कमी: प्रशस्त हरियो घाँसपात नपाएमा ।
- खनिज तत्वको कमी: विशेष गरी क्याल्सियम, फस्फोरस, फलाम, कोवाल्ड, तामा सेलेनियम जस्ता खनिज बढी महत्वपूर्ण हुन्छ ।
- भिटामिनको कमी: विशेषगरी भिटामिन ए, डि र ई बढी महत्वपूर्ण हुन्छन् ।
- नाम्ले, जुकाको समस्या बढी हुनु ।
- संक्रमण रोगहरूको कारण: जस्तै ब्रुसेलोसिस, ट्राइकोमोनियसिस आदि ।
- प्रजनन अंगहरूमा खराबी वा संक्रमण ।
- वंशाणुगत कारणहरू ।

व्यवस्थापन:

कारण पत्ता लगाई सोही अनुसार उपचार गराउनुपर्दछ ।

- बेलाबेलामा गोबर जचाई नाम्ले, जुकाको औषधि खुवाउने ।
- प्रशस्त हरियो घाँसपातहरू खुलाउने ।
- अन्य अवस्थामा प्राविधिकसँग सल्लाह गरी आवश्यकता अनुसार उपचार गर्ने ।

७. साल अड्कने समस्या

कारणहरू:

- शारीरिक कमजोरी
- संक्रामक रोगहरू जस्तै ब्रुसेलोसिस, भिट्रियोसिस आदि
- भिटामिन ई, सेलेनियम जस्ता खनिजको कमी
- पाठेघरको संक्रमण

व्यवस्थापन:

- साल झर्न सहयोग पु-याउन एकजापर जस्ता औषधिहरू शुरूको १०० मि.लि. र त्यस पछि विहान बेलुका ५० मि.लि. २-३ दिनसम्म दिन सकिन्छ ।
- व्यापछि खस्रो खालका घाँसहरू र अग्निसो जस्ता घाँसहरू खुवाउँदा साल झर्न सहयोग पुग्छ ।
- त्यति गर्दा पनि नझरेमा प्राविधिकलाई बोलाई साल झिक्न लगाउने । यदि पशुलाई ज्वरो आएको छ भने पहिला ज्वरोको उपचार गरेपछि मात्र साल झिक्नु वेश हुन्छ ।

८. भंडार फर्कने समस्या

कारणहरू

- ईस्ट्रोजन तत्व बढी भएको घाँसपात खुवाएमा वा दूसी परेको दानाहरू खुवाएमा ।
- पाठेघरमा असजिलो भई पशु बढी कनेमा ।

- पशुको पछाडितरको भाग बढी ओरालो भएमा सहयोगीको रूपमा काम गर्न सक्छ ।
- क्याल्सियम, फोस्फोरसको कमी भएमा वा सन्तुलन विग्रमा ।

व्यवस्थापन:

- तुरुन्त प्राविधिकलाई बोलाई उपचार गर्नुपर्दछ । प्राविधिक नआइन्जेल बाहिर निस्केको भागलाई सफा तथा चिसो राखी राख्नको लागि थोरै पोटस मिसाएको पानी बेलाबेलामा छर्किरहने र बाहिर टाँसिएको फोहोर सफा गरी सफा चिसो कपडाले बेर्ने ।
- यदि धेरै नै भाग बाहिर आएको छ भने फोहोर नलागोस् संक्रमण नहोस् भन्नाका लागि तल सफा प्लाष्टिक ओछ्याउने र पोटसमिसाएको पानी बेलाबेलामा छर्किरहने ।
- प्राविधिकले पाठेघरको बाहिर आएको भागलाई विस्तारै पुनः पहिलाकै स्थानमै फर्काईदिन्छन् ।
- अन्य व्यवस्थापन प्राविधिकको सल्लाह अनुसार गर्ने ।

९. बाच्छा बाच्छी अड्कने वा व्याउन नसक्ने समस्या

कारणहरू:

- बाच्छा बाच्छी ठूलो भएमा ।
- वाच्छा वाच्छीको पाठेघरभित्रको बसाई (पोजिसन) नमिलेमा ।
- शारीरिक कमजोरीको कारण
- पाठेघरको मुख पूर्णरूपमा नखुलेमा ।
- उमेर नपुग्दै पशु गर्भिणी भएमा ।
- बाच्छा बाच्छी भित्रै मरेमा ।
- संक्रामक रोगहरू जस्तै ब्रुसेलोसिस आदिको कारण ।
- विभिन्न हार्मोनहरूको कमी तथा असन्तुलन
- पाठेघर बटारिएमा
- बाँधेर पालिएका पशुहरूमा पनि यस्तो समस्या आउनसक्छ ।
- वंशाणुगत कारणहरू

व्यवस्थापन:

- ब्याउन खोजेको ५-६ घण्टा भित्र व्याउन नसकेमा तुरुन्त प्राविधिकलाई बोलाई हाल्नुपर्दछ ।
- प्राविधिकले पाठेघर भित्र हात हालेर अवस्था पत्ता लगाई आवश्यकता अनुसार उपचार गर्दछन् ।

१०. गर्भ तुहिने समस्या

कारणहरू:

- संक्रामक रोगहरूको संक्रमण
- सन्तुलित आहाराको कमी
- विषालु घाँसपात, दूसीजन्य दाना आदि ।
- चोटपटकको कारण
- अर्धदक्ष प्राविधिकले गर्भ जाँच्दा पनि कहिले काही गर्भ तुहिन सक्छ ।
- उच्च ज्वरो
- गर्भावस्थामा गलत औषधि खुवाउँदा ।

व्यवस्थापन:

- गर्भिणी पशुलाई औषधि खुवाउनु पर्दा दक्ष प्राविधिकको सिफारिसमा मात्र खुवाउने
- कारण पत्ता लगाई व्यवस्थापन गर्नुपर्दछ ।
- तुहिएको बाच्छा बाच्छी, साल तथा सम्पर्कमा आएका अन्य सोत्तरहरूलाई राम्रोसँग खाडलमा गाड्नुपर्दछ र माउलाई उपचार गर्नुपर्दछ ।

गाईभैंसीलाई महत्वपूर्ण मानिएका खोप लगाउने बारे तालिका

| क्र. सं. | खोपको नाम | रोगको नाम | उमेर | खोपको मात्रा र खोप दिने ठाँउ | खोपको थप मात्रा (बुस्टर) | नियमित खोप दिने समय | खोप दिने सिजन |
|----------|-----------------------------|------------------|-----------|------------------------------|--------------------------|---------------------|-----------------------------|
| १ | एफ.एम.डी भ्याक्सिन (हेक्टस) | खोरैत | ३-८ हप्ता | १० मि.लि. छालामुनि | ३ महिनापछि | प्रत्येक ६ महिनामा | भाद्र मसान्त र फागुन मसान्त |
| | रक्षा एफ.एम.डी | खोरैत | ४ महिना | ३ मि.लि. छालामुनि | १ महिनापछि | | |
| २ | एच.एस.ब्रोथ भ्याक्सिन | भ्यागुते | सबै उमेर | ५ मि.लि. छालामुनि | ६ महिनापछि | वार्षिक | वर्षात शुरु हुनु भन्दा अघि |
| | एच.एस.आयल एडजुभेन्ट | भ्यागुते | सबै उमेर | ३ मि.लि. छालामुनि | ३ महिनापछि | वार्षिक | |
| ३ | पोलिभ्यालेन्ट वि. क्याक्सिन | चरचरे | सबै उमेर | ५ मि.लि. छालामुनि | ६ महिनापछि | वार्षिक | वर्षात शुरु हुनु भन्दा अघि |
| ४ | एच.एस. रवि. भ्याक्सिन | भ्यागुते र चरचरे | सबै उमेर | १ मि.लि. छालामुनि | ६ महिनापछि | वार्षिक | वर्षात शुरु हुनु भन्दा अघि |
| ५ | एन्थ्राक्स स्पायर भ्याक्सिन | पटके रोग | सबै उमेर | १ मि.लि. छालामुनि | ६ महिनापछि | वार्षिक | वर्षात शुरु हुनु भन्दा अघि |
| ६ | टिस्यु कल्चर भ्याक्सिन | गौगोटी | सबै उमेर | १ मि.लि. छालामुनि | - | ३-३ वर्षमा | जाडो समयमा |
| ७ | टेट-भ्याक | धनुष्टंकार | सबै उमेर | २ मि.लि. छालामुनि | ४ हप्तापछि | वार्षिक | कुनै पनि समयमा |

२२.४ कुखुराका प्रमुख रोगहरू

रानीखेत रोग

लक्षण:

- रानी खेत रोगले श्वासप्रणाली र स्नायु प्रणाली प्रभावित भई कुखुराले सास फेर्न कठिनाई महसुस गर्दछ ।
- चुच्चो र नाकबाट पानी जस्तो बाक्लो पदार्थ निस्कन्छ ।
- कुखुरा टाउको झटकाउने र घाटी तान्ने गर्दछ ।
- एकै ठाउँमा फनफन घुम्ने पछाडि हिड्ने पखेटा र खुट्टाको पक्षघात हुने घाटी बटार्ने हुन्छ ।
- फुल पार्न कम हुन्छ ।

- हरियो रंगको निकै गन्हाउने छेदछ ।
- सिउर र लोती पहेंलो हुने र पछि नीलो रंगमा बदलिने गर्दछ ।

रोकथामका उपायहरू:

- कुखुरा पालिने खोर वरिपरि सफा गर्नुपर्दछ ।
- तालिका अनुसार खोप लगाउनुपर्दछ ।
- बाहिरी कुखुरा र अरू चराहरू कुखुरा पालन क्षेत्रभित्र आउन दिनुहुँदैन ।
- रोगबाट मरेका लाई पनि पुर्नपर्दछ ।
- भाँडा उपकरण इत्यादि सामान संक्रमण मुक्त राख्नुपर्दछ ।
- चल्लाहरूलाई पहिलो हप्ताभित्रै एफ स्ट्रोन भ्यक्सिन लगाइ दिनुपर्दछ र चल्लाको उमेर ८ देखि १० हप्ता पुग्दा आरटुबि (R2B) खोप लगाउनुपर्दछ ।

कक्सिडियोसिस (Coccidiosis)

लक्षणहरू:

- बाह्य लक्षणहरूमा धेरै जसो प्वाँख खस्रो हुने, रगतको कमी हुने ।
- दिशामा रगत छेर्ने हुन्छ ।
- सीकल कक्सीडियोसिसमा मृत्युदर ५० प्रतिशत सम्म हुन्छ ।
- आन्द्रामा हुने कक्सीडियोसिसमा शरीर पहेंलो हुने भै छेर्ने हुन्छ ।
- यसमा रगत मिसिएको हुनसक्छ र मृत्युदर भने ८ देखि १० प्रतिशतसम्म हुन्छ ।

रोकथाम र नियन्त्रण:

- चिस्थान भएको खोर, सोत्तर र दाना यसका लागि उपयुक्त वातावरण हुने हुँदा बस्ने ठाउँ र दाना सुख्खा हुनुपर्दछ । खास गरेर वर्षातको मौसममा विशेष ध्यान दिनुपर्दछ जुन बेला वातावरण चिस्थान बढी हुन्छ र तापक्रम पनि कक्सीडियाको विकासको लागि अनुकूल हुन्छ ।
- यदि सोत्तरमा चिस्थान छ भने ५ देखि ७ किलोग्राम चून प्रति १०० वर्गफिटको क्षेत्रमा छर्नुपर्दछ । यसले चिस्थान कमगरी तापउत्पन्न गर्दछ जसले यी प्रोटोजो आमर्दछन् ।

गम्बोरो रोग(Gumboro/Infectious bursal disease)

लक्षणहरू:

- रोग लागेपछि, शुरूमा विस्तारै झोक्राउँदै जाने ।
- प्वाँख गुजमुजिएर बस्ने जस्ता लक्षण देखापर्दछन् ।
- टाउको र घाँटी कपकपाउने भैपछि सम्पूर्ण शरीर नै काम्न् थाल्छ ।
- यसका साथै ज्वरो आउने, आँखाबाट पानी बग्ने हुन्छ ।
- यस्तो अवस्थामा घाँटी तन्काउने र टाउको केही तल झुकाएर बस्छ ।
- पहेंलो रंगको छेर्ने भै मलद्वार वरिपरि सुली टाँसिएको देख्न सकिन्छ ।
- पुरानो रोगमा विस्तारै झोक्राउने र दुब्लाउने जाने हुन्छ ।

रोकथाम र नियन्त्रण:

- सरसफाईको विशेष व्यवस्थापन हुनुपर्दछ ।
- कुखुरालाई गम्बोरो रोगविरूद्ध भ्याक्सीन लगाउनुपर्दछ ।
- दानापानी दिने भाँडाकुँडालाई किटाणुरहित बनाउनुपर्दछ ।

कोलीबेसिलोसिस

- यो रोग जुनसुकै उमेरका कुखुराहरूमा देखिन सक्छ ।
- यो रोग व्यवस्थापनमा कमीको कारणले हुने भएको ले व्यवस्थापनमा सुधार गर्नुपर्छ ।

लक्षणहरू:

- दाना खान कम गर्ने र कहिलेकाही श्वासफेर्ने कठिनाई हुने ।
- उदासिन हुने, सिउर फिक्का हुने ।
- हरियो वा सेतो पातलो सुली छेर्ने ।
- मलद्वारको वरिपरी सुली लतपतिने ।

उपचार:

- प्राविधिकको सिफारिसमा एण्टिबायोटिक्स औषधीहरू खुवाउने ।

कुखुराको सिफारिस खोप तालिका

१. ब्रोईलर कुखुराको खोप तालिका:

| उमेर | खोपको नाम | खोप लगाउने तरिका |
|----------|-----------------------------|---------------------|
| १ दिन | मेरेक्स/रानीखेत एफ १ | नाक, आँखामा |
| १४ दिनमा | गम्बोरो ईन्टरमिडिएट (जीवित) | नाक, आँखामा |
| २१ दिनमा | रानी खेत एफ १ वा लासोटा | नाक, आँखामा, पानीमा |
| २८ दिनमा | गम्बोरो ईन्टरमिडिएट (जीवित) | नाक, आँखामा, पानीमा |

- यदि ब्रोईलरको प्यारेण्ट स्टकलाई १ दिनको उमेरमा रेस्पिन भ्याक्सिन (मेरेक्सविरूद्ध) लगाईएको छ र पुनः रेस्पिन भ्याक्सिनले नै बुस्टर गरिएकोछ भने त्यस्ता फार्मबाट उत्पादिन चल्लाहरूलाई एच.भि.टी. भ्याक्सिन दिनुपर्दछ ।
- यदि ब्रोईलरको प्यारेण्ट स्टकलाई १ दिनको उमेरमा रेस्पिन भ्याक्सिन (मेरेक्सविरूद्ध) लगाईएको छ र बुस्टर भ्याक्सिन एच.भि.टी. दिईएको भने त्यस्ता फार्मबाट उत्पादित चल्लाहरू लाई रेस्पिन भ्याक्सिन दिनुपर्दछ ।

२. लेयर्स कमर्सियल कुखुराको खोप तालिका

| उमेर | रोग | भ्याक्सिनको किसिम | भ्याक्सिनेसन तरिका |
|-----------|---------|---------------------------|--------------------|
| १ दिन | मेरेक्स | सि.भि. १९८८ वा -१ एस वि-१ | छालामुनी |
| ५-७ दिन | रानीखेत | एफ -१ लासोटा | १ थोपा आँखामा |
| ८-१२ दिन | गम्बोरो | ईन्टरमिडिएट | १ थोपा आँखामा |
| १८-२० दिन | मेरेक्स | एच.भि.टी. फ्रिज हाइड्रेड | छालामुनी |
| २४-२६ दिन | गम्बोरो | ईन्टरमिडिएट | पानीमा |

| उमेर | रोग | भ्याक्सिनको किसिम | भ्याक्सिनेसन तरिका |
|-------------|----------------|-------------------|--------------------|
| २८-३० दिन | आई.वि. रानीखेत | आई.वि. लासोटा | पानीमा |
| ४२ दिन | फाउल पक्स | फाउल पक्स | पखेटामा |
| ४९-५० दिन | रानीखेत आई.वि. | लासोटा आई.वि. | पानीमा |
| ८-१० हप्ता | रानीखेत आई.वि. | आर. १ वि. | मासुमा |
| १२-१४ हप्ता | फाउल पक्स | फाउल पक्स | पखेटा (विड्ग वेभ) |
| १५ हप्ता | आई.वि. | आई.वि.एच. १२० | पानीमा |
| १६ हप्ता | रानीखेत | लासोटा/एफ १ | पानीमा |

उपरोक्त तालिका बमोजिम भ्याक्सिनेसन गरिसके पश्चात अधिकतम उत्पादन अवस्थामा कुखुरा आईसकेपछि प्रत्येक २-२ महिनामा आई.वि. र लासोटा भ्याक्सिन दिदै जानुपर्दछ ।

२२.५ नेपालमा पालिएका बाख्राको जातहरू

स्थानीय जातका बाख्राहरू

नेपालमा मुख्यतया चार जातका स्थानीय बाख्राहरू पाल्ने गरेको पाईन्छ । यी स्थानीय जातका बाख्राहरू यस प्रकार छन् ।

क) तराई बाख्रा

नेपालका तराई क्षेत्र तिर पाईने जातको बाख्रालाई तराई बाख्रा भनिन्छ । यो शुद्ध जातको बाख्रा नभएर भारतीय जातको बाख्रा जमुनापारीको गुणहरू जस्तै: माथि उठेका नाक, झुण्डिएको लामो कान भएकोले यसलाई जमुनापारीको खच्चड पनि भनिन्छ, यद्यपी यसबारे अध्ययन अनुसन्धान हुनु जरुरी देखिन्छ । यो बाख्रा मझौला आकारको र विभिन्न रङ्गको भएता पनि प्राय खैरो शरिरमा सेतो धर्सा रहेको हुन्छ । यो बाख्रा दूध तथा मासु दुवैको लागि उपयुक्त मानिन्छ । यसको शारिरीक तौल करिब १८ देखि ३५ किलोग्राम सम्म हुन्छ । सालाखाला १५ महिनाको उमेरमा पहिलो पटक ब्याउने र खरी तथा तराई बाख्राको प्रजनन क्षमतामा धेरै समानताहरू पाईन्छन् ।

ख) खरी/औले बाख्रा

मध्य पहाडी प्रदेशमा पाईने बाख्रालाई पहाडी वा खरी बाख्रा भन्ने गरिन्छ । विभिन्न सात रङ्गका खरी बाख्राहरू मा कालो तथा खैरो रङ्गका बाख्राहरू तुलानात्मक रुपमा धेरै पाईन्छन् । प्रायः खरी बाख्राहरूमा मध्यम आकारका पछाडी वा माथि तिर फर्केका सिङ्ग हुन्छन् । थोरै बाख्राहरू मुडुले पनि पाईएका छन् । खरी बाख्राको शारिरीक तौल १५ देखि २५ किलोग्राम सम्म हुन्छ भने बोकाको शारिरीक तौल २५ देखि ३५ किलोग्राम सम्म हुन्छ । यो जातको बाख्रा सालाखाला १६ महिनाको उमेरमा पहिलो पटक ब्याउने, साधरण अवस्थामा २ वर्षमा ३ पटक ब्याउने र प्रतिबेत २ वा २ भन्दा बढी पाठा पाठी हुर्काउन सक्ने क्षमता भएको हुनाले नेपालको अधिकांश भू-भागमा यो बाख्रा लोकप्रिय भएको पाईन्छ ।

ग) सिन्हाल

उच्च पहाडी क्षेत्रमा पाईने यो जातको बाख्रा बरुवाल वा भ्याङ्गलुङ जातको भेडाको बथानमा चर्न रुचाउने हुन्छ । सिन्हाल जातको बाख्रा अन्य नेपाली बाख्राहरू मध्ये सबैभन्दा ठूलो शरिर भएको बाख्रा हो । यसको छोटो टाउको, सिधा नाक, चिसो सहन सक्ने क्षमता भएको र यसबाट केही मात्रामा पश्मिना समेत उत्पादन गर्न सकिन्छ ।

वयस्क बाख्राको शारिरीक तौल ३० देखि ३५ किलोग्राम सम्म हुन्छ। सिन्हाल बाख्राहरू करीब २ वर्षको उमेरमा पहिलोपटक ब्याउने, साधारणतया वर्षमा एकपटक ब्याउने र एउटै पाठा वा पाठी मात्र पाउने गर्दछ।

घ) च्याङ्ग्रा

च्याङ्ग्रा हिमालय पर्वत श्रृंखलाको पछाडि पाँडे सुख्खा, बढी हावा लाग्ने, चिसो र अर्ध भूमि जस्तो ठाउँमा पाईन्छ। च्याङ्ग्राले त्यस क्षेत्रमा पाईने ताल्ला भन्ने झारमा पलाएको पात, फूल, जरा र घाँसहरू खाएर जीवन निर्वाह गर्दछन्। च्याङ्ग्रा पशिमना र नरम खालको न्यानोभुवा उत्पादनको लागि प्रसिद्ध छ। च्याङ्ग्राको शरीर बाक्लो लामो रौं ले ढाकेको हुन्छ। रौं को भित्री भागमा मसिना पशिमना रहेको हुन्छ। यसको सानो तर लामो टाउको, सिधा नाक, साँघुरो थुतुनो र कसिलो शरीर तथा बटारिएको सिङ्गा हुन्छ। यिनीहरू अन्दाजी दुईवर्षको उमेरमा पहिलो पटक ब्याउने, वर्षमा एकपटक ब्याउने र अधिकांशले एकपटकमा एउटा मात्र पाठापाठी पाउने गर्दछन्। वयस्क च्याङ्ग्राबाट वर्षमा ५० देखि २०० ग्रामसम्म पशिमना उत्पादन हुने गर्दछ। वयस्क च्याङ्ग्राको तौल २५ देखि ३० किलोग्राम सम्म हुन्छ। यसको आफ्नो शारिरीक तौलको ३० प्रतिशत बराबर वजनको भारी बोक्न सक्ने क्षमता हुन्छ।

नेपालमा पालिने विदेशी जातका बाख्राहरू

(क) जमुनापारी

जमुनापारी बाख्राको रङ्ग एकनासको हुँदैन तर साधारणतया सेतो रङ्ग भएका बाख्राहरूमा कहिँकहिँ गाढा रङ्गको चिन्हहरू हुने गर्दछ। यो जातको बाख्राको जिउ ठूलो तथा अग्लो, लामो खुट्टा, नाकको बीच भाग उठेको (सुगानाके) र झुण्डिएको लामा कानहरू प्रमुख विशेषताहरू हुन्। जमुनापारी बाख्राको पहिलो पल्टब्याउने उमेर तथा ब्याउने अन्तर क्रमशः औषत ७७० दिन तथा ४२८ दिन उल्लेख भएको पाईन्छ।

(ख) बारबरी

यसको कान छोटो तथा ठाडो, शरिर सानो, रङ्ग रातो र सेतो रङ्गको टाटे पाटे किसिमको हुन्छ। झट्टहेर्दा मृग जस्तो देखिने बारबरी जातको बाख्रा चर्न त्यति मन पराउँदैन। खोरभित्रै पालिने जात भएकोले यो जातको बाख्रा खास गरी शहरी वा शहरको वरिपरीको क्षेत्रमा पालिन्छन्। यो जातको बाख्राको सरदर शारिरीक तौल बारबरीको २७ देखि ३६ र खसिबोकाको ३२ देखि ४१ किलोग्राम सम्म हुने गरेको पाइन्छ। पहिलो पल्ट ब्याउने औषत उमेर तथा दुई वेत बीचको अन्तर क्रमशः ५८८ दिन तथा २७४ दिन पाईएको छ।

(ग) सानन्

दूध उत्पादनको लागि विश्वप्रशिद्ध सानन जातको बाख्राको जन्म स्थान स्वीजरल्याण्डको सानन उपत्यका हो। यो जातको बाख्रा सेतो क्रिम रङ्गको हुन्छ। यसको अनुहार सीधा वा अलि थेंपिएको र कानहरू ठाडो तथा अगाडी तिर तेर्सिएको हुन्छ। विकसित फाँचो भएकोले यसले प्रतिदिन २ देखि ४ के.जी. सम्म दूध दिन्छ। साधारणतया यो जातको बाख्राको सिङ्गा हुँदैन। बोकाको शारिरीक तौल औषतमा ९५ किलोग्राम र बाख्रीको ६५ किलो ग्राम सम्मको हुने गरेको छ।

(घ) बटल (Bettle)

यो बाख्रा हेर्दा जमुना पारी सँग मिल्दो जुल्दो हुन्छ। यो बाख्रामा सामान्यतया कालो र खैरो रङ्गमा बढी पाईने, नाक उठेको, कान चौडा लामो र घुम्रिएको, चौडा मझौला शरिर जस्ता चारित्रिक विशेषताहरू भएको पाईन्छ। यस जातको बाख्राको औषत तौल वयस्क भालेको ५९ के.जी. र वयस्क पोथीको ३५ के.जी. हुन्छ। दुई वर्षमा पहिलो

पल्ट व्याउने र दुई बेत बीचको अन्तर औषतमा एक वर्ष भएको पाईएको छ । सरदर दुईवर्षमा ३ पटक व्याउने ५० प्रतिशत जुम्ल्याहा पाउने गर्दछ । नेपालको तराई र भावर क्षेत्रमा बाँधुवा प्रणालीमा यसबाट राम्रो उत्पादन लिन सक्ने देखिन्छ ।

(ड) बोयर बाख्रा (Boer Goat)

विगत केही वर्ष देखि नेपालमा अगुवा कृषकहरूले यो बाख्रा पालन गर्न थालेका छन् । नेपालको विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रमा यो बाख्रा पालन आवश्यक प्रविधि विकासका लागि नार्कले कृषि अनुसन्धान केन्द्र (बाख्रा) वन्दिपुरमा २०६५ सालदेखि विस्तृत अध्ययनको थालनी गरेको छ । यो बाख्राको छिटो बढ्ने (८०-९०ग्राम प्रतिदिन) गर्दछ । दुईवर्षमा ३ पटक व्याउने र प्रतिवेत दुई पाठा पाठी पाउने यस जातका विशेषताहरू हुन् । बाली जान सिजनको प्रभाव कम पर्ने भएकोले बोयर बाख्राले बाह्रै महिना पाठापाठी जन्माउन सक्दछ ।

भेडा बाख्राका प्रमुख रोगहरू

क) पी.पी.आर

लक्षणहरू:

- १०६ देखि १०८ डिग्री फरेनहाइटसम्मको ज्वरो आउँछ ।
- घाँस पानी खाना छोड्छ र आँखा राता देखिन्छ ।
- गिजा र जिब्रो तिरबाट घाउ आउन शुरू गर्छ र विस्तारै मुखतिर पनि फैलिन सक्छ ।
- छेरोटी लाग्छ ।
- आँखाबाट चिप्राहरू आउने र नाकबाट बाक्लो पहेंलो सिंगान बग्छ ।
- खोकिरहन्छ ।

रोकथाम:

बाख्रालाई पी.पी. आर मुक्त राख्न खोप लगाउने । शुरूमा ३ महिनाको उमेर पुगेपछि पहिलो पल्ट खोप लगाउने र वर्षे पिच्छे दोहोर्याउने ।

ख) मुआलो

रोगका लक्षणहरू:

- यो रोग लाग्दा मुख वरिपरि घाउ आउँदछ र पछि पात्रा बन्दछ ।
- मुखको चेपबाट प्रायः शुरू हुन यस्तो घाउ क्रमशः मुख वरिपरि, जिब्रोतिर, कानवरिपरि, खुट्टाको छालातिर अण्डकोण, कल्चौडा, सुत आदिको वरिपरि समेत यस्ता घाउहरू देखिन्छ ।
- मुख वरिपरिघाउ आउने हुँदा घाँसपानी खानमा समस्या आउँछ र पशुहरू क्रमशः दुब्लाउँदै जान्छ ।
- कहिलेकाँही ३-४ हप्तामा यो घाउ आफैँ निको भएर जान्छ ।

उपचार:

यसको पनि खास उपचार छैन तर घाउ सफा गर्ने एन्टिसेप्टिक औषधि वा एन्टिवायोटिक्स औषधिको प्रयोग गर्ने ।

२२.६ पशुपन्छीबाट मानिसमा सर्न सक्ने रोगहरू

क) रेविज

लक्षणहरू:

बौलाहा अवस्था: कुकुर आक्रमक खालको हुने, नजिकको पदार्थहरू टोक्ने, जोडले चपाए जस्तो गर्ने, कराईरहने, स्वरमा परिवर्तन हुने, चिथोर्ने, पुच्छर खुट्टा मुनी राखेर हिड्ने, बाटोमा भेटाएका जति सबैलाई टोक्दै भाग्दछ। जिब्रो बाहिर निकाल्ने र धेरै -याल बगाईरहने हुन्छ।

लाटो अवस्था: बौलाहा कुकुर लाटो, बोल्न नसक्ने हुन्छन्, कुकुरहरू एउटा कुनामा गएर लुकेर बस्छ। मुखबाट -याल चुवाई राख्छ। खाना खान छोड्छ र बोलाउँदा पनि नसुन्ने र यस्तो भएको ४ देखि ५ दिन भित्र मर्दछ।

गाई, भैंसी र अन्य जनावरहरूमा यो रोग लागिसकेपछि विस्तारै खाना बन्द भई छटपटाउने, विना कारण डुलिरहने, कराउने, उफ्रने, आँखा टूलटूला पारी कान ठाडो पारेर हेर्नेर सिङ्गले हिकाउन खोज्छ। रोगले ग्रसित भइसकेपछि बिस्तारै आवाज पनि भिन्न निस्कने हुन्छ। रोगले ज्यादै ग्रस्त पारिसकेपछि जनावरहरू भुईंमा लड्ने, मुखबाट -याल प्रशस्त मात्रामा काढ्ने गर्दछ। अन्तमा, जनावर पक्षघात भएर मर्दछ।

रोकथाम:

घरपालुवा कुकुर बिरालो आ+दि लाई रेविज विरुद्ध खोप लगाउनुपर्दछ। पहिलोपटक खोप लगाउँदा ३ महिनाको उमेर कटे पछि लगाउने र प्रत्येक वर्ष दोहो-याउनुपर्दछ।

ख) वर्डफ्लु

वर्डफ्लु रोग ईन्फ्लुएन्जा ए नाम गरेको एक प्रकारको विषाणुको माध्यमबाट पंक्षीहरूमा लाग्ने संक्रमक रोग हो। यस रोगबाट विशेष गरी कुखुरा, बट्टाई, टर्की जस्ता पंक्षीहरू बढी सम्वेदनशील हुन्छन् भने हाँस, जंगली चराहरू रोगको लक्षण नदेखाई रोग वाहकको रूपमा देखापर्न सक्छन्। चराहरूमा यो रोग सर्वप्रथम सन् १८७८ मा पहिचान भएको थियो।

यो रोग पंक्षी तथा मानिसमा कसरी सर्दछ ?

यो रोग रोगी कुखुरा, संक्रमित सूली, उपकरणहरू, पानी, दाना आदिसँगको प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष सम्पर्कबाट पंक्षीहरू बीच सर्न सक्दछ। त्यसैगरी बसाई सरेर आउने जंगली चराहरू तथा जीवित पंक्षी तथा पन्छीजन्य सामाग्रीहरूको अवैध कारोवार बाट समेत यो रोग सर्न सक्दछ।

मानिसमा जिउँदो वा मरेको चराको प्रत्यक्ष सम्पर्कबाट यो रोग गर्न सक्दछ। यस रोगको विषाणु सुलीमा ४ डिग्री सेन्टीग्रेड तापक्रममा कम्तीमा ३० दिनसम्म बाँच्न सक्दछ। त्यसैगरी २२ डिग्री सेन्टीग्रेड तापक्रम भएको तालको पानीमा ४ दिन सम्म र ३० डिग्री सेन्टीग्रेड तापक्रम ३० दिनसम्म बाँच्न सक्दछ। तर ६० डिग्री सेन्टीग्रेड तापक्रममा ३० मिनेटमा र ७० डिग्रीसेन्टीग्रेड तापक्रममा केही सेकेण्डमै विषाणु मर्ने हुँदा पकाए रखाएको मासु तथा अण्डाबाट यो रोग सर्ने कुनै सम्भावना हुँदैन।

वर्डफ्लुका लक्षणहरू

कुखुरामा देखिने लक्षणहरू:

असाध्यै तीक्ष्ण प्रकारको अवस्थामा रोगको कुनै लक्षण नदेखाई केही घण्टा भित्रमा शतप्रतिशत सम्म कुखुराहरूको मृत्यु हुनसक्छ । सामान्यतया धेरै कुखुराहरूको मृत्यु भएमा, श्वासप्रश्वास सम्बन्धी गम्भीर लक्षणहरू देखिएमा, टाउको, सिउर र लोती निलो भएमा, खुट्टामा रक्तश्रावहरू देखिएमा, पक्षघात देखिएमा, पातलो छेरेमा, अण्डा उत्पादन अचानक घटेमा, जलजले अण्डा पारेमा वर्डफ्लुको शंका गर्न सकिन्छ ।

यसरोगका कतिपय लक्षणहरू कुखुरामा देखिने अन्य श्वासप्रश्वास सम्बन्धी रोगहरू जस्तै रानीखेत, कुखुराको हैजा आदिसँग मिल्न जाने हुँदा धेरै संख्यामा कुखुराहरू बिरामी परेमा अनावश्यक शंका गर्नुभन्दा नजिकको पशु सेवा कार्यालयमा तुरुन्त खबर गर्नु उपयुक्त हुन्छ ।

मानिसमा देखिने लक्षणहरू:

चिकित्सकहरूका अनुसार मानिसमा बर्डफ्लुको संक्रमण भएमा ज्वरो आउने, खोकी लाग्ने, घाँटीदुख्ने, जीउ दुख्ने जस्ता लक्षणहरू देखिन्छन् । केहीमा फोक्सोमा गम्भीर असर पर्न गई निमोनिया पनि हुन सक्छ । यस्तो अवस्थामा रोग घातक बन्नसक्छ ।

रोग रोकथामको लागि कृषक, नागरिक समाज तथा सर्वसाधारणको भूमिका

यस रोगको रोकथामको लागि कृषक तथा नागरिक समाज तथा सर्वसाधारणको भूमिका समेत महत्वपूर्ण हुन्छ ।

- कुखुरा खोरहरूमा जैविक सुरक्षाका उपायहरू कडाईका साथ अवलम्बन गर्ने ।
- कुखुरा फार्ममा काम गर्ने व्यक्तिहरूको व्यक्तिगत सरसफाईमा विशेष ध्यान पुर्याउने ।
- जिउँदो पंक्षीहरूसँग कम लसपस गर्ने ।
- मासु तथा अण्डा राम्रोसँग पकाएर खाने ।
- कहिं कतै अवैध पंक्षी तथा पंक्षी जन्य पदार्थहरूको ओसार पसार भएको थाहा पाएमा सम्बन्धित निकायलाई जानकारी दिने ।
- पन्डीहरूको असामान्य र ठूलो संख्यामा मृत्यु भएको थाहा पाएमा तुरुन्तै नजिकको पशुसेवा विज्ञ केन्द्रमा खबर गरिदिने ।
- मरेका पंक्षीहरू अलपत्र नफाली राम्रोसँग खाडल खनेर गाड्ने ।
- अनावश्यक हल्लाको पछाडि नलागी आधिकारिक निकायको सूचनामा विश्वास गर्ने ।

ग) स्वाइनफिवर – सुँगुरको महामारी रोग

स्वाइन फिवर सुक्ष्म विषाणुका कारण बंगुर, सुँगुर जातिमा देखापर्ने अतिसंक्रामक महामारी रोग हो । यो रोग नयाँ क्षेत्रमा महामारीको रूपमा फैलिने र मृत्युद र बढी हुन्छ । तर रोग प्रकोप भइरहने क्षेत्रमा मृत्युदर कम भएपनि प्रजनन समस्या र स्नायुल क्षण देखिन सक्छ । यो रोग दूषित दाना पानी र सरसामान आदिको माध्यमबाट रोगी बंगुरबाट स्वस्थ बंगुरमा पनि सर्ने गर्दछ । रोग लागेर निको भएका बंगुरले आजीवन रोगाणु बोकेर बस्ने भएकोले त्यस्ता बथान वा फार्मबाट पाठापाठी किनेर ल्याउँदा रोग सर्न सक्छ ।

रोग देखापरेको क्षेत्रमा सबै उमेरका बंगुर एकै पटक बिरामी भई धेरै हताहत भएमा र निम्न लक्षणहरू देखिएमा स्वाइनफिवर लागेको शंका गर्न सकिन्छ ।

- शुक्रमा कडा ज्वरो आउने, झोक्र्याए बस्ने, दानापानी नखाने र एकै ठाउँमा गुच्चमुच्च भएर बस्ने ।
- बिरामी जनावरको काखी, काछी, कानको पछाडि, पेटको भागमा डबारा जस्तो प्याजी र कहिलेकाहीँ निलो रङ्गको धब्बा देखिन्छ ।
- पहिला कब्जिय तर पछि छेरौटी लाग्छ ।
- ब्याउने जनावरले तुहाउँछ । बराबर रोग प्रकोप भइरहेमा प्रजनन क्षमतामा हास र कमजोर खालका ख्याउटे पाठा पाठी जन्मिन्छन् ।
- बिरामी जनावरले मुखबाट फिज काढ्ने, मुर्छा पर्ने र पक्षघात जस्ता स्नायू लक्षण देखाउँदछ ।

रोकथाम:

- विश्वासिलो, रोग मुक्त फार्मबाट पाठपाठी ल्याउने ।
- स्वाईफिवर भ्याक्सिन नियमित रूपमा लगाउने ।
- र नियमित सरसफाईमा विशेष ध्यान दिने ।

पशुहरूको लागि केही घरेलु उपचारहरू

(स्रोत: एशिया महादेशमा प्रचलित पशु चिकित्सा)

१) अरूची

- क) १० ग्राम नून र १० ग्राम ज्वानो सँगै पिँधेर यसमा २० ग्राम खुदो मिसाएर पशुलाई दिनहुँ दुई पटक २-३ दिन सम्म खुवाउने
- ख) एक चौथाई लिटर मही दिनको दुईपटक २ दिनसम्म खुवाउने ।
- ग) ५०० मि.लि. इमलीको रसमा १० ग्राम सुकेको हर्रो फूलको धूलो मिसाई बनाएको झोल २०० मि.लि. दिनको एक पटक केही दिन सम्म खुवाउने ।
- घ) आहारामा परिवर्तन गर्ने ।

२) ज्वरोआएमा:

- क) १०० ग्राम खुदोमा १० ग्राम चिराइतो मिसाई बाक्लो लेदो बनाई पशुको जिब्रो तथा मुखको माथिल्लो भागमा दिनहुँ दुई पटक लगाउने ।
- ख) एक मुट्टी हरियो नीमको पातलाई १ लिटर पानीमा १५ मिनेट सम्म उमाली दिनको २ पटक गरेर खुवाउने ।
- ग) एक मुट्टी इमलीको पात र २५० ग्राम इमली फल आधा बाल्टी पानीमा १५ मिनेटसम्म उमाल्ने र पानीको सट्टामा खानदिने ।

३) रूघाखोकी

- क) दुई मुट्टी हरियो इमलीको पातलाई १ लिटर पानीमा ५ मिनेट सम्म उमाल्ने र २०० मि.लि. को दरले दिनको ३ पटक ३ दिन सम्म खान दिने ।
- ख) ५ ग्राम सुकेको बेसारको टुक्रालाई धूलोपारी त्यसमा थोरै मात्रामा सख्खर मिसाईले दोपारी दिनको १ पटक केही दिन सम्म दिने ।

- ग) फलेदोको ५०० ग्राम हरियो पातलाई पिनर ३००-४०० मि.लि. पानीमा मिसाएर आधा आधा गरी बिहान, बेलुका गरेर ३ दिन सम्म दिने ।
घ) ५-१०ग्राम सुकेको तुलसीको पातलाई धूलोपारी अलिकति सख्खरमा मिसाई लेदो पारी दिनको २-३ पटक ३ दिनसम्म खानदिने ।

४) पखाला लागेमा

- क) १ लिटर पानीमा १ चिया चम्चा नून र ४ चिया चम्चा चिनी घोलेर तयार पारेको झोल दिनको ३-४ पटक खुवाउने ।
ख) चामलको माडमा १ ग्राम अदुवाको धूलो मिसाएर बिरामी पशुलाई दिनको २ पटक खुवाउने ।
ग) एकमुट्टी चिया पत्तीलाई १ लिटर पानीमा उमाल्ने, यसलाई छानेर यसमा आधामुट्टी अदुवाको धूलो हाल्ने र यो दिनको ३-४ पटक गरेर बिरामी पशुलाई खुवाउने ।

५) पेट फुलेमा

- क) १०० मि.लि. जति तोरीको तेल एकैपटकमा खुवाईदिने ।
ख) एक चम्चा लुगाधुने पाउडरलाई २०० मि.लि. जति पानीमा घोलेर खुवाई दिने । खाने सोडा पनि यसको लागि प्रयोग गर्न सकिन्छ ।
ग) सामान्य किसिमबाट हावा भरिएको छ भने दुईवटा केराको पात टुक्रा पारेर दिनहुँ २-३ पटक २ दिनसम्म खुवाउने ।
घ) पेट साह्रै फुलेको छ भने सफा धारिलो चक्कुले पशुको बाँयापट्टिको भूँडीमा दुलोपारेर सो ठाउँमा कुनै नली राखिदिने ।

६) कब्जियत भएमा

- क) पशुले खान सके जति केराको पात खानदिने ।
ख) ५०देखि १०० ग्राम घिउकुमारीको पातलाई पिनर २-३ दिन सम्म खुवाउने ।
ग) यथेष्ट मात्रामा पानी खानदिने ।
घ) तरल पाराफिन, काँचो आलसको तेल दिनहुँ एकपटक १०० मि.लि. जति १ -२ दिन सम्म खुवाउने ।

७) विष खाएमा

- क) विष खाएको पशुलाई १ लिटर दूध खुवाईदिने ।
ख) १०० ग्राम म्याग्नेसियम सल्फेट ५००मि.लि. पानीमा मिसाई खुवाउने ।
ग) विष खाएको पशुलाई १ लिटर पाराफिनको तेल वा काँचो आलसको तेल वा कुनै प्राकृतिक वनस्पति तेल खुवाईदिने ।
घ) २०० ग्राम काठको खरानीको धूलोलाई ८०० मि.लि. पानीमा मिसाई विष खाएको पशुलाई खुवाउने ।
ङ) ४ वटा फुल, २५० ग्राम सख्खर र १०० ग्राम बेसारलाई १०० मि.लि. पानीमा मिसाई तुरून्तै खुवाउने ।

८) आन्तरिक परजीवि

- क) लज्जावती झारको सुकेको पात एक भाग र दुई भाग पानी मिसाएर ४० मि.लि. जति खुवाउने । २-३ हप्तापछि फेरि दोहर्याउने ।

- ख) ५० मि.लि. पानी र अलिकति नून राखी त्यसमा एउटा किम्बुको छिप्पिएको फल राखी कुट्ने र हप्ताको १ पटक ३ हप्तासम्म खुवाईराख्ने ।
- ग) घाममा सुकाएको छिप्पिएको मेवाका बीउहरू धूलो पारी अलिकति पानीमा मिसाउने र १०० ग्राम जति ६ दिन सम्म दिनहुँ १ पटक खुवाउने ।

९) किनां परेमा

- क) २०० ग्राम नून ४ लिटर पानीमा घोलेर यसै झोलले नुहाइदिने ।
- ख) ५० मि.लि. नरिवलको तेल १०० ग्राम गन्धकर ५० ग्राम अदुवा मिसाई तताएर चिसो पार्ने र पशुको जीउभरी लगाइदिने ।
- ग) ३०० ग्राम सुकेको सुर्तीको पातलाई १ लिटर पानीमा भिजाउने र चम्चा हालेर यसलाई ३ घण्टासम्म यथावत राख्ने । ३ घण्टा पछि यो झोल पशुको जीउ भरि लगाउने ।

१०) लुतो भएमा

- क) गन्धक धूलोमा अलिकति तेल मिसाई त्यसको लेदो लुतो भएको ठाउँमा लगाउने ।
- ख) एक मुट्टी सुकेको बकाइनोको छिप्पिएको बीउलाई पिनेर त्यसमा अलिकति पानी मिसाईले दोबनाएर लुतो भएको ठाउँमा लगाईदिने ।

११) खोरेत

- क) खोरेत लागेका पशुहरूलाई शुरूको अवस्थामा १२ बटा केरा खुवाउने र १ के.जी. मेथीको पात खान दिने ।
- ख) फिटकिरीले मुख वरिपरिको घाउ सफा गर्ने ।

१२) खुर कुहिने

- क) पशु आउने जाने बाटोमा एउटा खाडल खनी २/३ लिटर मट्टितेल खाडलमा हाल्ने ।
- ख) २-३ मुट्टी निलोतुथो १ बाल्टी पानीमा घोल्ने र खाडलमा हाल्ने ।
- ग) ३-५ के.जि. हरियो नीमको पातलाई राम्ररी पिनेर खाडलमा हाल्ने ।
- घ) दिनको दुई/तीन पटक पशुलाई त्यसमा हिँडाउने ।

पशुपालनको निम्ति घाँस खेती

जग्गा हुने कृषकहरूले आफ्ना खेतबारीहरूमा तथा खाली जग्गाहरूमा साथै काम नलाग्ने जग्गाहरूमा र बारीका कान्लाहरूमा पनि घाँस खेती गरी वर्षैभरीको लागि घाँस उत्पादन गर्न सक्दछन् । डाले घाँस, बहुवर्षिय घाँसमा हिउँदे र वर्षे मिलाएर लगाउनु पर्दछ । सामुदायिक जंगलहरूमा समेत व्यवस्थित तरिकाले उन्नत जातका घाँसहरूको खेती गरी आवश्यक घाँस उपलब्ध गराउन सकिन्छ ।

१. डाले घाँसहरू:

किम्बु, चुलेत्रो, इपिल-इपिल, दुधिलो, भीमल, बडहर, टाँडी, कोइरालो, निमारो आदि ।

२. बहुवर्षिय घाँसहरू:

नेपियर, स्टाइलो, अमूसो, सेटारिया, मोलासेस, पास्पलम, क्लोभर, राइघाँस, कक्सफुट, सुडान, कुड्ज, डिस्मेडियम आदि ।

३. हिउँदे घाँसहरू:

जै, सानो केराउ, बर्सिम, भेच आदि।

४. वर्षे घाँस:

टियोसेन्टी, काउपी, बाज्रा, मकै, भट्मास आदि।

एक वर्षे घाँस उत्पादन प्रविधि

यस्तो प्रकारको घाँस वर्षे पिच्छे लगाइरहुनु पर्छ। नेपालमा लगाउन सकिने र पशुको लागि उपयुक्त घाँसहरूमा वर्षिम, जै, सर्गम, टियोसेन्टी, केराउ, बाज्रा, भट्मास, बोडी पर्दछन्। घाँस लगाउँदा कोसा लाग्ने र नलाग्ने घाँसहरू मिलाएर लगाएमा माटोको उर्वरा शक्ति कायम रहनुको साथै पशुलाई आवश्यक पर्ने प्रोटिन, कार्बोहाइड्रेडको अनुपात पनि मिल्न जान्छ।

क) हिउँदे घाँस उत्पादन:

उपयुक्त एक वर्षे हिउँदे घाँसमा बर्सिम, जै, केराउ, भेच आदि पर्दछन्। यी भुईँघाँसहरू लगाउँदा मिश्रित तरिकाले लगाउन सकिन्छ। मिश्रित खेती गर्दा माथि उल्लेख गरे अनुसार माटोको उर्वरा शक्ति समेत बाँच्न जान्छ। हिउँदे घाँसको बीउलाई असोजदेखि मंसिरसम्म छरी हिउँदको समयमा प्रयोग गर्न सकिन्छ।

ख) वर्षे घाँस उत्पादन:

एक वर्षे घाँसमा भट्मास, मकै, मकैचरी, जोआर, बाजरा, बोडी आदि पर्दछन्। वर्षे घाँसका बीउलाई सामान्यतया वर्षा याममा घाँसको रूपमा प्रयोग गर्न सकिन्छ।

बहुवर्षे घाँस उत्पादन प्रविधि

यस्तो प्रकारको घाँस एक पटक लगाएपछि वर्षौंसम्म घाँस उत्पादन गर्न सकिन्छ। यस्तो घाँस हैसियत विग्रिएको सार्वजनिक चरन, सामुदायिक वन, खोलाको वगर, खेतवारीको डील कान्ला आदिमा लगाउन सकिन्छ। पशुको लागि उपयुक्त बहुवर्षिय घाँसहरूमा नेपीयर, स्टाइलो, अमूसो, राई ग्रास, सेतो क्लोभर, ज्वाइन्ट भेच, पास्पलम, मोलासेस, सेटारिया, कक्सफुट, कुड्जु, ग्लाइसिन, सेन्ट्रोसिमा, सिराट्रो, डेस्मोडियम, ल्यावल्याव आदि हुन्। यसरी सामान्यतया वर्षे घाँसलाई फागुन-चैत्रमा छरिन्छ भने, हिउँदेघाँसलाई आश्विन कार्तिकमा छरिन्छ। बीउको आकार मकैको दाना जस्तो छ भने प्रति हेक्टर ४०-५० के.जी. सम्म बीउ लाग्छ। वर्षिमको बीउ भने २०-२५ के.जी. सम्म लाग्छ। पहाडी र जमिन खेतीको लागि प्रयोग गर्ने ठाउँमा बहुवर्षे घाँस खेतीमा जोड दिनुपर्छ।

मिश्रित खेती

घाँस खेती गर्दा मिश्रित तरिकाले गर्दा एकातिर माटोको उर्वरा शक्ति बढ्छ भने अर्कोतिर पशुलाई पौष्टिक तत्व पनि प्रयाप्त प्राप्त हुन्छ। जस्तै, हिउँदे मिश्रित खेती: जै र भेज, जै र सानो केराउ। वर्षे: टियोसेन्टी र बोडी, मकै र बोडी, मकै र भट्मास आदि।

श्रोत: पशु सेवा विभाग, २०७५

२३. खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग

१. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा सामान्य परीचय:

वि.सं. २०१८ मा तात्कालिन कृषि तथा वन मंत्रालय अन्तर्गत खाद्य विभागको रूपमा स्थापना भई समय समयमा संरचना विस्तार एवं हेरफेर सँगै हाल आएर सर्घीय संरचनाको रूपमा कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय अर्तगत एउटा विभागको रूपमा खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग रहेको छ ।

२. खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभागका मुख्य उद्देश्यहरू:

- खाद्य वस्तुहरूको उत्पादन स्तरदेखि विक्रि वितरण तथा आयात/निर्यातमा विशुद्धता कायम राख्न खाद्य ऐन, २०२३ अनुरूप खाद्य स्वच्छता तथा गुण नियन्त्रण कार्यक्रम संचालन गरी खाद्य ऐनको कार्यान्वयन गरी आम उपभोक्ताहरूको स्वच्छ तथा गुणस्तरीय खाद्य पदार्थ उपभोग गर्न पाउने हकको रक्षार्थ कार्य गर्ने ।
- दाना पदार्थको गुणस्तरमा शुद्धता कायम राख्न दाना ऐन, २०३३ को कार्यान्वयन गरी स्वस्थ एवं स्तरयुक्त दाना उत्पादनमा बृद्धि ल्याई पशुपालन व्यवसायमा टेवा पुर्याउने र पशुजन्य खाद्य पदार्थको स्वच्छता तथा गुणस्तर अभिवृद्धि गर्ने ।
- खाद्य औद्योगिकरणको लागि खाद्य प्रशोधन प्रविधि विकास गर्ने, विकसित प्रविधि व्यवसायिक स्तरमा प्रचार प्रसार तथा विस्तार गर्ने र स्वरोजगार प्रवर्द्धनको लागि सिपमूलक तालिम प्रदान गर्ने ।
- पोषणयुक्त, खाद्य वस्तुहरूको पहिचान, पोषकतत्व विश्लेषण, परिकार विकास र खाद्य पोषण शिक्षा जस्ता कार्यक्रमहरू संचालन गरी जनताको पोषणस्तर बढाउन सहयोग पुर्याउने ।
- खाद्य तथा दाना पदार्थको जांच परीक्षण तथा विश्लेषणका लागि भरपर्दो र स्तरीय प्रयोगशाला सेवा प्रदान गर्ने ।
- विश्व व्यापार संगठन(World Trade Organization)को पशु तथा बोट विरुवाजन्य स्वस्थता सम्बन्धि (Sanitary and Phyto-sanitary) सम्झौता अनुसार व्यापार सहजिकरणमा सहयोग गर्ने ।

३. विभागको कार्यक्षेत्र:

क) खाद्य तथा दाना स्वच्छता तथा गुणस्तर नियमन

- खाद्य तथा दाना उद्योग स्थापनार्थ सिफारीस, अनुज्ञापत्र जारी तथा निरीक्षण
- खाद्य आयात निर्यात तथा गुण प्रमाणिकरण
- आहारपुरक खाद्य पदार्थहरूको नियमन
- खाद्य तथा दाना पदार्थहरूको स्तर निर्धारण तथा परीमार्जन
- खाद्य स्वच्छता एवं गुणस्तर सम्बन्धि तालीम, प्रचार प्रसार
- खाद्य तथा दाना उद्योग/बजार निरीक्षण, नमूना संकलन र कारवाही
- होटल रेष्टुरेन्ट, मिठाइ पसल अनुगमन निरीक्षण
- खाद्य स्वच्छता एवं गुणस्तर सम्बन्धि उपभोक्ता शिक्षा तथा जनचेतना
- खाद्य वस्तु तथा दाना पदार्थहरूको गुण प्रमाणीकरण
- खाद्य स्वच्छता सम्बन्धि दिवस, चाड पर्व, मेला लक्षित विशेष कार्यक्रम

ख) खाद्य प्रविधि विकास तथा पोषण

- खाद्य प्रविधि तथा पोषण अनुसन्धान कार्यक्रम
- खाद्य प्रविधि तथा पोषण प्रयोगशाला सेवा
- खाद्य प्रशोधन तथा खाद्य पोषण तालिम, प्रचार प्रसार, सूचना तथा संचार कार्यक्रम
- खाद्य प्रविधि विकास कार्यक्रम
- खाद्य पौष्टिक तत्व विश्लेषण
- स्वरोजगार सृजनाका लागि सिप मूलक तालिम
- उद्यमी व्यवसायी उन्मुख प्रविधि विकास तथा परामर्श सेवा
- परिकार विकास (बाल आहार/पौष्टिक आहार)
- खाद्य पोषण रेडियो कार्यक्रम
- सामूदायिक पोषण सुधार कार्यक्रमस्थानीय खाद्य पदार्थहरूको पौष्टिकता पहिचान तथा पोषिला स्थानीय खानाको प्रचार प्रसार, खानेबानीमा सुधार सम्बन्धी कार्यक्रम प्रदर्शन, मेला आदि।

ग) केन्द्रीय खाद्य तथा दाना रेफरेन्स प्रयोगशाला

१. स्वदेशमा उत्पादन हुने खाद्य वस्तुहरू तथा दाना पदार्थहरूको जांच विश्लेषण सेवा
२. आयात निर्यात हुने खाद्य वस्तुहरू तथा दाना पदार्थहरूको गुणस्तर परीक्षणका लागि जांच विश्लेषण सेवा
 - भौतिक तथा रासायनिक प्रयोगशाला सेवा
 - शुष्म जैविक प्रयोगशाला सेवा
 - आहारपुरक खाद्य तथा दाना पदार्थ प्रयोगशाला सेवा
 - खाद्य योगशिल तथा रासायनिक प्रदुषक प्रयोगशाला सेवा
 - रिफरेन्स प्रयोगशाला सम्बन्धि कार्य
३. प्रयोगशाला सम्बन्धी तालीम एवं क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम
४. अन्तरीक एवं बाह्य प्रयोगशाला जांच विश्लेषण एवं क्षमता परीक्षणमा सहभागी हुने तथा गराउने
५. विश्लेषण विधि विकास तथा विधि प्रमाणिकरण (Method validation)कार्यक्रम
६. प्रयोगशाला एक्रिडिटेशन कार्यक्रम

घ) कोडेक्स (Codex) तथा इन्फोसान (INFOSAN) को फोकल प्वाइन्ट एवं सम्पर्क विन्दुको रूपका कार्य गर्ने

ङ) एस पी एस नेशनल इन्क्वारी प्वाइन्ट (SPS National enquiry Point) सम्बन्धि कार्य

४. खाद्यपदार्थको अनिवार्य गुणस्तर (Mandatory Food Standard)
५. दानापदार्थको अनिवार्य गुणस्तर (Mandatory Feed Standard)
६. Accredited Food Commodities and Parameters

7. STANDARD HEIGHT AND WEIGHT OF MEN AND WOMEN

| Height Feet /Inches | Men Kg | Women Kg | Maximum weight one may reach |
|---------------------|---------|----------|--|
| 5' | | 51 – 54 | Upto the age of 30 years 10% above standard Between 30-35 years Standard is optimum weight Above 35 years weight should be 10 % below standard |
| 5'1" | | 52 – 55 | |
| 5'2" | 56 - 60 | 53 – 57 | |
| 5'4" | 59 - 64 | 56 – 60 | |
| 5'5" | 61 - 62 | 58 – 61 | |
| 5'6" | 69 - 65 | 61 – 65 | |
| 5'7" | 64 - 69 | 62 – 67 | |
| 5'8" | 66 - 71 | 64 – 69 | |
| 5'9" | 68 - 73 | 66 – 70 | |
| 5'10" | 69 - 74 | 67 – 71 | |
| 5'11" | 71 - 76 | 69 – 74 | |
| 6' | 73 - 79 | | |
| 6'1" | 75 - 81 | | |
| 6'2" | 78 - 84 | | |
| 6'3" | 80 - 86 | | |

८. विभिन्न पौष्टिक तत्वहरूको दैनिक आवश्यकता तालिका

| समुह | शारीरिक तौल किलोग्राम | क्यालोरी | प्रोटिन ग्राम | चिल्लो वस्तु (ग्राम) | क्याल्सियम मिलिग्राम | फलाम मि.ग्रा. | भिटामिन ए | |
|----------------------|-----------------------|--------------------|-----------------|----------------------|----------------------|---------------|-----------------------|-----------------------|
| | | | | | | | रेटिनोल माइक्रो ग्राम | केरोटिन माइक्रो ग्राम |
| महिला मानिस | ५० | | | | | | ६०० | २४०० |
| सामान्य काम | | १,८७६ | ५० | २० | ४०० | ३० | | २४०० |
| मध्यम काम | | २,२२५ | ५० | | ४०० | ३० | | २४०० |
| भारी काम | | २९२५ | ५० | | ४०० | ३० | | २४०० |
| गर्भवती | ५४ | ३०० | १५ | ३० | १००० | ३८ | ६०० | २४०० |
| दुध खुवाउने | | ५५० | २५ | ४५ | १००० | ३० | ९५० | ३८०० |
| काखे बच्चा ०-६ महिना | ४.६ | १०४ प्रति किलो तौल | २.०५ प्रति किलो | | ५०० | | ३५० | १,२०० |
| ७-१२ | ७ | ९४ प्रति किलो तौल | १.६५ प्रति किलो | | ५०० | | ३५० | १,२०० |

9. Accredited Food Commodities and Parameters of National Food and Feed Reference Laboratory, Department of Food Technology Quality Control(DFTQC), Nepal by National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories (NABL), India on ISO/IEC 17025:2017

| S.N. | Commodities | Parameters |
|---|---|--|
| BIOLOGICAL TESTING | | |
| I Food and Agricultural Products | | |
| 1. | Fruits & Vegetable Products: Jam, Juice, Jelly, Pickles and candies | 1. Total Bacteria Count 2. Yeast and Mould Count 3. Coliform Count 4. Escherichia coli 5. Enterobacteriaceae |
| 2. | Bakery and Confectionery Products | |
| a. | Pulses and cereal Product: Instant Noodles, Biscuits and Infant Foods | 1. Total Bacteria Count 2. Yeast and Mould Count 3. Coliform Count 4. Escherichia coli 5. Enterobacteriaceae |
| 3. | Milk and Dairy Products | |
| a. | Fluid Milk, Skimmed Whole Milk Powder, Condensed Milk, Icecream and Yogurt Sweets | 1. Total Bacteria Count 2. Yeast and Mould Count 3. Coliform Count 4. Escherichia coli 5. Enterobacteriaceae |
| 4. | Processed Meat and Meat Products | 1. Total Bacteria Count 2. Yeast and Mould Count 3. Coliform Count 4. Escherichia coli 5. Enterobacteriaceae |
| II Water | | |
| 1 | Processed Drinking Water | 1. Total Bacteria Count 2. Yeast and Mould Count 3. Coliform Count |
| Chemical Testing | | |
| I Food and Agricultural Products | | |
| 1. | Fats and Oils | 1. Free fatty acid 2. Refractive index 3. Acid value 4. Peroxide value |

| S.N. | Commodities | Parameters |
|--------------------------------------|---|--|
| 2. | Fruits and Vegetables (Processed Products and Sweets) | 1. Total Soluble Solids (TSS) 2. Acidity 3. Sulphur Dioxide (SO ₂) 4. Benzoic Acid 5. Tartazine 6. Sunset Yellow |
| 3. | Spices and Condiments | |
| | Ginger, Cardamom and Turmeric | 1. Volatile Oils 2. Crude Fibre 3. Total Ash |
| 4. | Tea and Coffee | 1. Total Ash 2. Water Extract 3. Crude Fibre 4. Lead 5. Caffeine |
| 5. | Cereals and Cereal Products | 1. Moisture 2. Protein |
| 6. | Honey | 1. Moisture 2. Acidity as Formic acid 3. Hydroxymethyl furfural (HMF) |
| 7. | Milk and Milk Products | |
| a. | Processed Milk, Skimmed, Whole Milk Powder, Infant Foods and Condensed Milk | 1. Milk Fat 2. Moisture 3. Protein 4. Ash Content 5. Fat |
| 8. | Meat Products | 1. Sodium nitrite |
| II. Residues in Food Products | | |
| 1 | Fruits and Vegetables | Organochlorine Pesticides 1. Aldrin, SS 2. Alpha-BHC, SS 3. Alpha-Chlordane, SS 4. Beta, BHC, SS 5. Delta, BHC, SS 6. Dieldrin, SS 7. Endosulfan I (Alpha) 8. Endosulfan II(Beta), SS 9. Endosulfan Sulfate, SS 10. Endrin Aldehyde, SS 11. Endrin Ketone, SS 12. Endrin, SS |

| S.N. | Commodities | Parameters |
|------------|--|---|
| | | 13. Gamma-BHC (Lindane), SS 14. Gamma Chlorodane, SS 15. Heptachlor, 99%, SS 16. Heptachlor-epoxide 17. Isomer B, SS 18. 4, 4'- DDD, SS 19. 4, 4'- DDE, SS 20. 4, 4'- DDT 21. MethoxyChlor |
| | | Organophosphorus Pesticides 1. O,O,O- Timethylphosphorothioate 2. Thionazin 3. Sulfotep 4. Phorate 5. Dimethoate 6. Disulfoton 7. Parathion 8. Methyl Parathion 9. Famphur |
| 2 | Cereals and Cereal Products: Instant Noodles, Biscuits, Snacks | Mycotoxins 1. Total Aflatoxin 2. Aflatoxin B1 3. Aflatoxin G2 |
| | | Trace Elements 1. Zinc 2. Calcium 3. Magnesium 4. Iron |
| III | Water | |
| 1. | Processed Drinking Water | 1. pH 2. Hardness 3. Alkalinity 4. Chloride content |
| IV | Residues in Water | |
| 1. | Processed Drinking Water | Trace Metal Elements 1. Lead 2. Cadmium 3. Arsenic 4. Calcium 5. Copper 6. Iron 7. Magnesium 8. Zinc |

दानापदार्थको अनिवार्य गुणस्तर (Mandatory Feed Standard)

हालसम्म नेपाल सरकारले अनिवार्य गुणस्तर निर्धारण गरेका दानापदार्थहरूको विवरणः

| सि.नं. | दानापदार्थ समुह | संख्या | दानापदार्थको नाम |
|--------|-----------------------|--------|--|
| १. | फुलपाने कुखुराको दाना | ४ | चल्लाको, हुकंदो कुखुराको लगायतअन्तिमदाना |
| २. | ब्रोइलर कुखुराको दाना | ३ | ब्रोइलर कुखुराको शुरु लगायतअन्तिमदाना |
| ३. | गाई भैँसको दाना | १ | दुधदिने गाई भैँसको दाना |
| | जम्मा संख्या | ८ | |

श्रोतः खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग, २०७५

१४. फलफूल विरुवाहरूको सरकारी मूल्य सूची

विभिन्न फलफूल विरुवाहरूको सरकारी मूल्य सूची (मिति २०७०/११/१ बाट लागू हुने गरी)

(क) फलफूलको कलमी विरुवा

| सि.नं. | फलफूलको नाम | उमेर (वर्ष) | उचाई (फिट) | संसोधित मूल्य (रु.) |
|--------|--------------------|-------------|------------|---------------------|
| १ | स्याउ | २ | २-३ | ४० |
| २ | नासपाती | १-२ | २-३ | ४० |
| ३ | आरु | १-२ | १.५-३ | ३५ |
| ४ | आरुवखडा | १-२ | १.५-३ | ३५ |
| ५ | चेरी | १-२ | १.५-३ | ३५ |
| ६ | खुर्पानी | १-२ | १.५-२.५ | ३५ |
| ७ | कागजीवदाम | १-२ | १-२ | ३५ |
| ८ | हलुवावेद | १-२ | १.५-२.५ | ४० |
| ९ | कटुस | १-२ | १-२ | ४५ |
| १० | ओखर (दातेओखर) | १-२ | १-२ | ५० |
| ११ | पिकानट (चुच्चेओखर) | १-२ | १-२ | ५० |
| १२ | लप्सी | १-२ | २-४ | ५० |
| १३ | किवी | १-२ | १-२ | १०० |
| १४ | सुन्तला | १-२ | १.५-२.५ | ३५ |
| १५ | जुनार | १-२ | १.५-२.५ | ३५ |
| १६ | कागती | १-२ | १ | ३५ |
| १७ | निबुवा | १-२ | १-२ | ३५ |
| १८ | भोगटे | १-२ | १-२ | ३५ |

| सि.नं. | फलफूलको नाम | उमेर (वर्ष) | उचाई (फिट) | संसोधित मूल्य (रु.) |
|--------|-------------------------|-------------|------------|---------------------|
| १९ | चाक्सी | १-२ | १-२ | ३५ |
| २० | विमिरो | १-२ | १-२ | ३५ |
| २१ | किन्नो | १-२ | १.५-२.५ | ३५ |
| २२ | मुन्तला | १-२ | ०.७५-१.५ | ५० |
| २३ | आंप(अविहायात) | १-२ | १.५-३ | १०० |
| २४ | आंप (अम्रपाली, मल्लिका) | १-२ | १.५-३ | ७५ |
| २५ | आंप (अन्यजात) | १-२ | १.५-३ | ४५ |
| २६ | लिचि | १-२ | १-२ | ४० |
| २७ | केरा (तन्तुप्रजनन) | १ | १-२ | १५ |
| २८ | अम्वा | १-२ | १.५-२.५ | २५ |
| २९ | अमला | १-२ | १-२ | ३० |
| ३० | एभोकाडो | १-२ | १.५-३ | ४० |
| ३१ | सपोटा | १-२ | २ | ३० |
| ३२ | लौकाट | १-२ | १-२ | ३० |
| ३३ | जैतुन | १-२ | १-२ | ४० |
| ३४ | फीजुवा | १-२ | १-२ | २५ |
| ३५ | फ्लावरिङ्ग पिच | १-२ | १.५-३ | ३५ |

(ख) विभिन्न फलफूलको विजु विरुवा

| सि.नं. | फलफूलको नाम | उमेर (वर्ष) | उचाई (फिट) | संसोधित मूल्य (रु.) |
|--------|---------------------|-------------|------------|---------------------|
| १ | ओखर (दाँते) | १-३ | १-२ | २५ |
| २ | चुच्चे ओखर (पिकानट) | १-२ | १-२.५ | २५ |
| ३ | कागजी वदाम | १-२ | १.५-२.५ | २५ |
| ४ | कटुस | २ | १.५-२.५ | २५ |
| ५ | किवी | १-२ | १-२ | ५० |
| ६ | सुन्तला | १-२ | १.५-२.५ | २० |
| ७ | कागती | १-२ | १-१.५ | २० |
| ८ | निवुवा | १-२ | १-२ | २० |
| ९ | चाक्सी | १-२ | १-१.५ | २० |
| १० | रुखकटहर | १ | १-२ | २० |
| ११ | नरिवल | १-२ | १-२ | १२० |
| १२ | मेकाडेमियानट | १-२ | १-२ | ३० |
| १३ | एभोकाडो | १-२ | १-२ | २५ |
| १४ | सुपारी | १-२ | १-२ | २० |

| सि.नं. | फलफूलको नाम | उमेर (वर्ष) | उचाई (फिट) | संसोधित मूल्य (रु.) |
|--------|--------------------------|-------------|------------|---------------------|
| १५ | काजु | १-२ | १.५-२.५ | २० |
| १६ | मेवा स्थानीय(पोलिब्याग) | ६महिना | १-१.५ | १० |
| १७ | मेवा वर्णशंकर(पोलिब्याग) | ६ महिना | १-१.५ | १५ |
| १८ | अमला | १-२ | १-२ | १० |
| १९ | सरीफा | १-२ | १-२ | १० |
| २० | काफल | १-२ | १-२ | १० |
| २१ | कफी | ८ महिना | १-२ | १० |
| २२ | कफी (पोलिब्याग) | | १-२ | १५ |
| २३ | अम्बा | १-२ | १-२ | १० |
| २४ | बयर | १-२ | १-२ | १० |
| २५ | बेल | १-२ | १-२ | १० |
| २६ | जैतुन | १-२ | १-२ | १० |

(ग) विभिन्न फलफूलको कटिङ्ग(जरावाल) विरुवा

| सि.नं. | फलफूलको नाम | उमेर (वर्ष) | लम्बाई (फिट) | संसोधित मूल्य (रु.) |
|--------|-----------------------------------|-------------|--------------|---------------------|
| १ | अनार | १ | १.५-२.५ | ५० |
| २ | अंगुर | १ | १.५-२.५ | १५ |
| ३ | अंजिर | १ | १.५-२.५ | १५ |
| ४ | हेजलनट | १-२ | १.५-२.५ | १५ |
| ५ | जैतुन | १-२ | १-२ | २० |
| ६ | भुईँसेलु(स्ट्रबेरी) रनर पोलीब्याग | ३-६ महिना | १ | १५ |
| ७ | भुईँकटहर | ४ महिना | ०.७५-१.५ | १० |
| ८ | केरा(सकर्स) | ३-६ महिना | १-२ | १५ |

(घ) स्क्रिनघर (Screen House) भित्र उत्पादित प्रमाणीकरण गरेको सुन्तलाजात फलफूलको कलमी विरुवा

| सि.नं. | फलफूलको नाम | उमेर (वर्ष) | उचाई (फिट) | संसोधित मूल्य (रु.) |
|--------|-------------|-------------|------------|---------------------|
| १ | सुन्तला | १.५-२.५ | १.५-२.५ | १२५ |
| २ | जुनार | १.५-२.५ | १.५-२.५ | १२५ |

(ङ) फलफूलको रुटस्टक विरुवा

| सि.नं. | फलफूलको नाम | उमेर (वर्ष) | उचाई (फिट) | संसोधित मूल्य (रु.) |
|--------|-------------|-------------|------------|---------------------|
| १ | स्याउ | १-२ | १.५-२.५ | १० |
| २ | इडी मयल | १-२ | १-२ | १० |

| सि.नं. | फलफूलको नाम | उमेर (वर्ष) | उचाई (फिट) | संसोधित मूल्य (रु.) |
|--------|-----------------|-------------|------------|---------------------|
| ३ | क्रेब एप्पल | १-२ | १-१.५ | १० |
| ४ | हाडे ओखर | १-२ | १-२ | १५ |
| ५ | हलुवावेद | १-२ | १-२ | १० |
| ६ | चेरी | १-२ | १.५-३ | १० |
| ७ | तिनपाते सुन्तला | १-२ | १-१.५ | १० |
| ८ | लप्सी | १ | १.५-२.५ | १५ |
| ९ | सिट्रेन्ज | २ | १-१.५ | १० |
| १० | ज्यामिर | १-२ | १-१.५ | १० |
| ११ | आंप | १-२ | १-२ | १० |
| १२ | किवी | १ | १-१.५ | ३० |
| १३ | आरु (स्थानीय) | १-२ | १-१.५ | १० |
| १४ | जैतुन | १ | १-१.५ | १० |

१५. राष्ट्रिय आलु तरकारी तथा मसलावाली विकास केन्द्र, सुमलटार अन्तरगतका सरकारी फार्म र केन्द्रमा उत्पादित तरकारी बीउको मूल्य-सूची

(मिति २०६७/५/३१ मा निर्धारण गरिएको)

| क्र. सं. | तरकारी | जात | प्रति के.जी. मूल्य (रु.) | |
|----------|------------|-------------------|--------------------------|----------|
| | | | मूलबीउ | उन्नतबीउ |
| १ | काउली | काठमाण्डौ स्थानीय | १५४० | ७२० |
| | | डोल्पाली स्मोबल | १५४० | ७२० |
| | | किबो जाइन्ट | १५४० | ८०० |
| | | सर्लाही दिपाली | १५४० | ७१५ |
| | | ज्यापू | २००० | १००० |
| २ | बन्दा | सबै जात (O.P.) | १००० | ७१५ |
| ३ | ब्रोकाउली | सबै जात (O.P.) | १५४० | ७१५ |
| ४ | ग्याँठकोपी | व्हाईट भियाना | १५४० | ७१५ |
| ५ | मूला | मिनो अर्लि | ५०० | ३०० |
| | | चालिस दिने | ५०० | ३०० |
| | | प्युठाने रातो | ५०० | ३०० |
| | | व्हाईट नेक | ५०० | ३०० |
| | | टोकिनासी | ८०० | ६०० |
| ६ | सलगम | पर्पलटप | ५०० | २५० |
| | | काठमाण्डौ रातो | ६०० | २५० |
| ७ | गाजर | न्यू कुरोडा | १४०० | १००० |
| | | नान्तीस | १४०० | ६५० |

| क्र. सं. | तरकारी | जात | प्रति के.जी. मूल्य (रु.) | |
|----------|--------------|------------------------|--------------------------|----------|
| | | | मूलबीउ | उन्नतबीउ |
| ८ | चुकन्दर | स्थानीय | १५०० | २०० |
| ९ | चम्सुर | स्थानीय | १५०० | १५० |
| १० | पालुङ्गो | पाटने | १००० | २५० |
| | | हरियो | १००० | २०० |
| ११ | रायो | मार्फा चौडा पात | १५०० | ६०० |
| | | खुमल चौडा पात | १००० | ३०० |
| | | खुमल रातो पात | १००० | ३०० |
| | | मनकामना | १००० | ५०० |
| | | ताङ्खुवा | १००० | ३०० |
| | | बालाजु लोकल | १००० | ३०० |
| १२ | स्वीसचाई | सुसाग | ७३५ | ३०० |
| १३ | जिरीको साग | ग्रेट लेक | ७३५ | २०० |
| १४ | बकुल्ला | स्थानीय | ५०० | २०० |
| १५ | लहर सिमी | त्रिशुली | ५०० | ३०० |
| | | चौमासे | ५०० | ३०० |
| १६ | इयाङ्गे सिमी | कन्टेण्डर | ५०० | २०० |
| | | प्रोभाईडर | ५०० | २०० |
| १७ | तने बोडी | खुमल तने/सर्लाही तने | ५०० | २०० |
| १८ | केराउ | आर्केल | ५०० | १५० |
| | | एन.एल.पि. | ५०० | १५० |
| | | सिक्किम लोकल | ५०० | ३०० |
| १९ | स्कवास | ग्रे जुकिनी | ३००० | १५०० |
| २० | काँक्रो | भक्तपुर स्थानीय/कुसुले | ५००० | ३००० |
| २१ | धिरौला | कान्तिपुरे/पुसा चिल्लो | ३००० | २१५० |
| २२ | चिचिण्डो | स्थानीय | २००० | १५०० |
| २३ | करेला | कोयम्बटुर लङ्गा | ३००० | १५०० |
| | | पुषा दोमौसमी | ३००० | १२०० |
| २४ | फर्सि | स्थानीय | २००० | १२०० |
| २५ | लौका | स्थानीय | ३००० | २००० |
| | | पि.एस.पि.एल. | ३००० | १५०० |
| २६ | कुभिण्डो | स्थानीय | २००० | १२०० |
| २७ | तरबुजा | सुगर बेबी | ३००० | १५०० |
| २८ | खरबुजा | स्थानीय | ३००० | १५०० |
| २९ | पियो खुसानी | सबै जात (O.P.) | ३००० | २००० |
| | | अकबरे | ६००० | ५५०० |

| क्र. सं. | तरकारी | जात | प्रति के.जी. मूल्य (रु.) | |
|----------|----------------|------------------------|--------------------------|----------|
| | | | मूलबीउ | उन्नतबीउ |
| ३० | भेंडे खुर्सानी | क्यालिफोर्निया वण्डर | ९०५० | ४१०० |
| ३१ | भण्टा | सबै जात (O.P.) | ९७०० | १५०० |
| ३२ | गोलभेंडा | मनप्रेकस | ९७०० | २००० |
| | | सबै जात (O.P.) | ९७०० | ३५०० |
| | | हाइब्रिड सिंजना | | १०५००० |
| ३३ | रामतोरिया | सबै जात (O.P.) | ६०० | ३०० |
| ३४ | मेथी | कसुरी | १००० | ४०० |
| | | स्थानीय | १००० | ४०० |
| ३५ | धनिया | स्थानीय | ५०० | ३०० |
| ३६ | सुप | स्थानीय | ७०० | ४०० |
| ३७ | प्याज | रेड क्रियोल | २००० | ११०० |
| | | नासिक रेड | १००० | ५०० |
| | | नासिक ५३ | १००० | ४०० |
| | | एग्री फाउण्ड डार्क रेड | २००० | १००० |
| ३८ | कुरिलो | मेरी वाशिङ्गटन स्थानीय | ४००० | २००० |
| ३९ | चाइनिज बन्दा | सबै जात (O.P.) | १००० | ६०० |
| ४० | आलुको बीयाँ | टि.पि.एस. | - | २५००० |
| ४१ | अदुवा | सबै जात | - | १०० |
| ४२ | बेसार | सबै जात | - | १०० |
| ४३ | अलैंची | सबै जात | - | १५००० |

१६. किसान कल सेन्टर

सार्वजनिक कृषि प्रसार सेवा मात्र १५% प्रतिशत किसानको पहुँचमा रहेको वर्तमान अवस्थामा कृषिमा आश्रित देशका झण्डै दुई तिहाई किसानहरूको जीवनस्तर सुधारी कृषि पेशालाई मर्यादित र सम्मानजनक बनाउन कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व बढाउनु अपरिहार्य छ । खाद्य सुरक्षा राष्ट्रिय र अन्तराष्ट्रिय सरोकारको विषय हुनुका साथै खाद्य सुरक्षा जनताका नैसर्गिक अधिकार समेत भएको सन्दर्भमा परम्परागत कृषि प्रणालीलाई सूचना प्रविधि र विज्ञानमा आधारित व्यवसायमा विकास गर्न र आधुनिक संचार माध्यमको प्रयोग मार्फत विषय विशेषज्ञको सल्लाह अनुसार कृषि व्यवसाय संचालन एवं कृषिका वाली वस्तु आदिमा लामे विभिन्न रोगहरू एवं समस्या समाधान गर्ने, गराउने अभिप्रायले आ.व. २०७२/०७३ मा किसान कल सेन्टरको स्थापना तथा संचालन गरिएको हो ।

उद्देश्य

- (१) किसान र कृषि व्यवसायीका वाली, पशुवस्तुहरू तथा व्यवसाय सम्बन्धी समस्याहरूलाई टेलिफोन सम्पर्क मार्फत विषय विशेषज्ञको सल्लाह बमोजिम समाधान गर्ने ।
- (२) सूचना प्रवाहमा भौगोलिक विकटताले पारेको असरलाई न्यून पारी न्यायपूर्ण सेवा प्रवाह प्रणाली स्थापना गर्ने ।

कार्यहरू

- (१) कृषि उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने प्रविधि बारे कृषक/कृषि, उद्यमी/कृषि, व्यवसायी/कृषि प्रसार कार्यकर्ता एवम् अन्य सरोकारवालाहरूलाई जानकारी गराउने ।
- (२) कृषि उपजहरूको सम्भाव्य बजारका बारेमा जानकारी गराउने ।
- (३) कृषिमा आधारित संरक्षण एवं प्रशोधन प्रविधीहरूबारे जानकारी गराउने ।
- (४) अवकाशप्राप्त कृषि प्राविधिक, विश्वविद्यालयका विज्ञ एवं अनुसन्धानकर्ताको ज्ञान सीपलाई किसान समक्ष पुर्याउने ।
- (५) कृषि प्रसार सेवालाई व्यापकता दिने ।
- (६) कृषकहरूबाट गुनासो संकलन गर्न आवश्यक व्यवस्था मिलाउने ।

किसान कल सेन्टर टोल फ्रि नम्बर: १६६००१९५०००

निम्न तालिका अनुसारको विषयमा आफ्ना जिज्ञासाहरू राख्न सक्नुहुनेछ ।

| बार | विषय | समय |
|---------|--|---------------------|
| आइतबार | खाद्यान्नवाली, मौरी, रेशम, च्याउ, बाली संरक्षण सम्बन्धि | दिउँसो ११ बजेदेखि ४ |
| मंगलबार | तरकारी, फलफूल, माटो र वजार सम्बन्धि | बजेसम्म |
| बिहीबार | माछा, पशुपालन, पन्छीपालन, उत्पादन प्रविधि, घाँस चरण व्यवस्थापन | |

नोट: अन्य बारहरूमा पनि सम्पर्क राखी आफ्ना जिज्ञासाहरू टिपाउन सक्नुहुनेछ ।

27. SOME IMPORTANT FORMULAE

Fertilizer Dose Calculation :

- Kilogram per Hectare = $\frac{R \times L}{N} \times 100$
- Kilogram per Ropani = $\frac{R \times L}{N} \left(\frac{100}{20} \right)$
- Kilogram per Katha = $\frac{R \times L}{N} \left(\frac{100}{30} \right)$

Where R = Recommended dose of fertilizers

L = Land area

N = Nutrient content in fertilizer materials

Seeds Purity and Germination

$$TV = \frac{G \times P}{100}$$

TV = True value

G = Germination capacity

P = Purity

- Seed Germination % = $\frac{\text{Number of seeds germinated}}{\text{Number of seeds put for germination}} \times 100$
- Amount of seed required (kg) = $\frac{\text{seed rate (kg/ha)} \times \text{Area in sq.m.}}{\% \text{ germination} \times \% \text{ filled grains}}$
- Grain yield (Y) = $\frac{\text{Grain wt.}}{\text{Area}}$
- Adjusted Grain Yield (Weight) = A x Y

Where A = $\frac{100 - M}{86}$

Where M = moisture contained in percentage of grain weight (usually taken at 14% in rice)

Live Weight Estimation :

- Cattle / Buffalo
Live weight (lbs) = $\frac{(\text{girth inch})^2 \times \text{body length (inch)}}{300}$

In kg (LW) = 1.74 x body length (cm) + 1.05 x girth (cm) - 71.1

- Goat

$$\text{LW (Kg)} = \frac{(\text{girth cm})^2 \times \text{body length (cm)}}{10,500}$$

- Sheep

$$\text{LW (Kg)} = \frac{(\text{girth cm})^2 \times \text{body length (cm)}}{12,000}$$

Dry Matter (Animal Nutrition)

- % DM = $\frac{\text{Wet weight} - \text{Dry weight}}{\text{Wet weight}} \times 100$
- % Moisture = $\frac{\text{Wet weight} - \text{Dry weight}}{\text{Wet weight}} \times 100$
- Digestibility of nutrient = $\frac{\text{Kg nutrient eaten} - \text{Kg in faeces}}{\text{Kg nutrient eaten}} \times 100$
- Protein efficiency ratio (PER) = $\frac{\text{Weight gain (gm)}}{\text{Protein intake (gm)}}$
- Biological value (BV) = $\frac{\text{Retained Nitrogen}}{\text{Absorbed Nitrogen}} \times 100$

- Net protein utilization (NPU) =
$$\frac{\text{Re tained Nitrogen}}{\text{Intake of N}} \times 100$$

$$\text{Degradability of dietary protein} = 1 - \frac{\text{Dietary protein entering duodenum}}{\text{Total dietary protein intake}}$$

Pesticide Application Formulae

$$\text{WP required (kg)} = \frac{\% \text{ a.i. desired} \times \text{specified spray volume (liters)}}{\% \text{ a.i. in WP}}$$

$$\text{Liters of EC required} = \frac{\% \text{ a.i. desired} \times \text{specified spray volume (liters)}}{\% \text{ a.i. in commercial EC}}$$

$$\text{Weight of WP, dust or granules required (Kg)} = \frac{\text{Recommended rate (kg/ha)} \times \text{Area (ha)} \times 100}{\% \text{ a.i. in WP, dust or granules}}$$

$$\text{Weight of WP, dust or granules required (Kg)} = \frac{\text{Re commended rate (kg/ha)} \times \text{Area (sq.m.)}}{\% \text{ a.i. in WP, dust or granules} \times 100}$$

$$\text{Liters EC required} = \frac{\text{Re commended rate (kg/ha)} \times \text{Area (ha)} \times 100}{\% \text{ a.i. in commerial EC}} \text{ or}$$

$$\text{Liters EC required} = \frac{\text{Re commended rate (kg/ha)} \times \text{Area (sq m)}}{\% \text{ a.i. in commerial EC} \times 100}$$

Where, WP = Wettable Powder

EC = Emulsifiable Concentrate

a.i. = Active Ingredient

Valuation of cost and benefits of a project

- Annual Depreciation of Capital Equipment

$$D = \frac{a - b}{c}$$

Where, a = Original cost

b = Junk value

c = Expected life of asset (useful years).

- Depreciation (Sinking Fund Method)

$$D = \frac{R(C - S)}{(1 + R)^N - 1}$$

Where, D = Rate of depreciation per year

R = Rate of interest on accumulated fund

C = Total cost of machine

S = Scrap value

N = No. of years of life of machine

- Discounting Income $PV \frac{q}{(1+r)^n}$

Where, Pv = Present Value of the future amount

q = Amount to be spent at a future date

r = Rate of interest

n = Number of years in future when money is to be spent

$$\text{Net Present Value (NPV)} = \sum_{t=1}^{t_n} \frac{Bt - Ct}{(1+i)^t}$$

Where, B_t = Benefits in each year (benefits at year t)

C_t = Costs in each year or at year t

t = 1,2,.....n (number of years)

i = Interest rate or discount rate

- Internal Rate of Return (IRR) = $Li + \frac{(Hi - Li)NPVatLi}{NPVatLi - NPVatHi}$

Where Hi = higher discount rate

Li = Lower discount rate.

रूपान्तरण तालिका

नाप

| | | | |
|----------|---------------|--------|----------------|
| १ से.मी. | = १० मि.मी. | १ फूट | = १२ इन्च |
| १ मीटर | = १०० से.मी. | | = ३०.४८ से.मी. |
| | = ३९.३७ इन्च | १ गज | = ३ फूट |
| १ कि.मी. | = १००० मीटर | | = ९१.४४ से.मी. |
| १ इन्च | = २.४५ से.मी. | १ माइल | = १७६० गज |
| | | | = १.६ कि.मी. |
| | | | = ८ फर्लाड |

तौल

| | | | |
|------------|-----------------|----------|------------------|
| १ ग्राम | = १००० मि.ग्रा. | १ मे. टन | = १० क्विन्टल |
| १ कि.ग्रा. | = १००० ग्राम | १ मन | = ३७.३२ कि.ग्रा. |
| | = २.२ पाउण्ड | | = ४० सेर |
| १ पाउण्ड | = १६ औंस | १ धानी | = २.२७ कि.ग्रा. |
| १ औंस | = २८.३५ ग्राम | | = ५ पाउण्ड |

